



Yash mahesh mahajan

08 Jan 2016

07:30 PM

Dhule

Model: Brihat-Parashar-Patrika

Order No: 121193301

सूचना

ज्योतिष एक विज्ञान है जिसके अंतर्गत ग्रहों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है। इसके प्रभावों की भविष्यवाणी करने हेतु ग्रहों की स्थिति एवं इसके बल की गणना की जाती है। जन्मपत्रिकाओं की गणना अति सटीक है जिसमें बिल्कुल सही रेखांश प्रयुक्त हुए हैं। सामान्य तौर पर इसमें चित्रापक्षीय अयनांश का प्रयोग किया जाता है जबतक कि आप दूसरे अयनांश का विकल्प न मांगें।

कम्प्यूटर जन्मपत्रिकाएं मुख्य रूप से पाराशरी पद्धति पर आधारित है। हालांकि इसमें ताजिक पद्धति, जैमिनी पद्धति, कृष्णमूर्ति पद्धति, प्रश्नशास्त्र एवं पाश्चात्य पद्धतियों का भी ज्योतिषीय गणना में मिश्रण किया गया है। फलादेश मुख्य रूप से विभिन्न प्राचीन शास्त्रों जैसे बृहत् पराशर, होराशास्त्र, मानसागरी, सारावली, जातकभरणम, बृहत् जातक, फलदीपिका, जातक पारिजात के अनुरूप, साथ ही अपने अनुभवों का भी समावेश करके बनाया गया है। फिर भी, ज्योतिष का मार्गदर्शन लेकर हम अपने भविष्य का संकेत मात्र प्राप्त कर सकते हैं। सिर्फ सृष्टि के निर्माता ब्रह्मा ही यह भविष्यवाणी कर सकते हैं कि आनेवाले समय में क्या घटित होगा ?

यह जन्मपत्रिका जन्म तिथि, जन्म समय एवं जन्म स्थान पर आधारित है जो कि जातक ने हमें उपलब्ध कराया है। अतः आंकड़ों की सटीकता से संबंधित हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं है। ज्योतिषीय गणना एवं फलादेश जातक द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के ऊपर आधारित है। जन्मपत्रिका में दिए गए फलादेश जातक के लिए सिर्फ संकेत मात्र है जिस पर जातक को सावधानीपूर्वक अमल करना चाहिए न कि हूबहू जैसा फलादेश में कहा गया है, बिना सोचे समझे उसे अपने जीवन में लागू करने की कोशिश करनी चाहिए। जन्मपत्रिका के विभिन्न पृष्ठों में दी गयी सूचनाएं किसी भी प्रकार के विवाद अथवा वैधानिक कार्यवाही के लिए उपयुक्त नहीं है। अतः जातक की स्वयं की कार्यवाही से उत्पन्न हुए किसी भी क्षति के लिए हम उत्तरदायी नहीं है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 08/01/2016
दिन _____: शुक्रवार
जन्म समय _____: 19:30:00 घंटे
इष्ट _____: 30:50:46 घटी
स्थान _____: Dhule
राज्य _____: Maharashtra
देश _____: India

अक्षांश _____: 20:54:15 उत्तर
रेखांश _____: 74:46:29 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:30:54 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 18:59:06 घंटे
वेलान्तर _____: -00:06:23 घंटे
साम्पातिक काल _____: 02:09:22 घंटे
सूर्योदय _____: 07:09:41 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:05:12 घंटे
दिनमान _____: 10:55:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शिशिर
सूर्य के अंश _____: 23:37:56 धनु
लग्न के अंश _____: 13:10:48 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी _____: धनु - गुरु
नक्षत्र-चरण _____: मूल - 2
नक्षत्र स्वामी _____: केतु
योग _____: ध्रुव
करण _____: विष्टि
गण _____: राक्षस
योनि _____: श्वान
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मृग
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: यो-योगेश
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मकर



FUTUREPOINT
Astro Solutions



पंचांग

दादा का नाम _____ :
 पिता का नाम _____ :
 माता का नाम _____ :
 जाति _____ :
 गोत्र _____ :

कैलेंडर	वर्ष	मास	तिथि/प्रविष्टे
राष्ट्रीय	शक : 1937	पौष	18
पंजाबी	संवत : 2072	पौष	24
बंगाली	सन् : 1422	पौष	23
तमिल	संवत : 2072	मार्गड़ी	24
केरल	कोल्लम : 1191	धनु	23
नेपाली	संवत : 2072	पौष	24
चैत्रादि	संवत : 2072	पौष	कृष्ण 13
कार्तिकादि	संवत : 2072	मार्गशीर्ष	कृष्ण 13

पंचांग

सूर्योदय कालीन तिथि _____ : 13
 तिथि समाप्ति काल _____ : 08:13:47
 जन्म तिथि _____ : 14
 सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____ : ज्येष्ठा
 नक्षत्र समाप्ति काल _____ : 09:47:16 घंटे
 जन्म योग _____ : मूल
 सूर्योदय कालीन योग _____ : वृद्धि
 योग समाप्ति काल _____ : 15:39:04 घंटे
 जन्म योग _____ : ध्रुव
 सूर्योदय कालीन करण _____ : वणिज
 करण समाप्ति काल _____ : 08:13:47 घंटे
 जन्म करण _____ : विष्टि
 भयात _____ : 24:16:51
 भभोग _____ : 60:33:20
 भोग्य दशा काल _____ : केतु 4 वर्ष 2 मा 17 दि

घात चक्र

मास _____ : श्रावण
 तिथि _____ : 3-8-13
 दिन _____ : शुक्रवार
 नक्षत्र _____ : भरणी
 योग _____ : वज्र
 करण _____ : तैतिल
 प्रहर _____ : 1
 वर्ग _____ : सिंह
 लग्न _____ : धनु
 सूर्य _____ : तुला
 चन्द्र _____ : मीन
 मंगल _____ : वृश्चिक
 बुध _____ : सिंह
 गुरु _____ : धनु
 शुक्र _____ : कुम्भ
 शनि _____ : कन्या
 राहु _____ : कुम्भ

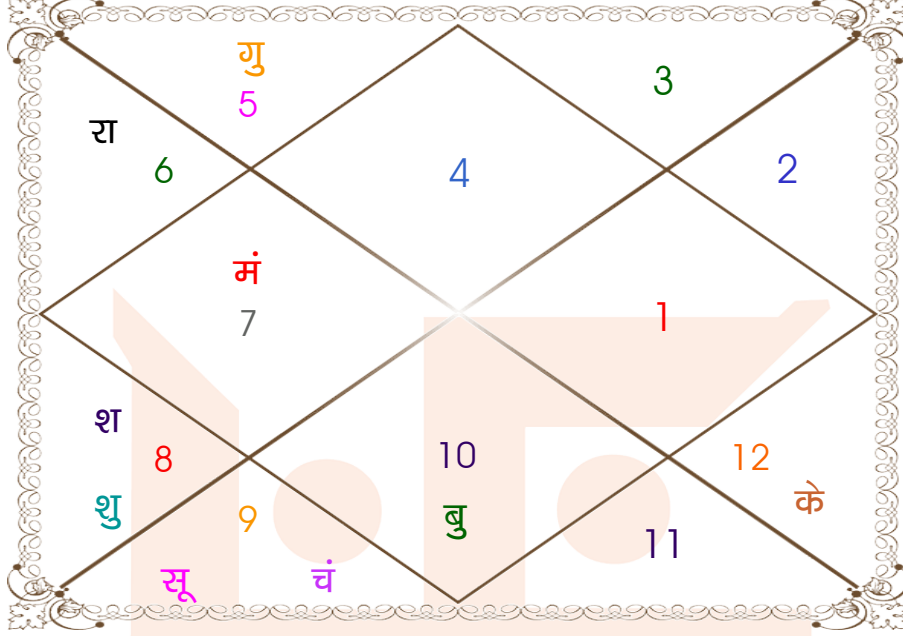


FUTUREPOINT
 Astro Solutions

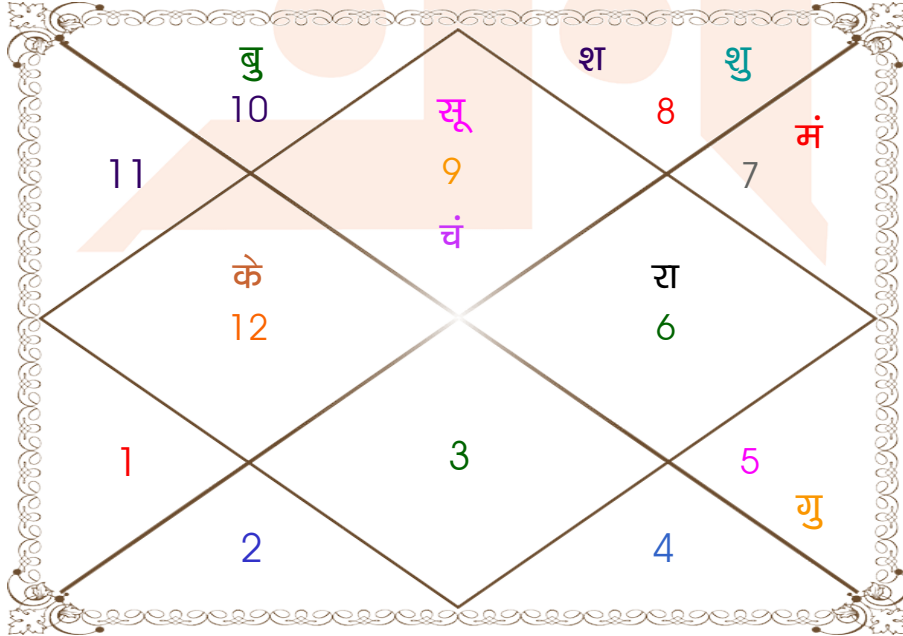


जन्म कुण्डली

लग्न कुंडली



चन्द्र कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुंडली

के			
			ल
बु			गु
चं सू	श शु	मं	रा

लग्न कुंडली

		के
ल		
गु		बु
रा	मं	सू चं शु श

विंशोत्तरी
केतु 4वर्ष 2मा 17दि
केतु

08/01/2016

28/03/2133

केतु	26/03/2020
शुक्र	26/03/2040
सूर्य	27/03/2046
चन्द्र	26/03/2056
मंगल	27/03/2063
राहु	27/03/2081
गुरु	27/03/2097
शनि	27/03/2116
बुध	28/03/2133

योगिनी
उल्का 3वर्ष 7मा 10दि
सिद्धा

19/08/2019

19/08/2026

सिद्धा	29/12/2020
संकटा	20/07/2022
मंगला	29/09/2022
पिंगला	18/02/2023
धान्या	19/09/2023
भ्रामरी	29/06/2024
भद्रिका	19/06/2025
उल्का	19/08/2026



FUTUREPOINT
Astro Solutions



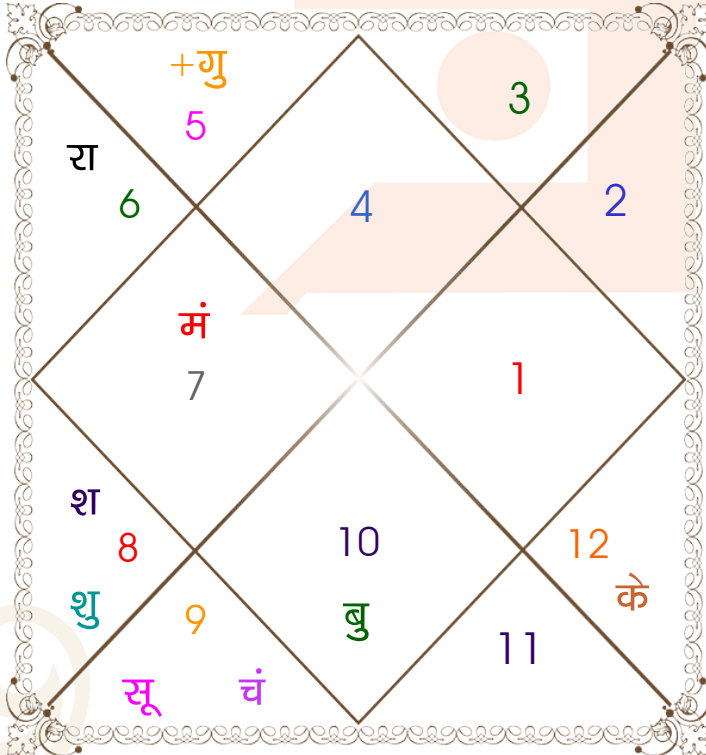
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	13:10:48	319:58:58	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	राहु	---
सूर्य			धनु	23:37:56	01:01:10	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	मित्र राशि
चंद्र			धनु	05:18:26	13:10:49	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	सम राशि
मंगल			तुला	08:38:57	00:32:40	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
बुध	व		मक	06:03:49	00:35:41	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
गुरु	व		सिंह	29:09:25	00:00:05	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	17:12:30	01:13:14	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	सम राशि
शनि			वृश्चि	17:52:07	00:06:13	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		कन्या	00:07:18	00:12:12	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	00:07:18	00:12:12	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	मूलत्रिकोण
हर्ष			मीन	22:33:19	00:00:42	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	---
नेप			कुंभ	13:39:23	00:01:37	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	---
प्लूटो			धनु	21:13:49	00:02:05	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
दशम भाव			मेष	10:31:42	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	शनि	--

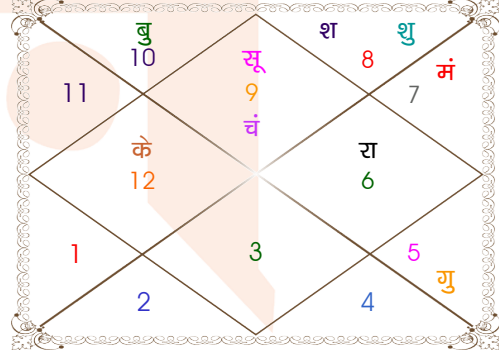
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:04:50

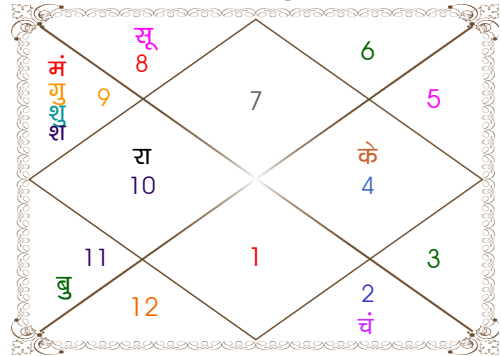
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



चलित तथा निरयण भाव चलित

चलित अंश

भाव	भाव संधि	भाव मध्य
1	मिथुन 27:44:17	कर्क 13:10:48
2	कर्क 27:44:17	सिंह 12:17:46
3	सिंह 26:51:15	कन्या 11:24:44
4	कन्या 25:58:13	तुला 10:31:42
5	तुला 25:58:13	वृश्चिक 11:24:44
6	वृश्चिक 26:51:15	धनु 12:17:46
7	धनु 27:44:17	मकर 13:10:48
8	मकर 27:44:17	कुम्भ 12:17:46
9	कुम्भ 26:51:15	मीन 11:24:44
10	मीन 25:58:13	मेष 10:31:42
11	मेष 25:58:13	वृष 11:24:44
12	वृष 26:51:15	मिथुन 12:17:46

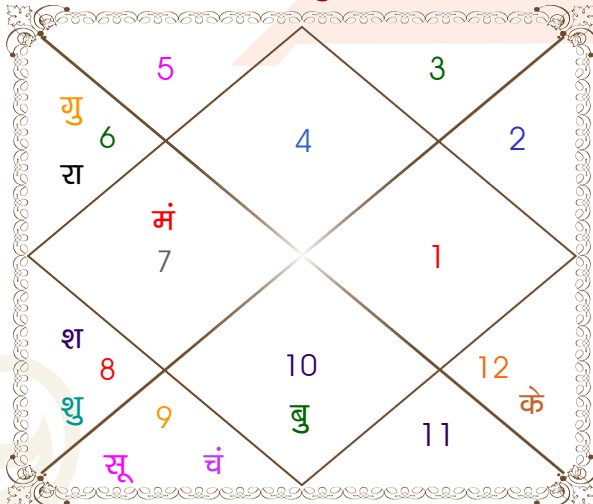
निरयण भाव चलित

भाव	राशि	अंश
1	कर्क	13:10:48
2	सिंह	08:59:32
3	कन्या	08:20:08
4	तुला	10:31:42
5	वृश्चिक	12:57:57
6	धनु	13:50:20
7	मकर	13:10:48
8	कुम्भ	08:59:32
9	मीन	08:20:08
10	मेष	10:31:42
11	वृष	12:57:57
12	मिथुन	13:50:20

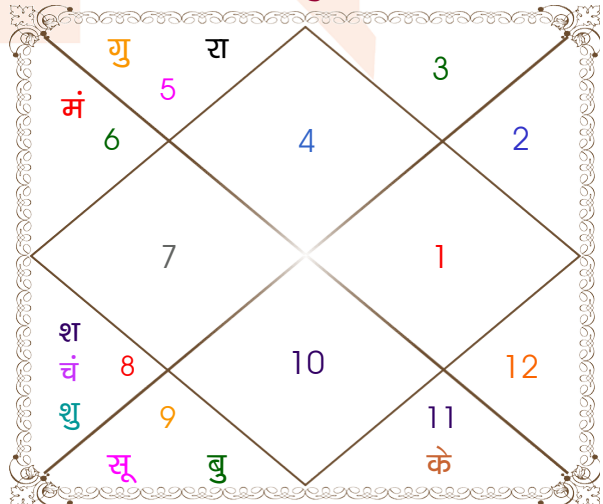
तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
मूल	पूर्वाषाढा	उत्तराषाढा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू०भाद्रपद	उ०भाद्रपद	रेवती
अश्विनी	भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा
मघा	पू०फाल्गुनी	उ०फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा

चलित कुंडली



भाव कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



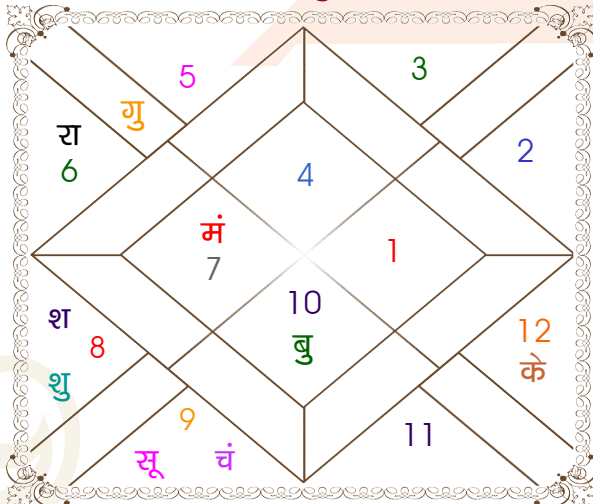
कारक, अवस्था, रश्मि

ग्रह	----- कारक -----	----- अवस्था -----	
	चर	स्थिर	बालादि दीप्तादि शयनादि रश्मि ग्रह बल
सूर्य	अमात्य	पितृ	वृद्ध मुदित भोजन 4.09 25 %
चंद्र	कलत्र	मातृ	बाल शक्त भोजन 0.81 55 %
मंगल	पुत्र	भातृ	कुमार शक्त आगम 2.35 39 %
बुध	ज्ञाति	ज्ञाति	वृद्ध शान्त गमन 2.30 46 %
गुरु	आत्मा	धन	मृत मुदित गमन 4.89 68 %
शुक्र	मातृ	कलत्र	युवा शक्त गमन 2.68 54 %
शनि	भातृ	आयु	युवा खल गमन 4.23 55 %
राहु	---	ज्ञान	मृत स्वस्थ गमन 0.00 77 %
केतु	---	मोक्ष	मृत स्वस्थ उपवेशन 0.00 77 %
कुल			21.35

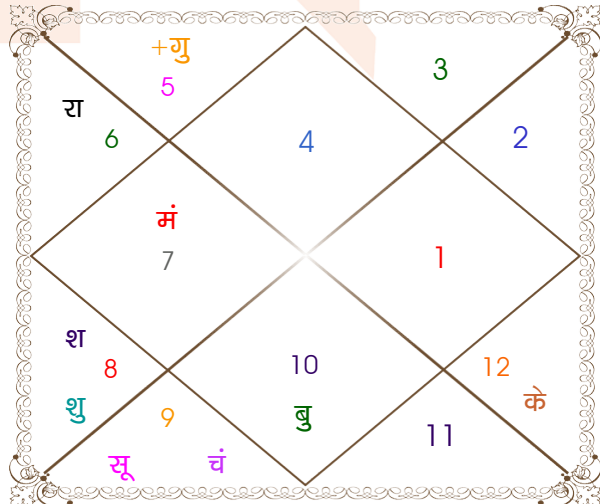
तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
मूल	पूर्वाषाढा	उत्तराषाढा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू०भाद्रपद	उ०भाद्रपद	रेवती
अश्विनी	भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा
मघा	पू०फाल्गुनी	उ०फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा

चलित कुंडली



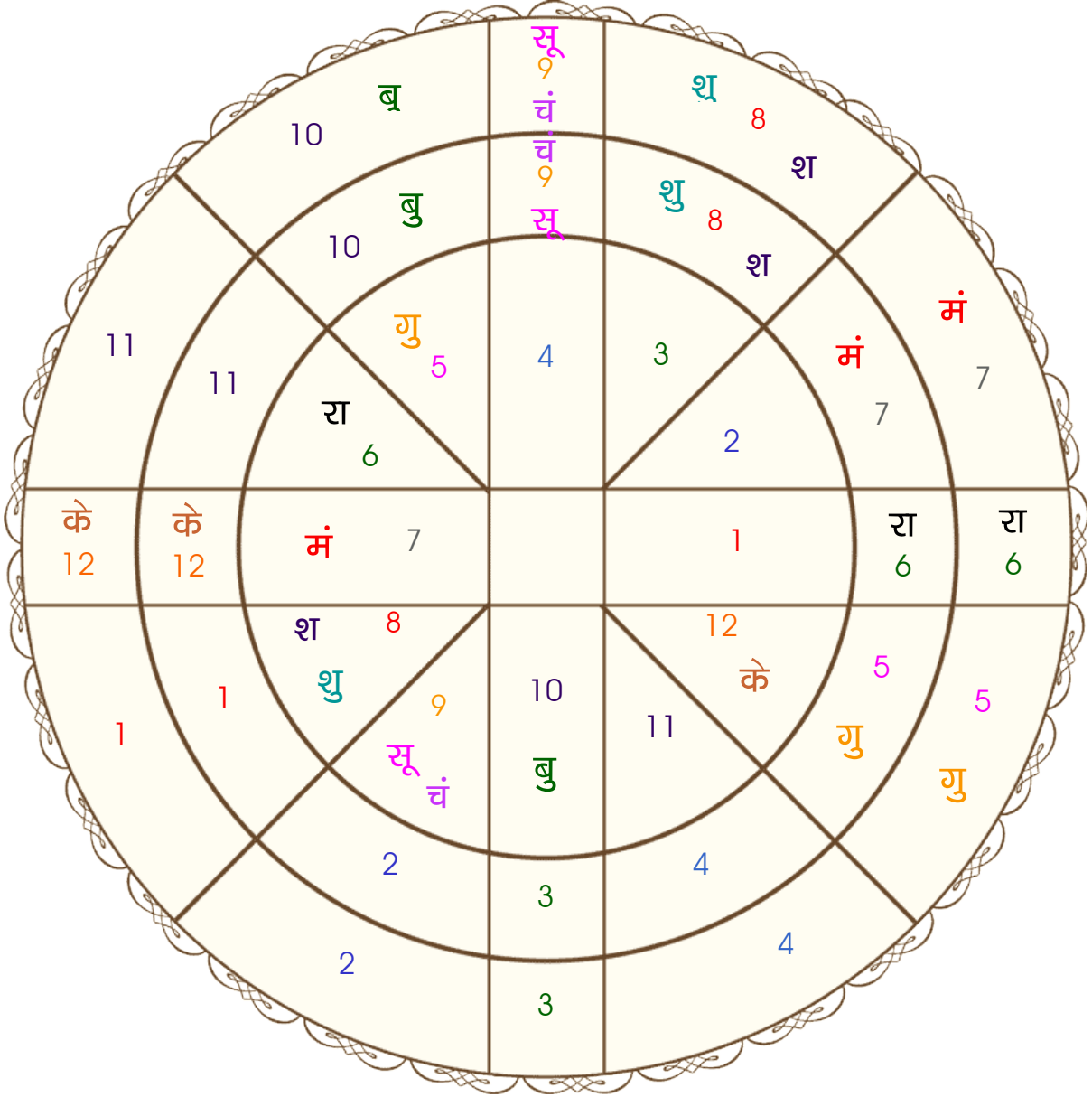
लग्न-चलित



FUTUREPOINT
Astro Solutions



सुदर्शन चक्र



नोट: सुदर्शन चक्र क्रमानुसार बाहरी वृत्त से अन्तः वृत्त तक सूर्य, चन्द्र एवं जन्मांग कुंडलियों में ग्रहों की तुलनात्मक स्थिति दर्शाता है। किसी भाव का विचार करने के लिए उस भाव को प्रकट करने वाली तीनों राशियों का विचार करना चाहिए।

कृष्णमूर्ति पद्धति

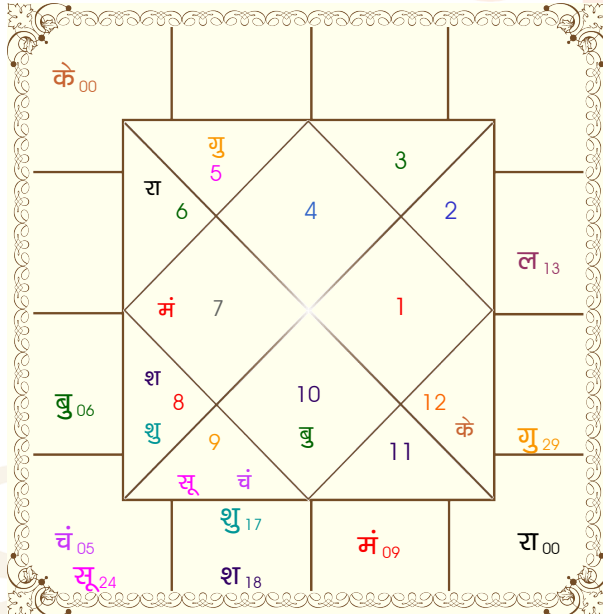
भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 1 मास 27 दिन

ग्रह							निरयण भाव						
ग्रह	व	राशि	अंश	रा	न	अं. प्र.	भाव	राशि	अंश	रा	न	अं. प्र.	
सूर्य		धनु	23:44:15	गुरु	शुक्र	शनि गुरु	1	कर्क	13:17:08	चंद्र	शनि	राहु गुरु	
चंद्र		धनु	05:24:46	गुरु	केतु	मंगलशुक्र	2	सिंह	09:05:51	सूर्य	केतु	गुरु राहु	
मंगल		तुला	08:45:16	शुक्र	राहु	गुरु गुरु	3	कन्या	08:26:27	बुध	सूर्य	शुक्र चंद्र	
बुध	व	मक	06:10:08	शनि	सूर्य	बुध राहु	4	तुला	10:38:01	शुक्र	राहु	शनि शनि	
गुरु	व	सिंह	29:15:44	सूर्य	सूर्य	राहु राहु	5	वृश्चि	13:04:16	मंगलशनि	राहु	राहु	
शुक्र		वृश्चि	17:18:49	मंगलबुध	बुध	शुक्र	6	धनु	13:56:39	गुरु	शुक्र	शुक्र चंद्र	
शनि		वृश्चि	17:58:26	मंगलबुध	बुध	राहु	7	मक	13:17:08	शनि चंद्र	राहु	शुक्र	
राहु	व	कन्या	00:13:37	बुध	सूर्य	राहु बुध	8	कुंभ	09:05:51	शनि राहु	गुरु	शनि	
केतु	व	मीन	00:13:37	गुरु	गुरु	चंद्र बुध	9	मीन	08:26:27	गुरु शनि	शुक्र	शुक्र	
हर्ष		मीन	22:39:38	गुरु	बुध	चंद्र गुरु	10	मेष	10:38:01	मंगलकेतु	शनि चंद्र		
नेप		कुंभ	13:45:42	शनि	राहु	बुध राहु	11	वृष	13:04:16	शुक्र चंद्र	राहु केतु		
प्लूटो		धनु	21:20:08	गुरु	शुक्र	गुरु सूर्य	12	मिथु	13:56:39	बुध राहु	बुध गुरु		

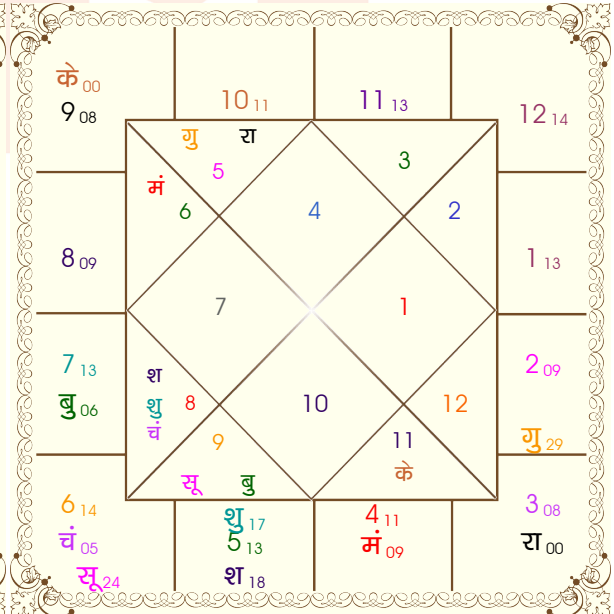
के.पी. अयनांश : 23:58:31

फॉरच्युना : मिथुन 24:57:38

लग्न कुंडली



भाव कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

कारकत्व एवं स्वामित्व

भाव कारक

भाव	ग्रह
1	चंद्र-
2	सूर्य- मंगल, बुध- गुरु+ राहु+ केतु,
3	मंगल, बुध- शुक्र- शनि-
4	सूर्य- शुक्र-
5	सूर्य, चंद्र, मंगल- शुक्र, शनि,
6	सूर्य, बुध+ गुरु+ शुक्र, शनि, राहु, केतु-
7	शनि-
8	चंद्र, शनि- केतु,
9	गुरु- केतु-
10	मंगल-
11	सूर्य- शुक्र-
12	बुध- शुक्र- शनि-

ग्रह कारकत्व

ग्रह	भाव
सूर्य	2- 4- 5, 6, 11-
चंद्र	1- 5, 8,
मंगल	2, 3, 5- 10-
बुध	2- 3- 6+ 12-
गुरु	2+ 6+ 9-
शुक्र	3- 4- 5, 6, 11- 12-
शनि	3- 5, 6, 7- 8- 12-
राहु	2+ 6,
केतु	2, 6- 8, 9-

स्वामित्व

लग्न नक्षत्र स्वामी	शनि
लग्न राशि स्वामी	चन्द्र
राशि नक्षत्र स्वामी	केतु
राशि स्वामी	गुरु
वार स्वामी	शुक्र
लग्न अन्तर स्वामी	राहु
राशि अन्तर स्वामी	मंगल



FUTUREPOINT
Astro Solutions



कारकत्व-सारिणी

भाव	स्थित ग्रह के नक्षत्र में	स्थित ग्रह	स्वामी के नक्षत्र में	स्वामी
1	--	--	--	चं
2	मं के	गु रा	बु गु रा	सू
3	--	मं	शु श	बु
4	--	--	सू	शु
5	सू	चं शु श	--	मं
6	बु गु शु श रा	सू बु	के	गु
7	--	--	--	श
8	चं	के	--	श
9	--	--	के	गु
10	--	--	--	मं
11	--	--	सू	शु
12	--	--	शु श	बु

ग्रह कारक सारिणी-1

ग्रह	भावाधिपति	नक्षत्राधिपति	स्थित	भाव
सूर्य	2	3	धनु	6
चंद्र	1	7,11	धनु	5
मंगल	5,10	---	तुला	3
बुध	3,12	---	मकर	6
गुरु	6,9	---	सिंह	2
शुक्र	4,11	6	वृश्चिक	5
शनि	7,8	1,5,9	वृश्चिक	5
राहु	---	4,8,12	कन्या	2
केतु	---	2,10	मीन	8

ग्रह कारक सारिणी-2

ग्रह	भावाधि भाव	नक्षत्राधि भाव	स्थित भाव	स्वामित्व	अन्तर स्वामी	स्थित भाव
सूर्य	4,11	6	5	7,8	1,5,9	5
चंद्र	---	2,10	8	5,10	---	3
मंगल	---	4,8,12	2	6,9	---	2
बुध	2	3	6	3,12	---	6
गुरु	2	3	6	---	4,8,12	2
शुक्र	3,12	---	6	3,12	---	6
शनि	3,12	---	6	3,12	---	6
राहु	2	3	6	---	4,8,12	2
केतु	6,9	---	2	1	7,11	5



FUTUREPOINT
Astro Solutions



ग्रह दृष्टि विचार

दृश्य ग्रह

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु	हर्ष	नेप	प्लूटो
	263.63	245.31	188.65	276.06	149.16	227.21	227.87	150.12	330.12	352.56	313.66	261.23
सूर्य	--	--	--	युति	--	--	--	--	--	चतु	--	युति
263.63	0.00	0.00	0.00	2.66	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2.88	0.00	9.69
चंद्र	--	--	--	--	--	--	--	--	चतु	--	--	--
245.31	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.63	0.00	0.00	0.00
मंगल	--	तृती	--	4था	--	--	नवां	--	--	--	पंच	पंचा
188.65	0.00	1.92	0.00	9.64	0.00	0.00	0.34	0.00	0.00	0.00	0.77	0.61
बुध	युति	--	--	--	--	--	--	--	तृती	--	--	युति
276.06	2.66	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.05	0.00	0.00	0.17
गुरु	5वां	--	नवां	5वां	--	--	--	युति	सप्त	--	--	5वां
149.16	8.37	0.00	0.70	7.50	0.00	0.00	0.00	9.95	9.95	0.00	0.00	6.75
शुक्र	--	--	--	--	--	--	युति	--	--	पंच	चतु	--
227.21	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.98	0.00	0.00	0.51	1.79	0.00
शनि	--	--	--	3रा	10वा	युति	--	10वा	--	पंच	चतु	--
227.87	0.00	0.00	0.00	3.28	3.79	9.98	0.00	2.84	0.00	1.01	1.35	0.00
राहु	--	चतु	--	पंच	युति	--	--	--	सप्त	--	--	--
150.12	0.00	0.63	0.00	0.05	9.95	0.00	0.00	0.00	10.00	0.00	0.00	0.00
केतु	--	--	--	--	सप्त	--	--	सप्त	--	--	--	--
330.12	0.00	0.00	0.00	0.00	9.95	0.00	0.00	10.00	0.00	0.00	0.00	0.00
हर्ष	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
352.56	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
नेप	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
313.66	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
प्लूटो	युति	--	--	युति	--	--	--	--	--	चतु	--	--
261.23	9.69	0.00	0.00	0.17	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2.82	0.00	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति - युति	0	15	10	सप्त - सप्तम	180	15	10
पंच - पंचम	120	6	3	चतु - चतुर्थ	90	6	3
तृती - तृतीय	60	6	3	अष्ट - अष्टमांश	45	1	1
नवां - नवमांश	40	1	1	पंचा - पंचमांश	72	1	1
अष्टां - अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ - षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां - मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

भाव मध्य दृष्टि विचार

दृष्ट्य भाव

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	103.18	132.30	161.41	190.53	221.41	252.30	283.18	312.30	341.41	10.53	41.41	72.30
सूर्य	--	--	--	--	--	युति	--	--	--	--	--	सप्त
263.63	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3.74	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3.74
चंद्र	--	--	--	--	--	युति	--	--	--	पंच	--	सप्त
245.31	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	7.44	0.00	0.00	0.00	0.61	0.00	7.44
मंगल	--	--	--	युति	--	तृती	4था	पंच	--	सप्त	8वां	--
188.65	0.00	0.00	0.00	9.81	0.00	1.73	8.90	1.73	0.00	9.81	9.58	0.00
बुध	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	तृती	चतु	पंच	--
276.06	7.35	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	7.35	0.00	0.51	1.17	0.51	0.00
गुरु	--	--	युति	--	--	--	5वां	--	सप्त	--	9वां	--
149.16	0.00	0.00	2.83	0.00	0.00	0.00	1.02	0.00	2.83	0.00	2.83	0.00
शुक्र	--	--	--	--	युति	--	तृती	चतु	पंच	--	सप्त	--
227.21	0.00	0.00	0.00	0.00	8.21	0.00	1.48	0.84	0.16	0.00	8.21	0.00
शनि	--	10वा	--	--	युति	--	--	चतु	--	--	सप्त	--
227.87	0.00	8.35	0.00	0.00	7.80	0.00	0.00	0.34	0.00	0.00	7.80	0.00
राहु	--	--	युति	नवां	पंचा	--	--	--	सप्त	--	--	--
150.12	0.00	0.00	3.79	0.80	0.44	0.00	0.00	0.00	3.79	0.00	0.00	0.00
केतु	--	--	सप्त	--	--	--	--	--	--	नवां	पंचा	--
330.12	0.00	0.00	3.79	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.80	0.44	0.00
हर्ष	--	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	--	--
352.56	0.00	0.00	3.93	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3.93	0.00	0.00	0.00
नेप	षष्ठ	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	तृती	--	पंच
313.66	0.73	9.90	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.90	0.00	2.05	0.00	2.81
प्लूटो	--	--	--	--	--	युति	--	--	--	--	--	--
261.23	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5.93	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति - युति	0	15	10	सप्त - सप्तम	180	15	10
पंच - पंचम	120	6	3	चतु - चतुर्थ	90	6	3
तृती - तृतीय	60	6	3	अष्ट - अष्टमांश	45	1	1
नवां - नवमांश	40	1	1	पंचा - पंचमांश	72	1	1
अष्टां - अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ - षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां - मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

भाव दृष्टि विचार

दृष्ट्य भाव

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	103.18	128.99	158.34	190.53	222.97	253.84	283.18	308.99	338.34	10.53	42.97	73.84
सूर्य	--	--	--	--	--	युति	--	अष्ट	--	--	--	सप्त
263.63	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5.19	0.00	0.84	0.00	0.00	0.00	5.19
चंद्र	--	--	--	--	--	युति	--	तृती	चतु	पंच	--	सप्त
245.31	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	6.27	0.00	1.71	2.11	0.61	0.00	6.27
मंगल	--	--	--	युति	--	तृती	4था	पंच	षष्ठ	सप्त	8वां	--
188.65	0.00	0.00	0.00	9.81	0.00	0.63	8.90	2.99	0.88	9.81	9.00	0.00
बुध	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	तृती	चतु	--	--
276.06	7.35	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	7.35	0.00	2.48	1.17	0.00	0.00
गुरु	--	--	युति	--	--	--	5वां	--	सप्त	--	9वां	--
149.16	0.00	0.00	5.73	0.00	0.00	0.00	1.02	0.00	5.73	0.00	1.24	0.00
शुक्र	--	--	--	--	युति	--	तृती	--	--	--	सप्त	--
227.21	0.00	0.00	0.00	0.00	9.03	0.00	1.48	0.00	0.00	0.00	9.03	0.00
शनि	--	10वा	--	--	युति	--	--	--	--	--	सप्त	--
227.87	0.00	5.98	0.00	0.00	8.71	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.71	0.00
राहु	--	--	युति	नवां	पंचा	--	--	--	सप्त	--	--	--
150.12	0.00	0.00	6.52	0.80	0.24	0.00	0.00	0.00	6.52	0.00	0.00	0.00
केतु	--	--	सप्त	--	--	--	--	--	--	नवां	पंचा	--
330.12	0.00	0.00	6.52	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.80	0.24	0.00
हर्ष	--	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	--	--
352.56	0.00	0.00	0.82	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.82	0.00	0.00	0.00
नेप	षष्ठ	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	तृती	--	पंच
313.66	0.73	8.83	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.83	0.00	2.05	0.00	3.00
प्लूटो	--	--	--	--	--	युति	--	--	--	--	--	--
261.23	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	7.15	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति - युति	0	15	10	सप्त - सप्तम	180	15	10
पंच - पंचम	120	6	3	चतु - चतुर्थ	90	6	3
तृती - तृतीय	60	6	3	अष्ट - अष्टमांश	45	1	1
नवां - नवमांश	40	1	1	पंचा - पंचमांश	72	1	1
अष्टां - अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ - षष्ठ	150	1	1

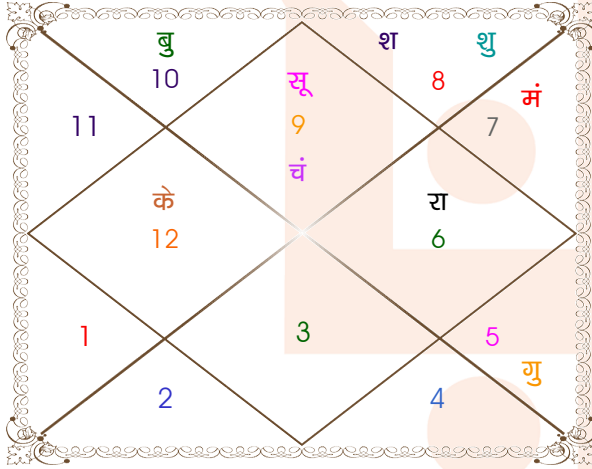
विशेष दृष्टियां - मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

षोडशवर्ग चक्र

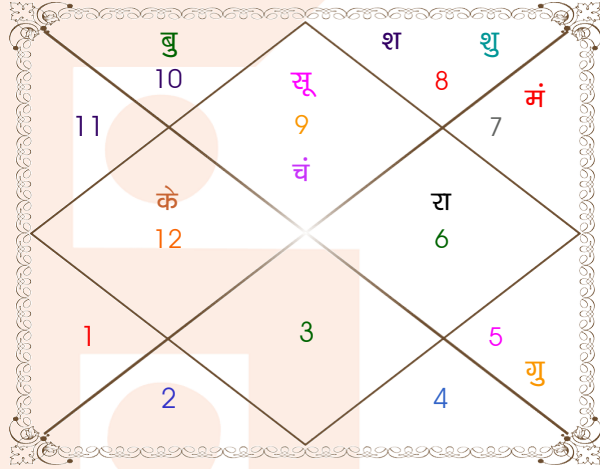
वर्गीय कुंडलियां लग्न कुंडली का विस्तार होती हैं। प्रत्येक कुंडली का एक विशेष लक्ष्य होता है, जैसा कि निम्न कुंडलियों के साथ वर्णन किया गया है। विस्तृत रूप से यह जानने के लिए कि ये कुंडलियां कौन से विषय का प्रतिनिधित्व करती हैं, इनका अध्ययन मूल लग्न कुंडली के साथ किया जाना चाहिए। बहरहाल, ये कुंडलियां विशेष सावधानी से देखी जानी चाहिए, क्योंकि यहां ग्रहों की दृष्टि नहीं होती। सामान्यतः ग्रह का आचरण उस राशि या भाव तक सीमित रहता है जिनमें वे इन वर्गीय कुंडलियों में स्थित हैं।

सूर्य कुंडली



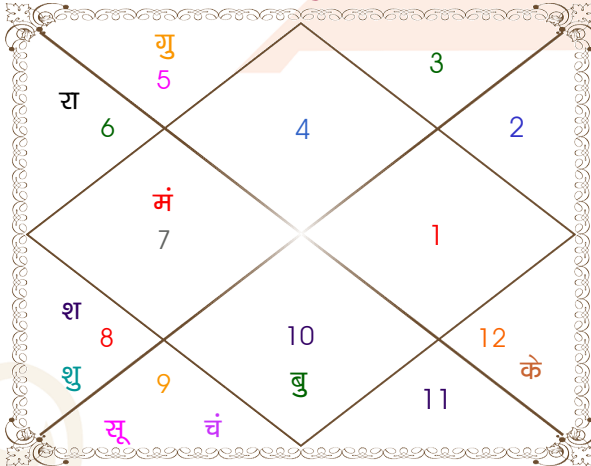
आत्मविचारः

चन्द्र कुंडली



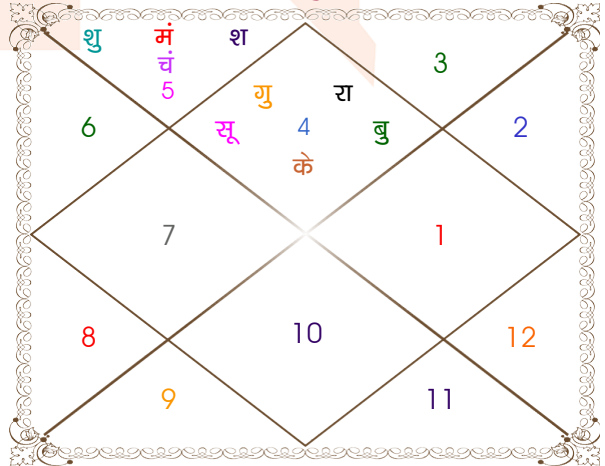
मनोबलविचारः

लग्न कुंडली



देह विचारः

होरा कुंडली



सम्पदाविचारः

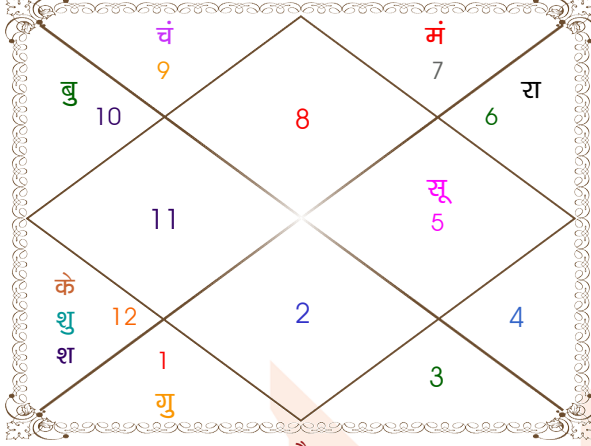


FUTUREPOINT
Astro Solutions



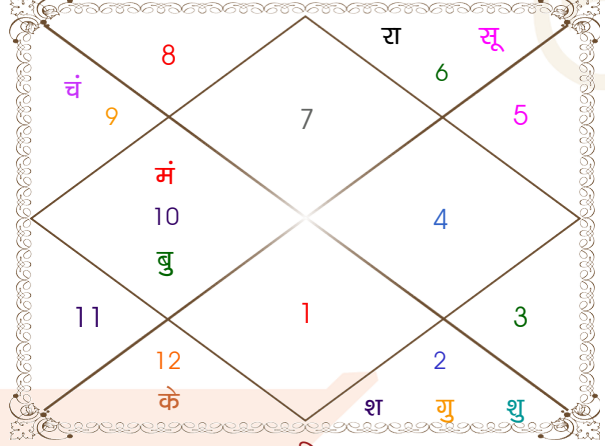
षोडशवर्ग चक्र

द्रेष्काण कुंडली



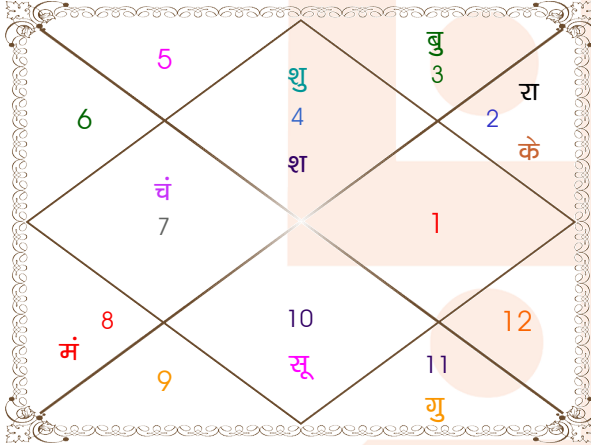
भातृसौख्यम्

चतुर्थाश कुंडली



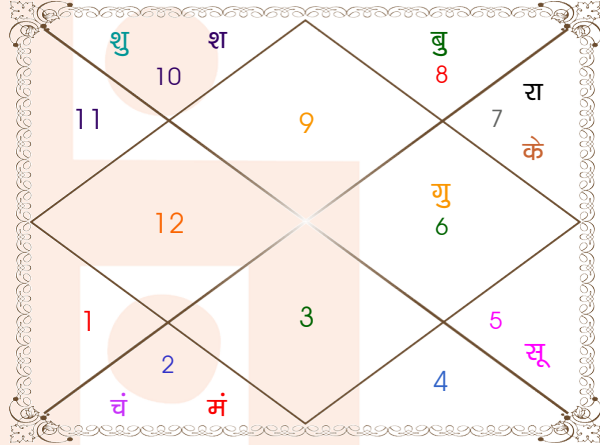
भाग्यविचारः

पंचमांश कुंडली



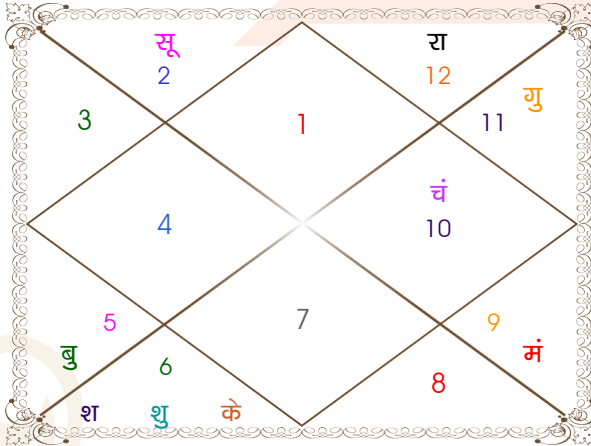
ज्ञानविचारः

षष्ठांश कुंडली



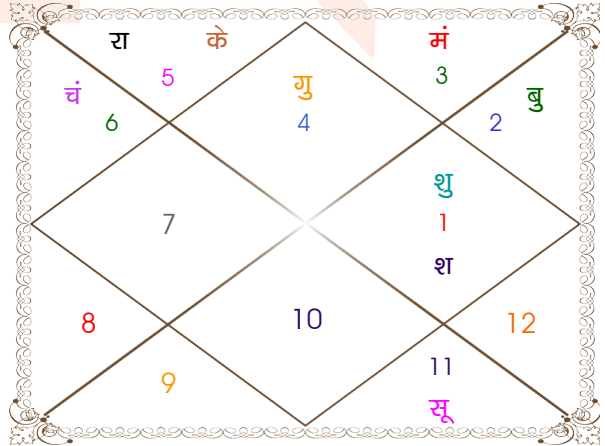
रिपुज्ञानम्

सप्तमांश कुंडली



पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

अष्टमांश कुंडली



आयुविचारः

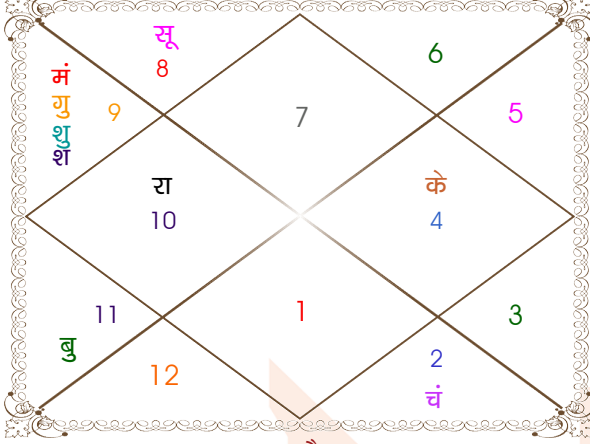


FUTUREPOINT
Astro Solutions



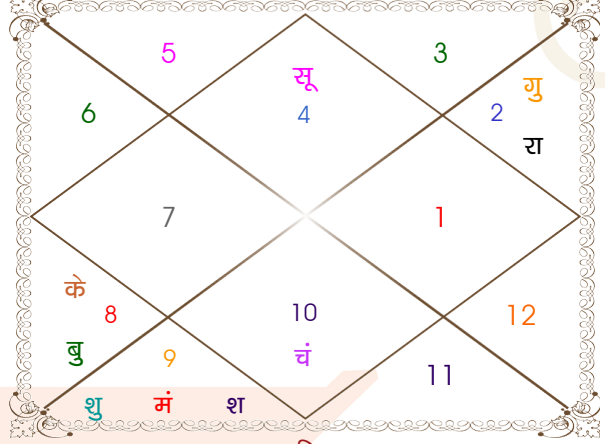
षोडशवर्ग चक्र

नवमांश कुंडली



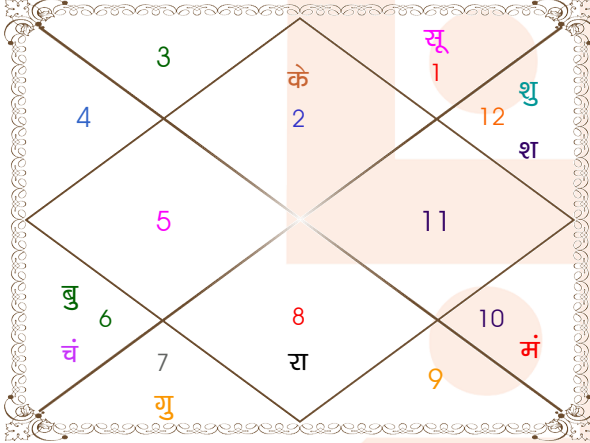
कलत्र सौख्यम

दशमांश कुंडली



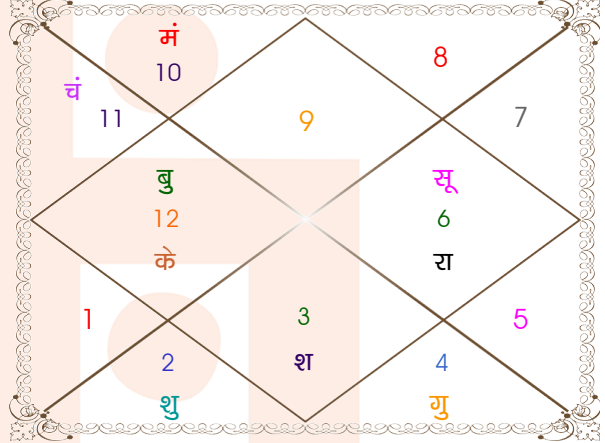
राज्यविचारः

एकादशांश कुंडली



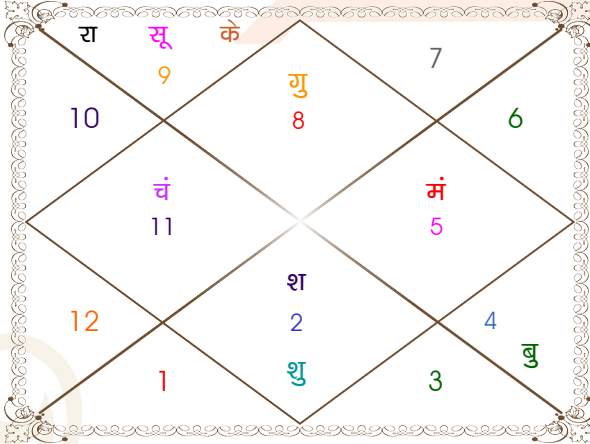
लाभविचारः

द्वादशांश कुंडली



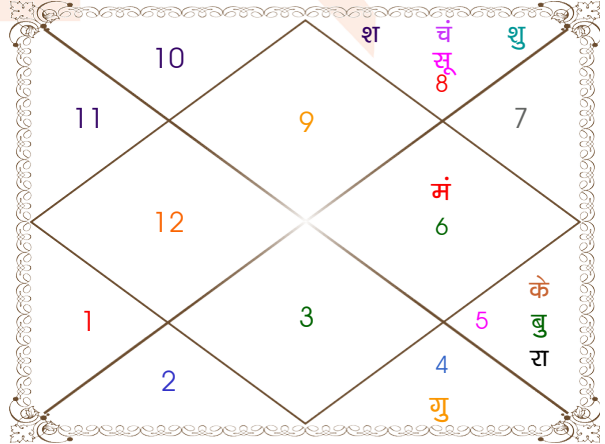
पितृसौख्यम

षोडशांश कुंडली



वाहनसुखविचारः

विंशांश कुंडली



उपासनाज्ञानम्

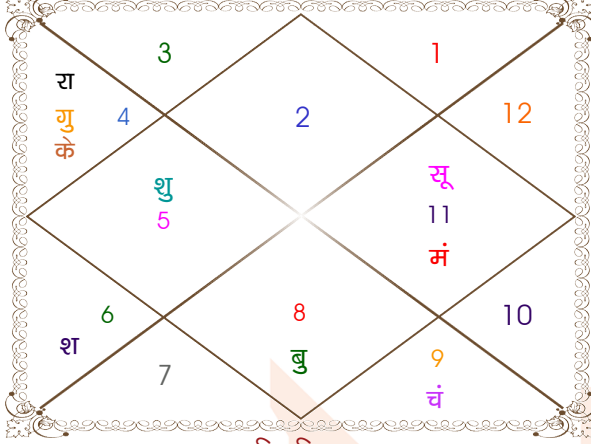


FUTUREPOINT
Astro Solutions



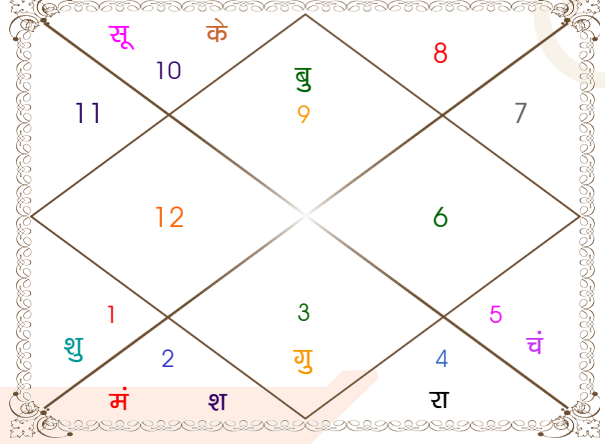
षोडशवर्ग चक्र

चतुर्विंशश कुंडली



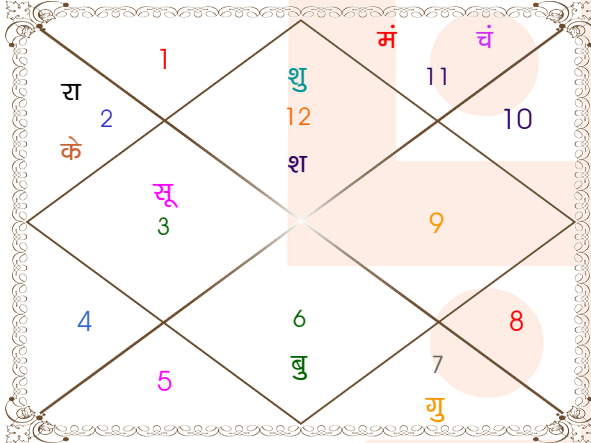
विद्याविचारः

सप्तविंशश कुंडली



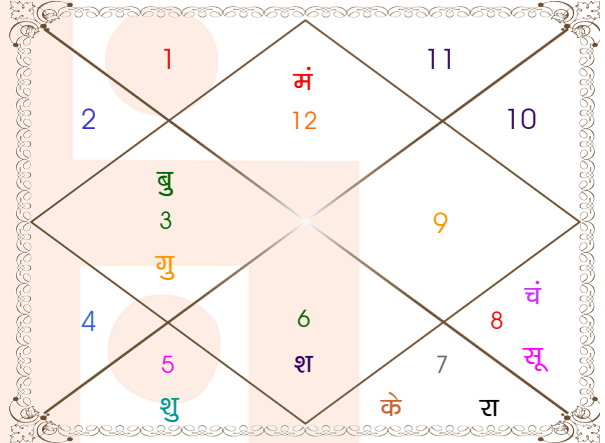
बलाबलज्ञानम्

त्रिंशश कुंडली



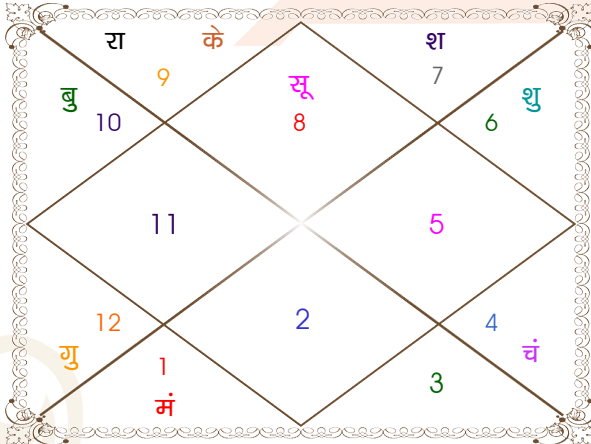
अरिष्टज्ञानम्

खवेदांश कुंडली



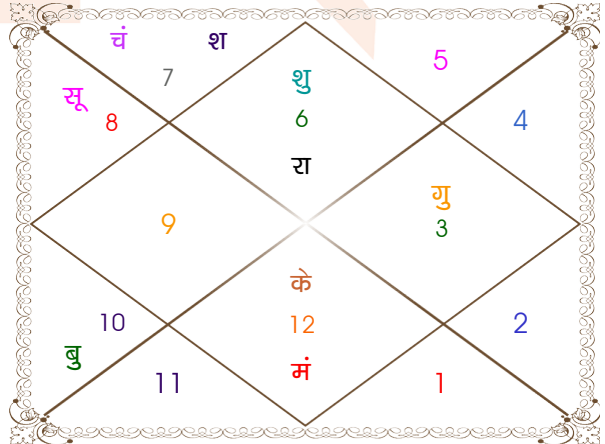
शुभाशुभज्ञानम्

अक्षवेदांश कुंडली



सर्वास्थितिविचारः

षष्ट्यंश कुंडली



सर्वास्थितिविचारः



FUTUREPOINT
Astro Solutions



षोडशवर्ग सारणियाँ

षोडशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
राशि	कर्क	धनु	धनु	तुला	मक	सिंह	वृश्चि	वृश्चि	कन्या	मीन
होरा	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	वृश्चि	सिंह	धनु	तुला	मक	मेष	मीन	मीन	कन्या	मीन
चतुर्थांश	तुला	कन्या	धनु	मक	मक	वृष	वृष	वृष	कन्या	मीन
सप्तमांश	मेष	वृष	मक	धनु	सिंह	कुंभ	कन्या	कन्या	मीन	कन्या
नवमांश	तुला	वृश्चि	वृष	धनु	कुंभ	धनु	धनु	धनु	मक	कर्क
दशमांश	कर्क	कर्क	मक	धनु	वृश्चि	वृष	धनु	धनु	वृष	वृश्चि
द्वादशांश	धनु	कन्या	कुंभ	मक	मीन	कर्क	वृष	मिथु	कन्या	मीन
षोडशांश	वृश्चि	धनु	कुंभ	सिंह	कर्क	वृश्चि	वृष	वृष	धनु	धनु
विंशांश	धनु	वृश्चि	वृश्चि	कन्या	सिंह	कर्क	वृश्चि	वृश्चि	सिंह	सिंह
चतुर्विंशांश	वृष	कुंभ	धनु	कुंभ	वृश्चि	कर्क	सिंह	कन्या	कर्क	कर्क
सप्तविंशांश	धनु	मक	सिंह	वृष	धनु	मिथु	मेष	वृष	कर्क	मक
त्रिंशांश	मीन	मिथु	कुंभ	कुंभ	कन्या	तुला	मीन	मीन	वृष	वृष
खवेदांश	मीन	वृश्चि	वृश्चि	मीन	मिथु	मिथु	सिंह	कन्या	तुला	तुला
अक्षवेदांश	वृश्चि	वृश्चि	कर्क	मेष	मक	मीन	कन्या	तुला	धनु	धनु
षष्ट्यंश	कन्या	वृश्चि	तुला	मीन	मक	मिथु	कन्या	तुला	कन्या	मीन

वर्ग भेद

	षडवर्ग	सप्तवर्ग	दशवर्ग	षोडशवर्ग
सूर्य	1 ---	1 ---	1 ---	1 ---
चन्द्र	1 ---	1 ---	1 ---	2 भेदक
मंगल	1 ---	1 ---	1 ---	3 कुसुम
बुध	1 ---	1 ---	1 ---	2 भेदक
गुरु	3 व्यंजन	3 व्यंजन	3 उत्तम	6 केरल
शुक्र	3 व्यंजन	3 व्यंजन	4 गोपुर	5 कन्दुक
शनि	0 ---	0 ---	1 ---	2 भेदक
राहु	3 व्यंजन	3 व्यंजन	4 गोपुर	5 कन्दुक
केतु	3 व्यंजन	3 व्यंजन	5 सिंहान	7 कल्पवृक्ष

विंशोपक बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
षडवर्ग	14.75	10.50	16.05	13.95	14.10	15.00	13.30	10.60	8.20
सप्तवर्ग	14.05	11.30	16.35	14.33	14.08	15.38	13.93	11.33	9.13
दशवर्ग	14.10	12.83	16.88	14.25	11.08	16.35	12.70	10.90	8.50
षोडशवर्ग	14.40	12.55	16.73	14.38	11.83	16.00	12.18	11.33	8.20



FUTUREPOINT
Astro Solutions



मैत्री सारिणी

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	---	सम	मित्र	सम	सम	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	---	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	मित्र	---	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	---

तात्कालिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र
चंद्र	शत्रु	---	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र
मंगल	मित्र	मित्र	---	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु
बुध	मित्र	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
गुरु	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	---	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु
शुक्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	शत्रु
शनि	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	मित्र	शत्रु
राहु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	---	शत्रु
केतु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	---

पंचधा मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	सम	अतिमित्र	मित्र	सम	सम	सम	सम	सम
चंद्र	सम	---	मित्र	अतिमित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	सम	सम
मंगल	अतिमित्र	अतिमित्र	---	सम	अतिमित्र	मित्र	मित्र	सम	सम
बुध	अतिमित्र	सम	मित्र	---	शत्रु	अतिमित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
गुरु	सम	सम	अतिमित्र	अधिशत्रु	---	सम	मित्र	मित्र	शत्रु
शुक्र	सम	सम	मित्र	अतिमित्र	मित्र	---	सम	अतिमित्र	सम
शनि	सम	सम	सम	अतिमित्र	मित्र	सम	---	अतिमित्र	अधिशत्रु
राहु	सम	सम	सम	शत्रु	मित्र	अतिमित्र	अतिमित्र	---	अधिशत्रु
केतु	सम	सम	सम	मित्र	शत्रु	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	---



FUTUREPOINT
Astro Solutions



षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	25	11	24	23	42	17	51
सप्तवर्गज बल	105	75	128	109	98	120	105
ओजयुग्मक बल	15	15	30	15	30	15	15
केन्द्र बल	15	15	60	60	30	30	30
द्रेष्काण बल	0	0	15	0	0	0	15
कुल स्थान बल	160	116	256	207	199	182	216
कुल दिग्बल	24	42	1	2	45	48	42
नतोन्नत बल	26	34	34	60	26	26	34
पक्ष बल	54	108	54	6	6	6	54
त्रिभाग बल	0	60	0	0	60	0	0
अब्द बल	0	0	15	0	0	0	0
मास बल	0	0	0	0	0	30	0
वार बल	0	0	0	0	0	45	0
होरा बल	0	0	60	0	0	0	0
अयन बल	3	60	14	56	34	2	59
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	82	262	177	122	125	109	146
कुल चेष्टाबल	0	0	31	52	40	24	13
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	1	7	3	3	-14	7	7
कुल षट्बल	327	478	484	412	429	412	433
रूप षट्बल	5.5	8.0	8.1	6.9	7.2	6.9	7.2
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.1	1.3	1.6	1.0	1.1	1.2	1.4
संबंधित पद	6	3	1	7	5	4	2

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	12.04	8.11	26.81	34.68	40.97	19.90	26.07
कष्ट फल	43.80	51.51	32.78	16.84	19.00	39.65	20.81

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	478	327	412	412	484	429	433	433	429	484	412	412
भावदिग्बल	30	20	40	30	40	10	30	10	10	60	50	50
भावदृष्टि बल	30	26	8	17	27	34	31	4	54	52	58	-10
कुल भाव बल	539	373	460	459	551	473	493	447	493	596	520	452
रूप भाव बल	9.0	6.2	7.7	7.6	9.2	7.9	8.2	7.4	8.2	9.9	8.7	7.5
संबंधित पद	3	12	8	9	2	7	5	11	6	1	4	10

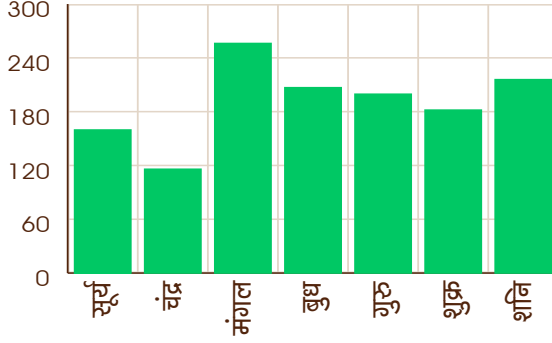


FUTUREPOINT
Astro Solutions

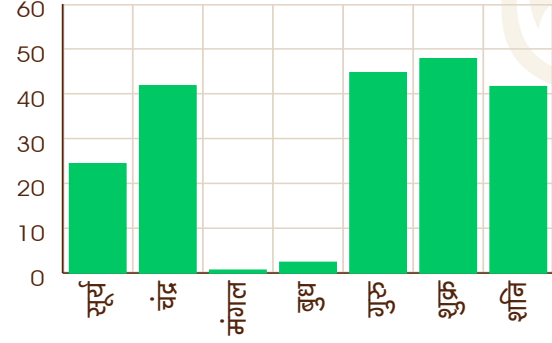


षट्बल ग्राफ

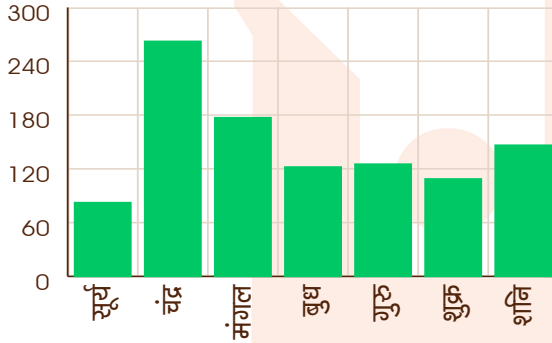
स्थान बल



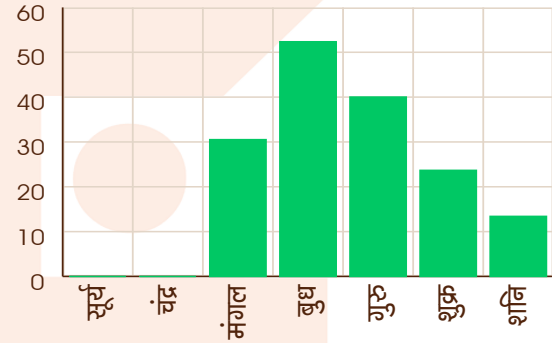
दिग्बल



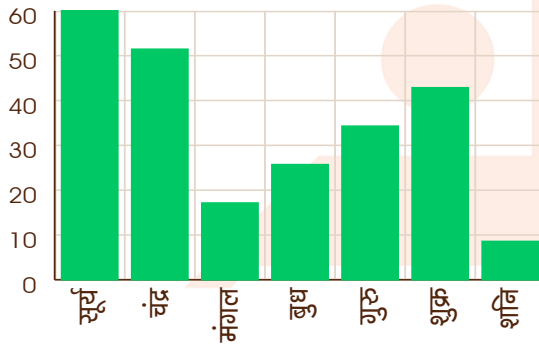
कालबल



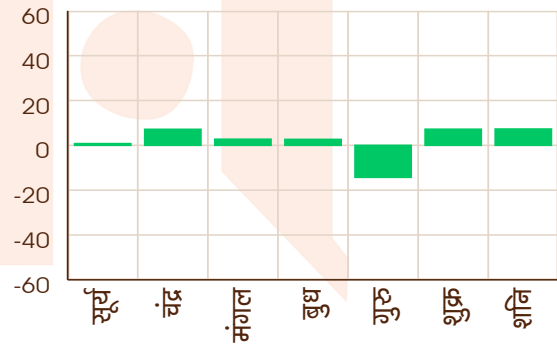
चेष्टाबल



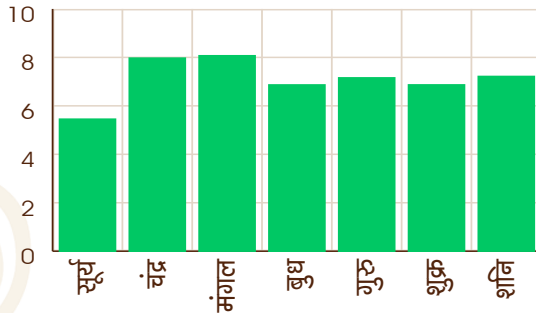
नैसर्गिक बल



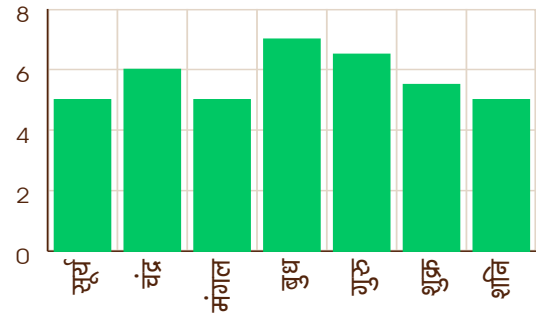
दृग्बल



रूप षट्बल



न्यूनतम षट्बल

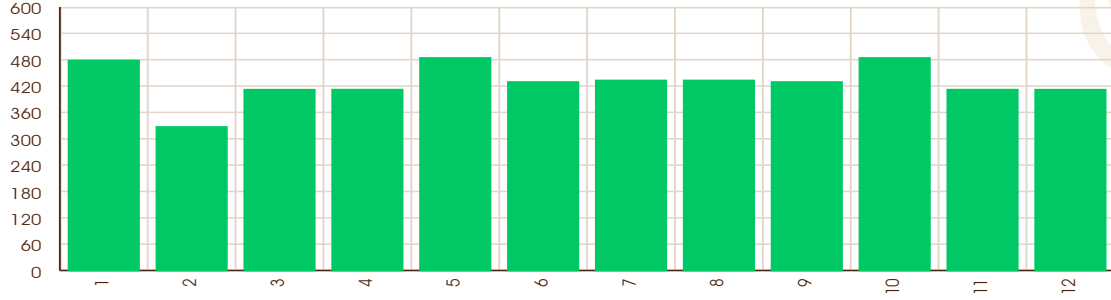


FUTUREPOINT
Astro Solutions

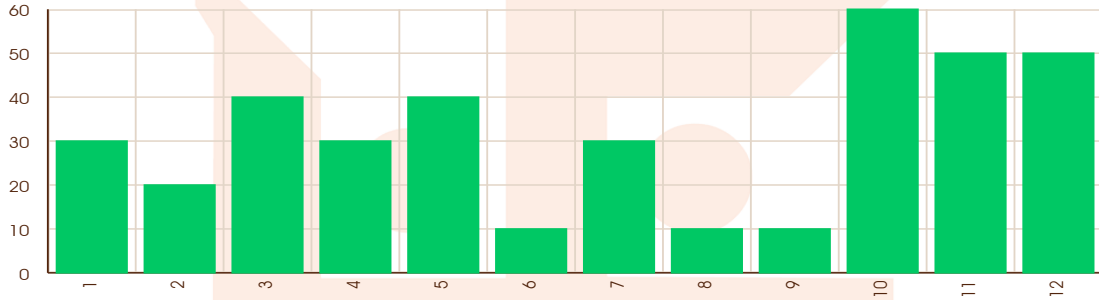


भाव बल ग्राफ

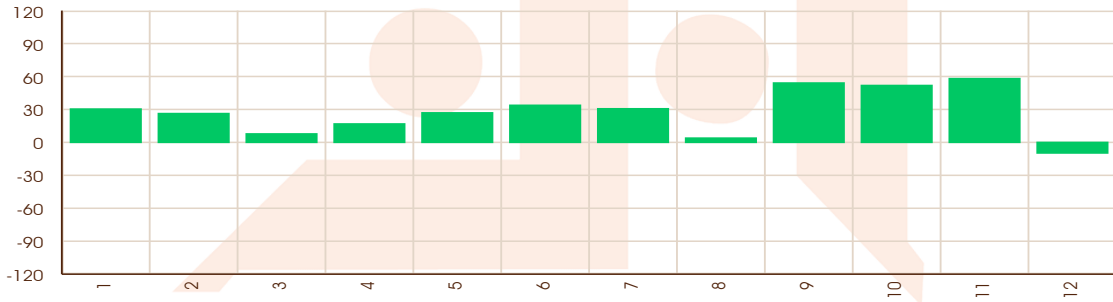
भावाधिपति बल



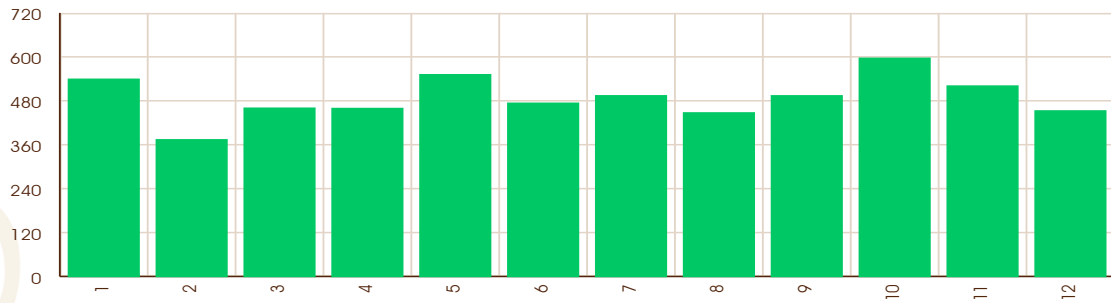
भावदिग्बल



भावदृष्टि बल



भाव बल

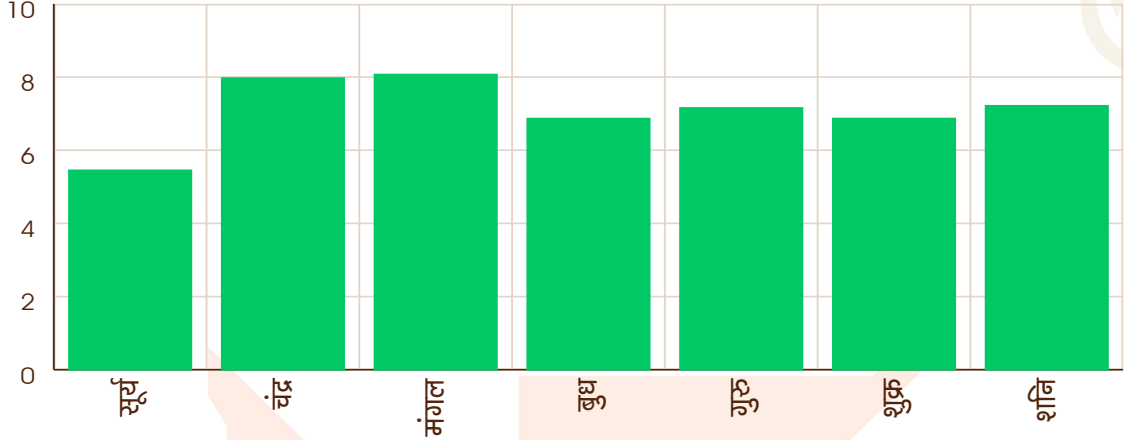


FUTUREPOINT
Astro Solutions

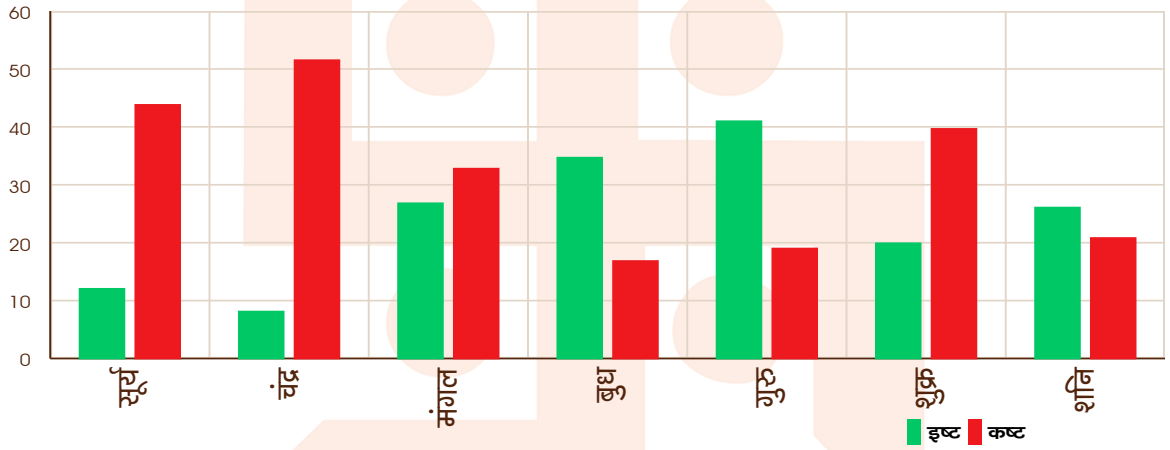


षट्बल तथा भावबल ग्राफ

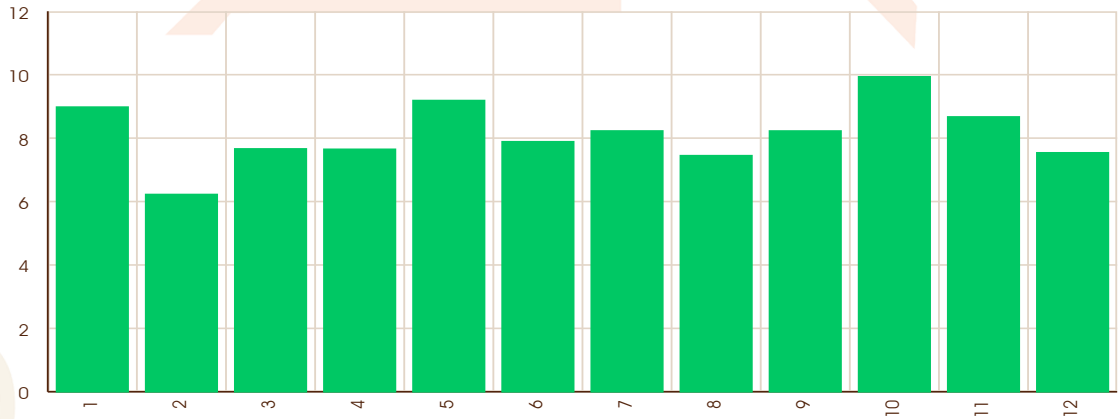
रूप षट्बल



इष्ट - कष्ट फल



रूप भाव बल



FUTUREPOINT
Astro Solutions

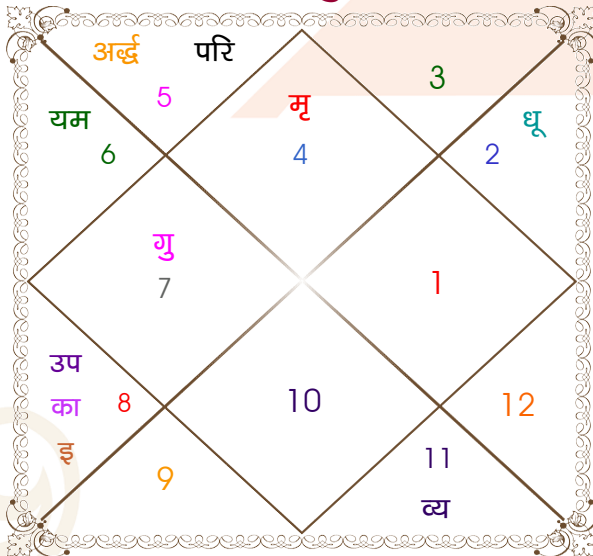


उपग्रह एवं आरुढ़

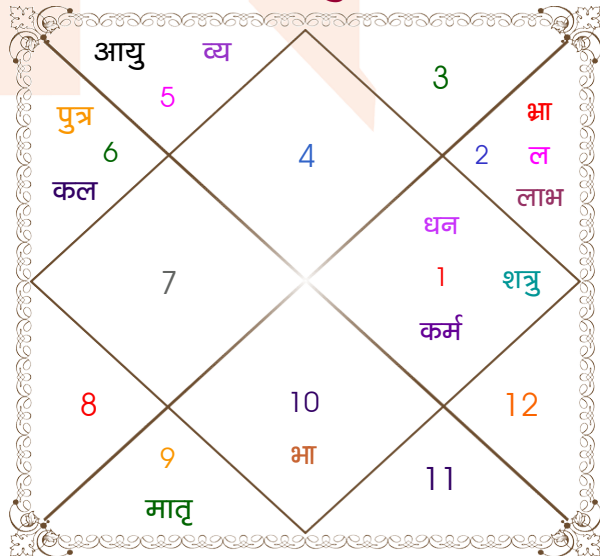
उपग्रह	संक्षि	राशि	अंश	उच्च	स्थिति	नक्षत्र	पद	नं.
लग्न	ल	कर्क	13:10:48	--	--	पुष्य	3	8
गुलिक	गु	तुला	16:27:46	--	--	स्वाति	3	15
काल	का	वृश्चि	08:31:21	--	--	अनुराधा	2	17
मृत्यु	मृ	कर्क	16:07:55	--	--	पुष्य	4	8
यमघंटक	यम	कन्या	01:05:07	--	--	उ०फाल्गुनी	2	12
अर्द्धप्रहर	अर्द्ध	सिंह	08:17:53	--	--	मघा	3	10
धूम	धू	वृष	06:57:56	--	--	कृतिका	4	3
व्यतिपात	व्य	कुंभ	23:02:04	--	--	पू०भाद्रपद	1	25
परिवेश	परि	सिंह	23:02:04	--	--	पू०फाल्गुनी	3	11
इन्द्रचाप	इ	वृश्चि	06:57:56	--	--	अनुराधा	2	17
उपकेतु	उप	वृश्चि	23:37:56	--	--	ज्येष्ठा	3	18

प्राणपद	:	सिंह	05:09:36	कारकाँश लग्न	:	धनु	22:24:48
भाव लग्न	:	मक	18:15:23	होरा लग्न	:	कर्क	23:19:58
घटी लग्न	:	कर्क	19:00:51	वर्णद लग्न	:	सिंह	23:29:13

उपग्रह कुंडली



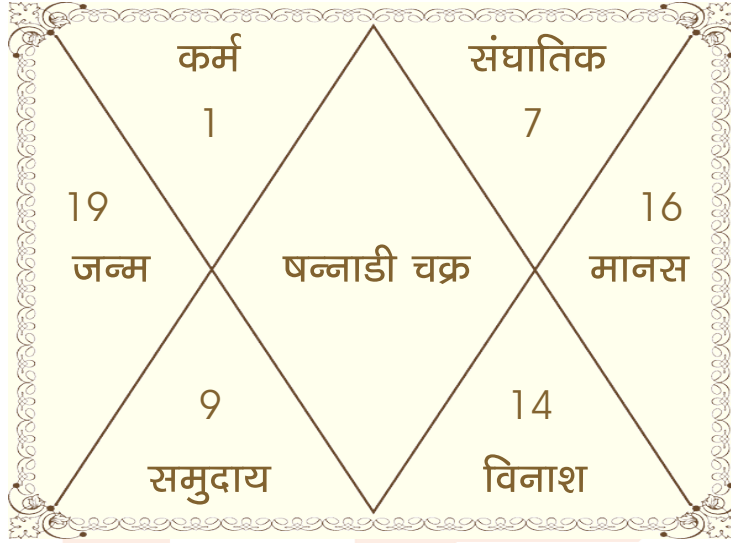
आरुढ़ कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



षन्नाडी चक्र



त्रिपाप चक्र

प्रथम चक्र	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
द्वितीय चक्र	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48
तृतीय चक्र	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84
केतु पताकी	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य
केतु कुंडली	शुक्र	राहु	केतु	शनि	सूर्य	केतु	बुध	मंगल	केतु	गुरु	चंद्र	केतु
गुरु कुंडली	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र	बुध
प्रथम चक्र	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
द्वितीय चक्र	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
तृतीय चक्र	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96
केतु पताकी	चंद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध
केतु कुंडली	शुक्र	राहु	केतु	शनि	सूर्य	केतु	बुध	मंगल	केतु	गुरु	चंद्र	केतु
गुरु कुंडली	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम चक्र	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36
द्वितीय चक्र	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72
तृतीय चक्र	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108
केतु पताकी	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु
केतु कुंडली	शुक्र	राहु	केतु	शनि	सूर्य	केतु	बुध	मंगल	केतु	गुरु	चंद्र	केतु
गुरु कुंडली	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल



FUTUREPOINT
Astro Solutions



प्रस्ताराष्टकवर्ग सारिणी

सूर्य का अष्टकवर्ग

	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	क	सि	कं	तु	वृ	कुल
शनि	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	8
गुरु	1	1	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	4
मंगल	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	8
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
शुक्र	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	0	3
बुध	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	7
चंद्र	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
लग्न	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	0	6
कुल	5	3	2	2	4	6	6	3	3	5	6	3	48

चंद्र का अष्टकवर्ग

	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	क	सि	कं	तु	वृ	कुल
शनि	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	4
गुरु	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	7
मंगल	1	0	1	1	0	0	0	1	1	0	0	1	6
सूर्य	0	0	1	0	0	1	1	1	0	1	1	0	6
शुक्र	0	1	1	1	0	1	0	1	1	1	0	0	7
बुध	0	1	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	8
चंद्र	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	0	7
लग्न	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	4
कुल	3	3	5	5	3	6	3	4	5	6	3	3	49

मंगल का अष्टकवर्ग

	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	क	सि	कं	कुल
शनि	0	1	0	0	1	0	0	1	1	1	1	1	7
गुरु	0	0	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	5
शुक्र	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	4
बुध	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	4
चंद्र	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	3
लग्न	0	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	5
कुल	4	3	1	2	3	1	4	7	4	4	2	4	39

बुध का अष्टकवर्ग

	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	क	सि	कं	तु	वृ	ध	कुल
शनि	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	8
गुरु	1	0	1	0	0	1	1	0	0	0	0	0	4
मंगल	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	8
सूर्य	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	1	0	5
शुक्र	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	1	1	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
चंद्र	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	0	6
लग्न	0	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	7
कुल	5	3	4	3	6	5	6	4	4	5	5	4	54

गुरु का अष्टकवर्ग

	सि	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	क	कुल
शनि	0	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
मंगल	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	7
सूर्य	1	1	1	0	1	1	1	1	0	0	1	1	9
शुक्र	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	0	1	6
बुध	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	1	0	8
चंद्र	1	0	1	0	0	1	0	0	1	0	1	0	5
लग्न	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	0	1	9
कुल	6	4	7	4	3	6	3	5	6	4	4	4	56

शुक्र का अष्टकवर्ग

	वृ	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	क	सि	कं	तु	कुल
शनि	0	0	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	7
गुरु	0	1	0	0	1	1	1	1	0	0	0	0	5
मंगल	0	1	1	0	1	0	0	1	0	1	1	0	6
सूर्य	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
बुध	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	5
चंद्र	1	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	9
लग्न	1	0	0	1	1	0	1	0	1	1	1	1	8
कुल	5	4	4	4	7	2	3	5	5	5	5	3	52

शनि का अष्टकवर्ग

	वृ	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	क	सि	कं	तु	कुल
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	4
मंगल	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	1	0	6
सूर्य	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	7
शुक्र	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	1	1	3
बुध	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	1	1	6
चंद्र	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	3
लग्न	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	1	6
कुल	1	5	3	2	3	3	2	3	4	2	6	5	39

लग्न का अष्टकवर्ग

	क	सि	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कुल
शनि	0	1	1	0	1	0	1	1	0	1	0	0	6
गुरु	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	9
मंगल	1	1	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	5
सूर्य	0	0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	6
शुक्र	1	0	0	0	1	1	1	1	1	0	0	1	7
बुध	0	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	7
चंद्र	0	0	1	1	1	0	0	1	0	0	1	0	5
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
कुल	2	4	5	4	6	4	4	6	3	4	4	3	49



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	क	सि	कं	बु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	3	2	3	4	2	6	5	1	5	3	2	3	39
गुरु	6	4	4	4	6	4	7	4	3	6	3	5	56
मंगल	4	7	4	4	2	4	4	3	1	2	3	1	39
सूर्य	4	6	6	3	3	5	6	3	5	3	2	2	48
शुक्र	2	3	5	5	5	5	3	5	4	4	4	7	52
बुध	3	6	5	6	4	4	5	5	4	5	3	4	54
चंद्र	3	6	3	4	5	6	3	3	3	3	5	5	49
बिन्दु	25	34	30	30	27	34	33	24	25	26	22	27	337
रेखा	31	22	26	26	29	22	23	32	31	30	34	29	335

त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	क	सि	कं	बु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	1	0	1	3	0	4	3	0	3	1	0	2	18
गुरु	3	0	1	0	3	0	4	0	0	2	0	1	14
मंगल	3	5	1	3	1	2	1	2	0	0	0	0	18
सूर्य	1	3	4	1	0	2	4	1	2	0	0	0	18
शुक्र	0	0	2	0	3	2	0	0	2	1	1	2	13
बुध	0	2	2	2	1	0	2	1	1	1	0	0	12
चंद्र	0	3	0	1	2	3	0	0	0	0	2	2	13
रेखा	8	13	11	10	10	13	14	4	8	5	3	7	106

एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	क	सि	कं	बु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	1	0	1	3	0	3	3	0	3	1	0	0	15
गुरु	3	0	1	0	3	0	4	0	0	2	0	1	14
मंगल	1	4	1	3	1	1	1	2	0	0	0	0	14
सूर्य	0	0	2	1	0	2	4	1	2	0	0	0	12
शुक्र	0	0	0	0	3	0	0	0	2	1	0	0	6
बुध	0	0	2	2	1	0	2	1	1	1	0	0	10
चंद्र	0	3	0	1	2	3	0	0	0	0	2	2	13
रेखा	5	7	7	10	10	9	14	4	8	5	2	3	84

शोध्य पिंड

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	84	115	105	70	109	53	95
ग्रह पिंड	64	20	42	53	72	55	59
शोध्य पिंड	148	135	147	123	181	108	154



FUTUREPOINT
Astro Solutions

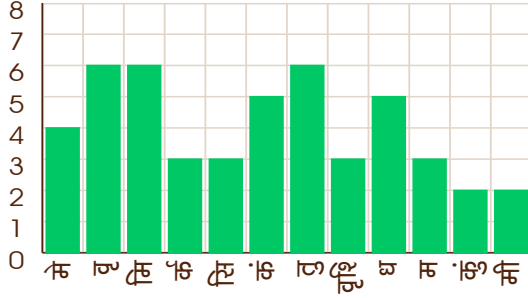


अष्टकवर्ग सारिणी

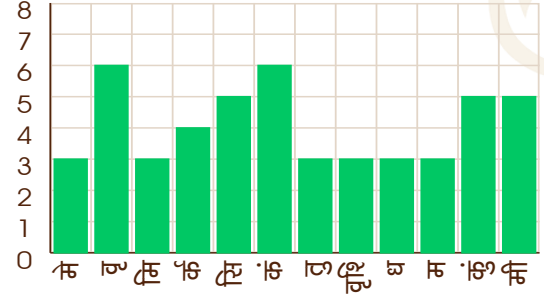
सूर्य का अष्टकवर्ग	सर्वाष्टकवर्ग	चंद्र का अष्टकवर्ग
मंगल का अष्टकवर्ग	बुध का अष्टकवर्ग	गुरु का अष्टकवर्ग
शुक्र का अष्टकवर्ग	शनि का अष्टकवर्ग	लग्न का अष्टकवर्ग

भिन्नाष्टक ग्राफ

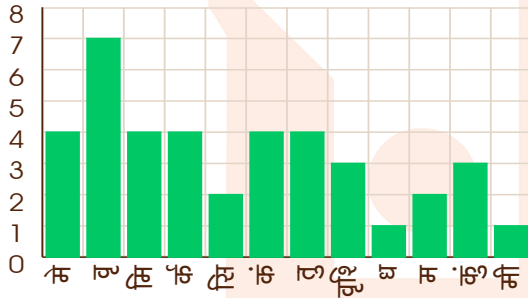
सूर्य



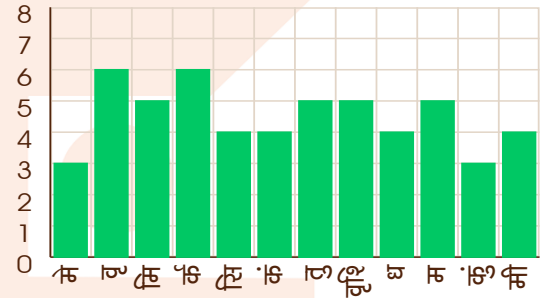
चन्द्र



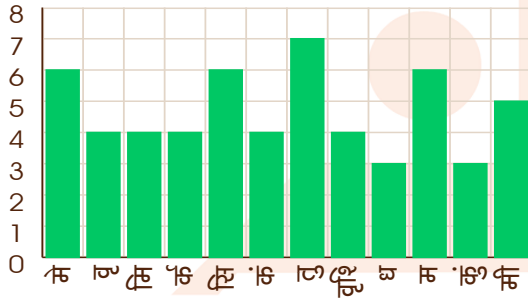
मंगल



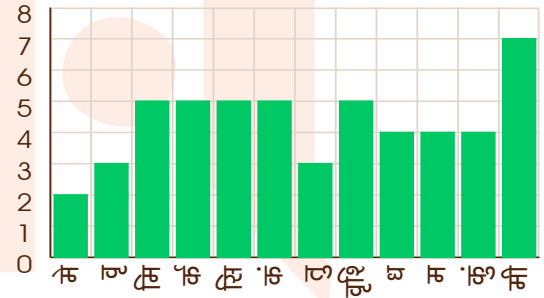
बुध



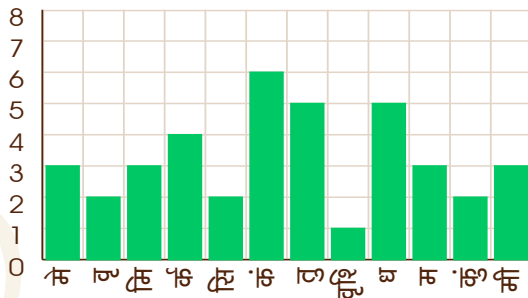
गुरु



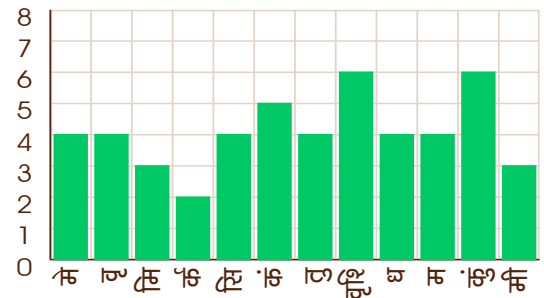
शुक्र



शनि



लग्न

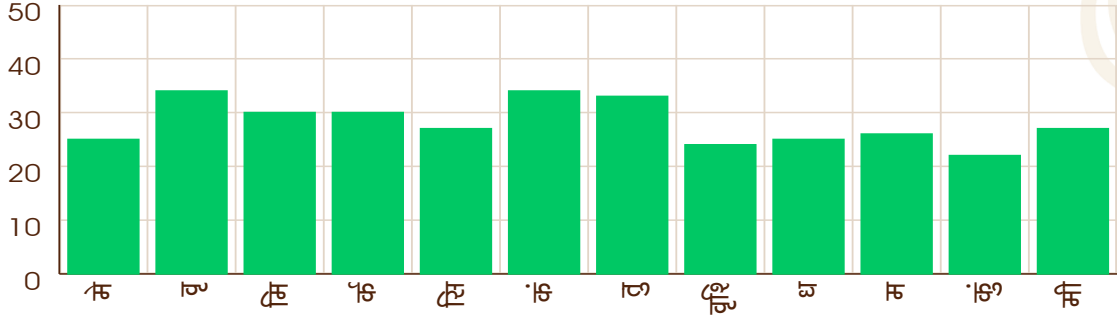


FUTUREPOINT
Astro Solutions

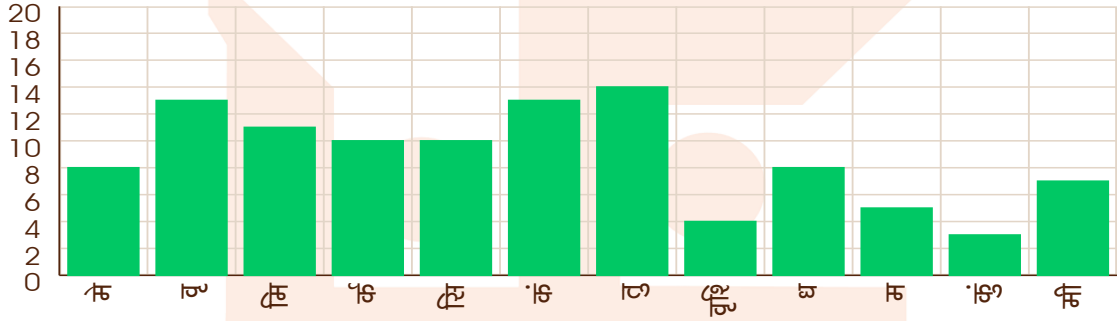


अष्टकवर्ग ग्राफ

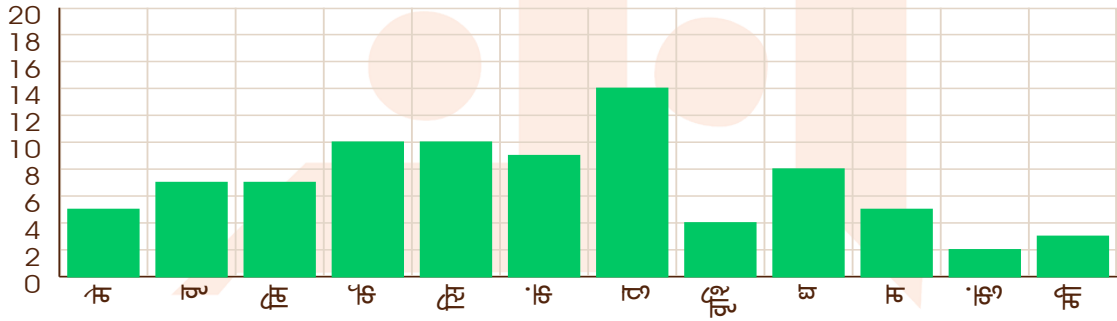
सर्वाष्टकवर्ग



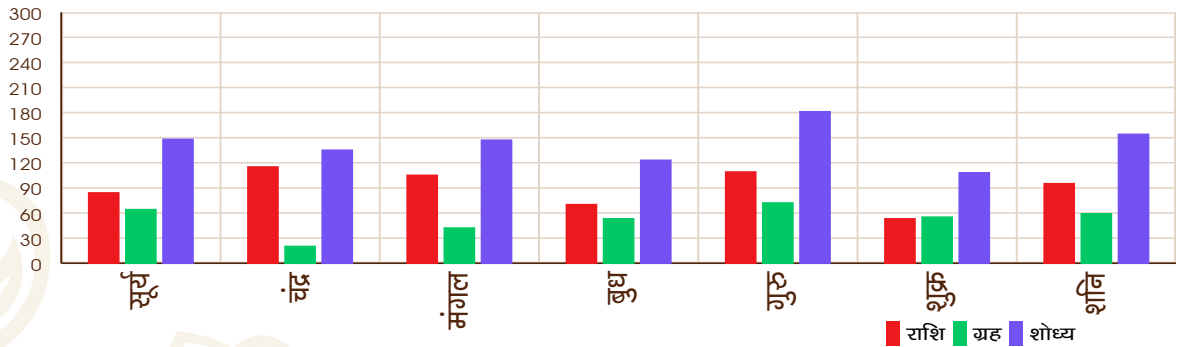
त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग



एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग



शोध्य पिंड



FUTUREPOINT
Astro Solutions



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 2 मास 17 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
08/01/2016	26/03/2020	26/03/2040	27/03/2046	26/03/2056
26/03/2020	26/03/2040	27/03/2046	26/03/2056	27/03/2063
00/00/0000	शुक्र 27/07/2023	सूर्य 14/07/2040	चंद्र 25/01/2047	मंगल 22/08/2056
00/00/0000	सूर्य 26/07/2024	चंद्र 13/01/2041	मंगल 26/08/2047	राहु 10/09/2057
00/00/0000	चंद्र 27/03/2026	मंगल 20/05/2041	राहु 24/02/2049	गुरु 17/08/2058
08/01/2016	मंगल 27/05/2027	राहु 14/04/2042	गुरु 26/06/2050	शनि 26/09/2059
मंगल 25/02/2016	राहु 27/05/2030	गुरु 31/01/2043	शनि 25/01/2052	बुध 22/09/2060
राहु 14/03/2017	गुरु 25/01/2033	शनि 13/01/2044	बुध 26/06/2053	केतु 18/02/2061
गुरु 18/02/2018	शनि 26/03/2036	बुध 19/11/2044	केतु 25/01/2054	शुक्र 20/04/2062
शनि 30/03/2019	बुध 25/01/2039	केतु 27/03/2045	शुक्र 26/09/2055	सूर्य 26/08/2062
बुध 26/03/2020	केतु 26/03/2040	शुक्र 27/03/2046	सूर्य 26/03/2056	चंद्र 27/03/2063

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
27/03/2063	27/03/2081	27/03/2097	27/03/2116	28/03/2133
27/03/2081	27/03/2097	27/03/2116	28/03/2133	00/00/0000
राहु 07/12/2065	गुरु 15/05/2083	शनि 30/03/2100	बुध 24/08/2118	केतु 24/08/2133
गुरु 02/05/2068	शनि 25/11/2085	बुध 09/12/2102	केतु 21/08/2119	शुक्र 24/10/2134
शनि 09/03/2071	बुध 02/03/2088	केतु 17/01/2104	शुक्र 21/06/2122	सूर्य 01/03/2135
बुध 25/09/2073	केतु 06/02/2089	शुक्र 19/03/2107	सूर्य 28/04/2123	चंद्र 30/09/2135
केतु 14/10/2074	शुक्र 08/10/2091	सूर्य 29/02/2108	चंद्र 26/09/2124	मंगल 09/01/2136
शुक्र 13/10/2077	सूर्य 26/07/2092	चंद्र 29/09/2109	मंगल 23/09/2125	00/00/0000
सूर्य 07/09/2078	चंद्र 25/11/2093	मंगल 08/11/2110	राहु 12/04/2128	00/00/0000
चंद्र 08/03/2080	मंगल 01/11/2094	राहु 14/09/2113	गुरु 18/07/2130	00/00/0000
मंगल 27/03/2081	राहु 27/03/2097	गुरु 27/03/2116	शनि 28/03/2133	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशों के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 2 मा 10 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

केतु - मंगल 08/01/2016 25/02/2016	केतु - राहु 25/02/2016 14/03/2017	केतु - गुरु 14/03/2017 18/02/2018	केतु - शनि 18/02/2018 30/03/2019	केतु - बुध 30/03/2019 26/03/2020
00/00/0000	राहु 22/04/2016	गुरु 29/04/2017	शनि 23/04/2018	बुध 20/05/2019
00/00/0000	गुरु 13/06/2016	शनि 22/06/2017	बुध 20/06/2018	केतु 11/06/2019
00/00/0000	शनि 12/08/2016	बुध 09/08/2017	केतु 13/07/2018	शुक्र 10/08/2019
00/00/0000	बुध 06/10/2016	केतु 29/08/2017	शुक्र 19/09/2018	सूर्य 28/08/2019
08/01/2016	केतु 28/10/2016	शुक्र 25/10/2017	सूर्य 09/10/2018	चंद्र 27/09/2019
केतु 11/01/2016	शुक्र 31/12/2016	सूर्य 11/11/2017	चंद्र 12/11/2018	मंगल 18/10/2019
शुक्र 05/02/2016	सूर्य 19/01/2017	चंद्र 09/12/2017	मंगल 05/12/2018	राहु 12/12/2019
सूर्य 12/02/2016	चंद्र 20/02/2017	मंगल 29/12/2017	राहु 04/02/2019	गुरु 29/01/2020
चंद्र 25/02/2016	मंगल 14/03/2017	राहु 18/02/2018	गुरु 30/03/2019	शनि 26/03/2020
शुक्र - शुक्र 26/03/2020 27/07/2023	शुक्र - सूर्य 27/07/2023 26/07/2024	शुक्र - चंद्र 26/07/2024 27/03/2026	शुक्र - मंगल 27/03/2026 27/05/2027	शुक्र - राहु 27/05/2027 27/05/2030
शुक्र 15/10/2020	सूर्य 14/08/2023	चंद्र 15/09/2024	मंगल 21/04/2026	राहु 07/11/2027
सूर्य 15/12/2020	चंद्र 14/09/2023	मंगल 20/10/2024	राहु 24/06/2026	गुरु 01/04/2028
चंद्र 27/03/2021	मंगल 05/10/2023	राहु 20/01/2025	गुरु 19/08/2026	शनि 22/09/2028
मंगल 06/06/2021	राहु 29/11/2023	गुरु 11/04/2025	शनि 26/10/2026	बुध 24/02/2029
राहु 05/12/2021	गुरु 16/01/2024	शनि 16/07/2025	बुध 25/12/2026	केतु 29/04/2029
गुरु 17/05/2022	शनि 14/03/2024	बुध 10/10/2025	केतु 19/01/2027	शुक्र 29/10/2029
शनि 25/11/2022	बुध 05/05/2024	केतु 15/11/2025	शुक्र 31/03/2027	सूर्य 22/12/2029
बुध 17/05/2023	केतु 26/05/2024	शुक्र 24/02/2026	सूर्य 21/04/2027	चंद्र 24/03/2030
केतु 27/07/2023	शुक्र 26/07/2024	सूर्य 27/03/2026	चंद्र 27/05/2027	मंगल 27/05/2030
शुक्र - गुरु 27/05/2030 25/01/2033	शुक्र - शनि 25/01/2033 26/03/2036	शुक्र - बुध 26/03/2036 25/01/2039	शुक्र - केतु 25/01/2039 26/03/2040	सूर्य - सूर्य 26/03/2040 14/07/2040
गुरु 04/10/2030	शनि 27/07/2033	बुध 20/08/2036	केतु 19/02/2039	सूर्य 01/04/2040
शनि 07/03/2031	बुध 07/01/2034	केतु 19/10/2036	शुक्र 01/05/2039	चंद्र 10/04/2040
बुध 23/07/2031	केतु 15/03/2034	शुक्र 10/04/2037	सूर्य 22/05/2039	मंगल 16/04/2040
केतु 18/09/2031	शुक्र 24/09/2034	सूर्य 01/06/2037	चंद्र 27/06/2039	राहु 03/05/2040
शुक्र 27/02/2032	सूर्य 21/11/2034	चंद्र 26/08/2037	मंगल 22/07/2039	गुरु 17/05/2040
सूर्य 16/04/2032	चंद्र 25/02/2035	मंगल 25/10/2037	राहु 24/09/2039	शनि 04/06/2040
चंद्र 06/07/2032	मंगल 04/05/2035	राहु 29/03/2038	गुरु 20/11/2039	बुध 19/06/2040
मंगल 01/09/2032	राहु 24/10/2035	गुरु 14/08/2038	शनि 26/01/2040	केतु 26/06/2040
राहु 25/01/2033	गुरु 26/03/2036	शनि 25/01/2039	बुध 26/03/2040	शुक्र 14/07/2040



FUTUREPOINT
Astro Solutions



विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

सूर्य - चंद्र 14/07/2040 13/01/2041	सूर्य - मंगल 13/01/2041 20/05/2041	सूर्य - राहु 20/05/2041 14/04/2042	सूर्य - गुरु 14/04/2042 31/01/2043	सूर्य - शनि 31/01/2043 13/01/2044
चंद्र 29/07/2040 मंगल 09/08/2040 राहु 05/09/2040 गुरु 30/09/2040 शनि 28/10/2040 बुध 23/11/2040 केतु 04/12/2040 शुक्र 03/01/2041 सूर्य 13/01/2041	मंगल 20/01/2041 राहु 08/02/2041 गुरु 25/02/2041 शनि 17/03/2041 बुध 05/04/2041 केतु 12/04/2041 शुक्र 03/05/2041 सूर्य 10/05/2041 चंद्र 20/05/2041	राहु 09/07/2041 गुरु 22/08/2041 शनि 13/10/2041 बुध 28/11/2041 केतु 17/12/2041 शुक्र 10/02/2042 सूर्य 27/02/2042 चंद्र 26/03/2042 मंगल 14/04/2042	गुरु 23/05/2042 शनि 08/07/2042 बुध 19/08/2042 केतु 05/09/2042 शुक्र 23/10/2042 सूर्य 07/11/2042 चंद्र 01/12/2042 मंगल 18/12/2042 राहु 31/01/2043	शनि 27/03/2043 बुध 15/05/2043 केतु 05/06/2043 शुक्र 01/08/2043 सूर्य 19/08/2043 चंद्र 17/09/2043 मंगल 07/10/2043 राहु 28/11/2043 गुरु 13/01/2044
सूर्य - बुध 13/01/2044 19/11/2044	सूर्य - केतु 19/11/2044 27/03/2045	सूर्य - शुक्र 27/03/2045 27/03/2046	चंद्र - चंद्र 27/03/2046 25/01/2047	चंद्र - मंगल 25/01/2047 26/08/2047
बुध 26/02/2044 केतु 15/03/2044 शुक्र 06/05/2044 सूर्य 22/05/2044 चंद्र 17/06/2044 मंगल 05/07/2044 राहु 20/08/2044 गुरु 01/10/2044 शनि 19/11/2044	केतु 26/11/2044 शुक्र 18/12/2044 सूर्य 24/12/2044 चंद्र 04/01/2045 मंगल 11/01/2045 राहु 30/01/2045 गुरु 16/02/2045 शनि 08/03/2045 बुध 27/03/2045	शुक्र 26/05/2045 सूर्य 14/06/2045 चंद्र 14/07/2045 मंगल 04/08/2045 राहु 28/09/2045 गुरु 16/11/2045 शनि 13/01/2046 बुध 06/03/2046 केतु 27/03/2046	चंद्र 21/04/2046 मंगल 09/05/2046 राहु 24/06/2046 गुरु 03/08/2046 शनि 20/09/2046 बुध 03/11/2046 केतु 20/11/2046 शुक्र 10/01/2047 सूर्य 25/01/2047	मंगल 07/02/2047 राहु 11/03/2047 गुरु 08/04/2047 शनि 12/05/2047 बुध 11/06/2047 केतु 23/06/2047 शुक्र 29/07/2047 सूर्य 09/08/2047 चंद्र 26/08/2047
चंद्र - राहु 26/08/2047 24/02/2049	चंद्र - गुरु 24/02/2049 26/06/2050	चंद्र - शनि 26/06/2050 25/01/2052	चंद्र - बुध 25/01/2052 26/06/2053	चंद्र - केतु 26/06/2053 25/01/2054
राहु 16/11/2047 गुरु 29/01/2048 शनि 24/04/2048 बुध 11/07/2048 केतु 12/08/2048 शुक्र 11/11/2048 सूर्य 09/12/2048 चंद्र 23/01/2049 मंगल 24/02/2049	गुरु 30/04/2049 शनि 16/07/2049 बुध 23/09/2049 केतु 22/10/2049 शुक्र 11/01/2050 सूर्य 04/02/2050 चंद्र 17/03/2050 मंगल 14/04/2050 राहु 26/06/2050	शनि 26/09/2050 बुध 17/12/2050 केतु 19/01/2051 शुक्र 26/04/2051 सूर्य 25/05/2051 चंद्र 12/07/2051 मंगल 15/08/2051 राहु 09/11/2051 गुरु 25/01/2052	बुध 08/04/2052 केतु 08/05/2052 शुक्र 02/08/2052 सूर्य 28/08/2052 चंद्र 10/10/2052 मंगल 09/11/2052 राहु 26/01/2053 गुरु 05/04/2053 शनि 26/06/2053	केतु 08/07/2053 शुक्र 13/08/2053 सूर्य 23/08/2053 चंद्र 10/09/2053 मंगल 23/09/2053 राहु 25/10/2053 गुरु 22/11/2053 शनि 26/12/2053 बुध 25/01/2054

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - शुक्र 25/01/2054 26/09/2055	चंद्र - सूर्य 26/09/2055 26/03/2056	मंगल - मंगल 26/03/2056 22/08/2056	मंगल - राहु 22/08/2056 10/09/2057	मंगल - गुरु 10/09/2057 17/08/2058
शुक्र 06/05/2054 सूर्य 06/06/2054 चंद्र 27/07/2054 मंगल 31/08/2054 राहु 30/11/2054 गुरु 20/02/2055 शनि 27/05/2055 बुध 21/08/2055 केतु 26/09/2055	सूर्य 05/10/2055 चंद्र 20/10/2055 मंगल 31/10/2055 राहु 27/11/2055 गुरु 21/12/2055 शनि 19/01/2056 बुध 14/02/2056 केतु 25/02/2056 शुक्र 26/03/2056	मंगल 04/04/2056 राहु 26/04/2056 गुरु 16/05/2056 शनि 09/06/2056 बुध 30/06/2056 केतु 09/07/2056 शुक्र 03/08/2056 सूर्य 10/08/2056 चंद्र 22/08/2056	राहु 19/10/2056 गुरु 09/12/2056 शनि 08/02/2057 बुध 03/04/2057 केतु 26/04/2057 शुक्र 28/06/2057 सूर्य 18/07/2057 चंद्र 19/08/2057 मंगल 10/09/2057	गुरु 25/10/2057 शनि 18/12/2057 बुध 05/02/2058 केतु 25/02/2058 शुक्र 22/04/2058 सूर्य 09/05/2058 चंद्र 07/06/2058 मंगल 27/06/2058 राहु 17/08/2058
मंगल - शनि 17/08/2058 26/09/2059	मंगल - बुध 26/09/2059 22/09/2060	मंगल - केतु 22/09/2060 18/02/2061	मंगल - शुक्र 18/02/2061 20/04/2062	मंगल - सूर्य 20/04/2062 26/08/2062
शनि 20/10/2058 बुध 16/12/2058 केतु 09/01/2059 शुक्र 17/03/2059 सूर्य 07/04/2059 चंद्र 10/05/2059 मंगल 03/06/2059 राहु 03/08/2059 गुरु 26/09/2059	बुध 16/11/2059 केतु 07/12/2059 शुक्र 06/02/2060 सूर्य 24/02/2060 चंद्र 25/03/2060 मंगल 15/04/2060 राहु 08/06/2060 गुरु 27/07/2060 शनि 22/09/2060	केतु 01/10/2060 शुक्र 25/10/2060 सूर्य 02/11/2060 चंद्र 14/11/2060 मंगल 23/11/2060 राहु 15/12/2060 गुरु 04/01/2061 शनि 28/01/2061 बुध 18/02/2061	शुक्र 30/04/2061 सूर्य 21/05/2061 चंद्र 26/06/2061 मंगल 21/07/2061 राहु 23/09/2061 गुरु 19/11/2061 शनि 25/01/2062 बुध 26/03/2062 केतु 20/04/2062	सूर्य 27/04/2062 चंद्र 07/05/2062 मंगल 15/05/2062 राहु 03/06/2062 गुरु 20/06/2062 शनि 10/07/2062 बुध 28/07/2062 केतु 05/08/2062 शुक्र 26/08/2062
मंगल - चंद्र 26/08/2062 27/03/2063	राहु - राहु 27/03/2063 07/12/2065	राहु - गुरु 07/12/2065 02/05/2068	राहु - शनि 02/05/2068 09/03/2071	राहु - बुध 09/03/2071 25/09/2073
चंद्र 13/09/2062 मंगल 25/09/2062 राहु 27/10/2062 गुरु 25/11/2062 शनि 28/12/2062 बुध 28/01/2063 केतु 09/02/2063 शुक्र 16/03/2063 सूर्य 27/03/2063	राहु 22/08/2063 गुरु 01/01/2064 शनि 05/06/2064 बुध 22/10/2064 केतु 19/12/2064 शुक्र 01/06/2065 सूर्य 21/07/2065 चंद्र 11/10/2065 मंगल 07/12/2065	गुरु 03/04/2066 शनि 20/08/2066 बुध 22/12/2066 केतु 11/02/2067 शुक्र 07/07/2067 सूर्य 20/08/2067 चंद्र 01/11/2067 मंगल 22/12/2067 राहु 02/05/2068	शनि 14/10/2068 बुध 10/03/2069 केतु 10/05/2069 शुक्र 30/10/2069 सूर्य 21/12/2069 चंद्र 18/03/2070 मंगल 18/05/2070 राहु 21/10/2070 गुरु 09/03/2071	बुध 19/07/2071 केतु 11/09/2071 शुक्र 13/02/2072 सूर्य 31/03/2072 चंद्र 17/06/2072 मंगल 10/08/2072 राहु 28/12/2072 गुरु 01/05/2073 शनि 25/09/2073

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - केतु 25/09/2073 14/10/2074	राहु - शुक्र 14/10/2074 13/10/2077	राहु - सूर्य 13/10/2077 07/09/2078	राहु - चंद्र 07/09/2078 08/03/2080	राहु - मंगल 08/03/2080 27/03/2081
केतु 18/10/2073 शुक्र 21/12/2073 सूर्य 09/01/2074 चंद्र 10/02/2074 मंगल 04/03/2074 राहु 01/05/2074 गुरु 21/06/2074 शनि 20/08/2074 बुध 14/10/2074	शुक्र 14/04/2075 सूर्य 08/06/2075 चंद्र 07/09/2075 मंगल 10/11/2075 राहु 23/04/2076 गुरु 16/09/2076 शनि 08/03/2077 बुध 11/08/2077 केतु 13/10/2077	सूर्य 30/10/2077 चंद्र 26/11/2077 मंगल 15/12/2077 राहु 03/02/2078 गुरु 19/03/2078 शनि 10/05/2078 बुध 25/06/2078 केतु 14/07/2078 शुक्र 07/09/2078	चंद्र 23/10/2078 मंगल 24/11/2078 राहु 14/02/2079 गुरु 28/04/2079 शनि 24/07/2079 बुध 09/10/2079 केतु 10/11/2079 शुक्र 10/02/2080 सूर्य 08/03/2080	मंगल 30/03/2080 राहु 27/05/2080 गुरु 17/07/2080 शनि 16/09/2080 बुध 09/11/2080 केतु 02/12/2080 शुक्र 03/02/2081 सूर्य 23/02/2081 चंद्र 27/03/2081
गुरु - गुरु 27/03/2081 15/05/2083	गुरु - शनि 15/05/2083 25/11/2085	गुरु - बुध 25/11/2085 02/03/2088	गुरु - केतु 02/03/2088 06/02/2089	गुरु - शुक्र 06/02/2089 08/10/2091
गुरु 08/07/2081 शनि 09/11/2081 बुध 27/02/2082 केतु 14/04/2082 शुक्र 22/08/2082 सूर्य 30/09/2082 चंद्र 03/12/2082 मंगल 18/01/2083 राहु 15/05/2083	शनि 08/10/2083 बुध 16/02/2084 केतु 10/04/2084 शुक्र 12/09/2084 सूर्य 28/10/2084 चंद्र 13/01/2085 मंगल 08/03/2085 राहु 25/07/2085 गुरु 25/11/2085	बुध 22/03/2086 केतु 10/05/2086 शुक्र 25/09/2086 सूर्य 05/11/2086 चंद्र 13/01/2087 मंगल 02/03/2087 राहु 05/07/2087 गुरु 23/10/2087 शनि 02/03/2088	केतु 22/03/2088 शुक्र 18/05/2088 सूर्य 04/06/2088 चंद्र 02/07/2088 मंगल 22/07/2088 राहु 11/09/2088 गुरु 27/10/2088 शनि 20/12/2088 बुध 06/02/2089	शुक्र 18/07/2089 सूर्य 05/09/2089 चंद्र 25/11/2089 मंगल 21/01/2090 राहु 16/06/2090 गुरु 24/10/2090 शनि 27/03/2091 बुध 12/08/2091 केतु 08/10/2091
गुरु - सूर्य 08/10/2091 26/07/2092	गुरु - चंद्र 26/07/2092 25/11/2093	गुरु - मंगल 25/11/2093 01/11/2094	गुरु - राहु 01/11/2094 27/03/2097	शनि - शनि 27/03/2097 30/03/2100
सूर्य 23/10/2091 चंद्र 16/11/2091 मंगल 03/12/2091 राहु 16/01/2092 गुरु 24/02/2092 शनि 10/04/2092 बुध 21/05/2092 केतु 07/06/2092 शुक्र 26/07/2092	चंद्र 05/09/2092 मंगल 03/10/2092 राहु 15/12/2092 गुरु 18/02/2093 शनि 06/05/2093 बुध 14/07/2093 केतु 12/08/2093 शुक्र 01/11/2093 सूर्य 25/11/2093	मंगल 15/12/2093 राहु 04/02/2094 गुरु 22/03/2094 शनि 15/05/2094 बुध 02/07/2094 केतु 22/07/2094 शुक्र 17/09/2094 सूर्य 04/10/2094 चंद्र 01/11/2094	राहु 12/03/2095 गुरु 07/07/2095 शनि 23/11/2095 बुध 26/03/2096 केतु 16/05/2096 शुक्र 10/10/2096 सूर्य 22/11/2096 चंद्र 03/02/2097 मंगल 27/03/2097	शनि 17/09/2097 बुध 19/02/2098 केतु 24/04/2098 शुक्र 24/10/2098 सूर्य 18/12/2098 चंद्र 20/03/2099 मंगल 23/05/2099 राहु 04/11/2099 गुरु 30/03/2100

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - बुध 30/03/2100 09/12/2102	शनि - केतु 09/12/2102 17/01/2104	शनि - शुक्र 17/01/2104 19/03/2107	शनि - सूर्य 19/03/2107 29/02/2108	शनि - चंद्र 29/02/2108 29/09/2109
बुध 17/08/2100 केतु 13/10/2100 शुक्र 26/03/2101 सूर्य 14/05/2101 चंद्र 04/08/2101 मंगल 30/09/2101 राहु 25/02/2102 गुरु 06/07/2102 शनि 09/12/2102	केतु 01/01/2103 शुक्र 10/03/2103 सूर्य 30/03/2103 चंद्र 03/05/2103 मंगल 26/05/2103 राहु 26/07/2103 गुरु 18/09/2103 शनि 21/11/2103 बुध 17/01/2104	शुक्र 28/07/2104 सूर्य 24/09/2104 चंद्र 29/12/2104 मंगल 07/03/2105 राहु 27/08/2105 गुरु 29/01/2106 शनि 31/07/2106 बुध 10/01/2107 केतु 19/03/2107	सूर्य 05/04/2107 चंद्र 04/05/2107 मंगल 24/05/2107 राहु 16/07/2107 गुरु 31/08/2107 शनि 25/10/2107 बुध 13/12/2107 केतु 02/01/2108 शुक्र 29/02/2108	चंद्र 17/04/2108 मंगल 21/05/2108 राहु 16/08/2108 गुरु 01/11/2108 शनि 31/01/2109 बुध 23/04/2109 केतु 27/05/2109 शुक्र 31/08/2109 सूर्य 29/09/2109
शनि - मंगल 29/09/2109 08/11/2110	शनि - राहु 08/11/2110 14/09/2113	शनि - गुरु 14/09/2113 27/03/2116	बुध - बुध 27/03/2116 24/08/2118	बुध - केतु 24/08/2118 21/08/2119
मंगल 23/10/2109 राहु 23/12/2109 गुरु 15/02/2110 शनि 20/04/2110 बुध 16/06/2110 केतु 10/07/2110 शुक्र 15/09/2110 सूर्य 05/10/2110 चंद्र 08/11/2110	राहु 13/04/2111 गुरु 30/08/2111 शनि 11/02/2112 बुध 07/07/2112 केतु 06/09/2112 शुक्र 27/02/2113 सूर्य 20/04/2113 चंद्र 15/07/2113 मंगल 14/09/2113	गुरु 15/01/2114 शनि 11/06/2114 बुध 20/10/2114 केतु 13/12/2114 शुक्र 16/05/2115 सूर्य 01/07/2115 चंद्र 17/09/2115 मंगल 10/11/2115 राहु 27/03/2116	बुध 30/07/2116 केतु 19/09/2116 शुक्र 13/02/2117 सूर्य 29/03/2117 चंद्र 10/06/2117 मंगल 31/07/2117 राहु 10/12/2117 गुरु 07/04/2118 शनि 24/08/2118	केतु 14/09/2118 शुक्र 13/11/2118 सूर्य 02/12/2118 चंद्र 01/01/2119 मंगल 22/01/2119 राहु 17/03/2119 गुरु 05/05/2119 शनि 01/07/2119 बुध 21/08/2119
बुध - शुक्र 21/08/2119 21/06/2122	बुध - सूर्य 21/06/2122 28/04/2123	बुध - चंद्र 28/04/2123 26/09/2124	बुध - मंगल 26/09/2124 23/09/2125	बुध - राहु 23/09/2125 12/04/2128
शुक्र 10/02/2120 सूर्य 01/04/2120 चंद्र 27/06/2120 मंगल 26/08/2120 राहु 28/01/2121 गुरु 15/06/2121 शनि 26/11/2121 बुध 22/04/2122 केतु 21/06/2122	सूर्य 07/07/2122 चंद्र 01/08/2122 मंगल 20/08/2122 राहु 05/10/2122 गुरु 16/11/2122 शनि 04/01/2123 बुध 17/02/2123 केतु 07/03/2123 शुक्र 28/04/2123	चंद्र 10/06/2123 मंगल 10/07/2123 राहु 25/09/2123 गुरु 03/12/2123 शनि 23/02/2124 बुध 07/05/2124 केतु 06/06/2124 शुक्र 31/08/2124 सूर्य 26/09/2124	मंगल 17/10/2124 राहु 10/12/2124 गुरु 28/01/2125 शनि 26/03/2125 बुध 16/05/2125 केतु 07/06/2125 शुक्र 06/08/2125 सूर्य 24/08/2125 चंद्र 23/09/2125	राहु 10/02/2126 गुरु 14/06/2126 शनि 09/11/2126 बुध 20/03/2127 केतु 14/05/2127 शुक्र 16/10/2127 सूर्य 02/12/2127 चंद्र 17/02/2128 मंगल 12/04/2128

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - चंद्र - शुक्र	शुक्र - चंद्र - सूर्य	शुक्र - मंगल - मंगल	शुक्र - मंगल - राहु
15/11/2025 10:47	24/02/2026 21:47	27/03/2026 08:17	21/04/2026 04:51
24/02/2026 21:47	27/03/2026 08:17	21/04/2026 04:51	24/06/2026 02:54
शुक्र 02/12/2025 08:37	सूर्य 26/02/2026 10:18	मंगल 28/03/2026 19:05	राहु 30/04/2026 18:58
सूर्य 07/12/2025 10:22	चंद्र 28/02/2026 23:11	राहु 01/04/2026 12:34	गुरु 09/05/2026 07:30
चंद्र 15/12/2025 21:17	मंगल 02/03/2026 17:48	गुरु 04/04/2026 20:07	शनि 19/05/2026 10:24
मंगल 21/12/2025 19:19	राहु 07/03/2026 07:22	शनि 08/04/2026 18:34	बुध 28/05/2026 11:43
राहु 06/01/2026 00:34	गुरु 11/03/2026 08:46	बुध 12/04/2026 07:05	केतु 01/06/2026 05:12
गुरु 19/01/2026 13:14	शनि 16/03/2026 04:26	केतु 13/04/2026 17:53	शुक्र 11/06/2026 20:53
शनि 04/02/2026 14:47	बुध 20/03/2026 11:55	शुक्र 17/04/2026 21:19	सूर्य 15/06/2026 01:35
बुध 18/02/2026 23:44	केतु 22/03/2026 06:32	सूर्य 19/04/2026 03:09	चंद्र 20/06/2026 09:25
केतु 24/02/2026 21:47	शुक्र 27/03/2026 08:17	चंद्र 21/04/2026 04:51	मंगल 24/06/2026 02:54
शुक्र - मंगल - गुरु	शुक्र - मंगल - शनि	शुक्र - मंगल - बुध	शुक्र - मंगल - केतु
24/06/2026 02:54	19/08/2026 22:30	26/10/2026 09:47	25/12/2026 18:36
19/08/2026 22:30	26/10/2026 09:47	25/12/2026 18:36	19/01/2027 15:11
गुरु 01/07/2026 16:43	शनि 30/08/2026 14:54	बुध 03/11/2026 23:02	केतु 27/12/2026 05:24
शनि 10/07/2026 16:37	बुध 09/09/2026 04:17	केतु 07/11/2026 11:33	शुक्र 31/12/2026 08:50
बुध 18/07/2026 17:48	केतु 13/09/2026 02:45	शुक्र 17/11/2026 13:01	सूर्य 01/01/2027 14:40
केतु 22/07/2026 01:21	शुक्र 24/09/2026 08:38	सूर्य 20/11/2026 13:28	चंद्र 03/01/2027 16:23
शुक्र 31/07/2026 12:37	सूर्य 27/09/2026 17:35	चंद्र 25/11/2026 14:12	मंगल 05/01/2027 03:11
सूर्य 03/08/2026 08:47	चंद्र 03/10/2026 08:32	मंगल 29/11/2026 02:43	राहु 08/01/2027 20:40
चंद्र 08/08/2026 02:25	मंगल 07/10/2026 06:59	राहु 08/12/2026 04:02	गुरु 12/01/2027 04:13
मंगल 11/08/2026 09:58	राहु 17/10/2026 09:53	गुरु 16/12/2026 05:13	शनि 16/01/2027 02:40
राहु 19/08/2026 22:30	गुरु 26/10/2026 09:47	शनि 25/12/2026 18:36	बुध 19/01/2027 15:11
शुक्र - मंगल - शुक्र	शुक्र - मंगल - सूर्य	शुक्र - मंगल - चंद्र	शुक्र - राहु - राहु
19/01/2027 15:11	31/03/2027 15:41	21/04/2027 23:02	27/05/2027 11:17
31/03/2027 15:41	21/04/2027 23:02	27/05/2027 11:17	07/11/2027 19:59
शुक्र 31/01/2027 11:16	सूर्य 01/04/2027 17:15	चंद्र 24/04/2027 22:03	राहु 21/06/2027 02:59
सूर्य 04/02/2027 00:29	चंद्र 03/04/2027 11:52	मंगल 26/04/2027 23:46	गुरु 13/07/2027 00:57
चंद्र 09/02/2027 22:32	मंगल 04/04/2027 17:41	राहु 02/05/2027 07:36	शनि 08/08/2027 01:32
मंगल 14/02/2027 01:58	राहु 07/04/2027 22:24	गुरु 07/05/2027 01:14	बुध 31/08/2027 08:21
राहु 24/02/2027 17:38	गुरु 10/04/2027 18:34	शनि 12/05/2027 16:11	केतु 09/09/2027 22:28
गुरु 06/03/2027 04:54	शनि 14/04/2027 03:32	बुध 17/05/2027 16:55	शुक्र 07/10/2027 07:55
शनि 17/03/2027 10:47	बुध 17/04/2027 03:59	केतु 19/05/2027 18:38	सूर्य 15/10/2027 13:09
बुध 27/03/2027 12:15	केतु 18/04/2027 09:48	शुक्र 25/05/2027 16:40	चंद्र 29/10/2027 05:53
केतु 31/03/2027 15:41	शुक्र 21/04/2027 23:02	सूर्य 27/05/2027 11:17	मंगल 07/11/2027 19:59

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - राहु - गुरु	शुक्र - राहु - शनि	शुक्र - राहु - बुध	शुक्र - राहु - केतु
07/11/2027 19:59	01/04/2028 22:23	22/09/2028 10:14	24/02/2029 15:47
01/04/2028 22:23	22/09/2028 10:14	24/02/2029 15:47	29/04/2029 13:50
गुरु 27/11/2027 07:30	शनि 29/04/2028 09:40	बुध 14/10/2028 10:01	केतु 28/02/2029 09:16
शनि 20/12/2027 10:41	बुध 23/05/2028 23:32	केतु 23/10/2028 11:21	शुक्र 11/03/2029 00:57
बुध 10/01/2028 03:25	केतु 03/06/2028 02:26	शुक्र 18/11/2028 08:16	सूर्य 14/03/2029 05:39
केतु 18/01/2028 15:58	शुक्र 02/07/2028 00:24	सूर्य 26/11/2028 02:33	चंद्र 19/03/2029 13:29
शुक्र 12/02/2028 00:22	सूर्य 10/07/2028 16:36	चंद्र 09/12/2028 01:00	मंगल 23/03/2029 06:58
सूर्य 19/02/2028 07:41	चंद्र 25/07/2028 03:35	मंगल 18/12/2028 02:20	राहु 01/04/2029 21:05
चंद्र 02/03/2028 11:53	मंगल 04/08/2028 06:29	राहु 10/01/2029 09:10	गुरु 10/04/2029 09:37
मंगल 11/03/2028 00:25	राहु 30/08/2028 07:03	गुरु 31/01/2029 01:54	शनि 20/04/2029 12:31
राहु 01/04/2028 22:23	गुरु 22/09/2028 10:14	शनि 24/02/2029 15:47	बुध 29/04/2029 13:50
शुक्र - राहु - शुक्र	शुक्र - राहु - सूर्य	शुक्र - राहु - चंद्र	शुक्र - राहु - मंगल
29/04/2029 13:50	29/10/2029 04:50	22/12/2029 23:44	24/03/2030 07:14
29/10/2029 04:50	22/12/2029 23:44	24/03/2030 07:14	27/05/2030 05:17
शुक्र 30/05/2029 00:20	सूर्य 31/10/2029 22:35	चंद्र 30/12/2029 14:21	मंगल 28/03/2030 00:43
सूर्य 08/06/2029 03:29	चंद्र 05/11/2029 12:09	मंगल 04/01/2030 22:12	राहु 06/04/2030 14:50
चंद्र 23/06/2029 08:44	मंगल 08/11/2029 16:51	राहु 18/01/2030 14:55	गुरु 15/04/2030 03:22
मंगल 04/07/2029 00:24	राहु 16/11/2029 22:05	गुरु 30/01/2030 19:07	शनि 25/04/2030 06:15
राहु 31/07/2029 09:51	गुरु 24/11/2029 05:25	शनि 14/02/2030 06:06	बुध 04/05/2030 07:35
गुरु 24/08/2029 18:15	शनि 02/12/2029 21:36	बुध 27/02/2030 04:34	केतु 08/05/2030 01:04
शनि 22/09/2029 16:14	बुध 10/12/2029 15:53	केतु 04/03/2030 12:24	शुक्र 18/05/2030 16:45
बुध 18/10/2029 13:09	केतु 13/12/2029 20:35	शुक्र 19/03/2030 17:39	सूर्य 21/05/2030 21:27
केतु 29/10/2029 04:50	शुक्र 22/12/2029 23:44	सूर्य 24/03/2030 07:14	चंद्र 27/05/2030 05:17
शुक्र - गुरु - गुरु	शुक्र - गुरु - शनि	शुक्र - गुरु - बुध	शुक्र - गुरु - केतु
27/05/2030 05:17	04/10/2030 02:05	07/03/2031 07:17	23/07/2031 06:53
04/10/2030 02:05	07/03/2031 07:17	23/07/2031 06:53	18/09/2031 02:29
गुरु 13/06/2030 12:51	शनि 28/10/2030 12:06	बुध 26/03/2031 20:26	केतु 26/07/2031 14:26
शनि 04/07/2030 02:21	बुध 19/11/2030 08:27	केतु 03/04/2031 21:36	शुक्र 05/08/2031 01:42
बुध 22/07/2030 11:54	केतु 28/11/2030 08:21	शुक्र 26/04/2031 21:32	सूर्य 07/08/2031 21:52
केतु 30/07/2030 01:43	शुक्र 24/12/2030 01:13	सूर्य 03/05/2031 19:07	चंद्र 12/08/2031 15:30
शुक्र 20/08/2030 17:11	सूर्य 31/12/2030 18:16	चंद्र 15/05/2031 07:05	मंगल 15/08/2031 23:03
सूर्य 27/08/2030 05:01	चंद्र 13/01/2031 14:42	मंगल 23/05/2031 08:16	राहु 24/08/2031 11:35
चंद्र 07/09/2030 00:45	मंगल 22/01/2031 14:37	राहु 13/06/2031 01:00	गुरु 01/09/2031 01:24
मंगल 14/09/2030 14:34	राहु 14/02/2031 17:47	गुरु 01/07/2031 10:33	शनि 10/09/2031 01:18
राहु 04/10/2030 02:05	गुरु 07/03/2031 07:17	शनि 23/07/2031 06:53	बुध 18/09/2031 02:29

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - गुरु - शुक्र 18/09/2031 02:29 27/02/2032 10:29	शुक्र - गुरु - सूर्य 27/02/2032 10:29 16/04/2032 03:17	शुक्र - गुरु - चंद्र 16/04/2032 03:17 06/07/2032 07:17	शुक्र - गुरु - मंगल 06/07/2032 07:17 01/09/2032 02:53
शुक्र 15/10/2031 03:49 सूर्य 23/10/2031 06:37 चंद्र 05/11/2031 19:17 मंगल 15/11/2031 06:33 राहु 09/12/2031 14:57 गुरु 31/12/2031 06:25 शनि 25/01/2032 23:17 बुध 17/02/2032 23:13 केतु 27/02/2032 10:29	सूर्य 29/02/2032 20:55 चंद्र 04/03/2032 22:19 मंगल 07/03/2032 18:30 राहु 15/03/2032 01:49 गुरु 21/03/2032 13:40 शनि 29/03/2032 06:43 बुध 05/04/2032 04:18 केतु 08/04/2032 00:29 शुक्र 16/04/2032 03:17	चंद्र 22/04/2032 21:37 मंगल 27/04/2032 15:15 राहु 09/05/2032 19:27 गुरु 20/05/2032 15:11 शनि 02/06/2032 11:37 बुध 13/06/2032 23:35 केतु 18/06/2032 17:13 शुक्र 02/07/2032 05:53 सूर्य 06/07/2032 07:17	मंगल 09/07/2032 14:50 राहु 18/07/2032 03:22 गुरु 25/07/2032 17:11 शनि 03/08/2032 17:05 बुध 11/08/2032 18:16 केतु 15/08/2032 01:48 शुक्र 24/08/2032 13:04 सूर्य 27/08/2032 09:15 चंद्र 01/09/2032 02:53
शुक्र - गुरु - राहु 01/09/2032 02:53 25/01/2033 05:17	शुक्र - शनि - शनि 25/01/2033 05:17 27/07/2033 08:27	शुक्र - शनि - बुध 27/07/2033 08:27 07/01/2034 04:59	शुक्र - शनि - केतु 07/01/2034 04:59 15/03/2034 16:15
राहु 23/09/2032 00:51 गुरु 12/10/2032 12:22 शनि 04/11/2032 15:33 बुध 25/11/2032 08:17 केतु 03/12/2032 20:49 शुक्र 28/12/2032 05:13 सूर्य 04/01/2033 12:33 चंद्र 16/01/2033 16:45 मंगल 25/01/2033 05:17	शनि 23/02/2033 05:11 बुध 21/03/2033 03:50 केतु 31/03/2033 20:13 शुक्र 01/05/2033 08:45 सूर्य 10/05/2033 12:30 चंद्र 25/05/2033 18:46 मंगल 05/06/2033 11:09 राहु 02/07/2033 22:26 गुरु 27/07/2033 08:27	बुध 19/08/2033 13:34 केतु 29/08/2033 02:58 शुक्र 25/09/2033 10:23 सूर्य 03/10/2033 15:01 चंद्र 17/10/2033 06:43 मंगल 26/10/2033 20:07 राहु 20/11/2033 10:00 गुरु 12/12/2033 06:20 शनि 07/01/2034 04:59	केतु 11/01/2034 03:26 शुक्र 22/01/2034 09:19 सूर्य 25/01/2034 18:17 चंद्र 31/01/2034 09:13 मंगल 04/02/2034 07:41 राहु 14/02/2034 10:34 गुरु 23/02/2034 10:29 शनि 06/03/2034 02:52 बुध 15/03/2034 16:15
शुक्र - शनि - शुक्र 15/03/2034 16:15 24/09/2034 10:45	शुक्र - शनि - सूर्य 24/09/2034 10:45 21/11/2034 06:42	शुक्र - शनि - चंद्र 21/11/2034 06:42 25/02/2035 15:57	शुक्र - शनि - मंगल 25/02/2035 15:57 04/05/2035 03:14
शुक्र 16/04/2034 19:20 सूर्य 26/04/2034 10:40 चंद्र 12/05/2034 12:12 मंगल 23/05/2034 18:05 राहु 21/06/2034 16:04 गुरु 17/07/2034 08:56 शनि 16/08/2034 21:27 बुध 13/09/2034 04:53 केतु 24/09/2034 10:45	सूर्य 27/09/2034 08:09 चंद्र 02/10/2034 03:49 मंगल 05/10/2034 12:47 राहु 14/10/2034 04:58 गुरु 21/10/2034 22:02 शनि 31/10/2034 01:48 बुध 08/11/2034 06:25 केतु 11/11/2034 15:23 शुक्र 21/11/2034 06:42	चंद्र 29/11/2034 07:29 मंगल 04/12/2034 22:25 राहु 19/12/2034 09:24 गुरु 01/01/2035 05:50 शनि 16/01/2035 12:06 बुध 30/01/2035 03:49 केतु 04/02/2035 18:45 शुक्र 20/02/2035 20:18 सूर्य 25/02/2035 15:57	मंगल 01/03/2035 14:25 राहु 11/03/2035 17:18 गुरु 20/03/2035 17:13 शनि 31/03/2035 09:36 बुध 09/04/2035 23:00 केतु 13/04/2035 21:27 शुक्र 25/04/2035 03:20 सूर्य 28/04/2035 12:18 चंद्र 04/05/2035 03:14

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - शनि - राहु	शुक्र - शनि - गुरु	शुक्र - बुध - बुध	शुक्र - बुध - केतु
04/05/2035 03:14	24/10/2035 15:05	26/03/2036 20:17	20/08/2036 10:51
24/10/2035 15:05	26/03/2036 20:17	20/08/2036 10:51	19/10/2036 19:41
राहु 30/05/2035 03:49	गुरु 14/11/2035 04:35	बुध 16/04/2036 14:45	केतु 23/08/2036 23:22
गुरु 22/06/2035 06:59	शनि 08/12/2035 14:36	केतु 25/04/2036 04:00	शुक्र 03/09/2036 00:51
शनि 19/07/2035 18:16	बुध 30/12/2035 10:56	शुक्र 19/05/2036 14:26	सूर्य 06/09/2036 01:17
बुध 13/08/2035 08:09	केतु 08/01/2036 10:50	सूर्य 26/05/2036 22:21	चंद्र 11/09/2036 02:01
केतु 23/08/2035 11:02	शुक्र 03/02/2036 03:42	चंद्र 08/06/2036 03:34	मंगल 14/09/2036 14:32
शुक्र 21/09/2035 09:01	सूर्य 10/02/2036 20:46	मंगल 16/06/2036 16:49	राहु 23/09/2036 15:52
सूर्य 30/09/2035 01:12	चंद्र 23/02/2036 17:12	राहु 08/07/2036 16:36	गुरु 01/10/2036 17:02
चंद्र 14/10/2035 12:11	मंगल 03/03/2036 17:06	गुरु 28/07/2036 05:45	शनि 11/10/2036 06:26
मंगल 24/10/2035 15:05	राहु 26/03/2036 20:17	शनि 20/08/2036 10:51	बुध 19/10/2036 19:41
शुक्र - बुध - शुक्र	शुक्र - बुध - सूर्य	शुक्र - बुध - चंद्र	शुक्र - बुध - मंगल
19/10/2036 19:41	10/04/2037 07:11	01/06/2037 01:02	26/08/2037 06:47
10/04/2037 07:11	01/06/2037 01:02	26/08/2037 06:47	25/10/2037 15:36
शुक्र 17/11/2036 13:36	सूर्य 12/04/2037 21:17	चंद्र 08/06/2037 05:31	मंगल 29/08/2037 19:18
सूर्य 26/11/2036 04:34	चंद्र 17/04/2037 04:46	मंगल 13/06/2037 06:15	राहु 07/09/2037 20:37
चंद्र 10/12/2036 13:32	मंगल 20/04/2037 05:12	राहु 26/06/2037 04:43	गुरु 15/09/2037 21:48
मंगल 20/12/2036 15:00	राहु 27/04/2037 23:29	गुरु 07/07/2037 16:41	शनि 25/09/2037 11:12
राहु 15/01/2037 11:56	गुरु 04/05/2037 21:04	शनि 21/07/2037 08:23	बुध 04/10/2037 00:27
गुरु 07/02/2037 11:52	शनि 13/05/2037 01:41	बुध 02/08/2037 13:36	केतु 07/10/2037 12:58
शनि 06/03/2037 19:17	बुध 20/05/2037 09:37	केतु 07/08/2037 14:20	शुक्र 17/10/2037 14:26
बुध 31/03/2037 05:43	केतु 23/05/2037 10:03	शुक्र 21/08/2037 23:18	सूर्य 20/10/2037 14:52
केतु 10/04/2037 07:11	शुक्र 01/06/2037 01:02	सूर्य 26/08/2037 06:47	चंद्र 25/10/2037 15:36
शुक्र - बुध - राहु	शुक्र - बुध - गुरु	शुक्र - बुध - शनि	शुक्र - केतु - केतु
25/10/2037 15:36	29/03/2038 21:09	14/08/2038 20:45	25/01/2039 17:17
29/03/2038 21:09	14/08/2038 20:45	25/01/2039 17:17	19/02/2039 13:51
राहु 17/11/2037 22:26	गुरु 17/04/2038 06:42	शनि 09/09/2038 19:24	केतु 27/01/2039 04:05
गुरु 08/12/2037 15:11	शनि 09/05/2038 03:02	बुध 03/10/2038 00:31	शुक्र 31/01/2039 07:31
शनि 02/01/2038 05:04	बुध 28/05/2038 16:11	केतु 12/10/2038 13:55	सूर्य 01/02/2039 13:20
बुध 24/01/2038 04:51	केतु 05/06/2038 17:22	शुक्र 08/11/2038 21:20	चंद्र 03/02/2039 15:03
केतु 02/02/2038 06:10	शुक्र 28/06/2038 17:18	सूर्य 17/11/2038 01:58	मंगल 05/02/2039 01:51
शुक्र 28/02/2038 03:06	सूर्य 05/07/2038 14:52	चंद्र 30/11/2038 17:40	राहु 08/02/2039 19:21
सूर्य 07/03/2038 21:22	चंद्र 17/07/2038 02:50	मंगल 10/12/2038 07:04	गुरु 12/02/2039 02:53
चंद्र 20/03/2038 19:50	मंगल 25/07/2038 04:01	राहु 03/01/2039 20:57	शनि 16/02/2039 01:21
मंगल 29/03/2038 21:09	राहु 14/08/2038 20:45	गुरु 25/01/2039 17:17	बुध 19/02/2039 13:51

विंशोत्तरी दशा - प्राण

शुक्र - चंद्र - शुक्र - बुध		शुक्र - चंद्र - शुक्र - केतु		शुक्र - चंद्र - सूर्य - सूर्य		शुक्र - चंद्र - सूर्य - चंद्र	
04/02/2026 14:47		18/02/2026 23:44		24/02/2026 21:47		26/02/2026 10:18	
18/02/2026 23:44		24/02/2026 21:47		26/02/2026 10:18		28/02/2026 23:11	
बुध	06/02/2026 15:39	केतु	19/02/2026 08:02	सूर्य	24/02/2026 23:37	चंद्र	26/02/2026 15:23
केतु	07/02/2026 11:46	शुक्र	20/02/2026 07:42	चंद्र	25/02/2026 02:39	मंगल	26/02/2026 18:56
शुक्र	09/02/2026 21:16	सूर्य	20/02/2026 14:48	मंगल	25/02/2026 04:47	राहु	27/02/2026 04:04
सूर्य	10/02/2026 14:31	चंद्र	21/02/2026 02:38	राहु	25/02/2026 10:16	गुरु	27/02/2026 12:11
चंद्र	11/02/2026 19:16	मंगल	21/02/2026 10:55	गुरु	25/02/2026 15:08	शनि	27/02/2026 21:49
मंगल	12/02/2026 15:23	राहु	22/02/2026 08:14	शनि	25/02/2026 20:55	बुध	28/02/2026 06:27
राहु	14/02/2026 19:08	गुरु	23/02/2026 03:10	बुध	26/02/2026 02:05	केतु	28/02/2026 10:00
गुरु	16/02/2026 17:07	शनि	24/02/2026 01:40	केतु	26/02/2026 04:13	शुक्र	28/02/2026 20:08
शनि	18/02/2026 23:44	बुध	24/02/2026 21:47	शुक्र	26/02/2026 10:18	सूर्य	28/02/2026 23:11
शुक्र - चंद्र - सूर्य - मंगल		शुक्र - चंद्र - सूर्य - राहु		शुक्र - चंद्र - सूर्य - गुरु		शुक्र - चंद्र - सूर्य - शनि	
28/02/2026 23:11		02/03/2026 17:48		07/03/2026 07:22		11/03/2026 08:46	
02/03/2026 17:48		07/03/2026 07:22		11/03/2026 08:46		16/03/2026 04:26	
मंगल	01/03/2026 01:40	राहु	03/03/2026 10:14	गुरु	07/03/2026 20:21	शनि	12/03/2026 03:05
राहु	01/03/2026 08:04	गुरु	04/03/2026 00:50	शनि	08/03/2026 11:47	बुध	12/03/2026 19:28
गुरु	01/03/2026 13:45	शनि	04/03/2026 18:11	बुध	09/03/2026 01:35	केतु	13/03/2026 02:13
शनि	01/03/2026 20:29	बुध	05/03/2026 09:43	केतु	09/03/2026 07:16	शुक्र	13/03/2026 21:30
बुध	02/03/2026 02:32	केतु	05/03/2026 16:06	शुक्र	09/03/2026 23:30	सूर्य	14/03/2026 03:17
केतु	02/03/2026 05:01	शुक्र	06/03/2026 10:22	सूर्य	10/03/2026 04:22	चंद्र	14/03/2026 12:55
शुक्र	02/03/2026 12:07	सूर्य	06/03/2026 15:51	चंद्र	10/03/2026 12:29	मंगल	14/03/2026 19:40
सूर्य	02/03/2026 14:15	चंद्र	07/03/2026 00:59	मंगल	10/03/2026 18:10	राहु	15/03/2026 13:01
चंद्र	02/03/2026 17:48	मंगल	07/03/2026 07:22	राहु	11/03/2026 08:46	गुरु	16/03/2026 04:26
शुक्र - चंद्र - सूर्य - बुध		शुक्र - चंद्र - सूर्य - केतु		शुक्र - चंद्र - सूर्य - शुक्र		शुक्र - मंगल - मंगल - मंगल	
16/03/2026 04:26		20/03/2026 11:55		22/03/2026 06:32		27/03/2026 08:17	
20/03/2026 11:55		22/03/2026 06:32		27/03/2026 08:17		28/03/2026 19:05	
बुध	16/03/2026 19:06	केतु	20/03/2026 14:24	शुक्र	23/03/2026 02:49	मंगल	27/03/2026 10:19
केतु	17/03/2026 01:08	शुक्र	20/03/2026 21:30	सूर्य	23/03/2026 08:55	राहु	27/03/2026 15:32
शुक्र	17/03/2026 18:23	सूर्य	20/03/2026 23:38	चंद्र	23/03/2026 19:03	गुरु	27/03/2026 20:10
सूर्य	17/03/2026 23:33	चंद्र	21/03/2026 03:11	मंगल	24/03/2026 02:10	शनि	28/03/2026 01:41
चंद्र	18/03/2026 08:11	मंगल	21/03/2026 05:41	राहु	24/03/2026 20:25	बुध	28/03/2026 06:37
मंगल	18/03/2026 14:13	राहु	21/03/2026 12:04	गुरु	25/03/2026 12:39	केतु	28/03/2026 08:39
राहु	19/03/2026 05:44	गुरु	21/03/2026 17:45	शनि	26/03/2026 07:56	शुक्र	28/03/2026 14:27
गुरु	19/03/2026 19:32	शनि	22/03/2026 00:30	बुध	27/03/2026 01:11	सूर्य	28/03/2026 16:11
शनि	20/03/2026 11:55	बुध	22/03/2026 06:32	केतु	27/03/2026 08:17	चंद्र	28/03/2026 19:05



FUTUREPOINT
Astro Solutions



विंशोत्तरी दशा - प्राण

शुक्र - मंगल - मंगल - राहु		शुक्र - मंगल - मंगल - गुरु		शुक्र - मंगल - मंगल - शनि		शुक्र - मंगल - मंगल - बुध	
28/03/2026 19:05		01/04/2026 12:34		04/04/2026 20:07		08/04/2026 18:34	
01/04/2026 12:34		04/04/2026 20:07		08/04/2026 18:34		12/04/2026 07:05	
राहु	29/03/2026 08:30	गुरु	01/04/2026 23:10	शनि	05/04/2026 11:04	बुध	09/04/2026 06:33
गुरु	29/03/2026 20:26	शनि	02/04/2026 11:46	बुध	06/04/2026 00:27	केतु	09/04/2026 11:28
शनि	30/03/2026 10:36	बुध	02/04/2026 23:02	केतु	06/04/2026 05:58	शुक्र	10/04/2026 01:34
बुध	30/03/2026 23:17	केतु	03/04/2026 03:41	शुक्र	06/04/2026 21:42	सूर्य	10/04/2026 05:47
केतु	31/03/2026 04:30	शुक्र	03/04/2026 16:56	सूर्य	07/04/2026 02:26	चंद्र	10/04/2026 12:50
शुक्र	31/03/2026 19:25	सूर्य	03/04/2026 20:55	चंद्र	07/04/2026 10:18	मंगल	10/04/2026 17:45
सूर्य	31/03/2026 23:54	चंद्र	04/04/2026 03:32	मंगल	07/04/2026 15:48	राहु	11/04/2026 06:26
चंद्र	01/04/2026 07:21	मंगल	04/04/2026 08:11	राहु	08/04/2026 05:59	गुरु	11/04/2026 17:42
मंगल	01/04/2026 12:34	राहु	04/04/2026 20:07	गुरु	08/04/2026 18:34	शनि	12/04/2026 07:05
शुक्र - मंगल - मंगल - केतु		शुक्र - मंगल - मंगल - शुक्र		शुक्र - मंगल - मंगल - सूर्य		शुक्र - मंगल - मंगल - चंद्र	
12/04/2026 07:05		13/04/2026 17:53		17/04/2026 21:19		19/04/2026 03:09	
13/04/2026 17:53		17/04/2026 21:19		19/04/2026 03:09		21/04/2026 04:51	
केतु	12/04/2026 09:07	शुक्र	14/04/2026 10:27	सूर्य	17/04/2026 22:48	चंद्र	19/04/2026 07:17
शुक्र	12/04/2026 14:55	सूर्य	14/04/2026 15:26	चंद्र	18/04/2026 01:17	मंगल	19/04/2026 10:11
सूर्य	12/04/2026 16:39	चंद्र	14/04/2026 23:43	मंगल	18/04/2026 03:02	राहु	19/04/2026 17:39
चंद्र	12/04/2026 19:33	मंगल	15/04/2026 05:31	राहु	18/04/2026 07:30	गुरु	20/04/2026 00:16
मंगल	12/04/2026 21:35	राहु	15/04/2026 20:26	गुरु	18/04/2026 11:29	शनि	20/04/2026 08:09
राहु	13/04/2026 02:48	गुरु	16/04/2026 09:41	शनि	18/04/2026 16:12	बुध	20/04/2026 15:11
गुरु	13/04/2026 07:27	शनि	17/04/2026 01:26	बुध	18/04/2026 20:26	केतु	20/04/2026 18:05
शनि	13/04/2026 12:57	बुध	17/04/2026 15:31	केतु	18/04/2026 22:10	शुक्र	21/04/2026 02:22
बुध	13/04/2026 17:53	केतु	17/04/2026 21:19	शुक्र	19/04/2026 03:09	सूर्य	21/04/2026 04:51
शुक्र - मंगल - राहु - राहु		शुक्र - मंगल - राहु - गुरु		शुक्र - मंगल - राहु - शनि		शुक्र - मंगल - राहु - बुध	
21/04/2026 04:51		30/04/2026 18:58		09/05/2026 07:30		19/05/2026 10:24	
30/04/2026 18:58		09/05/2026 07:30		19/05/2026 10:24		28/05/2026 11:43	
राहु	22/04/2026 15:22	गुरु	01/05/2026 22:14	शनि	10/05/2026 21:58	बुध	20/05/2026 17:11
गुरु	23/04/2026 22:03	शनि	03/05/2026 06:37	बुध	12/05/2026 08:22	केतु	21/05/2026 05:52
शनि	25/04/2026 10:29	बुध	04/05/2026 11:36	केतु	12/05/2026 22:32	शुक्र	22/05/2026 18:05
बुध	26/04/2026 19:05	केतु	04/05/2026 23:32	शुक्र	14/05/2026 15:01	सूर्य	23/05/2026 04:57
केतु	27/04/2026 08:31	शुक्र	06/05/2026 09:37	सूर्य	15/05/2026 03:10	चंद्र	23/05/2026 23:03
शुक्र	28/04/2026 22:52	सूर्य	06/05/2026 19:51	चंद्र	15/05/2026 23:25	मंगल	24/05/2026 11:44
सूर्य	29/04/2026 10:22	चंद्र	07/05/2026 12:54	मंगल	16/05/2026 13:35	राहु	25/05/2026 20:20
चंद्र	30/04/2026 05:33	मंगल	08/05/2026 00:49	राहु	18/05/2026 02:01	गुरु	27/05/2026 01:19
मंगल	30/04/2026 18:58	राहु	09/05/2026 07:30	गुरु	19/05/2026 10:24	शनि	28/05/2026 11:43



FUTUREPOINT
Astro Solutions



षोडशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 8 वर्ष 5 मास 3 दिन

शनि 14 वर्ष	केतु 15 वर्ष	चंद्र 16 वर्ष	बुध 17 वर्ष	शुक्र 18 वर्ष
08/01/2016	12/06/2024	13/06/2039	13/06/2055	12/06/2072
12/06/2024	13/06/2039	13/06/2055	12/06/2072	13/06/2090
00/00/0000	केतु 22/05/2026	चंद्र 27/08/2041	बुध 09/12/2057	शुक्र 30/03/2075
00/00/0000	चंद्र 16/06/2028	बुध 01/01/2044	शुक्र 30/07/2060	सूर्य 12/12/2076
08/01/2016	बुध 27/08/2030	शुक्र 25/06/2046	सूर्य 10/03/2062	मंगल 23/10/2078
बुध 06/12/2017	शुक्र 25/12/2032	सूर्य 01/01/2048	मंगल 13/12/2063	गुरु 29/10/2080
शुक्र 07/02/2020	सूर्य 28/05/2034	मंगल 27/08/2049	गुरु 08/11/2065	शनि 31/12/2082
सूर्य 06/06/2021	मंगल 16/12/2035	गुरु 13/06/2051	शनि 27/11/2067	केतु 30/04/2085
मंगल 17/11/2022	गुरु 21/08/2037	शनि 18/05/2053	केतु 07/02/2070	चंद्र 23/10/2087
गुरु 12/06/2024	शनि 13/06/2039	केतु 13/06/2055	चंद्र 12/06/2072	बुध 13/06/2090

सूर्य 11 वर्ष	मंगल 12 वर्ष	गुरु 13 वर्ष	शनि 14 वर्ष
13/06/2090	14/06/2101	14/06/2113	14/06/2126
14/06/2101	14/06/2113	14/06/2126	00/00/0000
सूर्य 29/06/2091	मंगल 10/09/2102	गुरु 28/11/2114	शनि 21/02/2128
मंगल 18/08/2092	गुरु 14/01/2104	शनि 23/06/2116	केतु 13/12/2129
गुरु 11/11/2093	शनि 26/06/2105	केतु 27/02/2118	चंद्र 19/11/2131
शनि 11/03/2095	केतु 14/01/2107	चंद्र 14/12/2119	बुध 09/01/2132
केतु 11/08/2096	चंद्र 10/09/2108	बुध 09/11/2121	00/00/0000
चंद्र 16/02/2098	बुध 14/06/2110	शुक्र 15/11/2123	00/00/0000
बुध 28/09/2099	शुक्र 24/04/2112	सूर्य 08/02/2125	00/00/0000
शुक्र 14/06/2101	सूर्य 14/06/2113	मंगल 14/06/2126	00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
षोडशोत्तरी दशा पूरे 116 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - बुध 08/01/2016 06/12/2017	शनि - शुक्र 06/12/2017 07/02/2020	शनि - सूर्य 07/02/2020 06/06/2021	शनि - मंगल 06/06/2021 17/11/2022	शनि - गुरु 17/11/2022 12/06/2024
बुध 06/03/2016 शुक्र 01/07/2016 सूर्य 10/09/2016 मंगल 26/11/2016 गुरु 18/02/2017 शनि 20/05/2017 केतु 25/08/2017 चंद्र 06/12/2017	शुक्र 08/04/2018 सूर्य 22/06/2018 मंगल 12/09/2018 गुरु 10/12/2018 शनि 16/03/2019 केतु 27/06/2019 चंद्र 14/10/2019 बुध 07/02/2020	सूर्य 24/03/2020 मंगल 14/05/2020 गुरु 07/07/2020 शनि 03/09/2020 केतु 05/11/2020 चंद्र 11/01/2021 बुध 23/03/2021 शुक्र 06/06/2021	मंगल 31/07/2021 गुरु 28/09/2021 शनि 01/12/2021 केतु 08/02/2022 चंद्र 22/04/2022 बुध 08/07/2022 शुक्र 28/09/2022 सूर्य 17/11/2022	गुरु 21/01/2023 शनि 31/03/2023 केतु 13/06/2023 चंद्र 31/08/2023 बुध 23/11/2023 शुक्र 20/02/2024 सूर्य 14/04/2024 मंगल 12/06/2024
केतु - केतु 12/06/2024 22/05/2026	केतु - चंद्र 22/05/2026 16/06/2028	केतु - बुध 16/06/2028 27/08/2030	केतु - शुक्र 27/08/2030 25/12/2032	केतु - सूर्य 25/12/2032 28/05/2034
केतु 12/09/2024 चंद्र 19/12/2024 बुध 02/04/2025 शुक्र 20/07/2025 सूर्य 26/09/2025 मंगल 08/12/2025 गुरु 25/02/2026 शनि 22/05/2026	चंद्र 03/09/2026 बुध 23/12/2026 शुक्र 19/04/2027 सूर्य 30/06/2027 मंगल 16/09/2027 गुरु 10/12/2027 शनि 10/03/2028 केतु 16/06/2028	बुध 11/10/2028 शुक्र 13/02/2029 सूर्य 30/04/2029 मंगल 22/07/2029 गुरु 20/10/2029 शनि 25/01/2030 केतु 09/05/2030 चंद्र 27/08/2030	शुक्र 06/01/2031 सूर्य 28/03/2031 मंगल 24/06/2031 गुरु 27/09/2031 शनि 08/01/2032 केतु 27/04/2032 चंद्र 22/08/2032 बुध 25/12/2032	सूर्य 12/02/2033 मंगल 07/04/2033 गुरु 04/06/2033 शनि 06/08/2033 केतु 12/10/2033 चंद्र 22/12/2033 बुध 09/03/2034 शुक्र 28/05/2034
केतु - मंगल 28/05/2034 16/12/2035	केतु - गुरु 16/12/2035 21/08/2037	केतु - शनि 21/08/2037 13/06/2039	चंद्र - चंद्र 13/06/2039 27/08/2041	चंद्र - बुध 27/08/2041 01/01/2044
मंगल 26/07/2034 गुरु 27/09/2034 शनि 05/12/2034 केतु 16/02/2035 चंद्र 05/05/2035 बुध 27/07/2035 शुक्र 23/10/2035 सूर्य 16/12/2035	गुरु 23/02/2036 शनि 07/05/2036 केतु 25/07/2036 चंद्र 18/10/2036 बुध 16/01/2037 शुक्र 21/04/2037 सूर्य 18/06/2037 मंगल 21/08/2037	शनि 09/11/2037 केतु 02/02/2038 चंद्र 04/05/2038 बुध 09/08/2038 शुक्र 20/11/2038 सूर्य 22/01/2039 मंगल 31/03/2039 गुरु 13/06/2039	चंद्र 02/10/2039 बुध 28/01/2040 शुक्र 02/06/2040 सूर्य 17/08/2040 मंगल 08/11/2040 गुरु 07/02/2041 शनि 15/05/2041 केतु 27/08/2041	बुध 31/12/2041 शुक्र 13/05/2042 सूर्य 02/08/2042 मंगल 29/10/2042 गुरु 02/02/2043 शनि 17/05/2043 केतु 05/09/2043 चंद्र 01/01/2044

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - शुक्र	चंद्र - सूर्य	चंद्र - मंगल	चंद्र - गुरु	चंद्र - शनि
01/01/2044	25/06/2046	01/01/2048	27/08/2049	13/06/2051
25/06/2046	01/01/2048	27/08/2049	13/06/2051	18/05/2053
शुक्र 20/05/2044	सूर्य 17/08/2046	मंगल 03/03/2048	गुरु 09/11/2049	शनि 06/09/2051
सूर्य 14/08/2044	मंगल 13/10/2046	गुरु 10/05/2048	शनि 27/01/2050	केतु 06/12/2051
मंगल 16/11/2044	गुरु 14/12/2046	शनि 22/07/2048	केतु 21/04/2050	चंद्र 13/03/2052
गुरु 26/02/2045	शनि 19/02/2047	केतु 08/10/2048	चंद्र 21/07/2050	बुध 24/06/2052
शनि 15/06/2045	केतु 02/05/2047	चंद्र 30/12/2048	बुध 25/10/2050	शुक्र 12/10/2052
केतु 10/10/2045	चंद्र 17/07/2047	बुध 29/03/2049	शुक्र 03/02/2051	सूर्य 17/12/2052
चंद्र 13/02/2046	बुध 07/10/2047	शुक्र 01/07/2049	सूर्य 06/04/2051	मंगल 28/02/2053
बुध 25/06/2046	शुक्र 01/01/2048	सूर्य 27/08/2049	मंगल 13/06/2051	गुरु 18/05/2053
चंद्र - केतु	बुध - बुध	बुध - शुक्र	बुध - सूर्य	बुध - मंगल
18/05/2053	13/06/2055	09/12/2057	30/07/2060	10/03/2062
13/06/2055	09/12/2057	30/07/2060	10/03/2062	13/12/2063
केतु 24/08/2053	बुध 24/10/2055	शुक्र 08/05/2058	सूर्य 23/09/2060	मंगल 16/05/2062
चंद्र 06/12/2053	शुक्र 14/03/2056	सूर्य 07/08/2058	मंगल 23/11/2060	गुरु 27/07/2062
बुध 27/03/2054	सूर्य 08/06/2056	मंगल 15/11/2058	गुरु 28/01/2061	शनि 12/10/2062
शुक्र 22/07/2054	मंगल 10/09/2056	गुरु 03/03/2059	शनि 09/04/2061	केतु 03/01/2063
सूर्य 02/10/2054	गुरु 21/12/2056	शनि 27/06/2059	केतु 25/06/2061	चंद्र 02/04/2063
मंगल 19/12/2054	शनि 10/04/2057	केतु 30/10/2059	चंद्र 14/09/2061	बुध 05/07/2063
गुरु 14/03/2055	केतु 06/08/2057	चंद्र 10/03/2060	बुध 09/12/2061	शुक्र 13/10/2063
शनि 13/06/2055	चंद्र 09/12/2057	बुध 30/07/2060	शुक्र 10/03/2062	सूर्य 13/12/2063
बुध - गुरु	बुध - शनि	बुध - केतु	बुध - चंद्र	शुक्र - शुक्र
13/12/2063	08/11/2065	27/11/2067	07/02/2070	12/06/2072
08/11/2065	27/11/2067	07/02/2070	12/06/2072	30/03/2075
गुरु 29/02/2064	शनि 06/02/2066	केतु 10/03/2068	चंद्र 05/06/2070	शुक्र 18/11/2072
शनि 23/05/2064	केतु 14/05/2066	चंद्र 29/06/2068	बुध 09/10/2070	सूर्य 22/02/2073
केतु 21/08/2064	चंद्र 25/08/2066	बुध 24/10/2068	शुक्र 18/02/2071	मंगल 08/06/2073
चंद्र 25/11/2064	बुध 13/12/2066	शुक्र 26/02/2069	सूर्य 11/05/2071	गुरु 30/09/2073
बुध 07/03/2065	शुक्र 08/04/2067	सूर्य 13/05/2069	मंगल 07/08/2071	शनि 31/01/2074
शुक्र 23/06/2065	सूर्य 19/06/2067	मंगल 04/08/2069	गुरु 11/11/2071	केतु 12/06/2074
सूर्य 28/08/2065	मंगल 04/09/2067	गुरु 02/11/2069	शनि 23/02/2072	चंद्र 31/10/2074
मंगल 08/11/2065	गुरु 27/11/2067	शनि 07/02/2070	केतु 12/06/2072	बुध 30/03/2075



FUTUREPOINT
Astro Solutions



षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - सूर्य 30/03/2075 12/12/2076	शुक्र - मंगल 12/12/2076 23/10/2078	शुक्र - गुरु 23/10/2078 29/10/2080	शुक्र - शनि 29/10/2080 31/12/2082	शुक्र - केतु 31/12/2082 30/04/2085
सूर्य 28/05/2075 मंगल 31/07/2075 गुरु 09/10/2075 शनि 23/12/2075 केतु 13/03/2076 चंद्र 07/06/2076 बुध 06/09/2076 शुक्र 12/12/2076	मंगल 20/02/2077 गुरु 08/05/2077 शनि 29/07/2077 केतु 25/10/2077 चंद्र 26/01/2078 बुध 06/05/2078 शुक्र 20/08/2078 सूर्य 23/10/2078	गुरु 14/01/2079 शनि 13/04/2079 केतु 17/07/2079 चंद्र 27/10/2079 बुध 12/02/2080 शुक्र 05/06/2080 सूर्य 14/08/2080 मंगल 29/10/2080	शनि 02/02/2081 केतु 15/05/2081 चंद्र 02/09/2081 बुध 27/12/2081 शुक्र 29/04/2082 सूर्य 13/07/2082 मंगल 03/10/2082 गुरु 31/12/2082	केतु 20/04/2083 चंद्र 16/08/2083 बुध 18/12/2083 शुक्र 28/04/2084 सूर्य 18/07/2084 मंगल 14/10/2084 गुरु 17/01/2085 शनि 30/04/2085
शुक्र - चंद्र 30/04/2085 23/10/2087	शुक्र - बुध 23/10/2087 13/06/2090	सूर्य - सूर्य 13/06/2090 29/06/2091	सूर्य - मंगल 29/06/2091 18/08/2092	सूर्य - गुरु 18/08/2092 11/11/2093
चंद्र 02/09/2085 बुध 13/01/2086 शुक्र 02/06/2086 सूर्य 27/08/2086 मंगल 29/11/2086 गुरु 11/03/2087 शनि 28/06/2087 केतु 23/10/2087	बुध 13/03/2088 शुक्र 09/08/2088 सूर्य 08/11/2088 मंगल 16/02/2089 गुरु 04/06/2089 शनि 28/09/2089 केतु 31/01/2090 चंद्र 13/06/2090	सूर्य 19/07/2090 मंगल 27/08/2090 गुरु 09/10/2090 शनि 24/11/2090 केतु 12/01/2091 चंद्र 06/03/2091 बुध 01/05/2091 शुक्र 29/06/2091	मंगल 11/08/2091 गुरु 26/09/2091 शनि 16/11/2091 केतु 08/01/2092 चंद्र 06/03/2092 बुध 06/05/2092 शुक्र 09/07/2092 सूर्य 18/08/2092	गुरु 07/10/2092 शनि 30/11/2092 केतु 28/01/2093 चंद्र 31/03/2093 बुध 05/06/2093 शुक्र 13/08/2093 सूर्य 25/09/2093 मंगल 11/11/2093
सूर्य - शनि 11/11/2093 11/03/2095	सूर्य - केतु 11/03/2095 11/08/2096	सूर्य - चंद्र 11/08/2096 16/02/2098	सूर्य - बुध 16/02/2098 28/09/2099	सूर्य - शुक्र 28/09/2099 14/06/2101
शनि 08/01/2094 केतु 12/03/2094 चंद्र 18/05/2094 बुध 28/07/2094 शुक्र 11/10/2094 सूर्य 26/11/2094 मंगल 15/01/2095 गुरु 11/03/2095	केतु 17/05/2095 चंद्र 28/07/2095 बुध 12/10/2095 शुक्र 31/12/2095 सूर्य 19/02/2096 मंगल 12/04/2096 गुरु 10/06/2096 शनि 11/08/2096	चंद्र 27/10/2096 बुध 16/01/2097 शुक्र 12/04/2097 सूर्य 03/06/2097 मंगल 31/07/2097 गुरु 01/10/2097 शनि 07/12/2097 केतु 16/02/2098	बुध 14/05/2098 शुक्र 13/08/2098 सूर्य 08/10/2098 मंगल 08/12/2098 गुरु 12/02/2099 शनि 24/04/2099 केतु 09/07/2099 चंद्र 28/09/2099	शुक्र 03/01/2100 सूर्य 03/03/2100 मंगल 07/05/2100 गुरु 15/07/2100 शनि 29/09/2100 केतु 18/12/2100 चंद्र 14/03/2101 बुध 14/06/2101

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

मंगल - मंगल 14/06/2101 10/09/2102	मंगल - गुरु 10/09/2102 14/01/2104	मंगल - शनि 14/01/2104 26/06/2105	मंगल - केतु 26/06/2105 14/01/2107	मंगल - चंद्र 14/01/2107 10/09/2108
मंगल 31/07/2101	गुरु 04/11/2102	शनि 18/03/2104	केतु 08/09/2105	चंद्र 07/04/2107
गुरु 19/09/2101	शनि 02/01/2103	केतु 25/05/2104	चंद्र 25/11/2105	बुध 05/07/2107
शनि 13/11/2101	केतु 07/03/2103	चंद्र 06/08/2104	बुध 16/02/2106	शुक्र 07/10/2107
केतु 11/01/2102	चंद्र 14/05/2103	बुध 23/10/2104	शुक्र 15/05/2106	सूर्य 03/12/2107
चंद्र 14/03/2102	बुध 25/07/2103	शुक्र 13/01/2105	सूर्य 07/07/2106	मंगल 04/02/2108
बुध 20/05/2102	शुक्र 09/10/2103	सूर्य 04/03/2105	मंगल 04/09/2106	गुरु 11/04/2108
शुक्र 29/07/2102	सूर्य 24/11/2103	मंगल 28/04/2105	गुरु 07/11/2106	शनि 23/06/2108
सूर्य 10/09/2102	मंगल 14/01/2104	गुरु 26/06/2105	शनि 14/01/2107	केतु 10/09/2108
मंगल - बुध 10/09/2108 14/06/2110	मंगल - शुक्र 14/06/2110 24/04/2112	मंगल - सूर्य 24/04/2112 14/06/2113	गुरु - गुरु 14/06/2113 28/11/2114	गुरु - शनि 28/11/2114 23/06/2116
बुध 13/12/2108	शुक्र 27/09/2110	सूर्य 02/06/2112	गुरु 12/08/2113	शनि 05/02/2115
शुक्र 22/03/2109	सूर्य 01/12/2110	मंगल 15/07/2112	शनि 15/10/2113	केतु 20/04/2115
सूर्य 22/05/2109	मंगल 09/02/2111	गुरु 31/08/2112	केतु 23/12/2113	चंद्र 08/07/2115
मंगल 28/07/2109	गुरु 26/04/2111	शनि 20/10/2112	चंद्र 07/03/2114	बुध 30/09/2115
गुरु 08/10/2109	शनि 18/07/2111	केतु 13/12/2112	बुध 24/05/2114	शुक्र 28/12/2115
शनि 24/12/2109	केतु 14/10/2111	चंद्र 08/02/2113	शुक्र 14/08/2114	सूर्य 20/02/2116
केतु 17/03/2110	चंद्र 15/01/2112	बुध 10/04/2113	सूर्य 04/10/2114	मंगल 20/04/2116
चंद्र 14/06/2110	बुध 24/04/2112	शुक्र 14/06/2113	मंगल 28/11/2114	गुरु 23/06/2116
गुरु - केतु 23/06/2116 27/02/2118	गुरु - चंद्र 27/02/2118 14/12/2119	गुरु - बुध 14/12/2119 09/11/2121	गुरु - शुक्र 09/11/2121 15/11/2123	गुरु - सूर्य 15/11/2123 08/02/2125
केतु 10/09/2116	चंद्र 28/05/2118	बुध 25/03/2120	शुक्र 03/03/2122	सूर्य 28/12/2123
चंद्र 04/12/2116	बुध 01/09/2118	शुक्र 11/07/2120	सूर्य 12/05/2122	मंगल 13/02/2124
बुध 04/03/2117	शुक्र 12/12/2118	सूर्य 15/09/2120	मंगल 27/07/2122	गुरु 03/04/2124
शुक्र 07/06/2117	सूर्य 12/02/2119	मंगल 26/11/2120	गुरु 18/10/2122	शनि 27/05/2124
सूर्य 04/08/2117	मंगल 21/04/2119	गुरु 12/02/2121	शनि 15/01/2123	केतु 25/07/2124
मंगल 07/10/2117	गुरु 03/07/2119	शनि 07/05/2121	केतु 20/04/2123	चंद्र 25/09/2124
गुरु 15/12/2117	शनि 20/09/2119	केतु 05/08/2121	चंद्र 30/07/2123	बुध 30/11/2124
शनि 27/02/2118	केतु 14/12/2119	चंद्र 09/11/2121	बुध 15/11/2123	शुक्र 08/02/2125

त्रिभगी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 9 मास 21 दिन

केतु 5 वर्ष	शुक्र 13 वर्ष	सूर्य 4 वर्ष	चंद्र 7 वर्ष	मंगल 5 वर्ष
08/01/2016	30/10/2018	29/02/2032	29/02/2036	30/10/2042
30/10/2018	29/02/2032	29/02/2036	30/10/2042	01/07/2047
00/00/0000	शुक्र 19/01/2021	सूर्य 12/05/2032	चंद्र 19/09/2036	मंगल 07/02/2043
00/00/0000	सूर्य 20/09/2021	चंद्र 11/09/2032	मंगल 08/02/2037	राहु 20/10/2043
00/00/0000	चंद्र 30/10/2022	मंगल 05/12/2032	राहु 09/02/2038	गुरु 04/06/2044
08/01/2016	मंगल 10/08/2023	राहु 13/07/2033	गुरु 30/12/2038	शनि 01/03/2045
मंगल 09/02/2016	राहु 10/08/2025	गुरु 23/01/2034	शनि 20/01/2040	बुध 28/10/2045
राहु 22/10/2016	गुरु 21/05/2027	शनि 12/09/2034	बुध 30/12/2040	केतु 04/02/2046
गुरु 06/06/2017	शनि 30/06/2029	बुध 07/04/2035	केतु 21/05/2041	शुक्र 16/11/2046
शनि 03/03/2018	बुध 21/05/2031	केतु 01/07/2035	शुक्र 01/07/2042	सूर्य 09/02/2047
बुध 30/10/2018	केतु 29/02/2032	शुक्र 29/02/2036	सूर्य 30/10/2042	चंद्र 01/07/2047
राहु 12 वर्ष	गुरु 11 वर्ष	शनि 13 वर्ष	बुध 11 वर्ष	केतु 5 वर्ष
01/07/2047	01/07/2059	01/03/2070	30/10/2082	01/03/2094
01/07/2059	01/03/2070	30/10/2082	01/03/2094	00/00/0000
राहु 18/04/2049	गुरु 01/12/2060	शनि 02/03/2072	बुध 08/06/2084	केतु 08/06/2094
गुरु 24/11/2050	शनि 10/08/2062	बुध 18/12/2073	केतु 04/02/2085	शुक्र 19/03/2095
शनि 18/10/2052	बुध 13/02/2064	केतु 14/09/2074	शुक्र 26/12/2086	सूर्य 13/06/2095
बुध 01/07/2054	केतु 27/09/2064	शुक्र 24/10/2076	सूर्य 21/07/2087	चंद्र 02/11/2095
केतु 13/03/2055	शुक्र 09/07/2066	सूर्य 12/06/2077	चंद्र 30/06/2088	मंगल 08/01/2096
शुक्र 13/03/2057	सूर्य 20/01/2067	चंद्र 03/07/2078	मंगल 27/02/2089	00/00/0000
सूर्य 18/10/2057	चंद्र 10/12/2067	मंगल 29/03/2079	राहु 09/11/2090	00/00/0000
चंद्र 18/10/2058	मंगल 24/07/2068	राहु 20/02/2081	गुरु 14/05/2092	00/00/0000
मंगल 01/07/2059	राहु 01/03/2070	गुरु 30/10/2082	शनि 01/03/2094	00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
त्रिभगी दशा पूरे 80 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

केतु - मंगल	केतु - राहु	केतु - गुरु	केतु - शनि	केतु - बुध
08/01/2016	09/02/2016	22/10/2016	06/06/2017	03/03/2018
09/02/2016	22/10/2016	06/06/2017	03/03/2018	30/10/2018
00/00/0000	राहु 18/03/2016	गुरु 21/11/2016	शनि 19/07/2017	बुध 06/04/2018
00/00/0000	गुरु 21/04/2016	शनि 27/12/2016	बुध 26/08/2017	केतु 20/04/2018
00/00/0000	शनि 01/06/2016	बुध 28/01/2017	केतु 11/09/2017	शुक्र 30/05/2018
00/00/0000	बुध 07/07/2016	केतु 10/02/2017	शुक्र 26/10/2017	सूर्य 11/06/2018
08/01/2016	केतु 22/07/2016	शुक्र 20/03/2017	सूर्य 08/11/2017	चंद्र 02/07/2018
केतु 10/01/2016	शुक्र 03/09/2016	सूर्य 01/04/2017	चंद्र 01/12/2017	मंगल 16/07/2018
शुक्र 27/01/2016	सूर्य 15/09/2016	चंद्र 20/04/2017	मंगल 16/12/2017	राहु 21/08/2018
सूर्य 01/02/2016	चंद्र 07/10/2016	मंगल 03/05/2017	राहु 26/01/2018	गुरु 22/09/2018
चंद्र 09/02/2016	मंगल 22/10/2016	राहु 06/06/2017	गुरु 03/03/2018	शनि 30/10/2018

शुक्र - शुक्र	शुक्र - सूर्य	शुक्र - चंद्र	शुक्र - मंगल	शुक्र - राहु
30/10/2018	19/01/2021	20/09/2021	30/10/2022	10/08/2023
19/01/2021	20/09/2021	30/10/2022	10/08/2023	10/08/2025
शुक्र 15/03/2019	सूर्य 31/01/2021	चंद्र 23/10/2021	मंगल 16/11/2022	राहु 28/11/2023
सूर्य 24/04/2019	चंद्र 20/02/2021	मंगल 16/11/2021	राहु 29/12/2022	गुरु 04/03/2024
चंद्र 01/07/2019	मंगल 07/03/2021	राहु 16/01/2022	गुरु 04/02/2023	शनि 28/06/2024
मंगल 17/08/2019	राहु 12/04/2021	गुरु 11/03/2022	शनि 21/03/2023	बुध 10/10/2024
राहु 17/12/2019	गुरु 15/05/2021	शनि 14/05/2022	बुध 01/05/2023	केतु 21/11/2024
गुरु 03/04/2020	शनि 22/06/2021	बुध 11/07/2022	केतु 17/05/2023	शुक्र 23/03/2025
शनि 10/08/2020	बुध 27/07/2021	केतु 03/08/2022	शुक्र 04/07/2023	सूर्य 28/04/2025
बुध 03/12/2020	केतु 10/08/2021	शुक्र 10/10/2022	सूर्य 18/07/2023	चंद्र 28/06/2025
केतु 19/01/2021	शुक्र 20/09/2021	सूर्य 30/10/2022	चंद्र 10/08/2023	मंगल 10/08/2025

शुक्र - गुरु	शुक्र - शनि	शुक्र - बुध	शुक्र - केतु	सूर्य - सूर्य
10/08/2025	21/05/2027	30/06/2029	21/05/2031	29/02/2032
21/05/2027	30/06/2029	21/05/2031	29/02/2032	12/05/2032
गुरु 04/11/2025	शनि 20/09/2027	बुध 06/10/2029	केतु 07/06/2031	सूर्य 04/03/2032
शनि 15/02/2026	बुध 08/01/2028	केतु 15/11/2029	शुक्र 24/07/2031	चंद्र 10/03/2032
बुध 18/05/2026	केतु 22/02/2028	शुक्र 10/03/2030	सूर्य 07/08/2031	मंगल 14/03/2032
केतु 25/06/2026	शुक्र 29/06/2028	सूर्य 14/04/2030	चंद्र 31/08/2031	राहु 25/03/2032
शुक्र 11/10/2026	सूर्य 07/08/2028	चंद्र 10/06/2030	मंगल 17/09/2031	गुरु 04/04/2032
सूर्य 13/11/2026	चंद्र 10/10/2028	मंगल 21/07/2030	राहु 29/10/2031	शनि 16/04/2032
चंद्र 06/01/2027	मंगल 24/11/2028	राहु 01/11/2030	गुरु 06/12/2031	बुध 26/04/2032
मंगल 13/02/2027	राहु 20/03/2029	गुरु 01/02/2031	शनि 20/01/2032	केतु 30/04/2032
राहु 21/05/2027	गुरु 30/06/2029	शनि 21/05/2031	बुध 29/02/2032	शुक्र 12/05/2032

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

सूर्य - चंद्र 12/05/2032 11/09/2032	सूर्य - मंगल 11/09/2032 05/12/2032	सूर्य - राहु 05/12/2032 13/07/2033	सूर्य - गुरु 13/07/2033 23/01/2034	सूर्य - शनि 23/01/2034 12/09/2034
चंद्र 23/05/2032 मंगल 30/05/2032 राहु 17/06/2032 गुरु 03/07/2032 शनि 22/07/2032 बुध 09/08/2032 केतु 16/08/2032 शुक्र 05/09/2032 सूर्य 11/09/2032	मंगल 16/09/2032 राहु 29/09/2032 गुरु 10/10/2032 शनि 24/10/2032 बुध 05/11/2032 केतु 10/11/2032 शुक्र 24/11/2032 सूर्य 28/11/2032 चंद्र 05/12/2032	राहु 07/01/2033 गुरु 05/02/2033 शनि 12/03/2033 बुध 12/04/2033 केतु 25/04/2033 शुक्र 01/06/2033 सूर्य 11/06/2033 चंद्र 30/06/2033 मंगल 13/07/2033	गुरु 07/08/2033 शनि 07/09/2033 बुध 05/10/2033 केतु 16/10/2033 शुक्र 18/11/2033 सूर्य 27/11/2033 चंद्र 14/12/2033 मंगल 25/12/2033 राहु 23/01/2034	शनि 01/03/2034 बुध 03/04/2034 केतु 16/04/2034 शुक्र 25/05/2034 सूर्य 05/06/2034 चंद्र 25/06/2034 मंगल 08/07/2034 राहु 12/08/2034 गुरु 12/09/2034
सूर्य - बुध 12/09/2034 07/04/2035	सूर्य - केतु 07/04/2035 01/07/2035	सूर्य - शुक्र 01/07/2035 29/02/2036	चंद्र - चंद्र 29/02/2036 19/09/2036	चंद्र - मंगल 19/09/2036 08/02/2037
बुध 11/10/2034 केतु 23/10/2034 शुक्र 27/11/2034 सूर्य 07/12/2034 चंद्र 24/12/2034 मंगल 05/01/2035 राहु 05/02/2035 गुरु 05/03/2035 शनि 07/04/2035	केतु 12/04/2035 शुक्र 26/04/2035 सूर्य 30/04/2035 चंद्र 07/05/2035 मंगल 12/05/2035 राहु 25/05/2035 गुरु 05/06/2035 शनि 19/06/2035 बुध 01/07/2035	शुक्र 10/08/2035 सूर्य 23/08/2035 चंद्र 12/09/2035 मंगल 26/09/2035 राहु 02/11/2035 गुरु 04/12/2035 शनि 12/01/2036 बुध 15/02/2036 केतु 29/02/2036	चंद्र 17/03/2036 मंगल 29/03/2036 राहु 29/04/2036 गुरु 26/05/2036 शनि 27/06/2036 बुध 25/07/2036 केतु 06/08/2036 शुक्र 09/09/2036 सूर्य 19/09/2036	मंगल 28/09/2036 राहु 19/10/2036 गुरु 07/11/2036 शनि 29/11/2036 बुध 19/12/2036 केतु 28/12/2036 शुक्र 20/01/2037 सूर्य 27/01/2037 चंद्र 08/02/2037
चंद्र - राहु 08/02/2037 09/02/2038	चंद्र - गुरु 09/02/2038 30/12/2038	चंद्र - शनि 30/12/2038 20/01/2040	चंद्र - बुध 20/01/2040 30/12/2040	चंद्र - केतु 30/12/2040 21/05/2041
राहु 04/04/2037 गुरु 23/05/2037 शनि 20/07/2037 बुध 09/09/2037 केतु 01/10/2037 शुक्र 01/12/2037 सूर्य 19/12/2037 चंद्र 18/01/2038 मंगल 09/02/2038	गुरु 24/03/2038 शनि 14/05/2038 बुध 29/06/2038 केतु 18/07/2038 शुक्र 10/09/2038 सूर्य 27/09/2038 चंद्र 24/10/2038 मंगल 12/11/2038 राहु 30/12/2038	शनि 01/03/2039 बुध 25/04/2039 केतु 17/05/2039 शुक्र 21/07/2039 सूर्य 09/08/2039 चंद्र 10/09/2039 मंगल 03/10/2039 राहु 29/11/2039 गुरु 20/01/2040	बुध 09/03/2040 केतु 29/03/2040 शुक्र 25/05/2040 सूर्य 11/06/2040 चंद्र 10/07/2040 मंगल 30/07/2040 राहु 20/09/2040 गुरु 05/11/2040 शनि 30/12/2040	केतु 07/01/2041 शुक्र 31/01/2041 सूर्य 07/02/2041 चंद्र 19/02/2041 मंगल 27/02/2041 राहु 20/03/2041 गुरु 08/04/2041 शनि 01/05/2041 बुध 21/05/2041

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - शुक्र 21/05/2041 01/07/2042	चंद्र - सूर्य 01/07/2042 30/10/2042	मंगल - मंगल 30/10/2042 07/02/2043	मंगल - राहु 07/02/2043 20/10/2043	मंगल - गुरु 20/10/2043 04/06/2044
शुक्र 27/07/2041 सूर्य 17/08/2041 चंद्र 20/09/2041 मंगल 13/10/2041 राहु 13/12/2041 गुरु 05/02/2042 शनि 10/04/2042 बुध 07/06/2042 केतु 01/07/2042	सूर्य 07/07/2042 चंद्र 17/07/2042 मंगल 24/07/2042 राहु 11/08/2042 गुरु 27/08/2042 शनि 16/09/2042 बुध 03/10/2042 केतु 10/10/2042 शुक्र 30/10/2042	मंगल 05/11/2042 राहु 20/11/2042 गुरु 03/12/2042 शनि 19/12/2042 बुध 02/01/2043 केतु 08/01/2043 शुक्र 25/01/2043 सूर्य 29/01/2043 चंद्र 07/02/2043	राहु 17/03/2043 गुरु 20/04/2043 शनि 31/05/2043 बुध 06/07/2043 केतु 21/07/2043 शुक्र 01/09/2043 सूर्य 14/09/2043 चंद्र 06/10/2043 मंगल 20/10/2043	गुरु 20/11/2043 शनि 26/12/2043 बुध 27/01/2044 केतु 09/02/2044 शुक्र 18/03/2044 सूर्य 29/03/2044 चंद्र 17/04/2044 मंगल 01/05/2044 राहु 04/06/2044
मंगल - शनि 04/06/2044 01/03/2045	मंगल - बुध 01/03/2045 28/10/2045	मंगल - केतु 28/10/2045 04/02/2046	मंगल - शुक्र 04/02/2046 16/11/2046	मंगल - सूर्य 16/11/2046 09/02/2047
शनि 16/07/2044 बुध 24/08/2044 केतु 08/09/2044 शुक्र 23/10/2044 सूर्य 06/11/2044 चंद्र 28/11/2044 मंगल 14/12/2044 राहु 24/01/2045 गुरु 01/03/2045	बुध 04/04/2045 केतु 18/04/2045 शुक्र 28/05/2045 सूर्य 09/06/2045 चंद्र 29/06/2045 मंगल 13/07/2045 राहु 19/08/2045 गुरु 20/09/2045 शनि 28/10/2045	केतु 03/11/2045 शुक्र 19/11/2045 सूर्य 24/11/2045 चंद्र 03/12/2045 मंगल 08/12/2045 राहु 23/12/2045 गुरु 06/01/2046 शनि 21/01/2046 बुध 04/02/2046	शुक्र 24/03/2046 सूर्य 07/04/2046 चंद्र 01/05/2046 मंगल 17/05/2046 राहु 29/06/2046 गुरु 06/08/2046 शनि 20/09/2046 बुध 30/10/2046 केतु 16/11/2046	सूर्य 20/11/2046 चंद्र 27/11/2046 मंगल 02/12/2046 राहु 15/12/2046 गुरु 26/12/2046 शनि 09/01/2047 बुध 21/01/2047 केतु 26/01/2047 शुक्र 09/02/2047
मंगल - चंद्र 09/02/2047 01/07/2047	राहु - राहु 01/07/2047 18/04/2049	राहु - गुरु 18/04/2049 24/11/2050	राहु - शनि 24/11/2050 18/10/2052	राहु - बुध 18/10/2052 01/07/2054
चंद्र 21/02/2047 मंगल 01/03/2047 राहु 22/03/2047 गुरु 10/04/2047 शनि 03/05/2047 बुध 23/05/2047 केतु 31/05/2047 शुक्र 24/06/2047 सूर्य 01/07/2047	राहु 07/10/2047 गुरु 03/01/2048 शनि 16/04/2048 बुध 18/07/2048 केतु 26/08/2048 शुक्र 13/12/2048 सूर्य 15/01/2049 चंद्र 11/03/2049 मंगल 18/04/2049	गुरु 05/07/2049 शनि 06/10/2049 बुध 28/12/2049 केतु 31/01/2050 शुक्र 08/05/2050 सूर्य 06/06/2050 चंद्र 25/07/2050 मंगल 28/08/2050 राहु 24/11/2050	शनि 14/03/2051 बुध 20/06/2051 केतु 30/07/2051 शुक्र 23/11/2051 सूर्य 28/12/2051 चंद्र 24/02/2052 मंगल 04/04/2052 राहु 17/07/2052 गुरु 18/10/2052	बुध 14/01/2053 केतु 19/02/2053 शुक्र 02/06/2053 सूर्य 03/07/2053 चंद्र 24/08/2053 मंगल 29/09/2053 राहु 31/12/2053 गुरु 24/03/2054 शनि 01/07/2054



FUTUREPOINT
Astro Solutions



त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - केतु 01/07/2054 13/03/2055	राहु - शुक्र 13/03/2055 13/03/2057	राहु - सूर्य 13/03/2057 18/10/2057	राहु - चंद्र 18/10/2057 18/10/2058	राहु - मंगल 18/10/2058 01/07/2059
केतु 15/07/2054 शुक्र 27/08/2054 सूर्य 09/09/2054 चंद्र 30/09/2054 मंगल 15/10/2054 राहु 22/11/2054 गुरु 27/12/2054 शनि 05/02/2055 बुध 13/03/2055	शुक्र 13/07/2055 सूर्य 19/08/2055 चंद्र 18/10/2055 मंगल 30/11/2055 राहु 19/03/2056 गुरु 24/06/2056 शनि 18/10/2056 बुध 29/01/2057 केतु 13/03/2057	सूर्य 24/03/2057 चंद्र 11/04/2057 मंगल 24/04/2057 राहु 27/05/2057 गुरु 25/06/2057 शनि 30/07/2057 बुध 30/08/2057 केतु 11/09/2057 शुक्र 18/10/2057	चंद्र 17/11/2057 मंगल 09/12/2057 राहु 01/02/2058 गुरु 22/03/2058 शनि 19/05/2058 बुध 10/07/2058 केतु 31/07/2058 शुक्र 30/09/2058 सूर्य 18/10/2058	मंगल 02/11/2058 राहु 10/12/2058 गुरु 14/01/2059 शनि 23/02/2059 बुध 31/03/2059 केतु 15/04/2059 शुक्र 28/05/2059 सूर्य 10/06/2059 चंद्र 01/07/2059
गुरु - गुरु 01/07/2059 01/12/2060	गुरु - शनि 01/12/2060 10/08/2062	गुरु - बुध 10/08/2062 13/02/2064	गुरु - केतु 13/02/2064 27/09/2064	गुरु - शुक्र 27/09/2064 09/07/2066
गुरु 08/09/2059 शनि 29/11/2059 बुध 11/02/2060 केतु 12/03/2060 शुक्र 07/06/2060 सूर्य 03/07/2060 चंद्र 15/08/2060 मंगल 14/09/2060 राहु 01/12/2060	शनि 09/03/2061 बुध 04/06/2061 केतु 10/07/2061 शुक्र 21/10/2061 सूर्य 21/11/2061 चंद्र 11/01/2062 मंगल 16/02/2062 राहु 20/05/2062 गुरु 10/08/2062	बुध 27/10/2062 केतु 29/11/2062 शुक्र 01/03/2063 सूर्य 28/03/2063 चंद्र 13/05/2063 मंगल 14/06/2063 राहु 05/09/2063 गुरु 18/11/2063 शनि 13/02/2064	केतु 26/02/2064 शुक्र 04/04/2064 सूर्य 16/04/2064 चंद्र 05/05/2064 मंगल 18/05/2064 राहु 21/06/2064 गुरु 21/07/2064 शनि 26/08/2064 बुध 27/09/2064	शुक्र 14/01/2065 सूर्य 15/02/2065 चंद्र 10/04/2065 मंगल 18/05/2065 राहु 23/08/2065 गुरु 18/11/2065 शनि 01/03/2066 बुध 01/06/2066 केतु 09/07/2066
गुरु - सूर्य 09/07/2066 20/01/2067	गुरु - चंद्र 20/01/2067 10/12/2067	गुरु - मंगल 10/12/2067 24/07/2068	गुरु - राहु 24/07/2068 01/03/2070	शनि - शनि 01/03/2070 02/03/2072
सूर्य 18/07/2066 चंद्र 04/08/2066 मंगल 15/08/2066 राहु 13/09/2066 गुरु 09/10/2066 शनि 09/11/2066 बुध 07/12/2066 केतु 18/12/2066 शुक्र 20/01/2067	चंद्र 16/02/2067 मंगल 06/03/2067 राहु 24/04/2067 गुरु 06/06/2067 शनि 28/07/2067 बुध 12/09/2067 केतु 01/10/2067 शुक्र 24/11/2067 सूर्य 10/12/2067	मंगल 23/12/2067 राहु 27/01/2068 गुरु 26/02/2068 शनि 02/04/2068 बुध 04/05/2068 केतु 17/05/2068 शुक्र 24/06/2068 सूर्य 05/07/2068 चंद्र 24/07/2068	राहु 20/10/2068 गुरु 06/01/2069 शनि 09/04/2069 बुध 30/06/2069 केतु 03/08/2069 शुक्र 09/11/2069 सूर्य 08/12/2069 चंद्र 26/01/2070 मंगल 01/03/2070	शनि 25/06/2070 बुध 07/10/2070 केतु 18/11/2070 शुक्र 20/03/2071 सूर्य 26/04/2071 चंद्र 26/06/2071 मंगल 08/08/2071 राहु 26/11/2071 गुरु 02/03/2072



FUTUREPOINT
Astro Solutions



त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - बुध 02/03/2072 18/12/2073	शनि - केतु 18/12/2073 14/09/2074	शनि - शुक्र 14/09/2074 24/10/2076	शनि - सूर्य 24/10/2076 12/06/2077	शनि - चंद्र 12/06/2077 03/07/2078
बुध 03/06/2072 केतु 11/07/2072 शुक्र 29/10/2072 सूर्य 30/11/2072 चंद्र 24/01/2073 मंगल 03/03/2073 राहु 10/06/2073 गुरु 05/09/2073 शनि 18/12/2073	केतु 03/01/2074 शुक्र 17/02/2074 सूर्य 02/03/2074 चंद्र 24/03/2074 मंगल 09/04/2074 राहु 20/05/2074 गुरु 25/06/2074 शनि 06/08/2074 बुध 14/09/2074	शुक्र 20/01/2075 सूर्य 28/02/2075 चंद्र 03/05/2075 मंगल 17/06/2075 राहु 11/10/2075 गुरु 21/01/2076 शनि 23/05/2076 बुध 09/09/2076 केतु 24/10/2076	सूर्य 04/11/2076 चंद्र 24/11/2076 मंगल 07/12/2076 राहु 11/01/2077 गुरु 11/02/2077 शनि 19/03/2077 बुध 21/04/2077 केतु 05/05/2077 शुक्र 12/06/2077	चंद्र 14/07/2077 मंगल 06/08/2077 राहु 03/10/2077 गुरु 23/11/2077 शनि 23/01/2078 बुध 19/03/2078 केतु 10/04/2078 शुक्र 13/06/2078 सूर्य 03/07/2078
शनि - मंगल 03/07/2078 29/03/2079	शनि - राहु 29/03/2079 20/02/2081	शनि - गुरु 20/02/2081 30/10/2082	बुध - बुध 30/10/2082 08/06/2084	बुध - केतु 08/06/2084 04/02/2085
मंगल 18/07/2078 राहु 28/08/2078 गुरु 03/10/2078 शनि 15/11/2078 बुध 23/12/2078 केतु 08/01/2079 शुक्र 22/02/2079 सूर्य 07/03/2079 चंद्र 29/03/2079	राहु 12/07/2079 गुरु 12/10/2079 शनि 30/01/2080 बुध 07/05/2080 केतु 17/06/2080 शुक्र 10/10/2080 सूर्य 14/11/2080 चंद्र 11/01/2081 मंगल 20/02/2081	गुरु 14/05/2081 शनि 19/08/2081 बुध 15/11/2081 केतु 21/12/2081 शुक्र 03/04/2082 सूर्य 03/05/2082 चंद्र 24/06/2082 मंगल 30/07/2082 राहु 30/10/2082	बुध 21/01/2083 केतु 25/02/2083 शुक्र 02/06/2083 सूर्य 02/07/2083 चंद्र 20/08/2083 मंगल 23/09/2083 राहु 20/12/2083 गुरु 07/03/2084 शनि 08/06/2084	केतु 22/06/2084 शुक्र 01/08/2084 सूर्य 13/08/2084 चंद्र 02/09/2084 मंगल 16/09/2084 राहु 23/10/2084 गुरु 24/11/2084 शनि 01/01/2085 बुध 04/02/2085
बुध - शुक्र 04/02/2085 26/12/2086	बुध - सूर्य 26/12/2086 21/07/2087	बुध - चंद्र 21/07/2087 30/06/2088	बुध - मंगल 30/06/2088 27/02/2089	बुध - राहु 27/02/2089 09/11/2090
शुक्र 30/05/2085 सूर्य 04/07/2085 चंद्र 30/08/2085 मंगल 09/10/2085 राहु 21/01/2086 गुरु 23/04/2086 शनि 10/08/2086 बुध 16/11/2086 केतु 26/12/2086	सूर्य 05/01/2087 चंद्र 23/01/2087 मंगल 04/02/2087 राहु 07/03/2087 गुरु 03/04/2087 शनि 06/05/2087 बुध 05/06/2087 केतु 17/06/2087 शुक्र 21/07/2087	चंद्र 19/08/2087 मंगल 08/09/2087 राहु 30/10/2087 गुरु 15/12/2087 शनि 07/02/2088 बुध 27/03/2088 केतु 16/04/2088 शुक्र 13/06/2088 सूर्य 30/06/2088	मंगल 14/07/2088 राहु 19/08/2088 गुरु 21/09/2088 शनि 29/10/2088 बुध 02/12/2088 केतु 16/12/2088 शुक्र 25/01/2089 सूर्य 06/02/2089 चंद्र 27/02/2089	राहु 31/05/2089 गुरु 21/08/2089 शनि 28/11/2089 बुध 24/02/2090 केतु 01/04/2090 शुक्र 13/07/2090 सूर्य 14/08/2090 चंद्र 04/10/2090 मंगल 09/11/2090

अष्टोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 2 वर्ष 0 मास 2 दिन

शनि 10 वर्ष	गुरु 19 वर्ष	राहु 12 वर्ष	शुक्र 21 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
08/01/2016	10/01/2018	10/01/2037	10/01/2049	10/01/2070
10/01/2018	10/01/2037	10/01/2049	10/01/2070	11/01/2076
00/00/0000	गुरु 15/05/2021	राहु 12/05/2038	शुक्र 09/02/2053	सूर्य 12/05/2070
00/00/0000	राहु 25/06/2023	शुक्र 10/09/2040	सूर्य 11/04/2054	चंद्र 12/03/2071
00/00/0000	शुक्र 06/03/2027	सूर्य 12/05/2041	चंद्र 12/03/2057	मंगल 22/08/2071
00/00/0000	सूर्य 25/03/2028	चंद्र 10/01/2043	मंगल 01/10/2058	बुध 01/08/2072
00/00/0000	चंद्र 14/11/2030	मंगल 01/12/2043	बुध 20/01/2062	शनि 20/02/2073
08/01/2016	मंगल 11/04/2032	बुध 21/10/2045	शनि 01/01/2064	गुरु 12/03/2074
मंगल 14/06/2016	बुध 08/04/2035	शनि 01/12/2046	गुरु 11/09/2067	राहु 11/11/2074
बुध 10/01/2018	शनि 10/01/2037	गुरु 10/01/2049	राहु 10/01/2070	शुक्र 11/01/2076

चंद्र 15 वर्ष	मंगल 8 वर्ष	बुध 17 वर्ष	शनि 10 वर्ष
11/01/2076	10/01/2091	10/01/2099	12/01/2116
10/01/2091	10/01/2099	12/01/2116	00/00/0000
चंद्र 10/02/2078	मंगल 15/08/2091	बुध 15/09/2101	शनि 15/12/2116
मंगल 22/03/2079	बुध 17/11/2092	शनि 13/04/2103	गुरु 18/09/2118
बुध 01/08/2081	शनि 14/08/2093	गुरु 09/04/2106	राहु 29/10/2119
शनि 21/12/2082	गुरु 10/01/2095	राहु 28/02/2108	शुक्र 08/10/2121
गुरु 11/08/2085	राहु 01/12/2095	शुक्र 19/06/2111	सूर्य 29/04/2122
राहु 12/04/2087	शुक्र 21/06/2097	सूर्य 29/05/2112	चंद्र 19/09/2123
शुक्र 12/03/2090	सूर्य 01/12/2097	चंद्र 09/10/2114	मंगल 09/01/2124
सूर्य 10/01/2091	चंद्र 10/01/2099	मंगल 12/01/2116	00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
अष्टोत्तरी दशा पूरे 108 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - मंगल	शनि - बुध	गुरु - गुरु	गुरु - राहु	गुरु - शुक्र
08/01/2016	14/06/2016	10/01/2018	15/05/2021	25/06/2023
14/06/2016	10/01/2018	15/05/2021	25/06/2023	06/03/2027
00/00/0000	बुध 13/09/2016	गुरु 13/08/2018	राहु 09/08/2021	शुक्र 14/03/2024
00/00/0000	शनि 05/11/2016	राहु 27/12/2018	शुक्र 06/01/2022	सूर्य 27/05/2024
08/01/2016	गुरु 14/02/2017	शुक्र 21/08/2019	सूर्य 18/02/2022	चंद्र 01/12/2024
गुरु 31/01/2016	राहु 19/04/2017	सूर्य 28/10/2019	चंद्र 05/06/2022	मंगल 11/03/2025
राहु 01/03/2016	शुक्र 09/08/2017	चंद्र 14/04/2020	मंगल 01/08/2022	बुध 09/10/2025
शुक्र 23/04/2016	सूर्य 10/09/2017	मंगल 14/07/2020	बुध 30/11/2022	शनि 11/02/2026
सूर्य 08/05/2016	चंद्र 29/11/2017	बुध 22/01/2021	शनि 09/02/2023	गुरु 07/10/2026
चंद्र 14/06/2016	मंगल 10/01/2018	शनि 15/05/2021	गुरु 25/06/2023	राहु 06/03/2027
गुरु - सूर्य	गुरु - चंद्र	गुरु - मंगल	गुरु - बुध	गुरु - शनि
06/03/2027	25/03/2028	14/11/2030	11/04/2032	08/04/2035
25/03/2028	14/11/2030	11/04/2032	08/04/2035	10/01/2037
सूर्य 27/03/2027	चंद्र 06/08/2028	मंगल 22/12/2030	बुध 30/09/2032	शनि 07/06/2035
चंद्र 20/05/2027	मंगल 16/10/2028	बुध 13/03/2031	शनि 09/01/2033	गुरु 28/09/2035
मंगल 17/06/2027	बुध 17/03/2029	शनि 30/04/2031	गुरु 20/07/2033	राहु 08/12/2035
बुध 17/08/2027	शनि 14/06/2029	गुरु 29/07/2031	राहु 19/11/2033	शुक्र 11/04/2036
शनि 21/09/2027	गुरु 01/12/2029	राहु 24/09/2031	शुक्र 19/06/2034	सूर्य 17/05/2036
गुरु 28/11/2027	राहु 18/03/2030	शुक्र 02/01/2032	सूर्य 19/08/2034	चंद्र 14/08/2036
राहु 10/01/2028	शुक्र 21/09/2030	सूर्य 31/01/2032	चंद्र 17/01/2035	मंगल 01/10/2036
शुक्र 25/03/2028	सूर्य 14/11/2030	चंद्र 11/04/2032	मंगल 08/04/2035	बुध 10/01/2037
राहु - राहु	राहु - शुक्र	राहु - सूर्य	राहु - चंद्र	राहु - मंगल
10/01/2037	12/05/2038	10/09/2040	12/05/2041	10/01/2043
12/05/2038	10/09/2040	12/05/2041	10/01/2043	01/12/2043
राहु 05/03/2037	शुक्र 25/10/2038	सूर्य 24/09/2040	चंद्र 04/08/2041	मंगल 03/02/2043
शुक्र 08/06/2037	सूर्य 11/12/2038	चंद्र 28/10/2040	मंगल 18/09/2041	बुध 27/03/2043
सूर्य 05/07/2037	चंद्र 08/04/2039	मंगल 15/11/2040	बुध 23/12/2041	शनि 26/04/2043
चंद्र 10/09/2037	मंगल 10/06/2039	बुध 23/12/2040	शनि 18/02/2042	गुरु 22/06/2043
मंगल 17/10/2037	बुध 23/10/2039	शनि 14/01/2041	गुरु 05/06/2042	राहु 28/07/2043
बुध 01/01/2038	शनि 10/01/2040	गुरु 26/02/2041	राहु 11/08/2042	शुक्र 29/09/2043
शनि 15/02/2038	गुरु 07/06/2040	राहु 25/03/2041	शुक्र 08/12/2042	सूर्य 17/10/2043
गुरु 12/05/2038	राहु 10/09/2040	शुक्र 12/05/2041	सूर्य 10/01/2043	चंद्र 01/12/2043



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - बुध 01/12/2043 21/10/2045	राहु - शनि 21/10/2045 01/12/2046	राहु - गुरु 01/12/2046 10/01/2049	शुक्र - शुक्र 10/01/2049 09/02/2053	शुक्र - सूर्य 09/02/2053 11/04/2054
बुध 19/03/2044 शनि 22/05/2044 गुरु 20/09/2044 राहु 06/12/2044 शुक्र 19/04/2045 सूर्य 27/05/2045 चंद्र 31/08/2045 मंगल 21/10/2045	शनि 28/11/2045 गुरु 07/02/2046 राहु 24/03/2046 शुक्र 11/06/2046 सूर्य 04/07/2046 चंद्र 29/08/2046 मंगल 28/09/2046 बुध 01/12/2046	गुरु 16/04/2047 राहु 10/07/2047 शुक्र 07/12/2047 सूर्य 19/01/2048 चंद्र 05/05/2048 मंगल 01/07/2048 बुध 31/10/2048 शनि 10/01/2049	शुक्र 27/10/2049 सूर्य 18/01/2050 चंद्र 13/08/2050 मंगल 01/12/2050 बुध 24/07/2051 शनि 09/12/2051 गुरु 28/08/2052 राहु 09/02/2053	सूर्य 05/03/2053 चंद्र 03/05/2053 मंगल 04/06/2053 बुध 10/08/2053 शनि 18/09/2053 गुरु 02/12/2053 राहु 19/01/2054 शुक्र 11/04/2054
शुक्र - चंद्र 11/04/2054 12/03/2057	शुक्र - मंगल 12/03/2057 01/10/2058	शुक्र - बुध 01/10/2058 20/01/2062	शुक्र - शनि 20/01/2062 01/01/2064	शुक्र - गुरु 01/01/2064 11/09/2067
चंद्र 06/09/2054 मंगल 24/11/2054 बुध 11/05/2055 शनि 18/08/2055 गुरु 21/02/2056 राहु 18/06/2056 शुक्र 12/01/2057 सूर्य 12/03/2057	मंगल 23/04/2057 बुध 21/07/2057 शनि 12/09/2057 गुरु 21/12/2057 राहु 22/02/2058 शुक्र 12/06/2058 सूर्य 14/07/2058 चंद्र 01/10/2058	बुध 09/04/2059 शनि 30/07/2059 गुरु 27/02/2060 राहु 10/07/2060 शुक्र 02/03/2061 सूर्य 08/05/2061 चंद्र 23/10/2061 मंगल 20/01/2062	शनि 27/03/2062 गुरु 30/07/2062 राहु 17/10/2062 शुक्र 04/03/2063 सूर्य 12/04/2063 चंद्र 20/07/2063 मंगल 11/09/2063 बुध 01/01/2064	गुरु 25/08/2064 राहु 22/01/2065 शुक्र 11/10/2065 सूर्य 25/12/2065 चंद्र 01/07/2066 मंगल 09/10/2066 बुध 09/05/2067 शनि 11/09/2067
शुक्र - राहु 11/09/2067 10/01/2070	सूर्य - सूर्य 10/01/2070 12/05/2070	सूर्य - चंद्र 12/05/2070 12/03/2071	सूर्य - मंगल 12/03/2071 22/08/2071	सूर्य - बुध 22/08/2071 01/08/2072
राहु 15/12/2067 शुक्र 28/05/2068 सूर्य 15/07/2068 चंद्र 10/11/2068 मंगल 12/01/2069 बुध 26/05/2069 शनि 13/08/2069 गुरु 10/01/2070	सूर्य 17/01/2070 चंद्र 03/02/2070 मंगल 12/02/2070 बुध 03/03/2070 शनि 14/03/2070 गुरु 05/04/2070 राहु 18/04/2070 शुक्र 12/05/2070	चंद्र 23/06/2070 मंगल 16/07/2070 बुध 02/09/2070 शनि 30/09/2070 गुरु 22/11/2070 राहु 26/12/2070 शुक्र 23/02/2071 सूर्य 12/03/2071	मंगल 24/03/2071 बुध 19/04/2071 शनि 04/05/2071 गुरु 01/06/2071 राहु 20/06/2071 शुक्र 21/07/2071 सूर्य 30/07/2071 चंद्र 22/08/2071	बुध 15/10/2071 शनि 16/11/2071 गुरु 16/01/2072 राहु 23/02/2072 शुक्र 30/04/2072 सूर्य 19/05/2072 चंद्र 06/07/2072 मंगल 01/08/2072



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

सूर्य - शनि	सूर्य - गुरु	सूर्य - राहु	सूर्य - शुक्र	चंद्र - चंद्र
01/08/2072	20/02/2073	12/03/2074	11/11/2074	11/01/2076
20/02/2073	12/03/2074	11/11/2074	11/01/2076	10/02/2078
शनि 19/08/2072	गुरु 28/04/2073	राहु 08/04/2074	शुक्र 01/02/2075	चंद्र 25/04/2076
गुरु 24/09/2072	राहु 10/06/2073	शुक्र 25/05/2074	सूर्य 25/02/2075	मंगल 21/06/2076
राहु 17/10/2072	शुक्र 24/08/2073	सूर्य 08/06/2074	चंद्र 25/04/2075	बुध 19/10/2076
शुक्र 25/11/2072	सूर्य 15/09/2073	चंद्र 12/07/2074	मंगल 27/05/2075	शनि 28/12/2076
सूर्य 06/12/2072	चंद्र 07/11/2073	मंगल 30/07/2074	बुध 02/08/2075	गुरु 11/05/2077
चंद्र 04/01/2073	मंगल 06/12/2073	बुध 06/09/2074	शनि 10/09/2075	राहु 03/08/2077
मंगल 19/01/2073	बुध 04/02/2074	शनि 29/09/2074	गुरु 24/11/2075	शुक्र 29/12/2077
बुध 20/02/2073	शनि 12/03/2074	गुरु 11/11/2074	राहु 11/01/2076	सूर्य 10/02/2078
चंद्र - मंगल	चंद्र - बुध	चंद्र - शनि	चंद्र - गुरु	चंद्र - राहु
10/02/2078	22/03/2079	01/08/2081	21/12/2082	11/08/2085
22/03/2079	01/08/2081	21/12/2082	11/08/2085	12/04/2087
मंगल 12/03/2078	बुध 05/08/2079	शनि 17/09/2081	गुरु 09/06/2083	राहु 18/10/2085
बुध 15/05/2078	शनि 24/10/2079	गुरु 15/12/2081	राहु 24/09/2083	शुक्र 13/02/2086
शनि 21/06/2078	गुरु 24/03/2080	राहु 09/02/2082	शुक्र 29/03/2084	सूर्य 19/03/2086
गुरु 01/09/2078	राहु 28/06/2080	शुक्र 19/05/2082	सूर्य 22/05/2084	चंद्र 11/06/2086
राहु 16/10/2078	शुक्र 12/12/2080	सूर्य 16/06/2082	चंद्र 03/10/2084	मंगल 26/07/2086
शुक्र 03/01/2079	सूर्य 29/01/2081	चंद्र 26/08/2082	मंगल 13/12/2084	बुध 30/10/2086
सूर्य 25/01/2079	चंद्र 29/05/2081	मंगल 02/10/2082	बुध 14/05/2085	शनि 26/12/2086
चंद्र 22/03/2079	मंगल 01/08/2081	बुध 21/12/2082	शनि 11/08/2085	गुरु 12/04/2087
चंद्र - शुक्र	चंद्र - सूर्य	मंगल - मंगल	मंगल - बुध	मंगल - शनि
12/04/2087	12/03/2090	10/01/2091	15/08/2091	17/11/2092
12/03/2090	10/01/2091	15/08/2091	17/11/2092	14/08/2093
शुक्र 05/11/2087	सूर्य 29/03/2090	मंगल 26/01/2091	बुध 26/10/2091	शनि 12/12/2092
सूर्य 03/01/2088	चंद्र 10/05/2090	बुध 02/03/2091	शनि 08/12/2091	गुरु 28/01/2093
चंद्र 30/05/2088	मंगल 02/06/2090	शनि 22/03/2091	गुरु 27/02/2092	राहु 28/02/2093
मंगल 17/08/2088	बुध 20/07/2090	गुरु 29/04/2091	राहु 18/04/2092	शुक्र 21/04/2093
बुध 01/02/2089	शनि 17/08/2090	राहु 23/05/2091	शुक्र 16/07/2092	सूर्य 06/05/2093
शनि 10/05/2089	गुरु 09/10/2090	शुक्र 04/07/2091	सूर्य 11/08/2092	चंद्र 13/06/2093
गुरु 14/11/2089	राहु 12/11/2090	सूर्य 16/07/2091	चंद्र 14/10/2092	मंगल 03/07/2093
राहु 12/03/2090	शुक्र 10/01/2091	चंद्र 15/08/2091	मंगल 17/11/2092	बुध 14/08/2093



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

मंगल - गुरु	मंगल - राहु	मंगल - शुक्र	मंगल - सूर्य	मंगल - चंद्र
14/08/2093	10/01/2095	01/12/2095	21/06/2097	01/12/2097
10/01/2095	01/12/2095	21/06/2097	01/12/2097	10/01/2099
गुरु 13/11/2093	राहु 16/02/2095	शुक्र 21/03/2096	सूर्य 30/06/2097	चंद्र 26/01/2098
राहु 09/01/2094	शुक्र 20/04/2095	सूर्य 21/04/2096	चंद्र 23/07/2097	मंगल 25/02/2098
शुक्र 19/04/2094	सूर्य 08/05/2095	चंद्र 09/07/2096	मंगल 04/08/2097	बुध 30/04/2098
सूर्य 17/05/2094	चंद्र 22/06/2095	मंगल 20/08/2096	बुध 29/08/2097	शनि 06/06/2098
चंद्र 28/07/2094	मंगल 16/07/2095	बुध 18/11/2096	शनि 13/09/2097	गुरु 17/08/2098
मंगल 04/09/2094	बुध 05/09/2095	शनि 09/01/2097	गुरु 12/10/2097	राहु 01/10/2098
बुध 24/11/2094	शनि 05/10/2095	गुरु 19/04/2097	राहु 30/10/2097	शुक्र 19/12/2098
शनि 10/01/2095	गुरु 01/12/2095	राहु 21/06/2097	शुक्र 01/12/2097	सूर्य 10/01/2099
बुध - बुध	बुध - शनि	बुध - गुरु	बुध - राहु	बुध - शुक्र
10/01/2099	15/09/2101	13/04/2103	09/04/2106	28/02/2108
15/09/2101	13/04/2103	09/04/2106	28/02/2108	19/06/2111
बुध 13/06/2099	शनि 07/11/2101	गुरु 22/10/2103	राहु 25/06/2106	शुक्र 20/10/2108
शनि 12/09/2099	गुरु 16/02/2102	राहु 20/02/2104	शुक्र 06/11/2106	सूर्य 26/12/2108
गुरु 03/03/2100	राहु 21/04/2102	शुक्र 20/09/2104	सूर्य 14/12/2106	चंद्र 12/06/2109
राहु 19/06/2100	शुक्र 11/08/2102	सूर्य 19/11/2104	चंद्र 20/03/2107	मंगल 09/09/2109
शुक्र 26/12/2100	सूर्य 12/09/2102	चंद्र 20/04/2105	मंगल 10/05/2107	बुध 18/03/2110
सूर्य 19/02/2101	चंद्र 01/12/2102	मंगल 10/07/2105	बुध 27/08/2107	शनि 08/07/2110
चंद्र 04/07/2101	मंगल 12/01/2103	बुध 29/12/2105	शनि 30/10/2107	गुरु 05/02/2111
मंगल 15/09/2101	बुध 13/04/2103	शनि 09/04/2106	गुरु 28/02/2108	राहु 19/06/2111
बुध - सूर्य	बुध - चंद्र	बुध - मंगल	शनि - शनि	शनि - गुरु
19/06/2111	29/05/2112	09/10/2114	12/01/2116	15/12/2116
29/05/2112	09/10/2114	12/01/2116	15/12/2116	18/09/2118
सूर्य 09/07/2111	चंद्र 26/09/2112	मंगल 12/11/2114	शनि 12/02/2116	गुरु 07/04/2117
चंद्र 25/08/2111	मंगल 29/11/2112	बुध 23/01/2115	गुरु 11/04/2116	राहु 17/06/2117
मंगल 20/09/2111	बुध 14/04/2113	शनि 07/03/2115	राहु 19/05/2116	शुक्र 20/10/2117
बुध 13/11/2111	शनि 03/07/2113	गुरु 27/05/2115	शुक्र 24/07/2116	सूर्य 25/11/2117
शनि 15/12/2111	गुरु 01/12/2113	राहु 17/07/2115	सूर्य 12/08/2116	चंद्र 22/02/2118
गुरु 14/02/2112	राहु 07/03/2114	शुक्र 14/10/2115	चंद्र 28/09/2116	मंगल 11/04/2118
राहु 23/03/2112	शुक्र 22/08/2114	सूर्य 09/11/2115	मंगल 23/10/2116	बुध 21/07/2118
शुक्र 29/05/2112	सूर्य 09/10/2114	चंद्र 12/01/2116	बुध 15/12/2116	शनि 18/09/2118



FUTUREPOINT
Astro Solutions



योगिनी दशा

भोग्य दशा काल : उल्का 3 वर्ष 7 मास 10 दिन

उल्का 6 वर्ष	सिद्धा 7 वर्ष	संकटा 8 वर्ष	मंगला 1 वर्ष	पिंगला 2 वर्ष
08/01/2016	19/08/2019	19/08/2026	19/08/2034	19/08/2035
19/08/2019	19/08/2026	19/08/2034	19/08/2035	19/08/2037
00/00/0000	सिद्ध 29/12/2020	संक 30/05/2028	मंग 29/08/2034	पिंग 29/09/2035
08/01/2016	संक 20/07/2022	मंग 19/08/2028	पिंग 19/09/2034	धांय 29/11/2035
संक 17/02/2017	मंग 29/09/2022	पिंग 28/01/2029	धांय 19/10/2034	भ्राम 18/02/2036
मंग 19/04/2017	पिंग 18/02/2023	धांय 29/09/2029	भ्राम 29/11/2034	भद्रि 30/05/2036
पिंग 19/08/2017	धांय 19/09/2023	भ्राम 19/08/2030	भद्रि 18/01/2035	उल्क 28/09/2036
धांय 18/02/2018	भ्राम 29/06/2024	भद्रि 29/09/2031	उल्क 20/03/2035	सिद्ध 17/02/2037
भ्राम 19/10/2018	भद्रि 19/06/2025	उल्क 28/01/2033	सिद्ध 30/05/2035	संक 30/07/2037
भद्रि 19/08/2019	उल्क 19/08/2026	सिद्ध 19/08/2034	संक 19/08/2035	मंग 19/08/2037

धान्या 3 वर्ष	भ्रामरी 4 वर्ष	भद्रिका 5 वर्ष	उल्का 6 वर्ष	सिद्धा 7 वर्ष
19/08/2037	19/08/2040	19/08/2044	19/08/2049	19/08/2055
19/08/2040	19/08/2044	19/08/2049	19/08/2055	19/08/2062
धांय 18/11/2037	भ्राम 28/01/2041	भद्रि 29/04/2045	उल्क 19/08/2050	सिद्ध 29/12/2056
भ्राम 20/03/2038	भद्रि 19/08/2041	उल्क 28/02/2046	सिद्ध 19/10/2051	संक 20/07/2058
भद्रि 19/08/2038	उल्क 19/04/2042	सिद्ध 18/02/2047	संक 17/02/2053	मंग 29/09/2058
उल्क 18/02/2039	सिद्ध 29/01/2043	संक 30/03/2048	मंग 19/04/2053	पिंग 18/02/2059
सिद्ध 19/09/2039	संक 19/12/2043	मंग 19/05/2048	पिंग 19/08/2053	धांय 19/09/2059
संक 19/05/2040	मंग 29/01/2044	पिंग 29/08/2048	धांय 18/02/2054	भ्राम 29/06/2060
मंग 19/06/2040	पिंग 19/04/2044	धांय 28/01/2049	भ्राम 19/10/2054	भद्रि 19/06/2061
पिंग 19/08/2040	धांय 19/08/2044	भ्राम 19/08/2049	भद्रि 19/08/2055	उल्क 19/08/2062

नोट :- योगनियों के स्वामी नीचे दिए गए हैं :-

मंगला : चन्द्र पिंगला : सूर्य धान्या : गुरु भ्रामरी : मंगल
भद्रिका : बुध उल्का : शनि सिद्धा : शुक्र संकटा : राहु/केतु

उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
योगिनी दशा 36 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

योगिनी दशा

संकटा 8 वर्ष 19/08/2062 19/08/2070	मंगला 1 वर्ष 19/08/2070 19/08/2071	पिंगला 2 वर्ष 19/08/2071 19/08/2073	धान्या 3 वर्ष 19/08/2073 19/08/2076	भामरी 4 वर्ष 19/08/2076 19/08/2080
संक 30/05/2064 मंग 19/08/2064 पिंग 28/01/2065 धांय 29/09/2065 भ्राम 19/08/2066 भद्रि 29/09/2067 उल्क 28/01/2069 सिद्ध 19/08/2070	मंग 29/08/2070 पिंग 19/09/2070 धांय 19/10/2070 भ्राम 29/11/2070 भद्रि 18/01/2071 उल्क 20/03/2071 सिद्ध 30/05/2071 संक 19/08/2071	पिंग 29/09/2071 धांय 29/11/2071 भ्राम 18/02/2072 भद्रि 30/05/2072 उल्क 28/09/2072 सिद्ध 17/02/2073 संक 30/07/2073 मंग 19/08/2073	धांय 18/11/2073 भ्राम 20/03/2074 भद्रि 19/08/2074 उल्क 18/02/2075 सिद्ध 19/09/2075 संक 19/05/2076 मंग 19/06/2076 पिंग 19/08/2076	भ्राम 28/01/2077 भद्रि 19/08/2077 उल्क 19/04/2078 सिद्ध 29/01/2079 संक 19/12/2079 मंग 29/01/2080 पिंग 19/04/2080 धांय 19/08/2080
भद्रिका 5 वर्ष 19/08/2080 19/08/2085	उल्का 6 वर्ष 19/08/2085 19/08/2091	सिद्धा 7 वर्ष 19/08/2091 19/08/2098	संकटा 8 वर्ष 19/08/2098 20/08/2106	मंगला 1 वर्ष 20/08/2106 20/08/2107
भद्रि 29/04/2081 उल्क 28/02/2082 सिद्ध 18/02/2083 संक 30/03/2084 मंग 19/05/2084 पिंग 29/08/2084 धांय 28/01/2085 भ्राम 19/08/2085	उल्क 19/08/2086 सिद्ध 19/10/2087 संक 17/02/2089 मंग 19/04/2089 पिंग 19/08/2089 धांय 18/02/2090 भ्राम 19/10/2090 भद्रि 19/08/2091	सिद्ध 29/12/2092 संक 20/07/2094 मंग 29/09/2094 पिंग 18/02/2095 धांय 19/09/2095 भ्राम 29/06/2096 भद्रि 19/06/2097 उल्क 19/08/2098	संक 31/05/2100 मंग 20/08/2100 पिंग 29/01/2101 धांय 30/09/2101 भ्राम 20/08/2102 भद्रि 30/09/2103 उल्क 29/01/2105 सिद्ध 20/08/2106	मंग 30/08/2106 पिंग 20/09/2106 धांय 20/10/2106 भ्राम 30/11/2106 भद्रि 19/01/2107 उल्क 21/03/2107 सिद्ध 31/05/2107 संक 20/08/2107
पिंगला 2 वर्ष 20/08/2107 20/08/2109	धान्या 3 वर्ष 20/08/2109 20/08/2112	भामरी 4 वर्ष 20/08/2112 20/08/2116	भद्रिका 5 वर्ष 20/08/2116 20/08/2121	उल्का 6 वर्ष 20/08/2121 00/00/0000
पिंग 30/09/2107 धांय 30/11/2107 भ्राम 19/02/2108 भद्रि 31/05/2108 उल्क 29/09/2108 सिद्ध 18/02/2109 संक 31/07/2109 मंग 20/08/2109	धांय 19/11/2109 भ्राम 21/03/2110 भद्रि 20/08/2110 उल्क 19/02/2111 सिद्ध 20/09/2111 संक 20/05/2112 मंग 20/06/2112 पिंग 20/08/2112	भ्राम 29/01/2113 भद्रि 20/08/2113 उल्क 20/04/2114 सिद्ध 30/01/2115 संक 20/12/2115 मंग 30/01/2116 पिंग 20/04/2116 धांय 20/08/2116	भद्रि 30/04/2117 उल्क 01/03/2118 सिद्ध 19/02/2119 संक 31/03/2120 मंग 20/05/2120 पिंग 30/08/2120 धांय 29/01/2121 भ्राम 20/08/2121	उल्क 20/08/2122 सिद्ध 20/10/2123 संक 09/01/2124 00/00/0000 00/00/0000 00/00/0000 00/00/0000 00/00/0000



FUTUREPOINT
Astro Solutions



योगिनी दशा - प्रत्यन्तर

सिद्ध - उल्क	संक - संक	संक - मंग	संक - पिंग	संक - धांय
19/06/2025	19/08/2026	30/05/2028	19/08/2028	28/01/2029
19/08/2026	30/05/2028	19/08/2028	28/01/2029	29/09/2029
उल्क 29/08/2025	संक 11/01/2027	मंग 01/06/2028	पिंग 28/08/2028	धांय 17/02/2029
सिद्ध 20/11/2025	मंग 29/01/2027	पिंग 05/06/2028	धांय 10/09/2028	भ्राम 16/03/2029
संक 23/02/2026	पिंग 06/03/2027	धांय 12/06/2028	भ्राम 28/09/2028	भद्रि 19/04/2029
मंग 07/03/2026	धांय 29/04/2027	भ्राम 21/06/2028	भद्रि 21/10/2028	उल्क 30/05/2029
पिंग 30/03/2026	भ्राम 10/07/2027	भद्रि 02/07/2028	उल्क 17/11/2028	सिद्ध 16/07/2029
धांय 05/05/2026	भद्रि 08/10/2027	उल्क 16/07/2028	सिद्ध 18/12/2028	संक 08/09/2029
भ्राम 21/06/2026	उल्क 24/01/2028	सिद्ध 01/08/2028	संक 24/01/2029	मंग 15/09/2029
भद्रि 19/08/2026	सिद्ध 30/05/2028	संक 19/08/2028	मंग 28/01/2029	पिंग 29/09/2029
संक - भ्राम	संक - भद्रि	संक - उल्क	संक - सिद्ध	मंग - मंग
29/09/2029	19/08/2030	29/09/2031	28/01/2033	19/08/2034
19/08/2030	29/09/2031	28/01/2033	19/08/2034	29/08/2034
भ्राम 04/11/2029	भद्रि 15/10/2030	उल्क 19/12/2031	सिद्ध 19/05/2033	मंग 20/08/2034
भद्रि 19/12/2029	उल्क 21/12/2030	सिद्ध 23/03/2032	संक 22/09/2033	पिंग 20/08/2034
उल्क 11/02/2030	सिद्ध 10/03/2031	संक 09/07/2032	मंग 08/10/2033	धांय 21/08/2034
सिद्ध 15/04/2030	संक 08/06/2031	मंग 23/07/2032	पिंग 08/11/2033	भ्राम 22/08/2034
संक 26/06/2030	मंग 20/06/2031	पिंग 19/08/2032	धांय 25/12/2033	भद्रि 23/08/2034
मंग 05/07/2030	पिंग 12/07/2031	धांय 28/09/2032	भ्राम 27/02/2034	उल्क 25/08/2034
पिंग 23/07/2030	धांय 15/08/2031	भ्राम 21/11/2032	भद्रि 17/05/2034	सिद्ध 27/08/2034
धांय 19/08/2030	भ्राम 29/09/2031	भद्रि 28/01/2033	उल्क 19/08/2034	संक 29/08/2034
मंग - पिंग	मंग - धांय	मंग - भ्राम	मंग - भद्रि	मंग - उल्क
29/08/2034	19/09/2034	19/10/2034	29/11/2034	18/01/2035
19/09/2034	19/10/2034	29/11/2034	18/01/2035	20/03/2035
पिंग 31/08/2034	धांय 21/09/2034	भ्राम 24/10/2034	भद्रि 06/12/2034	उल्क 29/01/2035
धांय 01/09/2034	भ्राम 25/09/2034	भद्रि 29/10/2034	उल्क 14/12/2034	सिद्ध 09/02/2035
भ्राम 03/09/2034	भद्रि 29/09/2034	उल्क 05/11/2034	सिद्ध 24/12/2034	संक 23/02/2035
भद्रि 06/09/2034	उल्क 04/10/2034	सिद्ध 13/11/2034	संक 04/01/2035	मंग 25/02/2035
उल्क 10/09/2034	सिद्ध 10/10/2034	संक 22/11/2034	मंग 06/01/2035	पिंग 28/02/2035
सिद्ध 14/09/2034	संक 17/10/2034	मंग 23/11/2034	पिंग 09/01/2035	धांय 05/03/2035
संक 18/09/2034	मंग 17/10/2034	पिंग 25/11/2034	धांय 13/01/2035	भ्राम 12/03/2035
मंग 19/09/2034	पिंग 19/10/2034	धांय 29/11/2034	भ्राम 18/01/2035	भद्रि 20/03/2035

योगिनी दशा - प्रत्यन्तर

मंग - सिद्ध	मंग - संक	पिंग - पिंग	पिंग - धांय	पिंग - भ्राम
20/03/2035	30/05/2035	19/08/2035	29/09/2035	29/11/2035
30/05/2035	19/08/2035	29/09/2035	29/11/2035	18/02/2036
सिद्ध 03/04/2035	संक 17/06/2035	पिंग 22/08/2035	धांय 04/10/2035	भ्राम 08/12/2035
संक 19/04/2035	मंग 20/06/2035	धांय 25/08/2035	भ्राम 11/10/2035	भद्रि 19/12/2035
मंग 21/04/2035	पिंग 24/06/2035	भ्राम 30/08/2035	भद्रि 19/10/2035	उल्क 02/01/2036
पिंग 25/04/2035	धांय 01/07/2035	भद्रि 04/09/2035	उल्क 30/10/2035	सिद्ध 18/01/2036
धांय 01/05/2035	भ्राम 10/07/2035	उल्क 11/09/2035	सिद्ध 10/11/2035	संक 05/02/2036
भ्राम 09/05/2035	भद्रि 21/07/2035	सिद्ध 19/09/2035	संक 24/11/2035	मंग 07/02/2036
भद्रि 18/05/2035	उल्क 04/08/2035	संक 28/09/2035	मंग 26/11/2035	पिंग 11/02/2036
उल्क 30/05/2035	सिद्ध 19/08/2035	मंग 29/09/2035	पिंग 29/11/2035	धांय 18/02/2036
पिंग - भद्रि	पिंग - उल्क	पिंग - सिद्ध	पिंग - संक	पिंग - मंग
18/02/2036	30/05/2036	28/09/2036	17/02/2037	30/07/2037
30/05/2036	28/09/2036	17/02/2037	30/07/2037	19/08/2037
भद्रि 03/03/2036	उल्क 19/06/2036	सिद्ध 26/10/2036	संक 25/03/2037	मंग 30/07/2037
उल्क 20/03/2036	सिद्ध 13/07/2036	संक 27/11/2036	मंग 30/03/2037	पिंग 31/07/2037
सिद्ध 09/04/2036	संक 09/08/2036	मंग 30/11/2036	पिंग 08/04/2037	धांय 02/08/2037
संक 01/05/2036	मंग 12/08/2036	पिंग 08/12/2036	धांय 21/04/2037	भ्राम 04/08/2037
मंग 04/05/2036	पिंग 19/08/2036	धांय 20/12/2036	भ्राम 10/05/2037	भद्रि 07/08/2037
पिंग 10/05/2036	धांय 29/08/2036	भ्राम 05/01/2037	भद्रि 01/06/2037	उल्क 11/08/2037
धांय 18/05/2036	भ्राम 11/09/2036	भद्रि 25/01/2037	उल्क 28/06/2037	सिद्ध 14/08/2037
भ्राम 30/05/2036	भद्रि 28/09/2036	उल्क 17/02/2037	सिद्ध 30/07/2037	संक 19/08/2037
धांय - धांय	धांय - भ्राम	धांय - भद्रि	धांय - उल्क	धांय - सिद्ध
19/08/2037	18/11/2037	20/03/2038	19/08/2038	18/02/2039
18/11/2037	20/03/2038	19/08/2038	18/02/2039	19/09/2039
धांय 27/08/2037	भ्राम 02/12/2037	भद्रि 10/04/2038	उल्क 19/09/2038	सिद्ध 31/03/2039
भ्राम 06/09/2037	भद्रि 19/12/2037	उल्क 06/05/2038	सिद्ध 24/10/2038	संक 18/05/2039
भद्रि 18/09/2037	उल्क 08/01/2038	सिद्ध 04/06/2038	संक 04/12/2038	मंग 24/05/2039
उल्क 04/10/2037	सिद्ध 01/02/2038	संक 08/07/2038	मंग 09/12/2038	पिंग 04/06/2039
सिद्ध 21/10/2037	संक 28/02/2038	मंग 12/07/2038	पिंग 19/12/2038	धांय 22/06/2039
संक 11/11/2037	मंग 03/03/2038	पिंग 21/07/2038	धांय 03/01/2039	भ्राम 16/07/2039
मंग 13/11/2037	पिंग 10/03/2038	धांय 02/08/2038	भ्राम 23/01/2039	भद्रि 14/08/2039
पिंग 18/11/2037	धांय 20/03/2038	भ्राम 19/08/2038	भद्रि 18/02/2039	उल्क 19/09/2039

कालचक्र दशा

भोग्य दशा काल : कर्क 20 वर्ष 7 मास 28 दिन

कुल दशाकाल : 85 वर्ष

तिथि : मूल - 2 सव्य

देह : मकर जीव : मिथुन

कर्क 21 वर्ष	सिंह 5 वर्ष	मिथुन 9 वर्ष	मकर 4 वर्ष	कुम्भ 4 वर्ष
08/01/2016	06/09/2036	07/09/2041	07/09/2050	07/09/2054
06/09/2036	07/09/2041	07/09/2050	07/09/2054	07/09/2058
कर्क 14/11/2020	सिंह 23/12/2036	मिथु 21/08/2042	मक 15/11/2050	कुंभ 15/11/2054
सिंह 08/02/2022	मिथु 04/07/2037	मक 22/01/2043	कुंभ 22/01/2051	मीन 05/05/2055
मिथु 30/04/2024	मक 28/09/2037	कुंभ 26/06/2043	मीन 13/07/2051	वृश्चि 03/09/2055
मक 26/04/2025	कुंभ 23/12/2037	मीन 17/07/2044	वृश्चि 11/11/2051	तुला 04/06/2056
कुंभ 22/04/2026	मीन 26/07/2038	वृश्चि 13/04/2045	तुला 12/08/2052	कन्या 05/11/2056
मीन 11/10/2028	वृश्चि 23/12/2038	तुला 23/12/2046	कन्या 13/01/2053	कर्क 01/11/2057
वृश्चि 04/07/2030	तुला 02/12/2039	कन्या 06/12/2047	कर्क 09/01/2054	सिंह 26/01/2058
तुला 17/06/2034	कन्या 12/06/2040	कर्क 25/02/2050	सिंह 05/04/2054	मिथु 30/06/2058
कन्या 06/09/2036	कर्क 07/09/2041	सिंह 07/09/2050	मिथु 07/09/2054	मक 07/09/2058
मीन 10 वर्ष	वृश्चिक 7 वर्ष	तुला 16 वर्ष	कन्या 9 वर्ष	कर्क 21 वर्ष
07/09/2058	06/09/2068	07/09/2075	07/09/2091	07/09/2100
06/09/2068	07/09/2075	07/09/2091	07/09/2100	00/00/0000
मीन 11/11/2059	वृश्चि 05/04/2069	तुला 11/09/2078	कन्या 20/08/2092	कर्क 09/01/2101
वृश्चि 06/09/2060	तुला 30/07/2070	कन्या 22/05/2080	कर्क 10/11/2094	00/00/0000
तुला 26/07/2062	कन्या 27/04/2071	कर्क 05/05/2084	सिंह 23/05/2095	00/00/0000
कन्या 17/08/2063	कर्क 18/01/2073	सिंह 13/04/2085	मिथु 05/05/2096	00/00/0000
कर्क 04/02/2066	सिंह 17/06/2073	मिथु 23/12/2086	मक 06/10/2096	00/00/0000
सिंह 07/09/2066	मिथु 15/03/2074	मक 24/09/2087	कुंभ 10/03/2097	00/00/0000
मिथु 29/09/2067	मक 13/07/2074	कुंभ 25/06/2088	मीन 01/04/2098	00/00/0000
मक 18/03/2068	कुंभ 10/11/2074	मीन 14/05/2090	वृश्चि 28/12/2098	00/00/0000
कुंभ 06/09/2068	मीन 07/09/2075	वृश्चि 07/09/2091	तुला 07/09/2100	00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

कालचक्र दशा - प्रत्यन्तर

कर्क - कुंभ 26/04/2025 22/04/2026	कर्क - मीन 22/04/2026 11/10/2028	कर्क - वृश्चि 11/10/2028 04/07/2030	कर्क - तुला 04/07/2030 17/06/2034	कर्क - कन्या 17/06/2034 06/09/2036
कुंभ 13/05/2025 मीन 25/06/2025 वृश्चि 25/07/2025 तुला 30/09/2025 कन्या 08/11/2025 कर्क 05/02/2026 सिंह 26/02/2026 मिथु 05/04/2026 मक 22/04/2026	मीन 06/08/2026 वृश्चि 20/10/2026 तुला 08/04/2027 कन्या 12/07/2027 कर्क 20/02/2028 सिंह 13/04/2028 मिथु 18/07/2028 मक 29/08/2028 कुंभ 11/10/2028	वृश्चि 02/12/2028 तुला 31/03/2029 कन्या 06/06/2029 कर्क 09/11/2029 सिंह 16/12/2029 मिथु 21/02/2030 मक 22/03/2030 कुंभ 21/04/2030 मीन 04/07/2030	तुला 02/04/2031 कन्या 02/09/2031 कर्क 24/08/2032 सिंह 17/11/2032 मिथु 19/04/2033 मक 25/06/2033 कुंभ 01/09/2033 मीन 18/02/2034 वृश्चि 17/06/2034	कन्या 11/09/2034 कर्क 31/03/2035 सिंह 18/05/2035 मिथु 12/08/2035 मक 19/09/2035 कुंभ 27/10/2035 मीन 31/01/2036 वृश्चि 06/04/2036 तुला 06/09/2036
सिंह - सिंह 06/09/2036 23/12/2036	सिंह - मिथु 23/12/2036 04/07/2037	सिंह - मक 04/07/2037 28/09/2037	सिंह - कुंभ 28/09/2037 23/12/2037	सिंह - मीन 23/12/2037 26/07/2038
सिंह 13/09/2036 मिथु 24/09/2036 मक 29/09/2036 कुंभ 04/10/2036 मीन 17/10/2036 वृश्चि 26/10/2036 तुला 15/11/2036 कन्या 26/11/2036 कर्क 23/12/2036	मिथु 12/01/2037 मक 21/01/2037 कुंभ 30/01/2037 मीन 22/02/2037 वृश्चि 10/03/2037 तुला 15/04/2037 कन्या 06/05/2037 कर्क 23/06/2037 सिंह 04/07/2037	मक 08/07/2037 कुंभ 12/07/2037 मीन 22/07/2037 वृश्चि 29/07/2037 तुला 15/08/2037 कन्या 24/08/2037 कर्क 14/09/2037 सिंह 19/09/2037 मिथु 28/09/2037	कुंभ 02/10/2037 मीन 12/10/2037 वृश्चि 19/10/2037 तुला 04/11/2037 कन्या 14/11/2037 कर्क 05/12/2037 सिंह 10/12/2037 मिथु 19/12/2037 मक 23/12/2037	मीन 17/01/2038 वृश्चि 04/02/2038 तुला 16/03/2038 कन्या 08/04/2038 कर्क 31/05/2038 सिंह 13/06/2038 मिथु 06/07/2038 मक 16/07/2038 कुंभ 26/07/2038
सिंह - वृश्चि 26/07/2038 23/12/2038	सिंह - तुला 23/12/2038 02/12/2039	सिंह - कन्या 02/12/2039 12/06/2040	सिंह - कर्क 12/06/2040 07/09/2041	मिथु - मिथु 07/09/2041 21/08/2042
वृश्चि 07/08/2038 तुला 05/09/2038 कन्या 20/09/2038 कर्क 28/10/2038 सिंह 05/11/2038 मिथु 21/11/2038 मक 28/11/2038 कुंभ 06/12/2038 मीन 23/12/2038	तुला 26/02/2039 कन्या 03/04/2039 कर्क 27/06/2039 सिंह 18/07/2039 मिथु 23/08/2039 मक 08/09/2039 कुंभ 24/09/2039 मीन 04/11/2039 वृश्चि 02/12/2039	कन्या 22/12/2039 कर्क 08/02/2040 सिंह 20/02/2040 मिथु 11/03/2040 मक 20/03/2040 कुंभ 29/03/2040 मीन 21/04/2040 वृश्चि 07/05/2040 तुला 12/06/2040	कर्क 02/10/2040 सिंह 28/10/2040 मिथु 15/12/2040 मक 05/01/2041 कुंभ 27/01/2041 मीन 21/03/2041 वृश्चि 27/04/2041 तुला 21/07/2041 कन्या 07/09/2041	मिथु 13/10/2041 मक 30/10/2041 कुंभ 15/11/2041 मीन 26/12/2041 वृश्चि 24/01/2042 तुला 30/03/2042 कन्या 06/05/2042 कर्क 31/07/2042 सिंह 21/08/2042

कालचक्र दशा - प्रत्यन्तर

मिथु - मक 21/08/2042 22/01/2043	मिथु - कुंभ 22/01/2043 26/06/2043	मिथु - मीन 26/06/2043 17/07/2044	मिथु - वृश्चि 17/07/2044 13/04/2045	मिथु - तुला 13/04/2045 23/12/2046
मक 28/08/2042 कुंभ 04/09/2042 मीन 22/09/2042 वृश्चि 05/10/2042 तुला 03/11/2042 कन्या 20/11/2042 कर्क 28/12/2042 सिंह 06/01/2043 मिथु 22/01/2043	कुंभ 30/01/2043 मीन 17/02/2043 वृश्चि 02/03/2043 तुला 31/03/2043 कन्या 16/04/2043 कर्क 24/05/2043 सिंह 02/06/2043 मिथु 19/06/2043 मक 26/06/2043	मीन 11/08/2043 वृश्चि 11/09/2043 तुला 23/11/2043 कन्या 03/01/2044 कर्क 08/04/2044 सिंह 30/04/2044 मिथु 10/06/2044 मक 29/06/2044 कुंभ 17/07/2044	वृश्चि 08/08/2044 तुला 28/09/2044 कन्या 27/10/2044 कर्क 02/01/2045 सिंह 17/01/2045 मिथु 15/02/2045 मक 28/02/2045 कुंभ 13/03/2045 मीन 13/04/2045	तुला 08/08/2045 कन्या 12/10/2045 कर्क 14/03/2046 सिंह 20/04/2046 मिथु 24/06/2046 मक 23/07/2046 कुंभ 21/08/2046 मीन 02/11/2046 वृश्चि 23/12/2046
मिथु - कन्या 23/12/2046 06/12/2047	मिथु - कर्क 06/12/2047 25/02/2050	मिथु - सिंह 25/02/2050 07/09/2050	मक - मक 07/09/2050 15/11/2050	मक - कुंभ 15/11/2050 22/01/2051
कन्या 29/01/2047 कर्क 25/04/2047 सिंह 16/05/2047 मिथु 21/06/2047 मक 08/07/2047 कुंभ 24/07/2047 मीन 03/09/2047 वृश्चि 02/10/2047 तुला 06/12/2047	कर्क 24/06/2048 सिंह 11/08/2048 मिथु 05/11/2048 मक 13/12/2048 कुंभ 20/01/2049 मीन 26/04/2049 वृश्चि 02/07/2049 तुला 01/12/2049 कन्या 25/02/2050	सिंह 09/03/2050 मिथु 29/03/2050 मक 07/04/2050 कुंभ 17/04/2050 मीन 09/05/2050 वृश्चि 25/05/2050 तुला 01/07/2050 कन्या 21/07/2050 कर्क 07/09/2050	मक 10/09/2050 कुंभ 13/09/2050 मीन 21/09/2050 वृश्चि 27/09/2050 तुला 10/10/2050 कन्या 17/10/2050 कर्क 03/11/2050 सिंह 07/11/2050 मिथु 15/11/2050	कुंभ 18/11/2050 मीन 26/11/2050 वृश्चि 02/12/2050 तुला 15/12/2050 कन्या 22/12/2050 कर्क 08/01/2051 सिंह 12/01/2051 मिथु 19/01/2051 मक 22/01/2051
मक - मीन 22/01/2051 13/07/2051	मक - वृश्चि 13/07/2051 11/11/2051	मक - तुला 11/11/2051 12/08/2052	मक - कन्या 12/08/2052 13/01/2053	मक - कर्क 13/01/2053 09/01/2054
मीन 12/02/2051 वृश्चि 26/02/2051 तुला 30/03/2051 कन्या 17/04/2051 कर्क 30/05/2051 सिंह 09/06/2051 मिथु 27/06/2051 मक 05/07/2051 कुंभ 13/07/2051	वृश्चि 23/07/2051 तुला 15/08/2051 कन्या 28/08/2051 कर्क 26/09/2051 सिंह 03/10/2051 मिथु 16/10/2051 मक 22/10/2051 कुंभ 27/10/2051 मीन 11/11/2051	तुला 01/01/2052 कन्या 30/01/2052 कर्क 07/04/2052 सिंह 24/04/2052 मिथु 23/05/2052 मक 05/06/2052 कुंभ 18/06/2052 मीन 20/07/2052 वृश्चि 12/08/2052	कन्या 28/08/2052 कर्क 05/10/2052 सिंह 14/10/2052 मिथु 31/10/2052 मक 07/11/2052 कुंभ 14/11/2052 मीन 02/12/2052 वृश्चि 15/12/2052 तुला 13/01/2053	कर्क 12/04/2053 सिंह 04/05/2053 मिथु 11/06/2053 मक 28/06/2053 कुंभ 15/07/2053 मीन 26/08/2053 वृश्चि 25/09/2053 तुला 02/12/2053 कन्या 09/01/2054

चर दशा

भोग्य दशा काल : कर्क 7 वर्ष 0 मास 0 दिन

कर्क 7 वर्ष	
08/01/2016	08/01/2023
मिथु	08/08/2016
वृष	09/03/2017
मेष	09/10/2017
मीन	10/05/2018
कुंभ	09/12/2018
मक	10/07/2019
धनु	08/02/2020
वृश्चि	08/09/2020
तुला	09/04/2021
कन्या	08/11/2021
सिंह	09/06/2022
कर्क	08/01/2023

मिथुन 7 वर्ष	
08/01/2023	08/01/2030
वृष	09/08/2023
मेष	09/03/2024
मीन	08/10/2024
कुंभ	09/05/2025
मक	08/12/2025
धनु	09/07/2026
वृश्चि	08/02/2027
तुला	09/09/2027
कन्या	09/04/2028
सिंह	08/11/2028
कर्क	09/06/2029
मिथु	08/01/2030

वृष 6 वर्ष	
08/01/2030	08/01/2036
मेष	09/07/2030
मीन	08/01/2031
कुंभ	10/07/2031
मक	08/01/2032
धनु	09/07/2032
वृश्चि	08/01/2033
तुला	09/07/2033
कन्या	08/01/2034
सिंह	09/07/2034
कर्क	08/01/2035
मिथु	10/07/2035
वृष	08/01/2036

मेष 6 वर्ष	
08/01/2036	08/01/2042
वृष	09/07/2036
मिथु	08/01/2037
कर्क	09/07/2037
सिंह	08/01/2038
कन्या	09/07/2038
तुला	08/01/2039
वृश्चि	10/07/2039
धनु	08/01/2040
मक	09/07/2040
कुंभ	08/01/2041
मीन	09/07/2041
मेष	08/01/2042

मीन 7 वर्ष	
08/01/2042	08/01/2049
मेष	09/08/2042
वृष	10/03/2043
मिथु	09/10/2043
कर्क	09/05/2044
सिंह	08/12/2044
कन्या	09/07/2045
तुला	07/02/2046
वृश्चि	08/09/2046
धनु	09/04/2047
मक	08/11/2047
कुंभ	09/06/2048
मीन	08/01/2049

कुम्भ 3 वर्ष	
08/01/2049	08/01/2052
मीन	09/04/2049
मेष	09/07/2049
वृष	09/10/2049
मिथु	08/01/2050
कर्क	09/04/2050
सिंह	09/07/2050
कन्या	09/10/2050
तुला	08/01/2051
वृश्चि	09/04/2051
धनु	10/07/2051
मक	09/10/2051
कुंभ	08/01/2052

मकर 2 वर्ष	
08/01/2052	08/01/2054
धनु	09/03/2052
वृश्चि	09/05/2052
तुला	09/07/2052
कन्या	08/09/2052
सिंह	08/11/2052
कर्क	08/01/2053
मिथु	09/03/2053
वृष	09/05/2053
मेष	09/07/2053
मीन	08/09/2053
कुंभ	08/11/2053
मक	08/01/2054

धनु 8 वर्ष	
08/01/2054	08/01/2062
वृश्चि	08/09/2054
तुला	10/05/2055
कन्या	08/01/2056
सिंह	08/09/2056
कर्क	09/05/2057
मिथु	08/01/2058
वृष	08/09/2058
मेष	10/05/2059
मीन	08/01/2060
कुंभ	08/09/2060
मक	09/05/2061
धनु	08/01/2062

वृश्चिक 11 वर्ष	
08/01/2062	08/01/2073
तुला	09/12/2062
कन्या	08/11/2063
सिंह	08/10/2064
कर्क	08/09/2065
मिथु	09/08/2066
वृष	10/07/2067
मेष	09/06/2068
मीन	09/05/2069
कुंभ	09/04/2070
मक	10/03/2071
धनु	08/02/2072
वृश्चि	08/01/2073

तुला 1 वर्ष	
08/01/2073	08/01/2074
वृश्चि	07/02/2073
धनु	09/03/2073
मक	09/04/2073
कुंभ	09/05/2073
मीन	09/06/2073
मेष	09/07/2073
वृष	09/08/2073
मिथु	08/09/2073
कर्क	09/10/2073
सिंह	08/11/2073
कन्या	08/12/2073
तुला	08/01/2074

कन्या 8 वर्ष	
08/01/2074	08/01/2082
तुला	08/09/2074
वृश्चि	10/05/2075
धनु	08/01/2076
मक	08/09/2076
कुंभ	09/05/2077
मीन	08/01/2078
मेष	08/09/2078
वृष	10/05/2079
मिथु	08/01/2080
कर्क	08/09/2080
सिंह	09/05/2081
कन्या	08/01/2082

सिंह 8 वर्ष	
08/01/2082	08/01/2090
कन्या	08/09/2082
तुला	10/05/2083
वृश्चि	08/01/2084
धनु	08/09/2084
मक	09/05/2085
कुंभ	08/01/2086
मीन	08/09/2086
मेष	10/05/2087
वृष	08/01/2088
मिथु	08/09/2088
कर्क	09/05/2089
सिंह	08/01/2090

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



चर दशा - प्रत्यन्तर

मिथु - धनु 08/12/2025 09/07/2026	मिथु - वृश्चि 09/07/2026 08/02/2027	मिथु - तुला 08/02/2027 09/09/2027	मिथु - कन्या 09/09/2027 09/04/2028	मिथु - सिंह 09/04/2028 08/11/2028
वृश्चि 26/12/2025 तुला 13/01/2026 कन्या 31/01/2026 सिंह 17/02/2026 कर्क 07/03/2026 मिथु 25/03/2026 वृष 12/04/2026 मेष 29/04/2026 मीन 17/05/2026 कुंभ 04/06/2026 मक 22/06/2026 धनु 09/07/2026	तुला 27/07/2026 कन्या 14/08/2026 सिंह 01/09/2026 कर्क 18/09/2026 मिथु 06/10/2026 वृष 24/10/2026 मेष 11/11/2026 मीन 28/11/2026 कुंभ 16/12/2026 मक 03/01/2027 धनु 21/01/2027 वृश्चि 08/02/2027	वृश्चि 25/02/2027 धनु 15/03/2027 मक 02/04/2027 कुंभ 20/04/2027 मीन 07/05/2027 मेष 25/05/2027 वृष 12/06/2027 मिथु 30/06/2027 कर्क 17/07/2027 सिंह 04/08/2027 कन्या 22/08/2027 तुला 09/09/2027	तुला 26/09/2027 वृश्चि 14/10/2027 धनु 01/11/2027 मक 19/11/2027 कुंभ 06/12/2027 मीन 24/12/2027 वृष 29/01/2028 मिथु 15/02/2028 कर्क 04/03/2028 सिंह 22/03/2028 कन्या 09/04/2028	कन्या 26/04/2028 तुला 14/05/2028 वृश्चि 01/06/2028 धनु 19/06/2028 मक 06/07/2028 कुंभ 24/07/2028 मीन 11/08/2028 मेष 29/08/2028 वृष 15/09/2028 मिथु 03/10/2028 कर्क 21/10/2028 सिंह 08/11/2028
मिथु - कर्क 08/11/2028 09/06/2029	मिथु - मिथु 09/06/2029 08/01/2030	वृष - मेष 08/01/2030 09/07/2030	वृष - मीन 09/07/2030 08/01/2031	वृष - कुंभ 08/01/2031 10/07/2031
मिथु 25/11/2028 वृष 13/12/2028 मेष 31/12/2028 मीन 18/01/2029 कुंभ 04/02/2029 मक 22/02/2029 धनु 12/03/2029 वृश्चि 30/03/2029 तुला 16/04/2029 कन्या 04/05/2029 सिंह 22/05/2029 कर्क 09/06/2029	वृष 27/06/2029 मेष 14/07/2029 मीन 01/08/2029 कुंभ 19/08/2029 मक 06/09/2029 धनु 23/09/2029 वृश्चि 11/10/2029 तुला 29/10/2029 कन्या 16/11/2029 सिंह 03/12/2029 कर्क 21/12/2029 मिथु 08/01/2030	वृष 23/01/2030 मिथु 07/02/2030 कर्क 22/02/2030 सिंह 10/03/2030 कन्या 25/03/2030 तुला 09/04/2030 वृश्चि 24/04/2030 धनु 10/05/2030 मक 25/05/2030 कुंभ 09/06/2030 मीन 24/06/2030 मेष 09/07/2030	मेष 25/07/2030 वृष 09/08/2030 मिथु 24/08/2030 कर्क 08/09/2030 सिंह 24/09/2030 कन्या 09/10/2030 तुला 24/10/2030 वृश्चि 08/11/2030 धनु 23/11/2030 मक 09/12/2030 कुंभ 24/12/2030 मीन 08/01/2031	मीन 23/01/2031 मेष 08/02/2031 वृष 23/02/2031 मिथु 10/03/2031 कर्क 25/03/2031 सिंह 09/04/2031 कन्या 25/04/2031 तुला 10/05/2031 वृश्चि 25/05/2031 धनु 09/06/2031 मक 24/06/2031 कुंभ 10/07/2031
वृष - मक 10/07/2031 08/01/2032	वृष - धनु 08/01/2032 09/07/2032	वृष - वृश्चि 09/07/2032 08/01/2033	वृष - तुला 08/01/2033 09/07/2033	वृष - कन्या 09/07/2033 08/01/2034
धनु 25/07/2031 वृश्चि 09/08/2031 तुला 24/08/2031 कन्या 09/09/2031 सिंह 24/09/2031 कर्क 09/10/2031 मिथु 24/10/2031 वृष 08/11/2031 मेष 24/11/2031 मीन 09/12/2031 कुंभ 24/12/2031 मक 08/01/2032	वृश्चि 24/01/2032 तुला 08/02/2032 कन्या 23/02/2032 सिंह 09/03/2032 कर्क 24/03/2032 मिथु 09/04/2032 वृष 24/04/2032 मेष 09/05/2032 मीन 24/05/2032 कुंभ 09/06/2032 मक 24/06/2032 धनु 09/07/2032	तुला 24/07/2032 कन्या 08/08/2032 सिंह 24/08/2032 कर्क 08/09/2032 मिथु 23/09/2032 वृष 08/10/2032 मेष 23/10/2032 मीन 08/11/2032 कुंभ 23/11/2032 मक 08/12/2032 धनु 23/12/2032 वृश्चि 08/01/2033	वृश्चि 23/01/2033 धनु 07/02/2033 मक 22/02/2033 कुंभ 09/03/2033 मीन 25/03/2033 मेष 09/04/2033 वृष 24/04/2033 मिथु 09/05/2033 कर्क 25/05/2033 सिंह 09/06/2033 कन्या 24/06/2033 तुला 09/07/2033	तुला 24/07/2033 वृश्चि 09/08/2033 धनु 24/08/2033 मक 08/09/2033 कुंभ 23/09/2033 मीन 09/10/2033 मेष 24/10/2033 वृष 08/11/2033 मिथु 23/11/2033 कर्क 08/12/2033 सिंह 24/12/2033 कन्या 08/01/2034



FUTUREPOINT
Astro Solutions



चर दशा - प्रत्यन्तर

वृष - सिंह 08/01/2034 09/07/2034	वृष - कर्क 09/07/2034 08/01/2035	वृष - मिथु 08/01/2035 10/07/2035	वृष - वृष 10/07/2035 08/01/2036	मेष - वृष 08/01/2036 09/07/2036
कन्या 23/01/2034 तुला 07/02/2034 वृश्चि 22/02/2034 धनु 10/03/2034 मक 25/03/2034 कुंभ 09/04/2034 मीन 24/04/2034 मेष 10/05/2034 वृष 25/05/2034 मिथु 09/06/2034 कर्क 24/06/2034 सिंह 09/07/2034	मिथु 25/07/2034 वृष 09/08/2034 मेष 24/08/2034 मीन 08/09/2034 कुंभ 24/09/2034 मक 09/10/2034 धनु 24/10/2034 वृश्चि 08/11/2034 तुला 23/11/2034 कन्या 09/12/2034 सिंह 24/12/2034 कर्क 08/01/2035	वृष 23/01/2035 मेष 08/02/2035 मीन 23/02/2035 कुंभ 10/03/2035 मक 25/03/2035 धनु 09/04/2035 वृश्चि 25/04/2035 तुला 10/05/2035 कन्या 25/05/2035 सिंह 09/06/2035 कर्क 24/06/2035 मिथु 10/07/2035	मेष 25/07/2035 मीन 09/08/2035 कुंभ 24/08/2035 मक 09/09/2035 धनु 24/09/2035 वृश्चि 09/10/2035 तुला 24/10/2035 कन्या 08/11/2035 सिंह 24/11/2035 कर्क 09/12/2035 मिथु 24/12/2035 वृष 08/01/2036	मेष 24/01/2036 मीन 08/02/2036 कुंभ 23/02/2036 मक 09/03/2036 धनु 24/03/2036 वृश्चि 09/04/2036 तुला 24/04/2036 कन्या 09/05/2036 सिंह 24/05/2036 कर्क 09/06/2036 मिथु 24/06/2036 वृष 09/07/2036
मेष - मिथु 09/07/2036 08/01/2037	मेष - कर्क 08/01/2037 09/07/2037	मेष - सिंह 09/07/2037 08/01/2038	मेष - कन्या 08/01/2038 09/07/2038	मेष - तुला 09/07/2038 08/01/2039
वृष 24/07/2036 मेष 08/08/2036 मीन 24/08/2036 कुंभ 08/09/2036 मक 23/09/2036 धनु 08/10/2036 वृश्चि 23/10/2036 तुला 08/11/2036 कन्या 23/11/2036 सिंह 08/12/2036 कर्क 23/12/2036 मिथु 08/01/2037	मिथु 23/01/2037 वृष 07/02/2037 मेष 22/02/2037 मीन 09/03/2037 कुंभ 25/03/2037 मक 09/04/2037 धनु 24/04/2037 वृश्चि 09/05/2037 तुला 25/05/2037 कन्या 09/06/2037 सिंह 24/06/2037 कर्क 09/07/2037	कन्या 24/07/2037 तुला 09/08/2037 वृश्चि 24/08/2037 धनु 08/09/2037 मक 23/09/2037 कुंभ 09/10/2037 मीन 24/10/2037 मेष 08/11/2037 वृष 23/11/2037 मिथु 08/12/2037 कर्क 24/12/2037 सिंह 08/01/2038	तुला 23/01/2038 वृश्चि 07/02/2038 धनु 22/02/2038 मक 10/03/2038 कुंभ 25/03/2038 मीन 09/04/2038 मेष 24/04/2038 वृष 10/05/2038 मिथु 25/05/2038 कर्क 09/06/2038 सिंह 24/06/2038 कन्या 09/07/2038	वृश्चि 25/07/2038 धनु 09/08/2038 मक 24/08/2038 कुंभ 08/09/2038 मीन 24/09/2038 मेष 09/10/2038 वृष 24/10/2038 मिथु 08/11/2038 कर्क 23/11/2038 सिंह 09/12/2038 कन्या 24/12/2038 तुला 08/01/2039
मेष - वृश्चि 08/01/2039 10/07/2039	मेष - धनु 10/07/2039 08/01/2040	मेष - मक 08/01/2040 09/07/2040	मेष - कुंभ 09/07/2040 08/01/2041	मेष - मीन 08/01/2041 09/07/2041
तुला 23/01/2039 कन्या 08/02/2039 सिंह 23/02/2039 कर्क 10/03/2039 मिथु 25/03/2039 वृष 09/04/2039 मेष 25/04/2039 मीन 10/05/2039 कुंभ 25/05/2039 मक 09/06/2039 धनु 24/06/2039 वृश्चि 10/07/2039	वृश्चि 25/07/2039 तुला 09/08/2039 कन्या 24/08/2039 सिंह 09/09/2039 कर्क 24/09/2039 मिथु 09/10/2039 वृष 24/10/2039 मेष 08/11/2039 मीन 24/11/2039 कुंभ 09/12/2039 मक 24/12/2039 धनु 08/01/2040	धनु 24/01/2040 वृश्चि 08/02/2040 तुला 23/02/2040 कन्या 09/03/2040 सिंह 24/03/2040 कर्क 09/04/2040 मिथु 24/04/2040 वृष 09/05/2040 मेष 24/05/2040 मीन 09/06/2040 कुंभ 24/06/2040 मक 09/07/2040	मीन 24/07/2040 मेष 08/08/2040 वृष 24/08/2040 मिथु 08/09/2040 कर्क 23/09/2040 सिंह 08/10/2040 कन्या 23/10/2040 तुला 08/11/2040 वृश्चि 23/11/2040 धनु 08/12/2040 मक 23/12/2040 कुंभ 08/01/2041	मेष 23/01/2041 वृष 07/02/2041 मिथु 22/02/2041 कर्क 09/03/2041 सिंह 25/03/2041 कन्या 09/04/2041 तुला 24/04/2041 वृश्चि 09/05/2041 धनु 25/05/2041 मक 09/06/2041 कुंभ 24/06/2041 मीन 09/07/2041



FUTUREPOINT
Astro Solutions



शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांक से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

मूलांक	8
भाग्यांक	9
मित्र अंक	1, 2, 8, 9
शत्रु अंक	3, 7,
शुभ वर्ष	26,35,44,53,62
शुभ दिन	मंगल, सोम, गुरु
शुभ ग्रह	मंगल, चन्द्र, गुरु
मित्र राशि	मीन, सिंह
मित्र लग्न	तुला, मीन, वृष
अनुकूल देवता	हनुमान
शुभ रत्न	मोती
शुभ उपरत्न	चन्द्रमणि
भाग्य रत्न	पुखराज
शुभ धातु	रजत
शुभ रंग	श्वेत
शुभ दिशा	पश्चिमोत्तर
शुभ समय	संध्या
दान पदार्थ	शंख, कपूर, श्वेतचन्दन
दान अन्न	चावल
दान द्रव्य	दही



FUTUREPOINT
Astro Solutions

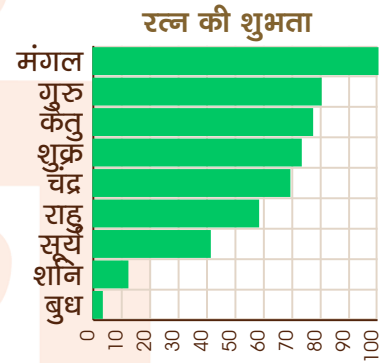


रत्न चयन

रत्न जीवन में शुभत्व की वृद्धि के लिए धारण किए जाते हैं। वैज्ञानिक रूप से, रत्न अपने ग्रह की राशियों को पूर्णमात्रा में मानव शरीर में प्रवाहित कर ग्रह प्रभाव की वृद्धि करते हैं। यही कारण है कि रत्न केवल शुभ ग्रहों का ही धारण किया जाता है। ग्रह शुभ माना जाता है यदि यह लग्न, त्रिकोण या केन्द्र में स्थापित हो या स्वामी हो। यह अशुभ होता है यदि यह त्रिक भाव से संबंधित हो। मित्रों की युति या दृष्टि भी इसकी शुभता बढ़ाती है। बाधक भाव का स्वामित्व शुभता कम कर देता है। चर लग्नों में एकादश, स्थिर में नवम व द्विस्वभाव में सप्तम भाव की बाधक संज्ञा है। उपरोक्त तथ्य रत्न चयन हेतु ग्रह की शुभता दर्शाते हैं।

नीचे जन्मकुण्डली में ग्रहों की शुभता को सारणी व ग्राफ में दर्शित किया गया है। साथ ही कौन सा ग्रह किस क्षेत्र में कार्य सिद्ध कर सकता है दिया गया है। विभिन्न दशाओं में विभिन्न रत्नों की शुभता भी नीचे तालिका में दी गई है। जिस ग्रह को 75 प्रतिशत शुभता प्राप्त है उसके रत्न हमें सर्वदा बिना दशा विचार के धारण करने चाहिए। जिन्हें 50-75 प्रतिशत शुभता प्राप्त है उन्हें कार्य क्षेत्र अनुसार व अनुकूल दशा में धारण करना चाहिए। जो रत्न केवल 25-50 प्रतिशत शुभता लिए हैं उनके रत्न केवल उनकी या उनके मित्रों की दशा में धारण करने चाहिए। अन्ततः जिन्हें 25 प्रतिशत से भी कम शुभता प्राप्त है वे ग्रह अपने लिए अशुभ ही समझें और उनके रत्नों को पहनने से बचना चाहिए।

रत्न	ग्रह	शुभता	क्षेत्र
मूंगा	मंगल	100%	सुख, व्यावसायिक उन्नति, सन्तति सुख
पुखराज	गुरु	80%	धन, शत्रु व रोग मुक्ति, भाग्योदय
लहसुनिया	केतु	77%	भाग्योदय, धन
हीरा	शुक्र	73%	सन्तति सुख, धनार्जन, सुख
मोती	चंद्र	69%	शत्रु व रोग मुक्ति, स्वास्थ्य
गोमेद	राहु	58%	पराक्रम, दम्पति
माणिक्य	सूर्य	41%	शत्रु व रोग, धन हानि
नीलम	शनि	12%	सन्तति कष्ट, दाम्पत्य कष्ट, दुर्घटना
पन्ना	बुध	3%	दाम्पत्य कष्ट, व्यय, पराक्रम हानि



दशानुसार रत्न विचार

दशा	समाप्ति	माणिक्य	मोती	मूंगा	पन्ना	पुखराज	हीरा	नीलम	गोमेद	लहसुनिया
केतु	26/03/2020	16%	56%	100%	3%	80%	80%	0%	41%	89%
शुक्र	26/03/2040	16%	56%	100%	16%	80%	86%	25%	64%	83%
सूर्य	27/03/2046	58%	75%	100%	3%	86%	61%	0%	41%	64%
चंद्र	26/03/2056	52%	81%	100%	16%	80%	73%	12%	41%	64%
मंगल	27/03/2063	52%	75%	100%	0%	86%	73%	12%	41%	83%
राहु	27/03/2081	16%	56%	88%	3%	80%	80%	25%	71%	64%
गुरु	27/03/2097	52%	75%	100%	0%	92%	61%	12%	58%	77%
शनि	27/03/2116	16%	56%	88%	16%	80%	80%	38%	64%	64%
बुध	28/03/2133	52%	56%	100%	28%	80%	80%	12%	58%	77%



FUTUREPOINT
Astro Solutions



विस्तृत रत्न विचार

औषधि मणि मंत्राणां, ग्रह-नक्षत्र तारिका ।
भाग्यकाले भवेत्सिद्धिः अभाग्यं निष्फलं भवेत् ॥

औषधि, मणि एवं मंत्र ग्रह नक्षत्र जनित रोगों को दूर करते हैं। यदि समय सही है तो इनसे उपयुक्त फल प्राप्त होते हैं। विपरीत समय में ये सभी निष्फल हो जाते हैं।

रत्न शरीर की शोभा बढ़ाने के साथ साथ अपनी चमत्कारिक शक्ति द्वारा ग्रहों के विपरीत प्रभावों को कम करके ग्रह बल को बढ़ाते हैं। रत्न हमारे शरीर में ग्रहों से आ रही किरणों का प्रवाह बढ़ाते हैं। अतः जो ग्रह आपकी कुण्डली में शुभ हो लेकिन निर्बल हो उनका रत्न पहनने से ग्रह की निर्बलता दूर होती है। यही कारण है कि अशुभ ग्रहों के रत्न सर्वदा त्याज्य है।

रत्न जितना साफ व सही कटाव का होगा उतना ही अधिक रश्मियों को एकत्रित करने में सक्षम होता है। अतः अच्छी गुणवत्ता के रत्न ही पूर्णतः फल देने में समर्थ होते हैं। रत्न का वजन व शरीर का वजन ग्रह की निर्बलता के अनुपात में होना चाहिए। यदि ग्रह बहुत कमजोर है तो अधिक वजन का रत्न पहनना चाहिए। हीरे को छोड़कर रत्न शरीर से छुना अति आवश्यक हैं। अंगूली में व विशेष धातु में पहनने से रत्न का प्रभाव अधिकतम होता है।

यदि किसी कारणवश रत्न उतारना है तो रत्न के वार के दिन ही उतारकर श्रद्धापूर्वक गंगाजल में धोकर सुरक्षित स्थान पर रखना चाहिए। यदि रत्न खो जाए या चोरी हो जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह दोष खत्म हो गया है। यदि रत्न का रंग फिका पड़ जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह का अशुभ प्रभाव शांत हुआ समझना चाहिए। यदि रत्न में दरार पड़ जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह प्रभावशाली है तब ग्रह की शांति कराए तथा दूसरा रत्न बनवाकर पुनः पहनें।

कुंडली में जो ग्रह अशुभ हो उनके लिए रुद्राक्ष धारण, मंत्र, दान, जल, विसर्जन एवं व्रत आदि उपायों से ग्रहों की अशुभता को दूर किया जा सकता है। यदि आप किसी कारणवश रत्न धारण करने में असमर्थ हैं तो आप इन रत्नों के रुद्राक्ष या उपरत्न धारण कर ग्रह शुभता प्राप्त कर सकते हैं अन्यथा मंत्र जाप। दान या व्रत आदि से भी ग्रहों का बलाबल बढ़ा सकते हैं।

किसी भी कुंडली के लिए लग्नेश जीवन रत्न होता है और इसके धारण करने से स्वास्थ्य लाभ व व्यक्तित्व विकास व मान-सम्मान प्राप्त होता है। नवमेश का रत्न भाग्य रत्न कहलाता है। इसके धारण करने से भाग्य की बढ़ोतरी होते हैं। साथ ही यह रत्न मान-प्रतिष्ठा भी बढ़ाता है। योगकारक या पंचमेश ग्रह का रत्न। कारक रत्न कहलाता है। इसके धारण करने से कार्य में प्रगति। धन लाभ व चौमुखी विकास प्राप्त होता है। आपको कौन सा रत्न पहनना चाहिए व कौन सा नहीं इसके लाभ/हानि की जानकारी विस्तृत रूप में नीचे दी जा रही है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न। द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान सिद्ध हो सकता है।

आपकी कुंडली और रत्न

आपके लिए मूंगा, पुखराज व लहसुनिया रत्न धारण करना अति शुभ फलदायक है। इन्हें आप सर्वदा धारण करेंगे तो आपके जीवन का चहुंमुखी विकास होगा। धन लाभ व व्यावसायिक उन्नति होगी।

पुखराज आपका भाग्य रत्न है। इस रत्न को धारण करने से आपके भाग्य की वृद्धि होगी। रुके हुए कार्य सुगमता पूर्वक बनेंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभ यात्राएं होंगी। मानसिक विकार दूर होंगे। धन लाभ व व्यावसायिक उन्नति होगी।

मूंगा व लहसुनिया रत्न आपके कारक रत्न हैं। कारक रत्न के धारण करने से व्यावसायिक उन्नति प्राप्त होती है। धन लाभ होता है। सुख सम्पत्ति की प्राप्ति होती है। जीवन में नयी ऊर्जा का प्रवाह होता है।

अतः उपरोक्त रत्न आप अवश्य धारण करें। सभी रत्न जीवन पर्यन्त धारण करने से ग्रहों की विशेष शुभता प्राप्त होगी और जीवन सुखमय होकर गतिमान होगा। उपरोक्त रत्न आप बिना किसी दशा या गोचर विचार के धारण कर सकते हैं क्योंकि सभी रत्न अति शुभफलदायी हैं।

आपके लिए हीरा, मोती एवं गोमेद रत्न शुभ हैं लेकिन ये रत्न दशानुसार शुभाशुभ फल देने में सक्षम है। अतः इन्हें आप स्वदशा या मित्र दशा में धारण करेंगे तो ये शुभ फल देंगे। शत्रु दशा में इनको नहीं पहनना ही बेहतर होगा। उस समय इन ग्रहों के उपाय आप रुद्राक्ष पहन कर या दान, मंत्र जाप आदि से करना श्रेष्ठ होगा।

माणिक्य रत्न आपके लिए नेष्ट है। अतः इसे न पहनना ही बेहतर है। इसे धारण करने से आपको मानसिक परेशानी एवं स्वास्थ्य हानि हो सकती है। अतः यदि इसे धारण करना हो तो इसकी अनुकूलता का परीक्षण अवश्य कर लें और विभिन्न दशाओं में इसकी अनुकूलता का परिक्षण करते रहें, क्योंकि यह रत्न आपके लिए किसी दशा या गोचर में विशेष कष्टकारी भी हो सकता है।

नीलम व पन्ना रत्न पहनना आपके लिए कष्टकारी सिद्ध हो सकता है। क्योंकि इनके स्वामी ग्रह आपकी कुंडली में बिल्कुल भी शुभ फलदायक नहीं हैं। अतः इन रत्नों का आप सर्वदा त्याग ही करें। इनके पहनने से आपको सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य के पक्ष से विपरीत फल प्राप्त हो सकते हैं। मान-सम्मान में कमी, धन-धान्य का अभाव तथा उन्नति बाधित हो सकती है। इन रत्नों का आप जीवन पर्यन्त ही त्याग करें क्योंकि ये रत्न किसी भी

दशा या गोचर में शुभफलदायी नहीं हो सकते।

विभिन्न रत्न आपके लिए किस प्रकार से फलदायी रहेंगे एवं उनकी धारण विधि का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार से है :-

मूंगा

आपकी कुंडली में मंगल चतुर्थ भाव में स्थित है। आपको मंगल रत्न मूंगा धारण करना चाहिए। मूंगा रत्न धारण करने से आपको भूमि-भवन सुख की प्राप्ति होगी। मंगल की यह स्थिति मंगलिक योग बनाती है। मूंगा रत्न शुभ होकर संतान सुख एवं जन्म स्थान से दूर रखेगा। साहस और जोश से किये गये सभी कार्यों में आपको सफलता की प्राप्ति होगी। मूंगा रत्न आपकी मातृ श्रद्धा को बढ़ायेगा। इस भाव से मंगल सप्तम, दशम एवं एकादश भाव को देख रहे हैं। रत्न का प्रभाव इन भावों की शुभता में वृद्धि व अशुभता को कम करेगा।

आपकी कर्क लग्न की कुंडली में मंगल पंचम भाव एवं दशम भाव के स्वामी तथा मंगल लग्नेश चंद्र के मित्र भी है। यह मंगल योगकारक ग्रह होने के कारण आपके लिए सबसे अधिक शुभ ग्रह है। मंगल रत्न मूंगा आपके लिए अतिउत्तम रत्न है। संतान सुख और शैक्षिक जीवन में अनुकूल सफलता पाने के लिए आपको यह रत्न अवश्य धारण करना चाहिए। मूंगा रत्न आपको संतान प्राप्ति के योग, पिता एवं आजीविका क्षेत्र से लाभ दिला सकता है। रत्न की शुभता से आपको भूमि, भवन, दैनिक व्यवसाय, परिश्रम से सम्मान प्राप्ति हो सकती है। मंगल रत्न मूंगा आपके ग्रहस्थ जीवन को भी सुखमय बनाए रख सकता है।

मूंगा रत्न अनामिका अंगूली में, चांदी धातु में जड़वाकर मंगलवार को प्रातः काल में स्नानादि क्रियाओं से शुद्ध होकर इस रत्न को पंचामृत से शुद्ध कर अपने ईष्ट देव का पूजन करने के पश्चात धूप, दीप दिखाकर धारण करना चाहिए। मूंगा रत्न धारण करने के पश्चात मंगल मंत्र ॐ अं अंगारकाय नमः का १ माला जाप करना चाहिए। इसके पश्चात मंगल वस्तुएं जैसे - गेहूं, गुड़, तांबा, लाल वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। मूंगा रत्न कम से कम ६ रत्ती से लेकर अधिकतम ८ रत्ती तक का धारण करना शुभ रहता है।

मूंगा रत्न धारण करने के बाद इस रत्न के साथ हीरा, गोमेद एवं नीलम रत्न को धारण करना अनुकूल नहीं माना गया है। यदि आप इस रत्न को अंगूठी रूप में धारण न कर पाएं तो आप इसे लॉकेट रूप में या दूसरे हाथ में धारण कर सकते हैं। यह रत्न रजत धातु के अलावा स्वर्ण धातु में भी धारण किया जा सकता है। मूंगा रत्न धारण न कर पाने की स्थिति में आप इस रत्न के उपरत्न लाल हकीक एवं ३ मुखी रुद्राक्ष भी आप धारण कर सकते हैं।

पुखराज

आपकी कुंडली में गुरु द्वितीय भाव में स्थित है। गुरु रत्न पुखराज धारण करना चाहिए। पुखराज रत्न धारण कर आपकी बुद्धिमत्ता का विकास होता है। यह रत्न वाणी में शुभता, विनम्र वाणी, संचित धन एवं आत्मशक्ति बनाये रखने में सहयोग करेगा। पुखराज की शुभता से आपमें दार्शनिक प्रवृत्ति का भाव जाग्रत होगा। धन-धान्य, यश और सम्मान की प्राप्ति होगी। पुखराज से शैक्षिक क्षेत्र में शुभ परिणाम प्राप्त होंगे। गुरु ग्रह की शुभता को बढ़ाने और

अशुभता में कमी करने के लिए आप यह रत्न धारण करें।

आपकी कर्क लग्न की कुंडली में गुरु षष्ठ भाव एवं नवम भाव के स्वामी है। गुरु लग्नेश चंद्र के मित्र एवं त्रिकोण भाव के स्वामी होने के कारण आपके लिए शुभ ग्रह होते हैं। अतः गुरु रत्न पुखराज धारण करना आपके लिए शुभ फलदायक सिद्ध हो सकता है। पुखराज रत्न धारण कर आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली बन सकता है। आप विद्या, बुद्धि व संतान से युक्त हो सकते हैं। आपके कार्यों में जो बाधाएं आती हैं वो रत्न शुभता से दूर हो सकती हैं। छे भव का रत्न होने के कारण यह रत्न रोग, शत्रु तथा ऋणों पर नियन्त्रण बनाये रखने में लाभकारी सिद्ध हो सकता है। शत्रुओं पर विजय, भाग्य व धर्म को प्रबलता मिल सकती है।

इस रत्न को स्वर्ण धातु में जड़वाकर, गुरुवार के दिन प्रातःकाल में सभी प्रकार से शुद्ध होने के बाद रत्न को धूप, दीप दिखाकर तर्जनी अंगूली में धारण करना चाहिए। पुखराज रत्न धारण करने के बाद ॐ बृं बृहस्पतये नमः का एक माला जाप ५ मुखी रुद्राक्ष माला पर करना चाहिए। जप पूर्ण करने के बाद किसी जरूरतमंद को गुरु ग्रह से संबंधित पदार्थों का दान अपने सामर्थ्यशक्ति के अनुसार करना चाहिए। गुरु ग्रह की वस्तुएं इस प्रकार हैं- चने की दाल, हल्दी, पीला वस्त्र। यह रत्न कम से कम ४ रत्नी से लेकर ८ रत्नी का धारण किया जा सकता है।

पुखराज रत्न के साथ हीरा और गोमेद रत्न धारण करना अनुकूल फलदायक नहीं रहता है। विशेष आवश्यकता होने पर आप इस रत्न को लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण कर सकते हैं। किसी कारणवश यदि पुखराज रत्न आप धारण न कर पाएं तो आप इसके उपरत्न सुनहला, पीला हकीक, पीताम्बरी रत्न एवं ५ मुखी रुद्राक्ष धारण करें।

लहसुनिया

आपकी कुंडली में केतु नवम भाव में स्थित है। केतु रत्न लहसुनिया धारण करना आपके लिए शुभ रहेगा। यह रत्न धारण से आपके पराक्रम भाव में वृद्धि होगी। रत्न शुभता से आप उदार और दयालु बनेंगे। लहसुनिया रत्न आपके भाग्य को बढ़ा सकता है। इस रत्न को धारण कर आप नैतिकता से धन लाभ कमाने का प्रयास करेंगे। रत्न प्रभाव सहोदर या भाईयों से आपके संबंध मजबूत करेगा। लहसुनिया रत्न शुभता से आप के पिता के सुख में भी यह रत्न बढ़ाएगा। लहसुनिया रत्न प्रभाव से आपको विदेश स्थानों से धनागमन प्राप्ति के योग बनेंगे।

केतु मीन राशि में स्थित है तथा इसका स्वामी गुरु दूसरे भाव में स्थित है। अतः लहसुनिया रत्न धारण करने पर स्व-कुटुम्ब के सुखों में वृद्धि होगी। यह रत्न आपको जनता व सरकार से सम्मान दिलाएगा। यह रत्न आपको मिथ्या वाद से बचाएगा। साथ ही यह रत्न आपके स्वाभिमान को बढ़ाएगा। रत्न शुभता से जमीन जायदाद के संग्रह में आपको सहयोग प्राप्त होगा। रत्न प्रभाव से आपको धनोपार्जन में सफलता मिलेगी एवं यह रत्न आपको मधुर, सौम्य और प्रिय बोलने का गुण प्रदान करेगा, आपकी संग्रह शक्ति बढ़ाएगा। इसके साथ ही आपकी आर्थिक स्थिति भी बेहतर होगी। इस रत्न को धारण करने पर आपको उत्तम भोजन सेवन की प्राप्ति हो सकती है। परहित में ही आपको आनंद का अनुभव होगा।

लहसुनिया रत्न को चांदी धातु में जड़वाकर गुरुवार के दिन सूर्यास्त काल में धारण

किया जा सकता है। लहसुनिया रत्न जड़ित अंगूठी को पंचामृत से स्नान कराकर, इसका धूप, दीप और फूलों से पूजन करने के बाद अनामिका अंगूली में धारण करें। रत्न धारण के पश्चात केतु रत्न मंत्र ॐ के केतवे नमः का १ माला जाप करें। मंत्र जाप के बाद केतु ग्रह की वस्तुओं का दान किसी योग्य व्यक्ति को करना शुभ रहता है। केतु वस्तुएं इस प्रकार हैं- सप्तधान्य, नारियल, धूम वस्त्र। लहसुनिया रत्न का वजन कम से कम 4 रत्ती और अधिकतम 8-10 रत्ती होना चाहिए। अंगूठी रूप में रत्न धारण करने में किसी प्रकार की असमर्थता होने पर इसे लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण किया जा सकता है।

लहसुनिया रत्न धारण करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि इस रत्न के साथ माणिक्य एवं गोमेद रत्न धारण करना प्रतिकूल फल प्रदान कर सकता है।

हीरा

आपकी कुंडली में शुक्र पंचम भाव में स्थित है। शुक्र रत्न हीरा आपके लिए शुभ फलदायी रहेगा। आपको शुक्र रत्न हीरा धारण करना चाहिए। हीरा रत्न आपको कविताओं, ललितकलाओं और लेखन में गहरी रुचि देगा। संगत, कला और सौंदर्य सम्पन्न और सद्गुणी बनाएगा। आप आस्तिक और उदार व्यक्ति बनेंगे। हीरे रत्न प्रभाव से आप विद्वान, प्रतिभाशाली और अच्छे वक्ता सिद्ध होंगे। इस रत्न की शुभता से आप राजनीतिज्ञ मंत्री या न्यायाधीश भी हो सकते हैं। साथ ही यह रत्न वाहनों का सुख, उत्तम व विश्वसनीय मित्र देगा। संतान सुख के पक्ष से भी यह रत्न शुभदायक रहेगा।

आपकी कर्क लग्न की कुंडली में शुक्र चतुर्थेश एवं आयेस है। शुक्र ग्रह की शुभता प्राप्त करने के लिए आप हीरा रत्न धारण कर सकते हैं। हीरे की शुभता आपको घर, जमीन-जायदाद, वाहन, प्रतिष्ठा और माता के सुख प्राप्त हो सकते हैं। शुक्र रत्न हीरा आपके दांपत्य जीवन को सौहार्दपूर्ण बनाए रखने में सहयोग कर सकता है। आय, उन्नति, सफलता के अतिरिक्त यह रत्न आपको बड़ी उम्र के दोस्त, सभी प्रकार के लाभ, इच्छापूर्ति की संभावना, दया, सलाहकार, अनुयायी, दोस्त एवं उत्तम शुभ चिन्तक दे सकता है।

हीरा रत्न सोने धातु की अंगूठी में जड़वाकर, शुक्रवार के दिन सूर्य उदय के पश्चात स्नानादि क्रियाओं से शुद्ध होकर रत्न को रत्न जड़ित अंगूठी को दूध, जल, शक्कर, दही और शहद से मिलकर बने पंचामृत में डूबोकर शुद्ध कर, अपने देव स्थान पर रखकर शुक्रदेव और रत्न को धूप, दीप एवं फूल दिखाकर अनामिका अंगूली में धारण करें। हीरा रत्न धारण करते समय शुक्र मंत्र ॐ शं शुक्राय नमः का १०८ बार मंत्र जाप करना चाहिए। मंत्र जाप करने के बाद शुक्र ग्रह की वस्तुएं जैसे- चावल, चांदी, घी, श्वेत वस्त्र आदि वस्तुओं का दान करें। हीरा 1 रत्ती से अधिक बजन का धारण करना चाहिए। यह छोटे टुकड़ों में भी पहना जा सकता है।

हीरा रत्न के साथ माणिक्य, मूंगा एवं पुखराज रत्न धारण करना सर्वदा वर्जित है। अंगूठी रूप रत्न धारण न कर पाने की स्थिति में इसे लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण कर सकते हैं। हीरा रत्न के स्थान पर इस रत्न के उपरत्न ओपल, जर्कन, स्फटिक एवं ६ मुखी रुद्राक्ष धारण किया जा सकता है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



मोती

आपकी कुंडली में चंद्र षष्ठ भाव में स्थित है। आपको चंद्र रत्न मोती धारण करना चाहिए। चंद्र रत्न आपको नौकरी में स्थिरता प्रदान करेगा। मोती रत्न से आपके अपने मामा-मौसी से संबंध मधुर होंगे। आपको आंखों और पेट से संबंधित परेशानियों से राहत मिलेगी। आप अपने शत्रुओं की पहचान सरलता से कर पायेंगे। चंद्र रत्न मोती ऋण विषयों का समाधान करेगा। मोती रत्न शुभ होकर आपको उन्नति और सफलता देगा। आपको कोई बड़ा पद प्राप्त हो सकता है। मोती रत्न चंद्र ग्रह को शुभता प्रदान करेगा।

आपकी कर्क लग्न की कुंडली में चंद्र लग्न भाव के स्वामी है। लग्नेश चंद्र का रत्न मोती धारण कर आप अपने जीवन को दीर्घकालिन बना सकते हैं। मोती रत्न आपके स्वास्थ्य को अनुकूल, तेज एवं स्फूर्ति दे सकता है। मोती रत्न की शुभता से आप को प्रयासों में सफलता, यश-सम्मान एवं भावुकता में कमी कर सकता है। रत्न शुभता से आप व्यवहारिक बनेंगे तथा आपका मनोबल उच्च रहेगा। मोती रत्न आपको यशस्वी बनाकर व्यवसाय में सफलता दे सकता है। इसके साथ ही रत्न की शुभता आपके दांपत्य जीवन को सुखी रख सकती है। आपके स्वभाव की अस्थिरता को नियंत्रित करने में भी मोती रत्न अहम भूमिका निभा सकता है।

मोती रत्न चांदी की अंगूठी में जड़वाकर, कनिष्ठिका अंगूली में, सोमवार को प्रातः काल में धारण करना शुभ है। प्रातः काल की सभी क्रियाओं को करने के बाद इस रत्न जड़ित अंगूठी को पंचामृत से स्नान कराकर शुद्ध कर लें। तत्पश्चात इसकी धूप, दीप, फूल से पूजा करने के बाद इसे धारण करना चाहिए। रत्न धारण करने के पश्चात चंद्र मंत्र ॐ सौं सौमाय नमः का एक माला जाप रुद्राक्ष माला पर करना चाहिए। तदुपरांत चंद्र वस्तुओं जैसे- चावल, चीनी, चांदी, श्वेत वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। मोती रत्न कम से कम ४ रत्ती से १० रत्ती का धारण करना शुभफलकारी होता है।

मोती रत्न के साथ नीलम या गोमेद रत्न धारण करने से बचना चाहिए। मोती रत्न अंगूठी रूप के अलावा लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण कर सकते हैं। विशेष आवश्यकता होने पर आप मोती रत्न के उपरत्न जैसे - सफेद मूल स्टोन, सफेद हकीक एवं २ मुखी रुद्राक्ष आदि भी धारण कर सकते हैं।

गोमेद

आपकी कुंडली में राहु तीसरे भाव में स्थित है। आप राहु रत्न गोमेद धारण करें। इस रत्न को धारण करने से आपके पराक्रम भाव को बढ़ायेंगे। शत्रु आपसे भयभीत रहेंगे। गोमेद रत्न सकारात्मक विचारधारा बनाये रखेगा। रत्न के प्रभाव से आप प्रभावशाली व्यक्तित्व के स्वामी होंगे। पराक्रम व बल की बढ़ोतरी होगी। प्रवास के कार्यों में सफलता मिलेगी। मनोकूल पद की प्राप्ति होगी एवं उत्तरोत्तर उन्नति होगी। आप धर्म-कर्म की गतिविधियों में रुचि लेंगे। गोमेद रत्न आपके लिए शुभदायक है।

राहु कन्या राशि में स्थित है व इसका स्वामी बुध सप्तम भाव में स्थित है। अतः

गोमेद रत्न धारण करने से आपके वात रोगों में कमी होगी। यह रत्न आपके दाम्पत्य जीवन को सुखमय बनाएगा। इस रत्न की शुभता से आपके अपने जीवनसाथी से स्नेह और सौहार्द के संबंध प्रगाढ़ होंगे। आपके स्वभाव में मधुरता आएगी। आप बंधुप्रिय, मधुर भाषी और स्वतंत्र व्यवसाय कार्य में सफल होंगे। इस रत्न से आपका अपने साझेदार और साथी पर विश्वास भाव मजबूत होगा। विदेश स्थानों से धन लाभ प्राप्त करना आपके लिए सहज होगा। एवं यह रत्न आपको विदेश में सम्मान दिलाएगा। आपको विदेश भ्रमण के अवसर प्राप्त होंगे।

गोमेद रत्न अष्टधातु से निर्मित अंगूठी को शनिवार के दिन सूर्यास्त काल में सभी प्रकार से स्वयं शुद्ध होकर रत्न जड़ित अंगूठी को दूध, जल, शक्कर, दही और शहद से स्नान कराएँ। इसके बाद रत्न का धूप, दीप और फूल से पूजन कर मध्यमा अंगूली में धारण करें। रत्न धारण के पश्चात राहु मंत्र ॐ रां राहवे नमः का १०८ बार जाप करें और फिर इस ग्रह की वस्तुएं जैसे- तिल, तेल, कंबल, नीले वस्त्र आदि का दान करें। गोमेद रत्न का वजन कम से कम ४ रत्ती और अधिकतम ८-१० रत्ती होना चाहिए।

गोमेद रत्न धारण करने के बाद इस रत्न के साथ माणिक्य, मोती एवं मूंगा रत्न धारण करने से बचना चाहिए। अंगूठी रूप में इस रत्न को धारण न कर पाने की स्थिति में इस रत्न को लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी पहना जा सकता है। विशेष परिस्थितियों में रत्न के स्थान पर इसके उपरत्न गोमेद या ८ मुखी रुद्राक्ष को भी धारण करना श्रेष्ठकर रहता है।

माणिक्य

आपकी कुंडली में सूर्य छठे भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः सूर्य रत्न माणिक्य धारण करने पर आपके रोग, ऋण और शत्रुओं की संख्या बढ़ सकती है। यह रत्न आपके तेज में कमी कर सकता है। नैनिहाल पक्ष से आपके संबंध खराब हो सकते हैं। माणिक्य रत्न प्रभाव से आपकी माता के कष्ट बढ़ सकते हैं। अत्यधिक कठोरता आपके स्वभाव का अंग बन सकती है। माणिक्य रत्न नौकरी के क्षेत्र में परेशानियां दे सकता है। उच्चाधिकारियों से आपके संबंध खराब कर सकता है। कार्यक्षेत्र में बदलाव के योग बन सकते हैं। इस रत्न को धारण करने के बाद आपके जीवन के उतार चढ़ाव बढ़ सकते हैं। नैनिहाल पक्ष के लोगों को कष्ट मिल सकता है।

आपकी कर्क लग्न की कुंडली में सूर्य द्वितीय भाव के स्वामी है। द्वितीय भाव के स्वामी सूर्य का माणिक्य रत्न धारण आपकी तेजस्विता में कमी का कारण बन सकता है। यह रत्न आर्थिक और कौटुम्बिक सम्पन्नता में भी कमी करेगा। रत्न प्रभाव से आपका दाम्पत्य जीवन असंतोषप्रद हो सकता है। समाज में प्रतिष्ठा प्रभावित हो सकती है। माणिक्य रत्न धारण करने पर आपको नेत्र रोग हो सकते हैं। आपको सगे संबंधियों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है। यह रत्न आपको व्यापार की अपेक्षा नौकरी की ओर आकर्षित कर सकता है। सरकारी क्षेत्रों में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। यह रत्न आपमें अतिस्वाभिमान और अहंकार भाव दे सकता है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



नीलम

आपकी कुंडली में शनि पंचम भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः शनि रत्न नीलम धारण करने पर आप अपने दायित्वों का निर्वाह पूर्ण रूप से नहीं कर पायेंगे। यह रत्न शिक्षा में व्यवधान उत्पन्न कर सकता है। मेहनत और कर्मठता की कमी आपमें आलस्य भाव ला सकती है। यह रत्न शैक्षिक क्षेत्र में आपकी एकाग्रता भंग कर सकता है। शैक्षिक प्रतियोगियों में सफल होना आपके लिए कष्टकारी हो सकता है। आप देवी-देवताओं और धर्म से विमुख हो सकते हैं। रत्न प्रभाव आपकी प्रसिद्धि को प्रभावित करेगा जिसके कारण आपकी प्रसिद्धि धीरे धीरे कम हो सकती है। धन-संपत्ति की हानि के योग भी बन सकते हैं।

आपकी कर्क लग्न की कुंडली में शनि सप्तमेश एवं अष्टमेश है। शनि का रत्न नीलम धारण करना आपके लिए सुख फलदायक नहीं रहेगा। नीलम रत्न आपके भाग्योदय में रुकावट ला सकता है। संतान, जीवन साथी व माता के कष्ट रत्न प्रभाव से बढ़ सकते हैं। यह रत्न आपको पेशाब से संबंधित रोग दे सकता है। शत्रु आपको शारीरिक कष्ट दे सकते हैं। रत्न प्रभाव से आपका मन चंचल रहेगा। मित्रों से मित्रताएं बनती बिगड़ती रहेंगी। यह रत्न आपकी आयु में कमी का कारण बन सकता है। जीवन साथी का स्वास्थ्य कमजोर होगा। गुप्त रोग भी रत्न प्रभाव से प्रभावी हो सकते हैं। यह रत्न आपकी शारीरिक अस्वस्थता को बढ़ाएगा। कलह और अपयश की स्थिति आपके लिए यह रत्न बना सकता है।

पन्ना

आपकी कुंडली में बुध सप्तम भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः बुध रत्न पन्ना पहनने पर आप व्यर्थ के वाद-विवाद या लड़ाई झगड़ों में पड़ सकते हैं। यह रत्न व्यावसायिक साझेदार पर आपका विश्वास कम कर सकता है। आपके व्यवहार में शिष्टता का अभाव आ सकता है। पन्ना रत्न प्रभाव से आप अत्यधिक व्यवहारिक हो सकते हैं। जिसके कारण आपमें संवेदना, दया और सहानुभूति जैसे गुणों की कमी हो सकती है। लेखन, क्रय-विक्रय और व्यापारिक कुशलता प्राप्ति के लिए रत्न की अनुकूलता नहीं बनी हुई है। बुध रत्न पन्ना से आपके जीवन साथी का स्वभाव अव्यवहारिक हो सकता है। यह रत्न आपको आर्थिक पक्ष से भी कमजोर कर रहा है।

आपकी कर्क लग्न की कुंडली में बुध तीसरे भाव एवं द्वादश भाव के स्वामी है। बुध रत्न पन्ना धारण करने पर आपको बंधु बांधवों का सुख कम प्राप्त हो सकता है। पराक्रम भाव के पक्ष से भी यह रत्न आपके लिए अनुकूल फलदायक नहीं रहेगा। भाई-बहनों से संबंधों की मधुरता में कमी हो सकती है। बौद्धिक बल से धनार्जन करने में पन्ना रत्न आपको सहयोग नहीं करेगा। व्यावसायिक यात्राओं में असफलता का सामना आपको करना पड़ सकता है। पन्ना रत्न आपके भाग्योदय में बाधक का कार्य कर सकता है। रत्न प्रभाव से आपके व्यय व्यर्थ हो सकते हैं। व्ययों को नियंत्रित रखने में आपको कष्ट हो सकते हैं। विद्या और बौद्धिक विषयों में आपके साथ परेशानियां बनी रहेंगी।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



दशानुसार रत्न विचार

शुक्र

(26/03/2020 - 26/03/2040)

शुक्र की दशा में आपका मूंगा, हीरा, लहसुनिया व पुखराज रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

गोमेद व मोती रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

नीलम रत्न नेष्ट हैं और माणिक्य व पन्ना रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

सूर्य

(26/03/2040 - 27/03/2046)

सूर्य की दशा में आपका मूंगा, पुखराज व मोती रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

लहसुनिया, हीरा व माणिक्य रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

गोमेद रत्न नेष्ट हैं और पन्ना व नीलम रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

चन्द्र

(27/03/2046 - 26/03/2056)

चन्द्र की दशा में आपका मूंगा, मोती व पुखराज रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

हीरा, लहसुनिया व माणिक्य रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

गोमेद रत्न नेष्ट हैं और पन्ना व नीलम रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

मंगल

(26/03/2056 - 27/03/2063)

मंगल की दशा में आपका मूंगा, पुखराज, लहसुनिया व मोती रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



हीरा व माणिक्य रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

गोमेद रत्न नेष्ट हैं और नीलम व पन्ना रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

राहु
(27/03/2063 - 27/03/2081)

राहु की दशा में आपका मूंगा, पुखराज व हीरा रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

गोमेद, लहसुनिया व मोती रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

नीलम रत्न नेष्ट हैं और माणिक्य व पन्ना रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

गुरु
(27/03/2081 - 27/03/2097)

गुरु की दशा में आपका मूंगा, पुखराज, लहसुनिया व मोती रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

हीरा, गोमेद व माणिक्य रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

नीलम व पन्ना रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

शनि
(27/03/2097 - 27/03/2116)

शनि की दशा में आपका मूंगा, पुखराज व हीरा रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

गोमेद, लहसुनिया व मोती रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

नीलम रत्न नेष्ट हैं और माणिक्य व पन्ना रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

बुध
(27/03/2116 - 28/03/2133)

बुध की दशा में आपका मूंगा, पुखराज, हीरा व लहसुनिया रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

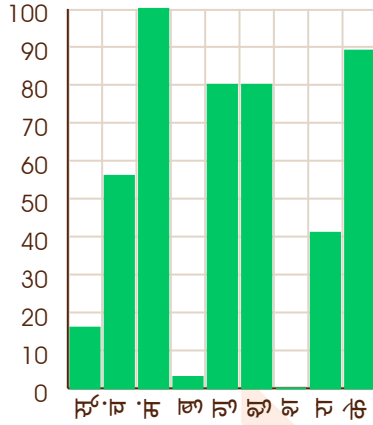
गोमेद, मोती व माणिक्य रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

पन्ना रत्न नेष्ट हैं और नीलम रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

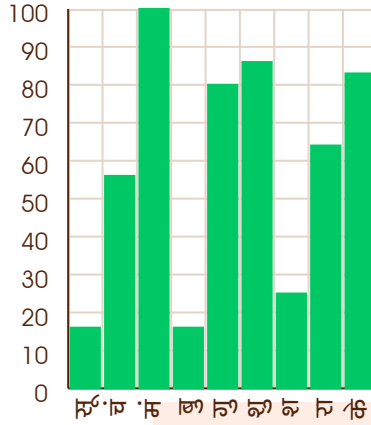


दशा ग्राफ

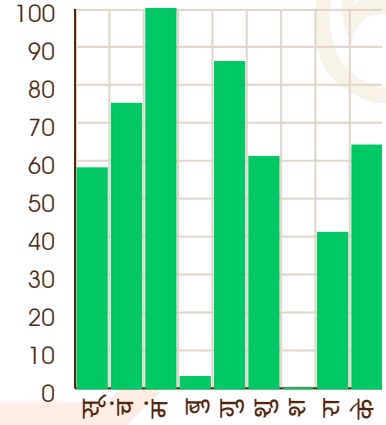
केतु - 26/03/2020



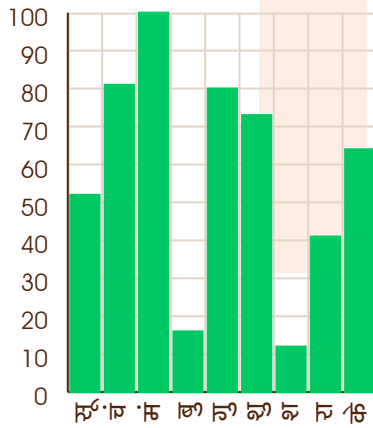
शुक्र - 26/03/2040



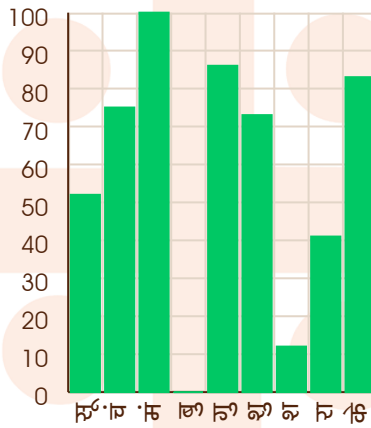
सूर्य - 27/03/2046



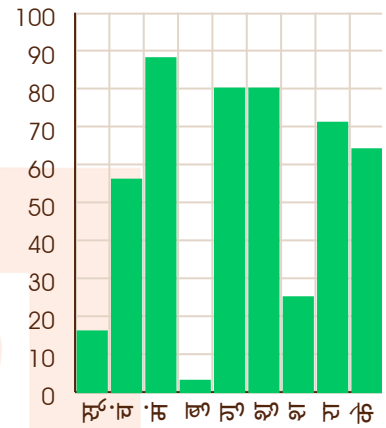
चन्द्र - 26/03/2056



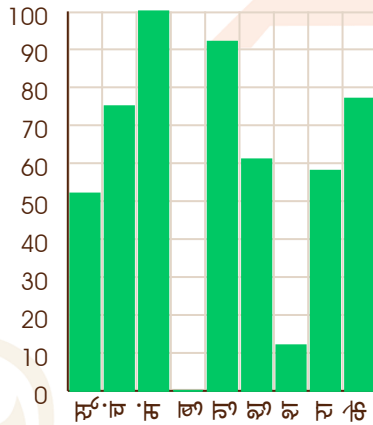
मंगल - 27/03/2063



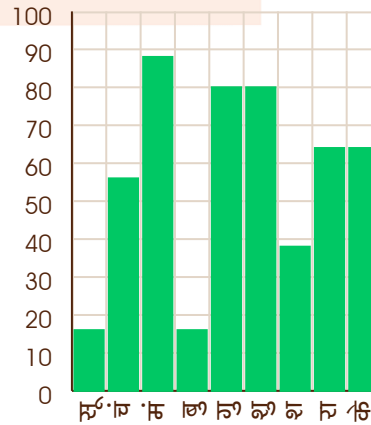
राहु - 27/03/2081



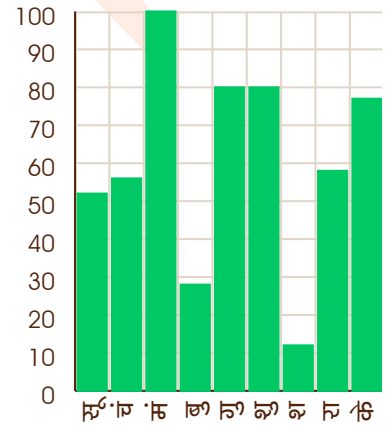
गुरु - 27/03/2097



शनि - 27/03/2116



बुध - 28/03/2133



FUTUREPOINT
Astro Solutions



शुभ रत्न

आपका शुभ रत्न - मोती

आपका जन्म कर्क राशि के लग्न में हुआ है। इसका स्वामी चंद्रमा होता है। चंद्रमा सबसे अधिक महत्वपूर्ण ग्रह है क्योंकि यह पृथ्वी के सबसे अधिक नजदीक है। किसी भी जातक के लिये लग्न सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि इससे जातक की आयुष्य, मान-सम्मान, प्रतिष्ठा, सुख, समृद्धि, स्वभाव, भौतिक संरचना तथा सुख का ज्ञान होता है। यदि किसी व्यक्ति का लग्न बलवान हो तो उस जातक को जीवन में सभी सुखों की प्राप्ति होते हुए अच्छी पद प्रतिष्ठा एवं मान सम्मान की प्राप्ति होती है।

अतः कर्क राशि के लग्न वाले जातकों को कर्क राशि के स्वामी ग्रह चंद्रमा को बलवान बनाना, पूजा, अनुष्ठान, मंत्र पूजा आदि करना श्रेष्ठ माना जाता है। चंद्र ग्रह के लिये मोती रत्न धारण किया जाता है। इस रत्न को यदि अंगूठी में धारण किया जाये तो जातक को उपर्युक्त सभी लाभ मिलेंगे अर्थात् जातक सुखी, प्रसन्नचित, स्वस्थ जीवन व्यतीत करते हुए आनंदपूर्ण जीवन व्यतीत करता है। वैसे भी चंद्र मंत्री पद व जनता का प्रतिनिधि ग्रह है जिससे जातक को राज सम्मान की प्राप्ति तथा अपने वरिष्ठ व उच्च पदाधिकारी का सहयोग व उनसे सम्मान प्राप्त होता है।

इस रत्न को धारण करने से जातक को माता का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है। चंद्रमा ग्रह मन एवं माता का प्रतिनिधि ग्रह है। जिसको मानसिक रोग या ठंड से संबंधित रोग हों तो उनको भी इस रत्न को धारण करने से लाभ प्राप्त होता है तथा डिप्रेशन की स्थिति में डिप्रेशन से मुक्ति दिलाता है।

मोती रत्न को अंगूठी बनाकर सीधे हाथ की कनिष्ठिका अंगुली में धारण किया जाता है। क्योंकि कनिष्ठिका अंगुली हस्तरेखा शास्त्र में बुध की अंगुली मानी जाती है तथा चंद्र ग्रह बुध को अपना मित्र ग्रह मानता है। मोती रत्न चंद्र का रत्न है, अतः इसके वार स्वामी अर्थात् सोमवार को ही धारण किया जाता है। इसको धारण करने का उपयुक्त समय प्रातःकाल चंद्र की होरा में श्रेष्ठ होता है। सोमवार के दिन सूर्योदय काल से एक घंटे तक का समय चंद्र की होरा का होता है। मोती को यदि सोमवार के साथ-साथ चंद्र के नक्षत्र अर्थात् रोहिणी, हस्त और श्रवण में धारण किया जाये तो वह और भी उत्तम होता है।

मोती को धारण करने से पूर्व इसको गंगाजल एवं पंचामृत से शुद्ध करके, लकड़ी के एक पट्टे पर सफेद रंग के कपड़े पर रखकर इसके सम्मुख, धूप, दीप, अगरबत्ती जलाकर, चंद्र के 108 मंत्रों का जाप करके इसे ऊर्जावान बनाकर माथे से लगाकर सीधे हाथ की कनिष्ठिका अंगुली में धारण करना चाहिए।

चंद्र का मंत्र - ॐ सों सोमाय नमः

इसको धारण करने के पश्चात यदि चंद्र से संबंधित पदार्थ जैसे चावल, चीनी, दही, सवा मीटर सफेद कपड़े का दान करें तो मोती रत्न की अंगूठी धारण करना और भी अधिक

फलदायी होता है। इसके अतिरिक्त अंगूठी धारण करने के पश्चात भी प्रतिदिन चंद्र का 108 बार स्नानादि के पश्चात मंत्र पाठ करें या शिवलिंग पर जल चढ़ायें और शिव आराधना करें तो यह मोती रत्न की अंगूठी आपको लगातार शुभ फल देती रहेगी। प्रत्येक सोमवार को शिव चालीसा का पाठ भी इसमें अधिक शुभकारी साबित होता है।

कर्क लग्न वाले जातक यदि मोती रत्न की अंगूठी विधि विधान के साथ धारण करते हैं एवं मंत्र जाप द्वारा सिद्ध करते रहते हैं तो वे आजीवन स्वस्थ जीवन का आनंद उठाते हुए पूर्ण मान-सम्मान तथा प्रतिष्ठा युक्त जीवन प्राप्त करते हैं।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



रुद्राक्ष

रुद्राक्ष को शिव का अश्रु कहा जाता है। रुद्राक्ष दो शब्दों के मेल से बना है पहला रुद्र का अर्थ होता है भगवान शिव और दूसरा अक्ष इसका अर्थ होता है आंसू। माना जाता है की रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के आंसुओं से हुई है। रुद्राक्ष भगवान शिव के नेत्रों से प्रकट हुई वह मोती स्वरूप बूँदें हैं जिसे ग्रहण करके समस्त प्रकृति में आलौकिक शक्ति प्रवाहित हुई तथा मानव के हृदय में पहुँचकर उसे जागृत करने में सहायक हो सकी।

रुद्राक्ष की भारतीय ज्योतिष में भी काफी उपयोगिता है। ग्रहों के दुष्प्रभाव को नष्ट करने में रुद्राक्ष का विशेष रूप से प्रयोग किया जाता है, जो अपने आप में एक अचूक उपाय है। गम्भीर रोगों में यदि जन्मपत्री के अनुसार रुद्राक्ष का उपयोग किया जाये तो आश्चर्यचकित परिणाम देखने को मिलते हैं। रुद्राक्ष की शक्ति व सामर्थ्य उसके धारीदार मुखों पर निर्भर होती है। रुद्राक्ष सिद्धिदायक, पापनाशक, पुण्यवर्धक, रोगनाशक, तथा मोक्ष प्रदान करने वाला है।

एक मुखी से लेकर चौदह मुखी तक रुद्राक्ष विशेष रूप से पाए जाते हैं, उनकी अलौकिक शक्ति और क्षमता अलग-अलग मुख रूप में दर्शित होती है। रुद्राक्ष धारण करने से जहां आपको ग्रहों से लाभ प्राप्त होगा वहीं आप शारीरिक रूप से भी स्वस्थ रहेंगे। रुद्राक्ष का स्पर्श, दर्शन, उस पर जप करने से, उस की माला को धारण करने से समस्त पापों का और विघ्नों का नाश होता है ऐसा महादेव का वरदान है, परन्तु धारण की उचित विधि और भावना शुद्ध होनी चाहिए।

रुद्राक्ष दाने पर उभरी हुई धारियों के आधार पर रुद्राक्ष के मुख निर्धारित किये जाते हैं। रुद्राक्ष के बीचों-बीच एक सिरे से दूसरे सिरे तक एक रेखा होती है जिसे मुख कहा जाता है। रुद्राक्ष में यह रेखाएं या मुख एक से 14 मुखी तक होते हैं और कभी-कभी 15 से 21 मुखी तक के रुद्राक्ष भी देखे गए हैं। आधी या टूटी हुई लाईन को मुख नहीं माना जाता है। जितनी लाईनें पूरी तरह स्पष्ट हों उतने ही मुख माने जाते हैं।

पुराणों में प्रत्येक रुद्राक्ष का अलग-अलग महत्व और उपयोगिता का उल्लेख किया गया है -

एक मुखी - सूर्य ग्रह - स्वास्थ्य, सफलता, मान-सम्मान, आत्म - विश्वास, आध्यात्म, प्रसन्नता, अनायास धनप्राप्ति, रोगमुक्ति तथा व्यक्तित्व में निखार और शत्रुओं पर विजय प्राप्त कराता है।

दो मुखी - चंद्र ग्रह- वैवाहिक सुख, मानसिक शान्ति, सौभाग्य वृद्धि, एकाग्रता, आध्यात्मिक उन्नति, पारिवारिक सौहार्द, व्यापार में सफलता और स्त्रियों के लिए इसे सबसे उपयुक्त माना गया है।

तीन मुखी - मंगल ग्रह- शत्रु शमन और रक्त सम्बन्धी विकार को दूर करने में सहायक होता है।

चार मुखी - बुध ग्रह- शिक्षा, ज्ञान, बुद्धि - विवेक, और कामशक्ति में वृद्धि प्राप्त कराता है।

पांच मुखी - गुरु ग्रह- शारीरिक आरोग्यता, अध्यात्म उन्नति, मानसिक शांति और प्रसन्नता के लिए भी इसका उपयोग किया होता है।

छः मुखी - शुक्र ग्रह - प्रेम सम्बन्ध, आकर्षण, स्मरण शक्ति में वृद्धि, तीव्र बुद्धि, कार्यों में पूर्णता और व्यापार में आश्चर्यजनक सफलता प्राप्त कराता है।

सात मुखी - शनि ग्रह- शनि दोष निवारण, धन-संपत्ति, कीर्ति, विजय प्राप्ति, और कार्य व्यापार आदि में बढ़ोतरी कराने वाला है।

आठ मुखी - राहू ग्रह- राहु ग्रह से सम्बंधित दोषों की शान्ति, ज्ञानप्राप्ति, चित्त में एकाग्रता, मुकदमे में विजय, दुर्घटनाओं तथा प्रबल शत्रुओं से रक्षा, व्यापार में सफलता और उन्नतिकारक है।

नौ मुखी - केतू ग्रह- केतु ग्रह से सम्बंधित दोषों की शान्ति, सुख-शांति, व्यापार वृद्धि, धारक की अकालमृत्यु नहीं होती तथा आकस्मिक दुर्घटना का भी भय नहीं रहता।

10 मुखी - भगवान महावीर- कार्य क्षेत्र में प्रगति, स्थिरता व वृद्धि, सम्मान, कीर्ति, विभूति, धन प्राप्ति, लौकिक-पारलौकिक कामनाएँ पूर्ण होती हैं।

11 मुखी - इंद्र ग्रह- आर्थिक लाभ व समृद्धिशाली जीवन, किसी विषय का अभाव नहीं रहता तथा सभी संकट और कष्ट दूर हो जाते हैं।

12 मुखी - भगवान विष्णु ग्रह- विदेश यात्रा, नेतृत्व शक्ति प्राप्ति, शक्तिशाली, तेजस्वी बनाता है। ब्रह्मचर्य रक्षा, चेहरे का तेज और ओज बना रहता है। शारीरिक एवं मानसिक पीड़ा मिट जाती है।

13 मुखी - इंद्र ग्रह- सर्वजन आकर्षण व मनोकामना प्राप्ति, यश-कीर्ति, मान-प्रतिष्ठा व कामदेव का प्रतीक है। उपरी बाधा और नजर दोष से बचाव के लिए विशेष उपयोगी है।

14 मुखी - शनि ग्रह- आध्यात्मिक उन्नति, शक्ति, धन प्राप्ति व कष्टनिवारक हैं। शनि की साढ़ेसाती या ढैया में विशेष कष्टनिवारक है।

आपकी कुंडली और रुद्राक्ष

आपकी कुंडली कर्क लग्न की हैं। कर्क लग्न आपको संवेदनशील बना रहा है। चर लग्न आपको लगातार कार्य करने का स्वभाव दे रहा हैं। आपको जलीय स्थानों के नजदीकरहना अधिक प्रिय हो सकता हैं। लगातार कार्य करना आपका स्वभाव , बिना थके निरन्तर कार्य करना आपके स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालता है। आप भावुक, धैर्यवान है, और कठिन से कठिन समय में भी घबराते नहीं हैं। कुछ विषयों पर आप जिद्धी भी हो जाते हैं। अपने स्वभाव के नकारात्मक पक्ष को छोड़ने का प्रयास आपको करना चाहिए। साथ ही आपको अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करना चाहिए। कार्य के घण्टों में से थोड़ा समय आराम के लिए भी निकालें। आप अत्यधिक भावनात्मक हैं इसलिए आपके निर्णय कई बार गलत भी हो जाते हैं।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



फिर भी आप जब किसी काम को करने की ठान लेते हैं, तो उसे करके ही बैठते हैं।

कुंडली के 6, 8 व 12 भाव त्रिक भाव कहलाते हैं। तथा इन भावों के स्वामियों को त्रिक भावेश के नाम से जाना जाता है। त्रिक भाव, भावेश व इन भावों में बैठे ग्रह स्वयं में किसीन किसी प्रकार की अशुभता लिये होते हैं। यही कारण है की ये सभी आपके जीवन में कष्ट और बाधाओं का कारण बन सकते हैं। जिसमें छठा भाव रोग, ऋण और शत्रुओं से कष्ट देता है, इसका स्वामी जिस भाव में जाता है, उसके शुभ फलों में कुछ न कुछ कमी अवश्य करता है। जिसके फलस्वरूप आपको षष्ठ भाव के स्वामी या इस भाव में स्थित ग्रहों की महादशा-अन्तर्दशाओं में भाव सम्बंधित रोग, ऋण या शत्रुओं के द्वारा शारीरिक या मानसिक कष्टों का सामना करना पड़ता है।

6, 8 व 12 भावों में अष्टम भाव विशेष अशुभता लिए होते हैं। इस भाव का स्वामी अष्टमेश, जिस भाव में बैठता है, उस भाव के फलों का नाश करता है। अष्टम भाव अशुभता, बाधा और पाप का भाव है। और इस भाव या इस भाव के स्वामी से किसी भी भावेश का सम्बन्ध होना, भावेश की शुभता में कमी कर अशुभता को बढ़ाता है। तीसरा और अंतिम त्रिक भाव, द्वादश भाव है जिसे व्यय भाव भी कहा जाता है। द्वादश भाव से हानि, टैक्स, निद्रा, शैय्या भोग, कारागार, विदेश यात्रा और मोक्ष का विचार किया जाता है। इस भाव का स्वामी और इस भाव में स्थित ग्रह भी इस भाव के विषयों में अशुभता लाते हैं। इन भावों के स्वामियों और इन भावों में स्थित ग्रहों में अशुभता का अंश पाया जाता है। जिसके फलस्वरूप ये आपके जीवन को समय समय पर बाधित करते रहते हैं।

आपके लग्न में षष्ठ भाव व नवम भाव के स्वामी गुरु हैं। षष्ठेश गुरु आपका मामा-मौसी से बैर करा सकता है। संतान सुख में कमी कर सकता है तथा संतान रोगों के प्रभाव में शीघ्र आ सकती हैं, बुद्धि और विवेक का समय पर उपयोग नहीं मिलता। इसके अतिरिक्त ऋण आदि विषयों में शत्रु बाधक हो सकते हैं।

सप्तम व अष्टम भाव के शनि की यह स्थिति जीवन साथी से प्राप्त होने वाले सुखों में कमी, सरकारी क्षेत्रों व आजीविका क्षेत्रों से अल्प लाभ, धन संचय कठिन, कुटुंबका न्यून सुख, विद्या बुद्धि से अल्प लाभ व संतान सुख में बाधक बनता है।

द्वादश व तृतीय भाव के स्वामी बुध हैं। बुध आपके लग्न के लिए अशुभ ग्रहों की श्रेणी में आते हैं। बुध की यह स्थिति आपको अधिक व्ययों से परेशान, पारिवारिक सुख में न्यूनता, धन संचय दुष्कर, शत्रु संघर्ष से हानि के योग बना सकता है।

आपकी कुंडली के छठे भाव में सूर्य स्थित हैं। इस भाव में सूर्य शत्रुनाशक, क्रोधी, घमंडी, कामातुर, मामा -मौसी को कष्ट, निरुत्साही, छाती के रोग, ऋणी सम्बन्धी कष्ट दे सकते हैं। हृदय सम्बन्धी रोग भी स्वास्थ्य में कमी का कारण बन सकते हैं।

आपकी कुंडली में चन्द्र षष्ठ भाव में स्थित हैं। इसके परिणाम से शत्रुओं से कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। आप रोग पीड़ित, चिंताग्रस्त, व्याधिक्य करने की प्रवृत्ति से ग्रस्त हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त चन्द्र की अशुभता से आपके ऋण लेन-देन में बाधाएं आ

सकती हैं।

इन सभी के फलों में शुभता प्राप्त करने के लिए आपको 1, 2, 4, 5, 7 मुखी रुद्राक्षों का कवच धारण करना चाहिए। यह कवच सफेद धागे में डालकर सोमवार को गंगाजल से शुद्ध कर ॐ नम शिवाय मंत्र के 108 बार जप कर धारण करना चाहिए। तदुपरांत शिवजी को कच्चा दूध चढ़ाए। क्षमतानुसार दान करे। इस प्रकार आपके जीवन में आने वाले कष्टों से छुटकारा मिलेगा एवं विशेष कष्टों में न्यूनता आएगी। कुंडली के सभी ग्रहों को शुभता प्रदान करने के लिए आप शिव कृपा रुद्राक्ष माला जो एक से चौदह मुखी रुद्राक्ष से निर्मित होती है, भी धारण कर सकते हैं। एक से चौदह मुखी रुद्राक्ष माला अद्भुत व चमत्कारी फल प्रदान करती हैं।

उपरोक्त कवच बिना दशा, गोचर विचार के आपको जीवन भर धारण करना चाहिए। क्योंकि यह कवच जन्म लग्न एवं उसमें स्थित ग्रहों के अवगुणों को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक हैं।



साढ़ेसाती विचार

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है। शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है। लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है। साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है। प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है। प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता-पिता पर पड़ता है। द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पड़ता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है।

प्रथम चक्र:

साढ़ेसाती प्रथम ढैया	08/01/2016-26/01/2017 21/06/2017-26/10/2017	-----
साढ़ेसाती द्वितीय ढैया	26/01/2017-21/06/2017 26/10/2017-24/01/2020	-----
साढ़ेसाती तृतीय ढैया	24/01/2020-29/04/2022 12/07/2022-17/01/2023	-----
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	29/03/2025-03/06/2027 20/10/2027-23/02/2028	-----
अष्टम स्थानस्थ ढैया	13/07/2034-27/08/2036	-----

द्वितीय चक्र:

साढ़ेसाती प्रथम ढैया	11/12/2043-23/06/2044 30/08/2044-08/12/2046	-----
साढ़ेसाती द्वितीय ढैया	08/12/2046-06/03/2049 10/07/2049-04/12/2049	-----
साढ़ेसाती तृतीय ढैया	06/03/2049-10/07/2049 04/12/2049-25/02/2052	-----
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	14/05/2054-02/09/2054 05/02/2055-07/04/2057	-----
अष्टम स्थानस्थ ढैया	24/08/2063-06/02/2064 09/05/2064-13/10/2065 03/02/2066-03/07/2066	-----

तृतीय चक्र:

साढ़ेसाती प्रथम ढैया	05/02/2073-31/03/2073 23/10/2073-16/01/2076 11/07/2076-11/10/2076	-----
साढ़ेसाती द्वितीय ढैया	16/01/2076-11/07/2076 11/10/2076-15/01/2079	-----
साढ़ेसाती तृतीय ढैया	15/01/2079-12/04/2081 03/08/2081-07/01/2082	-----
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	20/03/2084-21/05/2086 21/05/2086-08/02/2087	-----
अष्टम स्थानस्थ ढैया	02/07/2093-18/08/2095	-----

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार

साढ़ेसाती प्रथम ढैया
साढ़ेसाती द्वितीय ढैया
साढ़ेसाती तृतीय ढैया
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया
अष्टम स्थानस्थ ढैया

फल

सम
शुभ
शुभ
शुभ
अशुभ

क्षेत्र

सन्तति कष्ट
शत्रु व रोग
दम्पति
भाग्योदय
बुरा स्वास्थ्य



FUTUREPOINT
Astro Solutions



साढ़ेसाती के उपाय

शनि की साढ़ेसाती के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिये दान, पूजन, व्रत, मंत्र आदि उपाय किये जा सकते हैं। इसके लिये शनिवार को काला कंबल, उड़द की दाल, काले तिल, चर्म-पादुका, काला कपड़ा, मोटा अनाज, तिल तथा लोहे का दान करना चाहिये। शनिदेव की पूजा एवं शनिवार का व्रत रखना चाहिये। उपवास के दिन उड़द की दाल से बनी वस्तु, चने, बेसन, काले तिल, काला नमक तथा फलों का ही सेवन करना चाहिये। साथ ही स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा शनि के निम्न मंत्र के 19000 जप संपन्न करवाने चाहिये।

ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः ।।

शनि की साढ़ेसाती में शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक शांति एवं समृद्धि, आर्थिक सुदृढ़ता तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिये निम्नलिखित महामृत्युंजय मंत्र के 125000 जप स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा करवाने चाहिये।

**ॐ त्र्यंबकम यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम् ।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात् ।।**

वैकल्पिक रूप से निम्नलिखित मंत्र के प्रतिदिन 108 जप किये जा सकते हैं।

ॐ हौं जूं सः ॐ भूर्भुवः स्वः ॐ ।।

शनि की साढ़ेसाती के शुभत्व को बढ़ाने के लिये शनिवार के दिन आप 5 1/4 रत्ती का नीलम रत्न पंचधातु में (सोना, चांदी, तांबा, लोखंड, जस्ता) या घोड़े की नाल या नाव की कील से निर्मित लोहे की अंगूठी धारण करें। लोहे की अंगूठी आप दाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण करें।

अंगूठी शुक्ल पक्ष की शनिवार की सायं सूर्यास्त के समय धारण करें। पुष्य, अनुराधा या उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र अति शुभ हैं। उस दिन शनिवार का उपवास भी करना चाहिए। अंगूठी धारण करने से पूर्व इसे शुद्ध दूध एवं गंगाजल में स्नान कराना चाहिए तथा धूप आदि जलाकर शनि का पूजन करना चाहिए एवं निम्न मंत्र की एक माला या 108 बार जप करना चाहिए। नीलम मध्यमा उंगली में या गले में पेन्डेंट बनाकर धारण करें।

ॐ शं शनैश्चराय नमः ।

अंगूठी धारण करने के पश्चात शनि की वस्तुओं का दान देना चाहिए। इससे शनि के अशुभ प्रभाव में कमी आयेगी तथा आपकी सुख शांति एवं समृद्धि में वृद्धि होगी।

श्री हनुमान चालीसा एवं श्री हनुमान अष्टक का पाठ करना श्रेष्ठ है।

मांगलिक विचार

जब वर या कन्या की कुंडली में मंगल लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भाव में हो तो मांगलिक दोष कहलाता है। यथोक्तम्

**लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
स्त्री भर्तुर्विनाशं च भर्ता च स्त्री विनाशनम्।।**

मांगलिक दोष लग्न से अधिक प्रबल माना जाता है लेकिन चन्द्रमा से इसका दोष लग्न की अपेक्षा अल्प होता है। यदि शास्त्रानुसार वर एवं कन्या का मांगलिक दोष भंग हो जाता है तो उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होता है। इसके विपरीत बिना दोष भंग हुए मांगलिक वर-कन्याओं को जीवन में कई प्रकार की अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ता है। अतः विवाह से पूर्व शुद्ध कुण्डली मिलान से इस दोष का उचित निवारण करके ही दाम्पत्य जीवन प्रारम्भ करना चाहिए जिससे जीवन में शान्ति तथा सम्पन्नता बनी रहे।

आपकी जन्म कुंडली में मंगल की स्थिति चतुर्थ भाव में है। अतः आप एक मांगलिक पुरुष है। इसके प्रभाव से जीवन में आपको भौतिक सुख संसाधनों तथा अन्य जायदाद आदि की प्राप्ति परिश्रम से होगी। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे परन्तु स्वभाव में यदा कदा उग्रता का भाव उत्पन्न हो सकता है लेकिन दाम्पत्य जीवन पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा। आपके विवाह में थोड़ा विलम्ब हो सकता है तथा वैवाहिक वार्ताओं में भी व्यवधान आ सकते हैं लेकिन अंततोगत्वा इसमें सफलता अवश्य प्राप्त होगी। आपकी पत्नी का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा आपसी संबंधों में कुछेक क्षणों को छोड़कर मधुरता बनी रहेगी।

चतुर्थ भाव में मंगल की स्थिति के फलस्वरूप आपको सांसारिक सुख संसाधन परिश्रम पूर्वक प्राप्त होंगे साथ ही सप्तम भाव पर दृष्टि के प्रभाव से पत्नी के स्वभाव में तेजस्विता का भाव रहेगा स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा रहेगा आप दाम्पत्य जीवन का सुख पूर्वक उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। दशम भाव पर मंगल की दृष्टि के फलस्वरूप आप परिश्रम एवं पराक्रम से ही उच्च पद तथा सामाजिक मान सम्मान प्राप्त करेंगे। एकादश भाव पर दृष्टि के प्रभाव से आपके आय साधनों में सामान्यतया वृद्धि होगी। यदा कदा न्यूनता का भाव भी रहेगा लेकिन इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं रहेगा तथा आपका सामान्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

मंगल के शुभ फलों में अधिक अनुकूलता के लिए आपको किसी मांगलिक कन्या से विवाह करना चाहिए। जिससे आपका मांगलिक दोष भंग हो जाए। इसके लिए कन्या की कुंडली में मांगलिक भावों अर्थात् प्रथम, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम एवं द्वादश भाव में शनि तथा राहु जैसे पापग्रहों की स्थिति होनी चाहिए। इसके भंग होने से आप सर्वत्र सफलता के मार्ग पर

अग्रसर होंगे तथा सांसारिक सुख संसाधन ऐश्वर्य तथा वैभव की इच्छित प्राप्ति होगी तथा दाम्पत्य संबंधों में भी मधुरता का भाव विद्यमान रहेगा।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

कालसर्प योग

अग्रे राहुरधः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः ।
योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय ॥

आगे राहु हो एवं नीचे केतु मध्य में सभी (सातों) ग्रह विद्यमान हो तो कालसर्प योग बनता है। अतः इस योग से ग्रसित जातकों के लिए आवश्यक है कि वे इस काल सर्प योग का निदान करा लें। जिससे कि कुंडली के शुभ योगों के फल पूर्ण्यता मिलते रहें।

द्वादश भावों में राहु की स्थिति के अनुसार काल सर्प योग मुख्यतः द्वादश प्रकार के होते हैं। वे हैं-

1. अनंत, 2. कुलिक, 3. वासुकि, 4 शङ्खपाल, 5. पद्म, 6. महापद्म, 7. तक्षक, 8. कर्कोटक, 9. शङ्खचूड, 10. घातक, 11. विषधर, 12. शेषनाग।

यह योग उदित अनुदित भेद से दो प्रकार के होते हैं राहु के मुख में सभी सातों ग्रह ग्रसित हो जाएं तो उदित गोलार्द्ध नामक योग बनता है एवं राहु की पृष्ठ में यदि सभी ग्रह हों तो अनुदितन गोलार्द्ध नामक योग बनता है।

यदि लग्न कुंडली में सभी सातों ग्रह राहु से केतु के मध्य में हो लेकिन अंशानुसार कुछ ग्रह राहु केतु की धुरी से बाहर हों तो आंशिक काल सर्प योग कहलाता है। यदि कोई एक ग्रह राहु-केतु की धुरी से बाहर हो तो भी आंशिक काल सर्प योग बनता है।

यदि राहु से केतु तक सभी भावों में कोई न कोई ग्रह स्थित हो तो यह योग पूर्ण रूप से फलित होता है। यदि राहु-केतु के साथ सूर्य या चंद्र हो तो यह योग अधिक प्रभावशाली होता है। यदि राहु, सूर्य व चंद्र तीनों एक साथ हो तो ग्रहणकाल सर्प योग बनता है। इसका फल हजार गुना अधिक हो जाता है। ऐसे जातक को काल सर्प योग की शांति करवाना अति आवश्यक होता है।

काल सर्प योग का प्रभाव

इस योग में उत्पन्न जातक को मानसिक अशांति, धनप्राप्ति में बाधा, संतान अवरोध एवं गृहस्थी में प्रतिपल कलह के रूप में प्रकट होता है। प्रायः जातक को बुरे स्वप्न आते हैं। कुछ न कुछ अशुभ होने की आशंका मन में बनी रहती है। जातक को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है, कार्य अक्सर देर से सफल होते हैं। अचानक नुकसान एवं प्रतिष्ठा की क्षति इस योग के लक्षण हैं।

जातक के शरीर में वात पित्त त्रिदोषजन्य असाध्य रोग अकारण उत्पन्न होते हैं। ऐसे रोग जो प्रतिदिन क्लेश (पीडा) देते हैं तथा औषधि लेने पर भी ठीक नहीं होते हों, काल सर्प योग के कारण होते हैं।

काल सर्प योग के औपचारिक उपाय के द्वारा इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है। जन्मपत्रिका के अनुसार जब-जब राहु एवं केतु की महादशा, अंतर्दशा आदि

आती है तब तब यह योग असर दिखाता है। गोचर में राहु व केतु का जन्मकालिक राहु-केतु व चंद्र पर भ्रमण भी इस योग को सक्रिय कर देता है। उस समय विशेष ध्यान देकर पूजा अर्चनादि श्रद्धा विश्वास के साथ करें, अवश्य लाभ होगा। कालसर्प योग यंत्र के सम्मुख 43 दिन तक सरसों के तेल का दीया जलाने से भी इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है।

जातक पर काल सर्प योग का प्रभाव

आपकी जन्मकुण्डली में वासुकि नामक कालसर्प योग केवल अनुदित रूप में विद्यमान है। अनुदित योग पूर्णरूप से कालसर्प योग की परिभाषा में नहीं आता, लेकिन फिर भी इसका कुछ फल अवश्य मिलता है। फलस्वरूप यज्ञ याजन, दान, भजन, कीर्तन आदि धर्म कार्यों में जातक को अरुचि रहती है। भाग्योदय होने में आंशिक रूप से रुकावटें आती हैं। नौकरी एवं व्यवसाय के क्षेत्र में थोड़ा व्यवधान उपस्थित होता है। लेकिन जातक को राजकीय सेवा का अवसर भी मिलता है और जातक विदेश गमन करता है, जिसमें थोड़ा बहुत क्लेश उठाना पड़ता है। यश, पद, प्रतिष्ठा व पराक्रम के लिए आंशिक रूप से संघर्ष करना पड़ता है।

इस योग के कारण शारीरिक स्थूलता तथा आलस्य थोड़े दिनों के लिए जातक को घेर लेती है। कभी रोग व्याधि भी पकड़ लेती है जिसमें थोड़ा ज्यादा धन खर्च हो जाने के कारण आर्थिक संकट आ जाता है परन्तु कालान्तर में वे सब हट जाते हैं और आर्थिक स्थिति सामान्य हो जाती है। वैवाहिक जीवन सामान्य होते हुए भी कभी-कभी दुःखमय हो जाता है। जातक को पारिवारिक सदस्यों से किसी समय मनमुटाव हो जाता है। भाई-बहनों से कभी आंशिक क्लेश उठाना पड़ता है। जातक को अपने रिश्तेदार समय पर काम नहीं आते हैं और मित्रगण भी आंशिक रूप में क्लेश पहुँचाते हैं। जातक कानूनी-दस्तावेजों में भावुकतावश हस्ताक्षर कर थोड़ा बहुत नुकसान पाता है और राज्यपक्ष से कभी प्रतिकूलता व निलम्बित होने का भय बना रहता है। घर में सुख शान्ति का थोड़ा बहुत अभाव रहता है। परन्तु जातक के जीवन में एक अच्छा समय भी आता है।

यदि आप कभी उपरोक्त परेशानी महसूस करते हैं तो निम्नलिखित उपाय करें, अवश्य लाभ मिलेगा।

1. काल सर्प दोष निवारण यंत्र घर में स्थापित करके, इसका नियमित पूजन करें।
2. बहते पानी में नारियल के फल को तीन बार शुभ मुहूर्त में प्रवाहित करें।
3. बहते पानी में कोयला को शुभ मुहूर्त में तीन बार प्रवाहित करें।
4. हरिजन को मसूर की दाल तथा द्रव्य शुभ मुहूर्त में तीन बार दान करें।
5. हनुमान चलीसा का 108 बार पाठ करें।
6. शयन कक्ष में लाल रंग के पर्दे, चादर तथा तकियों का उपयोग करें।
7. कुल देवता की पूजा करें।
8. धूम्रवस्त्र, तिल, कम्बल एवं सप्तधान्य शुभ मुहूर्त में रात्रि को दान करें।
9. केतु की उपासना उसकी महादशा में अवश्य करें।
10. देवदारु, सरसों तथा लोहवान को उबाल कर एक बार स्नान करें।
11. सवा महीने जौ के दाने पक्षियों को खिलाएँ।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



12. नीला रुमाल, नीला घड़ी का पट्टा, नीला पैन, लोहे की अंगूठी धारण करें।

विशेष

ध्यान रखें कालसर्पयोग का पूजन केवल श्रीखण्ड चन्दन से करें। कुंकुम, सिन्दूर, रोली आदि का प्रयोग न करें। तिरुपति बालाजी के पास कालाहस्ती शिव मंदिर में जाकर कालसर्प योग की शांति का उपाय विधि-विधान से एक बार करें अथवा 12 ज्योतिर्लिंग में से किसी भी ज्योतिर्लिंग में जाकर पूजा करें जैसे - कि सौराष्ट्र गुजरात में सोमनाथ मंदिर, महाराष्ट्र के नासिक में त्रयंबकेश्वर मंदिर, उज्जैन, भीमाशंकर, नागेश्वर, रामेश्वर, वगैरे।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

पितृदोष विचार

पितृदोष क्या है ?

हमारे पूर्वज या परिवार के सदस्य मृत्योपरांत पितृ संज्ञा प्राप्त करते हैं। पितृ हमारे और भगवान के बीच की कड़ी होते हैं। यदि ये प्रसन्न होते हैं तो जातक सुखी जीवन भोगता है, लेकिन यदि किसी कारणवश ये अप्रसन्न हो जाते हैं तो जातक को अनेक प्रकार की व्याधियाँ व कष्ट झेलने पड़ते हैं।

कालांतर में पितृ या तो मोक्ष को प्राप्त करते हैं, या पृथ्वी लोक पर पुनः जन्म ले लेते हैं। यदि परिवार के सभी पितरों का पुनर्जन्म या मोक्ष हो गया हो तो कुछ समय के लिए उस परिवार के कोई पितृ नहीं होते। ऐसे में जातक सुख दुख अपनी कुंडली अनुसार प्राप्त करता है। अतः परिवार के सदस्यों को चाहिए कि जब तक वे पितृ लोक में हैं तब तक तर्पणादि से उनकी सेवा करें। यदि पितृ प्रसन्न रहते हैं तो आशीर्वाद स्वरूप जातक चहुमुखी प्रगति प्राप्त करता है।

पितृ अप्रसन्न, दुःखी एवं अतृप्त होते हैं यदि किसी पूर्वज की अंतिम इच्छा पूर्ण न हुई हो, या किसी के द्वारा श्रापित हों या असामयिक मृत्यु हो गई हो। पितृ योनि में रहते हुए भी उन्हें भोजन की आवश्यकता होती है। यदि परिवार के सदस्य तर्पणादि द्वारा भोजन नहीं देते हैं तो वे भूख से व्याकुल हो जाते हैं। पितृ विभिन्न प्रकार के कष्टों की अनुभूति करते हैं जब तक कि जातक पितरों की शांति हेतु पूजन-पाठ, पिंडदान, तर्पण आदि न करे।

पितृ दोष अपने कर्मों के कारण न हो करके, अपने माता-पिता या पूर्वजों के कर्मों के कारण होते हैं, क्योंकि यह दोष तो जातक के जन्म से जन्मपत्री में विद्यमान होता है जबकि कर्म तो जन्म के बाद ही बनते हैं। अतः पितृदोष ऐसा दोष है जिसका कोई कारण समझ में नहीं आता, केवल लक्षण दर्शित होते हैं। जन्मपत्री में भी शुभ दशा व गोचर के योग होते हुए भी हमें हमारे कर्मों का फल प्राप्त नहीं होता, या घर में सदैव कलह, अशांति, धन की कमी व बीमारी लगी रहती है। संतान नहीं होती या संतान विक्षिप्त होती है, बच्चों के विवाह में अड़चन आती है या उनके विकास में अवरोध आते हैं। अतः जब भी किसी प्रकार की समस्या बार-बार आती है एवं कोई कारण नजर न आता हो तो हमें पितृ दोष की शांति करवानी चाहिए जब तक कि वातावरण और परिस्थितियाँ अनुकूल न हो जाएं।

पितृदोष लक्षण

1. परिवार में आकस्मिक मृत्यु या दुर्घटना होना।
2. आनुवांशिक बीमारी होना और लंबी अवधि तक बीमारी का चलना।
3. परिवार में शारीरिक रूप से विकलांग या अनचाहे बच्चे का जन्म होना।
4. परिवार में बच्चों द्वारा असम्मान या प्रताड़ना का व्यवहार करना।
5. गर्भ धारण न होना या गर्भपात होना।
6. परिवार के किसी सदस्य का विवाह न होना।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



7. परिवार में किसी बात को लेकर झगड़ा-फसाद होना।
8. कभी खत्म न होने वाली गरीबी परिवार में हो जाना।
9. बुरी आदतों की लत लग जाना।
10. परिवार में बार-बार केवल कन्या संतान का जन्म होना।
11. शिक्षा में बाधाएं आना।
12. स्वप्न में सांप दिखाई देना।
13. माथे पर गंदी करतूतों का कलंक लगना।
14. परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद होने के पश्चात पीले होने लगना या काली खांसी होना।
15. परिवार के किसी सदस्य को स्वप्न में पूर्वज द्वारा खाना या कपड़े मांगते हुए दिखना।

पितृ की पहचान :

1. श्रीमद् भगवद् गीता के ग्यारहवें अध्याय का पाठ करें तो आपको कुछ दिनों में ही स्वप्न में पितृ दर्शन होंगे।
2. रात को सोने से पहले हाथ पैर धोकर अपने मन में अपने पितृ से प्रार्थना करें कि जो भी मेरे पितृ हैं वे मुझे दर्शन दें।
3. यदि आपका कोई कार्य अटक रहा है तो अपने पितृ को याद कीजिए और उन्हें कहें कि यदि आप हैं तो मेरा अमुक कार्य हो जाए। मैं आपके लिए शांति पाठ कराऊंगा। आपकी ऐसी प्रार्थना से कार्य सिद्धि हो जाने पर यह प्रमाणित हो जाएगा कि आपको पितृ शांति करवानी चाहिए।

पितृ दोष उपाय :

1. श्राद्ध पक्ष में मृत्यु तिथि के दिन तर्पण व पिंडदान करें। ब्राह्मण को भोजन कराएं व वस्त्र/दक्षिणा आदि दें।
2. यदि मृत्युतिथि न मालूम हो तो श्राद्ध पक्ष की अमावस्या के दिन तर्पण व पिंडदानादि कर्म करें।
3. प्रत्येक अमावस्या विशेषतः सोमवती अमावस्या को पितृभोग दें। इस दिन गोबर के कंडे जलाकर उसपर खीर की आहुति दें। जल के छींटे देकर हाथ जोड़ें व पितृ को नमस्कार करें।
4. सूर्योदय के समय सूर्य को जल दें व गायत्री मंत्र का जप करें।
5. पीपल के पेड़ पर जल, पुष्प, दूध, गंगाजल व काले तिल चढ़ाकर पितृ को याद करें, माफी और आशीष मांगें।
6. रविवार के दिन गाय को गुड़ या गेहूं खिलाएं।
7. लाल किताब के अनुसार परिवार में जहां तक खून का रिश्ता है जैसे दादा, दादी, माता, पिता, चाचा, ताया, बहन, बेटी, बुआ, भाई सबसे बराबर-बराबर धन, 1, 5 या दस रुपए लेकर मंदिर में दान करने से पितृ ऋण से मुक्ति मिलती है।
8. हरिवंश पुराण का श्रवण और गायत्री जप पितृ शांति के लिए लोकप्रसिद्ध है।
9. गया या त्र्यंबकेश्वर में त्रिपिंडी श्राद्ध या नन्दी श्राद्ध करें।
10. नारायणबलि पूजा करवाएं।

11. पितृ गायत्री का अनुष्ठान करवाएं -

ॐ देवताभ्य पितृभ्यश्च महायोगिभ्येव च ।

नमः स्वाहायै स्वधायैः नित्यमेव नमो नमः ।।

12. पितृ दोष निवारण उपायों में गया में पिंडदान, गया श्राद्ध तथा पितृ भोग अर्पण आदि क्रियाएं करते हुए उपरोक्त पितृ गायत्री मंत्र का उच्चारण करना चाहिए ।

13. श्री कृष्ण मुखामृत गीता का पाठ करें ।

पितृ पूजा के लिए आवश्यक निर्देश :

1. पितरों को मांस वाला भोजन न अर्पित करें ।
2. पूजा के दिन स्वयं भी मांस भक्षण न करें ।
3. पितृ पूजा में स्टील, लोहा, प्लास्टिक, शीशे के बर्तन का प्रयोग न करें । मिट्टी या पत्तों के बर्तनों का ही प्रयोग करें ।
4. पितृ पूजा में घंटी न बजाएं ।
5. पितृ पूजा करने वाले व्यक्ति की पूजा में व्यवधान न डालें ।
6. बुजुर्गों का सम्मान करें ।
7. पितरों के निमित्त किये जाने वाले गौ-दान से पितृ तृप्त होते हैं ।
8. घर में पीने का पानी रखा जाता है उस स्थान पर विशेष पवित्रता रखें । यह स्थान पितृों का स्थान माना जाता है ।
9. पितृ कर्म हेतु साल में 12 मृत्यु तिथि, 12 अमावस्या, 12 पूर्णिमा, 12 संक्रांति, 12 वैधृति योग, 24 एकादशी व श्राद्ध के 15 दिन मिलाकर कुल 99 दिन होते हैं ।

आपकी कुण्डली में पितृदोष

- नवम् भाव के स्वामी पर शनि का प्रभाव है ।

आपकी कुण्डली में गुरु के कारण पितृदोष है ।

आपकी कुण्डली में वृहस्पति पितृदोष कारक ग्रह है अतः दादाजी द्वारा किये गये पापकर्म आपके पितृदोष का कारण है । इस दोष के निवारणार्थ आप विद्वानजनों, वृद्ध ब्राह्मण और पति को दान दें । विद्यालय में पुस्तकों का दान करें ।

आपकी कुण्डली में पितृदोष का योग है परंतु यदि आपको अपने जीवन में उपरोक्त वर्णित पितृदोष लक्षण में से किसी प्रकार का कष्ट या परेशानी की अनुभूति नहीं हो रही है तो आपको पितृदोष संबंधी उपाय करने की आवश्यकता नहीं है । संभव है कि किसी शुभकार्य के कारण आपके पितृ प्रसन्न हो गए हों व आपको उनकी कृपा प्राप्त हो रही हो या वे मोक्ष को प्राप्त हो गए हों ।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



नोट :

त्रिपिण्डी श्राद्ध एवं नारायण नाग बली पितृदोष के लिए मुख्य उपाय हैं। यह स्रयंबकेश्वर में विशेष रूप से कराये जाते हैं। त्रिपिण्डी श्राद्ध में आटे को पानी में मांढ़ कर पुतले के रूप में पूर्वजों के प्रतीकात्मक पिंड बना लिये जाते हैं, उन पर मंत्रों का पाठ किया जाता है। अंत में अस्थि विसर्जन के समान उनको जल में प्रवाह कर दिया जाता है।

नारायण नागबलि, पूर्वजों के मोक्ष व उनकी इच्छा पूर्ति के लिए कराया जाता है। इसमें दो दिन श्मशान क्रिया होती है व तीसरे दिन मांगलिक पूजा की जाती है। यदि पितृदोष के कारण संतान बाधा या विवाह बाधा आदि होती है तो इस उपाय के पश्चात जातक बाधामुक्त हो जाता है और काम स्वतः बनने लगते हैं।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक आठ होने से आपका मूलांक आठ बनता है। मूलांक आठ का स्वामी शनिग्रह है। शनि के प्रभाव से आप अपने जीवन में धीरे-धीरे उन्नति प्राप्त करेंगे। व्यवधानों, कठिनाईयों से जूझते हुए सफलता प्राप्त करना आपकी प्रकृति में रहेगा। असफलताओं से आप घबड़ायेंगे नहीं। कभी कभी निराशा के भाव अवश्य आ जाया करेंगे। आलस्य आपका सबसे बड़ा शत्रु रहेगा और यही आलस्य आपकी असफलता का कारण रहेगा। अतः किसी भी कार्य को कल पर न टालें। जीवन में शनि ग्रह के प्रभाववश आप काफी महत्वपूर्ण कार्य करेंगे, जिससे आपको नाम, यश, कीर्ति, प्राप्त होगी। आपकी कार्यशैली को हर कोई समझ नहीं पायेगा, इससे आपके विरोधी भी उत्पन्न होंगे।

आपके अन्दर दिखावे की प्रवृत्ति कम रहेगी। इस कारण आपको कुछ लोग रूखा, शुष्क और कठोर हृदय समझेंगे। जबकि अन्दर से आप काफी भावुक एवं दयालु हृदय के होंगे। आप अधिकांश समय में अपने काम से ही मतलब रखेंगे एवं आपकी कोशिश रहेगी कि काम में ही लगे रहें। लेकिन आपके इस व्यवहार के कारण आपके आलोचक भी अधिक रहेंगे।

आपके अन्दर त्याग की भावना अधिक रहेगी एवं श्रम में कभी पीछे नहीं हटेंगे। किसी भी कार्य में कितना भी श्रम, त्याग या बलिदान लगे आप पीछे नहीं हटेंगे। इसी कारण रुकावटों को पार करते हुये आप अपनी मंजिल अवश्य प्राप्त करेंगे। शनि प्रभावी व्यक्ति संघर्ष शील एवं परिश्रमी होते हैं एवं विध्वंस को पार करते हुये उन्नति करने के कारण इनको सफलता देर से लेकिन स्थायी प्राप्त होती है।

भाग्यांक नौ का स्वामी मंगल ग्रह को माना गया है। यह ग्रह मण्डल का सेनापति है। रक्त वर्ण का क्षत्रियोचित गुणों का है। इसके प्रभाव से आप स्वतंत्ररूप से रोजगार- व्यापार के क्षेत्र में तरक्की करेंगे। साहस भरे कार्यों से आपका भाग्योदय होगा। आप ऐसे क्षेत्र में अपना रोजगार प्राप्त करेंगे, जहाँ आपकी हुकूमत चलती रहे। मुखिया, नायक, अगुआ के रूप में कार्य करना आपको हमेशा अच्छा लगेगा।

रोजगार के क्षेत्र में आप अपनी स्वतंत्र विचारधारा के द्वारा महत्वपूर्ण उन्नति को प्राप्त करेंगे। यांत्रिक कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। एकाधिकार पूर्ण कार्य क्षेत्र आपकी प्रथम पसन्द रहेंगे और आपकी कोशिश रहेगी कि आपने जो कार्यक्षेत्र अपने जीवन यापन हेतु चुना है उसमें किसी का भी हस्तक्षेप न हो। विरोध, बिना वजह का हस्तक्षेप आप बर्दास्त नहीं कर पायेंगे। यांत्रिकी कार्य, चिकित्सा, सेना, संगठन, सामाजिक क्रिया कलापों में आप गहरी रुचि प्रदर्शित करेंगे।

आपका मूलांक 8 है तथा भाग्यांक 9 है। मूलांक 8 का स्वामी शनि है तथा भाग्यांक 9 का स्वामी मंगल है। मूलांक 8 एवं भाग्यांक 9 के बीच सम संबंध है। इसके प्रभाववश आपको मूलांक तथा भाग्यांक के मिलेजुले फल प्राप्त होंगे। रोजगार-व्यापार के क्षेत्र में आप एक हुकूमत पसंद व्यक्ति के रूप में अपनी पहचान बनाएंगे। आपकी विचारधारा स्वतंत्रता लिये रहेगी तथा आप अपने कार्यक्षेत्र में स्वतंत्र रूप से कार्य करना अधिक से अधिक



FUTUREPOINT
Astro Solutions



पसंद करेंगे। धन कमाने की ओर आपका रुझान युवा अवस्था से ही रहेगा, भले ही बचपन में आपके आर्थिक हालात अनुकूल न रहें। लेकिन प्रौढ़ावस्था से आपकी आर्थिक स्थिति काफी सुदृढ़ होती चली जाएगी और ज्यों-ज्यों अवस्था बढ़ती जाएगी त्यों-त्यों आपके पास धन-संपत्ति, सुख-सुविधाओं की वस्तुएं एकत्रित होती चली जाएंगी। आपको अपने जीवन में थोड़ी-बहुत असफलताओं का भी सामना करना पड़ेगा, जिन्हें आप अपने साहस एवं मेहनत के द्वारा दूर करने में सफल रहेंगे। आप ज्ञान-विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्र के द्वारा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में सफल होंगे। आपकी सामाजिक स्थिति मध्योत्तम श्रेणी की रहेगी तथा समाज के द्वारा सम्मानित व्यक्ति के रूप में आपकी ख्याति स्थापित होगी।

आपका भाग्योदय 27 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ होगा तथा 36 वर्ष की अवस्था से आपको विशेष उन्नति प्राप्त होगी एवं 45 वर्ष की अवस्था पर आपका पूर्ण भाग्योदय होगा।

आपके मूलांक 8 की 1 एवं 4 से मित्रता है तथा आपके भाग्यांक 9 की 3 एवं 6 से मित्रता है। अतः आपके जीवन में 1, 3, 4, 6, 8, 9 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। इनसे आपके जीवन में प्रमुख घटनाएं घटित होंगी।

आपके मूलांक का आपके भाग्यांक से सम संबंध होने से मूलांक-भाग्यांक के प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में आपके अनुरूप जाएंगे। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन, या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगे, तो पाएंगे कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए जनवरी, मार्च, अप्रैल, जून, अगस्त, सितंबर के माह विशेष घटनाक्रम वाले रहेंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन, तारीख, मास, तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक के अंक से मेल स्थापित करें तथा एक ही स्थान पर सभी शुभ रहें।

मूलांक 8 एवं भाग्यांक 9 के प्रभाववश ईस्वी सन्, जिनका योग 1, 3, 4, 6, 8, 9 होता है, आपके लिए विशेष घटनाक्रम वाले रहेंगे।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 1, 3, 4, 6, 8, 9 होता है, आपके लिए शुभदायक रहेंगे।

1 . 10, 19, 28, 37, 46, 55, 64, 73

3 . 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66, 75

- 4 . 13, 22, 31, 40, 49, 58, 67
6 . 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69
8 . 17, 26, 35, 44, 53, 62, 71
9 . 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ विशेष घटनाएं घटित होगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार बन जाएंगी।



अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

सूर्य दिनांक 23 दिसंबर से 19 फरवरी तक, पाश्चात्य मत से सूर्य मकर एवं कुंभ राशि में रहता है तथा 14 जनवरी से 13 मार्च तक, भारतीय मत से, सूर्य मकर एवं कुंभ राशि में होता है जो शनि की अपनी राशियां है तथा 17 अक्टूबर से 13 नवंबर तक सूर्य तुला राशि में रहता है, जो शनि की उच्च राशि है। अतः उपर्युक्त समय मूलांक आठ के लिए कोई भी नया कार्य या महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए अधिक उपयुक्त रहेंगे।

अनुकूल दिवस

किसी भी माह में पड़ने वाले शनिवार, रविवार एवं सोमवार आपके लिए अनुकूल दिवस हैं। आप अपना कोई भी महत्वपूर्ण कार्य या रोजगार-व्यापार संबंधी कार्य, विशिष्ट अधिकारी से संबंध आदि अपनी शुभ तारीखों में पड़ने वाले उपर्युक्त दिवसों में ही प्रारंभ करेंगे तो आपके लिए विशेष फलदायक रहेगा।

शुभ तारीखें

आपके लिए कोई भी नया कार्य, महत्वपूर्ण कार्य, रोजगार-व्यापार सम्बंधी कार्य, पत्र या दस्तावेज लिखने हेतु किसी भी अंग्रेजी माह की 1, 4, 8, 10, 13, 17, 19, 22, 26, 28 एवं 31 तारीखें अधिक अनुकूल रहेंगी। अतः आप कोशिश करें कि कोई भी महत्वपूर्ण कार्य उपर्युक्त तारीखों में ही संपन्न हो।

अशुभ तारीखें

किसी भी अंग्रेजी माह के दिनांक 3, 6, 12, 15, 21, 24 एवं 30, आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे। इन तारीखों में आप कोई भी नया कार्य, व्यापार, पत्र लेखन एवं उच्च तथा विशिष्ट अधिकारी से मिलने का कार्य न करें।

मित्रता या साझेदारी

जिन व्यक्तियों का जन्म 1, 4, 8, 10, 13, 17, 19, 22, 26, 28 एवं 31 तारीखों को अथवा 14 जनवरी से 13 मार्च तथा 17 अक्टूबर से 13 नवंबर के बीच हुआ हो, ऐसे व्यक्ति आपके लिए विशेष फलदायी रहेंगे। इनके सहयोग से आपको अच्छी उपलब्धियां प्राप्त होंगी।

प्रेम संबंध एवं विवाह

आप अपने रोजगार, व्यवसाय या प्रेम, विवाह संबंध इत्यादि में ऐसी स्त्री का चुनाव करें, जिसका मूलांक 1, 4, 8 हो तथा उसका जन्म किसी भी माह की 1, 4, 8, 10, 13, 17, 19, 22, 26, 28 एवं 31 तारीख को हुआ हो। ऐसी महिलाएं आपके रोजगार, व्यवसाय तथा अन्य महत्वपूर्ण कार्यों के लिए भी श्रेष्ठ फलदायक सिद्ध होंगी।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अनुकूल रंग

आपके लिए गहरा भूरा, काला, गहरा नीला, ककरेजी रंग शुभ होंगे। अपने घर के दरवाजे, पर्दे, चादर आदि का चुनाव भी इन्हीं रंगों के अनुरूप करें। यदि आपका स्वास्थ्य ठीक न हो तब आप इन्हीं रंगों के कपड़े पहनें एवं रुमाल हर समय अपने पास रखें, जिससे आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य करते समय भी इन्हीं रंगों के वस्त्रों को धारण करना आपके लिए विशेष फलदायक रहेगा।

वास्तु एवं निवास

आप अपने लिए कॉम्प्लेक्स, फ्लैट या मकान का चुनाव पश्चिम दिशा में करें। आपका मूलांक 8 होने से आपके लिए पश्चिम दिशा उपयुक्त रहेगी तथा भवन क्रमांक का योग 8 हो तो अच्छा रहेगा। अतः आप इस दिशा में फ्लैट या मकान खरीद सकते हैं। आप चाहें तो शहर में पश्चिम दिशा, या भवन के पश्चिम क्षेत्र में निवास करें ऐसा करना आपके लिए लाभकारी रहेगा तथा अपने आवश्यक कार्य भी इसी दिशा की ओर बैठ कर संपन्न करेंगे तो लाभ होगा।

शुभ वाहन नं

आपके मूलांक 8 के 1 और 4 मित्र हैं। अतः आप जब भी कोई नया वाहन इत्यादि खरीदते हैं तो उसके पंजीकरण का योग इन्हीं अंकों में से एक होना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। उदाहरणार्थ वाहन पंजीकरण क्रमांक 5237 = 8। आप यदि वाहन में यात्रा करते हैं तब भी आपके लिए शुभ अंक 1,4,8 ही रहेंगे और यदि आप होटल में कमरा आदि बुक करवाते हैं तब उसके लिए आपका कमरा नंबर 107 = 8 का चयन करना ही उचित रहेगा।

स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आएगी तब आपको वायु रोग, वात रोग, शारीरिक क्षीणता, अंध रोग, हृदय की कमजोरी, रक्त की कमी, मलबद्धता, कब्जियत, गठिया, रक्तचाप, सिर की पीड़ा, कुष्ठ रोग, मूत्र के रोग, गंजापन तथा कान-नाक में पीड़ा होगी। रोग होने, अशुभ समय आने, कष्ट तथा विपत्ति के समय आपको शनि की पूजा एवं आराधना करनी चाहिए।

व्यवसाय

कसरत, खेल-कूद, कूद-फांद, पुलिस और सैन्य विभाग, ठेकेदारी, टीन-चद्दर आदि का कार्य, कुलीगिरी, लघु उद्योग, वकालत, ज्योतिष कार्य, वैज्ञानिक कार्य, मुर्गी पालन, बागबानी, कोयला और लकड़ी का व्यवसाय, घड़ीसाज, न्याय वेत्ता, नेतृत्व, नीति निर्धारक, धर्म-कर्म, यज्ञादि कर्ता, अध्यापन, संगीतज्ञ आदि कार्य।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



व्रतोपवास

शनिवार को शनि अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। शनिवार को काले, नीले वस्त्र धारण कर इक्कावन या उन्नीस शनिवारों को व्रत करें। शरीर में तेल मालिश, तेल दान तथा पीपल के वृक्ष की पूजा करें। शनि मंत्र का यथाशक्ति रुद्राक्ष माला पर जप करें।

अनुकूल रत्न या उपरत्न

आपके लिए नीलम सबसे अधिक लाभकारी रहेगा। इसके न मिलने पर आप बैकॉक नीलम, लाजवर्त, काला नीली इत्यादि धारण कर सकते हैं। इसे आप शनि के दिन, शुक्ल पक्ष में, चौघड़िया मुहूर्त में, त्रिधातु या चांदी की अंगूठी में सवा तीन से सवा पांच रत्ती का नीलम बनवा कर दाहिने हाथ की मध्यमा उंगली की त्वचा को स्पर्श करता हुआ धारण करें। यह आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा।

अनुकूल देवता

आप शनि ग्रह की उपासना करें अथवा आपको बटुक भैरव की उपासना करना विशेष लाभप्रद रहेगा। आप नित्य रुद्राक्ष की माला पर बटुक भैरव के मंत्र का एक सौ आठ बार जप किया करें। इससे आपकी सभी समस्याएं, रोग इत्यादि दूर होंगे। बटुक भैरव का मंत्र इस प्रकार है- 'ह्रीं बटुकाय आपदुद्धारणाय कुरु-कुरु बटुकाय ह्रीं'। यह इक्कीस अक्षर का मंत्र सर्वसिद्धिदाता है। कृष्ण पक्ष की अष्टमी के दिन बटुक भैरव की उपासना करना विशेष लाभप्रद रहेगा।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपके लिए शनि के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु शनि के गायत्री मंत्र का, प्रातः स्नान के बाद, ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

शनि गायत्री मंत्र - ॐ भगभवाय विद्महे मृत्युरुपाय धीमहि तन्नो शनिः प्रचोदयात् ॥

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप शनि का ध्यान करें, मन में शनि की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें :

नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम् ।

छायामार्तडसंभूतं तं नमामि शनैश्चरम् ॥

ग्रह जप मंत्र

अशुभ शनि को अनुकूल बनाने हेतु शनि के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान दो सौ तीस माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः दबर्चिन्प्रप नमः ॥ जप संख्या 23000 ॥

वनस्पति धारण

आप शनिवार के दिन एक इंच लंबी विच्छु की जड़ ला कर, काले धागे में लपेट कर, दाहिने हाथ में बांधे या शीशे या लोहे के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे शनि के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

वनस्पति स्नान

आप प्रत्येक शनिवार को एक बाल्टी या बर्तन में सुरमा, काले तिल, सौंफ, नागरमोथा और लोध आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ शनि के प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आपको कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोध को मिला कर चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर, भगवान का स्मरण करते हुए स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

शनि की शांति के लिए योग्य व्यक्ति को शनि के पदार्थ-तिल, उड़द, भैंस, लोहा, तेल, काला वस्त्र, नीलम, कुलथी, काली गौ, काले पुष्प, जूता, कस्तूरी, सुवर्ण आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

शनि को अनुकूल बनाए रखने हेतु शनि यंत्र को भोज पत्र पर अष्टगंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चन्दन) स्याही से लिख कर, सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या पीले धागे में, शनिवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



लग्न फल

आपका जन्म पुष्य नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ। उस क्षण मेदिनीय क्षतिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ तुला राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस लग्नादि प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आपका जीवन स्तर अति समृद्ध, धनयुक्त एवं सम्मानजनक होगा।

आप ईश्वर के प्रति समर्पित अर्थात् पूर्ण श्रद्धावान एवं आस्तिक विचार के होंगे। आप धर्म, अध्यात्म एवं दर्शनशास्त्र की शिक्षा ग्रहण करेंगे। आप अपने सम्पर्क के बहु संख्यक व्यक्तियों के मध्य प्रसिद्ध होंगे। क्योंकि आपकी अभिरुचि स्थायीरूप से धार्मिक है। आप धार्मिक स्थानों का परिभ्रमण एवं परिदर्शन करेंगे तथा अपना धन लोकहित में दान करेंगे।

वास्तव में आप धन संचय करना चाहते हैं। परन्तु आप मात्र विश्वसनीयता पूर्वक ही ऐसा करेंगे। आप 6 वर्ष की आयु से वृद्धि कर आय (प्राप्त) ग्रहण कर सकते हैं।

आपके रूप का प्रमुख लक्षण आपकी सुन्दर आँखों द्वारा प्रकट होता है। आपके प्राधिकृत व्यक्ति जिन के साथ आप व्यवहार कर सकते हैं, वे आपकी आँखों से प्रभावित होकर आपको तथा आपके कार्यकलाप को पसन्द करते हैं।

यह सत्यापित है कि आपकी सम्मोहक आँखें आपको प्यार सम्बंध की ओर प्रवृत्त कर सकता है। जिस झुकाव के कारण आपके परिवार की नैया अन्य धारा की ओर (झुक) प्रवाहित हो (मुड़ जा) सकती है। जिस वजह से आपके परिवारिक प्राणी यथा आपकी पत्नी एवं बच्चों के समक्ष परम संकट उपस्थित हो सकता है।

आपकी उतेजक मनोदशा, आपकी पत्नी के साथ अपराध उजागर कर सकता है। परिणाम स्वरूप निरन्तर आप लोगों का मतान्तर बढ़ता जाएगा-अस्तु उत्तम तो यह है कि आप इस प्रकार की प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप जलीय व्यवसाय को बहुत पसन्द करते हैं तथा जल संबंधी व्यापार का ही चयन करना उत्तम भी होगा। आपको अच्छी प्रकार जलीय व्यवसायों ही ग्रहण कर उत्तम पेशा से उन्नति प्राप्त करना ठीक होगा। जैसे सिचाई विभाग, कृषि कार्य, जहाजरानी से सम्बंधित कार्य, तटबंध एवं नहर आदि सिचाई विभाग के कार्य अनुकूल है।

आप प्रभावशाली अस्तित्व प्राप्ति हेतु राजनीति एवं सामान्य प्रशासनिक सेवा कार्य हेतु सतत प्रयासरत रह सकते हैं।

प्रायः आप ऐसे परिवर्तनशील विचार के प्राणी हैं कि आप अन्वेषण कर, अपनी दैनिक चर्चा परिवर्तित कर जीवन की चर्चा को सुधार सकते हैं।

आप उपयुक्त समय पर किसी भी प्रकार की यात्रा का सुअवसर अवश्य प्राप्त करेंगे क्योंकि आप विस्तृत परिमाण में अपने मित्रों की संख्या रखना चाहते हैं तथा उन्हें अपना शुभचिन्तक बनना चाहेंगे। ताकि वे पूर्ण समर्पित भाव से आपका सहयोग कर सकें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



आप में उच्च श्रेणी की व्यग्रता विद्यमान रहती है जो आपके चिड़-चिड़ेपन का द्योतक है। आपको अपने इस गम्भीर उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति के प्रति सतर्क रह कर शीघ्रतापूर्वक त्याग कर देना चाहते हैं। परन्तु आप शीघ्रतापूर्वक पुनः शान्ति एवं सामंजस्य नहीं करेंगे।

कर्क राशि विद्यमान के अनुसार हृदय एवं उदर सम्बंधी अपाचनिक क्रिया-कलाप के प्रति पूर्णरूपेण सतर्कता बरतें। आधुनिक भोजन सम्बंधी अति भोजन की प्रवृत्ति को त्याग दें तथा अति मद्यपान की प्रवृत्ति का त्याग करना भी आपके लिए सहायक होगा। आप सदैव ही दमा रोग, गलगण्ड रोग के संक्रमण, वायु विकार, अल्सर एवं कैंसर रोग के प्रति सतर्क रहें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नहीं होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

वास्तव में अंकों में अंक 4 एवं 6 अंक आपके लिए प्रभावशाली एवं अनुकूल हैं। परन्तु यह स्पष्ट है कि अंक 3 एवं 5 अंक आपके लिए त्याज्य है। आपके लिए अनुकूल रंग, सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है। आपको ब्लू एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करना चाहिए। आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है। आपको ब्लू एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करना चाहिए।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



ग्रह फल

सूर्य

षष्ठभाव में सूर्य हो तो जातक वीर्यवान्, मातुल कष्टकारक, तेजस्वी, शत्रुनाशक, बलवान्, श्रीमान्, निरोगी एवं न्यायवान् होता है।

धनु राशि में रवि हो तो जातक विवेकी, योगमार्गगत, बुद्धिमान्, धनी, आस्तिक, व्यवहार कुशल, दयालु, शान्त, लोकप्रिय एवं शीघ्र क्रोधित होने वाला होता है।

आपके जन्म समय में सूर्य छठे भाव में स्थित है अतः पिता के आप प्रिय रहेंगे। उनका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा आयु भी अच्छी होगी। धनैश्वर्य से वे सर्वदा युक्त रहेंगे एवं जीवन में समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। इसके साथ ही वे आपको शत्रुओं तथा अन्य सांसारिक कष्टों से नित्य सुरक्षित रखने के लिए भी तत्पर रहेंगे।

आप भी उनका हमेशा हार्दिक सम्मान करेंगे एवं नित्य उनकी आज्ञा पालन करने में भी तत्पर रहेंगे। आपके आपसी संबंध मधुर होंगे परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद भी उत्पन्न होंगे जिससे कुछ समय के लिए संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा परन्तु उसके बाद सब कुछ सामान्य एवं पूर्ववत् हो जाएगा। इसके साथ ही आप जीवन में उन्हें हमेशा वांछित आर्थिक तथा अन्य प्रकार की सहायता करते रहेंगे तथा अपनी ओर से उन्हें किसी भी प्रकार की कष्टानुभूति नहीं होने देंगे।

चन्द्र

षष्ठभाव में चन्द्रमा हो तो जातक अल्पायु, आसक्त, कफरोगी, खर्चीले स्वभाववाला, नेत्ररोगी एवं भृत्यप्रिय होता है।

धनु राशि में चन्द्रमा हो तो जातक वक्त, सुन्दर, शिल्पज्ञ, शत्रुविनाशक उच्च बौद्धिक स्तर वाला, सुखी विवाहित जीवन, विरासत में धन सम्पत्ति पाने वाला, साहित्य के प्रति रुचि का दिखावा करने वाला एवं लेखक होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा की स्थिति षष्ठ भाव में स्थित है। अतः माता के आप प्रिय रहेंगे। उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। परन्तु समय समय पर उन्हें शारीरिक परेशानी होती रहेगी। धन सम्पत्ति का उनके पास अभाव नहीं रहेगा एवं जीवन में आपको पूर्ण सहायता प्रदान करेंगी। साथ ही आपके कार्यों के व्यवधान आदि को भी दूर करने के लिए प्रयत्नशील रहेंगी एवं आपकी सफलता की हमेशा इच्छुक रहेंगी।

आप भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धावान रहेंगे एवं आजीवन उनकी सेवा के लिए तत्पर रहेंगे। साथ ही समय समय पर उनको अपनी ओर से वांछित सहयोग तथा सहायता भी प्रदान करेंगे। आपके संबंध मधुर रहेंगे लेकिन यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद होंगे जिससे कभी कभी अप्रिय स्थिति उत्पन्न होगी परन्तु कुछ समय उपरान्त सब कुछ ठीक हो जाएगा।

मंगल

चतुर्थभाव में मंगल हो तो जातक सन्ततिवान्, मातृसुखहीन, वाहनसुख, प्रवासी, अग्निभययुक्त, अल्पमृत्यु चा अपमृत्यु प्राप्त करने वाला, कृषक, बन्धुविरोधी एवं लाभ युक्त होता है।

तुला राशि में मंगल हो तो जातक प्रवासी, वक्ता, कामी, परधनहारी, उच्चाकांक्षी, लड़ाकू, कृपालु एवं परस्त्रियों की ओर झुकाव होता है।

आपके जन्म समय में मंगल तृतीय भाव में स्थित है अतः भाई बहिनों का आपको मध्यम सुख प्राप्त होगा। उनका स्वास्थ्य अच्छा होगा परन्तु यदा कदा शरीर से वे अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे। धन सम्पत्ति का उनके पास अभाव नहीं रहेगा तथा जीवन के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण क्षेत्रों में वे आपको अपना सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही सुख दुःख में भी वे आपको आर्थिक तथा अन्य प्रकार से सहायता प्रदान करेंगे। इसके साथ ही आजीविका एवं व्यापार संबंधी कार्यों में भी आपको उनका सहयोग प्राप्त होता रहेगा।

आपके हृदय में भी उनके प्रति स्नेह का भाव विद्यमान रहेगा। आप के आपसी संबंध मधुर रहेंगे। परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेदों के उत्पन्न होने पर इसमें कटुता का भी वातावरण बनेगा लेकिन यह अस्थायी रहेगा। साथ ही सुख दुःख एवं समस्त महत्वपूर्ण कार्यों में आप उन्हें अपना आर्थिक तथा अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करेंगे। इस प्रकार मिलजुल कर आप अपनी अधिकांश समस्याओं का समाधान करके प्रसन्नानुभूति प्राप्त करेंगे।

बुध

सातवेंभाव में बुध हो तो जातक सुन्दर, विद्वान्, कुलीन, व्यवसायकुशल, धनी, लेखक, सम्पादक, उदार, सुखी, अल्पवीर्य, दीर्घायु एवं धार्मिक होता है।

मकर राशि में बुध हो तो जातक कुलहीन, दुश्शील, मिथ्याभाषी, ऋणी, मूर्ख, डरपोक, व्यापार में रुचि लेने वाला, किफायतसार, चतुर एवं परिश्रमी होता है।

गुरु

द्वितीयभाव में गुरु हो तो जातक मधुरभाषी, सम्पत्ति और सन्ततिवान्, सुन्दरशरीर, सदाचारी, पुण्यात्मा, सुकार्यरत, लोकमान्य, राज्यमान्य, व्यवसायी, दीर्घायु, शत्रुनाशक एवं भाग्यवान् होता है।

सिंह राशि में गुरु हो तो जातक धार्मिक, प्रेमी, कार्यकुशल, सभाचतुर शत्रुजित्, आकर्षकव्यक्तित्व, उच्चाकांक्षी, सक्रिय, सुखी, कुशाबुद्धि साहित्य की ओर झुकाव, लेखक एवं उच्च सरकारी पद पर आसीन होता है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



शुक्र

पंचम भाव में शुक्र हो तो जातक विद्वान्, प्रतिभाशाली, वक्ता, कवि, पुत्रवान्, लाभयुक्त, व्यवसायी, शत्रुनाशक, उदार, दानी, सद्गुणी, न्यायवान् एवं आस्तिक होता है।

वृश्चिक राशि में शुक्र हो तो जातक-नास्तिक, कुकर्मी, स्त्रीद्वेषी दरिद्री, गुह्य रोगी, ऋणी, कोधी, स्वतन्त्र एवं अन्यायी होता है।

शनि

पंचम भाव में शनि हो तो जातक आलसी, सन्तानयुक्त, चंचल, उदासीन, विद्वान्, भ्रमणशील एवं बातरोगी होता है।

वृश्चिक राशि में शनि हो तो जातक संकीर्ण विचारों वाला, हिंसक, कठोरधृति, उतावला, कमजोर स्वास्थ्य, बुरी आदतें, दुःखी, विष से खतरा, निर्धन स्त्रीहीन, कोधी, कठोर एवं लोभी होता है।

राहु

तृतीय भाव में राहु हो तो जातक योगाभ्यासी, विद्वान्, व्यवसायी, पराक्रमशून्य, दृढ़विवेकी, अरिष्टनाशक, प्रवासी, दीर्घायु एवं बलवान् होता है।

कन्या राशि में राहु हो तो जातक लोकप्रिय, मधुरभाषी, कविलेखक, गवैया एवं धनी होता है।

केतु

नवम भाव में केतु हो तो जातक सुखाभिलाषी, व्यर्थपरिश्रमी अपयशी, दुःखी एवं 48 वर्ष के बाद भाग्योदय होता है।

मीन राशि में केतु हो तो जातक परिश्रमी, धार्मिक प्रवृत्तिवाला, कर्णरोगी, प्रवासी, चंचल और कार्यपरायण होता है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



स्वास्थ्य, व्यक्तित्व एवं प्रकृति

आपके जन्म समय में लग्न में कर्क राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी चन्द्रमा है। सामान्यतया कर्क लग्न में उत्पन्न जातक शांत स्वभाव एवं दृढ़तापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करने वाले होते हैं। इनकी प्रवृत्ति भावुक होती है तथा प्रेम एवं स्नेह का निश्छल भाव इनके अंदर विद्यमान रहता है। जीवन में समस्त भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करने में ये समर्थ रहते हैं तथा सुख पूर्वक इनका उपभोग करते हैं। धर्म के प्रति ये श्रद्धालु होते हैं तथा समाज एवं देश सेवा के कार्य में इनकी इच्छा रहती है। दूसरे लोगों की आंतरिक भावनाओं को समझने में ये चतुर होते हैं। साथ ही राजनीति या सरकारी क्षेत्र में उच्चाधिकार प्राप्त सम्मानित पद को अर्जित करने में सफलता प्राप्त करते हैं जिससे समाज में इनको इच्छित मान प्रतिष्ठा एवं यश की प्राप्ति होती है।

अतः इसके प्रभाव से आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक सन्तुष्टि भी बनी रहेगी। आपका स्वरूप सुन्दर एवं दर्शनीय होगा तथा अन्य जनों को आकर्षित तथा प्रभावित करने में समर्थ होंगे। आप एक विद्वान तथा बुद्धिमान पुरुष होंगे तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति भी प्रायः अच्छी रहेगी एवं प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा।

लग्न में लग्नेश चन्द्रमा की राशि के प्रभाव से आप शारीरिक तथा मानसिक रूप से स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे एवं अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को उत्साह तथा परिश्रम से करेंगे। इनमें आपको सफलताएं भी प्राप्त होंगी जिससे आपके सर्वत्र उन्नति मार्ग प्रशस्त रहेंगे। धन एवं वैभव से भी आप युक्त रहेंगे तथा जीवन में आनंदपूर्वक इनका उपभोग करेंगे। आपकी बुद्धि श्रेष्ठ होगी तथा उत्कृष्ट कार्यकलापों को सम्पन्न करने में तत्पर होंगे।

आप एक कर्तव्यपरायण व्यक्ति होंगे तथा ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे। इससे आपके कार्य क्षेत्र के प्रभाव में सतत वृद्धि होगी। आपका व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा जिससे लोग आपसे प्रभावित होंगे। साथ ही मित्रों में भी आप आदरणीय एवं सम्माननीय समझे जाएंगे तथा मित्रता का क्षेत्र भी विस्तृत होगा। संतति से आप युक्त रहेंगे तथा जीवन में इनसे आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। आप में कृतज्ञता की भावना भी विद्यमान रहेगी फलतः अन्य जनों के उपकार को आप स्वीकार करेंगे तथा उनका हार्दिक आभार प्रकट करेंगे।

धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा होगी तथा नियमित रूप से धार्मिक कार्यकलापों एवं अनुष्ठानों को अवसरानुकूल सम्पन्न करते रहेंगे। जल क्रीड़ा के प्रति भी आपकी रुचि रहेगी तथा इससे आपको आनंद की अनुभूति होगी। ज्यौतिष के प्रति भी आपकी श्रद्धा होगी तथा इसके ज्ञानार्जन में भी रुचिशील होंगे।

इस प्रकार आप शांत, दृढ़-प्रतिज्ञ, कर्तव्यपरायण, परिश्रमी एवं साहसी पुरुष होंगे तथा जीवन में सर्व सुखों को अर्जित करने में समर्थ रहेंगे।

धन, परिवार, आंख एवं वाणी

आपके जन्म समय में द्वितीय भाव में सिंह राशि उदित हुई है तथा सूर्य इस राशि का स्वामी है। अतः इसके प्रभाव से आप अधिक बोलना पसन्द नहीं करेंगे तथा अधिकांश समय शान्त रहना ही आपको रुचिकर लगेगा तथा अवसरानुकूल ही वार्तालाप करना पसंद करेंगे। वैभवशाली वस्तुओं की प्राप्ति तथा शुभ एवं मांगलिक कार्यों को सम्पन्न करने में आप सर्वदा उत्सुक तथा तत्पर रहेंगे। आप कभी कभी शीघ्र ही कोधित भी होंगे लेकिन शीघ्र ही शांत भी हो जाएंगे। पारिवारिक शान्ति तथा खुशहाली के लिए आप हमेशा प्रयत्नशील रहेंगे तथा यत्नपूर्वक पारिवारिक जनों को पूर्ण सुविधाएं प्रदान करेंगे। पैतृक सम्पत्ति की आपको अवश्य प्राप्ति होगी। साथ ही बहुमूल्य वस्तुओं से भी आप सुसम्पन्न रहेंगे।

जीवन में आपको जमीन जायदाद संबंधी लाभ होगा तथा गृह एवं वाहन आदि के स्वामित्व को भी प्राप्त करेंगे। सामाजिक जनों को आकर्षित तथा प्रभावित करने के लिए आप मधुर वाणी का प्रयोग करेंगे। साथ ही आपके स्पष्ट तर्कों से सभी लोग आपसे सहमत रहेंगे। परिवार की सुख शान्ति पर आप प्रचुर मात्रा में व्यय करेंगे धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा रहेगी तथा परिवार में धार्मिक कार्यक्रम या उत्सव समय समय पर होते रहेंगे। परिवार के अतिरिक्त अन्य जनों का पालन पोषण करने में भी आप समर्थ रहेंगे। इस प्रकार आप एक जागरूक, धार्मिक तथा परोपकारी प्रवृत्ति से युक्त होकर समाज में मान सम्मान अर्जित करके अपना समय व्यतीत करेंगे।

पराक्रम, सहोदर, प्रकाशन एवं लघुयात्राएं

आपके जन्म समय में तृतीय भाव में कन्याराशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से आपकी स्मरण शक्ति तीव्र रहेगी। साथ ही आप एक बुद्धिमान पुरुष होंगे तथा दार्शनिक या बौद्धिक कार्यों को करने में प्रवृत्त रहेंगे। भाई बहिनों से आप युक्त रहेंगे तथा जीवन में उनसे आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। पारिवारिक सुख शान्ति एवं समृद्धि के लिए उनकी गलतियों को भूल जाने की सीमा तक क्षमा करने में समर्थ रहेंगे परन्तु आयु के साथ-साथ आपसी संबंधों में तनाव भी हो सकता है। आप अपने क्षेत्र में नेतृत्व प्राप्त करेंगे तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे तथा यथायोग्य आदर प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त आप एक अच्छे वक्ता होंगे तथा भाषा पर पूर्ण नियंत्रण रहेगा।

संचार की सुख सुविधाओं यथा वाहन, दूरभाष तथा दूरदर्शन आदि उपकरणों से सम्पन्न रहेंगे। आप संगीत के प्रिय होंगे एवं कला के प्रति भी आपकी रुचिशीलता रहेगी। आपका कंठ मधुर रहेगा जिससे अन्य जनों को अपने गायन से आकर्षित कर सकते हैं लेकिन सर्वप्रथम आप अपने सांसारिक कार्यों को पूर्ण करेंगे उसके बाद ही संगीत आदि कार्यों को सम्पन्न करेंगे। आप समय समय पर यात्राएं करेंगे तथा इनसे आपको भविष्य में इच्छित लाभ होगा तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। आपकी पड़ोसी देशों की यात्राएं भी हो सकती हैं। इसके साथ ही पड़ोसियों से भी आप अच्छे संबंध रखना पसन्द करेंगे। नीति के आप ज्ञाता होंगे अतः आम चुनाव लेख लिखने या पुस्तक आदि प्रकाशन से भी आप ख्याति तथा लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप शस्त्र विद्या के ज्ञाता, अच्छे शील स्वभाव तथा मित्रों से युक्त, सामाजिक तथा धार्मिक वृत्ति के पुरुष होंगे।

शिक्षा, माता, वाहन एवं जायदाद

आपके जन्मसमय में चतुर्थ भाव में तुलाराशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है तथा मंगल भी चतुर्थ भाव में ही स्थित है। अतः इसके प्रभाव से आप जीवन में भौतिक सुख संसाधनों की प्राप्ति करेंगे एवं आधुनिक उपकरणों से भी युक्त होंगे। धनेश्वर्य एवं वैभव भी अपनी योग्यता एवं बुद्धिमता से अर्जित करेंगे तथा समाज में अपना उच्च स्तर पर बनाए रखने में समर्थ होंगे। जीवन में आपको सामान्यतया सांसारिक सुखों की पूर्ण उपलब्धि होगी तथा इससे समाज में आप आदरणीय तथा प्रभावशाली व्यक्ति माने जायेंगे।

जीवन में चल एवं अचल सम्पत्ति के स्वामित्व को भी आप अवश्य प्राप्त करेंगे तथापि इसको अर्जित करने में आपको विशेष परिश्रम कम ही करना पड़ेगा। आपको भाइयों के सहयोग से चल या अचल संपत्ति की प्राप्ति होगी। जिससे आपके वैभव में वृद्धि होगी। लेकिन पूर्ण धन सम्पत्ति का अर्जन युवावस्था के बाद ही संभव होगा। अतः परिश्रम पूर्वक अपने कार्य कलापों को करने में तत्पर रहें।

आपको उत्तम गृह की भी प्राप्ति होगी तथा यह अच्छे स्थान में होगा। आपका घर आधुनिक साज सज्जा के उपकरणों से सुसज्जित रहेगा तथा इसके आकर्षण एवं सुन्दरता बनाये रखने में आप व्यक्तिगत रुचि लेंगे। आपका घर किसी मध्ययम कालोनी में होगा तथा पड़ोसी भी शिक्षित एवं बुद्धिमान होंगे तथा संबंधों में भी मधुरता होगी। इसके अतिरिक्त वाहन सुख भी आपको मिलेगा एवं युवावस्था के बाद आनंदपूर्वक इसका उपभोग करेंगे।

आपकी माता जी सुन्दर बुद्धिमान एवं तेजस्वी महिला होंगी तथा अपने कुशल व्यवहार एवं कार्य कलापों से अन्य पारिवरिक जनों को पूर्ण संतुष्ट एवं प्रभावित रखेंगी। आपके प्रति उनके में में प्रबल वात्सल्य एवं स्नेह का भाव होगा एवं अवसरानुकूल उनसे आपको वांछित आर्थिक एवं नैतिक सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। आप भी उनको अपनी ओर से पूर्ण सुख प्रदान करेंगे एवं किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगे। इससे आपसी संबंधों में मधुरता बनी रहेगी एवं परस्पर सद्भाव एवं विश्वास का भाव बना रहेगा।

आपकी प्रवृत्ति बचपन से ही अध्ययनशील होगी तथा छोटी कक्षाओं से ही अच्छे अंक अर्जित करेंगे। आप एक बुद्धिमान एवं परिश्रमी स्वभाव के व्यक्ति होंगे। अतः अपने इन्हीं गुणों से स्नातक परीक्षा आसानी से उत्तीर्ण करने में समर्थ होंगे। इसमें आपको अच्छे अंकों से सफलता मिलेगी जिससे आत्मविश्वास के भाव में वृद्धि होगी तथा उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में आप दुगुने उत्साह एवं शक्ति से कार्य करेंगे। इसके अतिरिक्त मित्रों एवं स्वजनों से भी आपको यथोचित आदर एवं सम्मान की प्राप्ति होगी।

चतुर्थ भाव में नैसर्गिक पाप गृह मंगल के प्रभाव से मध्यवस्था के बाद आपको किंचित रूप से रक्तचाप या हृदय संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अतः यदि आप युवावस्था से ही खान पान पर उचित नियंत्रण रखें तो ऐसी समस्याओं से सुरक्षित रहेंगे तथा सुख पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

प्रणय सम्बन्ध, सन्तान एवं बुद्धि

आपके जन्म समय में पंचमभाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है तथा शुक्र भी पंचमभाव में ही स्थित है। अतः इसके प्रभाव से आप एक बुद्धिमान व्यक्ति होंगे तथा अपने समस्त कार्य कलाओं को बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न करेंगे तथा बुद्धिमता की छाप आपके कार्यों पर स्पष्ट रूप से विद्यमान होगी। इससे अन्य जन भी आपसे प्रभावित होंगे तथा यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। आपकी बुद्धि में तीक्ष्णता का भाव भी होगा तथा गम्भीर समस्याओं का आसानी से समाधान करने में समर्थ होंगे। वैदिक साहित्य एवं धर्म ग्रंथों में आपकी रुचि अल्प होगी परन्तु पाश्चात्य साहित्य संगीत एवं कला के प्रति पूर्ण रुचि होगी तथा साहित्य के क्षेत्र में आप लेखन कार्य भी सम्पन्न कर सकते हैं। इससे समाज में एक विद्वान के रूप में आपका स्थान होगा तथा सामाजिक प्रतिष्ठा बनी रहेगी।

पंचमभाव में शुक्र की स्थिति के प्रभाव से प्रेम-प्रसंग में आप काफी रुचिशील होंगे तथा समय व्यतीत करने या मनोरंजन के लिए भी आप ऐसे सम्बन्ध स्थापित कर सकते हैं। आपके प्रेम-प्रसंगों में आदर्शवादिता या मर्यादा के भाव की न्यूनता होगी जिससे आप समय समय पर अनावश्यक परेशानियां एवं समस्याओं का सामना भी कर सकते हैं। अतः सुखी एवं शान्त जीवन के लिए आपको ऐसी स्थितियों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

शुक्र की स्थिति पंचमभाव में होने के कारण आपको यथोचित समय पर सन्तति की प्राप्ति होगी तथा कन्याओं की संख्या पुत्र सन्तति से अधिक होगी आपके बच्चे बुद्धिमान गुणवान एवं विनम्र होंगे तथा अपनी योग्यता से जीवन में उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगे। माता-पिता के प्रति उनका पूर्ण श्रद्धा एवं सम्मान का भाव होगा तथा आज्ञापालन में भी तत्पर होंगे तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में माता-पिता की अवश्य सलाह लेंगे इससे परस्पर विश्वास एवं सदभाव बना रहेगा। पिता की अपेक्षा माता के प्रति बच्चों का विशेष लगाव होगा एवं अपनी व्यक्तिगत समस्याओं का समाधान वे माता के माध्यम से ही करवाना चाहेंगे। लेकिन सम्मान दोनों के प्रति समान होगा। इसके अतिरिक्त आप एक भाग्यवान व्यक्ति होंगे तथा वृद्धावस्था में बच्चे आपको तन-मन-धन से पूर्ण सुख तथा सन्तुष्टि प्रदान करेंगे। अध्ययन के क्षेत्र में आपके बच्चे प्रतिभाशाली होंगे तथा अपनी बुद्धिमता से वे अच्छी सफलताएं अर्जित करेंगे। आप भी बच्चों को आधुनिक परिवेश में शिक्षा प्रदान करने के लिए पूर्ण रूपेण प्रयत्नशील होंगे तथा उनके इन गुणों से अन्य लोग भी उनसे प्रसन्न तथा प्रभावित होंगे तथा उन्हें वांछित स्नेह एवं प्रोत्साहन प्रदान करेंगे। इससे

आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा बच्चों पर आप गर्व की अनुभूति करेंगे।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



रोग, शत्रु, सेवक एवं मामा

आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में धनु राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से आप एक विद्वान तथा बुद्धिमान पुरुष होंगे तथा शत्रुता के भाव की हमेशा उपेक्षा करेंगे। यद्यपि आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करना चाहते हैं परन्तु आपके शत्रु इसमें बाधाएं उत्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही वे आपके सम्मान को हानि तथा सामाजिक स्तर पर उपेक्षा करेंगे। इसे रोकने के लिए आप समयानुसार कोर्ट या मुकद्दमे आदि का सहारा ले सकते हैं। इस प्रकार आप दृढ़ता तथा बहादुरी से शत्रुपक्ष का सामना करेंगे तथा उनको पराजित करने में समर्थ रहेंगे। इस कार्य में आपकी बुद्धिमत्ता तथा आपके सद्मित्रों का मंडल भी आपको सहयोग प्रदान करेगा। यदा कदा पारिवारिक या बन्धुवर्ग से भी आपको समस्याओं का सामना करना पड़ेगा परन्तु अन्ततोगत्वा इसमें आपको सफलता प्राप्त होगी। आप उच्च नैतिकता का अनुपालन करेंगे अतः शत्रुपक्ष को पराजित करने के लिए नकारात्मक साधनों का कभी भी प्रयोग नहीं करेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति बनाने के लिए आप हमेशा तत्पर रहेंगे तथा कार्य क्षेत्र में सक्रियता से कार्यरत होकर अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाएंगे।

आपका सेवक वर्ग भी आज्ञाकारी होगा तथा आपको पूर्ण सम्मान प्रदान करेगा। अपने सेवकों तथा सहायकों के प्रति आपका दृष्टिकोण सकारात्मक तथा अपनत्व का रहेगा इससे आपकी महानता में वृद्धि होगी। जीवन में ऐसे अवसर बहुत कम आएंगे जब आपको ऋण की आवश्यकता पड़ेगी यदि आ भी गई तो आप ऋण से शीघ्र ही मुक्त हो जाएंगे। आपको अपने मामा मामियों से अच्छे संबंध रखने चाहिए क्योंकि इनसे जीवन में आपको पूर्ण सहयोग मिलता रहेगा लेकिन मामियों के स्वभाव में भिन्नता के कारण यदा कदा इसमें न्यूनता रहेगी तथा वे आपको कम ही सहयोग प्रदान करेंगी।

यदा कदा आपको मुकद्दमे आदि का भी सामना करना पड़ेगा परन्तु अन्त में इसमें विजय प्राप्त करेंगे। इस प्रकार आप समाज में एक माननीय पुरुष होंगे तथा अपने अच्छे संबंधों से आपको सभी लोगों से यथोचित सहयोग एवं सम्मान मिलता रहेगा।

परिवार, विवाह एवं साझेदार

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में मकर राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है तथा बुध भी सप्तम भाव को प्रभावित कर रहा है सामान्यतया सप्तम भाव में मकर राशि की स्थिति से जातक का सहयोगी चंचल वात प्रकृति एवं धनवान होता है तथा बुध के प्रभाव से वह बुद्धिमान कर्म करने में कुशल तथा कला एवं संगीत के प्रति प्रबल आकर्षण रखता है।

अतः इसके प्रभाव से आपकी पत्नी सुशील स्वभाव की चंचल महिला होंगी तथा सांसारिक कार्य कलाओं को करने में अत्यंत ही दक्ष होंगी। वह अपने बुद्धिमत्ता पूर्ण उत्कृष्ट कार्यों से सभी जनों को प्रभावित करेंगी। बुध के प्रभाव से उनमें सहिष्णुता एवं विद्वता का भी भाव रहेगा तथा कर्तव्य परायणता भी विद्यमान होगी। फलतः समाज एवं परिवार के प्रति वह अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करेंगी।

आपकी पत्नी सुंदर एवं गौरवर्ण की महिला होंगी तथा उनका कद भी मध्यम रहेगा उनकी शारीरिक संरचना दर्शनीय होगी तथा शरीर में भी अंग प्रत्यंग पुष्ट एवं सुडौल होंगे इससे उनके व्यक्तित्व एवं आकर्षण में वृद्धि होगी। बोलने में भी वह चतुर होंगी तथा मधुर वाणी का उपयोग करेंगी। संगीत एवं कला के प्रति उनके मन में रुचि होगी। इसके अतिरिक्त भौतिक सुन्दर वस्तुओं के प्रति भी आकर्षित होंगी तथा यत्नपूर्वक इनका संग्रह करने में तत्पर रहेंगी।

सप्तम भाव में बुध की स्थिति के प्रभाव से आपका विवाह विज्ञापन के माध्यम से सम्पन्न होगा या आप स्वेच्छा से भी प्रेम विवाह सम्पन्न कर सकते हैं। विवाह के बाद आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम समर्पण एवं सम्मान का भाव रहेगा जिससे आपसी संबंधों में मधुरता होगी। जीवन में सांसारिक महत्व के कार्यों को एक दूसरे के सलाह तथा सहयोग से सम्पन्न करेंगे। आप दोनों बुद्धिमान एवं शिक्षित होंगे अतः परस्पर सामंजस्य स्थापित करने में कोई कठिनाई नहीं होगी।

आपका विवाह किसी समृद्ध परिवार में होगा तथा धनऐश्वर्य से वे सम्पन्न होंगे। फलतः विवाह में आपको दहेज के रूप में प्रचुर मात्रा में धन सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। सास ससुर से आपके संबंधों में अनुकूलता रहेगी तथा परस्पर प्रेम एवं विश्वास का भाव बना रहेगा। एक दूसरे को आप यथोचित सम्मान एवं स्नेह प्रदान करेंगे।

सास ससुर के प्रति आपकी पत्नी के मन में सेवा तथा श्रद्धा की भावना रहेगी तथा सुख दुख में उनका पूर्ण ध्यान रखेंगी एवं अपनी ओर से किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगी। देवर एवं ननदों को भी अपने सद्व्यवहार से वह प्रसन्न रखेंगी।

व्यापार या किसी महत्वपूर्ण योजना में साझेदारी के लिए स्थिति शुभ रहेगी। यदि किसी संबंधी या मित्र आदि से साझेदारी करेंगे तो इससे लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे एवं आपस में विश्वसनीयता भी बनी रहेगी।

आयु, दुर्घटना एवं बीमा

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में कुम्भ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। इसके प्रभाव से आप ज्यौतिष या तंत्र मंत्र आदि पर विश्वास कम ही करेंगे क्योंकि आप एक व्यावहारिक पुरुष होंगे तथा अनावश्यक समय बर्बाद करना या स्वप्न देखना आपको अच्छा नहीं लगता। पैतृक सम्पत्ति आपको प्राप्त होगी लेकिन प्रचुर मात्रा में नहीं परन्तु इसका आप पर कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा क्योंकि स्वपरिश्रम एवं योग्यता से आपके पास प्रचुर मात्रा में धन ऐश्वर्य होगा। साथ ही आवश्यक सुख संसाधन भी उपलब्ध होंगे। आप का दहेज के लेन देन में कोई विश्वास नहीं रहेगा तथा न ही आप उसे स्वीकार करेंगे। इसके अतिरिक्त आप इस सामाजिक बुराई के प्रति अन्य जनों को भी जागरूक करने के लिए तत्पर रहेंगे।

जीवन में यदा कदा आपके घर में कोई चोरी आदि की भी संभावना है लेकिन यह सामान्य होगी तथा कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा पुलिस या अन्य जनों की सहायता से आपका चोरी का समान वापस मिल जाएगा जिससे हानि नहीं होगी। बीमा आदि करने से आपको कोई विशेष लाभ नहीं होगा। अतः आप इस पर अनावश्यक रकम या पूंजीनिवेश न करें। केवल चोरी के मामलों में प्रौढ़ावस्था में आपको बीमे का लाभ मिल सकता है।

शारीरिक सुरक्षा के प्रति आपको हमेशा सतर्क रहना चाहिए तथा अनावश्यक जोखिम नहीं लेना चाहिए क्योंकि न्यूनाधिक रूप से आप दुर्घटना से कष्ट प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त आपकी आयु उत्तम रहेगी तथा सामान्यतया सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक आपका समय व्यतीत होगा।

प्रसिद्धि, पूजा, उच्चशिक्षा एवं लम्बी यात्राएं

आपके जन्म समय में नवम भाव में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से धर्म के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित दौरान आपकी- मन में इसके लिए पूर्ण श्रद्धा तथा निष्ठा रहेगी। ध्यान या समाधि के प्रति भी आप रुचिशील रहेंगे। आपकी अर्न्तदृष्टि प्रबल रहेगी अतः ज्योतिष एवं तंत्र मंत्र में सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही धर्माचार्य या कोई उपदेशक भी हो सकते हैं। आप नियमित रूप से भगवत पूजा करेंगे तथा वेद एवं आध्यात्मिक विषयों पर आपकी विद्वता रहेगी तथा इन विषयों पर आप धाराप्रवाह, लम्बे समय तक भाषण या उपदेश देने में समर्थ रहेंगे। साथ ही आप किसी धार्मिक संस्था के संस्थापक संचालक या अध्यक्ष अथवा सक्रिय सदस्य भी हो सकते हैं।

अपने व्यवसाय में आप कुशल रहेंगे इससे समाज से ख्याति तथा मान सम्मान अर्जित करेंगे तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। उच्च शिक्षा प्राप्त करने में आप रुचिशील तथा प्रयत्नशील रहेंगे। साथ ही आध्यात्मिक तथा धार्मिक ग्रंथों का भी व्यक्तिगत रूप से अध्ययन करेंगे। दैनिक पूजन आदि करने से आपकी अर्न्तप्रज्ञा शक्ति विकसित होगी फलतः आपके पूर्वाभास सत्य होंगे तथा अन्य जनों के प्रति सही भविष्यवाणियां भी करने में समर्थ रहेंगे।

लम्बी दूरी की यात्राओं से आपको प्रसिद्धि तथा धनऐश्वर्य की प्राप्ति होगी। आप दूसरे शहर या देश में किसी धार्मिक संस्था की स्थापना भी कर सकते हैं। साथ ही परोपकार तथा सामाजिक जनों की भलाई के लिए कार्य करने में तत्पर रहेंगे अपने पौत्रों से आपको इच्छित सुख एवं आनन्द की प्राप्ति होगी तथा पूर्वजन्म के पुण्यों से इस जीवन में आनन्द एवं ऐश्वर्य पूर्ण जीवन व्यतीत करने में समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप धार्मिक साधुजनों के सेवक मंदिर तालाब आदि परोपकार के लिए बनाने वाले एवं आर्थिक रूप से सुसम्पन्न रहेंगे।

व्यवसाय, पिता एवं सामाजिक स्तर

आपके जन्म समय में दशम भाव में मेष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। मेष राशि अग्नि तत्व युक्त है। अतः इनके प्रभाव से आपका कार्यक्षेत्र बौद्धिक एवं मानसिक क्रियाओं से युक्त होगा। तथा श्रम के भाव की अल्पता रहेगी तथा जीवन में आप वांछित उन्नति तथा सफलता अर्जित करके मानसिक शांति की अनुभूति करेंगे।

आप के लिए आजीविका सेना, पुलिस, डाक्टर, इंजीनियर, ऊर्जा एवं शक्ति विभाग, विद्युत इंजीनियरिंग, होटल प्रबंधक या कर्मचारी, अग्नि से संबंधित विभाग, शस्त्र विभाग एवं अन्य पराक्रमी क्षेत्र शुभ एवं अनुकूल रहेंगे। इन विभागों एवं क्षेत्रों में कार्य करने से आप को वांछित उन्नति एवं सफलता की प्राप्ति होगी तथा अनावश्यक समस्याओं एवं व्यवधानों से सुरक्षित रहेंगे। अतः आपको चाहिए कि अपने उज्ज्वल भविष्य एवं चरमोन्नति के लिए उपरोक्त विभागों एवं क्षेत्रों में ही अपने कार्य क्षेत्र का चयन करें।

व्यापारिक क्षेत्र में आप शस्त्रों के व्यापार से सुवर्ण लोहा तथा अन्य धातु कार्यों से, विद्युत उपकरणों का व्यापार या उत्पादन, औषधि का विक्रय या कैमिस्ट रासायनिक वस्तु या होटल आदि के कार्य से व्यापार में इच्छित लाभ एवं धन अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियां भी अर्जित होंगी। इसके साथ ही अन्य लोग आपके कार्य से प्रभावित होंगे तथा आपके प्रसंसक बनेंगे। अतः व्यापार में आपको उपरोक्त क्षेत्रों या कार्यों का ही चुनाव करना चाहिए।

जीवन में आप उच्च मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही सौभाग्य से भी आपकी ख्याति दूर दूर तक व्याप्त होगी। आप को सामाजिक धार्मिक या अन्य संस्थाओं में भी किसी उच्च पदाधिकारी के रूप में मनोनीत किया जा सकता है जिससे आपके सामाजिक प्रभाव में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आप एक अधिकार सम्पन्न व्यक्ति होंगे तथा सरकारी क्षेत्रों में आपको काफी मान सम्मान की प्राप्ति होगी।

आपके पिता एक पराक्रमी तेजस्वी शिक्षित एवं गंभीर प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे तथा उनका व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा। साथ ही सभी लोग उनके प्रभाव से प्रभावित होंगे तथा उन्हें यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। आपके प्रति उनका पूर्ण ध्यान रहेगा तथा उच्च स्तर पर शिक्षा की व्यवस्था करेंगे। साथ ही कार्य क्षेत्र में भी उन्नति एवं प्रसिद्धि में उनका विशेष योगदान रहेगा। आप भी अपने उत्तम कार्य कलापों से पिता के सम्मान एवं प्रभाव में वृद्धि करेंगे। आपके परस्पर संबंधों में भी सामान्यतया मधुरता रहेगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य एक दूसरे की सलाह एवं सहयोग से ही सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त पिता के आप एक आज्ञाकारी पुत्र भी होंगे।

लाभ, मित्र, समाज एवं ज्येष्ठ भ्राता

आपके जन्म समय में एकादश भाव में वृष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक है। अतः इसके प्रभाव से आपके मन में विभिन्न सांसारिक इच्छाएं विद्यमान रहेंगी साथ ही महत्वाकांक्षा के भाव से भी युक्त रहेंगे तथा इन सबकी प्राप्ति जीवन में दृढ़ता एवं परिश्रम से करने में समर्थ रहेंगे। प्रचुर मात्रा में आय के साथ साथ आपकी बचत करने की प्रवृत्ति भी रहेगी अतः आर्थिक रूप से आपको कभी परेशानी नहीं होगी। बड़े भाई बहनों से आपको विशिष्ट सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा साथ ही आपके परस्पर संबंधों में भी मधुरता विद्यमान रहेगी।

आप सक्रिय प्रवृत्ति के लोगों को मित्र बनाना पसन्द करेंगे तथा वे आपके लिए विश्वसनीय भी रहेंगे। मित्र मंडल में आपकी लोकप्रियता रहेगी तथा अपने कलात्मक तरीकों से आप मित्रों तथा अन्य जनों का मनोरंजन करने में तत्पर रहेंगे। आपका मित्रता का क्षेत्र कला संगीत या नाटक आदि के ज्ञान को रखने वाले व्यक्तियों से अधिक रहेगा। इस प्रकार सम्पूर्ण जीवन मित्रों के सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे।

आपका सामाजिक स्तर उच्च रहेगा तथा समाज में एक आदरणीय तथा प्रतिष्ठित पुरुष समझे जाएंगे। साथ ही सामाजिक जनों की सेवा तथा सहयोग प्रदान करना अपना कर्तव्य समझेंगे। यदा कदा आप स्वयं अत्यंत ही एकाकीपन की अनुभूति भी करेंगे। जीवन में आपको सामाजिक सम्मान की प्राप्ति की भी संभावना रहेगी। साथ ही खेल आदि के क्षेत्र में भी आप दक्षता प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रकार आपका सामान्य जीवन भौतिक सुख सुविधाओं से युक्त होकर व्यतीत होगा।

विदेश यात्रा, हानि, बन्धन एवं कर्ज

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है अतः इसके प्रभाव से आप सादा जीवन उच्च विचार के सिद्धांत को मानने वाले व्यक्ति होंगे तथा आजीवन इसका अनुपालन करेंगे। आर्थिक क्षेत्र में आप अत्यंत ही सतर्कता का परिचय देंगे। आप एक ईमानदार व्यक्ति होंगे अतः बेईमानी को सहन करने में असमर्थ रहेंगे साथ ही धन को आप अपने परिश्रम एवं योग्यता से अर्जित करेंगे। इस प्रकार सामान्य रूप से आर्थिक क्षेत्र में आप भाग्यशाली रहेंगे।

जीवन में आपको आर्थिक समस्याओं से नहीं जूझना पड़ेगा। आपकी आवश्यकताएं अत्यंत ही सीधी सादी होंगी क्योंकि आप भौतिकता की ओर नहीं भागते तथा सामान्य रूप से ही आवश्यक वस्तुओं को घर में रखेंगे। आप शीघ्र लाभ की अपेक्षा दीर्घावधि लाभ के प्रति अधिक इच्छुक रहेंगे। प्रारंभ से ही धन संग्रह के प्रति आपकी रुचि रहेगी तथा धनार्जन के साथ साथ बचत भी करेंगे। अतः आपके समस्त पारिवारिक एवं सांसारिक व्यय आवश्यक रहेंगे जिससे आर्थिक स्थिति विशेष प्रभावित नहीं होगी। अपनी समृद्धि के द्वारा भविष्य में कल्याण संबन्धी योजनाओं पर भी आपका व्यय होगा तथा अपने धन को बड़ी बड़ी योजनाओं या निवेशों में लगाएंगे जहां से आपको अधिक लाभ की प्राप्ति होगी।

परिवार की आप पूर्ण चिन्ता करेंगे तथा उनकी समृद्धि एवं खुशहाली के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। साथ ही एक मित्र की तरह उनका पालन करेंगे। आपकी समय समय पर लम्बी दूरी की यात्राएं भी होंगी जिससे लाभ होगा। आपकी यात्राएं विभागीय या व्यापार संबन्धी होंगी। साथ ही जीवन में आप विदेश यात्रा भी करेंगे। इस प्रकार सामान्य रूप से प्रसन्न रहेंगे।

नक्षत्रफल

आप मूल नक्षत्र के द्वितीय चरण में पैदा हुए हैं अतः आपकी जन्म राशि धनु तथा राशि स्वामी वृहस्पति होगा। नक्षत्र के अनुसार आपका वर्ण क्षत्रिय, नाड़ी आद्य, योनि श्वान, वर्ग मृग तथा गण राक्षस होगा। नक्षत्र के चरणानुसार आपके जन्म नाम का पहला अक्षर "यो" अक्षर से प्रारम्भ होगा। यथा, योगेश।

गण्डमूल नक्षत्र के द्वितीय चरण में उत्पन्न होने से जातक की माता को अरिष्ट होता है अतः जन्म समय में इस नक्षत्र की शास्त्रीय विधि विधान से किसी योग्य विद्वान से शान्ति करा लेनी चाहिए। इसके लिए इस नक्षत्र के कम से कम 28000 जप सम्पन्न करने चाहिए तथा 27 दिन के बाद पुनः जब यह नक्षत्र आए तो इस दिन जपे हुए मंत्रों के दशांश का हवन करना चाहिए। इस प्रकार विधि पूर्वक शान्ति करने से इसका दोष प्रायः समाप्त हो जाएगा तथा सम्बंधित जातक सुखपूर्वक रहेगा।

मंत्र - ऊं अपाधमयः किल्बिषमपकृत्यामपोरय अपामार्गत्वमस्मदपदुः दुःश मानसागरी

आप एक सौभाग्य शाली पुरुष होंगे तथा जीवन में समस्त सुखों का सुखपूर्वक उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही धन वैभव से भी आप सुसम्पन्न रहेंगे तथा समाज में एक धनवान व्यक्ति के रूप में जाने जाएंगे। आप जीवन में वाहन सुख भी प्राप्त करेंगे। शारीरिक स्वास्थ्य से आप उत्तम रहेंगे तथा चंचलता की प्रवृत्ति का आपमें अभाव रहेगा। शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने में भी आप सफल रहेंगे। शास्त्र ज्ञान में भी आपकी रुचि रहेगी तथा नाना प्रकार के शास्त्रों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। लेकिन जीवन में यदा कदा आपको वायुजनित रोगों से व्याकुलता की भी अनुभूति होगी तथा इससे आप पीड़ित रहेंगे।

**सुखेनयुक्तो धनवाहनाढ्यो हिंसे बलाढ्यः स्थिरकर्मकर्ता ।
प्रतापितारतिजनो मनुष्यो मूलेकृती स्याज्जननं प्रपन्नः ।।
जातकाभरण एवं मानसागरी**

अर्थात् मूल नक्षत्रोत्पन्न जातक सुख से युक्त, धनाढ्य, वाहन से सुसम्पन्न, हिंसक, बलवान, स्थिरकार्य करने वाला, शत्रु हन्ता और विद्वान होता है।

आप बोलने में अत्यन्त ही दक्ष रहेंगे तथा अपनी इस कला से अपने अधिकाँश कार्यो से सफलता प्राप्त करेंगे। कभी कभी आप अपनी अभिमानी प्रवृत्ति का भी अन्य लोगों के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। आप बिना किसी ठोस प्रमाण के अपने विचारों को अन्य जनों के समक्ष प्रस्तुत करेंगे जिससे लोग आपकी बातों पर विशेष ध्यान नहीं देंगे।

मूलर्क्षे पदुवाग्विधूर्तकुशलो धूर्तः कृतघ्नो धनी ।

जातकपरिजातः

अर्थात् मूल नक्षत्र में उत्पन्न जातक चतुरवाणी से युक्त, अप्रामाणिक, धूर्त, कृतघ्न तथा धनी होता है।

आपका जीवन में धन ऐश्वर्य तथा सम्मान से परिपूर्ण रहेंगे। आपकी कार्य शैली स्थिरता के गुण से युक्त रहेगी तथा अन्य प्रकार की सम्पत्तियों का भी आप प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगे।

मूले मानी धनवान्सुखी न हिंसः स्थिरो भोगी।

बृहज्जातकम्

अर्थात् मूल नक्षत्र में उत्पन्न जातक साहसी, धन और मान से सम्पन्न, स्थिर विचारों तथा ऐश्वर्य का उपभोग करने वाला होता है।

आपका जन्म स्वर्ण पाद में हुआ है। यद्यपि स्वर्ण पाद में उत्पन्न होने से जातक को कई प्रकार से दुःख एवं कष्ट प्राप्त होते हैं। उसका शारीरिक स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता तथा धनाभाव हमेशा रहता है। साथ ही जातक जीवन में सुखसंसाधनों से भी हीन रहता है। सांसारिक कार्यों में उसे अल्प मात्रा में ही सफलता अर्जित होती है। इसके अतिरिक्त जीवन के हर क्षेत्र में अत्याधिक परिश्रम के द्वारा उसे अल्प सफलता प्राप्त होती है। चूंकि आपका चन्द्रमा जन्म कुण्डली में अपनी शुभ राशि में स्थित है। अतः आपके लिए यह अशुभ नहीं रहेगा।

अतः आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा शत्रु अल्प मात्रा में रहेंगे तथा वे आपसे पराजित तथा प्रभावित होंगे। परन्तु कभी कभी आपके स्वभाव में क्रोध तथा उग्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा। आपका सौन्दर्य आकर्षक होगा एवं शरीर में पूर्ण रूप से कोमलता विद्यमान रहेगी। आप अपने जीवन में विविध प्रकार के सुखसंसाधनों को अर्जित करेंगे तथा प्रसन्नता पूर्वक उसका उपभोग करने में भी सफल रहेंगे। द्रव्यों के प्रति भी यदा कदा आपकी आसक्ति रहेगी एवं कभी कभी सामान्य बीमारियों से भी आप पीडित रहेंगे।

धनु राशि में उत्पन्न होने के कारण आपका मुख तथा कंठवृत्ति दीर्घ रहेगी। साथ ही आपके कान ओंठ एवं दांतों में भी स्थूलता दृष्टिगोचर होगी। आपकी भुजाएं भी पूर्ण रूपेण मांसल होकर स्थूल रहेंगी। पिता से प्राप्त धन का आप जीवन में सुखपूर्वक उपयोग करेंगे। आपके मन में दानशीलता की प्रवृत्ति विद्यमान रहेगी। फलतः जरूरत मन्द लोगों को आप समयानुसार यथा शक्ति दान देते रहेंगे। लेखन कार्य की ओर भी आपकी रुचि रहेगी तथा काव्य सृजन में आप सफलता प्राप्त कर सकेंगे। आप शारीरिक शक्ति से पूर्ण सक्षम रहेंगे। जिससे अन्य जन आपसे प्रभावित रहेंगे। भाषण देने की कला में आप निपुण रहेंगे तथा अपने भाषणों से लोगों को प्रभावित करके प्रसन्न रखेंगे। आप विभिन्न प्रकार के कार्यों को करने में भी दक्ष रहेंगे। चित्रकारी आपका शौक रहेगा तथा इसमें आप विशेष योग्यता भी अर्जित कर सकेंगे। गम्भीरता से कार्यों को करना आपकी प्रवृत्ति रहेगी। आपकी धर्म के प्रति पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इसके विषय में ज्ञान भी प्रयाप्त मात्रा में

रहेगा। वन्धु वर्ग में आपके सम्बन्ध सामान्य रहेंगे। आपको प्रेम तथा सम्मान एवं सौहार्द से ही वश में किया जा सकेगा। बल पूर्वक आप कुछ भी करने को तैयार नहीं होंगे। साथ ही वातजनित रोगों से भी आप यदा कदा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे।

**व्यादीर्घस्यशिरोधरः पितृधनस्त्यागी कविर्वीर्यवान् ।
वक्ता स्थूलदरशवाधरनसः कर्मोद्यतः शिल्पवित् ।।
कुब्जांसः कुनख्री समांसलभुजः प्रागल्भ्यवान धर्मविद ।
बन्धुद्विट् न बलात्समेति च वशं साम्नैकसाध्योऽश्वजः ।।
वृहज्जातकम्**

आपकी आँखें वृताकार होंगी तथा हाथ भी लम्बे रहेंगे। साथ ही सीना भी पूर्ण रूप से विस्तृत रहेगा। आयु के साथ साथ आपकी कमर में झुकाव की मात्रा बढ़ सकती है। आप जल के समीप निवास करना पसन्द करेंगे। आपकी बुद्धि तीव्र रहेगी तथा कठिन से कठिन विषय के ज्ञान को धारण करने में आप सफल रहेंगे। आप हृदय से हमेशा प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। आपके शरीर की अस्थियां भी पुष्ट रहेंगी। कृतज्ञता के गुण से आप युक्त रहेंगे तथा अन्य जनों से उपकृत होने पर उनके प्रति आभार प्रकट करेंगे।

**कुब्जाङ्गो वृत्तनेत्रः पृथुहृदयकटिः पीनबाहु प्रवक्ता ।
दीर्घासो दीर्घकण्ठो जलतटवसतिः शिल्पविद् गूढगुह्यः ।।
शूरोदृष्टोऽस्थिसारो विततबहुबलः स्थूलकण्ठोऽष्टघोणो ।।
बन्धुस्नेही कृतज्ञो धनुषिशशिधरे संहताग्नि प्रगल्भः ।।
सारावली**

आपको निष्क्रिय होकर बैठना अच्छा नहीं लगेगा अतः किसी न किसी कार्य को करने में हमेशा तत्पर रहेंगे। आपके वाक्चातुर्य से सभी प्रभावित रहेंगे तथा हृदय से सम्मान करेंगे। त्याग की भावना भी आपके मन में विद्यमान रहेगी। आपका शारीरिक कद भी मध्यम रहेगा तथा अपने अधिकांश कार्यों को साहस पूर्ण सम्पन्न करेंगे। आपके शत्रु आपसे हमेशा पराजित एवं भयभीत रहेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग तथा धनाढ्य लोगों के मध्य आप प्रिय तथा आदरणीय रहेंगे।

**दीर्घास्यकण्ठः पृथुकर्णनासः कर्मोद्यतः कुब्जतनुनृपेष्टः ।
प्रागल्भ्यवाक्त्यागयुतोऽरिहन्ता साम्नैकसाध्योऽश्विभवो बलाढ्यः ।।
फलदीपिका**

आप नाना प्रकार के कार्य तथा कलाओं में दक्षता प्राप्त करेंगे। सदाचारी जीवन यापन करने में आप पूर्ण रूपेण यत्नशील रहेंगे। आपकी प्रवृत्ति हमेशा स्पष्ट बोलने की रहेगी तथा अपने विचारों को उद्भुक्त भाव से अन्य जनों के समक्ष स्पष्ट करेंगे। साथ ही आप अपनी आय के अनुसार ही सोच विचार कर व्यय करेंगे तथा अनावश्यक आर्थिक संकट से सुरक्षित रहेंगे।

बहुकलाकुशलः प्रबलो महाविमलताकलितः सरलोक्तिभाक् ।

शशधरे तु धनुर्धरगे नरो धनकरो न करोति बहुव्ययम् ।।

जातकाभरणम्

आपके समस्त शरीर के अंग सुन्दर एवं सुगठित रहेंगे। साथ ही अपने परिवार या कुल में श्रेष्ठ तथा सम्माननीय रहेंगे। इंजीनियरी या चित्रकला के क्षेत्र में आप जीवन में विशेष सफलता अर्जित कर सकेंगे।

सौम्याङ्गो रुचिरक्षणः कुलवरः शिल्पी धनुस्ये विधौ ।।

जातक परिजातः

आप में वीरता का गुण स्वभाव से ही विद्यमान रहेगा। आप एक सत्यवादी व्यक्ति होंगे तथा आजीवन सत्य के अनुपालन करने के लिए प्रयत्नशील रहेंगे। आपकी बुद्धि स्थिर रहेगी एवं चंचलता का इसमें अभाव रहेगा अतः आपके समस्त कार्य दृढ़ता पूर्वक सम्पन्न होंगे। सत्वगुण से भी आप सुप्रसन्न रहेंगे तथा आपके हृदय में अन्य लोगों के प्रति द्वेष की भावना नहीं रहेगी। अपितु सब के प्रति स्नेह का भाव ही विद्यमान रहेगा। आपका स्वरूप देखने में सुन्दरता से युक्त रहेगा तथा आपको गुणवती तथा बुद्धिमती स्त्री की प्राप्ति होगी। जिससे गृहस्थ सुख उत्तम रहेगा। शरीर से आप स्थूल होंगे तथा कभी कभी आप ऐसा कार्य करेंगे। जिससे समस्त कुल या परिवार को परेशानी या चिन्ता की अनुभूति करनी पड़ेगी। इसके अतिरिक्त समाज के सभी वर्गों में आपकी लोकप्रियता भी रहेगी।

शूरः सत्यधियायुक्तः सात्विको जननन्दनः ।

शिल्पविज्ञान सम्पन्नो धनाढ्यो दिव्यभार्यकः ।।

मानसागरी

आप एक गुणवान व्यक्ति होंगे तथा समाज में श्रद्धा एवं सम्मान के पात्र समझे जाएंगे। साथ ही आप अपने भाईयों में भी उत्तम होंगे। आपकी प्रवृत्ति भी धार्मिकता से युक्त रहेगी तथा देवता, ब्राह्मण एवं गुरुओं के प्रति आपके मन पूर्ण श्रद्धा एवं विश्वास रहेगा तथा समयानुसार आप इनकी पूजा एवं सेवा कर्म में तत्पर रहेंगे। चलने में आपकी गति दर्शनीय रहेगी। परन्तु सहन शक्ति का आप में प्रायः अभाव ही दृष्टि गोचर होगा।

धनुरिवगुणयुक्तः कीर्तिवाक् पूजनीयः ।

कुलपतिरुपचेता बन्धुर्वर्गेक पात्रः ।।

बहुजन धनयुक्तो देवविप्रर्षि सेवी ।

मृदुगतिरसहिष्णुः कार्मुको यस्य राशिः ।।

जातक दीपिका

राक्षस गण में उत्पन्न होने के कारण आपका स्वभाव अधिक तथा व्यर्थ बोलने वाला होगा। आपका हृदय भी कठोरता के भाव से अधिक युक्त रहेगा एवं करुणा की न्यूनता रहेगी परन्तु आप एक निर्भय तथा साहसी व्यक्ति होंगे। अतः निर्भयता पूर्वक



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करेंगे। आप में उग्रता की भी प्रबलता रहेगी अतः प्रायः छोटी छोटी बातों में शीघ्र ही उत्तेजित होकर इसका प्रदर्शन करेंगे। अपने कार्य सिद्धि के लिए कोई भी कार्य करने के लिए तत्पर रहेंगे। आपके अन्दर शारीरिक शक्ति का अभाव नहीं रहेगा तथा अन्य जनों से यदा कदा परस्पर विवाद होता रहेगा।

जीवन में आप उन्माद तथा प्रमेह आदि रोगों से भी व्याकुलता की अनुभूति कर सकते हैं। आपका शारीरिक स्वरूप भी आकर्षक रहेगा तथा वाणी में भी कभी कभी कठोरता का भाव विद्यमान होगा। जो श्रोता को अच्छा नहीं लगेगा। अतः प्रयत्नपूर्वक अपने सम्भाषण में मधुर शब्दों का ही प्रयोग करें।

अनल्पजल्पश्च कठोरचित्तः स्यात्साहसी क्रोधपरोद्धतश्च ।

दुःशीलवृत्तः कलीकृत्वलीमान रक्षोगणोत्पन्नरो विरोधी ।।

जातकभरणम्

अर्थात् राक्षस गण में उत्पन्न जातक व्यर्थ बोलने वाला, कठोर, साहसी, अकारण ही क्रोधित होने वाला, नीच प्रकृति से युक्त, झगडू, बलवान तथा अन्य लोगों का विरोधी होता है।

श्वान योनि में उत्पन्न होने के कारण आप उत्साह पूर्वक सर्वदा अपने कार्यों को सम्पन्न करते रहेंगे। फलतः अधिकांश कार्यों में सकारात्मक फलों की प्राप्ति होगी। आप साहस तथा निर्भयता से युक्त होकर समस्त सांसारिक समस्याओं का सामना करेंगे। तथा उनके निराकरण में पूर्ण रूपेण सफल रहेंगे। बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबंध रहेंगे। साथ ही माता पिता के प्रति आपके मन में निःस्वार्थ श्रद्धा एवं सेवा का भाव विद्यमान रहेगा तथा इसी भाव से आप हमेशा उनकी सेवा में तत्पर रहेंगे।

सोद्यमः सुमहोत्साही शूरः स्वज्ञाति विग्रही ।

मातृपित्रो सदाभक्तः श्वानयोनौसमुद्भवः ।।

मानसागरी

अर्थात् श्वान योनि में उत्पन्न जातक उद्यमी, उत्साह से परिपूर्ण, शूरवीर, अपने बन्धुवर्ग से द्वेष रखने वाला तथा माता पिता का भक्त होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा की स्थिति षष्ठ भाव में स्थित है। अतः माता के आप प्रिय रहेंगे। उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। परन्तु समय समय पर उन्हें शारीरिक परेशानी होती रहेगी। धन सम्पत्ति का उनके पास अभाव नहीं रहेगा एवं जीवन में आपको पूर्ण सहायता प्रदान करेंगी। साथ ही आपके कार्यों के व्यवधान आदि को भी दूर करने के लिए प्रयत्नशील रहेंगी एवं आपकी सफलता की हमेशा इच्छुक रहेंगी।

आप भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धावान रहेंगे एवं आजीवन उनकी सेवा के लिए तत्पर रहेंगे। साथ ही समय समय पर उनको अपनी ओर से वांछित सहयोग तथा सहायता भी प्रदान करेंगे। आपके संबंध मधुर रहेंगे लेकिन यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद होंगे जिससे कभी कभी



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अप्रिय स्थिति उत्पन्न होगी परन्तु कुछ समय उपरान्त सब कुछ ठीक हो जाएगा।

आपके जन्म समय में सूर्य छठे भाव में स्थित है अतः पिता के आप प्रिय रहेंगे। उनका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा आयु भी अच्छी होगी। धनैश्वर्य से वे सर्वदा युक्त रहेंगे एवं जीवन में समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। इसके साथ ही वे आपको शत्रुओं तथा अन्य सांसारिक कष्टों से नित्य सुरक्षित रखने के लिए भी तत्पर रहेंगे।

आप भी उनका हमेशा हार्दिक सम्मान करेंगे एवं नित्य उनकी आज्ञा पालन करने में भी तत्पर रहेंगे। आपके आपसी संबंध मधुर होंगे परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद भी उत्पन्न होंगे जिससे कुछ समय के लिए संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा परन्तु उसके बाद सब कुछ सामान्य एवं पूर्ववत् हो जाएगा। इसके साथ ही आप जीवन में उन्हें हमेशा वांछित आर्थिक तथा अन्य प्रकार की सहायता करते रहेंगे तथा अपनी ओर से उन्हें किसी भी प्रकार की कष्टानुभूति नहीं होने देंगे।

आपके जन्म समय में मंगल तृतीय भाव में स्थित है अतः भाई बहिनों का आपको मध्यम सुख प्राप्त होगा। उनका स्वास्थ्य अच्छा होगा परन्तु यदा कदा शरीर से वे अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे। धन सम्पत्ति का उनके पास अभाव नहीं रहेगा तथा जीवन के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण क्षेत्रों में वे आपको अपना सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही सुख दुःख में भी वे आपको आर्थिक तथा अन्य प्रकार से सहायता प्रदान करेंगे। इसके साथ ही आजीविका एवं व्यापार संबंधी कार्यों में भी आपको उनका सहयोग प्राप्त होता रहेगा।

आपके हृदय में भी उनके प्रति स्नेह का भाव विद्यमान रहेगा। आप के आपसी संबंध मधुर रहेंगे। परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेदों के उत्पन्न होने पर इसमें कटुता का भी वातावरण बनेगा लेकिन यह अस्थायी रहेगा। साथ ही सुख दुःख एवं समस्त महत्वपूर्ण कार्यों में आप उन्हें अपना आर्थिक तथा अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करेंगे। इस प्रकार मिलजुल कर आप अपनी अधिकांश समस्याओं का समाधान करके प्रसन्नानुभूति प्राप्त करेंगे।

आपके लिए श्रावण मास, तृतीय अष्टमी तथा त्रयोदशी तिथियां, भरणी नक्षत्र, वज्र योग, तैतिल करण, शुक्रवार प्रथम प्रहर तथा मीन राशिस्थ चन्द्रमा अशुभ फल प्रदान करने वाले रहेंगे। अतः आप 15 जुलाई से 14 अगस्त के मध्य 3,8,13 तिथियों भरणी नक्षत्र, वज्र योग तथा तैतिल करण में कोई भी शुभ कार्य व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण, कय विकय आदि अन्य शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न न करें। अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही अधिक होगी। साथ ही शुक्रवार प्रथम प्रहर तथा मीन राशि के चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में वर्जित ही रखें। इन दिनों तथा समय में शारीरिक सुरक्षा तथा स्वास्थ्य के प्रति ध्यान रखना चाहिए।

यदि आपके लिए समय अनुकूल न चल रहा हो, मानसिक उद्विग्नता, शारीरिक व्याकुलता, व्यापार में हानि, नौकरी या पदोन्नति में असफलता या अन्य कार्यों में सिद्धि नहीं मिल रही हो तो ऐसे समय में आपको अपने इष्ट देव हनुमान जी की आराधना करनी चाहिए एवं मंगलवार के उपवास भी सम्पन्न करने चाहिए। साथ ही

सोना, पुखराज, पीतवस्त्र, पीतपुष्प, चने की दाल, हल्दी आदि, पदार्थों का श्रद्धा पूर्वक किसी सुपात्र को दान करना चाहिए। ऐसा करने से आपको मानसिक शान्ति मिलेगी तथा अशुभ फलों में भी न्यूनता होगी। इसके अतिरिक्त वृहस्पति के तांत्रिक मंत्र के किसी योग्य विद्वान के द्वारा कम से कम 16000 जप कराने चाहिए। इससे आपके समस्त अशुभ फल कम होंगे तथा अन्य लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे।

ॐ ग्रां ग्रीं ग्रो सः वृस्पतये नमः ।

मंत्र- ॐ ऐ क्लीं वृहस्पतये नमः ।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी स्वऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या अधिक से अधिक दस-दस रुपये जितने भी रुपये सभी दे सकें) इकट्ठा कर के धर्म स्थान पर सामूहिक यज्ञ करें।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का

अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नींव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से मुक्त है।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्यमय आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है। सबसे बराबर-बराबर पीली कौड़ियां लेकर उसी दिन एक जगह इकट्ठी करके जला कर उनकी राख उसी समय जल में प्रवाहित कर देना।

पितृ ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती हैं।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पितृ ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या दस-दस रुपये अधिक से अधिक जितने भी रुपये दे सकें) लेकर उसी दिन मंदिर में दान कर देना आदि।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या



FUTUREPOINT
Astro Solutions



तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात् दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से मुक्त है।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से मुक्त है।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालों की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बीमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, भाई का परिवार चाचा-ताया के परिवार के सदस्य, बेटा-बुआ आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर 100 कुत्तों को एक ही दिन में खिलाना।

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली के छठे खाने में सूर्य पड़ा है। इसकी वजह से आपको ननिहाल से सुख मिलेगा और मुकद्दमें में जीत होगी। मित्र और शत्रु आप से दब कर रहेंगे। आप अपने भाग्य से संतुष्ट रहेंगे। आप अपने भाग्य पर भरोसा रखेंगे, बेफिक्र रहेंगे। आपका जन्म ननिहाल या अस्पताल में हुआ होगा। शारीरिक सुख अच्छा रहेगा। पुत्र जन्म के बाद अगर बुरा समय हो तो अच्छा समय आएगा अर्थात् लड़के की पैदाइश के बाद आपका जीवन स्थिर हो जाएगा और आपका भाग्योदय होगा। पिता का रुतबा और बढ़ेगा। पत्नी एवं संतान का सुख मिलेगा। आप अधिक पुत्रवान होंगे। दूसरी औरत के साथ संबंध रहेगा ऐसी संभावना है। आपके चरित्र पर कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ेगा। आप अपना काम बदल सकते हैं और उस बदले हुए काम से अच्छा फल मिलेगा। बुढ़ापे में रात का आराम, पूजा-पाठ, दान-पुण्य का शुभ असर मिलेगा। डाक्टर/कैमिस्ट के काम से लाभ होगा।

यदि आपने बहन से धन की ठगी की, सरकारी अधिकारियों से धोखा किया और मुकद्दमेबाजी में अपना ध्यान रखा, हर समय दूसरों की तरफ मांगने की नीयत रखी तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य का मंदा असर, कोर्ट में मुकद्दमों पर अधिक खर्च होगा। पांव में खराबी हो सकती है। पापी ग्रहों के संयोग से बुरा समय आरंभ होगा। जीवन में एक बार पतन होना संभव है। मामा का हाल खराब रहेगा। गुस्सा अधिक आएगा या रक्तचाप का रोग होगा। आपके नौकरी-व्यापार में बार-बार तबदीली हो सकती है। सूर्य का मंदा समय 21-22 साल की उम्र में होगा, स्त्री पर भी बुरा असर पड़ सकता है। आप अपने बाप या बेटे के साथ एक शहर या गांव में रह कर धन नहीं कमा सकते हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. बहन से झगड़ा न करें।
2. समय कैसा भी रहे दान या कर्ज न मांगें।

उपाय :

1. चांदी या दरिया का पानी घर में कायम करें।
2. बंदर को गेहूं-गुड़ खिलायें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा छठे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से कन्या संतान अधिक होंगी। आप योजना बनाने में कुशल और बुद्धिमान होंगे। मुकद्दमे में आपको सफलता मिलेगी। मामा पक्ष के लोगों से सहयोग और लाभ की संभावना है। जैसी करनी वैसी भरनी की



FUTUREPOINT
Astro Solutions



नसीहत को आप हर दम याद रखेंगे। आपकी बुआ-बहन-लड़की सुखी रहेगी। नौकरी-व्यापार में बार-बार तबदीली का योग है, आप तड़पते हुए व्यक्ति के मुंह में पानी डालने वाले सबके हमदर्द होंगे। आपको गरीबी का मुंह नहीं देखना पड़ेगा। आप किसी गंभीर रोग के रोगी नहीं होंगे।

यदि आपने बहन-बेटी का धन प्रयोग किया, अपना भेद किसी को बताया, सूर्यास्त के बाद दूध पिया, छबील या प्याऊ लगाया या आम लोगों के लिए धर्मार्थ कुआं, हैंड पंप लगाया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आपको माता के सुख में कमी आ सकती है या सौतेली मां के साथ बचपन बिताना पड़ सकता है। 24 वर्ष की आयु में यदि आम जनता के लिए कुआं या पानी का साधन लगवायेंगे तो उसका बुरा असर माता और संतान पर पड़ेगा। आपकी स्त्री की आंख में कुछ खराबी होने की संभावना है। आपके ससुराल पक्ष के लोगों का नुकसान होने की उम्मीद है। शत्रु आप से भय खाएंगे। कोर्ट-कचहरी का झमेला आपको झेलना पड़ सकता है। आपको कभी-कभी गंभीर चिंता करनी पड़ सकती है। आप जब कभी बिना सोचे-समझे काम करेंगे तो सामने परेशानी आ सकती है। माता को कष्ट रहेगा, मौत तक भारी समय आयेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. 24 वर्ष की आयु में मुफ्त पानी दान का साधन कायम न करें।
2. किसी को अपना भेद न बताएं।
3. सूर्यास्त के बाद दूध न पियें।

उपाय :

1. शमशान-अस्पताल में पानी का साधन कायम करना शुभ है।
2. माता को कष्ट के समय खरगोश पालें।
3. चन्द्र ग्रहण में 4 सूखे नारियल जल प्रवाह करें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में मंगल चौथे खाने में है। इसकी वजह से लाल किताब के अनुसार चौथे खाने में मंगल हो तो व्यक्ति मंगलीक होता है। अतः आप मंगलीक हैं। आप दूसरों को नसीहत देने वाले हैं। दूसरे की शरारत का जबाब देने के लिए आप हिम्मत अधिक रखते हैं। आप अपने परिवार के सदस्यों की मदद करेंगे, आप किसी का बुरा नहीं करेंगे। आपको स्त्री और संतान का सुख मिले सुख बाधा की आशंका है। सुख के साधन रहने पर भी उत्तम सुख नहीं मिलेंगे। आपका अपना भवन एवं वाहन होगा। आपके मन में अचानक उत्तेजना बनी रहती है। स्त्री/माता का सुख साधारण रहेगा।

यदि आपकी दक्षिण दिशा के मुख्य द्वार वाले घर में रिहाईश हुई, ठेक का वृक्ष घर में लगा हुआ हो, अतिकामी हुए, पत्नी से झगड़ा किया, परस्त्री से अनैतिक संबंध रखे, किसी की संतान पर बुरी नजर रखी तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल



FUTUREPOINT
Astro Solutions



मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से आपके मन में बगावत आ जाए तो आप समुद्र में भी आग लगा सकते हैं। ननिहाल और ससुराल में खराबी हो सकती है। आप दुर्घटना से सचेत रहें। खानदानी घर से बाहर, दूसरे घर में रहना लाभदायक होगा। अगर आपके 32 दांत होंगे तो आप जिसको भी बददुआ देंगे तो उसका बुरा हो जायेगा। आपका मंगल माता, सास, पत्नी की मृत्यु का कारण बनाता है। माता-स्त्री की दुर्घटना का भय है। साधारण व्यक्ति भी आप से शत्रुता करेगा। संतान प्राप्ति में कुछ बाधा हो ऐसी आशंका है। आपका वैवाहिक जीवन कष्टमयी या संतान सुख में विघ्न या संतान गोद लेनी भी पड़ सकती है। स्त्री के स्तन या गर्भाशय के आप्रेशन की आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. काले-काने, गंजे, अंगहीन व्यक्ति से संबंध न रखें।
2. निःसंतान व्यक्ति से दूर रहें।

उपाय :

1. हाथी दांत पास रखें।
2. माता, साधू, बंदर की सेवा करें।
3. दांतों को सुबह उठते ही पानी से साफ करें।

बुध

आपकी कुंडली में बुध सातवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप कुलीन होंगे। आप व्यवहार कुशल होंगे। आप प्रिंटिंग प्रेस, डाक्टर/कैमिस्ट का काम, रेडीमेड माल के व्यापार से धन कमाएंगे। नौकरी-व्यापार के लिए तो बुरा असर नहीं होगा। आप अपने काम धन्धे में 34 वर्ष की उम्र तक सफल हो सकेंगे। आपकी विदेश की यात्रा होगी। आप किसी भी प्रकार का काम करें, वह काम प्रारंभ होकर, बिखर जाएगा। आपका ससुराल पक्ष धनी और मजबूत होगा। आपकी तलवार में इतनी ताकत नहीं जितनी आपकी कलम में शक्ति है। कोर्ट-मुकद्दमे में आपकी जीत होगी। आप दूसरों के लिए भी माफिक रहेंगे। आप अपने दोस्तों या परिचित लोगों के सहायक होंगे। आपको दस्तकारी के काम, तकनीक कार्य और लकड़ी के काम में उत्तम फल मिलेगा। आपका जीवन सुलझा हुआ होगा। विज्ञापन या स्वयंवर द्वारा विवाह का योग होता है। आपकी पत्नी उच्च परिवार से होगी।

यदि आपने साहुकारा किया, भाई-साले के साथ साझेदारी की, पत्नी से झगड़ा किया, परस्त्री से चाल-चलन खराब किया तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से आपकी साली से घरेलू संबंध बनेंगे जो कि आपकी बर्बादी का कारण बनेगा। आपके विवाह में गड़बड़ी होगी। अगर विवाह में देरी हो तो 34 वर्ष की आयु तक निश्चित विवाह हो जाएगा। स्त्री से दूरी या तलाक तक की नौबत आ सकती है। आपके भाई-बंधु आपका विरोध करेंगे। झगड़ा-फसाद या मुकद्दमेबाजी या उलझन ज्यादा



FUTUREPOINT
Astro Solutions



प्रभावी नहीं होगी। आपमें बुद्धि की कमी रहेगी। आपमें परिपक्वता देर से आयेगी। आप अपने परिवार को तोड़ सकते हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. बिना सींग की गाय या बकरी न पालें।
2. हरी घास घर में न लगावें।

उपाय :

1. हीरा पहनें/हीरे के अभाव में पन्ना भी पहन सकते हैं।
2. चीनी खा कर पानी पीकर कार्य शुरू करें।

गुरु

आपकी जन्मकुंडली में वृहस्पति दूसरे खाने में पड़ा है। जिसकी वजह से आप गुरु का दायित्व निभाएंगे शिक्षा तथा ज्ञान फैला कर उनकी समस्याओं का हल निकाल लेंगे। आपका गृहस्थ जीवन सुखी होगा। दौलत बहुत आ जाएगी। सरकारी कामकाज के अवसर मिलेंगे। आप अपनी जायदाद खुद बनाएंगे। आपके पिता के आशीर्वाद से आपकी दौलत में वृद्धि होगी। अगर आप सरकारी नौकरी करते हैं तो 27वें साल में सरकारी नौकरी में तरक्की होगी। राजदरबार में सम्मान मिलेगा। आप में हुकूमत करने की ताकत होगी और जीवन की हर मंजिल पर फतह पाएंगे। आपका कुछ बुरा होने वाला होगा उसके पहले आपको पता चल जाएगा। आपको अचानक दबा धन मिलने की संभावना है। आपको विद्या का बहुत लाभ मिलेगा। आपकी पत्नी सुंदर होगी। आप जीवन में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। आप बहादुर होंगे। खेती-बाड़ी या मिट्टी से संबंधित कामों में या कपड़े से संबंधित नौकरी-व्यापार में अच्छा लाभ होगा।

यदि आपने पत्नी का विरोध किया, सर्राफी-जौहरी का काम किया, माता-पिता का विरोध किया या माता-पिता को कष्ट दिया तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से आपकी नजर पर बुरा प्रभाव पड़ने की शंका है। बुढ़ापे में स्वास्थ्य और आर्थिक हालत अच्छी नहीं रहेंगे। आपको दूसरे के झगड़े में पड़ने से नुकसान उठाना पड़ेगा। आप कुछ दुःखी रहेंगे ऐसी आशंका है। आप में बेरहमी भी होगी। पुलिस/कोर्ट से दंड/जुर्माना का भय रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. सर्राफी/जौहरी के काम न करें।
2. चाल-चलन ठीक रखें।

उपाय :

1. मकान में कच्चा हिस्सा जरूर रखें।
2. केसर/हल्दी का तिलक करें।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली में पांचवें खाने में शुक्र पड़ा है। जिसकी वजह से आप विद्वान, शत्रुहंता, सफेद चीजों से लाभ प्राप्त करने वाले, बच्चों और पूरे परिवार से युक्त एवं स्त्री सुख से परिपूर्ण रहेंगे। आप अपनी जाति से प्रेम करने वाले होंगे। आप दुनिया में रह कर भी दुनियादारी की बातों से अपने को मुक्त प्रमाणित करेंगे। विवाह के पांच वर्ष के बाद धन-संपत्ति और नौकर-चाकरों का सुख अधिक प्राप्त होगा। पदोन्नति भी होगी। आपकी पत्नी वफादार होगी। आपकी पत्नी के जिंदा रहने तक आपको किसी चीज का अभाव नहीं होगा। कोई बहुत बड़ी रुकावट नहीं आएगी। आपकी दौलत-माया बढ़ेगी। आप अपने खानदान वालों को प्यार करेंगे तो इसका असर आप पर अच्छा ही पड़ेगा। भाई के लिए भी आप अनुकूल रहेंगे। आपके परिवार में हर तरह की बरकत होगी जैसे-धन, परिवार एवं सुख शांति। आपको अपने देश से प्रेम रहेगा।

यदि आप चरित्रहीन हुए तो वृक्ष में फंसे पतंग की तरह का हाल होगा, माता-पिता की मर्जी के खिलाफ शादी या लड़की देख कर शादी की तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से आप आशिक मिजाज और कामांध होंगे। जिस वजह से आपका सुख बाधित हो सकता है। गंदी सोहबत और प्रेम संबंधों में फंस कर आपकी किस्मत भी कांटों में फंस जाएगी। आप साथियों पर कई प्रकार के झंझट पैदा करेंगे। आप दिन में ज्ञान एवं रात में इश्क स्नान करने वाले होंगे। गर्भपात का भय या संतान देर से होगी, बहन-बुआ का धन नाश होगा, प्रेम-विवाह किया तो पुत्र सुख से वंचित रहेंगे, ऐसी शंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. स्त्रियों के रसिया न बनें।
2. प्रेम विवाह या अंतर्जातीय या माता-पिता की इच्छा के विरुद्ध विवाह न करें।

उपाय :

1. शरीर पर दूध/दही से मलकर नहाएं।
2. गाय की सेवा करें।

शनि

आपकी जन्मकुंडली में शनि पांचवें खाने में पड़ा है। जिसकी वजह से मकान बनवाना संतान के लिए हानिकारक है। यदि मकान बन जाए तो 48 वर्ष तक आपको संतान



FUTUREPOINT
Astro Solutions



सुख नहीं होगा या संतान से संबंधित मुसीबत हो सकती है। आपकी संतान मकान बनाये तो लाभ रहेगा। आपका स्वभाव धर्म देवता के समान है और स्वभाव भोले बादशाह के जैसा होगा अर्थात् आप दिखने में भोले-भाले होंगे लेकिन काम करने में चतुर होंगे। आपकी आर्थिक हालात सुधरेगी। अभिमान और अक्ल की बारीकी से अपनी जिंदगी को कामयाब बनाएं। आपकी किस्मत अच्छी होगी। आप अपनी मर्जी के मालिक होंगे। आप काम-काज बड़ी सफाई से करेंगे। आपकी प्रबंध व्यवस्था अच्छी होगी। अधिक संतान सुख की संभावना कम है। आप राजकीय सेवा में हैं तो आपको राज्य पक्ष से लाभ होगा। आप तकनीकी कामों से संबद्ध रहेंगे इसलिए आपकी पूछ हर जगह होगी। आपकी तरक्की भी होगी। कोई जमीन से या आकस्मिक धन प्राप्ति के भी योग बनेंगे।

यदि आपने 48 वर्ष से पहले मकान बनाया, भाई-बंधुओं आदि से चोरी-छगी की, आपके शरीर पर अधिक बाल हुए मांस-मदिरा का सेवन किया तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से पेट में खराबी, विद्या में रुकावट, शराब-मछली का सेवन करने से खानदान नष्ट हो जाने का भय होता है। आपको सांप से डंक का भय है। आपकी आर्थिक हालत पर बुरा असर पड़ सकता है। 48 वर्ष की आयु तक पुत्र या मकान दोनों में से एक का सुख मिलेगा। विवाह एक से अधिक होने पर भी संतान सुख नहीं मिलेगा या बच्चा गोद लेना पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. शराब-मांस-मछली का सेवन न करें।
2. 48 वर्ष आयु से पहले मकान न बनावें।

उपाय :

1. सोना-केसर पास रखें।
2. सांप को दूध पिलावें।

राहु

आपकी जन्मकुंडली के तीसरे खाने में राहु पड़ा है। इसकी वजह से आपका भविष्य उज्ज्वल रहेगा। आपका सितारा बुलंद रहेगा। आपके सामने दुश्मन सिर नहीं उठा सकेंगे। आप भविष्य में जीवन में घटने वाली घटना को पहले ही जान जाएंगे। किसी भी घटना के बारे में भविष्य का हाल दो वर्ष पहले जान जाएंगे। आपके सभी अरमान पूरे होंगे। आपकी कलम से लिखी बात में तलवार से भी पैनी धार साबित होगी। काफी धन-संपत्ति के स्वामी और शत्रुहंता होंगे। संतान का पूरा सुख मिलेगा। आपके जीवन का 22वां वर्ष उन्नतिकारक होगा। आप शाही जीवन बिताएं। आप धर्म में कम श्रद्धा रखेंगे। आप अपनी उम्र में पूरी तरह सुखी होंगे। आपका हौसला बुलंद रहेगा। आप दिलेर और निर्भय रहेंगे। आपकी गिनती बड़े लोगों में होगी। पत्नी-दौलत का अच्छा सुख मिलेगा। आपकी औलाद भी धनवान होगी।

यदि आपने अपने पास या घर में हाथी दांत रखा, हाथियों के 3-3 खिलौने रखे, हाथियों से संबंधित कामों का व्यापार किया, बहन-बेटी-लड़की का धन प्रयोग किया तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से घर में कोई स्त्री विधवा हो सकती है। आपके भाई के लिए इस ग्रह का फल मंदा रहेगा। आपका भाई धोखाधड़ी करके आपका धन हड़प लेगा। आप पर कर्ज का बोझ पड़ेगा परंतु अपनी बुद्धिमता से कर्ज का बोझ उतार लेंगे। नौकरी-व्यापार में परेशानी होगी, संतान पर 34 वर्ष आयु तक बुरा फल हो ऐसी आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. हाथी दांत पास न रखें।
2. तीन-तीन हाथी के खिलौने घर में न रखें।

उपाय :

1. ठोस चांदी घर में न रखें।
2. कन्याओं की सेवा या दुर्गा पाठ करें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली के नौवें खाने में केतु पड़ा है। जिसकी वजह से आपकी प्रगति होती रहेगी तबदीली कम होगी। आप पिता के आज्ञाकारी होंगे। सामने वाले व्यक्ति के मन को भाप लेंगे। आप धनवान और भाग्यवान होंगे। आप जन्मस्थान से दूर रहेंगे। आपकी संतानें दूरदर्शी होंगी। आपकी 48 वर्ष की आयु तक पिता की स्थिति अच्छी रहेगी। आप बलवान, भरोसेमंद और अपनी कमाई से बड़े आदमी बनेंगे। आप समाज सेवक होंगे। आपका जीवन परदेश में बीतेगा। धन-संपत्ति और घर के प्रभाव की वृद्धि होगी। आपकी सोलह वर्ष आयु के बाद शुभ असर शुरू होगा। आप अपने बेटे की सलाह से कोई काम करेंगे तो शुभफल प्राप्त होगा। आप माता-पिता और खानदान को तारेंगे। आपका अपना अच्छा रुतबा रहेगा। आप कोई बड़े अफसर बन सकते हैं। आपके यदि पुत्र होंगे तो दीर्घायु होंगे। आपका आर्शीवाद नामर्द को मर्द बना सकता है।

यदि आपने कुत्ते को चोट मारी या कुत्ते से नफरत की, चोर-डाकू को यदि आप साथ रखेंगे, परस्त्री से चाल-चलन खराब करेंगे तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से शारीरिक कष्ट या जोड़ का दर्द होगा। धन की चिंता बनी रहेगी। प्रगति कम और तबदीली अधिक होगी। विवाह के 7 वर्ष बाद संतान पैदा हो, ऐसी आशंका है। आपकी बहन को पुत्र प्राप्ति न होगी या पुत्र सुख न होगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चोर-डाकू का साथ न रखें।
2. कुत्ते को चोट न मारें।

उपाय :

1. शुद्ध सोने की ननतियां कानों में पहनें।
2. शुद्ध सोने की चौरस ईंट घर में रखें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

लाल किताब के उपाय

लाल किताब के उपाय कब और कैसे करें !

1. उपाय सूर्य निकलने के बाद सूर्य छिपने तक दिन के समय करें, रात के समय उपाय करना कई बार अशुभ फल दे सकता है। केवल चन्द्र ग्रहण का उपाय रात को किया जा सकता है।
2. उपाय शुरू करने के लिए किसी खास दिन सोमवार या मंगलवार आदि, सक्रांति, अमावस्या या पूर्णिमा आदि का कोई विचार नहीं होगा।
3. आप का कोई खून का संबंधी रिश्तेदार जैसे भाई-बहन, माता-पिता, दादा-दादी, पुत्र-पुत्री आदि में से उपाय कर सकता है जो फलदाई होगा।
4. एक दिन में केवल एक ही उपाय करें, एक दिन में दो उपाय करने से शुभ फल नहीं मिलता या किया हुआ उपाय निष्फल हो सकता है।
5. जो परहेज बताए जाये जैसे मांस-मछली न खावें, मदिरा का सेवन न करें, चाल-चलन ठीक रखें, झूठ न बोलें, जूठन न खावें न खिलावें, नियत में खोट न रखें, परस्त्री-परपुरुष से संबंध न करें, आदि का विशेष ध्यान रखें।
6. जो उपाय जिस समय के लिये लिखा है उसी समय तक करें, आगे यह उपाय बंद कर दें।
7. यदि किसी कारण उपाय बीच में बंद करना पड़ जाय तो जिस दिन उपाय बन्द करना है उससे एक दिन पहले थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांध कर पास रख लें और जब दुवारा उपाय शुरू करना हो वह चावल धर्म स्थान में या चलते पानी में या किसी बाग-बगीचे आदि में गिरा कर उपाय फिर शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल मिलेगा।
8. हर उपाय 43 दिन या 43 सप्ताह या 43 मास या 43 वर्ष तक करना होता है, उपाय चलते समय बीच में टूट जाए चाहे 39वां दिन क्यों न हो सब निष्फल हो सकता है या शुभ फल में कमी रह सकती है।
9. जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रहों का वर्षफल कुण्डली में उपाय अपने जन्मदिन से लेकर 40-43 दिन के भीतर ही करें।
10. घर में कोई सूतक (बच्चा जन्म हो) या पातक (कोई मर जाय) हो जाय तो 40 दिन उपाय नहीं करने चाहिये।
11. बुजुर्गों के रीति-रिवाजों को न तोड़ें और संस्कार पूरे करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



शिक्षा संबंधी - 2025

यह वर्ष आपके लिए प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता की दृष्टि से अनुकूल रहेगी। पंचम स्थान पर गुरुग्रह की दृष्टि विद्यार्थियों के लिए शुभ है। यदि उत्तम शिक्षा हेतु उच्च शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश पाना चाहते हैं तो वर्ष का प्रारम्भ शुभ है।

मई के बाद आपको प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता प्राप्त होगी। बेरोजगार जातकों को मनोनुकूल रोजगार प्राप्त होगा।

जनवरी 2025 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रहों की स्थिति आपकी उच्च शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा के पक्ष से उत्तम नहीं बनी हुई है। इस अवधि में अतिरिक्त प्रयास करने से आप स्थिति को बेहतर करने में सफल रहेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले लोगों को अपनी सफलता सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग करनी चाहिए। तकनीकी पाठ्यक्रम के छात्रों को भी अपनी पाठ्य पुस्तकों का पहले से अधिक एकाग्रचित और समर्पित होकर अध्ययन करना होगा। यही स्थिति चिकित्सा छात्रों के लिए भी बनी हुई है। जो छात्र भाषा, साहित्य, जन-संचार, पत्रकारिता जैसे विषयों में अध्ययन कर रहे हैं उन्हें ओर अधिक अध्ययन करना होगा। ध्यान और स्मरण शक्ति की कमी आपके लिए इस समय में परेशानी का कारण बन सकती हैं। आपका आत्म मुखर और तार्किक होकर सीखने से अध्ययन कार्यों में सफलता प्राप्त करना आपके लिए असंभव हो जायेगा।

फरवरी 2025 के लिए फलादेश

इस माह में शैक्षिक क्षेत्र में सफल होने के पक्ष से सितारों की स्थिति आपके लिए अनुकूल नहीं बन रही हैं। अध्ययन करने के लिए आपको स्वयं मानसिक रूप से तैयार रहना होगा। सफलता प्राप्ति के लिए आपको इस अवधि में अतिरिक्त अध्ययन करना होगा। परीक्षा की तैयारियों में कमी बनी हुई है। वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए प्रयासों को भी बढ़ाना होगा। तकनीकी अध्ययन में लगे व्यक्तियों को प्रयोगात्मक विषयों पर अधिक मेहनत करनी होगी। विशेष रूप से ऐसे व्यक्ति जो हस्त कला से जुड़े क्षेत्रों में अपना कौशल दिखा रहे हों। ऐसे वर्ग को पाठ्य पुस्तकों पर अधिक से अधिक ध्यान देना होगा। शैक्षिक क्षेत्र में आत्मकेन्द्रित होना आपके लिए सही नहीं होगा। सीखने और कौशल को प्रदर्शित करने के लिए समय की शुभता सहयोग नहीं कर रही हैं। शैक्षिक विषयों में आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। तथा कलात्मक क्षेत्र के छात्रों के लिए समय की परिस्थितियां कठिन बनी हुई हैं।

मार्च 2025 के लिए फलादेश

शैक्षिक क्षेत्र में सराहनीय सफलता प्राप्ति के लिए समय की शुभता बनी हुई है। इस अवधि में अपना विशेष कौशल दिखाने के अवसर प्राप्त होंगे। यह माह छात्र वर्ग के लिए उपयोगी माह बना हुआ है। छात्र वर्ग पर सितारों की उदारता बनी हुई है। इसके अतिरिक्त

तकनीकी उपाधि के लिए अध्ययनरत छात्र योग्यतानुसार परिणाम प्राप्त करेंगे। मैं केनिकल या इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग छात्रों के लिए यह समय विशेष उपयोगी बना हुआ है। माह अवधि में चिकित्सा क्षेत्र में अध्ययन प्राप्त कर रहे छात्रों के लिए शिक्षा क्षेत्र का वातावरण सुखद बना हुआ है। हस्त कला विद्यार्थियों को भी अपना कौशल प्रदर्शित करने के पर्याप्त योग बन रहे हैं। सजरी सिखने वाले छात्रों को इस क्षेत्र में निपुणता प्राप्त होगी। ऐसे छात्र उल्लेखनीय सफलता स्कोर प्राप्त करेंगे। कलात्मक विषयों के लिए भी छात्र अपनी कला का जादू दिखाने में सफल रहेंगे।

अप्रैल 2025 के लिए फलादेश

इस माह अवधि में छात्रों के द्वारा शैक्षिक प्रयास सकारात्मक बने हुए हैं। माह अवधि में सितारों की स्थिति शुभ फलदायक बनी हुई है। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों को इस अवधि में विशेष शुभ परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। जो छात्र छात्रवृत्ति या अनुदान प्राप्ति के लिए तत्पर हैं उनकी मनोकामना पूर्ण होगी। अध्ययन कार्यों में मन लगेगा। विषयों को ग्रहण करने की योग्यता आपमें इस अवधि में अधिक बनी हुई है। जो छात्र कानून विषयों का अध्ययन कर रहे हैं उनके लिए समय अनुकूल बना हुआ है। तकनीकी छात्रों का शैक्षिक प्रदर्शन औसत से अधिक रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले छात्रों को मनोकूल फलों की प्राप्ति होगी।

मई 2025 के लिए फलादेश

यह माह छात्र वर्ग की शैक्षिक गतिविधियों के पक्ष से सहज बना हुआ है, क्योंकि इस माह के सितारों अनुकूल फल प्राप्ति की संभावनाएं दे रहे हैं। फिर भी उच्च शिक्षा प्राप्ति में कुछ परेशानी हो सकती है। तकनीकी विषयों में शिक्षा अर्जित कर रहे छात्रों को अपना कौशल और निपुणता दिखाने के लिए पाठ्यक्रम सरल महसूस हो सकता है। वास्तव में यह समय महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त करने में आपको सहयोग कर रहा है। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्र कोचिंग कार्यों में रुचि लेकर सहजता के साथ अध्ययन कार्यों को पूर्ण करेंगे। सफलता सुनिश्चित करने के लिए यह सही समय है तथा कलात्मक विषयों के छात्रों का मन कला क्षेत्र में लगने की संभावनाएं बन रही हैं।

जून 2025 के लिए फलादेश

शैक्षिक क्षेत्र में प्रयासों के पक्ष से यह माह आपके लिए काफी कुछ बाधायुक्त बना हुआ है। सितारों की स्थिति आपके लिए अनुकूल नहीं बन रही है। अधिकतर विषयों का आपको स्वाध्ययन करना होगा। अपने कार्यों की स्वयं समीक्षा करने से स्थिति को बेहतर करने में आप सफल रहेंगे। यही स्थिति तकनीकी क्षेत्र में अपना कौशल दिखा रहे छात्रों के लिए हो सकती है। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले व्यक्तियों को सफलता प्राप्ति के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी चाहिए। यह आपकी सफलता को सुनिश्चित करेगा। इसके अतिरिक्त कलात्मक विषयों में अध्ययन कर रहे छात्रों को भी अतिरिक्त प्रयास करने के बाद ही उद्देश्यों की प्राप्ति होगी। मनोकूल परिणाम प्राप्त करने के लिए आपको हिम्मत और दृढ़ संकल्प के साथ कार्य करना



FUTUREPOINT
Astro Solutions



चाहिए। तकनीकी छात्रों के लिए भी इस माह के ग्रहों की स्थिति बहुत सुखद नहीं बनी हुई है।

जुलाई 2025 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की स्थिति शैक्षिक कार्यों के लिए सकारात्मक बनी हुई है। इस अवधि में आपके लिए सितारों की स्थिति शुभ फलदायक बनी हुई है। शिक्षा जगत से जुड़े वर्ग बहुत जल्द सीखेंगे और अध्ययन कार्यों में रुचि लेकर अपने कौशल को प्रदर्शित करने में सफल रहेगा। उच्च शिक्षा प्राप्ति में संलग्न छात्रों के लिए भी ग्रह योग अनुकूल बने हुए हैं। प्रतिष्ठित छात्रवृत्ति या फेलोशिप प्राप्त करने की स्थिति बन सकती है। कानून क्षेत्र में अध्ययन कर रहे छात्र वर्ग के लिए यह समय लाभकारी रहेगा। तकनीकी विषयों के छात्र अपने प्रदर्शन से संतुष्ट रहेंगे। इन क्षेत्रों में अध्ययन कर रहे छात्र अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता प्राप्ति के लिए अग्रसर रहेंगे।

अगस्त 2025 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की स्थिति शैक्षिक कार्यों के लिए सकारात्मक नहीं बनी हुई है। इस अवधि में सितारों की स्थिति आपके लिए शुभ फलदायक नहीं बनी हुई है। शिक्षा जगत से जुड़ा वर्ग बहुत जल्द नहीं सीख पाएगा और अध्ययन कार्यों में रुचि लेना इनके लिए सहज नहीं होगा। तथा आप अपने कौशल को प्रदर्शित करने में सफल नहीं हो पायेंगे। उच्च शिक्षा प्राप्ति में संलग्न छात्रों के लिए भी ग्रह योग अनुकूल नहीं बने हुए हैं। कुछ प्रतिष्ठित छात्रवृत्ति या फेलोशिप प्राप्त करने के लिए संघर्ष की स्थिति बन सकती है। कानून क्षेत्र में अध्ययन कर रहे छात्र वर्ग के लिए यह समय प्रतिकूल नहीं बना हुआ है। तकनीकी विषयों के छात्र अपने प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं रहेंगे। इन क्षेत्रों में अध्ययन कर रहे छात्र अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता प्राप्ति के लिए प्रयास करते नजर आयेंगे।

सितम्बर 2025 के लिए फलादेश

शिक्षा हासिल करने और भविष्य को बेहतर करने की इच्छा इस माह में आपमें उत्कृष्ट रहेंगी। माह अवधि में आप अपनी योग्यता दिखाने में सफल रहेंगे। शैक्षिक कार्यों को पूर्ण करने के लिए माहौल अनुकूल बना हुआ है। इसके अतिरिक्त ऐसे छात्र जिन्हें अपना अध्ययन कार्य करने के पर्याप्त अवसर प्राप्त नहीं हो पाते हैं, उनके लिए भी स्थिति पहले से उत्तम बनी हुई है। अनुकूल समय में आपके लिए अच्छे अवसर खोजना कठिन नहीं होगा। इसके अलावा यह भी संकेत मिल रहे हैं कि आपको अपने हाथ का कौशल प्रदर्शित करने के अवसर प्राप्त होंगे। आपके अध्ययन का स्कोर भी सामान्य से अधिक रहेगा। माह अवधि में तकनीकी विषयों से जुड़े व्यक्तियों के लिए यह समय उल्लेखनीय सफलता दे सकता है। तथा कलात्मक विषयों के छात्रों के लिए अपनी कला दिखाना उपयोगी साबित होगा।

अक्टूबर 2025 के लिए फलादेश

सामान्य शिक्षा और व्यावसायिक क्षेत्रों में शिक्षा प्राप्ति के लिए इस माह के सितारों की स्थिति सुखद बनी हुई है। अतः यह माह छात्र वर्ग के लिए सौहार्दपूर्ण बना हुआ है। छात्र तकनीकी क्षेत्रों में अध्ययन रत है वे अपनी परीक्षाओं में अनुकूल परिणाम प्राप्त कर अपना कौशल दिखाने में सफल रहेंगे। माह अवधि की परिस्थितियां ऐसे छात्रों के लिए अनुकूल बनी हुई हैं। इन छात्रों के लिए मौखिक, लिखित और प्रयोगात्मक परीक्षाओं के लिए भी ग्रहों की स्थिति सकारात्मक बनी हुई है। शैक्षिक क्षेत्र में आपका कौशल सराहनीय रहेगा। फिर भी कुछ विषयों में आपको फिर से अभ्यास की आवश्यकता पड़ सकती है। मनोकूल परिणाम प्राप्त करने के लिए आपको अपने प्रयासों में किसी तरह की कोई कसर नहीं छोड़नी चाहिए। भाषा, साहित्य, पत्रकारिता और अन्य जन-संचार क्षेत्रों से जुड़े छात्रों के लिए परिस्थितियां उत्तम बनी हुई हैं।

नवम्बर 2025 के लिए फलादेश

यह माह आपकी शैक्षिक गतिविधियों के लिए बहुत अच्छा बना हुआ है। इस माह के सितारों की शुभता आपको शैक्षिक विषयों में प्राप्त हो रही है। तकनीकी क्षेत्रों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम अनुकूल बना हुआ है। इस अवधि में तकनीकी विषयों के छात्रों का कौशल प्रदर्शन सामान्य से अधिक रहेगा। इस अवधि में छात्र अपनी क्षमता दिखाकर अपनी निपुणता सिद्ध कर पायेंगे। माह अवधि में आप अपने प्रयासों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करेंगे। कलात्मक विषयों के छात्रों को अनुकरणीय सफलता प्राप्त होने की संभावना बन रही है। तथा कला क्षेत्र को अपना जादू दिखाने के पर्याप्त अवसर प्राप्त होंगे। अध्ययन कार्य में आपका मन लगेगा। ज्ञान ग्रहण क्षमता अदभुत रहेगी। विषयों में आपको कौशल शीघ्र प्राप्त होगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्ति के सुखद योग बन रहे हैं। अपने मनोकूल विषयों में अध्ययन करने के लिए समय की शुभता बनी हुई है।

दिसम्बर 2025 के लिए फलादेश

शैक्षिक गतिविधियों के लिए माह के ग्रहों की स्थिति उत्कृष्ट बनी हुई है। माह अवधि के ग्रह योग, आपको अवधि विशेष में शिक्षा प्राप्त करने में भरपूर सहयोग करेंगे। यह माह तकनीकी छात्रों के लिए विशेष शुभ फलदायक बना हुआ है। यह वर्ग माह अवधि में अपने कौशल का जादू दिखाने में सफल रहेगा। तकनीकी छात्रों को निपुणता और कौशल दिखाकर उल्लेखनीय सफलता प्राप्ति के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त यह माह कलात्मक क्षेत्रों के छात्रों को आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। माह अवधि में कला छात्रों के लिए ग्रहों की अनुकूलत बनी हुई है। परिस्थितियों में अपना कौशल दिखाने के लिए आप मानसिक रूप से तैयार रहेंगे। अपने अध्ययन कार्य को तेजी से निपटाने में सहयोग प्राप्त होगा। प्रयास करते रहने से आप अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल रहेंगे। प्रयासों पर दृढ़ रहकर आप विशेष सफलता अर्जित कर सकते हैं।

शिक्षा संबंधी - 2026

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध बहुत अच्छा रहेगा। षष्ठ स्थान पर गुरु एवं शनि की संयुक्त दृष्टि के कारण प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को मनोनुकूल सफलता मिलेगी। बेरोजगार जातकों को वर्षारम्भ में नौकरी मिल सकती है।

02 जून के बाद विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा हो रहा है। आप पढ़ाई लिखाई में सब से आगे रहेंगे। यदि आप उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं अच्छे शैक्षणिक संस्थान में आपका प्रवेश हो सकता है। तकनीकी शिक्षा या व्यवसायिक शिक्षा के लिए समय काफी अनुकूल है।

जनवरी 2026 के लिए फलादेश

उस माह के सितारों का संयोजन आपके लिए बहुत अनुकूल नहीं बन रहा है। अतः इस माह में शिक्षा क्षेत्र में सफलता प्राप्त करना आपके लिए आसान नहीं होगा। सीखने के लिए आपको अपने मन और आत्मा से उत्साही होकर ज्ञान अर्जित करना होगा। इस समय में स्वमुखर होना और हठी होना आपके लिए सही नहीं होगा। आपको इससे बचना चाहिए। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले व्यक्तियों को अतिरिक्त कोचिंग लेना लाभकारी रहेगा। जिन छात्रों का अध्ययन क्षेत्र भाषा, पत्रकारिता और जन संचार के अन्य क्षेत्रों में हों उन्हें सफलता अर्जित करने के लिए अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ सकती है। तभी इस वर्ग को उद्देश्यों की प्राप्ति हो पाएगी। अपने लक्ष्यों पर ध्यान केन्द्रित करना आपको उत्तम परिणाम देगा।

फरवरी 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों आपके लिए अनुकूल नहीं हैं। इस माह की शैक्षिक गतिविधियां आपके लिए धीमी गति की होने के कारण थकाऊ हो सकती हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को सफलता प्राप्ति के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती है। यह कोचिंग सफलता प्राप्ति के लिए आवश्यक है। इसके अलावा शिक्षकों के प्रति आपका रवैया अच्छा होना चाहिए। आत्ममुखर और हठी स्वभाव अवधि विशेष में आपको विपरीत फल प्रदान कर सकता है। माह अवधि में आपको अपना दृष्टिकोण विस्तृत रखना होगा। संगीत, नृत्य, चित्रकला, मूर्तिकला के क्षेत्र में अध्ययन कर रहे छात्रों को अपने लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए अधिक प्रयास करने के लिए तैयार रहना होगा। माह अवधि में कठोर परिश्रम आपको करना होगा। तथा कुछ निराशा की स्थिति आपमें प्रभावी हो सकती है।

मार्च 2026 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रहों की स्थिति प्रतिकूल होने के कारण इस माह में आपकी शैक्षिक प्रगति बहुत संतोषजनक नहीं रहेगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले छात्रों को सफलता सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी होगी। इसके अलावा माह अवधि में

आप का स्वभाव आत्म मुखर और कुछ हद तक हठी हो सकता है। सीखने और कौशल प्राप्ति के मार्ग में आपका रवैया सफलता में बाधक हो सकता है। अपने इस स्वभाव पर नियंत्रण लगाकर स्थिति को बेहतर कर सकते हैं। ललित कला के छात्रों, नर्तकों, संगीतकारों, चित्रकारों और मूर्तिकला के क्षेत्र में अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों को अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए काफी कड़ी मेहनत करनी होगी।

अप्रैल 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारें आपके लिए प्रतिकूल बने हुए हैं। माह अवधि में सफलता प्राप्त करने के लिए आपको अपने शैक्षिक प्रयास बढ़ाने होंगे। उच्च शिक्षा प्राप्ति में लगे व्यक्तियों को परिस्थितियों के विपरीत होने से सफलता प्राप्ति के अवसर सुखद नहीं बने हुए हैं। कानून के छात्रों के लिए भी स्थिति बहुत अच्छी नहीं बनी हुई है। नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला, और अन्य ललित कला के विद्यार्थी अपनी कला का जादू दिखाने में सफल नहीं हो पायेंगे। इसके अलावा दिखावा को खुला रखने से आपको सीखने में बहुत मदद मिलेगी। किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले लोग अपने प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं रहेंगे। इसके अलावा प्रशासनिक क्षेत्र में अध्ययन कर रहे छात्रों के लिए भी स्थिति बहुत सुखद नहीं बन रही है।

मई 2026 के लिए फलादेश

जहां तक इस माह में आपकी शैक्षिक उपलब्धियों का संबंध है, यह माह आपके लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। माह अवधि के सितारों की स्थिति आपके लिए काफी लाभकारी बनी हुई है। इस माह में पढ़ाई में आपको कड़ी मेहनत का परिणाम आपके लिए मनोकूल सफलता प्राप्ति हो सकती है। तकनीकी पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर रहे छात्रों के लिए यह एक कठिन कार्य हो सकता है, परन्तु कड़ी मेहनत आपकी सफलता को सुनिश्चित करेगी। आवश्यक प्रयास करने से ओर अधिक शुभ फल प्राप्त किए जा सकते हैं। नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला और अन्य ललित कलाओं के विद्यार्थियों के लिए स्थिति कुछ विपरीत बनी हुई है। अत्यधिक प्रयास करने से इस वर्ग को सफलता की प्राप्ति होगी। इसके अतिरिक्त प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले व्यक्तियों के लिए भी स्थिति कुछ इसी प्रकार की बनी हुई है।

जून 2026 के लिए फलादेश

शैक्षिक संभावनाओं के लिए यह माह बहुत उत्साहजनक नहीं बना हुआ है। शिक्षकों के प्रति आपका स्वभाव कुछ आत्ममुखर और हठी हो सकता है। आपमें मन में नकारात्मक प्रभाव विकसित हो सकता है। यदि आप अपने इस स्वभाव को नहीं बदलते हैं तो सीखने की प्रक्रिया पर इसका प्रतिकूल असर पड़ सकता है। तकनीकी छात्रों को अपनी पाठ्यपुस्तकों के साथ लम्बे समय तक समय लगाना होगा। नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला और अन्य ललित कलाओं का अध्ययन करने वाले व्यक्तियों को भी मनोकूल उद्देश्यों की प्राप्ति में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले लोगों को सफल होने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती है। अन्यथा सफलता और विफलता के



FUTUREPOINT
Astro Solutions



मध्य अंतर आ सकता है।

जुलाई 2026 के लिए फलादेश

शैक्षिक गतिविधियों के लिए इस माह के सितारों की स्थिति बहुत उत्साहवर्धक नहीं बन रही हैं। किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में शामिल होने वाले व्यक्तियों को सफल होने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती है। कोचिंग करने से ही आपकी सफलता और विफलता के बीच के अंतर को दूर किया जा सकता है। नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला और अन्य ललित कला क्षेत्रों में अध्ययन कर रहे छात्रों को अत्यधिक कार्य करने के लिए तैयार रहना चाहिए। परिस्थितियों को बेहतर करने में आपको मदद मिलेगी। माह अवधि में आपके मन की नकारात्मक स्थिति बनी रहने की संभावना बन रही है। शिक्षकों के प्रति आपका स्वभाव आत्ममुखर और हठी हो सकता है। आपको ऐसे स्वभाव को बदलना चाहिए।

अगस्त 2026 के लिए फलादेश

इस माह में आपको शैक्षिक क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है। माह अवधि में सितारों की स्थिति आपके लिए प्रतिकूल बन रही है। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले वर्ग को सफलता प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती है। इसके बाद ही आपकी सफलता सुनिश्चित हो सकती है। नृत्य, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला और अन्य ललित कला के विद्यार्थियों को अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त कम करने के लिए तैयार रहना होगा। तकनीकी छात्रों को अपने अध्ययन विषयों के प्रति अधिक समर्पित रहना होगा। इसके अलावा अपने पाठ्यपुस्तकों का अध्ययन अधिक लगन और मेहनत से करना होगा। तथा स्वाध्ययन का लाभ आपको प्राप्त न होने की संभावना बन रही है। शिक्षकों के निर्देशों का सख्ती से पालन करें यह आपके लिए कठिनाई उत्पन्न कर सकता है।

सितम्बर 2026 के लिए फलादेश

शैक्षिक गतिविधियों के लिए यह माह उत्कृष्ट बना हुआ है। ललित कला से जुड़े छात्रों के लिए यह समय विशेष रूप से सुखद बना हुआ है। नृत्य, संगीत, नाटक, चित्रकला एवं मूर्तिकला के छात्रों को अपना कला का जादू दिखाने के अवसर प्राप्त होंगे। यह वर्ग इस अवधि में विशेष उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर सकता है। सराहना और पुरस्कार प्राप्ति की संभावनाएं भी बन रही हैं। समय की शुभता का लाभ उठाने के लिए आपको मानसिक रूप से सकारात्मक होकर प्रयास करने होंगे। एकाग्रता और लगन भी इस अवधि में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले लोगों को कम से कम प्रयास में ही सफलता की प्राप्ति हो सकती है।

अक्टूबर 2026 के लिए फलादेश

शैक्षिक प्रयासों के लिए इस माह के सितारों की स्थिति उत्कृष्ट बनी हुई हैं। शिक्षा क्षेत्र के कार्यों को लेकर आप इस अवधि में चिंतित नहीं रहेंगे। इसके अतिरिक्त जो छात्र भाषा, पत्रकारिता, और जन-संचार जैसे विषयों में अध्ययन कर रहे हैं। वे अपनी रचनाओं और कलाओं से अत्यंत कलात्मक उत्पादन करने में सफल रहेंगे। इस वर्ग को इस अवधि में कुछ उल्लेखनीय सफलता की प्राप्ति हो सकती है। नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला और अन्य ललित छात्रों से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जा सकती है। अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए इस वर्ग को अधिक प्रयास नहीं करने होंगे। इसके अलावा प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने के लिए तैयारी कर रहे छात्रों को भी उम्मीद के अनुरूप फल प्राप्त हो सकते हैं।

नवम्बर 2026 के लिए फलादेश

शैक्षिक गतिविधियों के लिए इस माह के सितारों की स्थिति आपके लिए बहुत फायदेमंद बनी हुई हैं। नृत्य, संगीत, चित्रकला, नाटक, और अन्य ललित कला क्षेत्रों में अध्ययन करने वाले छात्रों के परिणाम बेहद उत्तम आने की संभावना बन रही है। इसके अलावा प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्र वर्ग के लिए ग्रह परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। सहज प्रयास करने से ही इस वर्ग के लिए सफलता प्राप्ति का मार्ग खुल सकता है। सामान्य प्रयास से भी वे अपनी सफलता को सुनिश्चित कर सकते हैं। इसके अलावा आपके मन में चल रहे अन्य प्रश्नों का समाधान पाना भी आपके लिए इस अवधि में सरल होगा। सौंदर्य सामग्री के उपयोग की जानकारी से संबंधित शिक्षा प्राप्ति में लगे व्यक्तियों के लिए यह समर उपयोगी साबित हो सकता है। शैक्षिक क्षेत्र में उत्तम परिणाम प्राप्ति की तलाश कर रहे व्यक्तियों के लिए यह समय एक बड़ा मौका साबित हो सकता है।

दिसम्बर 2026 के लिए फलादेश

शैक्षिक गतिविधियों के लिए इस माह के सितारों की स्थिति सुखद बनी हुई हैं। इससे इस माह में मिलने वाले परिणाम छात्रों के लिए उत्कृष्ट रहेंगे। तकनीकी या चिकित्सा की डिग्री के लिए अध्ययनशील व्यक्तियों के लिए स्थिति अनुकूल बनी हुई है। माह अवधि में कौशल और निपुणता दोनों का प्रदर्शन आप कर पायेंगे। नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला और अन्य ललित कला विषयों का अध्ययन करने के लिए ग्रहों की अत्यंत अनुकूलता बनी हुई है। यह वर्ग अपने अपने क्षेत्रों में शानदार कार्य करने में सक्षम रहेगा। ग्रहों की शुभता के फलस्वरूप स्पष्ट, तेज, जिज्ञासु मन रहने से प्रदर्शन औसत से अधिक रहेगा।

शिक्षा संबंधी - 2027

यह वर्ष आपके लिए प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता की दृष्टि से सामान्यतः अनुकूल रहेगा। यदि उच्च शिक्षा हेतु उच्च शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश पाना चाहते हैं तो आपके लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध अनुकूल है।

पंचम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है। 26 जून के प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त हो सकती है। तकनीकी शिक्षा के लिए भी यह समय अच्छा है।

जनवरी 2027 के लिए फलादेश

शैक्षिक संभावनाओं के लिए यह माह आपके लिए काफी फायदेमंद बना हुआ है क्योंकि इस माह के सितारों की स्थिति आपके लिए अनुकूल बन रही हैं। भाषाओं, पत्रकारिता, लेखा और कानून के क्षेत्र में अध्ययनशील छात्र अपनी योग्यता से जादू से अत्यंत उत्तम सफलता प्राप्त कर सकते हैं। इस वर्ग को अपनी परीक्षाओं में अच्छी सफलता प्राप्त होगी और कक्षा की रैंकिंग में शीर्ष स्थान प्राप्त हो सकता है। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों को मनोकूल विषयों में शिक्षा लेने के सही अवसर प्राप्त हो सकते हैं। कुछ चुने हुए क्षेत्रों में भी सफलता पाना आपके लिए सहज होगा। प्रतियोगी परीक्षाओं के छात्रों का ईमानदारी से प्रयास करना सफलता दिला सकता है।

फरवरी 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की भविष्यवाणी आपके लिए विशेष रूप से अनुकूल नहीं बन रही हैं। अतः यह समय आपकी शैक्षिक गतिविधियों के लिए कष्टकारी बना हुआ है। जो छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रयास कर रहे हैं उन सभी के प्रयास मध्य में अटक सकते हैं। इस वर्ग के लिए उत्तम रहेगा कि समस्याओं का निराकरण करते हुए सही अवसरों की तलाश कर उनका लाभ उठाया जायें। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को सफल होने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती है। अतिरिक्त कोचिंग के फलस्वरूप आपके प्रयासों का परिणाम सफलता में परिवर्तित हो सकते हैं। ललित कला और कानून के छात्रों के लिए यह समय कठिन सिद्ध हो सकता है। माह अवधि में आपको अपने अधिकांश उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए संघर्ष करना होगा। फिर भी पूरी तरह से सफल नहीं हो पायेंगे।

मार्च 2027 के लिए फलादेश

शैक्षिक गतिविधियों के लिए इस माह के सितारों की भविष्यवाणी आपके लिए विशेष रूप से प्रतिकूल बनी हुई है। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्र वर्ग को कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है। माह अवधि में इस वर्ग को अच्छे अवसरों की तलाश रहेगी। साथ ही इस अवधि में आपको प्रेरणा की कमी बनी हुई है। सफलता प्राप्ति के लिए यह आवश्यक है

कि आपका मनोबल उच्च रहें और आप प्रेरित रहें। अधिकांश विषयों का अध्ययन करते हुए आपको शिक्षा के क्षेत्र में कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है।

अप्रैल 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों का संयोजन आपके शिक्षा क्षेत्र की गतिविधियों के लिए बहुत अच्छा नहीं बना हुआ है। समय की प्रतिकूलता में छात्र वर्ग को अपने अधिकांश उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए संघर्ष का सामना करना पड़ सकता है। फिर भी ज्यादा सफलता हासिल करने की संभावनाएं नहीं बन रही हैं। कानून के छात्रों के लिए यह समय विशेष रूप से कोशिश करने का रहेगा। उच्च शिक्षा क्षेत्र में अध्ययन कर रहे छात्रों को कुछ विषयों में निराशा की स्थिति बन सकती है। इस वर्ग को शिक्षा प्राप्ति में विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। सही अवसर खोजने में यह वर्ग सक्षम नहीं हो पाएगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को सफलता प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी होगी। इस अवधि में बन रही परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आप अतिरिक्त कोचिंग के द्वारा सफलता और विफलता के मध्य का अंतर दूर कर सकते हैं।

मई 2027 के लिए फलादेश

शैक्षिक गतिविधियों के लिए इस माह के ग्रहों की स्थिति आपके लिए विशेष रूप से लाभप्रद नहीं बनी हुई है। छात्र वर्ग अपने अधिकांश उद्देश्यों को पाने के लिए संघर्ष की स्थिति का सामना कर सकता है। फिर भी उद्देश्यों को प्राप्त करना सहज नहीं होगा। तकनीकी छात्रों के लिए यह समय विशेष रूप से कोशिश करने का रहेगा। विपरीत समय में सफल होने के लिए सामान्य की तुलना में कठिन प्रयास करने होंगे। इस पर भी छात्र वर्ग कक्षा में अपनी स्थिति को सामान्य ही बना पाएगा। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों के लिए यह समय मुश्किल भरा हो सकता है। अपने कौशल का जादू दिखाने में यह वर्ग सफल नहीं हो पाएगा। इस वर्ग को अपने प्रयासों से समस्याओं का समाधान करना चाहिए। और सही अवसर की तलाश करनी चाहिए।

जून 2027 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रहों की स्थिति आपकी शिक्षा संभावनाओं के लिए बहुत उज्ज्वल नहीं बन रही है। छात्र वर्ग के लिए इस अवधि में अधिकांश विषयों में अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए संघर्ष करना होगा। फिर भी प्रतिकूल अवधि होने के कारण ज्यादा सफलता हासिल नहीं होगी। तकनीकी छात्रों को विशेष रूप से परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इस वर्ग को अपनी सफलता का स्कोर बनाए रखने के लिए सामान्य से अधिक कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। कानून के छात्रों के लिए इस समय स्थिति अवांछनीय बनी हुई है। उच्च शिक्षा क्षेत्र में अध्ययन करने वाले वर्ग को कठिन प्रयास करने के बाद भी अच्छे मौके नहीं मिल पायेंगे।

जुलाई 2027 के लिए फलादेश

इस माह के दौरान शैक्षिक संभावनाएं आपके लिए बहुत उज्ज्वल नहीं बन रही हैं क्योंकि इस माह के सितारों की स्थिति शुभ योगकारक नहीं बन रही हैं। माह अवधि में आप अपने अधिकांश विषयों से संबंधित उद्देश्यों की प्राप्ति में ज्यादा सफलता हासिल नहीं हो पाएगी। माह अवधि में सफलता प्राप्त करने के लिए संघर्ष करते नजर आयेंगे। कानून के छात्रों को इस अवधि में विशेष रूप से कोशिश करनी होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को सफल होने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती हैं। उच्च शिक्षा के प्रयास कर रहे छात्र वर्ग को इस अवधि में काफी परेशानियों का सामना करना होगा। अच्छे अवसर की कमी का अनुभव आपको इस अवधि में हो सकता है।

अगस्त 2027 के लिए फलादेश

यह माह आपकी शैक्षिक गतिविधियों के लिए लाभकारी नहीं बनी हुई है। उच्च शिक्षा में अध्ययन कर रहे छात्रों को शैक्षिक क्षेत्र में प्रगति प्राप्त करने में कठिनाईयां हो सकती हैं। प्रतिकूल समय में आपको अच्छे मौके की तलाश इस अवधि में रहेंगी। इसके अतिरिक्त माह अवधि में अध्ययन कार्यों में आपको प्रेरणा की कमी का अनुभव होगा। अतः सफलता प्राप्त करना इस अवधि में आपके लिए सरल नहीं रहेगा। दृढ़ होकर प्रयास करते रहें और सफलता की आशा बनाए रखें।

सितम्बर 2027 के लिए फलादेश

जहां तक आपकी शिक्षा का सवाल है, इस माह के सितारों की स्थिति आपके लिए उत्कृष्ट बनी हुई है। उच्च शिक्षा प्राप्ति में लगे व्यक्तियों को अपने चुने हुए क्षेत्रों में प्रवेश और अध्ययन के अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला, और अन्य कला में अध्ययन कर रहे छात्र वर्ग की रचनात्मक गतिविधि का जादू सराहनीय रहेगा। इस वर्ग को माह अवधि में उत्कृष्ट उपलब्धियों की प्राप्ति की संभावनाएं बन सकती हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्र वर्ग को सामान्य प्रयास करने से भी अच्छी सफलता की प्राप्ति हो सकती है।

अक्टूबर 2027 के लिए फलादेश

शैक्षिक गतिविधियों के लिए इस माह के सितारों की स्थिति काफी लाभकारी बनी हुई है। भाषाओं, पत्रकारिता, लेखा और कानून के क्षेत्र में शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्र विशेष रूप से समय की शुभता से लाभान्वित होंगे। उच्च शिक्षा क्षेत्र में अध्ययनशील छात्रों को अपने संबंधित विषयों में अच्छा स्कोर प्राप्त हो सकता है। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले उम्मीदवारों को सफलता पाने के लिए ईमानदारी से प्रयास करना होगा। इससे यह वर्ग अपनी सफलता को सुनिश्चित कर सकता है। मानसिक संकायों के छात्र जल्द और आसानी से विषयों को सीख सकते हैं।

नवम्बर 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की स्थिति आपकी शैक्षिक गतिविधियों के लिए बहुत अनुकूल बनी हुई हैं। उच्च शिक्षा अर्जित कर रहे व्यक्तियों को अपने पसंद के क्षेत्रों में प्रवेश प्राप्ति और अध्ययन करने के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। कलात्मक विषयों में अध्ययन कर रहे छात्रों और कानून के छात्रों के लिए स्थिति विशेष रूप से लाभप्रद बनी हुई हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को सामान्य प्रयास करने से ही अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हो सकती है। इसके अतिरिक्त मानसिक संकायों के छात्रों के लिए पढ़ाई करना सरल होगा और वे शीघ्र विषयों को ग्रहण कर पायेंगे। कुल मिलाकर यह माह आपके लिए काफी फायदेमंद रहेगा।

दिसम्बर 2027 के लिए फलादेश

शैक्षिक संभावनाओं के लिए इस माह के सितारों की भविष्यवाणी विशेष रूप से अनुकूल नहीं बन रही हैं। तकनीकी छात्रों को अपनी कक्षाओं में अपनी सामान्य स्थिति को बनाए रखने के लिए कठिन प्रयास करने होंगे। इसके बाद भी सफलता सुनिश्चित नहीं हो पाएगी। उच्च शिक्षा के लिए प्रयास कर रहे छात्र वर्ग को सही अवसर खोजने में काफी परेशानियां आ सकती हैं। इस वर्ग को अधिकांश विषयों में अच्छे स्कोर प्राप्त करने के लिए संघर्ष की स्थिति बन सकती है। इस अवधि में उद्देश्यों की प्राप्ति काफी मुश्किल होगी। इसके अतिरिक्त प्रतियोगी परीक्षाओं के उम्मीदवारों को नतीजों को अपने पक्ष में करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग का सहारा लेना पड़ेगा।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



कार्य क्षेत्र - 2025

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहेगा। वर्ष के शुरुआत में सप्तम स्थान पर गुरुग्रह के दृष्टि प्रभाव से आप व्यापार में उन्नति करेंगे। अनुभवी लोगों कह सलाह अवश्य लें। व्यापार में आपको भाईयों का सहयोग प्राप्त होगा। एकादशस्थ गुरु के प्रभाव से अधिकारियों व वरिष्ठ लोगों का सहयोग प्राप्त होगा।

मई के बाद आपके कार्यों में गुप्त शत्रु या बिरोधियों द्वारा रुकावटें डाली जा सकती हैं। जल्दबाजी में कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें अन्यथा परिणाम प्रतिकूल होगा।

जनवरी 2025 के लिए फलादेश

इस अवधि में सितारों की स्थिति अनुकूल न होने के कारण यह माह आपकी व्यावसायिक गतिविधियों के लिए बहुत उत्तम नहीं बना हुआ है। माह अवधि में व्यावसायिक विषयों के लिए यात्रा होने की संभावना बन रही है। इस प्रकार की यात्राओं के लाभदायक न रहने की संभावना बन रही है। माह अवधि में संपर्क भी आपको बहुत मदद नहीं करेगा। इस संबंध में आपको सावधान रहना होगा। माह अवधि में व्यावसायिक क्षेत्र के विकास के लिए और अधिकतम लाभ प्राप्ति के लिए स्थितियां अनुकूल नहीं बन रही हैं। आपका पूर्ण कौशल भी इसमें सहयोग नहीं कर पायेगा। कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार की राजनीति से दूर रहने का प्रयास करें। आपको ऐसी गतिविधियों में शामिल करने का प्रयास किया जा सकता है। मजबूती के साथ आपको इसका विरोध करना चाहिए। इसके अतिरिक्त व्यावसायिक क्षेत्र में अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कुछ विवाद जन्म ले सकते हैं। किसी भी प्रकार के मतभेदों से दूर रहना ही आपके लिए हितकारी रहेगा।

फरवरी 2025 के लिए फलादेश

इस माह अवधि की ग्रह स्थिति आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के लिए उल्लेखनीय लाभ स्थिति नहीं बना रही है। व्यावसायिक विषयों के लिए यात्रा अथवा नई नौकरी प्राप्ति के लिए की गई यात्राएं लाभों के पक्ष से आपके लिए बहुत मददगार नहीं बनी हुई हैं। माह अवधि में आपके संपर्क भी आपके काम नहीं आयेंगे। माह अवधि में किसी भी मामलों से निपटने में आपको अपने विशेष कौशल का प्रयोग करना होगा। आपको ऐसी परिस्थितियों का आपको कुशलता के साथ सामना करना चाहिए। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विवादों के कारण स्थिति खराब हो सकती है। किसी भी प्रकार की अप्रिय संभावनाओं से बचने के लिए आपको सावधानी के साथ आगे बढ़ना चाहिए। प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण अपनी दैनिक गतिविधियों में संघर्ष की स्थिति बन सकती है।

मार्च 2025 के लिए फलादेश

वर्तमान माह अवधि में सितारों का संयोजन आपके आर्थिक पक्ष से बहुत फायदेमंद

नहीं बन रहा है। माह अवधि में आपका सावधान न रहना, आपकी आर्थिक स्थिति को कमजोर कर सकता है। शीघ्र लाभ प्राप्ति के लिए कुछ संभावनाएं बन रही हैं। फिर भी आपको ऐसे विषयों में धन विनियोजन करने से बचना चाहिए। जोखिम पूर्ण क्षेत्रों से आय प्राप्ति की संभावनाएं बहुत कम बन रही हैं। माह अवधि में समय की प्रतिकूलता होने के कारण आपके संपर्क भी इस समय आपके लिए लाभकारी सिद्ध नहीं होंगे। अपने कौशल और प्रयासों से आप इन विपरीत परिस्थितियों का सामना करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस माह में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ किसी भी प्रकार का मतभेद करने से बचना होगा।

अप्रैल 2025 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रह, सितारों के अनुसार व्यावसायिक संभावनाएं बहुत उज्ज्वल नहीं बन रही हैं। कड़ी मेहनत करने के बावजूद इस माह में आप पुरस्कार पाने में असफल हो सकते हैं। आपके संपर्क भी आपके लिए बहुत मददगार नहीं होंगे। व्यापार या नौकरी के उद्देश्यों से यात्राएं होने के संकेत बन रहे हैं। पूर्व दिशा में यात्रा करना कुछ लाभ दे सकता है। फिर भी उम्मीद के अनुरूप लाभ प्राप्ति के संयोग नहीं बन रहे हैं। अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मतभेदों की एक अलग संभावना बन रही है। मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकलने के लिए आपको आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करनी चाहिए। कुल मिलाकर यह माह आपके लिए सावधानी के साथ आगे बढ़ने का रहेगा।

मई 2025 के लिए फलादेश

व्यावसायिक पक्ष से यह माह आपके लिए बहुत हद तक कमजोर बन रहा है। इस माह के दौरान यह भी संभावना बन रही है कि बहुत अधिक कड़ी मेहनत करने पर भी आपको पुरस्कार प्राप्ति नहीं हो पायेंगे। माह अवधि में आपको अपने चातुर्य से काम लेना होगा। व्यापार या नौकरी के उद्देश्यों से इस अवधि में कुछ यात्राएं आपके द्वारा हो सकती हैं। इस अवधि में आपके प्रयास काफी हद तक अपनी अपेक्षाओं को पूरा करने में विफल रहेंगे। संपर्क भी आपके लिए उपयोगी साबित नहीं होंगे। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मतभेद की संभावना बन रही है। ऐसी स्थितियों से आपको हर हाल में बचना चाहिए। विपरीत परिस्थितियों से बचने के लिए आपको दूरदर्शिता के साथ आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

जून 2025 के लिए फलादेश

इस माह में व्यावसायिक संभावनाएं सितारों की स्थिति को ध्यान में रखते हुए बहुत सुखद नहीं बन रही है। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपके गंभीर मतभेद उभर कर आ सकते हैं। आपको इस प्रकार की विपरीत परिस्थितियों से बचने का प्रयास करना चाहिए। माह अवधि की आकस्मिकताएं आपको विपरीत स्थितियों में कार्य करा सकती हैं। कोशिश करने से आप अप्रिय संभावनाओं को टाल सकते हैं। ग्रहों की प्रतिकूलता के कारण संपर्क भी आपके लिए

बहुत उपयोगी नहीं रहेंगे। परिस्थितियों को बेहतर करने के लिए आपको अपने कौशल का उपयोग करते हुए स्वयं प्रयास करने होंगे। यात्राओं से संभावित लाभ प्राप्ति या विफल होने के संकेत बन रहे हैं। इसके अलावा कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार की राजनीति के प्रति आपको सावधान रहना होगा। अन्यथा इस प्रकार की गतिविधियां आपके लिए हानि का कारण बन सकती हैं।

जुलाई 2025 के लिए फलादेश

माह अवधि में सितारों की स्थिति आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के लिए बहुत अनुकूल नहीं बन रही है। बहुत कड़ी मेहनत करने पर भी सौदे आपको मनोकूल लाभ नहीं दे पायेंगे। माह अवधि में व्यावसायिक कार्यों के लिए यात्रा करने के योग बन रहे हैं। यात्राओं से उम्मीद के अनुरूप लाभ प्राप्ति नहीं हो पायेंगी। विपरीत समय में आप उत्तर दिशा की यात्रा कर कुछ लाभ प्राप्त करने में सफल हो सकते हैं। इसके अलावा इस समय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संघर्ष की स्थिति बन सकती है। आपको ऐसी स्थिति के प्रति सावधान रहना होगा। अप्रिय स्थितियां उत्पन्न न हो इसके लिए आपको ख़ास प्रयास करने पड़ सकते हैं। संपर्क सूत्रों से किसी प्रकार का लाभ प्राप्त होने की संभावनाएं नहीं बन रही हैं। अतः इस समय में आपको अपने खुद के कौशल और प्रयास पर भरोसा करना होगा।

अगस्त 2025 के लिए फलादेश

व्यवसायिक विषयों के लिए यह अवधि आपके लिए बहुत अनुकूल नहीं है। समय में शुभता की कमी के कारण आपको अपने कार्यों की अधिक देख-रेख करनी होगी। यह भी संभावित है कि आपको बहुत अधिक प्रयास करने पड़े। आप चाहे नौकरी में हो या व्यापार में कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार की राजनीति में शामिल होने से बचें। अन्यथा आप इसके शिकार हो सकते हैं। दृढ़ता के साथ आप इन विषयों से बचें। प्रत्यक्ष या परोक्ष हर प्रकार से इन सब चीजों से दूर रहें। उच्चस्तरीय अधिकारियों से वाद-विवाद और संघर्ष की स्थिति बन सकती है। आपको ऐसी घटनाओं से बचना होगा। आपको अपने कार्यों में अधिक से अधिक रुचि लेनी होगी। इससे आपको अपने कार्यों से अधिक संतुष्टि प्राप्त होगी।

सितम्बर 2025 के लिए फलादेश

ग्रह परिस्थितियां सामान्य न होने के कारण इस माह में आपको काफी मेहनत करनी पड़ सकती है। समय में शुभता की कमी आपसे ऐसा करा सकती है। इतना ही नहीं इस माह में आपके कार्य भार में वृद्धि हो सकती है। मेहनत और कार्य भार की अधिकता आपके लिए संघर्ष की स्थिति उत्पन्न कर सकती है। आप चाहे नौकरी में हो या व्यापार में आपको अपने कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार की राजनीति में शामिल होने से बचना चाहिए। अपनी पदस्थिति को मजबूत करने की कोशिशें माह अवधि में नाकाम हो सकती हैं। आपके पिता या परिवार के



FUTUREPOINT
Astro Solutions



किसी बुजुर्ग सदस्य के संपर्कों की मदद से आपको व्यावसायिक पक्ष से सहयोग मिल सकता है।

अक्टूबर 2025 के लिए फलादेश

व्यावसायिक संभावनाओं के लिए इस माह की ग्रह स्थिति आपके लिए बहुत अनुकूल नहीं बनी हुई है। इस संबंध में आपको चिंताएं हो सकती हैं। अत्यधिक कार्य करने पर भी आपकी पदोन्नति नहीं होगी। माह अवधि में संपर्क भी आपके लिए बहुत उपयोगी साबित नहीं होंगे। आप चाहे व्यापार में हो या नौकरी में कार्यक्षेत्र में किसी भी तरह की राजनीति में आपका शामिल होना आपके लिए शुभ संकेत नहीं बन रहा है। मजबूती के साथ आपको ऐसी किसी भी भागेदारी से बचना चाहिए। इसके अतिरिक्त इस माह अवधि में वरिष्ठ नागरिकों के साथ गंभीर मतभेद की स्थिति बन सकती है। संघर्ष की स्थिति बनने के भी योग बन रहे हैं। इस प्रकार की विपरीत परिस्थितियों से बचने के आपको सभी संभव प्रयास करने चाहिए।

नवम्बर 2025 के लिए फलादेश

यह माह आपकी व्यावसायिक गतिविधियों के लिए बहुत कठिन हो सकता है। इस माह में ग्रह, सितारों आपके लिए प्रतिकूल बने हुए हैं। माह अवधि में परिस्थितियों के विपरीत होने के कारण आपका काम प्रभावित हो सकती है। सकारात्मक समर्थन प्राप्त न होने के कारण अत्यधिक कार्य करने के बाद भी परिणाम आपके लिए कष्टकारी हो सकते हैं। माह अवधि में आपको अतिरिक्त प्रयास करने पड़ सकते हैं। प्रत्याशित लाभों में भी कमी के योग बन रहे हैं। अचानक से बाधाएं आपके कार्यों के सम्मुख आ सकती हैं। आने वाली बाधाओं का पूर्वानुमान लगाने से और इसके विरुद्ध सुधारात्मक कार्यवाही करना लाभकारी हो सकता है। माह अवधि में आपके संपर्क उपयोगी नहीं रहेंगे। आपको स्वयं के कौशल और प्रयास पर भरोसा करना होगा।

दिसम्बर 2025 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों का संयोजन आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के लिए बहुत फायदेमंद साबित न होने की संभावना बन रही है। यह समय आपके कार्यों के लिए बहुत उपयोगी नहीं रहेगा। विपरीत समय में आपको बहुत ध्यान से प्रस्तावों पर विचार करना होगा। माह अवधि में आपके द्वारा व्यावसायिक कार्यों के लिए यात्रा करने के योग बन रहे हैं। पूर्व दिशा में यात्रा करना आपके लिए लाभकारी रहेगा। अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपके गंभीर मतभेद होने की संभावना बन रही है। किसी भी तरह की बाधाओं को दूर करने के आपको प्रयास करने चाहिए। समय रहते ऐसी समस्याओं का समाधान करना होगा। माह अवधि में धैर्य रखना आपके लिए हितकारी रहेगा। कार्यक्षेत्र पर किसी भी प्रकार की राजनीति से बचना होगा। यह आपके कार्यों में जटिलताएं उत्पन्न कर सकता है। अपने कौशल से आप ऐसी अप्रिय

स्थिति से बच सकते हैं।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

कार्य क्षेत्र - 2026

व्यापारिक दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध मिला-जुला रहेगा। वर्षारम्भ में द्वादश स्थान में गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से कार्य व्यवसाय में कुछ विशेष लाभ प्राप्त नहीं होगा। आपको अपने व्यापार में सफलता प्राप्ति के लिए लगातार प्रयास करना पड़ेगा। अष्टमस्थ राहु के प्रभाव से आपके कार्यों में गुप्त शत्रुओं द्वारा रुकावटें डाली जा सकती हैं। अतः इस समय के अन्तराल में आपको अपना आत्मविश्वास बनाए रखना चाहिए और कोई नया कार्य प्रारम्भ नहीं करना चाहिए। पहले से चले आ रहे व्यापार को और अच्छे ढंग से चलाएं। नौकरी करने वाले व्यक्तियों के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा।

02 जून के बाद समय अच्छा हो रहा है। सप्तम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से व्यापार में अच्छा लाभ प्राप्त होगा। आपको अधिकारी व वरिष्ठ लोगों का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। लग्न स्थान का गुरु नयी विचारधारा नयी योजनाओं को जन्म देगा जिसका लाभ उठा कर आप अपने व्यापार में अच्छी उन्नति करेंगे।

जनवरी 2026 के लिए फलादेश

यह माह आपके पेशवर जीवन की संभावनाओं के लिए सकारात्मक बना हुआ है। व्यावसायिक स्थिति में सुधार करने के लिए यह माह कई अवसरों से युक्त है। लेखकों, कलाकारों, संगीतकारों और ललित कला के अन्य जानकारों के लिए माह की विशेष शुभता बनी हुई है। इस अवधि में इस वर्ग का कला क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। नाम कमाने और रचनात्मक कला का उत्पादन करने के लिए समय बेहद संतोषजनक बना हुआ है। यात्रा कार्यों के लिए दक्षिण दिशा आपके लिए काफी फायदेमंद रहेगी। अपने पेशे में बने रहे यह समय आपके लिए विशेष रहेगा। किसी महिला सदस्य के द्वारा आपको पेशे को आगे बढ़ाने के अवसर मिल सकते हैं। कुल मिलाकर यह माह आपके लिए लाभप्रद माह रहेगा। इसमें आप कई अच्छे सौदे तय करेंगे।

फरवरी 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारें आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के लिए काफी अनुकूल बने हुए हैं। पश्चिम दिशा में यात्रा कर आप इस समय में कोई बड़ा सौदा तय करने में सफल हो सकते हैं। किसी महिला सदस्य का सहयोग आपके व्यावसायिक क्षेत्र को बढ़ावा दे सकता है। किसी महिला सदस्य के द्वारा आपको विशेष लाभ प्राप्त हो सकता है। यह अवधि आपके भाग्य के पक्ष से बहुत उत्तम बन रही है। भाग्य की शुभता आपके कार्य करने के लिए सकारात्मक बनी हुई है। आपको अपने द्वारा किए गए कार्यों से संतुष्टि प्राप्त होगी। कुल मिलाकर यह अत्यंत लाभकारी माह, जिसके दौरान आप अपने पेशे में बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं।

मार्च 2026 के लिए फलादेश

व्यावसायिक संभावनाओं के लिए यह माह बहुत उत्साहवर्धक नहीं बना हुआ है। इस माह के सितारों का संयोजन आपके लिए लाभकारी नहीं बना हुआ है। माह अवधि में बन रहे संकेत आपके लिए कुछ कष्टकारी बने हुए हैं। शीघ्र लाभ प्राप्ति के इच्छुक हैं तो आपको कानून से बाहर जाकर कार्य करने से आपको बचना होगा। ऐसा न करने के परिणाम आपके लिए विनाशकारी सिद्ध हो सकते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्त करने के लिए आप स्वयं अत्यधिक प्रयास करने होंगे और सख्ती से गलत गतिविधियों से आपको परहेज करना होगा। सिखने वाले वर्ग के साथ जुड़ना आपके लिए उपयोगी नहीं रहेगा। धैर्य के साथ प्रयास करते रहना आपके लिए लाभकारी रहेगा।

अप्रैल 2026 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रह एवं सितारों की स्थिति के अनुसार यह माह आपके लिए बहुत अनुकूल नहीं रहेगा। इस माह में व्यावसायिक उन्नति होने की संभावनाएं सामान्य से कम बन रही हैं। इसके अतिरिक्त इस माह में अत्यधिक यात्राएं होने के योग बन रहे हैं। परन्तु इन यात्राओं से आंशिक लाभ प्राप्ति की संभावनाएं बन रही हैं। फिर भी पूर्व दिशा में यात्रा करना आपके लिए लाभकारी साबित हो सकता है। इस दिशा में यात्रा करने से आपको विपरीत समय में भी लाभ प्राप्ति हो सकती है। कार्यस्थल का वातावरण इस अवधि में काफी संतोषजनक नहीं बना हुआ है। इस माह में आप पर कार्य भार अधिक नहीं रहेगा। छोटे लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी आपको अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। संपर्कों और प्रभावशाली दोस्त भी आपके लिए बहुत मददगार साबित नहीं होंगे। दूसरों पर निर्भरता आपको कम करनी होगी। प्रतिकूल अवधि में धैर्य और प्रयास आपको लाभ दे सकते हैं।

मई 2026 के लिए फलादेश

व्यावसायिक संभावनाओं के लिए सितारों की स्थिति इस माह में आपके लिए प्रतिकूल बनी हुई है। ग्रहों का सहयोग प्राप्त नहीं हो रहा है। माह अवधि में कार्यक्षेत्र का माहौल संतोषजनक नहीं बना हुआ है। फिर भी इस समय में आप पर कार्यभार बहुत अधिक नहीं रहेगा। आंशिक रूप से आप इस समय में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल हो सकते हैं। प्रतिकूल समय होने के कारण आपको अपने कार्यों से संतुष्टि प्राप्त नहीं होगी। संपर्क सूत्रों से भी अधिक लाभ प्राप्त न होने की संभावनाएं बन रही हैं। माह अवधि में यात्राएं अधिक करनी पड़ सकती हैं। यात्राओं से लाभ मिलने के योग कम बन रहे हैं। लेकिन दक्षिण दिशा की यात्राएं आपके लिए लाभकारी रहेंगी। कुल मिलाकर यह माह आपके लिए काफी संतोषजनक माह रहेगा। अच्छे सौदे प्राप्त करने के लिए आपको विशेष प्रयास करने पड़ सकते हैं।

जून 2026 के लिए फलादेश

सितारों का शुभ आशिर्वाद प्राप्त न होने के कारण इस माह में सितारों की

संभावनाएं उज्ज्वल नहीं बनी हुई हैं। पेशेवर जीवन के लिए परिस्थितियां सुखद नहीं बनी हुई हैं। माह अवधि में अनेक यात्राएं करने के अवसर बन सकते हैं। यात्राओं का परिणाम आपको लाभों के रूप में प्राप्त होने के योग बहुत कम बन रहे हैं। इसके अलावा कार्य भार हल्का रहेगा। काम की परिस्थितियां उचित न होने से आप अपने प्रत्याशित लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल नहीं हो पायेंगे। शीघ्र धन प्राप्ति के लिए आपको गलत साधनों का प्रयोग करने से बचना होगा। कानून के विरुद्ध गतिविधियों में शामिल होना आपके लिए अत्यंत कष्टकारी साबित हो सकता है। इस प्रकार की गतिविधियों से आपको बचना होगा।

जुलाई 2026 के लिए फलादेश

भाग्य का सहयोग प्राप्त न होने के कारण यह माह आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के लिए बहुत ज्यादा सुखद नहीं बना हुआ है। माह अवधि में कार्य भार अधिक नहीं रहेगा और कार्यस्थल की परिस्थितियां आपके लिए अनुकूल होने के बावजूद भी आपको अपने कार्यों से संतुष्टि प्राप्त नहीं हो पायेगी। इस स्थिति में आपके द्वारा अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की संभावनाएं अधिक नहीं बन रही हैं। माह अवधि में अत्यधिक यात्राएं करने की संभावना बन रही है। इन यात्राओं से भी छोटे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। सितारों की स्थिति के अनुसार उत्तर दिशा की यात्रा आपको मामूली लाभ दे सकती हैं। जोखिम पूर्ण क्षेत्रों में कार्य करना आपके लिए लाभ का साधन होने के स्थान पर हानि का कारण बन सकता है। हानि से बचने के लिए आपको सावधानी से काम लेना होगा।

अगस्त 2026 के लिए फलादेश

इस माह में बन रहे सितारों के संयोजन के अनुसार यह माह आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के पक्ष से अनुकूल नहीं बन रही हैं। अतः इस माह में कार्यक्षेत्र का वातावरण सुखद होने की संभावनाएं बहुत कम बन रही हैं। उम्मीद के अनुसार लाभ प्राप्त करने में आपको कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है। माह अवधि में किए गये प्रयास भी आंशिक रूप से व्यर्थ साबित हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त इस समय में कुछ यात्राएं भी हो सकती हैं। लेकिन यात्राओं से भी प्रत्याशित लाभ प्राप्त होने की संभावना बहुत कम बन रही है। व्यावसायिक यात्राओं की शुभ दिशा पूर्व दिशा है। इस दिशा में कार्यों के लिए की गई यात्राएं आपको कुछ लाभ दे सकती हैं। संपर्क सूत्रों से भी व्यावसायिक विस्तार की उम्मीद कम है। यह भी संभावित है कि ऐसे संपर्क सूत्र आपकी उम्मीदों को लाभ में परिवर्तित करने में विफल हों। इस समय में बनाई गई योजनाओं से लाभ प्राप्ति कठिन रहेगी।

सितम्बर 2026 के लिए फलादेश

ग्रह, सितारों के पक्ष से इस माह आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के लिए यह माह बहुत शुभ फलदायक नहीं बन रहा है। आपके कार्य आपको संतुष्टि देने में असमर्थ रहेंगे।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



इसके अलावा कार्यक्षेत्र का माहौल और वहां की परिस्थितियां आपकी अपेक्षाओं पर पूरी नहीं उतरेंगी। कुछ व्यावसायिक प्रयोजनों अथवा नौकरी के सिलसिले में की गई यात्राओं से अनुकूल लाभ प्राप्तियां नहीं हो पायेंगी। दक्षिण दिशा में यात्रा करना आपको सकारात्मक परिणाम देकर जा सकता है। इसके अतिरिक्त संपर्क सूत्र भी आपको ज्यादा मदद नहीं करेंगे। कार्यों के लिए दूसरों पर निर्भरता आपके लिए सही नहीं होगी।

अक्टूबर 2026 के लिए फलादेश

व्यावसायिक उन्नति के लिए यह माह बहुत अनुकूल नहीं रहेगा। यात्राओं के द्वारा अच्छे सौदे तय करने की आपकी योजना लाभदायक नहीं रहेंगी। फिर भी पश्चिम दिशा में यात्रा करना कुछ हद तक लाभ दे सकता है। कार्य क्षेत्र का वातावरण आपके लिए उत्कृष्ट नहीं बना हुआ है। अतः इस अवधि में आपको सावधान रहना होगा। आपके संपर्क और प्रभावशाली दोस्तों की मदद भी आपके लिए अनुकूल सिद्ध नहीं होगी। समय की प्रतिकूलता को कम करने के लिए आप दूसरों पर निर्भर होने से बचें। इसके अतिरिक्त इस अवधि में आपको धैर्यपूर्वक स्थिति का सामना करना होगा। कुल मिलाकर यह माह आपके लिए बहुत अनुकूल माह नहीं बना हुआ है।

नवम्बर 2026 के लिए फलादेश

सितारों का संयोजन इस माह में बहुत अनुकूल नहीं बना हुआ है। अतः यह माह आपकी पेशेवर उन्नति की संभावनाओं के पक्ष से बहुत उज्ज्वल नहीं बना हुआ है। माह अवधि में आपको अपने कार्यों से संतुष्टि की प्राप्ति नहीं होगी। यहां तक की इस माह में आप पर कार्य भार की अधिकता भी नहीं रहेगी। फिर भी कार्यों का परिणाम सुखद न रहने की संभावना बन रही है। माह अवधि में आपको बहुत अधिक यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। लेकिन फिर भी आप यात्राओं से प्रत्याशित लाभ प्राप्त करने में सफल नहीं हो पायेंगे। जहां तक अपने उद्देश्य प्राप्ति की बात है यह समय आपके लिए कष्टकारी रहेगा। आप और आपके लक्ष्यों की प्राप्ति के मध्य अनेक बाधाएं होने की संभावना बन रही है। संपर्क सूत्रों से आपको मदद मिलने की संभावना बहुत कम बन रही है। माह अवधि में आपके प्रभावशाली दोस्त भी आपके काम नहीं आ पायेंगे।

दिसम्बर 2026 के लिए फलादेश

व्यावसायिक संभावनाओं के लिए इस माह की ग्रह स्थिति बहुत उत्साहवर्धक नहीं बनी हुई है। माह अवधि में आप पर कार्य भार अधिक नहीं रहेगा। फिर भी कार्य करने का माहौल आपके लिए सुखद नहीं बना हुआ है। अपने पूर्ण प्रयासों के बावजूद आप प्रत्याशित लाभ प्राप्त करने में सफल नहीं हो पायेंगे। यह भी संभावना बन रही है कि आप बहुत कोशिशें करने के बाद भी अपने कार्यों के अनुरूप लाभ प्राप्त न कर पायें। इस समय में सौदे निश्चित करने के उद्देश्यों से अनेक यात्राएं करने की संभावनाएं बन रही हैं। यात्राओं से किसी प्रकार का लाभ

मिलने के योग बहुत कम बन रहे हैं। लेकिन पूर्व दिशा की यात्राएं आपको कुछ लाभ दे सकती हैं। हालांकि यह भी बहुत उपयोगी नहीं कहा जा सकता है। संपर्क और प्रभावशाली दोस्तों का सहयोग आपकी मदद करने में असमर्थ रहेगा। कुल मिलाकर इस माह में व्यावसायिक स्थिति में कुछ सुधार होने की संभावनाएं बहुत कम बन रही हैं। लाभों में कमी आपको पीड़ित कर सकती हैं।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

कार्य क्षेत्र - 2027

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से यह वर्ष बहुत बढ़िया रहेगा। व्यवसाय व कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी। आप कोई नया कार्य प्रारम्भ कर सकते हैं। लग्नस्थ गुरु के प्रभाव से नयी योजनाओं से लाभ उठा कर आप अपने व्यापार को और सुदृढ़ बना सकते हैं। आपका भाग्य भी आपके अनुकूल रहेगा। आप कम समय में उत्तम सफलता प्राप्त कर सकते हैं। शेयर बाजार से जुड़े व्यक्तियों को इच्छित लाभ होगा।

साझेदारी में काम करने वालों के लिए समय अच्छा नहीं है। 26 जून के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों की पदोन्नती होने के प्रबल योग बन रहे हैं। वरिष्ठ लोगों या बड़े अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा, आप मानसिक रूप से संतुष्ट हो कर प्रसन्नता पूर्वक अपना कार्य करेंगे।

जनवरी 2027 के लिए फलादेश

सितारों की स्थिति आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के लिए काफी उज्ज्वल बनी हुई है। अतः आपके पेशेवर जीवन के लिए यह माह बहुत अनुकूल रहेगा। कुछ महिला सदस्यों का सहयोग आपके पेशेवर जीवन में महत्वपूर्ण मोड़ लाने का कार्य कर सकता है। यह मोड़ आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा। प्रतिभाशाली व्यक्तियों और शैक्षिक वर्ग के जुड़ने से आप की जीवन शैली समृद्ध होगी तथा यह आपके लिए बेहद फायदेमंद रहेगा। लाभ के साथ-साथ यह संयोग आपको संतोष भी देगा। व्यावसायिक विषयों के लिए यात्रा करने के लिए आप दिक्षण दिशा का चयन करें। यह यात्राएं छोटी और लाभकारी रहेंगी।

फरवरी 2027 के लिए फलादेश

इस माह में आपकी व्यावसायिक उन्नति की संभावनाएं आपके लिए बहुत उत्साहजनक नहीं बनी हुई हैं। सितारों की स्थिति प्रतिकूल बन रही है। माह अवधि में आपके द्वारा कड़ी मेहनत करने पर भी प्रत्याशित लाभ प्राप्ति की संभावनाएं बहुत कम बन रही हैं। शैक्षिक वर्ग के साथ जुड़ना आपके जीवन को बेहतर करने में सफल नहीं हो पाएगा। प्रयास करने पर भी अनुकूल प्राप्ति नहीं होने के कारण आपमें असंतोष की भावना विकसित हो सकती है। संपर्क और प्रभावशाली मित्रों की मदद भी आपके पेशेवर जीवन की उन्नति में सहयोग नहीं कर पायेंगी। आपका कोई बड़ा सौदा मध्य में रुक सकता है। परिस्थिति को ओर अधिक प्रतिकूल बनाने से बचाने के लिए आप सैद्धांतिक जीवन यापन करें। सुविधाओं की कमी से विचलित न हों।

मार्च 2027 के लिए फलादेश

माह अवधि में सितारों की स्थिति आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के लिए बहुत अनुकूल नहीं बनी हुई है। सितारों का संयोजन आपके लिए इस समय में प्रतिकूल बना हुआ

हैं। शीघ्र लाभ प्राप्ति के लिए आप कानून के बाहर जाकर कार्य करने का प्रयास करेंगे। ऐसा करना आपके लिए सही नहीं होगा। अन्यथा आप बड़ी मुसीबत में पड़ सकते हैं। परिस्थितियों को अपने पक्ष में करने के लिए आपको कानून के नियमों के तहत रहकर ही कार्य करना होगा। शैक्षिक वर्ग के साथ जुड़ना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। समय की प्रतिकूलता में यात्राएं भी आपके लिए लाभ का साधन नहीं बन पायेंगी। फिर भी इस समय में उत्तर दिशा की यात्रा करना आपके लिए मामूली रूप से फायदेमंद रहेगा।

अप्रैल 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारें आपके पेशेवर जीवन की संभावनाओं के लिए बहुत उज्ज्वल नहीं बने हुए हैं। शैक्षिक वर्ग के प्रतिभाशाली व्यक्तियों के साथ जुड़ना आपको लाभ देने में असफल रहेगा। प्रतिकूल समय में पूर्व दिशा की यात्रा करना आपके लिए कुछ लाभदायक सिद्ध हो सकता है। इसलिए यदि यात्रा करनी ही हो तो इसके लिए आप पूर्व दिशा का चयन करें। शीघ्र धन कमाने की उम्मीद में आप गलत साधनों की ओर आकर्षित हो सकते हैं। कानूनी नियमों के दायरे में रहकर ही कार्य करना आपके लिए हितकारी रहेगा। साथ ही आप इस अवधि में सैद्धांतिक जीवन व्यतीत करें। प्रतिकूल समय में यही बुद्धिमानी की नीति होगी।

मई 2027 के लिए फलादेश

माह अवधि के सितारें आपको शुभता प्रदान नहीं कर रहे हैं। अतः यह समय आपके पेशेवर जीवन की संभावनाओं के लिए बहुत उज्ज्वल नहीं बना हुआ है। शैक्षिक वर्ग और आध्यात्मिक स्तर के प्रतिभाशाली व्यक्तियों के सहयोग से भी आपको व्यावसायिक जीवन में आगे बढ़ने में सफलता नहीं मिल पायेंगी। कड़ी मेहनत करने के परिणाम स्वरूप आपको आंशिक लाभ ही प्राप्त होंगे। यह आपमें असुरक्षा की भावना ला सकता है। ऐसे विषयों को स्वयं में प्रवेश न करने दें अन्यथा यह आपमें मानसिक अस्थिरता की स्थिति उत्पन्न कर सकता है। माह अवधि में कुछ यात्राओं के भी योग बन रहे हैं। यात्राओं से सुखद परिणाम प्राप्त करने की संभावनाएं इस अवधि में बहुत कम बन रही हैं। दक्षिण दिशा में यात्रा करने से आपको कुछ लाभों की प्राप्ति हो सकती है। समय की प्रतिकूलता में धैर्य बनाए रख, कार्य करते रहना आपके लिए अनुकूल रहेगा।

जून 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों का संकेत आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के लिए बहुत उत्साहजनक नहीं बना हुआ है। अत्यधिक कार्य करने पर भी आपको इस अवधि में मनोकूल लाभ का प्राप्ति नहीं हो पाएंगी। फिर भी आपको कार्यों करते रहना होगा। शैक्षिक वर्ग के लोगों का साथ और उनका सहयोग फल प्राप्ति की संभावनाओं को बढ़ा सकता है। श्रम की मात्रा में लाभ न मिल पाने की स्थिति में आपके मन में असंतोष की स्थिति आ सकती है। इस

अवधि में पेशेवर कारी के लिए पश्चिम दिशा की यात्रा करना आपको लाभ दिला सकती हैं। अन्य दिशाओं में यात्रा करने के निर्णयों का आपको इस अवधि में त्याग करना चाहिए। इसके अलावा इस अवधि में आपको धैर्य से काम लेना होगा।

जुलाई 2027 के लिए फलादेश

व्यावसायिक उन्नति के पक्ष से इस माह के सितारों का संयोजन आपके लिए अनुकूल नहीं हैं। अवधि विशेष में आध्यात्मिक वर्ग से सीखने वाले व्यक्तियों का सहयोग आपको सामान्य लाभ दे सकता है। यह आपमें असंतोष की भावना ला सकता है। प्रयास करने पर भी लाभ न मिलना आपमें अनिश्चितता की भावना ला सकता है। इससे आपकी चिंताओं में भी बढ़ोतरी होगी। कड़ी मेहनत करने पर भी प्राप्तियां अनुकूल न मिलने के कारण आप निराशा भाव से ग्रसित हो सकते हैं। इस समय में सैद्धान्तिक जीवन का पालन करना आपके लिए उत्तम रहेगा।

अगस्त 2027 के लिए फलादेश

पेशेवर संभावनाओं के लिए इस माह के सितारों की स्थिति विशेष रूप से उपयोगी होकर आपके लिए सुखद नहीं बनी हुई है। माह अवधि में आप पर कार्य भार की अधिकता रहेगी। अत्यधिक मेहनत करने के फलस्वरूप आपको लाभ आंशिक रूप से ही प्राप्त होने की संभावना बन रही है। शैक्षिक वर्ग के लोगों के साथ जुड़ना उम्मीद से अधिक लाभ प्राप्ति की संभावनाओं को विफल कर सकता है। फिर भी आपका पूर्व दिशा में यात्रा करना आपको पेशेवर जीवन को उन्नति देगा। अन्य दिशाओं में यात्रा करना व्यर्थ साबित हो सकता है। विपरीत परिस्थितियों में आपको अपने को नियम सिद्धान्तों के मध्य व्यतीत करने का प्रयास करना चाहिए। व्यावसायिक जीवन में भी इन नियमों का पालन करें।

सितम्बर 2027 के लिए फलादेश

व्यावसायिक संभावनाओं के लिए यह माह बहुत उत्तम नहीं बना हुआ है। इस माह के सितारों की स्थिति आपके लिए सुखद नहीं बनी हुई है। माह अवधि में आप पर कार्य भार की अधिकता रहने की संभावना बन रही है। कड़ी मेहनत करने पर भी आपको इसके परिणाम में अपेक्षाकृत लाभ प्राप्त नहीं हो पायेंगे। साथ ही इस समय में पेशेवर जीवन में संतोष की कमी भी बनी रह सकती है। अपने जीवन को समृद्ध बनाने के लिए आप का शैक्षिक वर्ग के साथ जुड़ना हितकारी रहेगा। इस अवधि में आपके द्वारा कुछ यात्राएं होने के संकेत बन रहे हैं। यदि आप दिक्षण दिशा में व्यावसायिक यात्राएं करते हैं तो विपरीत समय में भी आप कुछ लाभ प्राप्त कर सकते हैं। शुभ फल की संभावनाएं बहुत कम बन रही हैं। कुल मिलाकर इस माह में धैर्यपूर्वक प्रयास करते रहें।

अक्तूबर 2027 के लिए फलादेश

आपकी पेशेवर उन्नति के लिए इस माह की ग्रह स्थिति काफी अनुकूल बन रही हैं। शैक्षिक वर्ग और अन्य प्रतिभाशाली व्यक्तियों के प्रभाव से आपकी कार्यशैली बेहतर होगी। यह आपको भौतिक लाभ देगा तथा आपके जीवन को बेहद संतोषजनक स्थिति प्रदान करेगा। यहां तक की आपका कुछ सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों में योगदान सराहनीय रहेगा। आपको अपनी जीवनशैली को सिद्धान्तिक बनाना होगा। कानून आदि का सख्ती से पालन करते हुए, इसके दायरे में ही कार्य करने होंगे। इस समय में कुछ यात्राएं होने की संभावनाएं बन रही हैं। यात्रा की शुभ दिशा आपके लिए पश्चिम दिशा बन रही हैं। इस दिशा में यात्रा कर लाभों को बढ़ा सकते हैं।

नवम्बर 2027 के लिए फलादेश

सितारों का संयोजन आपके लिए अनुकूल नहीं बन रहा हैं। अतः इस अवधि में व्यावसायिक उन्नति पाने की संभावनाएं बहुत उत्साहजनक नहीं बन रही हैं। कड़ी मेहनत करने पर भी प्रतिफल अनुरूप प्राप्त न होने पर आपमें कुछ हताशा की स्थिति हो सकती हैं। व्यावसायिक क्षेत्र की गतिविधियों में असंतुलन की स्थिति लगभग हर क्षेत्र में स्पष्ट होगी। आपके संपर्क और प्रभावशाली मित्र भी आपके लिए सहयोगी नहीं हो पायेंगे। ऐसे विषयों को सहजता में लेने की आदत न डालें। अवधि विशेष में यात्राओं के द्वारा व्यवसाय का विस्तार करने का लक्ष्य अनुकूल फलदायक नहीं बना हुआ हैं। यात्राओं से मध्यम स्तरीय लाभ प्राप्ति के योग बन रहे हैं। धैर्य और प्रयास के साथ आप अपने कर्तव्यों का दृढ़ता के साथ निर्वह करते रहें।

दिसम्बर 2027 के लिए फलादेश

सितारों की अनुकूल स्थिति आपकी व्यावसायिक कार्यों के लिए बहुत शुभ फलदायक बन रही हैं। इस माह में आपका गतिशील होना आपको संपन्न करेगा। अतः इस समय में आप अपनी गतिविधियों को एक निश्चित तरीके से आगे बढ़ायें। आपको अपनी जीवन शैली को साहस पूर्ण दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाना होगा। इस अवधि में आपको अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। शैक्षिक वर्ग और आध्यात्मिक स्तर के प्रतिभाशाली व्यक्तियों का सहयोग आपको समृद्ध करेगा। यह आपको संतुष्टि देगा। सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों में आपका योगदान आपको महत्वपूर्ण सराहना प्रदान कर सकता हैं।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



धन संबंधी - 2025

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहेगा धनागम में निरंतरता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में आपके भाईयों व पत्नी का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

मई के बाद राहु एवं गुरुग्रह का गोचर एक साथ प्रतिकूल हो रहा है। इस समय के अंतराल में आपको कोई बड़ा निवेश न करें। यदि निवेश करना अत्यधिक जरूरी हो तो उस क्षेत्र से जुड़े अनुभवी लोगों से परामर्श लेकर निवेश करें।

जनवरी 2025 के लिए फलादेश

आपकी इस माह की वित्तीय संभावनाओं के लिए ग्रह अच्छा संकेत नहीं दे रहे हैं। समय की प्रतिकूलता अवधि में किसी मुकदमेबाजी या विवाद का फैसला आपके खिलाफ जा सकता है। इसलिए इस अवधि में आपको निर्णयों को स्थगित करने का प्रयास करना चाहिए। सरकारी निकायों या विभागों के साथ व्यवहार करना आपके लिए विभिन्न समस्याओं से भरा हो सकता है। यहां तक की आपको इनमें घाटा हो सकता है। माह अवधि में आपके द्वारा बनाई गई योजनाएं लाभ देने में असमर्थ रहेंगी। बदमाश स्वभाव के लोगों के साथ आपको कार्य करना पड़ सकता है। नए उद्यमों में निवेश करने के लिए समय अनुकूल नहीं बना हुआ है।

फरवरी 2025 के लिए फलादेश

आने वाले माह में किए गए वित्तीय लेन-दिनों का परिणाम शायद आपके लिए अनुकूल न हो। आपके किसी मुकदमेबाजी या विवाद का फैसला आपके खिलाफ जा सकता है। अवधि के अनुकूल होने तक के लिए निर्णय टालने का प्रयास करना चाहिए। सरकारी निकायों और विभागों से निपटने के लिए यह एक कठिन समय होगा। माह अवधि में आपके द्वारा बनाई गई अधिकांश योजनाएं अपने उद्देश्यों में असफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त नए उद्यमों में निवेश करने के लिए भी समय अनुकूल नहीं हैं।

मार्च 2025 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रहों का संयोजन आपके स्वयं के धन के प्रयोग से एक अत्यंत लाभकारी स्थिति बना रहा है। इसमें आपके धन वृद्धि के सुयोग बन रहे हैं। किसी स्त्री पक्ष के सहयोग के द्वारा भी आपको बहुत लाभ प्राप्ति की सम्भावना बन रही है परन्तु इसके लिए आपको कार्य भी करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त किसी मुकदमेबाजी या विवाद में शामिल होने पर आपके पक्ष में हो सकता है। निर्णय लेने के लिए भी समय शुभ बना हुआ है। माह अवधि में प्रबंधन विषयों को करने में सहजता रहेगी। इस समय में नए उद्यमों में निवेश करने के लिए ग्रह बहुत अनुकूल बना हुआ है। आपको इसमें सफलता की संभावना बन रही है। आपमें आत्मविश्वास और साहस प्रचुर मात्रा में बना हुआ है। इससे आप बड़ी योजनाओं को भी पूर्ण करेंगे।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अप्रैल 2025 के लिए फलादेश

इस माह की वित्तीय लाभ की संभावनाएं उत्कृष्ट बन रही है। परन्तु आध्यात्मिक क्षेत्रों से सम्बंधित कम्पनियों और व्यापार क्षेत्र में प्रथम कदम रखने वाले लोग इसका फायदा नहीं ले पाएंगे। यदि आप किसी भी प्रकार के विवाद या मुकदमेबाजी में शामिल है तो इनका फैसला आपके पक्ष में आ सकता है। विवादों में किसी प्रकार का शीघ्र निर्णय लेना हो तो आपको प्रबंधन करना होगा। सरकारी निकायों और विभागों के साथ कार्य पूर्ण करने के लिए बहुत ही लाभदायक समय है। यह सभी आपको एक सुनियोजित तरीके से करना होगा। व्यावहारिक रूप से आप अपने उद्देश्यों को योजना अनुसार पूर्ण करने में सक्षम रहेंगे। नए उद्यमों में निवेश करने के लिए समय काफी अनुकूल रहेगा।

मई 2025 के लिए फलादेश

वित्तीय मामलों के लिए इस माह की संभावनाएं काफी उज्ज्वल बनी हुई है। सरकारी विभागों से संबधित कार्यों से आपको आंशिक लाभ होंगे। इस्पात उद्योग या इन क्षेत्रों में कार्यरत व्यक्ति के लिए स्थिति बेहतरीन बनी हुई है। किसी मुकदमेबाजी या विवाद का फैसला आपके पक्ष में होने की संभावना बन रही है। इस माह में लिए गए निर्णयों से भी आपको आर्थिक रूप से लाभ होगा। आपके द्वारा किए गए प्रयासों का परिणाम आपको लाभ के रूप में प्राप्त हो सकता है। नए उद्यमों में निवेश करने के लिए समय की अनुकूलता बनी हुई है।

जून 2025 के लिए फलादेश

वित्तीय संभावनाओं के लिए इस माह की शुभता आपके भाग्य के लिए शुभ बनी हुई है। माह अवधि में धन सम्बंधित बड़े सौदे होने की सम्भावना बन रही है। आप किसी मुकदमेबाजी या विवाद में शामिल हो सकते हैं। ऐसे विवाद का निर्णय आपके पक्ष में हो सकता है। इससे आपको बड़े पैमाने पर आर्थिक रूप से लाभ प्राप्त हो सकते हैं। सरकारी निकायों या विभागों से निपटने के लिए यह बहुत ही लाभदायक समय है। इस समय में आपके द्वारा लिए गए निर्णयों से आपको आर्थिक लाभ पहुँच सकता है। इसके अतिरिक्त आपको प्रत्याशित लाभ भी प्राप्त हो सकते हैं। नए उद्यमों में निवेश करने के लिए समय काफी अनुकूल रहेगा।

जुलाई 2025 के लिए फलादेश

माह अवधि में आपके लिए पर्याप्त लाभ प्राप्ति के योग बन रहे हैं। लेकिन यह अग्रणी संदिग्ध घटनाओं का परिणाम हो सकता है। यह एक उत्कृष्ट माह है। किसी कंपनी या प्रतिभाशाली व्यक्ति के साथ मिलकर आप उच्च नैतिक मूल्यों के साथ अपने कार्य पूर्ण करेंगे। योजना बनाकर या उम्मीद के अनुरूप लाभ प्राप्त करने के लिए यह एक उत्प्रेरक समय है। मानसिक और सामाजिक पक्ष से भी यह स्थिति बहुत संतोषजनक बनी हुई है। सरकार के साथ कार्य पूर्ण करने के लिए यह बहुत ही लाभदायक समय है। यहाँ तक की आपको इस समय में पिछला बकाया भुगतान भी मिल सकता है। विवाद या मुकदमों का फैसला

निश्चित रूप से आपके पक्ष में हो सकता है। नए उद्यमों में निवेश करने के लिए ग्रह स्थिति काफी अनुकूल है।

अगस्त 2025 के लिए फलादेश

वित्तीय मामलों के लिए सितारों की स्थिति बहुत अनुकूल नहीं है। आपको इस माह में उम्मीद के अनुरूप लाभ प्राप्त करने में बहुत कठिनाई होगी। लाभ क्षेत्र में कुछ अवरोध या बाधाएं बनी हुई हों। इसलिए छोटे लाभों को आप तक पहुँचने में मुश्किल होगी। किसी भी मुकदमेबाजी या विवाद से आपको आसानी से लाभ होगा। सरकारी निकायों या विभागों से सम्बंधित कार्यों के लिए यह समय प्रतिअनुकूल बना हुआ है। इसलिए इस अवधि में ऐसे सभी प्रस्तावों को स्थगित करना ही सही रहेगा। माह अवधि में बदमाशों के साथ आपकी नजदीकियां बढ़ सकती हैं। लाभ प्राप्ति के लिए समय शुभ नहीं है। कुछ हानियां भी हो सकती हैं। यदि इस अवधि के दौरान कम वित्तीय लाभ रहते हैं तो भी आप धैर्य से काम लें।

सितम्बर 2025 के लिए फलादेश

लाभ प्राप्ति के लिए यह लाभदायक अवसरों से भरा माह है। इस माह में आपको सरकारी निकायों और विभागों से बड़ा सौदा हासिल होने के योग बन रहे हैं। समय की हानि किये बिना आर्थिक प्रस्तावों पर निर्णय लें। आपको किसी मुकदमेबाजी या विवादों से काफी फायदा होगा। कुछ बहुत अच्छे लाभ होने के शुभ योग बन रहे हैं। नए उद्यम शुरू करने या निवेश करने के लिए यह एक अनुकूल अवधि होगी। कुछ लाभ मंद गति के रूप में प्राप्त हो सकते हैं। विभिन्न प्रकार के बदमाश प्रकृति के लोगों से नजदीकियां बढ़ने से आपको लाभ होगा। ऐसे में यह आपके लिए बहुत ही लाभदायक अवधि होगी।

अक्टूबर 2025 के लिए फलादेश

आने वाला माह वित्तीय संभावनाओं के लिए बहुत अनुकूल नहीं बन रहा है। ललित कला से जुड़े व्यापारियों का व्यापार प्रभावित हो सकता है। इस क्षेत्र के लोगों को इस समय में विशेष सावधानी रखनी होगी। सरकार से जुड़े कार्यों को पूर्ण करने में आपको बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। हानि की भी संभावनाएं बन रही हैं। मुकदमेबाजी और विवादों का फैसला आपके खिलाफ जा सकता है। इस माह अवधि में आपके द्वारा किए गए प्रयासों में आपको उम्मीद के अनुरूप लाभ नहीं मिल पाएंगे। कठिन समय में आपको सावधानी से काम लेना होगा। अच्छी नीतियों से स्थिति को नियंत्रण में किया जा सकता है।

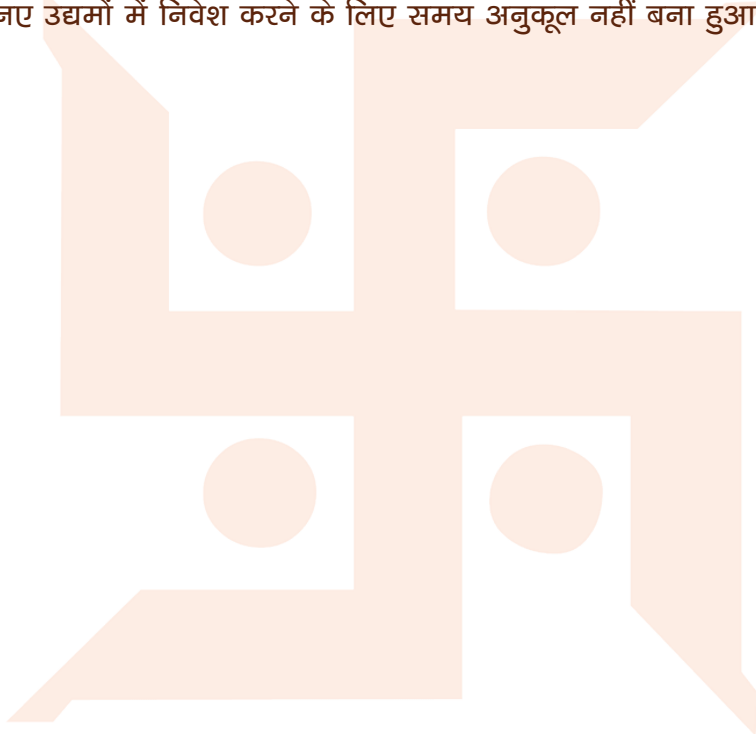
नवम्बर 2025 के लिए फलादेश

इस माह की वित्तीय संभावनाओं के लिए ग्रह स्थिति अनुसार भविष्यवाणी बहुत शुभ नहीं है। सरकारी निकायों या विभागों के साथ कार्य करना आपके लिए नुकसान दायक नहीं रहेगा। इस अवधि में आपको प्राप्त होने वाली प्राप्ति स्थगित हो सकती है। मुकदमों और

विवादों का फैसला आपके खिलाफ जा सकता है। इस अवधि में फैसलों में देरी की संभावनाएं बन रही हैं। इस समय में आपके द्वारा बनाई गई योजनाओं से लाभ प्राप्ति करने में आप असमर्थ रहेंगे।

दिसम्बर 2025 के लिए फलादेश

आपकी इस माह की वित्तीय संभावनाओं के लिए ग्रह अच्छा संकेत नहीं दे रहे हैं। समय की प्रतिकूल अवधि में किसी मुकदमेंबाजी या विवाद का फैसला आपके खिलाफ जा सकता है। इसलिए इस अवधि में आपको निर्णयों को स्थगित करने का प्रयास करना चाहिए। सरकारी निकायों या विभागों के साथ व्यवहार करना आपके लिए विभिन्न समस्याओं से भरा हो सकता है। यहां तक की आपको इनमें घाटा हो सकता है। माह अवधि में आपके द्वारा बनाई गई योजनाएं लाभ देने में असमर्थ रहेंगी। बदमाश स्वभाव के लोगों के साथ आपको कार्य करना पड़ सकता है। नए उद्यमों में निवेश करने के लिए समय अनुकूल नहीं बना हुआ है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



धन संबंधी - 2026

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध सामान्य रहेगा द्वादश स्थान के गुरु धनागम में रुकावट उत्पन्न करेंगे। जिससे आर्थिक उन्नति में कमी हो सकती है। इस समय के अंतराल में आपको निवेश या किसी को उधार पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो वापसी की उम्मीद बहुत कम है, परन्तु आपको मातुल पक्ष से लाभ होगा।

गुरु ग्रह के गोचर के बाद समय अच्छा हो रहा है। उस समय आपको रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। सप्तम स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से पत्नी या मित्रों से धन लाभ होगा या आर्थिक स्थिति को सुधारने में इनका पूर्ण सहयोग होगा। अपने व्यापार को और आगे बढ़ाने में भी आपका पैसा खर्च हो सकता है। आप अपनी भौतिक सुख सुविधा पर भी पैसा खर्च करेंगे। 31 अक्टूबर के बाद रत्न आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी और आपको ससुराल पक्ष से भी लाभ प्राप्त होगा।

जनवरी 2026 के लिए फलादेश

माह अवधि के ग्रह, सितारों का योग आपकी वित्तीय संभावनाओं के लिए बहुत अनुकूल नहीं बना हुआ है। अधिकतर योजनाओं से लाभ प्राप्त करने में आपको संघर्ष करना पड़ेगा। काफी कोशिश के बाद कुछ फल प्राप्त हो सकते हैं। फिर भी आपको सफलता मनोकूल सफलता प्राप्त नहीं होगी। यात्राओं के द्वारा बड़े सौदे करने का आपका उद्देश्य हो सकता है, परन्तु यह आपके लिए व्यर्थकारी सिद्ध हो सकता है। इससे छोटे फल ही प्राप्त हो पायेंगे। लेखकों, चित्रकारों और कला के क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों के आर्थिक पक्ष से यह बहुत समय बुरा हो सकता है। ऐसे में बुद्धिमानी इसी में होगी की ऐसे व्यक्तियों के साथ कार्य करते समय पर्याप्त भत्ते ले लिये जाएं। नये उद्यमों में निवेश करने के लिए परिस्थितियां सौहार्दपूर्ण नहीं बन रही हैं। इसलिए कम निवेश से ही आपको काम चलाना पड़ सकता है।

फरवरी 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों आपकी वित्तीय संभावनाओं के लिए बहुत अनुकूल नहीं बन रहे हैं। यहां तक की मदद की एक निश्चित राशि आपके द्वारा बनाए गई योजनाओं के उद्देश्यों को साकार करने में सक्षम होंगी। बड़े सौदों को तय करने के लिए की गई यात्राएं भी आपके लिए समय की बरबादी के रूप में सामने आ सकती हैं। इससे आपको कोई लाभ प्राप्त नहीं होगा। वास्तव में इस समय में छोटे लाभ प्राप्त करना भी आपके लिए मुश्किल हो सकता है। आयात-निर्यात या विदेशी देशों के साथ कार्य आरम्भ करने का परिणाम आपके लिए असफलता हो सकती है। इसके लिए आपके द्वारा किए गए भुगतान भी व्यर्थ होंगे। नए उद्यमों में निवेश करने के लिए अभी माहौल सौहार्दपूर्ण नहीं बना हुआ है। इसलिए जो है उसी में संतुष्ट रहें और धैर्य से काम लें।

मार्च 2026 के लिए फलादेश

माह अवधि में ग्रहों एवं सितारों का संयोजन आपकी वित्तीय और व्यावसायिक संभावनाओं के लिए बहुत शुभ नहीं बन रहा है। इस माह के सितारें उत्तम ग्रह योग नहीं बना रहे हैं। अपने अधिकांश प्रत्याशित उद्देश्यों को साकार करने के लिए आपको काफी हद तक संघर्ष का सामना करना पड़ सकता है। इस स्थिति में आपके लिए सफलता प्राप्त करना कठिन रहेगा। इस प्रतिकूल समय में मामूली बढ़त प्राप्त करना भी आपके लिए कठिन होगा। नए उद्यमों में निवेश करने के लिए समय अनुकूल नहीं बना हुआ है। इससे बेहतर है कि आप इस धन का संचय करें। प्रतिकूल अवधि के समाप्त होने पर आप इसका प्रयोग कर सकते हैं। अतः इस अवधि में आपका पुराने उद्यमों पर ही काम करना अनुकूल रहेगा।

अप्रैल 2026 के लिए फलादेश

यह माह आपके लिए लाभदायक अवसरों से भरा माह है। कुछ विषयों में कुशल प्रबंधन कर आप वास्तव में इस माह को एक उत्कृष्ट माह बना सकते हैं। इस माह में यह भी संभावना बन रही है कि किसी महिला अधिकारी का सहयोग आपके लिए एक बेहद फायदेमंद सिद्ध होगा। इसके अतिरिक्त यह भी संभावना बन रही है कि आपको प्रत्याशित लाभ प्राप्त करने के अनुकूल लाभ प्राप्त होंगे। यदि आप परिवहन उद्योग के साथ जुड़े हुए हैं तो विशेष रूप से यह समय आपके लिए उपयोगी रहेगा। यह पूर्ण लाभ आपको कुछ समय के लिए प्राप्त हो सकते हैं। यात्राओं से भी आपको अच्छे लाभ प्राप्ति के योग बन रहे हैं। यात्राओं से एक अच्छी राशि में लाभ प्राप्त हो सकते हैं। नये उद्यमों में निवेश करने के लिए ग्रह परिस्थितियां अनुकूल नहीं हैं।

मई 2026 के लिए फलादेश

वित्तीय मामलों के लिए यह माह बहुत ही अनुकूल है। महिला सहयोगी आपके लिए इस माह में बेहद लाभकारी साबित होंगी। यह आपके लिए एक अनुकूल समय है, ऐसे व्यक्तियों से सहयोग लेने का। इस माह अवधि में आपके द्वारा बनाई गई अधिकांश योजनाएं से उद्देश्यों को प्राप्त करने की उम्मीद कर सकते हैं। इसके अलावा आप अपने सेवकों और कार्यकर्ताओं तथा सहयोगियों से उनकी सेवाओं से अधिकतम लाभ प्राप्त करने में सक्षम रहेंगे। माह अवधि में आपको अपने कार्यकर्ताओं और अधिनस्थों को संभालने पर विशेष ध्यान देना होगा। इसे भी आपके लाभ बढ़ेंगे। यात्राएं लाभकारी साबित हो सकती हैं। हालांकि यात्राओं से लाभ छोटे रूप में प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास के साथ आप नये उद्यमों में निवेश कर सकते हैं। समय की अनुकूलता आपके साथ है।

जून 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों के संयोजन के अनुसार यह माह वित्तीय संभावनाओं के लिए काफी अनुकूल है। महिला कार्यकर्ताओं के सहयोग से भाग्य शुभ होकर आपकी प्रतीक्षा करेगा। इनमें से अधिकतर लोग आपको लाभ देकर जायेंगे। लाभ यहां आपके लिए बने रहेंगे। इस माह में आप पूर्ण रूप से प्रत्याशित लाभ प्राप्त करने में सक्षम रहेंगे। अपने कार्यकर्ताओं और सहयोगियों की सेवाओं का अधिकतम लाभ प्राप्त हो इस प्रकार से आप अपने कार्यों का प्रबन्ध

करेंगे। आपके लिए यह बहुत ही महत्वपूर्ण लाभ सिद्ध होंगे। नये उद्यमों में निवेश करने के लिए यह काफी अनुकूल समय है। यदि आप इस प्रकार की योजना बनाते हैं तो आपके लाभों को इससे गति मिलेगी।

जुलाई 2026 के लिए फलादेश

वित्तीय संभावनाओं के पक्ष से इस माह में आध्यात्मिक स्तर के कई विद्वानों का सहयोग प्राप्त होने के बावजूद आपके लिए यह बहुत लाभप्रद माह नहीं हैं। अधिकांश माह में अपने सभी प्रयासों के बावजूद कड़ी मेहनत करने के बाद भी आपको अपेक्षित लाभ प्राप्त करने के लिए संघर्ष की स्थिति बन सकती है। माह अवधि में ज्यादा सफलता प्राप्त करने की संभावना बन रही है। इस माह अवधि में आपको अनेक यात्राएं करनी पड़ सकती है, परन्तु यात्राओं का फल आपको प्राप्त न होने के कारण यह अवधि आपके लिए व्यर्थ सिद्ध हो सकती है। नये उद्यमों में निवेश करने के लिए आप नई योजनाएं बना सकते हैं। समय प्रतिकूल है। प्रतिकूल परिस्थितियों में आपको ऐसी योजनाओं को स्थगित करना ही लाभकारी रहेगा।

अगस्त 2026 के लिए फलादेश

वित्तीय लाभों के पक्ष से यह मय बहुत अनुकूल नहीं बना हुआ है। लाभों को उम्मीद के अनुसार प्राप्त करना आपके लिए बहुत मुश्किल रहेगा। विभिन्न प्रकार की बाधाओं के कारण यह प्राप्त करना लगभग असंभव कार्य होगा। यहां तक की छोटे परन्तु शीघ्र प्राप्त होने वाले लाभ प्राप्त करना आपके लिए मुश्किल रहेगा। साथ ही परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह कहा जा सकता है कि नये उद्यमों में निवेश करने के लिए समय सही नहीं बना हुआ है। यात्राएं से भी आशानुसार लाभ प्राप्ति में आप असफल हो सकते हैं। इसका अभिप्राय यह नहीं है कि आप यात्राएं न करें अपितु यह केवल एक सलाह है कि आप विशेष प्रयास के बाद मुश्किल समय में समय को अनुकूल बनाने के लिए प्रयास कर सकते हैं। इस कार्य में आपके संपर्क और प्रभावशाली मित्र आपके लिए बहुत मददगार सिद्ध हो सकते हैं।

सितम्बर 2026 के लिए फलादेश

यह माह आपके लिए बहुत लाभदायक माह है। इस माह में आपको समय हानि के बिना पूर्ण लाभ प्राप्त होंगे। जिनका सम्बन्ध किसी परिवहन उद्योग या व्यापार के किसी पहलू से जुड़ा हो सकत है। इन क्षेत्रों से आपको बड़ा लाभ प्राप्त हो सकता है। इसके अतिरिक्त नौकरियों में कार्यरत व्यक्तियों को भी इससे काफी लाभ मिल सकता है। यहां तक कि आप अच्छे मुनाफे के लिए योजनाबद्ध तरीके से प्रयास कर सकते हैं। यात्राएं करना भी इस माह में आपके लिए लाभदायक रहेगा। इससे आपको लाभ छोटे परन्तु शीघ्र प्राप्त होंगे। महिला सहयोगियों के सहयोग से आपको काफी अच्छे लाभ प्राप्त होने की संभावना बन रही है। नये उद्यमों में निवेश करने के लिए भी समय की शुभता बनी हुई है।

अक्टूबर 2026 के लिए फलादेश

आपकी वित्तीय संभावनाओं के पक्ष से यह समय बहुत ही लाभदायक समय नहीं बना हुआ है। यह समय आपके लिए बहुत मुश्किल समय है, योजना अनुसार लाभ प्राप्त करना आपके लिए बहुत कठिन होगा। बड़ी यात्राओं से छोटे लाभ प्राप्त करना आपके लिए मुश्किल हो सकता है। नये उद्यमों में निवेश करने के लिए परिस्थितियां बहुत अच्छी नहीं बनी हुई है। आपके संपर्क सूत्र और प्रभावशाली दोस्त आपके लिए बहुत मददगार साबित नहीं हो सकते हैं। यदि आप किसी सामान्य व्यापार कार्यों में संलग्न हैं तो आपको कुछ सख्त परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त परिवहन विभाग के साथ कार्य करने के प्रयास कर सकते हैं। इस समय में आप पर कार्याधिकता रहेगी। इसलिए धैर्य से काम लें।

नवम्बर 2026 के लिए फलादेश

वित्तीय संभावनाओं के लिए यह माह आपके लिए बहुत अनुकूल नहीं है। ललित कला और कला क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों के लिए इस माह में आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं रहेंगी। इसके अलावा यदि आप परिवहन उद्योग के साथ कार्यरत हैं वह चाहे नौकरी हो या व्यापार हो, किसी भी पहलू से हो ऐसे व्यक्तियों को लाभ प्राप्ति में कठिनाईयां आ सकती हैं। यहां तक की एक छोटा लाभ प्राप्त करना भी आपके लिए मुश्किल हो सकता है। यात्राओं में असफलता की स्थिति बनी हुई है। लाभ की कमी आपकी यात्राओं को दुःखद बना सकती है। इस समय में नये उद्यमों में निवेश करने के लिए अनुकूल समय नहीं है। इसलिए आप इस माह के दौरान शुभ समय आने की प्रतीक्षा करें तथा प्रयास करते रहें।

दिसम्बर 2026 के लिए फलादेश

जहां तक आपकी वित्तीय संभावनाओं का संबंध है, यह माह आपके लिए अत्यंत लाभकारी माह सिद्ध होगा। किसी भी मुकदमेबाजी या विवाद में शामिल होने पर विवाद का फैसला आपके पक्ष में जा सकता है। परिवहन उद्योग के लिए यह विशेष रूप से बहुत लाभदायक समय है। यहां तक के आपके द्वारा बनाई गई योजनाएं उम्मीद के अनुसार लाभ साकार करने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त महिला अधिकारियों के सहयोग से बड़ा लाभ प्राप्त होने की संभावनाएं बन रही हैं। आपके द्वारा की गई यात्राओं से भी आपको छोटे लाभ प्राप्त हो सकते हैं। नये उद्यमों में निवेश करने के लिए माहौल सौहार्दपूर्ण बना हुआ है।

धन संबंधी - 2027

आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष अनुकूल रहेगा। व्यापारिक अनुकूलता के कारण धनागम में वृद्धि होगी। आप इच्छित बचत करने में सफल रहेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में कर्जे इत्यादि से मुक्ति मिल सकती है। गुरु ग्रह के गोचर के बाद रत्न, आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी। रुके हुए या फंसे हुए पैसे मिल सकते हैं। सप्तमस्थ राहु के प्रभाव से आपकी पत्नी के स्वास्थ्य पर भी धन का व्यय हो सकता है।

26 नवम्बर के बाद सामाजिक कार्यों में व धार्मिक कार्यों में पैसा खर्च कर सकते हैं। भाइयों या ससुराल पक्ष से भी धन लाभ हो सकता है। अचानक धन लाभ होने के भी योग बन रहे हैं।

जनवरी 2027 के लिए फलादेश

आर्थिक संभावनाओं के अनुसार इस माह के सितारों की स्थिति आपके लिए बहुत कम लाभ प्राप्ति के योग बना रही हैं। वित्तीय संभावनाओं के लिए यह अनुकूल समय नहीं है। इस अवधि में आपके द्वारा किए गये प्रयास व्यर्थ हो सकते हैं। इनके द्वारा आपके उद्देश्यों की प्राप्ति के योग नहीं बन रहे हैं। लेखकों, कवियों और इसी वर्ग के अन्य व्यक्तियों के लिए यह बेहद कमजोर अवधि है। पहले से ही ऐसी स्थिति का प्रावधान करना आपके लिए सही रहेगा। इसके अलावा सरकार की ओर से लाभ प्राप्ति की आशाओं का परिणाम भी प्रतिकूल साबित हो सकता है।

फरवरी 2027 के लिए फलादेश

माह अवधि की स्थिति आपकी वित्तीय संभावनाओं के पक्ष से बहुत उज्ज्वल नहीं बन रही हैं। इस माह के सितारों की स्थिति अनुकूल न होने के कारण ऐसा हो रहा है। कवियों, संगीतकारों, नाटककारों, फिल्मकारों और कला के अन्य जानकारों के लिए यह माह आर्थिक पक्ष से कमजोर सिद्ध हो सकता है। प्रतिकूल समय में सावधानी से काम लेना होगा। कला विषयों का इस समय विकास कम होने की संभावना बन रही है। इसके अतिरिक्त इस अवधि में सरकार की ओर से कुछ लाभ प्राप्ति का यदि आप इंतजार कर रहे हैं तो आपको इसके लिए निराशा हो सकती है। ग्रह स्थिति में शुभता की कमी के कारण आपको अच्छे अवसर कम ही प्राप्त हो पायेंगे। तथा नये उद्यमों में निवेश करने के लिए अभी समय अनुकूल नहीं बना हुआ है।

मार्च 2027 के लिए फलादेश

इस समय एक ग्रहों की स्थिति आपकी वित्तीय संभावनाओं के लिए बहुत अनुकूल नहीं बनी हुई है। आपमें आत्मविश्वास और पहल करने की क्षमता की कमी इस समय में आपमें बनी हुई है। माह अवधि में आपकी प्रगति कम और मंद गति से होगी। कुछ समय

इसमें ठहराव की स्थिति भी बन सकती है। इस समय में आपको अनुकूल अवसरों की कमी का अनुभव होगा। सरकार के माध्यम से भी आशा के अनुरूप लाभ प्राप्त होने की संभावना नहीं बन रही हैं। सीखने वाले वर्ग के द्वारा किया गया सहयोग भी आपको लाभ प्रदान करने में सफल नहीं हो पाएगा। नये उद्यमों को शुरू करने के लिए और इनमें निवेश करने के लिए सितारों का योग सौहार्दपूर्ण नहीं बन रहा है। इसलिए कुछ समय के लिए ऐसी योजनाओं को स्थगित करना ही सही रहेगा।

अप्रैल 2027 के लिए फलादेश

सितारों और ग्रहों की स्थिति के अनुसार यह माह आपकी वित्तीय संभावनाओं के लिए बहुत अनुकूल नहीं बन रहा है। इस समय में यदि आपको सरकार से कोई लाभ प्राप्ति की उम्मीद है तो आपको इसका कोई लाभ नहीं मिल पाएगा। आपके अत्यधिक प्रयास करने के बावजूद उम्मीद के अनुरूप परिणाम प्राप्त नहीं हो पायेंगे। तथा प्रयासों के बाद भी अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पायेंगे। उद्देश्यों की प्राप्ति में विभिन्न प्रकार की बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। संभावित है कि आध्यात्मिक स्तर के व्यक्तियों और सीखने वाले लोगों के साथ जुड़ने से आपको सामान्य लाभ भी प्राप्त न हो पायें। नए उद्यमों को शुरू करने और इनमें निवेश करने के लिए परिस्थितियां अनुकूल नहीं बन रही हैं। यदि आपके पास इस विषय में कोई योजना है तो इन्हें अनुकूल अवधि आने तक स्थगित करना ही लाभकारी रहेगा।

मई 2027 के लिए फलादेश

इस माह के दौरान ग्रह स्थिति आपकी वित्तीय संभावनाओं के पक्ष से शुभ बन रही हैं। आपके अधिनस्थों, कार्यकर्ताओं और आपके नीचे कार्य करने वाले व्यक्तियों की सेवाओं का आप अधिकतम लाभ उठाने में सफल रहेंगे। इसके फलस्वरूप आपकी वित्तीय स्थिति भी बेहतर हो रही है। सीखने और आध्यात्मिक स्तर के कई प्रतिभाशाली व्यक्तियों के साथ जुड़ने से आपको लाभ और आध्यात्मिक संतुष्टि दोनों की प्राप्ति होगी। आपके स्वयं के द्वारा किए गये प्रयासों से आपको प्रत्याशित लाभ प्राप्ति होगी। इस अवधि में लाभों की गति मंद हो सकती है। परन्तु इस अवधि में आपको निश्चित रूप से आय की प्राप्ति होगी।

जून 2027 के लिए फलादेश

इस माह में आपको अपनी वित्तीय संभावनाओं को बेहतर करने के बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे। अपने मातहत या कार्यकर्ताओं के कौशल का आप कुशलता से प्रयोग कर उनकी सेवाओं से अधिकतम लाभ प्राप्त करने में आप सक्षम रहेंगे। इस अवधि में आपकी वित्तीय स्थिति में सुधार होगा। इस समय में सीखने और आध्यात्मिक स्तर के कई प्रतिभाशाली व्यक्तियों के साथ जुड़ना आपके लिए लाभकारी और आध्यात्मिक संतुष्टि दोनों देगा। माह अवधि में आपको अपने सभी प्रयासों का पूरा प्रत्याशित लाभ प्राप्त होगा। आय की गति थोड़ी मंद हो सकती है लेकिन इस अवधि के लाभ आपको नियमित रूप से और लम्बे समय तक प्राप्त होते रहेंगे।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



जुलाई 2027 के लिए फलादेश

आर्थिक पक्ष से यह आपके लिए एक अत्यंत लाभकारी माह है। इस माह में आपको लाभ और आध्यात्मिक संतोषजनक दोनों की प्राप्ति होगी। सीखने और आध्यात्मिक स्तर के कई प्रतिभाशाली व्यक्तियों के साथ जुड़ना आपको आर्थिक रूप से लाभ देगा। इसके अतिरिक्त आप को कुछ सामाजिक-धार्मिक गतिविधियों में योगदान देने के पर्याप्त अवसर प्राप्त होंगे। सरकार की ओर से भी आपको कुछ लाभ प्राप्त हो सकते हैं। माह अवधि में लाभों की गति मंद होने की संभावना बन रही है। इस अवधि में आपके द्वारा किए गये सभी प्रयासों से उम्मीद के अनुरूप लाभ प्राप्ति के योग बन रहे हैं। इस समय के लाभ नियमित रूप से प्राप्त होंगे। साथ ही नये उद्यमों में निवेश करने के लिए ग्रह स्थिति काफी अनुकूल बनी हुई है।

अगस्त 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की स्थिति आपकी वित्तीय संभावनाओं के पक्ष से विशेष रूप से लाभकारी नहीं बन रही है। इस समय में आपमें सामान्य आत्मविश्वास और पहल करने की क्षमता की कमी रहेगी। हो सकता है कि आपकी सभी योजनाओं का कार्य बाधित हो। आपके द्वारा किए गये अधिक प्रयास भी सभी उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफल नहीं रहेंगे। नये उद्यमों को शुरु करने और निवेश करने के लिए ग्रह योग सौहार्दपूर्ण नहीं बने हुए हैं। इसलिए ऐसी योजनाओं को अनुकूल समय आने तक स्थगित करना ही लाभकारी रहेगा।

सितम्बर 2027 के लिए फलादेश

इस माह में ग्रह और सितारों का योग काफी फायदेमंद बना हुआ है। इस माह में बन रही वित्तीय संभावनाएं बहुत उत्तम बनी हुई हैं। इस माह में कवियों, संगीतकारों, नाटककारों, फिल्मकारों और कला के अन्य जानकारों के लिए यह माह आर्थिक पक्ष से शुभ बना हुआ है। इस माह में ऐसे वर्ग का रचनात्मक उत्पादन अत्यंत उत्तम रहेगा। आर्थिक पक्ष से यह माह आपके लिए यादगार माह सिद्ध हो सकता है। आध्यात्मिक स्तर के व्यक्तियों से जुड़ना और सीखने वाले व्यक्तियों से जुड़ना आपको भौतिक लाभ दे सकता है। सरकारी क्षेत्रों से आप प्रत्याशित लाभ की उम्मीद कर सकते हैं।

अक्टूबर 2027 के लिए फलादेश

वित्तीय संभावनाओं के लिए इस माह के सितारों की स्थिति बहुत अनुकूल नहीं बन रही है। यह माह आपको आर्थिक चिंताएं दे सकता है। लेखकों, कवियों और इसी प्रकार के अन्य कलाकारों के लिए समय की प्रतिकूलता बनी हुई है। रचनात्मक और कलात्मक कार्यों में सरहाना और लाभ दोनों की कमी रहेगी। आपके द्वारा किए गये अधिकतर प्रयासों का प्रतिफल आपको पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं हो पाएगा। यह सभी प्रकार के कलाकारों पर लागू होता है। इसके अतिरिक्त सरकार की ओर से किसी भी प्रकार के लाभ की उम्मीद का इंतजार कर रहे व्यक्तियों को अनुकूल फल प्राप्त होने की संभावना नहीं बन रही है। माह अवधि में परिणाम

आपके लिए प्रतिकूल हो सकती हैं।

नवम्बर 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों के योग के अनुसार माह अवधि में आपकी वित्तीय स्थिति बहुत अच्छी नहीं होने की संभावना बन रही हैं। सरकार की ओर से किसी भी प्रत्याशित लाभ का प्राप्त न होना आपको निराशा दे सकता है। इस विषय के परिणाम आपके लिए प्रतिकूल सिद्ध हो सकते हैं। यहां तक कि आपके द्वारा किए गये अधिकतर प्रयास व्यर्थ हो सकते हैं। अवसरों की कमी से स्थिति और खराब हो सकती हैं। नए उद्यमों में निवेश करने के लिए ग्रह स्थिति सौहार्दपूर्ण नहीं बनी हुई है। यदि आपके पास ऐसी कोई योजना है तो आपको इस पर कार्य आरम्भ करने का कार्य स्थगित कर देना चाहिए।

दिसम्बर 2027 के लिए फलादेश

वित्तीय संभावनाओं के पक्ष से इस माह के ग्रह एवं सितारों का योग आपके लिए चिंतित करने वाला बना हुआ है। यदि आप किसी विवाद या मुकद्दमेबाजी में सम्मिलित होते हैं तो इसका फैसला आपके खिलाफ हो सकता है। इसका आपको वित्तीय नुकसान भरना पड़ सकता है। इसलिए इस अवधि में आपको अपने ऐसे सभी निर्णयों को स्थगित करना पड़ सकता है। माह अवधि में आपमें आत्मविश्वास और पहल करने की क्षमता की कमी भी बनी हुई है। व्यावहारिक रूप से इस माह की प्रगति बहुत कम बनी हुई है। नये उद्यमों में निवेश करने के लिए यह समय अनुकूल नहीं बना हुआ है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



परिवार - 2025

पारिवारिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। व्यवसायिक व्यस्तता के कारण आप अपने परिजनों को अधिक समय नहीं दे पाएंगे परन्तु आपके परिवार में सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा। आपको भाईयों का सहयोग प्राप्त होगा। तृतीय स्थान पर गुरुग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपकी सामाजिक पद व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने में आप हमेशा तत्पर रहेंगे। सामाजिक उन्नति के लिए आप कोई विशेष कार्य करेंगे।

मई के बाद गुरुएवं राहु ग्रह का गोचर प्रतिकूल हो रहा है। उस समय परिवार में किसी बड़े व्यक्ति के साथ आप का वैचारिक मतभेद हो सकता है। अतः सहन शक्ति को बढ़ाएं और अपनी बौद्धिक शक्ति के अनुसार निर्णय लें।

जनवरी 2025 के लिए फलादेश

इस माह ग्रह गोचर अनुकूल न होने से आपके परिवार की उन्नति में रुकावट के योग बने हुए हैं। पिता से वैचारिक मतभेद के संकेत हैं। इस समय आवश्यकता है कि आप अपना मार्ग प्रशस्त रखें जिसके परिणामस्वरूप आपका परिवार के बड़ों व बुजुर्गों के साथ किसी प्रकार का मतभेद व विवादादि न हो।

इसके अतिरिक्त परिवार के महिला सदस्यों विशेष रूप से पत्नी और मां के साथ सम्बन्धों में कुछ तनाव होने की भी संभावनाएं हैं। धैर्य बनाए रखें तथा वाद-विवाद की स्थिति से दूर रहें। आपके बच्चे भी आपके लिए कुछ कठिनाईयां उत्पन्न कर सकते हैं। इसलिए उनकी गतिविधियों पर पैनी नजर रखें।

फरवरी 2025 के लिए फलादेश

आपके परिवार को इस माह प्रतिकूल ग्रह गोचर के चलते कुछ कठिनाईयों से गुजरना पड़ सकता है। आपके पिता के साथ गम्भीर मतभेद होने की स्थिति बन रही है। धैर्य बनाए रखें तथा वाद-विवाद की स्थिति से दूर रहें।

आपके बच्चों के व्यवहार से कुछ अतिरिक्त समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए सावधानी पूर्वक उनके क्रिया-कलापों पर कड़ी निगरानी रखें। मां और पत्नी से सम्बन्धित समस्याओं के भी प्रबल संकेत हैं। अतिरिक्त सावधानी से विशेष राहत प्राप्त की जा सकती है।

मार्च 2025 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के अनुसार इस माह भी कुछ संघर्ष व मतभेद के संकेत हैं इसलिए संयम बनाए रखें तथा विशेष रूप से पिता के साथ वाद-विवाद में उलझने से बचें। अपने से बड़ों का सम्मान करें व अपने व्यवहार व क्रिया-कलाप में अपना मार्ग प्रशस्त रखें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



आपके अनियंत्रित खर्च भी आपको कुछ परेशान कर सकते हैं और कुछ हद तक अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करते हुए आपको ऋण आदि लेना पड़ सकता है। कुशलता पूर्वक बनायी गई योजनाएं खर्च के आने से पहले आपको वित्तीय प्रबन्ध करने का पर्याप्त देगी व आपको परेशानी नहीं होगी।

अप्रैल 2025 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के अनुसार इस माह भी आपको कुछ शुभ संकेत नहीं प्राप्त हो रहे। आपको अपनी पत्नी के साथ गम्भीर तनाव व मतभेद की स्थिति से गुजरना पड़ सकता है तथा साथ ही आपके बच्चे भी आपके साथ शत्रुवत व्यवहार करेंगे। उनके व्यवहार व कार्यों पर कड़ी नजर के साथ साथ उनका बेहतर मार्गदर्शन करने की भी आवश्यकता है।

आपके अपने पिता के साथ सम्बन्धों में तनाव के चलते पारिवारिक वातावरण में कटुता रह सकती है। इसलिए इस स्थिति से बचने के लिए सावधानी पूर्वक सम्भाषण करें और वाद-विवाद से बचें।

मई 2025 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के अनुसार इस माह भी आपको कुछ शुभ संकेत नहीं प्राप्त हो रहे। आपको अपने नौकर चाकर व कर्मचारियों से गम्भीर तनाव व मतभेद की स्थिति से गुजरना पड़ सकता है इसलिए इस स्थिति से बचने के लिए सावधानी पूर्वक सम्भाषण करें और वाद-विवाद से बचें।

आपके अपने पिता के साथ सम्बन्धों में तनाव के चलते पारिवारिक वातावरण में कटुता रह सकती है। जीवनसाथी व परिवार के अन्य सदस्यों के साथ सम्बन्धों को अच्छा रखने के लिए अपने व्यवहार को सन्तुलित रखें।

जून 2025 के लिए फलादेश

इस माह ग्रह गोचर की स्थिति से कुछ विशेष शुभ तो नहीं जान पड़ता परन्तु ऐसे किसी व्यक्ति से विशेष लाभ होने के प्रबल संकेत हैं जो रुतबे और सामाजिक स्तर में आपसे बहुत नीचे की श्रेणी का हो। बहुत सम्भव है कि यह व्यक्ति आपका कोई कर्मचारी अथवा नौकर हो।

आपके बच्चे भी पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करने के साथ साथ अन्य गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेंगे जिससे आप संतुष्ट महसूस करेंगे। परिवार में प्रसन्नता व आपसी तालमेल का वातावरण रहेगा।

जुलाई 2025 के लिए फलादेश

इस माह ग्रह गोचर अनुकूल न होने से आपके परिवार की उन्नति में रुकावट

के योग बने हुए हैं। पिता से वैचारिक मतभेद के संकेत हैं। इस समय आवश्यकता है कि आप अपना मार्ग प्रशस्त रखें जिसके परिणामस्वरूप आपका परिवार के बड़ों व बुजुर्गों के साथ किसी प्रकार का मतभेद व विवादादि न हो।

इसके अतिरिक्त परिवार के महिला सदस्यों विशेष रूप से पत्नी और मां के साथ सम्बन्धों में कुछ तनाव होने की भी संभावनाएं हैं। धैर्य बनाए रखें तथा वाद-विवाद की स्थिति से दूर रहें। आपके बच्चे भी आपके लिए कुछ कठिनाईयां उत्पन्न कर सकते हैं। इसलिए उनकी गतिविधियों पर पैनी नजर रखें।

अगस्त 2025 के लिए फलादेश

इस माह ग्रह गोचर अनुकूल न होने से आपके परिवार की उन्नति में रुकावट के योग बने हुए हैं। पिता से वैचारिक मतभेद के संकेत हैं। इस समय आवश्यकता है कि आप अपना मार्ग प्रशस्त रखें जिसके परिणामस्वरूप आपका परिवार के बड़ों व बुजुर्गों के साथ किसी प्रकार का मतभेद व विवादादि न हो।

इसके अतिरिक्त व्यय के अनियन्त्रित हो जाने से भी कुछ समस्याएं बढ़ेंगी तथा आपके परिवार पर कुछ ऋण आदि चढ़ सकता है। इसलिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करते हुए व्यय करें ताकि आपको अतिरिक्त व्यय हो जाने से समस्याओं का सामना न करना पड़े।

सितम्बर 2025 के लिए फलादेश

इस माह भी आपके लिए ग्रह नक्षत्रों की स्थिति आपके पारिवारिक कल्याण हेतु किसी विशेष लाभ का संकेत नहीं दे रही है। बच्चों से सम्बन्धित समस्याओं के विशेष योग बने हुए हैं इसलिए आपको चाहिए कि आप उनकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखें।

इसके अतिरिक्त परिवार के सदस्यों विशेष रूप से आपकी मां और पत्नि के बीच व्यर्थ का वाद-विवाद हो सकता है। आप अपना संयम न खोएं। पिता के साथ मतभेद होने की भी सम्भावना है। इस समय आवश्यकता है कि आप अपना मार्ग प्रशस्त रखें जिसके परिणामस्वरूप आपका परिवार के बड़ों व बुजुर्गों के साथ किसी प्रकार का मतभेद व विवादादि न हो।

अक्तूबर 2025 के लिए फलादेश

आपके परिवार को इस माह प्रतिकूल ग्रह गोचर के चलते कुछ कठिनाईयों से गुजरना पड़ सकता है। परिवार के महिला सदस्यों विशेष रूप से पत्नी के साथ सम्बन्धों में कुछ तनाव होने की भी संभावनाएं हैं। धैर्य बनाए रखें तथा वाद-विवाद की स्थिति से दूर रहें।

ऐसी भी सम्भावना है कि आपमें से कुछ एक अपने पिता के साथ वैचारिक का शिकार हो जाएं। अतः इस स्थिति से बचने के लिए वाद-विवाद में न पड़ें। आपके बच्चों के व्यवहार से कुछ अतिरिक्त समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए सावधानी पूर्वक

उनके क्रिया-कलापों पर कड़ी निगरानी रखें।

नवम्बर 2025 के लिए फलादेश

आपके परिवार को इस माह प्रतिकूल ग्रह गोचर के चलते कुछ कठिनाईयों से गुजरना पड़ सकता है। भाईयों के साथ सम्बन्धों में कुछ तनाव होने की भी संभावनाएं हैं। धैर्य बनाए रखें तथा वाद-विवाद की स्थिति से दूर रहें।

ऐसी भी सम्भावना है कि आपमें से कुछ एक अपने पिता के साथ वैचारिक का शिकार हो जाएं। अतः इस स्थिति से बचने के लिए वाद-विवाद में न पड़े। अपने बच्चों व पत्नी तथा परिवार के अन्य सदस्यों की ओर विशेष ध्यान दें।

दिसम्बर 2025 के लिए फलादेश

इस माह ग्रह गोचर अनुकूल न होने से आपके परिवार की उन्नति में रुकावट के योग बने हुए हैं। पिता से वैचारिक मतभेद के संकेत हैं। इस समय आवश्यकता है कि आप अपना मार्ग प्रशस्त रखें जिसके परिणामस्वरूप आपका परिवार के बड़ों व बुजुर्गों के साथ किसी प्रकार का मतभेद व विवादादि न हो।

इसके अतिरिक्त व्यय के अनियन्त्रित हो जाने से भी कुछ समस्याएं बढ़ेंगी तथा आपके परिवार पर कुछ ऋण आदि चढ़ सकता है। इसलिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करते हुए व्यय करें ताकि आपको अतिरिक्त व्यय हो जाने से समस्याओं का सामना न करना पड़े।

परिवार - 2026

पारिवारिक दृष्टि से यह वर्ष सामान्यतः अनुकूल रहेगा। चतुर्थ स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से पारिवारिक अनुकूलता बनी रहेगी। परिवार में एक दूसरे के प्रति परस्पर सहयोग की भावना उत्पन्न होगी जिससे आपके परिवार में सुख-शान्ति का वातावरण बना रहेगा। मातुल पक्ष के लोगों के साथ आपका संबंध बहुत उत्तम रहेगा। अष्टम स्थान का राहु ससुराल पक्ष के लोगों के साथ वैचारिक मतभेद करा सकता है।

02 जूनके बाद समय काफी अनुकूल हो रहा है। आपके परिवार में पुत्रादि का विवाह या कोई मांगलिक कार्य संपन्न होगा जिसमें आपकी अहम भूमिका होगी। सप्तम स्थान पर गुरुके दृष्टि प्रभाव से आपकी पत्नी के साथ आपकेसम्बन्ध मधुर होंगे। सामाजिक पद प्रतिष्ठा के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा।

जनवरी 2026 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के अनुसार पारिवारिक वातावरण में गम्भीर समस्याओं के साथ परेशानी के संकेत दिखायी दे रहे हैं। सम्भवित है कि कुछ अनायास धन व्यय के चलते परिवार पर कुछ कर का बोझ आ जाए, परन्तु कुशल योजना व कुछ ठोस कदमों के उठाए जाने से ऐसी सम्भावना को टाला भी जा सकता है।

भाईयों के साथ गम्भीर मतभेद होने के प्रबल संकेत हैं, जिसका प्रभाव गम्भीर पड़ेगा। अतः इस स्थिति से बचने के लिए यथाशक्ति प्रयासरत रहें।

फरवरी 2026 के लिए फलादेश

बच्चे अपने व्यवहार व अनुशासन में श्रेष्ठ करने का प्रयास करते रहेंगे। वे अपनी पढ़ाई तथा अन्य गतिविधियों में भी सुधार करेंगे। आर्थिक रूप से भी सम्पन्नता प्राप्त होगी तथा परिवार की कोई भी आवश्यकता ऐसी न होगी जिसकी पूर्ति न हो सके।

मार्च 2026 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के अनुसार बढ़ते खर्च व आर्थिक तंगी के चलते परिवार पर अतिरिक्त कर का बोझ होने की सम्भावना को निरस्त करने के लिए समय रहते बनायी गई कार्य योजनाएं व आपकी दूर दृष्टि कारगर सिद्ध होगी।

आप और आपके भाईयों में गम्भीर मतभेद होने की सम्भावनाएं बनी हुई हैं जिन्हें तनाव क्षेत्र का अतिक्रमण न करने से अवश्य ही टाला जा सकता है। बच्चों पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है और उन्हें अधिक अनुशासित बनाया जाना भी आवश्यक है। मां-बहन और पत्नी से प्रेम मिलेगा।

अप्रैल 2026 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के अनुसार पारिवारिक उन्नति के लिए विशेष उन्नतिदायक माह नहीं है। आपमें से बहुत से लोगों को अपने बन्धु-बान्धवों के साथ व्यवहार में सावधानी रखने की आवश्यकता है जिससे तनाव और कटुता का वातावरण उत्पन्न न हो तथा वैचारिक मतभेद की सभी सम्भावनाएं निरस्त हो जाएं।

अपने आप को धैर्यपूर्वक व्यवहार करने में सक्षम बनाएं। आर्थिक रूप से आप कुछ विशेष नहीं कर पाएंगे और फलस्वरूप कुछ परेशानियों का सामना भी करना पड़ेगा। इसलिए अपनी समस्याओं से निजात पाने के लिए समय रहते बनाई गई योजनाएं कारगर सिद्ध होंगी।

मई 2026 के लिए फलादेश

इस माह ग्रह गोचर की स्थिति पारिवारिक उन्नति के लिए अनुकूल है। नौकर चाकर लोगों से विशेष लाभ होने के प्रबल संकेत हैं। ऐसे किसी व्यक्ति से विशेष लाभ होने के प्रबल संकेत हैं जो रुतबे और सामाजिक स्तर में आपसे बहुत नीचे की श्रेणी का हो। बहुत सम्भव है कि यह व्यक्ति आपका कोई कर्मचारी अथवा नौकर हो।

परिवार में प्रसन्नता व आपसी तालमेल का वातावरण रहेगा। इसके अतिरिक्त आर्थिक रूप से भी परिवार की स्थिति की तस्वीर बेहतर नजर आती है और आगामी माह भी लगभग सभी प्रकार से इसी प्रकार से श्रेष्ठ रहने वाला है।

जून 2026 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के अनुसार पारिवारिक उन्नति के लिए विशेष उन्नतिदायक माह नहीं है। आपमें से बहुत से लोगों को अपने बन्धु-बान्धवों के साथ व्यवहार में सावधानी रखने की आवश्यकता है जिससे तनाव और कटुता का वातावरण उत्पन्न न हो तथा वैचारिक मतभेद की सभी सम्भावनाएं निरस्त हो जाएं।

अपने आप को धैर्यपूर्वक व्यवहार करने में सक्षम बनाएं। आर्थिक रूप से आप कुछ विशेष नहीं कर पाएंगे और फलस्वरूप कुछ परेशानियों का सामना भी करना पड़ेगा। इसलिए अपनी समस्याओं से निजात पाने के लिए अपने खर्च को नियंत्रित करने के लिए उचित समय पर योजनाबद्ध तरीके से प्रभावशाली व उपयुक्त कदम उठाएं।

जुलाई 2026 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के अनुसार पारिवारिक उन्नति के लिए विशेष उन्नतिदायक माह नहीं है। आपमें से बहुत से लोगों को अपने बन्धु-बान्धवों के साथ व्यवहार में सावधानी रखने की आवश्यकता है जिससे तनाव और कटुता का वातावरण उत्पन्न न हो तथा वैचारिक मतभेद की सभी सम्भावनाएं निरस्त हो जाएं।

अपने आप को धैर्यपूर्वक व्यवहार करने में सक्षम बनाएं। आपसे ऐसे धैर्य की अपेक्षा है जिसे बिना समुचित अभ्यास से धारण नहीं किया जा सकता है। कठिन प्रयास करने से आप ऐसी योग्यता प्राप्त कर सकते हैं। बच्चों पर अतिरिक्त ध्यान देने की आवश्यकता तो है ही साथ ही उनके बेहतर प्रदर्शन और अन्य उपयोगी गतिविधियों में उनका मार्गदर्शन करने से आप स्वयं भी प्रफुल्लित महसूस करेंगे।

अगस्त 2026 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के अध्ययन से जान पड़ता है कि यह माह पारिवारिक उन्नति के लिए विशेष लाभकारी नहीं रहेगा। बहुत सम्भावना है कि आपका अपने भाईयों से वैचारिक मतभेद, तनाव की स्थिति उत्पन्न कर दे। अतः इस स्थिति से बचने के लिए यथाशक्ति प्रयासरत रहें।

ऐसी भी सम्भावना है कि घरलू खर्च के पूर्ति हेतु आपको कुछ ऋण लेना पड़े। समय रहते वस्तुस्थिति से निपटने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने की नीति कारगर साबित हो सकती है। अपने बच्चों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखें। उन्हें अनुशासित करने की आवश्यकता रहेगी। मां-पत्नी और बहन से प्रेम प्राप्त होता रहेगा।

सितम्बर 2026 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के अनुसार यह माह आप और आपके परिवार के लिए विशेष शुभ फलदायी होगा। परिवार के सभी सदस्यों के साथ आपका तालमेल बना रहेगा तथा परिवार में सुख शान्ति के वातावरण से आपको विशेष प्रसन्नता प्राप्त होगी। सभी लोग एक-दूसरे की आवश्यकता का ख्याल रखेंगे। आर्थिक स्थिति भी अनुकूल रहेगी व आपकी सभी आवश्यकताएं समय पर पूरी होती रहेंगी।

आपके बच्चे अपने अध्ययन कार्य में रुचि लेते हुए इस माह गत माह की अपेक्षा बेहतर परिणाम लाएंगे। आपको अपनी मां-बहनों, पिता व पत्नी से विशेष प्रेम मिलेगा। कुल मिलाकर यह माह आपके लिए विशेष लाभ व सुख कारक होगा।

अक्तूबर 2026 के लिए फलादेश

पारिवारिक उन्नति की दृष्टि से इस माह का ग्रह गोचर किसी विशेष शुभ समाचार को इंगित नहीं करता। इस माह धन की आवश्यकता निरन्तर बढ़ती रहेगी और ऐसी भी सम्भावना है कि घरलू खर्च के पूर्ति हेतु आपको कुछ ऋण लेना पड़े। समय रहते वस्तुस्थिति से निपटने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने की नीति कारगर साबित हो सकती है।

बहुत सम्भावना है कि आपका अपने भाईयों से वैचारिक मतभेद, तनाव की स्थिति उत्पन्न कर दे। अतः इस स्थिति से बचने के लिए यथाशक्ति प्रयासरत रहें। अपने बच्चों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखें। उन्हें अनुशासित करने की आवश्यकता रहेगी। मां-पत्नी और बहन से प्रेम प्राप्त होता रहेगा।

नवम्बर 2026 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के अनुसार यह माह आप और आपके परिवार के लिए विशेष शुभ फलदायी होगा। परिवार के सभी सदस्यों के साथ आपका तालमेल बना रहेगा तथा परिवार में सुख शान्ति के वातावरण से आपको विशेष प्रसन्नता प्राप्त होगी। सभी लोग एक-दूसरे की आवश्यकता का ख्याल रखेंगे। आर्थिक स्थिति भी अनुकूल रहेगी व आपकी सभी आवश्यकताएं समय पर पूरी होती रहेंगी। आपके बच्चे अपने अध्ययन कार्य में रुचि लेते हुए इस माह गत माह की अपेक्षा बेहतर परिणाम लाएंगे। उनके व्यवहार में भी सुधार होगा।

परिवार में सुख-शान्ति व समृद्धि का वातावरण उत्पन्न होगा तथा परिवार की महिला सदस्यों विशेषकर मां से स्नेह की प्राप्ति होगी। कुल मिलाकर यह मास पिछले मास की अपेक्षा अधिक अनुकूल रहेगा।

दिसम्बर 2026 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के अनुसार यह माह परिवार में आपसी तालमेल की दृष्टि से प्रसन्नता दायक व पूर्णतः तनाव मुक्त रहेगा।

आर्थिक उन्नति के प्रबल योग हैं। साथ ही पिता व भाई-बहनों के व्यवहार में स्नेह व सहयोग होगा। इसलिए यह माह और अधिक सुखदायक सिद्ध होगा। आपके बच्चे अपने अध्ययन व अन्य उपयोगी गतिविधियों तथा व्यवहार में बेहतर प्रदर्शन करके आपकी प्रसन्नता को बढ़ाएं।

परिवार - 2027

पारिवारिक दृष्टि से यह वर्ष अनुकूल रहेगा। सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा। परिवार में एक दूसरे के प्रति परस्पर सहयोग की भावना उत्पन्न होगी, जिससे आपस में भावनात्मक लगाव बढ़ेगा। सप्तमस्थ राहु के प्रभाव से जीवनसाथी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

26 जून के बाद परिवार में किसी सदस्य की बढ़ोत्तरी हो सकती है। ससुराल पक्ष के लोगों के साथ आपका संबंध बहुत अच्छा रहेगा। पिता के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। 26 नवम्बर के बाद आपके सामाजिक मान संमान में और बढ़ोत्तरी होगी।

जनवरी 2027 के लिए फलादेश

यह माह आपके परिवार के लिए सुखद परिस्थितियां उत्पन्न करेगा। अनुकूल ग्रह गोचर से आपके बुजुर्ग प्रसन्न रहेंगे तथा घर का वातावरण उनके आशीर्वाद व सहयोग से और अधिक बेहतर होगा तथा परिवार के सभी जन एक दूसरे के सुख दुःख के साथी रहेंगे।

कुल मिलाकर यह कह सकते हैं कि घरेलू वातावरण सबके आपकी तालमेल से प्रसन्नतादायक बना रहेगा और जीवनसाथी के साथ संबंधों में स्नेह व सहयोग की कमी नहीं रहेगी।

फरवरी 2027 के लिए फलादेश

आगामी माह में परिवार की स्थिति मौजूदा ग्रह गोचर के चलते विशेष शुभ नहीं रहेगी। बड़ों के साथ गम्भीर वैचारिक मतभेद होने से घर का वातावरण अनुकूल नहीं रहेगा। आपको शान्त बने रहना चाहिए तथा तनाव दूर करने हेतु प्रतिकूल व संवेदनशील स्थिति में उत्तेजित नहीं होना चाहिए।

पारिवारिक वातावरण विशेष प्रसन्नतादायक नहीं रहेगा। बच्चे व्यवहार में जिद्दी होंगे तथा उनका अध्ययन व अन्य गतिविधियों में प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहेगा। अपना अतिरिक्त समय व शक्ति लगाकर उनकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखें। आर्थिक रूप से आप विशेष शुभ परिणाम नहीं कर पाएंगे।

मार्च 2027 के लिए फलादेश

यह माह परिवार की प्रगति के लिए श्रेष्ठतम ग्रह गोचर के चलते उत्तम है। वैवाहिक सुख में वृद्धि होगी तथा आपसी स्नेह में अभिवृद्धि निश्चित है।

आपके बच्चे भी अच्छे व्यवहार तथा परीक्षा व अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों में श्रेष्ठता का प्रदर्शन करेंगे जिससे परिवार में अतिरिक्त प्रसन्नता व संतोष बना रहेगा। बुजुर्ग आपके व्यवहार से प्रसन्न होकर आपको तहेदिल से आशीर्वाद देंगे और आपसी तालमेल बने रहने से



FUTUREPOINT
Astro Solutions



किसी भी प्रकार का तनाव नहीं होगा।

अप्रैल 2027 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के अनुसार कुछ विशेष प्रसन्नतादायक नहीं प्रतीत हो रहा अपति परिवार में बुजुर्गों से गम्भीर मतभेद होने की प्रबल सम्भावना है। आपको धैर्य बनाए रखने की आवश्यकता है और उत्तेजित होने वाली स्थिति को नजरअंदाज करें। ऐसा करने से तनाव दूर करने में सहायता मिलेगी।

सामाजिक स्तर में आपसे निचले स्तर के लोगों जैसे नौकर चाकर आदि से परेशानियां हाने का संकेत है। आर्थिक रूप से भी आप प्रसन्न नहीं रह पाएंगे। कुल मिलाकर विभिन्न समस्याएं हो सकती हैं और बच्चों की गतिविधियों पर भी सावधानी पूर्वक नजर रखें।

मई 2027 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रह गोचर से परिवार के सभी सदस्यों में संतोष की भावना बनी रहेगी। आपके किसी नौकर या कर्मचारी की सहायता से इस माह आपको विशेष लाभ होने के प्रबल संकेत हैं।

इसके अतिरिक्त परिवार के बुजुर्ग आपको आशीर्वाद देंगे। आपके व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे, जिसके कारण परिवार के माहौल में आपसी तालमेल तथा एक-दूसरे की सहायता का वातावरण बना रहेगा। संक्षेप में परिवार में पूरे माह सुख सौहार्द व प्रसन्नता बनी रहेगी तथा आर्थिक तंगी भी नहीं होगी।

जून 2027 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रह गोचर से आपके परिवार का कल्याण होगा तथा हर प्रकार की प्रसन्नता का वातावरण बना रहेगा। बुजुर्ग भी प्रसन्न रहेंगे और परिवार के सभी सदस्यों का व्यवहार आपसी तालमेल व एक-दूसरे का सहयोग तथा एक-दूसरे की चिन्ता आदि प्रशंसनीय होगा।

संक्षेप में इस माह घरेलू वातावरण प्रसन्नतादायक होगा ही साथ ही आपसी समन्वय सम्बन्धी कोई चुट्टि नहीं होगी। सामाजिक स्तर में आपसे निम्न श्रेणी के किसी व्यक्ति, नौकर अथवा कर्मचारी के माध्यम से आपको लाभ होगा।

जुलाई 2027 के लिए फलादेश

इस माह का ग्रह गोचर व सितारों का समीकरण पारिवारिक विषयों के लिए पूर्णतः अनुकूल व हितकारी है। जीवनसाथी से विशेष प्रसन्नता मिलेगी तथा उनके भरपूर स्नेह से आप लाभान्वित होंगे।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



परिवार के बुजुर्ग आपके व्यवहार से प्रसन्न होकर आपको आशीर्वाद देंगे साथ ही ऐसी किसी भी स्थिति के आने के संकेत नहीं हैं जिससे परिवार के सदस्यों का आपसी तालमेल व खुशी कुप्रभावित हो। आर्थिक रूप से उन्नति होगी और परिवार की कुल आय में वृद्धि के संकेत हैं।

अगस्त 2027 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रह गोचर से पारिवारिक कल्याण तय है। आपके व्यय पर अत्यधिक नियंत्रण करने की आवश्यकता है अन्यथा परिवार की वित्तीय स्थिति में जबरदस्त गिरावट आ सकती है और आपमें से कुछ लोगों को ऋण भी लेना पड़ सकता है। व्यय के मामले में समय रहते बनायी गई योजनाएं प्रभावकारी होकर ऐसी समस्याओं से निजात दिला सकती हैं।

परिवार के बड़ों के साथ गम्भीर वैचारिक मतभेद होने की प्रबल सम्भावना है इसलिए अपने आपको अनुशासित बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार की विपरीत परिस्थिति में शान्ति को भंग न होने दें और संवेदनशील दूर रहें। बच्चों पर अतिरिक्त समय व ऊर्जा का व्यय करने की आवश्यकता है।

सितम्बर 2027 के लिए फलादेश

आपके परिवार के लिए हर प्रकार से अत्यंत सुखदायी ग्रह गोचर है। परिवार में किसी मांगलिक कार्य की संभावना बनेगी। परिवार के बुजुर्ग आपके व्यवहार से प्रसन्न होकर आपको आशीर्वाद देंगे।

घरेलू माहौल प्रसन्नतादायक बना रहेगा। सदस्यों में तालमेल रहेगा। आर्थिक रूप से आप कुछ बेहतर कर सकेंगे तथा परिवार की आय में वृद्धि निश्चित रूप से बढ़ेती होगी और आपके लिए यह माह हर प्रकार से उन्नतिदायक रहेगा।

अक्तूबर 2027 के लिए फलादेश

इस माह की ग्रह चाल विशेष लाभकारी तथा उज्ज्वल समय का संकेत लेकर आ रही है। बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। वे आपके व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे। परिवार के सभी सदस्य एक-दूसरे के सुख-दुःख के साथी बने रहेंगे।

अर्थात् कुल मिलाकर परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा व सभी सदस्यों से बेहतर तालमेल भी होगा। जीवनसाथी के साथ संबंधों में बेहती के चलते अतिरिक्त प्रसन्नता प्राप्त होगी। जीवनसाथी से विशेष प्रेम, समर्पण व सहयोग की अपेक्षा की जा सकती है।

नवम्बर 2027 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के अनुसार इस माह किसी विशेष लाभ के संकेत दृष्टिगोचर नहीं हो रहे। भाईयों के साथ मतभेद होने की सम्भावना है जो हिंसक स्तर तक जा सकती है तथा घर

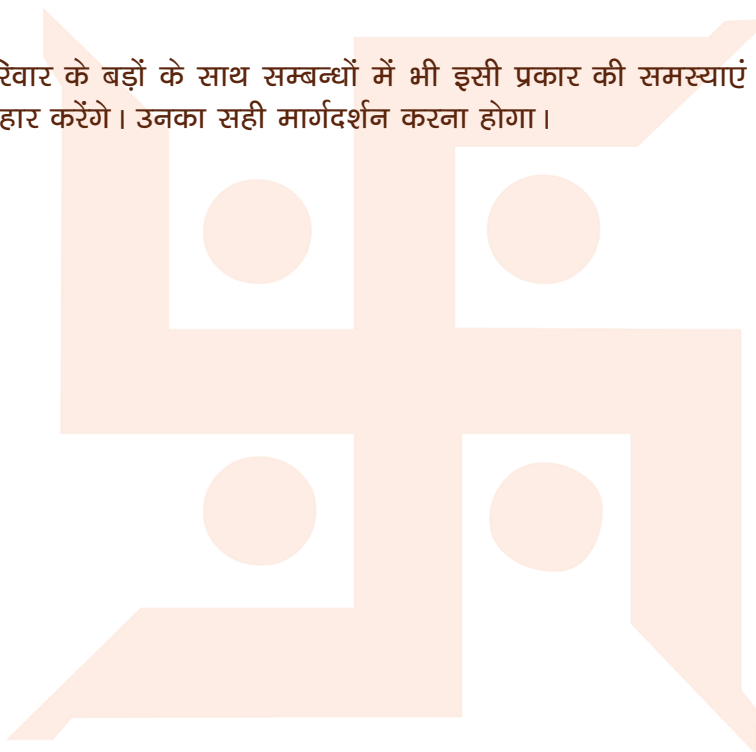
के वातावरण को अत्यन्त संवेदनशील बना सकती है। तनाव कम करने के लिए संवेदनशील व विपरीत परिस्थिति से दूर रहें।

बुजुर्गों, पिता व महिला सदस्यों विशेषकर जीवनसाथी के साथ तनाव बना रहेगा। ऐसे तनावयुक्त वातावरण का सामना करने के लिए अपने आन्तरिक मनोबल का प्रयोग करते हुए शान्ति व धैर्य बनाएं तथा तनाव को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास करें।

दिसम्बर 2027 के लिए फलादेश

इस माह आपके परिवार के सभी मामलों में कठनाईयां आने के संकेत हैं इसलिए आपको धैर्य की अतिरिक्त आवश्यकता रहेगी। केवल और केवल मात्र धैर्य धारण करना ही आपको इन समस्याओं से निजात दिला सकता है। जीवनसाथी के साथ सम्बन्धों में कड़वाहट आएगी।

परिवार के बड़ों के साथ सम्बन्धों में भी इसी प्रकार की समस्याएं रहेंगी तथा बच्चे भी शत्रुवत व्यवहार करेंगे। उनका सही मार्गदर्शन करना होगा।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



स्वास्थ्य - 2025

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट रहेंगे। किसी प्रकार की कोई चिंता परेशानी न होने के कारण आपका स्वास्थ्य अनुकूल बना रहेगा। आप अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए संतुलित आहार एवं नियमित व्यायाम करते रहेंगे।

मई के बाद आपका समय थोड़ा प्रतिकूल हो रहा है। उस समय छोटी-मोटी बीमारियों से आपका स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। द्वादशस्थ गुरुके पृथ्वी तत्व राशि में होने के कारण संक्रामक रोग या मौसम जनित बीमारियों से परेशानी उत्पन्न हो सकती है।

जनवरी 2025 के लिए फलादेश

इस माह आपको वायु के प्रभाव से होने वाले रोग, पाचन तंत्र, गठिया और पुरानी बीमारी होने के संकेत मिल रहे हैं। यदि आपको गठिया की समस्या पहले से चली आ रही हो तो इस समय में यह समस्या बढ़ सकती है। इस माह की रोग समस्याओं को रोकने के लिए सूर्य द्वारा दी जा रही सुरक्षा और जीवन शक्ति पर्याप्त नहीं रहेगी। किसी भी दुःख का ईलाज विशेष रूप से पाचन अंगों की समस्याओं का ईलाज शीघ्रता से कराना होगा। ग्रह, नक्षत्र आपकी स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान शीघ्रता से नहीं कर रहे हैं। फिर भी तीव्र गति से गिरावट की संभावना नहीं बन रही है। पुरानी कब्ज जैसी शिकायतें होने की संभावनाएं बन रही हैं। पहले से ही सुधारात्मक उपाय करने से इस विषय में आपको बड़ी मदद मिलेगी।

फरवरी 2025 के लिए फलादेश

नक्षत्र और ग्रहों की स्थिति आपके स्वास्थ्य के लिए इस माह बहुत अनुकूल नहीं हैं। इसके कारण से आपको अत्यधिक थकान हो सकती है। तथा तंत्रिका संबंधित विकार उत्पन्न हो सकते हैं। आप सामान्य दुर्बलता के शिकार हो सकते हैं। अस्वस्थता के बाद स्वास्थ्य प्राप्ति की प्रक्रिया धीमी और थकाऊ हो सकती है। इसलिए आरोग्य लाभ प्राप्त करने की संभावना मन्द गति से बन रही है। इसलिए रोग बढ़ने से पूर्व किसी भी हानि के होने से पहले वेदनाओं का ईलाज करना लाभकारी रहेगा। अत्यधिक परिश्रम करना आपकी स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। ग्रहों की प्रतिकूल परिस्थितियों में सावधानियां लेने से स्वास्थ्य में प्रत्येक प्रकार की गिरावट से बचा जा सकता है।

मार्च 2025 के लिए फलादेश

इस माह आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहना होगा। इस माह आपको बवासीर तथा पित्त की पथरी, होने की संभावना बन रही है। सूर्य के द्वारा स्वास्थ्य सुरक्षा और जीवन शक्ति की प्रतिकूलता की वजह से आपमें आरोग्य शक्ति की कमी रहेगी। साथ ही ग्रह स्थिति भी इस माह आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छी नहीं बनी हुई है। इस बात का खतरा

बन रहा है कि अस्वस्थ हो जाने पर स्वास्थ्य प्राप्ति आपके लिए धीमा और थकाऊ हो सकता है। किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य हानि के बिना वेदनाओं का ईलाज समय रहते कराना बहुत हितकारी रहेगा। स्वास्थ्य समस्याओं की संभावनाओं को कम करने के लिए स्वास्थ्य के प्रति एहतियात रखनी होगी। कुल मिलाकर यह माह आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखने का संकेत कर रहा है।

अप्रैल 2025 के लिए फलादेश

जहां तक आपके स्वास्थ्य का सवाल है यह माह आपके लिए एक अच्छा माह रहेगा। सूर्य आपको असाधारण सुरक्षा और जीवन शक्ति प्रदान करेगा। छोटी बीमारियों को अनदेखा न करें अन्यथा यह बड़ी हो सकती है। स्वयं को इस माह रोग मुक्त रखने के लिए आप छोटी बीमारियों का समय रहते ईलाज करायें अन्यथा आरोग्य लाभ में काफी जटिल समस्या पैदा हो सकती है। शेष अन्य कोई गंभीर रोग होने की कोई संभावना नहीं है।

मई 2025 के लिए फलादेश

स्वास्थ्य सुख के पक्ष से यह माह आपके लिए एक अच्छा माह है। इस माह में सूर्य आपको अतिरिक्त साधारण सुरक्षा और जीवन शक्ति प्रदान करेगा। यह सुरक्षा और जीवन शक्ति आपके स्वास्थ्य सुख को बढ़ाएगी। परन्तु इसका यह अर्थ नहीं है कि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत न रहें। इसके लिए आप अपना सामान्य स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए पाचन तंत्र तथा वायु से होने वाले रोग के प्रति अतिरिक्त सावधानी बनाए रखें। इसके अलावा किसी भी प्रकार के छोटा सा दुःख होने पर, किसी भी समय हानि के बिना तुरंत ईलाज करायें। अन्यथा आपके लिए स्वस्थ होना जटिल मामला सिद्ध हो सकता है। यह आपके लिए एक धीमी और थकाऊ प्रक्रिया हो सकती है। इसके अलावा इस माह स्वास्थ्य विषयों को लेकर चिंता की कोई बात नहीं है। सरल, सामान्य सावधानियां रखना पर्याप्त होगा।

जून 2025 के लिए फलादेश

इस माह की ग्रह परिस्थितियां आपके स्वास्थ्य की अनुकूलता सुनिश्चित करेंगी। वास्तव में सूर्य आपके जीवन को सुरक्षा और जीवन शक्ति प्रदान कर आपकी आरोग्यता को बढ़ा रहे हैं। सूर्य शुभता से आप को बीमारियां शीघ्र अपने प्रभाव में ले सकती हैं। ग्रह शुभता होने से आप अपने स्वास्थ्य सुख को लेकर संतुष्ट रहेंगे। यदि किसी कारणवश आप के स्वास्थ्य में अनियमितता होती है तो फिर से स्वास्थ्य सुख प्राप्त करना आपके लिए एक धीमी प्रक्रिया हो सकती है। एक छोटे रोग का ईलाज कराने में आपको लम्बा समय लग सकता है। माह अवधि में बन रहे ग्रह स्थिति योग आपके स्वास्थ्य संबंधी मामलों को नियंत्रित कर रहे हैं। उपचार कराने की स्थिति का सामना आपको न करना पड़े इसके लिए आपको सामान्य एहतियात रखनी चाहिए। इसके अतिरिक्त चिंता की कोई बात नहीं है।

जुलाई 2025 के लिए फलादेश

इस माह स्वास्थ्य आपका सामान्यतः अनुकूल ही रहेगा। सूर्य के प्रभाव से आपमें रोगों से लड़ने की शक्ति का विकास हो रहा है। यह सूर्य आपमें साधारण जीवन शक्ति और सुरक्षा प्रदान कर रहे हैं। माह के अधिकतर समय में आप रोगों से मुक्त रहेंगे। किसी प्रकार का स्वास्थ्य विकार आपको होने की संभावनाएं कम ही बन रही हैं। फिर भी नेत्रों से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की कमी को अनदेखा करना सही नहीं होगा। सूर्य की स्थिति आपकी निद्रा में कमी करेगी। अनिद्रा रोग से बचने के लिए आप चिंता मुक्त रहने का प्रयास करें। स्वास्थ्य सुख को बनाए रखना आपके लिए कठिन नहीं होगा। सभी अनुकूल परिस्थितियों के बावजूद, स्वस्थ हो जाना एक धीमी और थकाऊ प्रक्रिया होगी। इस माह आपका स्वास्थ्य काफी संतोषजनक रहेगा।

अगस्त 2025 के लिए फलादेश

इस माह सूर्य की शुभता आपके स्वास्थ्य के लिए प्रतिकूल बनी हुई है। सूर्य के माध्यम से आपको अतिरिक्त साधारण जीवन शक्ति और सुरक्षा ऊर्जा देंगे। एक बार रोग ग्रस्त होने पर रोग मुक्त होने पर आपको कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है। अचानक या मौसम में परिवर्तन के कारण होने वाले रोग जैसे बुखार, सूजन, बालों का गिरना, सिर दर्द, हड्डियां, सिर दर्द और आंखों की समस्या आपको पीड़ित कर सकती हैं। इस माह आप अपने स्वास्थ्य को लेकर कुछ उदासीन हो सकते हैं। इसके कारण छोटे रोग भी समय पर उपचार न मिलने के कारण गंभीर रोगों का रूप ले सकते हैं। स्वयं को स्वस्थ रखने के लिए आप व्यायाम आदि का सहारा ले सकते हैं। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना चाहिए और अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखना चाहिए।

सितम्बर 2025 के लिए फलादेश

यह माह आपके स्वास्थ्य के पक्ष से अनुकूल रहेगा। सूर्य शुभता आपको रोग मुक्त रखने में पूरा सहयोग करेगी। आप स्वयं में ऊर्जा और जीवन शक्ति के एक बड़े स्रोत का अनुभव करेंगे। फिर भी आपको अपने पाचन तंत्र, नेत्र रोगों तथा मुंह रोगों से बचाव का ध्यान रखना चाहिए। स्वास्थ्य की नियमित जांच कराते रहना भी आपके लिए उत्तम रहेगा। वायुप्रद रोग, गठिया और पुराने रोगों से स्वयं का बचाव करना भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है। सामान्य सावधानी बना रख आप रोगों को नियंत्रित रख पायेंगे। इसके अतिरिक्त आपको इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि आप अनावश्यक देरी किए बिना, किसी भी बीमारी के प्रभाव में आने पर आपको शीघ्र चिकित्सा उपचार लेनी चाहिए। साथ ही अपने हृदय से संबंधित रोगों की जांच भी आपको बारीकी से कराते रहना चाहिए।

अक्टूबर 2025 के लिए फलादेश

इस माह आपको आरोग्यता बनाए रखने के लिए अतिरिक्त ऊर्जा और जीवन शक्ति की आवश्यकता पड़ सकती है। सूर्य की क्षमता स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव रखने के लिए पर्याप्त नहीं होगी। आप विशेष रूप से फेफड़ों से संबंधित रोगों के कारण रोगग्रस्त हो सकते हैं।

आपको संवेदनशीलता का खतरा हो सकता है। इसके अतिरिक्त आपको सामान्य दुर्बलता और तंत्रिका संबंधी विकार भी हो सकते हैं। इस माह आप अनावश्यक रूप से शारीरिक या मानसिक रूप से तनाव लेने से बचें। अत्यधिक थकावट आपके लिए हानिकारक हो सकती है, इसलिए आपको सभी प्रकार के तंत्रिका तनाव से बचना चाहिए। स्वास्थ्य की जांच कराते समय सूक्ष्मता से जांच कराना आवश्यक है। इस माह की ग्रह स्थिति आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत अनुकूल नहीं हैं इसलिए इस माह विशेष सावधानी रखें।

नवम्बर 2025 के लिए फलादेश

इस माह सूर्य आपको असाधारण शक्ति और जीवन शक्ति प्रदान करेगा। जिससे आप सूर्य की सुरक्षात्मक शक्तियों का पूरा लाभ प्राप्त होने की आशा कर सकते हैं। इस अवधि में आपको पाचन अंगों में विकार एवं जुकाम से ग्रस्त होने की संभावना है। सूर्य आपकी बीमारियों को काफी हद तक नियंत्रित रखेगा। केवल सामान्य सावधानी बरतने की आवश्यकता है। फिर भी रोगों का शीघ्रता से ईलाज करायें और अनावश्यक रूप से देरी न करें। रोगों का पूर्ण उपचार न कराना और स्वयं को स्वस्थ मानना आपके रोगों को बढ़ा सकता है। एक छोटे से दुःख का भी शीघ्रता से ईलाज करायें और अनावश्यक देरी करने करने से बचें। अस्थमा और छाती के रोगों पर केवल कुछ सावधानी रख नियंत्रण रख सकते हैं। बचाव करने से बड़े रोग प्रभावी नहीं हो पायेंगे।

दिसम्बर 2025 के लिए फलादेश

इस माह आप स्वयं में ऊर्जा और जीवन शक्ति का अनुभव करेंगे। सूर्य की शुभता आपको किसी भी प्रकार की गंभीर वेदनाओं से मुक्त रखेगी। अचानक से होने वाले रोगों से आपका बचाव होगा। इस छोटी अवधि में बड़ी बीमारियां काफी हद तक नियंत्रण में रहेंगी। परन्तु फिर भी आप स्वास्थ्य अनियमितताओं को बिल्कुल अनदेखा नहीं कर सकते हैं। उपचार से बचाव बेहतर रहेगा। स्वस्थता प्राप्त करना आपके लिए एक लम्बी और मुश्किल प्रक्रिया हो सकती है। इसलिए एक छोटी सी बीमारी से पीड़ित होने पर शीघ्र चिकित्सा उपचार कराना आपके लिए एक अच्छा विचार होगा। यदि आप गंभीर बीमारियों से मुक्त रहना चाहते हैं तो आपको इस विचार का सख्ती से पालन करना चाहिए।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



स्वास्थ्य - 2026

स्वास्थ्य की दृष्टिसे वर्ष का पूर्वार्द्ध सामान्यतः अनुकूल नहीं रहेगा। द्वादश स्थान केगुरु आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव की स्थिति बना सकते हैं। मधुमेह रोगियों को अधिक परहेज की आवश्यकता है। गुरु ग्रह के वायु तत्व राशि में होने के कारण संक्रमण, सांस व पेट संबंधित बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है।

02 जून के बाद गुरु का गोचरीय प्रभाव लग्न स्थान में होने से स्वास्थ्य में सुधार आना शुरू हो जाएगा। आप मानसिक रूप से संतुष्ट एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे।

जनवरी 2026 के लिए फलादेश

अपने स्वास्थ्य के संदर्भ में आपको इस माह बहुत अधिक सावधान रहना होगा। जिन व्यक्तियों को पाचन तंत्र, वायु रोग, गठिया तथा जीर्ण रोग जैसी पुरानी बीमारियां हैं। उन्हें विशेष रूप से सतर्क रहना होगा। यही कारण है कि आपको अत्यधिक सावधानी बरतनी होगी और उचित देखभाल रखते हुए आवश्यक पड़ने पर उचित उपचार भी लेते रहें। इनमें से किसी भी प्रकार की देरी गंभीर प्रकार की समस्या उत्पन्न कर सकती है। ग्रह नक्षत्र का पूरा सहयोग प्राप्त न होने के कारण ऐसी समस्याएं सामने आ सकती हैं। इसके अलावा इस माह आपका अत्यधिक भोजन करना भी परेशानी खड़ी कर सकता है। सावधानी के साथ संतुलित जीवन शैली का पालन करते हुए, अपने स्वास्थ्य सुख को बनाए रख सकते हैं।

फरवरी 2026 के लिए फलादेश

इस माह की ग्रह, नक्षत्र स्थिति स्वास्थ्य के पक्ष से स्वास्थ्यवर्धक बनी हुई हैं। अल्सर, पीठ और पुरानी अनियमितता की शिकायतों से इस माह आपको राहत मिलना बहुत बड़ा लाभ होगा। अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता की विफलता होने पर आप अपने लिए स्वास्थ्य कष्टों को बढ़ा सकती हैं। इसलिए अपने स्वास्थ्य के लिए सदैव सतर्क बने रहें। अपनी स्वास्थ्य सामर्थ्य से अधिक मेहनत करना आप के लिए एक गंभीर समस्या उत्पन्न कर सकता है। इससे आपको बचने की जरूरत है। आप अनावश्यक रूप से मानसिक और भौतिक दोनों प्रकार से दबाव लेने से बचें। इससे आप लक्ष्यों को शीघ्रता से प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा यह माह स्वास्थ्य के मामलों के लिए चिंता का विषय नहीं रहेगा।

मार्च 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की स्थिति आपके स्वास्थ्य के पक्ष से बहुत बेहतर नहीं बनी हुई है। माह आरम्भ में आपको अपने पुराने रोगों के लिए सतर्क रहना चाहिए। अन्यथा आपके स्वास्थ्य कमियों के कारण दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। जुकाम, खांसी और जीर्ण प्रकार के रोगों का प्रभाव होने पर विशेष सावधानी रखनी होगी। इसके अलावा, बवासीर से पीड़ित लोगों को भी सावधानी बरतनी चाहिए। इस माह सितारों की स्थिति आपके अनुकूल न

होने के बावजूद आप एक नियंत्रित जीवन शैली का यापन कर अपने रोगों पर नियंत्रण बनाए रख सकते हैं तथा स्वास्थ्य सुख को भी बनाए रख सकते हैं।

अप्रैल 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारें आपकी स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान नहीं कर रहे हैं इसलिए इस माह की ग्रह स्थिति आपके अनुकूल नहीं बन रही हैं। अपने स्वास्थ्य के प्रति आपको सावधान रहना होगा। जीर्ण रोगों का खतरा बन रहा है। अतः आपको इस माह विशेष सावधानी बरतनी होगी। माह अवधि में एक या एक से अधिक गंभीर प्रकृति की समस्याएं उत्पन्न होने की संभावना बन रही हैं। अचानक से बुखार या सूजन आदि हो सकती हैं। इस प्रकार के रोगों का शीघ्र उपचार करना हितकारी रहेगा। इस प्रकार की अनियमितताओं को अनदेखा करने पर गंभीर रोग सामने आ सकते हैं। इसके अतिरिक्त किसी दुर्घटना या हिंसक चोट की संभावना बन रही है। अपना ख्याल रखें, सावधानी रखने का समय है, क्योंकि ग्रहों की स्थिति प्रतिकूल बनी हुई हैं।

मई 2026 के लिए फलादेश

आपको यह सुनिश्चित करना है कि आप अपनी ओर से किसी प्रकार की लापरवाही न करें, स्वास्थ्य अनुकूलता के लिए आपकी तत्परता आवश्यक है। ग्रह एवं नक्षत्रों की शुभता आपके सभी स्वास्थ्य विकारों का समाधान कर रही हैं। आंशिक रूप से पाचन शिकायतें, गठिया, वायु रोग एवं पुराने रोगों का न उभरना आपको राहत देगा। परन्तु इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि आप अपने स्वास्थ्य विकारों को अनदेखा करने लगें। आपको यह सुनिश्चित करना है कि आप सामान्य सावधानी रखें और गंभीर विषयों का ध्यान रखना चाहिए। अपने स्वास्थ्य की किसी भी छोटी सी शिकायत को भी आपको नजर अंदाज नहीं करना है। इससे यह माह आपके लिए शुभ होकर अनुकूल बना रहेगा।

जून 2026 के लिए फलादेश

आने वाले माह में आपकी सेहत के लिए बहुत अच्छे संकेत नहीं बन रहे हैं। लेकिन सख्ती से आवश्यक बचाव का पालन कर, आप काफी हद तक प्रतिकूल परिस्थितियों के प्रभाव को कम करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप एहतियात के रूप में अधिक परिश्रम करने से बचे। स्वयं पर अनुचित दबाव न लेते हुए आप सामान्य गतिविधियों के द्वारा अपने आवश्यक कार्यों की सूची बना उनका पालन करना चाहिए। इससे आप स्वास्थ्य के संबंध में होने वाली संभावित हानियों से बच सकते हैं। इस माह में आपमें कुछ घबराहट की स्थिति बन सकती है। आवश्यक योग अभ्यास, सुबह की सैर करने से ग्रहों की स्थिति की प्रतिकूलता को कम कर सकता है। ऐसा करने से आप अपने स्वास्थ्य विकारों से बाहर आ सकते हैं।

जुलाई 2026 के लिए फलादेश

इस माह भाग्य की शुभता आपके स्वास्थ्य को शुभ आशीर्वाद प्रदान कर रहे हैं। पुरानी अनियमितताओं के न होने का खतरा आपको काफी राहत का अनुभव कराएगा। सभी प्रकार की सावधानी बरतें। वायु रोगों से भी आप बचाव का ध्यान रखें। स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की अनियमितता को गंभीरता से न लेना किसी बड़े रोग को निमंत्रण देना हो सकता है। सामान्य सावधानियां रखने से ही आप गंभीर समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं। विशेष रूप से आपको जुकाम, खांसी, कफ जैसी वेदनाओं को लेकर सावधान रहना चाहिए। एक मामूली बीमारी होने से इसका ईलाज तुरंत करना चाहिए। अन्यथा कठिनाईयां हो सकती हैं। इस विषय में यह समय आपके लिए सचेत रहना का रहेगा।

अगस्त 2026 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रह, नक्षत्रों की स्थिति आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत उत्तम नहीं बनी हुई हैं। ग्रह स्थिति से इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि आपको अचानक से गंभीर रोग जैसे बुखार या शीघ्र क्रोध अथवा तीव्र दुःख की घटना होने के विषय में सावधान कर रहा हैं। यदि आप इसमें असफल रहते हैं तो आपके स्वास्थ्य में तेजी से गिरावट के संकेत मिल रहे हैं। पुराने रोगों की वापसी आपके लिए खतरनाक हो सकती हैं। सिर से संबंधित किसी बीमारी के लिए आपको विशेष रूप से सतर्क रहना होगा। वास्तव में स्वास्थ्य के लिए यह माह बहुत उज्ज्वल नहीं रहेगा। सिर के रोगों के निवारक के रूप में बालों के लिए किसी तेल या औषधि का प्रयोग कर सकते हैं। अपनी स्वास्थ्य समस्याओं को गंभीरता से लेना होगा। इससे आपके स्वास्थ्य चिंताओं में कमी होगी।

सितम्बर 2026 के लिए फलादेश

ग्रह, नक्षत्र स्थिति के अनुसार स्वास्थ्य संबंधित विषयों के लिए यह एक अच्छा माह रहेगा। इस माह आपको पुरानी रोग पीड़ा से राहत का अनुभव होगा। गले के संक्रमण आदि को आपको गंभीरता से लेना होगा। इस विषय में किसी भी प्रकार का विकार होने पर आपको गंभीरता से जांच तथा ईलाज कराना होगा। साथ ही नेत्रों में किसी भी प्रकार का संक्रमण होने पर भी आपको विशेष सावधानी से काम लेना होगा। माह अवधि में आपका पाचन तंत्र, गठिया, वायु रोग तथा पुराने रोग प्रभावी न हो इसके लिए आपको इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतनी होगी। सामान्य सावधानियां रखना भी स्वास्थ्य के लिए अनुकूल रहेगा।

अक्टूबर 2026 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रह, नक्षत्र और योग आपके स्वास्थ्य के लिए अनुकूल फल प्रदायक रहेंगे। इस माह अवधि में आपको किसी भी प्रकार की गंभीर बीमारी प्रभावित नहीं कर पायेगी। अस्थमा और सामान्य कमजोरी जैसी पुरानी बीमारियों से ग्रस्त होने पर आपको अपने स्वास्थ्य को लेकर कुछ सतर्कता अवश्य रखनी होगी। शेष के लिए यह माह गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से मुक्त माह होगा। फिर भी आपको यह स्वास्थ्य सलाह दी जाती है कि आप इस समय में अपने सामर्थ्य से अधिक परिश्रम न करें। अपनी ऊर्जा शक्ति का अनावश्यक रूप से प्रयोग करने के

स्थान पर अपनी ऊर्जा को विवेकपूर्ण विषयों में उपयोग करें। अन्यथा अनुकूल स्थिति बदल सकती हैं और गंभीर रोग भी प्रभावी हो सकते हैं। सामान्य रूप इस यह माह स्वास्थ्य को लेकर चिंता करने के लिए नहीं हैं। अतः इस समय में आप स्वास्थ्य अनुकूलता का आनंद लें।

नवम्बर 2026 के लिए फलादेश

इस माह की ग्रह स्थिति आपके लिए अनुकूल रहेगी। अतः इस माह आप किसी भी प्रकार की गंभीर बीमारियों से मुक्त रहेंगे। यदि आपको कोई पुरानी बीमारी जैसे- जुकाम, खांसी और दमा रोग आदि अपने प्रभाव में ले सकती हैं। तथा आपके पाचन अंग सरलता से अव्यवस्थित हो सकते हैं। अन्य लोगों को इस माह काफी राहत का अनुभव होगा। स्वास्थ्य सुख बनाए रखने के लिए आप सामान्य व्यायाम क्रियाएं कर सकते हैं। इस माह की ग्रह स्थिति आपको स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही की कारण उत्पन्न रोगों से बचाने के लिए अनुकूल नहीं हैं। हमेशा के लिए स्वस्थ बने रहने के लिए स्वास्थ्य सावधानी बनाए रखें। इस माह आप स्वास्थ्य सावधानी के रूप में सामान्य व्यायाम कर सकते हैं। इससे आप पूरे माह स्वस्थ बने रहने की आशा कर सकते हैं।

दिसम्बर 2026 के लिए फलादेश

इस माह के दौरान आपका मन और शरीर काफी स्वस्थ और मजबूत रहेंगा। स्वयं की स्वस्थता हेतु आपको अपने छोटे दुःख की भी तत्काल चिकित्सा करानी होगी। दुःख के आरम्भ में ही देखभाल करने से रोग बड़ा नहीं होगा और उसका समय पर समाधान हो जाएगा। समय-समय पर जांच करते रहने से गंभीर बीमारी की संभावना समाप्त होगी। अचानक से होने वाले रोगों पर भी यह उपाय नियंत्रण बनाए रखेगा। परन्तु इस माह नेत्र संक्रमण की संभावना से पूरी तरह से इंकार नहीं किया जा सकता है। सामान्य देखभाल करने से भी आपका स्वास्थ्य सुख बना रहेगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह एक अच्छा माह रहेगा। स्वास्थ्य उपचार से संबंधित चिंता का अन्य कोई कारण नहीं बन रहा है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



स्वास्थ्य - 2027

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध अनुकूल रहेगा। लग्नस्थ गुरु के प्रभाव से आपका स्वास्थ्य अनुकूल बना रहेगा। मन में अच्छे विचार आएंगे व आप मानसिक रूप से सन्तुष्ट रहेंगे और प्रत्येक कार्य को सकारात्मक रूप से करेंगे।

26 जून के बाद लग्न स्थान पर राहु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपका स्वास्थ्य किंचित प्रभावित हो सकता है। मौसम जनित बीमारी या आलस्य की भावना उत्पन्न हो सकती है परन्तु आप शीघ्र ही स्वस्थ हो जाएंगे।

जनवरी 2027 के लिए फलादेश

आपके स्वास्थ्य अनुकूलता के पक्ष से यह माह आपको अपना शुभ आशीर्वाद दे रहा है। सितारों की शुभता इस माह में आपके स्वास्थ्य सुख में वृद्धि कर रही हैं। पाचन तंत्र, गठिया या पुरानी बीमारियों से संबंधित शिकायतें होने पर इस माह पेट फूलना एवं वायु रोग शांत रहेंगे। इन रोगों के लक्षणों का शांत रहना आपको राहत का अनुभव कराएगा। आहार और उपचार के लिए सामान्य सावधानियां रखने से आपको पुरानी बीमारियों से राहत मिल सकती है। लिवर की बीमारियों से आपको सावधान रहना होगा। इस अंग से संबंधित रोग यदि आपको पहले भी रहे हो तो इन रोगों को लेकर आपकी चिंताएं बढ़ सकती हैं। स्वयं को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक हो तो आप कोई टॉनिक भी ले सकते हैं। इसके अतिरिक्त इस माह में स्वास्थ्य को लेकर चिंता की कोई बात नहीं है।

फरवरी 2027 के लिए फलादेश

इस माह में अपना स्वास्थ्य सुख बनाए रखने के लिए आपको अधिक प्रयास नहीं करने होंगे। सितारों की शुभ स्थिति आपके स्वास्थ्य सुख को अनुकूल बनाए हुए हैं। अतः आप इस माह अपने स्वास्थ्य सुख का भरपूर आनंद लेंगे। इस माह आपको अपने सामर्थ्य से अधिक मेहनत करने से बचना होगा। संतुलित स्वास्थ्य नियमों का पालन कर आप इस सुखद स्थिति को बिगड़ने से बचा सकते हैं। इसके अतिरिक्त इस माह आपको अनावश्यक रूप से अपनी ऊर्जा व्यर्थ नहीं करनी है। कार्यों को समय अनुसार बांटना इस संबंध में उपयोगी कदम सिद्ध हो सकता है। फिर भी आप अपने जीवन की अन्य गतिविधियों को सामान्य रूप से कर सकते हैं। किसी पुराने रोग की वापसी आपकी चिंताओं को बढ़ा सकती है। बचाव रखने से स्थिति में सुधार होगा।

मार्च 2027 के लिए फलादेश

माह अवधि में सितारों का योग आपके स्वास्थ्य को आशीर्वाद दे रहा है। बिना तनाव के आप इस माह की शुभता का आनंद दे सकते हैं। यहां तक कि यदि आपको बवासीर संबंधित शिकायत है तो इस संबंध में आपको सामान्य सावधानियों का पालन करना होगा। यह



FUTUREPOINT
Astro Solutions



माह आपको बीमारियों से राहत दे रहा है। स्वास्थ्य के लिए यह माह एक अनुकूल माह रहेगा। आपको लिवर रोगों से बचाव के उपाय करने चाहिए। इन रोगों से बचने के लिए एक अच्छे टॉनिक का उपयोग करना आपके लिए काफी पर्याप्त रहेगा। कुछ सावधानियां रख आप अपने स्वास्थ्य चिंताओं से मुक्त रह सकते हैं।

अप्रैल 2027 के लिए फलादेश

इस माह में आपके ग्रह, सितारें शुभ योग बना रहे हैं। जिसके कारण इस माह में स्वास्थ्य को लेकर गंभीर चिंता करने के अवसर कम ही बनेंगे। इसके अतिरिक्त बुखार, सूजन, अचानक रोग ग्रस्त होने से परेशानियों से आपको राहत महसूस होगी। किसी भी कारण से रोग ग्रस्त होते हैं तो शीघ्र उपचार कराना आपकी राहत को सुनिश्चित करेगा। आपको अपने लिवर रोगों को नियंत्रण में रखने के लिए सामान्य सावधानियां रखनी होंगी। इसके लिए किसी टॉनिक का उपयोग किया जा सकता है। इस प्रकार कुछ सावधानियों का पालन कर आप स्वस्थ रह सकते हैं। इस माह चिंता करने का अन्य कोई कारण नहीं बन रहा है।

मई 2027 के लिए फलादेश

स्वास्थ्य विषयों के लिए यह माह काफी लाभकारी रहेगा, इस माह अवधि में आपको अपने स्वास्थ्य की अधिक चिंता नहीं करनी पड़ेगी। यहां तक की गठिया, पाचन तंत्र, वायु रोग और पेट फूलना आदि पुरानी बीमारियों से आपको राहत का अनुभव होगा। किसी रोग के प्रभावी होने पर आपको रोग मुक्त होने में अधिक देखभाल नहीं करनी होगी। इस माह में आपको स्वास्थ्य परेशानियों से राहत मिलेगी। यदि आपको इससे पूर्व ही लिवर संबंधी रोग परेशान करते रहते हैं तो इस अवधि में आप इसके उपचार के लिए कोई उपयुक्त दवा ले सकते हैं। बचाव करने से रोग शीघ्र प्रभावी नहीं होंगे।

जून 2027 के लिए फलादेश

इस माह अवधि में ग्रहों का संयोजन आपके स्वास्थ्य सुख को शुभ कर आपको प्रोत्साहित कर रहा है। इस माह में आप सामान्य सतर्कताओं का पालन कर अपने स्वास्थ्य को बनाए रखेंगे। माह अवधि में आप अपने सामर्थ्य से अधिक मेहनत कार्य न करें। यह आपके स्वास्थ्य में कमी करेगा और आपके लिए बहुत बुरा रहेगा। अपनी ऊर्जा शक्ति का अनावश्यक व्यय बचाने के लिए आप स्फूर्ति और स्वस्थता के लिए खेल गतिविधियों को समय दे सकते हैं। कार्यभार की अधिकता से बचने के लिए आप अपनी गतिविधियों की एक सूची तैयार कर कार्य को दिनभर के समय में बांट सकते हैं परन्तु आपको ध्यान रखना है कि आप अपने कार्यक्रम का कठोरता से पालन करें। इस विषय में आपको थोड़ा ध्यान रखना होगा। इसके अतिरिक्त सितारे इस माह आपको ओर कोई परेशानी नहीं देंगे।

जुलाई 2027 के लिए फलादेश

इस माह आपके सितारे काफी उत्साहजनक बने हुए हैं। इसलिए इस अवधि में आपके स्वास्थ्यों से संबंधित मामलों काफी अनुकूल रहेंगे। आपको खांसी, जुकाम और पुरानी शिकायतों से राहत मिलेगी। पुराने रोगों की वापसी न होने से यह राहत अवधि लम्बे समय के लिए रहेगी। इस प्रकार की समस्याओं का भविष्य में न होना भी आपको ओर अधिक राहत देगा। यदि आपको इस से पूर्व लिवर संबंधी किसी भी तरह की परेशानियां रही हैं तो इस समय में ऐसे रोग प्रभावी होकर आपकी चिंताएं बढ़ा सकते हैं। इन रोगों के प्रति एहतियात और सतर्कता रखने से ऐसे रोग शांत रहेंगे। अपने लिवर को स्वस्थ रखने के लिए आप चिकित्सक की सलाह से किसी दवा का प्रयोग भी कर सकते हैं। इस प्रकार निवारक उपाय करने से स्वास्थ्य से संबंधित आपकी सभी चिंताएं का निराकरण होगा।

अगस्त 2027 के लिए फलादेश

आपके स्वास्थ्य के बारे में इस माह की भविष्यवाणी काफी संतोषजनक नहीं हैं। इसलिए इस माह आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। शीघ्र होने वाले रोग जैसे अचानक बुखार या सूजन होने पर आपको शीघ्र ईलाज करना हितकारी रहेगा। कुछ सावधानियां रखने से स्वास्थ्य सुख बना रहेगा। स्वास्थ्य अनियमितताओं को अनदेखा करना आपके लिए लाभकारी नहीं रहेगा। रोग के प्रथम लक्षण स्पष्ट होने पर ही चिकित्सा सहायता लेना आपके लिए लाभकारी रहेगा। यह बहुत आवश्यक है कि आप सावधानियों का सख्ती से पालन करना आवश्यक है। यह समय आपके लिए बहुत अच्छा बना रहें आपको यह सुनिश्चित करना है। तथा आपको घटनाओं को समझ कर कठिनाईयों को दूर करना है। यह भी हो सकता है कि यह एक सुरक्षा कवच की तरह से काम करें। इसलिए अतिरिक्त यदि आपको किसी भी प्रकार की लिवर समस्या है तो आपको इसके उपचार के लिए शीघ्र अतिशीघ्र चिकित्सक से संपर्क कर ईलाज कराना और कोई टॉनिक लेना आपके लिए लाभकारी रहेगा।

सितम्बर 2027 के लिए फलादेश

यह माह आपके लिए एक अनुकूल माह रहेगा क्योंकि इस माह आपको ग्रहों की शुभता का आशिर्वाद प्राप्त हो रहा है। इसलिए यह माह स्वास्थ्य के लिए एक बहुत अच्छा माह है। इस माह आपके स्वास्थ्य को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। फिर भी आपको कुछ सावधानियों का पालन करना होगा। पेट फूलना, वायु रोग, पाचन तंत्र आदि जैसे पुरानी बीमारियों के इस माह अवधि में शांत रहने से आपको राहत का अनुभव होगा। इस माह अवधि में सावधानियां रखना लाभकारी रहेगा और स्थिति काफी संतोष जनक रहेगी। इसके अतिरिक्त गले में खराश आदि का आपको अतिरिक्त ध्यान देना होगा। इस तरह के रोग के आशंक लक्षण प्रकट होने पर रोग की सूक्ष्म जांच करना हितकारी रहेगा। हृदय रोगों के लक्षण होने की संभावना बन रही है। इसके अलावा इस माह विशेष चिंता की कोई बात नहीं है। सावधानी बरतने से स्वास्थ्य सुख बना रहेगा।

अक्टूबर 2027 के लिए फलादेश

इस माह सितारों के शुभ आशिर्वाद से आपके सभी रोगों से संबंधित मामलों का समाधान हो रहा है। इस कारण आप इस अवधि विशेष में स्वस्थ एवं चुस्त रहेंगे तथा आपके कम से कम रोगग्रस्त होने की संभावना बन रही है। अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता बनाए रखना आपके स्वास्थ्य सुख को बढ़ाएगा। माह अवधि में आप अत्यधिक मेहनत करने से बचें। अत्यधिक मेहनत करने से स्वास्थ्य सुख में कमी हो सकती है। स्वयं को स्फूर्ति प्रदान करने के लिए आप अपने मनपसंद खेलों का प्रयोग कर स्वयं को प्रसन्न रख सकते हैं। साथ ही आपको अपनी शक्ति का प्रयोग अनावश्यक कार्यों पर करने से बचना होगा। तथा कार्य को समय सारणी के अनुसार दिन के सारे समय में वितरित करना होगा। इससे सीमित समय में कार्यभार अधिक होने से बचा जा सकता है। साथ ही आपको जिगर संबंधी मुसीबतों का भी विशेष ध्यान रखना होगा।

नवम्बर 2027 के लिए फलादेश

इस माह के दौरान आपको किसी भी प्रकार की प्रमुख स्वास्थ्य समस्या नहीं होगी। परन्तु इसका मतलब यह नहीं है कि आप सभी सावधानियों को एक तरफ कर दें। इस माह अवधि में अत्यधिक संवेदनशील व्यक्तियों को पाचन अंगों की परेशानियां निष्क्रिय रहने से आपको इन परेशानियों से कुछ राहत मिल जाएगी। लेकिन उपचार और आहार दोनों मामलों में सामान्य सावधानियां जारी रखनी होगी। छाती क्षेत्र में किसी भी प्रकार के संक्रमणों के प्रति आपको खास ध्यान रखना होगा। इस विषय में किसी भी प्रकार के लक्षण उभरने पर तुरंत, बिना किसी देरी के उपचार कराना होगा। इन छोटी सी सतर्कताओं से आप इस माह अपने स्वास्थ्य शुभता को बनाए रख सकते हैं। इससे आपका स्वास्थ्य पूरे माह अच्छा रहना चाहिए।

दिसम्बर 2027 के लिए फलादेश

माह अवधि में सितारों की स्थिति आपके लिए शुभ नहीं बन रही है। इस अवधि में आपको अपने पुराने रोगों के प्रति सतर्क रहना होगा। स्वस्थता बनाए रखने के लिए आपको स्वयं अपना ख्याल रखना होगा। आपको अचानक बुखार या तीव्र किस्म की सूजन परेशान कर सकती हैं। तुरंत और सही ईलाज की शुरुआत करने से रोगों को आरम्भिक अवधि में ही नियंत्रित किया जा सकता है। आपको लिवर रोग परेशान कर सकते हैं। यदि आपके लिवर में इससे पूर्व भी विकार हुआ है तो आपको ऐसे रोगों पर नियंत्रण रखने के लिए खास ध्यान रखना होगा। अपनी स्वास्थ्य शुभता बनाए रखने के लिए आप टॉनिक का प्रयोग कर सकते हैं। ऐसा करने पर आपको निश्चित रूप से कोई नुकसान नहीं होगा। समय की शुभता अनुकूल न होने के कारण आपको सावधानी का प्रयोग करना होगा।

वार्षिक फलादेश - 2025

वर्ष के प्रारम्भ में कुम्भस्थ शनि अष्टम भाव में रहेंगे व मीनस्थ राहु नवम भाव में रहेंगे और 29 मार्च को शनि मीन राशि नवम भाव में और 30 मई को राहु कुम्भ राशि अष्टम भाव में प्रवेश करेंगे। वर्ष के शुरुआत में वृष राशि के गुरु एकादश भाव में रहेंगे और 14 मई को मिथुन राशि द्वादश भाव में प्रवेश करेगी और अतिचारी होकर 18 अक्टूबर को कर्क राशि लग्न स्थान में गोचर करेगी और वक्री होकर फिर से 5 दिसम्बर को मिथुन राशि द्वादश भाव में आ जाएगी।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहेगा। वर्ष के शुरुआत में सप्तम स्थान पर गुरुग्रह के दृष्टि प्रभाव से आप व्यापार में उन्नति करेंगे। अनुभवी लोगों कह सलाह अवश्य लें। व्यापार में आपको भाईयों का सहयोग प्राप्त होगा। एकादशस्थ गुरु के प्रभाव से अधिकारियों व वरिष्ठ लोगों का सहयोग प्राप्त होगा।

मई के बाद आपके कार्यों में गुप्त शत्रु या बिरोधियों द्वारा रुकावटें डाली जा सकती हैं। जल्दबाजी में कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें अन्यथा परिणाम प्रतिकूल होगा।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहेगा धनागम में निरंतरता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में आपके भाईयों व पत्नी का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

मई के बाद राहु एवं गुरुग्रह का गोचर एक साथ प्रतिकूल हो रहा है। इस समय के अंतराल में आपको कोई बड़ा निवेश न करें। यदि निवेश करना अत्यधिक जरूरी हो तो उस क्षेत्र से जुड़े अनुभवी लोगों से परामर्श लेकर निवेश करें।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। व्यवसायिक व्यस्तता के कारण आप अपने परिजनों को अधिक समय नहीं दे पाएंगे परन्तु आपके परिवार में सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा। आपको भाईयों का सहयोग प्राप्त होगा। तृतीय स्थान पर गुरुग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपकी सामाजिक पद व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने में आप हमेशा तत्पर रहेंगे। सामाजिक उन्नति के लिए आप कोई विशेष कार्य करेंगे।

मई के बाद गुरु एवं राहु ग्रह का गोचर प्रतिकूल हो रहा है। उस समय परिवार में किसी बड़े व्यक्ति के साथ आप का वैचारिक मतभेद हो सकता है। अतः सहन शक्ति को बढ़ाएं और अपनी बौद्धिक शक्ति के अनुसार निर्णय लें।

संतान

संतान की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। पंचम स्थान पर गुरुग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपके बच्चों की उन्नति होगी। वे अपने बौद्धिक बल से अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। उनकी शिक्षा में भी सुधार होगा। नवविवाहित व्यक्तियों को संतान रत्न की प्राप्ति हो सकती है।

आपके दूसरे बच्चे का चौमुखी विकास होगा। उसकी उन्नति के सारे मार्ग प्रशस्त होंगे। यदि विवाह योग्य है तो विवाह हो सकता है। मई के बाद समय प्रभावित हो रहा है, अतः उस समय उन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होगी।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट रहेंगे। किसी प्रकार की कोई चिंता परेशानी न होने के कारण आपका स्वास्थ्य अनुकूल बना रहेगा। आप अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए संतुलित आहार एवं नियमित व्यायाम करते रहेंगे।

मई के बाद आपका समय थोड़ा प्रतिकूल हो रहा है। उस समय छोटी-मोटी बीमारियों से आपका स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। द्वादशस्थ गुरुके पृथ्वी तत्व राशि में होने के कारण संक्रामक रोग या मौसम जनित बीमारियों से परेशानी उत्पन्न हो सकती है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

यह वर्ष आपके लिए प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता की दृष्टि से अनुकूल रहेगी। पंचम स्थान पर गुरुग्रह की दृष्टि विद्यार्थियों के लिए शुभ है। यदि उत्तम शिक्षा हेतु उच्च शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश पाना चाहते हैं तो वर्ष का प्रारम्भ शुभ है।

मई के बाद आपको प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता प्राप्त होगी। बेरोजगार जातकों को मनोनुकूल रोजगार प्राप्त होगा।

यात्रा-तबादला

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष अनुकूल रहेगा। वर्ष के प्रारम्भ में छोटी-मोटी यात्राएं तो होती रहेंगी। परन्तु मई के बाद द्वादश स्थान के गुरु विदेश यात्रा करा सकते हैं।

नवम स्थान के शनि आपको लम्बी यात्रा भी कराते रहेंगे। चतुर्थ स्थान पर गुरुग्रह के दृष्टि प्रभाव से अपने घर से दूर रहने वाले व्यक्तियों की उनकी जन्मभूमि की यात्रा होगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्य के लिए यह वर्ष अच्छा रहेगा। एकादशस्थ गुरु ग्रह के प्रभाव से आपका मन पूजा-पाठ के प्रति ज्यादा आकर्षित रहेगा। परमात्मा की भक्ति एवं मन्त्र पाठ में ज्यादा रुचि लेंगे। मई के बाद गुरुग्रह का गोचर द्वादश स्थान में होगा। उस समय आप दान

पुण्य, भण्डारा इत्यादि धार्मिक कार्य अधिक करेंगे।

- द्विज, देव, ब्राह्मण, बुजुर्ग, गुरुव मंदिर के पूजारी की सेवा, सुश्रूषा करें।
- पीली वस्तुएं जैसे दाल, केला व बेसन की मिठाई मंदिर में दान करें एवं गुरुवार का व्रत रखें।
- दुर्गा बीसा कवच अपने गले में धारण करें एवं राहु मन्त्र का पाठ करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

मासिक फलादेश

जनवरी 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए शुभ की अपेक्षा अशुभ ही अधिक रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा साथ ही शत्रु पक्ष के बलवान होने से आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मन में अशान्ति रहेगी। इस मास में आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी। साथ ही ऐसे समय में उच्चाधिकारी वर्ग की भी उपेक्षा न करें एवं उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करें अन्यथा आपको दण्डित भी किया जा सकता है। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे तथा असफलता अधिक मिलेगी। साथ ही इस समय धन का व्यय भी अधिक मात्रा में करेंगे अतः न्यूनाधिक आर्थिक संकट भी बना रहेगा। इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते हैं जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इस समय आपके मित्र तथा संबंधियों से मधुर संबंध अल्प रहेंगे तथा तनाव अधिक रहेगा तथा आप सामाजिक उपेक्षा भी प्राप्त करेंगे एवं आपकी आशाएं भी अपूर्ण ही रहेंगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री तथा पुत्र से वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही इस मास में नवीन वस्त्र या द्रव्य भी अर्जित करने में सफल हो सकते हैं। इससे आप अल्प मात्रा में मानसिक सन्तुष्टि तथा शान्ति प्राप्त कर सकेंगे।

फरवरी 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए काफी अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला रहेगा। इस समय आप स्त्री पक्ष तथा बन्धुजनों से कष्ट प्राप्त करेंगे साथ ही आपके शत्रु भी बलवान होंगे जिससे आप उनसे भी भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह में न्यूनता रहेगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे एवं मन में लोभ के भाव की प्रबलता रहेगी। मित्रों एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबंध नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव का वातावरण रहेगा जिसके कारण आपके मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे। फलतः मानसिक रूप से आप अत्यंत ही अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य सामाजिक जनों से भी समय समय पर वाद विवाद तथा संघर्ष होते रहेंगे जिससे समाज में भी सम्मान में अल्पता आएगी। अतः सोच समझकर अपना समय व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त दोषों से अस्वस्थ होंगे फलतः शरीर में निर्बलता रहेगी। इस समय रुधिर विकार भी हो सकता है अतः सावधानी पूर्वक रहें एवं दुर्घटनाओं की उपेक्षा करें। इसके अतिरिक्त इस समय आग के द्वारा भी आपकी क्षति हो सकती है। अतः यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



मार्च 2025 के लिए फलादेश

इस मास में आप सामान्यतया शुभाशुभ फलों को अर्जित करेंगे इस समय आप शत्रुओं से अनावश्यक रूप से चिन्तित एवं भयभीत रहेंगे तथा घर में किसी प्रकार की चोरी आदि होने की भी संभावना रहेगी। इस मास में आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा अतः आर्थिक रूप से आप परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव अल्प मात्रा में रहेगा इस समय आपका स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे इससे आप में दुर्बलता भी आएगी। इस मास में आप दूर समीप की यात्राएं भी करेंगे साथ ही अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करने में आपको कठिनाई का सामना करना पड़ेगा इस समय मुकद्दमे आदि में भी धन का व्यय हो सकता है। अतः संयमपूर्वक इस समय को व्यतीत करें अन्यथा कई प्रकार की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ यदाकदा शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा उससे आपको वांछित सहयोग भी प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता की वृद्धि होगी तथा धन लाभ एवं सुखार्जन करने में भी आप न्यूनाधिक सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही समाज में आप यश भी प्राप्त करेंगे।

अप्रैल 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए पूर्ण रूप से शुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा आप किसी सम्मानीय पद को प्राप्त करने में भी सफल होंगे। इस मास में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में होगा तथा सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न होने की संभावना रहेगी। साथ ही स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा यथाशक्ति आप इनका पूजन तथा सत्कार करेंगे। समाज में इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकांश भाग्योदय संबंधी कार्य भी इसी समय सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता रहेगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग एवं सुख प्राप्त करेंगे। इस प्रकार इस समय सर्वत्र आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से मनोवांछित सहयोग तथा सुख की प्राप्ति करेंगे तथा बुद्धिमत्ता पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करके अन्य स्त्रियों से भी धनार्जन तथा सुख संसाधन अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगे। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

मई 2025 के लिए फलादेश

इस महीने में आप अपने कार्यक्षेत्र में आशातीत उन्नति तथा लाभ अर्जित करने में पूर्ण सफल रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग तथा वरिष्ठ सहयोगी भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। आपकी पदोन्नति की संभावना बढ़ेगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा सुख अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा उनकी भलाई के लिए कार्यों को करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सफल होंगे। जिससे मानसिक रूप से प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा निष्ठापूर्वक आप इनकी पूजा एवं सेवा करते रहेंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश फैलेगा। साथ ही अन्य प्रकार से भी लाभयोग बनते रहेंगे। इस मास में आप नवीन गृह या स्थान की प्राप्ति करने में भी सफल हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त विगत असफल आशाओं को पूर्ण करने में भी इस समय आपको सफलता प्राप्त होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से पूर्ण लाभार्जन तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ तथा सुखार्जन में भी सफलता प्राप्त करेंगे। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा भाग्यशाली सिद्ध होगा।

जून 2025 के लिए फलादेश

इस मास को आप अत्यन्त ही सुख एवं आनन्दपूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय स्त्रीवर्ग से आपको वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही सौभाग्य से भी युक्त रहेंगे। अतः आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा लाभार्जन करने में समर्थ रहेंगे तथा आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा। इस समय अध्ययन या ज्ञानार्जन में आपकी रुचि उत्पन्न होगी तथा इस में आप सफल भी होंगे। मित्रों तथा संबंधियों से आपके मधुर संबंध रहेंगे एवं उनसे भी यथोचित सुख सम्मान एवं सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही मनोच्छिन्न द्रव्य पदार्थों की भी आपको इस मास में लाभ होने की सम्भावना रहेगी। संततिपक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी सफलता अर्जित करने में आप सफल रहेंगे। फलतः आप मानसिक रूप से भी प्रसन्न एवं शान्त रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्र या द्रव्यों की भी आपको इस समय उपलब्धि हो सकती है। अतः यह मास आपके लिये अत्यन्त ही शुभ एवं सौभाग्य प्रदान करने वाला रहेगा।

जुलाई 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिये मध्यम रहेगा तथा शुभाशुभ दोनों प्रकार के फल आप प्राप्त

करेंगे। इस समय आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा आप दुर्जनों की संगति में सम्मिलित होंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा। साथ ही अत्यन्त परिश्रम एवं पराक्रम से ही आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को अल्प मात्रा में सिद्ध करने में सफलता प्राप्त कर सकेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का ही भाव अधिक रहेगा। साथ ही अन्य प्रकार से भी धन हानि या व्यय के योग बनेंगे। इस मास में मित्रों तथा संबधियों से आपके सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे तथा आपस में मन मुटाव तथा तनाव का वातावरण विद्यमान रहेगा। नौकरी या व्यापार आदि में भी इस समय अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होंगी एवं शत्रुपक्ष से भी भय एवं चिन्ता का भाव रहेगा। जिस कार्य को भी आप इस मास में सम्पन्न करना चाहेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी। अतः इससे आप मानसिक रूप से अशान्त तथा अप्रसन्न रहेंगे।

परंतु अशुभ फलों के साथ साथ यदाकदा आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः आप स्त्री से सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा बुद्धि भी निर्मल रहेगी तथा बुद्धिमता से आपके कार्य सम्पन्न होंगे तथा अन्य प्रकार से भी सुखी रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा इस मास में किसी धार्मिक कार्य को भी आप सम्पन्न कर सकते हैं।

अगस्त 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रु पक्ष निर्बल रहेगा साथ ही लाभ मार्ग भी उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। फलतः आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। सामाजिक जनों तथा मित्रवर्ग से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा इनके मध्य आपकी प्रतिष्ठा में आशातीत वृद्धि होगी। उच्च उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे तथा उनसे उचित सहयोग तथा लाभ भी अर्जित करेंगे। इस मास में आपका भाग्य प्रबल रहेगा तथा शुभ कार्य यथासमय सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त समस्त सांसारिक कार्यों को सिद्ध करने में आप सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा स्त्री वर्ग से भी सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके आप सुख एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में आप रुचि रखेंगे तथा समाज एवं बन्धुवर्ग से यथोचित सम्मान भी प्राप्त करेंगे।

सितम्बर 2025 के लिए फलादेश

यह मास आप सुख तथा शान्ति पूर्वक व्यतीत करेंगे परन्तु यदा कदा शारीरिक रूप से अस्वस्थ भी रहेंगे। इस समय आप अपने उत्साह एवं पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाएंगे। साथ ही समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी पूर्ण वृद्धि

होगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा इनसे यथोचित मान सम्मान भी अर्जित करेंगे। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से भी आपको अनुकूल सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा। इस मास में आप मिष्ठान का उपयोग अधिक मात्रा में करेंगे साथ ही आपका शत्रु वर्ग आपसे पूर्ण रूप से प्रभावित तथा भयभीत रहेगा एवं आपका सामना करने में वे असफल रहेंगे। इस समय स्त्री से भी आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यों के द्वारा भी आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे तथा सम्पूर्ण मास सुख पूर्वक व्यतीत करेंगे।

साथ ही इस मास में आपको यदाकदा अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी। अतः आप गर्मा या पित्त द्वारा उत्पन्न होने वाले रोग से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रक्त विकार का योग भी बन सकता है। अतः इस मास में शारीरिक सुरक्षा पर पूर्ण ध्यान दें तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

अक्तूबर 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए उत्तम फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा अन्य प्रकार से भी विविध सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज से आपको उचित मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनका पूजन तथा सत्कार भी आप करते रहेंगे तथा समाज में दूसरे लोगों के परोपकार के लिए भी आप कार्यों को सम्पन्न करते रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे फलतः आपके यश में वृद्धि होगी तथा पदोन्नति की संभावना बनेगी। साथ ही भाई बहिनों से आप इस समय वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके मानसिक संकल्प तथा मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी जिससे आप हृदय से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपको नवीन वस्त्रों या द्रव्यों की उपलब्धि भी हो सकती है। अतः यह मास आपके लिए पूर्णतया सुख शान्ति एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला सिद्ध होगा।

नवम्बर 2025 के लिए फलादेश

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। फलतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे। पारिवारिक जनों से भी आपके परस्पर संबंध मधुर नहीं रहेंगे अतः तनाव का वातावरण रहेगा। आपके व्यापार या कार्य क्षेत्र में इस मास मन्दी आ सकती है तथा स्थान परिवर्तन का योग भी बनता है। साथ ही अस्थाई कार्य यदि कोई हो तो वह छूट सकता है। समाज में लोगों से इस मास आपके तनाव पूर्ण संबंध रहेंगे फलतः सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अतिरिक्त शरीर में रोग उत्पन्न हो सकते हैं तथा अनावश्यक रूप से भी धन व्यय होगा फलतः आप यदाकदा दुःखी रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप वात या ठण्ड से उत्पन्न होने वाले रोगों से भी पीड़ित हो सकते हैं। इस समय आप किसी ऐसे कार्य करने के लिए प्रवृत्त होंगे जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। साथ ही समाज में भी आपकी अवमानना होगी। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी धन हानि का योग बनता है अतः सम्पूर्ण मास सावधानी पूर्वक अपने किया कलापों को सम्पन्न करें।

दिसम्बर 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ फल प्रदाता रहेगा तथा अशुभ फल भी न्यूनाधिक रूप से होते रहेंगे। इस समय आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में आप पुत्र से सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से भी लाभ अर्जित करेंगे। आपके सामाजिक प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करके आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। इस मास में आपके महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण होंगे तथा कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना भी उत्पन्न होगी तथा नियम पूर्वक इनकी सेवा तथा पूजा करेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप अनुकूल एवं वांछित सहयोग तथा सम्मान भी अर्जित करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से भी आप मुक्त होंगे।

परन्तु शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप वातजन्य रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा गिरेगी एवं आपको इसके लिए पश्चाताप करना पड़ेगा। इस समय आप अग्नि द्वारा भी किसी प्रकार की धन हानि को प्राप्त करेंगे। अतः सोच समझकर अपने सभी कार्यों को सम्पन्न करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



वार्षिक फलादेश - 2026

इस वर्ष मीन राशि के शनि नवम भाव में रहेंगे। 25 नवम्बर तक कुम्भ राशि के राहु अष्टम भाव में रहेंगे और उसके बाद मकर राशिमें सप्तम भाव में गोचर करेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में मिथुन राशि केगुरु द्वादश भाव में रहेंगे और 2 जून को कर्क राशिमें लग्न स्थान में गोचर करेंगे और फिर से अतिचारी होकर 31 अक्टूबर को सिंह राशिमें द्वितीय भाव में प्रवेश कर जाएंगे। इस वर्ष मंगल ग्रह अपनी सरल गति से गोचर करेंगे। वर्षारम्भ से 1 फरवरी तक शुक्र अस्त रहेंगे और अक्टूबर में भी 14 दिन के लिए अस्त होंगे।

व्यवसाय

व्यापारिक दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध मिला-जुला रहेगा। वर्षारम्भ में द्वादश स्थान में गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से कार्य व्यवसाय में कुछ विशेष लाभ प्राप्त नहीं होगा। आपको अपने व्यापार में सफलता प्राप्ति के लिए लगातार प्रयास करना पड़ेगा। अष्टमस्थ राहु के प्रभाव से आपके कार्यों में गुप्त शत्रुओं द्वारा रूकावटें डाली जा सकती हैं। अतः इस समय के अन्तराल में आपको अपना आत्मविश्वास बनाए रखना चाहिए और कोई नया कार्य प्रारम्भ नहीं करना चाहिए। पहले से चले आ रहे व्यापार को और अच्छे ढंग से चलाएं। नौकरी करने वाले व्यक्तियों के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा।

02 जून के बाद समय अच्छा हो रहा है। सप्तम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से व्यापार में अच्छा लाभ प्राप्त होगा। आपको अधिकारी व वरिष्ठ लोगों का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। लग्न स्थान का गुरु नयी विचारधारा नयी योजनाओं को जन्म देगा जिसका लाभ उठा कर आप अपने व्यापार में अच्छी उन्नति करेंगे।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध सामान्य रहेगा। द्वादश स्थान केगुरु धनागम में रूकावट उत्पन्न करेंगे। जिससे आर्थिक उन्नति में कमी हो सकती है। इस समय के अंतराल में आपको निवेश या किसी को उधार पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो वापसी की उम्मीद बहुत कम है, परन्तु आपको मातुल पक्ष से लाभ होगा।

गुरु ग्रह के गोचर के बाद समय अच्छा हो रहा है। उस समय आपको रूका हुआ धन वापस मिल सकता है। सप्तम स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से पत्नी या मित्रों से धन लाभ होगा या आर्थिक स्थिति को सुधारने में इनका पूर्ण सहयोग होगा। अपने व्यापार को और आगे बढ़ाने में भी आपका पैसा खर्च हो सकता है। आप अपनी भौतिक सुख सुविधा पर भी पैसा खर्च करेंगे। 31 अक्टूबर के बाद रत्न आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी और आपको ससुराल पक्ष से भी लाभ प्राप्त होगा।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टि से यह वर्ष सामान्यतः अनुकूल रहेगा। चतुर्थ स्थान पर गुरु ग्रह

के दृष्टि प्रभाव से पारिवारिक अनुकूलता बनी रहेगी। परिवार में एक दूसरे के प्रति परस्पर सहयोग की भावना उत्पन्न होगी जिससे आपके परिवार में सुख-शान्ति का वातावरण बना रहेगा। मातुल पक्ष के लोगों के साथ आपका संबंध बहुत उत्तम रहेगा। अष्टम स्थान का राहु ससुराल पक्ष के लोगों के साथ वैचारिक मतभेद करा सकता है।

02 जून के बाद समय काफी अनुकूल हो रहा है। आपके परिवार में पुत्रादि का विवाह या कोई मांगलिक कार्य संपन्न होगा जिसमें आपकी अहम भूमिका होगी। सप्तम स्थान पर गुरु के दृष्टि प्रभाव से आपकी पत्नी के साथ आपके सम्बन्ध मधुर होंगे। सामाजिक पद प्रतिष्ठा के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा।

संतान

संतान की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध अच्छा नहीं रहेगा। द्वादशस्थगुरुपर राहु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से संतान संबंधित कुछ चिन्ताएं हो सकती हैं। आपके बच्चों का स्वास्थ्य व शिक्षा-दीक्षा प्रभावित हो सकती है। अतः उनके स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें।

02 जून के बाद गुरु के गोचरीय प्रभाव से समय काफी अनुकूल हो रहा है। उस समय आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में उनकी रुचि बढ़ेगी। नवविवाहित व्यक्तियों के लिए गर्भाधान का शुभ समय चल रहा है। आपके दूसरे बच्चे के लिए भी समय बहुत अच्छा है। यदि वह विवाह के योग्य है। तो विवाह भी हो सकता है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध सामान्यतः अनुकूल नहीं रहेगा। द्वादश स्थान के गुरु आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव की स्थिति बना सकते हैं। मधुमेह रोगियों को अधिक परहेज की आवश्यकता है। गुरु ग्रह के वायु तत्व राशि में होने के कारण संक्रमण, सांस व पेट संबंधित बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है।

02 जून के बाद गुरु का गोचरीय प्रभाव लग्न स्थान में होने से स्वास्थ्य में सुधार आना शुरू हो जाएगा। आप मानसिक रूप से संतुष्ट एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध बहुत अच्छा रहेगा। षष्ठ स्थान पर गुरु एवं शनि की संयुक्त दृष्टि के कारण प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को मनोनुकूल सफलता मिलेगी। बेरोजगार जातकों को वर्षारम्भ में नौकरी मिल सकती है।

02 जून के बाद विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा हो रहा है। आप पढ़ाई लिखाई में सब से आगे रहेंगे। यदि आप उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं अच्छे शैक्षणिक संस्थान में आपका प्रवेश हो सकता है। तकनीकी शिक्षा या व्यवसायिक शिक्षा के लिए समय काफी अनुकूल है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



यात्रा-तबादला

यात्रा की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध अनुकूल है। द्वादशस्थगुरु विदेश यात्रा के शुभ योग बना रहे हैं। इस समय के अंतराल में आपकी विदेश यात्रा होगी।

02 जून के बाद नवम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि लम्बी यात्रा के योग बना रही है। तृतीय स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि छोटी-मोटी यात्राओं के साथ-साथ लम्बी यात्रा भी दर्शा रही है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए वर्ष अनुकूल रहेगा। द्वादशस्थगुरु एवं नवमस्थ शनि के प्रभाव से आप दान पुण्य अधिक करेंगे। 02 जून के बाद गुरु ग्रह का गोचर लग्न स्थान में होगा। उस समय नवम एवं पंचम स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपका आध्यात्मिक ज्ञान बढ़ेगा। आपगुरुजनों का सम्मान करेंगे। उनके दिये गये उपदेशों का पालन करेंगे। मन्त्र जाप कर आध्यात्मिक शक्ति को बढ़ाएंगे।

- माता-पिता, गुरु, साधू, संन्यासी और अपने से बड़े लोगों का आशीर्वाद प्राप्त करें।
- मंदिर या धार्मिक स्थानों पर केला या बेसन के लड्डू वितरित करें।
- बुधवार के दिन गणेशजी को दूर्वा चढ़ाएं।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



मासिक फलादेश

जनवरी 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिये सामान्यतया अशुभ रहेगा। अतः आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। इस समय आपके शत्रु भी प्रबल रहेंगे तथा उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मन में अशान्ति तथा उद्विग्नता विद्यमान रहेगी। साथ ही इस मास में आपके घर में किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है अतः सतर्क रहें। उच्चाधिकारी वर्ग से इस समय आपको पूर्ण सहयोग रखना चाहिए तथा उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए अन्यथा आप दण्डित भी किए जा सकते हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में अल्प मात्रा में ही सम्पन्न होंगे एवं धन का व्यय भी अनावश्यक रूप में होता रहेगा। अतः आर्थिक दृष्टि से भी आप शिथिल हो सकते हैं। साथ ही इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आप को बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। मित्रों एवं संबंधियों से आपके संबंधों में भी इस समय तनाव का वातावरण रहेगा तथा समाज से भी आप उपेक्षा प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय अपूर्ण ही रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्तजनित रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा दुर्घटना आदि से भी शरीर में रक्त विकार की संभावना हो सकती है। इसके अतिरिक्त इस समय अग्नि के द्वारा भी आप हानि प्राप्त कर सकते हैं। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

फरवरी 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिये विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में होंगे। इस समय आप स्त्री पक्ष से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रुओं की ओर से भी चिन्ता एवं भय का वातावरण बना रहेगा। इस मास में आपके उत्साह में भी कमी आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। जिससे आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम के बाद भी पूर्ण रूप से सिद्ध नहीं होंगे। शारीरिक अस्वस्थता भी इस समय बनी रहेगी तथा स्वभाव में लोलुपता के भाव में वृद्धि होगी। अपने बंधु एवं मित्र वर्ग से आपके संबंध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मन मुटाव चलता रहेगा मित्र वर्ग भी इस समय शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे जिसके कारण मन अशान्त तथा असंतुष्ट रहेगा। इसके अतिरिक्त आपके सामाजिक जनों से भी वादविवाद या संघर्ष होने की संभावना बनी रहेगी जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होते रहेंगे। अतः स्त्री से सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा बुद्धिबल से आपके कार्य सफल भी हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में रुचि उत्पन्न होगी। इस प्रकार आपका यह मास सामान्य रूप से व्यतीत होगा।

मार्च 2026 के लिए फलादेश

इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को अर्जित करेंगे। इस समय शत्रुपक्ष से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे एवं घर में किसी प्रकार की चोरी आदि होने की भी संभावना रहेंगी। इस समय आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आप आर्थिक कष्ट प्राप्त कर सकते हैं। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का भाव ही अधिक रहेगा। इस मास में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं विविध प्रकार से आप शारीरिक तथा मानसिक कष्टों को प्राप्त करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होगी। इस समय आप दूर या समीप की कोई यात्रा भी सम्पन्न कर सकते हैं। आपके सांसारिक कार्य इस मास में अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी व्यय अधिक होगा। अतः सावधानी एवं सतर्कता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ आपको समय समय पर शुभफल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं महिला सहयोगियों से भी लाभार्जन करेंगे। आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं धनार्जन प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। इस मास में धर्म का भी आप अनुपालन करेंगे तथा समाज में आपको पूर्ण यश प्राप्त होगा।

अप्रैल 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ तथा भाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। साथ ही आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न होगा। सन्तति पक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा का भाव रहेगा एवं श्रद्धा पूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करेंगे। समाज में इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबन्धी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा। इस मास में आपकी लाभ दायक यात्रा का योग भी बनेगा। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सम्मान तथा सहयोग भी अर्जित करेंगे। इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबन्ध रहेंगे तथा समाज में आप एक सम्माननीय तथा प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला वर्ग से पूर्ण सहयोग एवं लाभार्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आपको प्रचुर मात्रा में धनार्जन भी होगा तथा सुख साधनों को भी आप अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में आपकी रुचि रहेगी तथा समाज में पूर्ण यश एवं प्रतिष्ठा व्याप्त रहेगी।

मई 2026 के लिए फलादेश

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्ता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में पूर्ण उन्नति होगी तथा समाज में आपको उचित सम्मान तथा आदर प्राप्त होगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको पूर्ण सम्मान तथा सहयोग अर्जित होगा।

तथा वे आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुजनों को आप पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। सन्तति पक्ष से आप सुखी रहेंगे तथा बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आपकी असफल आशाएं भी इस मास में पूर्ण होगी। जिससे मानसिक रूप से शान्ति तथा सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

साथ ही इस मास में आप सरकार या अधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे एवं अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने में सफल रहेंगे। इस समय आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्र या द्रव्यों आदि की भी आपको इस समय प्राप्ति हो सकती है। अतः यह मास आपका सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

जून 2026 के लिए फलादेश

इस मास को आप सुख तथा प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आप स्त्री वर्ग से पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होते रहेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी इस मास में आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मन भी पूर्ण प्रसन्न रहेगा। अध्ययन या ज्ञानार्जन के प्रति भी आप रुचिशील रहेंगे। मित्रों एवं संबंधियों से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। इस मास में आपको मनोच्छिन्न द्रव्य पदार्थों की भी प्राप्ति होगी। इसके अतिरिक्त बन्धुवर्ग में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा विगत असफल आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे।

साथ ही इस मास में आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव उत्पन्न होगा तथा प्रचुर मात्रा में धन तथा सुख अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाज में यश तथा सम्मान प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। अतः इस मास को आप सुखपूर्वक व्यतीत करेंगे।

जुलाई 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त होकर मध्यम रूप से व्यतीत होगा। इस समय आपका व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा आप दुष्ट मनुष्यों की संगति से कष्ट प्राप्त करेंगे। इस समय आप आर्थिक संकट से भी उलझे रहेंगे। अतः मानसिक रूप से भी अशान्त तथा उद्विग्न रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा जिससे शरीर में दुर्बलता रहेगी। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अत्यन्त परिश्रम करने पर भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध हो सकेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवता एवं ब्राह्मणों का भी आप यथोचित पूजन तथा सत्कार नहीं करेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी आप

हानि प्राप्त करेंगे। इस समय आपके मित्रों तथा बन्धुओं से मधुर संबंध नहीं रहेंगे तथा कार्य क्षेत्र में भी अनावश्यक रूप से व्यवधान उत्पन्न होते रहेंगे। साथ ही शत्रुपक्ष से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे तथा जिस कार्य को भी प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी। अतः मानसिक रूप से आप अशान्त रहेंगे।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इस समय आप स्त्री वर्ग से लाभ अर्जित करेंगे तथा बुद्धि भी निर्मल रहेगी। साथ ही धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी। जिसके फलस्वरूप कोई धार्मिक उत्सव सम्पन्न हो सकता है। इस प्रकार यह मास आपके लिए मध्यम रहेगा।

अगस्त 2026 के लिए फलादेश

इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा आपके पराक्रम में नित्य वृद्धि होती रहेगी अतः इस समय आपके शत्रु वर्ग कमजोर रहेंगे एवं आप से प्रभावित तथा भयभीत रहेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से इस समय सम्मान एवं सहयोग अर्जित करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही मुख्य कार्य के अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभार्जन करेंगे। अतः आपकी अर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी इससे समाज तथा मित्रवर्ग में प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपके सौभाग्य में भी वृद्धि होगी तथा पूर्व विलंबित हुए शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य स्वतः सिद्ध हो जाएंगे। साथ ही सांसारिक कार्यों में भी आप सफल रहेंगे एवं सर्वत्र आनन्द एवं प्रसन्नता का वातावरण विद्यमान रहेगा।

परन्तु शुभफलों के साथ साथ यदाकदा आपको अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी। अतः आप गर्मी या पित द्वारा उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही इस समय किसी प्रकार से रक्त विकार भी हो सकता है। अतः शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सचेत रहें। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी क्षति हो सकती है। अतः सावधानी एवं सतर्कता पूर्वक कार्यों को सम्पन्न करना चाहिए।

सितम्बर 2026 के लिए फलादेश

इस मास में आप अपने उत्साह के द्वारा धन लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सामाजिक जनों से आपको पूर्ण यश तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। इस समय आपको अपने पारिवारिक जनों तथा बन्धु वर्ग के मध्य यथोचित प्रतिष्ठा अर्जित होगी तथा परस्पर संबंध भी मधुर रहेंगे। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे। फलतः आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सिद्ध हो जाएंगे। आपकी मिष्टान्न भक्षण में भी इस मास पूर्ण रुचि रहेगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा रहेगा तथा उसमें बल की वृद्धि होती रहेगी। शत्रुपक्ष को पराजित तथा भयभीत करने में भी आप सफल रहेंगे तथा सभी जनों से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। फलतः आपका पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। इसके अतिरिक्त व्यापार अदि कार्यों में भी आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार यह मास आपके लिये अत्यंत ही शुभफलदायक रहेगा।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुखी रहेंगे तथा सन्तति पक्ष से भी सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपको नवीन वस्त्रों या वस्तुओं की प्राप्ति भी हो सकती है। अतः प्रसन्नता पूर्वक इस मास को व्यतीत करने में आप सफल रहेंगे।

अक्टूबर 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिये सामान्यतया शुभ रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होते रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार से सुखोपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में भी वृद्धि होगी। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा श्रद्धा पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही समाज में अन्य लोगों की भलाई करने में भी आप तत्पर रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य ही रहेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त करेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस मास में पूर्ण होंगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप वातजन्य रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि आदि के द्वारा भी आप हानि प्राप्त कर सकते हैं। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

नवम्बर 2026 के लिए फलादेश

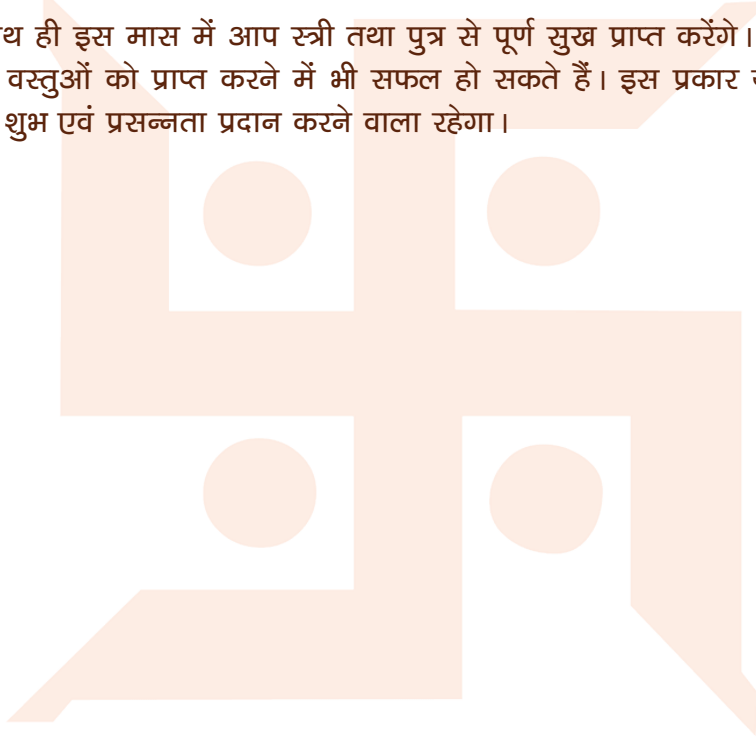
इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके शत्रु प्रबल रहेंगे तथा उनसे आप भयभीत तथा चिंतित रहेंगे। जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्नता तथा अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजीविका संबंधी कार्य में मन्दी आएगी तथा कई अनावश्यक विघ्नबाधाएं भी उत्पन्न होंगी। साथ ही आपका कोई कार्य बंद हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिवर्तन होने की संभावना बनेगी। समाज में अन्य लोगों से इस मास में आपका अनावश्यक विवाद या संघर्ष होगा जिससे सामाजिक सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग बनता है तथा शारीरिक कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप वातजनित रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार की क्षति या हानि हो सकती है। अतः सावधानी एवं सतर्कतापूर्वक अपने सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

दिसम्बर 2026 के लिए फलादेश

यह महीना आपके लिए शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी आपको द्रव्य लाभ का योग बनेगा। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे तथा अच्छे समाचारों को भी आप सुनेंगे। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में पूर्ण आस्था रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य या उच्चाधिकारी वर्ग से आप लाभार्जन करने में भी सफल हो सकते हैं। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में अभिवृद्धि होगी तथा समस्त मानसिक चिन्ताएं दूर होगी। अतः मन से आप पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं को प्राप्त करने में भी सफल हो सकते हैं। इस प्रकार यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



वार्षिक फलादेश - 2027

वर्ष के पूर्वार्द्ध में मीनस्थ शनि नवम भाव में रहेंगे और 3 जून को मेष राशि एवं दशम भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर 03 अक्टूबर को फिर से मीन राशि एवं नवम भाव में आजाएंगे। मकर राशि का राहु इस वर्ष सप्तम भाव में रहेगा। वक्री गुरु 25 जनवरी को कर्क राशि एवं लग्न स्थान में प्रवेश करेंगे और मार्गी होकर 26 जून को सिंह राशि एवं द्वितीय भाव में गोचर करेंगे, और फिर से अतिचारी होकर 26 नवम्बर को कन्या राशि एवं तृतीय भाव में प्रवेश कर जाएंगे। 26 अप्रैल से 5 जुलाई तक मंगल वक्री होकर सिंह राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे। 21 जुलाई से 7 सितम्बर तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से यह वर्ष बहुत बढ़िया रहेगा। व्यवसाय व कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी। आप कोई नया कार्य प्रारम्भ कर सकते हैं। लग्नस्थ गुरु के प्रभाव से नयी योजनाओं से लाभ उठा कर आप अपने व्यापार को और सुदृढ़ बना सकते हैं। आपका भाग्य भी आपके अनुकूल रहेगा। आप कम समय में उत्तम सफलता प्राप्त कर सकते हैं। शेयर बाजार से जुड़े व्यक्तियों को इच्छित लाभ होगा।

साझेदारी में काम करने वालों के लिए समय अच्छा नहीं है। 26 जून के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों की पदोन्नति होने के प्रबल योग बन रहे हैं। वरिष्ठ लोगों या बड़े अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा, आप मानसिक रूप से संतुष्ट हो कर प्रसन्नता पूर्वक अपना कार्य करेंगे।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष अनुकूल रहेगा। व्यापारिक अनुकूलता के कारण धनागम में वृद्धि होगी। आप इच्छित बचत करने में सफल रहेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में कर्जे इत्यादि से मुक्ति मिल सकती है। गुरु ग्रह के गोचर के बाद रत्न, आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी। रुके हुए या फंसे हुए पैसे मिल सकते हैं। सप्तमस्थ राहु के प्रभाव से आपकी पत्नी के स्वास्थ्य पर भी धन का व्यय हो सकता है।

26 नवम्बर के बाद सामाजिक कार्यों में व धार्मिक कार्यों में पैसा खर्च कर सकते हैं। भाइयों या ससुराल पक्ष से भी धन लाभ हो सकता है। अचानक धन लाभ होने के भी योग बन रहे हैं।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टि से यह वर्ष अनुकूल रहेगा। सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा। परिवार में एक दूसरे के प्रति परस्पर सहयोग की भावना उत्पन्न होगी, जिससे आपस में भावनात्मक लगाव बढ़ेगा। सप्तमस्थ राहु के प्रभाव से जीवनसाथी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



26 जून के बाद परिवार में किसी सदस्य की बढ़ोतरी हो सकती है। ससुराल पक्ष के लोगों के साथ आपका संबंध बहुत अच्छा रहेगा। पिता के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। 26 नवम्बर के बाद आपके सामाजिक मान सम्मान में और बढ़ोतरी होगी।

संतान

संतान के लिये वर्ष का पूर्वार्द्ध उत्तम रहेगा। पंचम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपके बच्चों की उन्नति होगी। शिक्षा के प्रति उनकी रुचि बढ़ेगी। भाग्य के बल पर अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। नवविवाहित व्यक्तियों के लिए गर्भाधान का उपयुक्त समय है। विवाह योग्य है तो विवाह हो जाएगा।

26 नवम्बर के बाद दूसरे बच्चे के लिए भी समय अच्छा नहीं रहेगा। उनको अपने कार्य क्षेत्र में सफलता प्राप्त के लिए अधिक परिश्रम करना पड़ेगा। उनका स्वास्थ्य भी प्रभावित हो सकता है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध अनुकूल रहेगा। लग्नस्थ गुरु के प्रभाव से आपका स्वास्थ्य अनुकूल बना रहेगा। मन में अच्छे विचार आएंगे व आप मानसिक रूप से सन्तुष्ट रहेंगे और प्रत्येक कार्य को सकारात्मक रूप से करेंगे।

26 जून के बाद लग्न स्थान पर राहु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपका स्वास्थ्य किंचित प्रभावित हो सकता है। मौसम जनित बीमारी या आलस्य की भावना उत्पन्न हो सकती है परन्तु आप शीघ्र ही स्वस्थ हो जाएंगे।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

यह वर्ष आपके लिए प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता की दृष्टि से सामान्यतः अनुकूल रहेगा। यदि उच्च शिक्षा हेतु उच्च शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश पाना चाहते हैं तो आपके लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध अनुकूल है।

पंचम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है। 26 जून के प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त हो सकती है। तकनीकी शिक्षा के लिए भी यह समय अच्छा है।

यात्रा-तबादला

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष उत्तम रहेगा। वर्ष के पूर्वार्द्ध में नवमस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि के कारण आपकी लम्बी यात्रा होगी। 03 जून के बाद द्वादश स्थान पर शनि ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपके विदेश यात्रा के प्रबल योग बन रहें हैं।

आप जलीय क्षेत्रों की यात्रा करेंगे। 26 नवम्बर के बाद आपकी छोटी-मोटी यात्राएं होंगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध बढ़िया रहेगा। नवम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपकी धार्मिक कार्यों के प्रति रुचि बढ़ेगी जिससे आप पूजा, पाठ, यज्ञ, अनुष्ठान अधिक करेंगे। पंचम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से ईश्वर के प्रति आप का अटूट विश्वास रहेगा। दान पुण्य करने में आप सबसे आगे रहेंगे। 26 जून के बाद मन्त्र सिद्धी व गुप्त विद्याओं की ओर आपका रुझान बढ़ेगा।

- स्फटिक श्रीयन्त्र अपने घर में स्थापित कर उसके सामने नित्य घी का दीपक जलाएं।
- अपने मन को केन्द्रित करने के लिए ध्यान करें एवं नित्य प्राणायाम करें।
- बुधवार या शनिवार के दिन राहु ग्रह का दान आपके लिए लाभप्रद रहेगा।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



वार्षिक फलादेश - 2028

वर्षारम्भ में मीन राशि के शनि नवम भाव में रहेंगे और 23 फरवरी को मेष राशि एवं दशम भाव में प्रवेश करेंगे। राहु वर्ष के शुरु में मकर राशि एवं सप्तम भाव में रहेंगे और 24 मई को धनु राशि एवं छठे भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में कन्या राशि के गुरु तृतीय भाव में रहेंगे और वक्री होकर 28 फरवरी को सिंह राशि एवं द्वितीय भाव में प्रवेश करेंगे और फिर से मार्गी होकर 24 जुलाई को कन्या राशि एवं तृतीय भाव में प्रवेश करेंगे। इस वर्ष मंगल ग्रह अपनी सरल गति से गोचर करेंगे। 28 मई से 6 जून तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

वर्षारम्भ में आप कार्य व्यवसाय में उन्नति करेंगे। नवम स्थान पर शनि एवं गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपका भाग्य साथ देगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा। सप्तम स्थान के राहु अचानक आपके कार्यों में व्यवधान उत्पन्न कर सकते हैं परन्तु आप उसे भी अपने बौद्धिक बल से अनुकूल बना लेंगे।

24 मई के बाद व्यवसाय में सफलता के अच्छे अवसर मिलेंगे। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय कर रहे हैं तो 24 जुलाई के बाद अच्छा लाभ प्राप्त होगा। आमदनी के नये स्रोत मिलने कि उम्मीद है। अनुभवी व्यापारिक एवं वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलने से आप अपने व्यापार में और अधिक सुधार करेंगे। आपका मनोनुकूल स्थान पर स्थानान्तरण हो सकता है।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहेगा। व्यापारिक अनुकूलता के कारण आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा। आप बचत करने में सफल रहेंगे। सप्तमस्थ राहु आपकी पत्नी के स्वास्थ्य पर भी व्यय करा सकते हैं।

फरवरी के बाद आपको रत्न, आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति हो सकती है। पुराने चले आ रहे कर्जे इत्यादि से मुक्ति मिल सकती है। आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में पिता का अहम सहयोग होगा। मातुल पक्ष से भी लाभ प्राप्त होगा। मांगलिक कार्यों में भी पैसे खर्च हो सकते हैं।

घर-परिवार, समाज

वर्ष का प्रारम्भ सामाजिक उन्नति के साथ होगा। तृतीयस्थ गुरु पर शनि की दृष्टि प्रभाव से सामाजिक पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सामाजिक गतिविधियों में आप बढ-चढ कर भाग लेंगे। फरवरी के बाद आपके परिवार में किसी सदस्य की वृद्धि होगी।

सप्तमस्थ राहु आपकी पत्नी का स्वास्थ्य प्रभावित कर सकता है। चतुर्थ स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि प्रभाव से पारिवारिक अनुकूलता भंग हो सकती है। आपके माता पिता का स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा। परिवार में कुछ लोगों का बर्ताव ठीक नहीं रहेगा। षष्ठस्थ राहु के कारण आपके मातुल पक्ष के लोगों के साथ संबंध मधुर होंगे।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



संतान

संतान के लिए यह वर्ष अनुकूल रहेगा। आपके बच्चों की उन्नति होगी। शिक्षा के प्रति उनकी रुचि बढ़ेगी। आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ेंगे। गर्भाधान के लिए समय शुभ है।

आपके दूसरे बच्चे के लिए समय अच्छा चल रहा है यदि बच्चा विवाह के योग्य है तो विवाह भी हो सकता है। इस समयान्तराल में आपके बच्चों के साथ आपका भावनात्मक लगाव बढ़ेगा।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ मिला-जुला रहेगा। लग्न स्थान पर राहु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से अचानक आपका स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। अतः स्वास्थ्य संबंधित किसी प्रकार की लापरवाही आपके लिए अच्छी नहीं होगी।

राहु ग्रह के गोचर के साथ आपका स्वास्थ्य अनुकूल होना शुरू हो जाएगा। यदि पहले से किसी बीमारी से ग्रसित हैं तो उससे छुटकारा मिल सकता है। छटे स्थान के राहु रोग प्रतिरोधक शक्ति विकसित करेंगे।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

वर्ष का प्रारम्भ प्रतियोगिता परीक्षार्थियों के लिए सामान्य रहेगा। आपको लगातार अथक परिश्रम के बाद सफलता मिलेगी। विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष सामान्यतः अनुकूल रहेगा। नवम स्थान पर गुरु की दृष्टि शिक्षा की दृष्टि से उत्तम है।

24 मई के बाद षष्ठस्थ राहु के प्रभाव से प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को सफलता मिलेगी। बेरोजगार जातकों को रोजगार मिल सकती है। व्यावसायिक व्यक्तियों को ब्राण्ड नेम मिल सकता है।

यात्रा-तबादला

वर्ष का प्रारम्भ यात्रा की दृष्टि से अनुकूल है। गुरु ग्रह के प्रभाव से लम्बी यात्राएं व तीर्थ यात्राएं भी होंगी। 23 फरवरी के बाद द्वादश स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपकी विदेश यात्रा होगी।

चतुर्थ स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि, नौकरी करने वाले व्यक्तियों का स्थानान्तरण करा सकती है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्षारम्भ में गुरु ग्रह की दृष्टि नवम स्थान पर पड़ रही है, जिसके कारण आपका मन धार्मिक कार्यों में आकृष्ट होगा। आप गुरुजनों का सम्मान करेंगे। उनके दिये गये उपदेशों का पालन करेंगे। समय समय पर गरीबों की सहायता भी करेंगे।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



- मंगलवार के दिन हनुमानजी को लड्डू का भोग लगाकर गरीबों में बांट दें।
- दुर्गाजी की उपासना करें या राहु मन्त्र का पाठ करें।
- गौ सेवा करें या गौशाला में चारा दान करें।



वार्षिक फलादेश - 2029

वर्ष के पूर्वार्द्ध में मेष राशि के शनि दशम भाव में रहेंगे और 08 अगस्त को वृष राशि एवं एकादश भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर फिर से 05 अक्टूबर को मेष राशि एवं दशम भाव में आ जाएंगे। धनु राशि के राहु छठे भाव में रहेंगे। वर्षारम्भ में तुला राशि के गुरु चतुर्थ भाव में रहेंगे और वक्री होकर 29 मार्च को कन्या राशि एवं तृतीय भाव में प्रवेश करेंगे और फिर से मार्गी होकर 25 अगस्त को तुला राशि एवं चतुर्थ भाव में आ जाएंगे। वक्री मंगल 27 जुलाई तक कन्या राशि एवं तृतीय भाव में रहेंगे। 15 फरवरी से 16 अप्रैल तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

वर्ष का प्रारंभ व्यवसाय के लिए उत्तम रहेगा। दशमस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से नौकरी करने वाले व्यक्तियों की पदोन्नति होगी। मनोनुकूल स्थान पर स्थानान्तरण भी हो सकता है। बड़े अधिकारी व वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलता रहेगा। षष्ठस्थ राहु के कारण सारे विरोधी शान्त होंगे। आप कोई नया कार्य प्रारम्भ करेंगे।

वर्ष का उत्तरार्द्ध आपके लिए अति उत्तम रहेगा। व्यवसाय में उन्नति के लिए नये-नये तरीके अपनाएंगे व सफल भी होंगे। आपको लाभ मिलता रहेगा। प्रोपर्टी डीलर या कमीशन पर कार्य करने वाले व्यक्तियों की अच्छी उन्नति होगी। छठे स्थान का राहु आपको ब्राण्ड नेम भी दिला सकता है।

धन संपत्ति

वर्ष का प्रारम्भ आर्थिक उन्नति के साथ होगा। चतुर्थस्थ गुरु के प्रभाव से भूमि, भवन, वाहन इत्यादि का सुख मिलेगा। भौतिक सुख सुविधा पर आप अधिक खर्च करेंगे। आय के स्रोत और उत्तम होंगे। निवेश के लिए समय अच्छा चल रहा है। अष्टम स्थान पर गुरु ग्रह की स्थिति पैतृक सम्पत्ति प्राप्ति के योग बना रही है। अचानक धनागम का योग बनेगा जिससे आर्थिक स्थिति सुधरेगी।

08 अगस्त के बाद आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में भाईयों एवं परिवार के लोगों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। परिवार में मांगलिक कार्य होंगे जिसमें आप खुले हाथों से व्यय करेंगे। इस समय के अंतराल में आपका रुका हुआ या फंसा हुआ पैसा भी मिल सकता है। इस अवधि में वसीयत प्राप्त होने की भी संभावना बन रही है।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक मामलों के लिए वर्ष का प्रारम्भ अति उत्तम रहेगा। चतुर्थ स्थान का गुरु पारिवारिक सुख प्रदान करने वाला है। सुख शांति का वातावरण बना रहेगा। मांगलिक कार्य संपन्न होने के योग बन रहे हैं। यदि कोई मुकद्दमा चल रहा हो तो उसमें सफलता प्राप्त होगी।

तृतीयस्थ मंगल के प्रभाव से सामाजिक मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा आप

अपनी सामाजिक गतिविधियों में पहले से अधिक सक्रिय होंगे। माता-पिता के साथ भावनात्मक लगाव बढ़ेगा। बड़े भाईयों का सहयोग मिलेगा। मातुल पक्ष के लोगों के साथ संबंध मधुर होंगे।

संतान

वर्ष का प्रारम्भ संतान के लिए सामान्य रहेगा। उच्च शिक्षा के लिए समय उत्तम नहीं है परन्तु प्रतियोगिता परीक्षा में आप सफल होंगे। संतान के साथ प्रेम व समन्वय में वृद्धि होगी। परिवार की उन्नति के लिए आपके बच्चे नवीन योजनाएं बनाएं।

आपके बच्चों का किसी के साथ वैचारिक मतभेद हो सकता है। 29 मार्च के बाद आपके दूसरे बच्चे की उन्नति होगी। यदि वह विवाह के योग्य है तो विवाह भी हो सकता है। बच्चों के मनोबल को बढ़ाते रहें तो वे अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेंगे।

स्वास्थ्य

वर्ष के प्रारम्भ में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। छठे स्थान के राहु रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ा रहे हैं जिससे आपका स्वास्थ्य अनुकूल बना रहेगा। यदि किसी कारण से आप बीमार भी होते हैं, तो आपकी सेहत शीघ्र ही अच्छी हो जाएगी। आपकी आरोग्यता व कार्यक्षमता में वृद्धि होगी।

इस समय के अंतराल में आपके अंदर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा जिससे रोगप्रतिरोधक शक्ति और अतिरिक्त मानसिक ऊर्जा प्राप्त होगी।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

वर्ष का प्रारम्भ प्रतियोगिता परीक्षार्थियों के लिए उत्तम रहेगा। करियर व प्रतियोगिता परीक्षा में आगे रहेंगे। अनुभवी व्यक्तियों से मिलकर आप अपनी कार्यशैली में और अधिक सुधार लाएंगे। सरकारी अफसरों और वरिष्ठ लोगों का सहयोग प्राप्त होगा।

कार्यस्थल पर होने वाली अनावश्यक राजनीति व गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। अहं भाव ना आने दें। नौकरी करने वाले व्यक्तियों की पदोन्नति होगी।

यात्रा-तबादला

वर्षारम्भ में नौकरी करने वाले व्यक्तियों का मनोनुकूल स्थान पर स्थानान्तरण होगा। आपके माता-पिता को धार्मिक स्थलों की यात्रा करने का अवसर प्राप्त होगा। घर से दूर रहने वाले व्यक्तियों की जन्मभूमि की यात्रा होगी।

29 मार्च के बाद छोटी-मोटी यात्राओं के साथ आपकी लम्बी यात्राएं होंगी। 05 अक्टूबर के बाद तीर्थ यात्रा या परिवार के साथ किसी दर्शनीय स्थल की यात्रा करेंगे।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

आपकी धार्मिक कार्यों के प्रति रुचि बढ़ेगी। किसी तीर्थयात्रा पर जा रहे हैं तो उसको योजनाबद्ध तरीके से ही संपन्न करें, अन्यथा उसमें व्यवधान आ सकता है। 25 अगस्त के बाद पूरे परिवार के साथ कोई विशेष आयोजन कर सकते हैं जैसे- भगवती जागरण, माता की चौकी इत्यादि।

- अपने घर में श्रीयन्त्र की स्थापना करें और उसके सामने देशी घी का दीपक जलाएं।
- बुधवार के दिन गणेश जी को दूर्वा चढ़ाएं और केतु मन्त्र का पाठ करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



वार्षिक फलादेश - 2030

वर्षारम्भ में मेष राशि के शनि दशम भाव में रहेंगे और 17 अप्रैल को वृष राशि एवं एकादश भाव में प्रवेश करेंगे धनु राशि के राहु छठे भाव में रहेंगे और 04 फरवरी को वृश्चिक राशि एवं पंचम भाव में प्रवेश करेंगे। 25 जनवरी को गुरु वृश्चिक राशि एवं पंचम भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर 01 मई को तुला राशि एवं चतुर्थ भाव में गोचर करेंगे और फिर से मार्गी होकर 23 सितम्बर को वृश्चिक राशि एवं पंचम भाव में आ जाएंगे। इस वर्ष मंगल अपनी सरल गति से गोचर करेंगे 27 सितम्बर से 18 नवम्बर तक शुक्र अस्त रहेंगे

व्यवसाय

कार्य-व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अच्छा रहेगा। व्यापार में बदलाव या नौकरी में पदोन्नति की भी संभावना है। अनुभवी और वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलेगा। साथ ही किसी बड़ी कंपनी के साथ मिलना या उसके साथ कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। कार्यस्थल में प्रशंसा और पहचान मिलेगी और यह आपकी आशावादी विचारधारा के कारण ही होगा। फरवरी से आपके कार्यों में कुछ परेशानियां आ सकती हैं लेकिन आप अपने काम को पूरा करके ही रहेंगे

17 अप्रैल से समय व्यावसायिक स्तर आपके लिए बेहतर होने वाला है। आपको पिछली व्यावसायिक सफलताओं के लिए भी पुरुस्कृत किया जाएगा। आपकी कड़ी मेहनत को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। भले ही गुरु एवं राहु की युति थोड़ी अड़चने देगी किन्तु सफलता आपके कदम चूमेगी। एकादशस्थ शनि के प्रभाव से गजब का आत्मविश्वास उत्पन्न होगा जिससे आप क्लाइंट्स को प्रभावित करने में सफल होंगे।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण से वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहेगा। आय भाव पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से धनागम के स्रोतों में वृद्धि होगी। साथ ही फंसे हुए या रुके हुए धन की प्राप्ति हो सकती है। धार्मिक यात्रा या मांगलिक कार्यों में धन व्यय होगा। 04 फरवरी से आपकी आर्थिक उन्नति में रुकावटें आ सकती हैं। वित्तीय मामलों में आपको निराशा हाथ लगेगी और हानि का सामना करना पड़ेगा। आपकी राह में अवरोध उत्पन्न किया जा सकता है। जोखिम भरे कार्यों में निवेश न करें। शीघ्र पैसा बनाने वाले तरीको पर अंकुश लगाएं।

01 मई से आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी। आप कुछ बेहतरीन व्यावसायिक संबंध भी कायम करेंगे और लाभकारी निवेशकों के साथ भी निवेश करेंगे यह समय आपके लिए लाभकारी रहेगा। यदि अनपेक्षित ही कोई अच्छा सौदा आपकी झोली में आ गिरे, तो चौंकिए मत अपितु उसका लाभ उठाएं। भूमि संबंधित कार्य करने वाले व्यक्तियों को अच्छा लाभ प्राप्त होगा। एकादशस्थ शनि के प्रभाव से आपके सामने कई लाभकारी मौके आएंगे।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



घर-परिवार, समाज

वर्ष का प्रारम्भ पारिवारिक रूप से अच्छा नहीं रहेगा। चतुर्थ स्थान पर शनि ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपका पारिवारिक माहौल अनुकूल नहीं रहेगा। परिवार के किसी सदस्य को लेकर मन में चिंता रह सकती है। परिवार के प्रत्येक मसले पर आपको बहुत सावधानी बरतने की आवश्यकता है। आपके माता-पिता के लिए समय शुभ नहीं है।

मई से समय अनुकूल हो रहा है। परिवार में सुख, शान्ति का वातावरण बनेगा, क्योंकि आप बहुत से ऐसे कामों को अंजाम देने वाले हैं जो परिवार के लिए हितकर होंगे। परिवार के साथ आप किसी धार्मिक स्थल की यात्रा करेंगे घर परिवार में शुभ कृत्य का आयोजन होगा।

संतान

यह वर्ष संतान के लिए अच्छा नहीं रहेगा। आपके बच्चों को स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। पंचम स्थान में गुरु चण्डाल योग संतान हानि का योग बना रहा है।

गर्भवती स्त्रियों का गर्भपात हो सकता है। अप्रैल के बाद सन्तान के लिए समय अच्छा रहेगा।

स्वास्थ्य

यह वर्ष स्वास्थ्य की दृष्टि से सामान्य रहेगा। शनि ग्रह के गोचर के बाद आप आलसी हो जाएंगे और आपके रवैये में भी परिवर्तन आएगा। आपको अपने खान-पान और दिनचर्या पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है ताकि आप इस तरह की भावनाओं से बच सकें। आपके जीवन में इस साल कुछ अच्छे पल भी आएंगे किन्तु ऐसा भी समय आएगा जब आप अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन से सम्बंधित चिंताओं से घिरे रहेंगे

स्वस्थ रहने के लिए आप योग और ध्यान का सहारा लें और प्रियजनों और परिजनों के साथ अधिक से अधिक समय बिताएं। स्वास्थ्य को लेकर यह साल वैसे तो आपके लिए ठीक-ठाक ही रहेगा लेकिन अपने खान-पान को लेकर सतर्क रहें। पंचम स्थान में गुरु एवं राहु की युति उदर रोग दे सकती है। अतः मसालेदार या तली हुई वस्तुओं का सेवन कम से कम करें।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

विद्यार्थियों के लिए वर्ष का प्रथम मास श्रेष्ठतम रहेगा परन्तु 04 फरवरी के बाद से समय प्रभावित हो रहा है। करियर व प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता प्राप्ति के लिए अधिक परिश्रम करना पड़ेगा। व्यवसायिक रूप से भी समय अच्छा नहीं रहेगा।

शनि ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारण बेरोजगार लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। आप व्यापार में सफलता और समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे

यात्रा-तबादला

वर्ष के प्रारम्भ में आपकी यात्रा के प्रबल योग बन रहे हैं। छोटी-मोटी यात्राएं होती रहेंगी। नवम स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से आपकी लम्बी यात्राएं भी होंगी।

गुरु के गोचर के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों का मनोनुकूल स्थान पर स्थानान्तरण होगा। विदेश यात्रा के भी प्रबल योग बन रहे हैं। अपने घर से दूर रहने वाले व्यक्तियों की अपनी जन्म भूमि की यात्रा होगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

पंचमस्थ गुरु के प्रभाव से पूजा-पाठ, यज्ञ, अनुष्ठान व मन्त्र जाप के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी। आप गुरु मन्त्र भी ले सकते हैं और उस मन्त्र की साधना भी कर सकते हैं। पूरे परिवार सहित घरेलू सुख शान्ति के लिए पूजा करेंगे और धार्मिक यात्रा भी करेंगे। अपने घर में श्रीयन्त्र की स्थापना कर उसके सामने प्रत्येक दिन घी का दीपक जलाएं और महालक्ष्मी मन्त्र का पाठ करें।

- प्रत्येक दिन दुर्गा कवच का पाठ करें।
- राहु ग्रह का दान करें और उसके मन्त्र का पाठ करें।

वार्षिक फलादेश - 2031

इस वर्ष वृष राशि के शनि एकादश भाव में रहेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में वृश्चिक राशि के राहु पंचम भाव में रहेंगे और 9 अगस्त को तुला राशि एवं चतुर्थ भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में वृश्चिक राशि के गुरु पंचम भाव में रहेंगे और 17 फरवरी को धनु राशि एवं छठे भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर 14 जून को वृश्चिक राशि एवं पंचम भाव में गोचर करेंगे और फिर मार्गि होकर 15 अक्टूबर को धनु राशि एवं छठे भाव में आ जाएंगे। 4 जनवरी से 15 अगस्त तक मंगल वक्री होकर तुला राशि एवं चतुर्थ भाव में रहेंगे। 2 अगस्त से 15 अगस्त तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय के लिए वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहेगा। एकादशस्थ शनि के प्रभाव से आप अपने व्यावसायिक जीवन में उन्नति करेंगे। अपने बौद्धिक बल के द्वारा आप व्यापार को एक अलग ही मुकाम पर ले जाएंगे। आप अपनी आंतरिक क्षमता, इच्छा शक्ति, संतुलन और दृढ़ता से अपने काम पर ध्यान देंगे। बड़ी-बड़ी योजनाएं और अवसर आपके द्वार पर दस्तक देंगे। बस आपको पूर्ण विश्वास के साथ आगे की ओर कदम बढ़ाना है। चतुर्थ मंगल के प्रभाव से नौकरी करने वाले व्यक्तियों का स्थानान्तरण होगा। यह परिवर्तन प्रतिकूल स्थान पर भी हो सकता है।

09 अगस्त के बाद व्यावसायिक जीवन में उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है परन्तु अपने अनुभवों से आपका खुद का विकास होगा। आपका धैर्य आपको प्रगतिशील रहने के लिए प्रेरित करता रहेगा और आप हर समस्या का समाधान सूझ-बूझ से निकाल लेंगे।

धन संपत्ति

आर्थिक रूप से वर्ष का प्रारम्भ आपके लिए थोड़ा चिंताजनक हो सकता है क्योंकि राहु एवं गुरु ग्रह की युति आपकी आर्थिक स्थिति के लिए अच्छी नहीं है। 18 फरवरी के बाद अचानक कुछ ऐसे खर्च आ सकते हैं जिससे आपको ऋण भी लेना पड़ सकता है। परन्तु 14 जून से एकादश स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपके धनागम के स्रोत बढ़ेंगे। आपको कई अत्यंत लाभकारी अवसर भी मिलेंगे। अपनी समझ का सही उपयोग करेंगे।

15 अक्टूबर के बाद जोखिम भरे कार्यों में निवेश करने से बचें अन्यथा आपको हानि हो सकती है। किसी को उधार पैसा न दें नहीं तो वापसी की उम्मीद कम है और अपने खर्च पर भी अंकुश लगाएं।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टिकोण से वर्ष का प्रारम्भ अच्छा नहीं रहेगा। चतुर्थ स्थान के मंगल आपके घरेलू माहौल में विषमता की स्थिति उत्पन्न कर सकते हैं। आपकी माता स्वास्थ्य भी

अच्छ नहीं रहेगा। 18 फरवरी के बाद परिवार में किसी सदस्य की वृद्धि होगी। पंचमस्थ राहु के कारण संतान संबंधित चिंताएं बनी रहेंगी। सामाजिक उन्नति के लिए समय बहुत अच्छा नहीं है।

09 अगस्त से समय अनुकूल हो रहा है। परिवार के सभी लोगों का सहयोग मिलेगा। परिवार में एक-दूसरे के प्रति भावुक लगाव बढ़ने के कारण पारिवारिक माहौल भी अनुकूल होगा। आपके पिताजी एवं बड़े भाई के लिए यह समय काफी शुभ है।

संतान

संतान के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध अनुकूल नहीं रहेगा। आपके बच्चों के स्वास्थ्य व शिक्षा में रुकावटें आ सकती हैं। 18 फरवरी के बाद गर्भवती स्त्रियों को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है अन्यथा गर्भपात हो सकता है।

09 अगस्त से बच्चों के लिए समय काफी अच्छा हो रहा है। उस समय आपके बच्चों को स्वास्थ्य संबंधित परेशानी कम होगी और शिक्षा के प्रति उनकी रुचि बढ़ेगी। अच्छे शैक्षणिक संस्थान में उनका प्रवेश हो जाएगा। गर्भधान के लिए उत्तम समय रहेगा।

स्वास्थ्य

वर्ष के प्रारम्भ से ही स्वास्थ्य संबंधित परेशानियां होती रहेंगी। घी या तली हुई वस्तु का सेवन कम करें नहीं तो आपका स्वास्थ्य ज्यादा प्रभावित हो सकता है। मौसमजनित बीमारियों से भी आप परेशान रह सकते हैं।

राहु के गोचर के बाद आपके स्वास्थ्य में कुछ सुधार होगा। आपके अंदर सकारात्मक ऊर्जा की वृद्धि होगी जिससे रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ेगी। फिर भी आपको स्वास्थ्य अनुकूल रखने के लिए सुबह-सुबह व्यायाम करते रहना चाहिए।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए वर्ष का प्रारम्भ सामान्यतः ठीक-ठाक रहेगा। प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को अपने लक्ष्य में सफलता प्राप्ति के लिए लगातार प्रयास करना पड़ेगा। व्यापारिक व्यक्तियों के व्यवसाय में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी।

8 अगस्त के बाद विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा हो रहा है। यदि आप विदेश जाकर उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं तो 15 अक्टूबर से समय आपके लिए काफी बेहतर हो रहा है।

यात्रा-तबादला

वर्ष के प्रारम्भ में कोई विदेश यात्रा का योग नहीं बन रहा परन्तु 18 फरवरी के बाद विदेश यात्राएं होंगी। राहु के गोचर के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों का स्थानान्तरण होगा। इस स्थानान्तरण से आप प्रसन्न नहीं रहेंगे।

14 जून से नवम स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से आपकी लम्बी यात्राएं होंगी।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



तीर्थ यात्रा के भी योग बन रहे हैं। यात्रा के दौरान आपकी किसी के साथ मित्रता भी हो सकती है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

मानसिक द्वंदता के कारण वर्षारम्भ में पूजा-पाठ कम ही कर पाएंगे। परन्तु 18 फरवरी के बाद आप दान पुण्य करेंगे। राहु ग्रह के गोचर के बाद मन्त्र जप या साधना अधिक करेंगे। साधु, संन्यासी, देवता एवं अपने से बड़े लोगों में आपकी निष्ठा एवं विश्वास बढ़ेगा।

- माता-पिता, गुरु, साधू, संन्यासी और अपने से बड़े लोगों का आशीर्वाद प्राप्त करें।
- मंदिर या धार्मिक स्थानों पर केला या बेसन के लड्डू वितरित करें।
- दुर्गा चालीसा का पाठ करें या शनिवार के दिन काले कुत्ते को रोटी खिलाएं।



वार्षिक फलादेश - 2032

वर्षारम्भ में शनि वृष राशि एवं एकादश भाव में होंगे और 31 मई को मिथुन राशि एवं द्वादश भाव में प्रवेश करेंगे। तुला राशि के राहु चतुर्थ भाव में रहेंगे। वर्षारम्भ में धनु राशि केगुरुछठे भाव में रहेंगे और 5 मार्च को मकर राशि एवं सप्तम भाव में गोचर करेंगे और वक्री होकर 12 अगस्त को धनु राशि एवं छठे भाव में आजाएंगे और पुनः मार्गशीर्ष होकर 23 अक्टूबर को मकर राशि एवं सप्तम भाव में प्रवेश करेंगे। इस वर्ष मंगल अपनी सरल गति से गोचर करेंगे।

व्यवसाय

5 मार्च के बाद का समय आपके कार्य-व्यवसाय के लिए उत्तम रहेगा। एकादशस्थ शनि के प्रभाव से आपके अंदर काम करने का जुनून होगा। परिश्रम की बदौलत उन्नति करेंगे। अपने बौद्धिक बल के द्वारा अपनी शत्रुओं पर विजयी प्राप्त कर लेंगे। अधिकारी आपसे प्रभावित होंगे और उनका अच्छा सहयोग भी मिलेगा।

किसी के साथ मिल कर कोई नया व्यापार प्रारम्भ करेंगे तो उसमें अच्छा लाभ होगा। 12 अगस्त से आपको किसी पर अत्यधिक विश्वास नहीं करना है, नहीं तो आपको धोखा मिल सकता है। 23 अक्टूबर से आपका समय अनुकूल हो रहा है फिर भी आपको सतर्क रहना चाहिए।

धन संपत्ति

वर्ष का प्रारम्भ जितना लाभकारी होगा उतना ही चुनौतीपूर्ण भी होगा। अपने दस्तावेज भी संभाल कर रखें। जल्दबाजी में कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए। एकादश स्थान का शनि आर्थिक उन्नति के लिए काफी शुभ है फिर भी आर्थिक निर्णय लेने से पहले उस क्षेत्र से जुड़े अनुभवशील लोगों की सलाह अवश्य लें।

5 मार्च से गुरु ग्रह का गोचर आपके लिए काफी शुभ हो रहा है। धनागम के स्रोतों में वृद्धि होगी। पुत्र एवं आपके मित्रों से अच्छा लाभ होगा। व्यावसायिक उन्नति के लिए भी आप धन व्यय करेंगे। 12 अगस्त से 23 अक्टूबर तक निवेश के मामले में सावधान रहें। जोखिम भरे कार्यों में निवेश से बचें।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक मामलों के लिए यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। पारिवारिक मामलों में बड़ी ही समझदारी से काम लेना होगा। परिवार के किसी सदस्य को लेकर मन में चिंता रह सकती है। वाणी पर पूर्ण नियंत्रण रखें। आपकी प्रतिक्रिया पारिवारिक वातावरण के लिए अच्छी नहीं होगी। मामा के साथ भी आपका संबंध अच्छा नहीं रहेगा।

गुरु के गोचर के बाद धर्मपत्नी के साथ आपके मधुर संबंध होंगे। सामाजिक पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परिवार में किसी सदस्य की बढोत्तरी हो सकती है। वर्षान्त में आपके

परिवार में मांगलिक कार्य होते रहेंगे जिससे परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा।

संतान

वर्ष का प्रारम्भ संतान के लिए बढ़िया नहीं रहेगा। छठे स्थान का गुरुआपकी संतान के लिए अच्छा नहीं है। शारीरिक कष्ट एवं मानसिक परेशानी बनी रहेगी जिससे उनकी शिक्षा-दीक्षा में भी रुकावटें आ सकती हैं।

गुरु के गोचर के बाद समय अच्छा हो रहा है। आपके बच्चों की उन्नति होगी। स्वास्थ्य संबंधित लापरवाही न करें। दूसरे बच्चे के लिए समय शुभ है। यदि वह विवाह के योग्य है तो उसके विवाह के प्रबल योग बन रहे हैं।

स्वास्थ्य

रोग स्थान में गुरु ग्रह की स्थिति स्वास्थ्य के लिए उत्तम नहीं है। यदि पहले से आप किसी बीमारी से पीड़ित हैं तो यह समय ज्यादा प्रभावित रहने वाला है। शारीरिक कष्ट के साथ मानसित चिंता भी बनी रहेगी।

गुरु ग्रह के गोचर के बाद शारीरिक आरोग्यता में कुछ अनुकूलता आएगी। आप स्वस्थ महसूस करेंगे परन्तु अगस्त के बाद समय फिर से प्रभावित हो रहा है। पेट की तकलीफें व मोटापा बढ़ सकता है। व्यायाम करना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। शारीरिक आरोग्यता को अनुकूल बनाने के लिए आप तुला दान भी कर सकते हैं।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

वर्ष का पूर्वार्द्ध करियर एवं प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए श्रेष्ठ रहेगा। प्रतियोगिता परीक्षार्थी अपने लक्ष्य में सफल रहेंगे। जो लोग नौकरी की तलाश में हैं उनको मनोनुकूल नौकरी मिल सकती है। व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए समय श्रेष्ठ है।

विदेश जाकर उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए वर्ष का उत्तरार्द्ध बहुत उत्तम रहेगा। विदेश में व्यवसाय करने वाले व्यक्तियों को अच्छा लाभ प्राप्त होगा।

यात्रा-तबादला

व्यावसायिक व्यक्तियों की व्यवसाय से संबंधित यात्राओं के प्रबल योग बन रहे हैं। नौकरी करने वाले व्यक्तियों का स्थानान्तरण होगा। यह स्थानान्तरण आपके घर से दूर हो सकता है। 5 मार्च के बाद पत्नी के साथ दर्शनीय स्थलों की यात्रा का आनन्द प्राप्त करेंगे।

यात्रा के दौरान या वाहनादि चलाते समय सावधान रहें क्योंकि द्वादश स्थान में शनि ग्रह का गोचर अच्छा नहीं होता।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष के प्रारम्भ में पूजा पाठ में आपका मन कम ही लगेगा। अधिक आलस्यता के

कारण आपका दैनिक पूजा-पाठ भी प्रभावित हो सकता है परन्तु 5 मार्च के बाद धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मन्दिर जाना, योग करना पूजा करना आपका नैसर्गिक गुण होगा। ईश्वर के प्रति आपकी श्रद्धा और बढ़ेगी।

- बेसन के लड्डू वीरवार के दिन विष्णु जी के मन्दिर में वितरित करें एवं गुरु ग्रह के मन्त्र का पाठ करें।
- शनिवार के दिन काली वस्तु का दान करें और शनि मन्त्र का पाठ करें।
- दुर्गा बीसा यन्त्र अपने घर में स्थापित करें एवं उसके सामने प्रत्येक दिन घी का दीपक जलाएं।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



वार्षिक फलादेश - 2033

इस वर्ष शनि मिथुन राशि एवं द्वादश भाव में रहेंगे। 30 जनवरी तक राहु तुला राशि एवं चतुर्थ भाव में रहेंगे उसके बाद कन्या राशि एवं तृतीय भाव में प्रवेश करेंगे। 18 मार्च तक गुरु मकर राशि एवं सप्तम भाव में रहेंगे उसके बाद कुम्भ राशि एवं अष्टम भाव में प्रवेश करेंगे। 24 मार्च से 8 अक्टूबर तक मंगल वक्री होकर धनु राशि एवं छठे भाव में रहेंगे।

व्यवसाय

व्यवसायिक जीवन में इस वर्ष आप कुछ विशेष करेंगे। पराक्रम के बल पर अपनी व्यापारिक स्थिति को सुदृढ़ बनाएं। कार्य व्यवसाय में मित्रों व परिजनों से खूब मदद मिलेगी। आप महत्वपूर्ण व्यक्तियों के सम्पर्क में आएं। यदि साझेदारी में कोई व्यापार कर रहे हैं तो वर्ष का प्रारम्भ श्रेष्ठ रहेगा। कानून से जुड़े लोगों वकील, पुलिस आदि को लाभ की संभावना बन रही है। 18 मार्च से गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल हो रहा है। अतः उस समय के बाद कोई नया कार्य प्रारम्भ न करें।

आपके कार्यों में गुप्त एवं प्रत्यक्ष शत्रुओं द्वारा रूकावटें डाली जा सकती हैं, जिससे आप मानसिक रूप से अशान्त रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपका किसी से मतभेद हो सकता है। पैसे के लेन-देन में सावधानी बरतें। वर्षान्त में किसी प्रकार का जोखिम न लें।

धन संपत्ति

आर्थिक उन्नति के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। द्वादश स्थान में शनि ग्रह की स्थिति आर्थिक उन्नति के लिए अच्छी नहीं है। आय के कम एवं व्यय के ज्यादा योग बन रहे हैं। निवेश के मामले में सावधान रहें एवं जोखिम भरे कार्यों में निवेश करने से बचें अन्यथा आपको हानि हो सकती है। आप किसी को उधार पैसे न दें नहीं तो वापसी की उम्मीद कम है। अपने खर्च पर भी अंकुश लगाएं।

18 मार्च से आपका समय और ज्यादा प्रभावित हो रहा है। धोखा, हानि या आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। आपके पत्नी के स्वास्थ्य पर भी पैसे खर्च हो सकते हैं। ऋण इत्यादि भी लेना पड़ सकता है। ऐसी विषम परिस्थिति में आपको अपना आत्मबल बनाए रखना चाहिए। छठे स्थान में वक्री मंगल आपके आय के स्रोतों में वृद्धि करेंगे। फिर भी आर्थिक स्थिति को लेकर सावधान रहना आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक मामलों के लिए यह वर्ष मिला-जुला रहेगा। द्वितीय स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि प्रभाव के कारण घरेलू मामलों में आपको बड़ी ही समझदारी से काम लेना होगा। परिवार के किसी सदस्य को लेकर मन में चिंता रह सकती है। छोटी छोटी बातों पर झगड़ा या विवाद में न पड़ें। मार्च के बाद अपने दांपत्य जीवन को सुखमय बनाये रखने के लिए आपको अपने जीवनसाथी के साथ विशेष स्नेह व सहनशीलता से काम लेना होगा। इस समय आपके

ससुराल पक्ष के लोगों के साथ आपका वैचारिक मदभेद हो सकता है।

तृतीयस्थ राहु के कारण सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने में आप हमेशा तत्पर रहेंगे। भाई-बहनों का अच्छा सहयोग मिलेगा। समाज में आपका पराक्रम और बढ़ेगा।

संतान

वर्षारम्भ संतान के लिए उत्तम रहेगा। उनके विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में भी अच्छी प्रगति होने के शुभ योग बनेंगे। उनके पराक्रम में भी वृद्धि होगी परंतु उसके बावजूद भी आपकी चिंताएं बनी रहेंगी।

18 मार्च से गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होना आपके बच्चों के लिए अच्छा नहीं रहेगा, जिसके कारण संतान को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां आ सकती हैं। अतः उनके स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता होगी।

स्वास्थ्य

वर्ष का प्रारम्भ स्वास्थ्य की दृष्टि से उत्तम है। परन्तु 18 मार्च के बाद कुछ न कुछ शारीरिक परेशानी उत्पन्न होती रहेगी। मौसमजनित बीमारियों से भी आप परेशान होते रहेंगे। द्वादशस्थ शनि के प्रभाव से आपको ऐसा लग सकता है कि आपकी शारीरिक ऊर्जा धीरे-धीरे करके कम हो रही है। आपको पेट संबंधित परेशानी हो सकती है। अपने खान-पान पर संयम रखकर इसे कुछ हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। सूर्योदय से पहले उठकर पार्क जाना और व्यायाम करना आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

छठे स्थान में मंगल ग्रह के प्रभाव से आपके अंदर रोग प्रतिरोधक शक्ति का विकास होगा जिसके कारण आपकी शारीरिक आरोग्यता अनुकूल बनी रहेगी। 8 अक्टूबर के बाद वाहन इत्यादि से सावधान रहें और यात्रा भी कम से कम करें। नहीं तो शारीरिक कष्ट का सामना करना पड़ सकता है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

करियर एवं प्रतियोगिता के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। प्रतियोगिता अभ्याथियों को अपने मन को एकाग्र कर लक्ष्य के प्रति केन्द्रित करना चाहिए। मानसिक भटकाव के कारण आप अपने लक्ष्य से भटक सकते हैं। विदेशी भाषा सीखने वालों के लिए यह समय अच्छा है।

व्यावसायिक शिक्षा, औषधि क्षेत्र, कम्प्यूटर साइंस, सिविल सर्विसेज से जुड़ लोगों को सफलता मिलेगी। तृतीयस्थ राहु के प्रभाव से शत्रुओं पर आपका प्रभाव बढ़ेगा और आपके समस्त विरोधी शान्त होंगे।

यात्रा-तबादला

द्वादशस्थ शनि के प्रभाव से वर्ष के प्रारम्भ में ही आपकी विदेश यात्रा के प्रबल योग

बन रहें हैं। तृतीय स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपकी छोटी-मोटी यात्राएं होती रहेंगी। व्यावसायिक व्यक्तियों की व्यवसाय से संबंधित यात्राएं होंगी। 18 मार्च के बाद चतुर्थ स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से नौकरी करने वाले व्यक्तियों का स्थानान्तरण होगा। यह स्थानान्तरण आपके अनुकूल स्थान पर भी हो सकता है।

8 अक्टूबर के बाद यात्रा करते समय या वाहनादि चलाते समय सावधान रहें नहीं तो दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं। चोट चपेट की प्रबल सम्भावना बन रही है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष के प्रारम्भ में लग्न स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि धार्मिक कार्यों के लिए बहुत ही शुभ है। ईश्वर की भक्ति में आपका अटूट विश्वास होगा। आप अपनी धर्मपत्नी के साथ सभी धार्मिक कार्यों में संलग्न होंगे। धर्म से जुड़े सभी पर्वों को प्रेम सौहार्द के साथ मनाएं। 8 मार्च से आप दान पुण्य व दूसरों की सहायता अधिक करेंगे, जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। अष्टमस्थ गुरु के प्रभाव से गुप्त विद्याओं या तान्त्रिक सिद्धियों के प्रति भी आपका आकर्षण बढ़ेगा।

- गुरुवार के दिन केला गरीबों में दान करें एवं केले के वृक्ष की पूजा करें।
- शनि ग्रह का अशुभ प्रभाव शान्त करने के लिए शनि यन्त्र अपने पूजा घर में स्थापित कर उसकी पूजा करें।
- मदिरा व नशीले पदार्थों का सेवन बिल्कुल न करें।
- सरसों के तेल से निर्मित वस्तुओं को गरीब मजदूरों को खिलाएं।
- शनिवार के दिन काला कम्बल गरीबों में दान करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



वार्षिक फलादेश - 2034

वर्ष के पूर्वार्द्ध में शनि मिथुन राशि एवं द्वादश भाव में रहेंगे और 13 जुलाई को कर्क राशि एवं लग्न स्थान में प्रवेश करेंगे। 12 अगस्त से पहले राहु कन्या राशि एवं तृतीय भाव में रहेंगे और उसके बाद सिंह राशि एवं द्वितीय भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में गुरु कुम्भ राशि एवं अष्टम भाव में रहेंगे और 28 मार्च को मीन राशि एवं नवम भाव में प्रवेश करेंगे। मंगल ग्रह अपनी सरल गति से गोचर करेंगे।

व्यवसाय

व्यवसायिक जीवन के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध अच्छा नहीं रहेगा। द्वादश शनि के कारण आप कुछ गलत फहमियों से व्याकुल हो सकते हैं। गुप्त शत्रुओं द्वारा आपके कार्यों में रुकावटें डाली जा सकती हैं। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें, गलत-सही का चुनाव करने के बाद ही निर्णय लें। निश्चित तौर पर आपको बेहतर परिणाम मिलेगा। गैरकानूनी तरीकों से धन कमाने की कोशिश न करें अन्यथा सकारात्मक परिणामों की जगह आपको नकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं एवं आप कानून की जद में आ सकते हैं। संचित धन का सही जगह उपयोग करें। सभी प्रकार के वित्तीय मामलों में पारदर्शिता बरतें। हालांकि मार्च के बाद समय कुछ अनुकूल हो रहा है।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में आप कोई नया कार्य व्यवसाय प्रारम्भ न करें नहीं तो उसमें आपको हानि हो सकती है। पहले से चले आ रहे कार्यों को ही सुचारु रूप से चलाते रहें। उसमें आपको सफलता मिल सकती है। नवमस्थ गुरु के प्रभाव से बड़े व अनुभवी लोगों का साथ आपको अच्छी सफलता दिला सकता है।

धन संपत्ति

आर्थिक रूप से यह वर्ष आपके लिए मिला-जुला रहेगा। जितना लाभकारी होगा उतना ही चुनौतीपूर्ण भी होगा। साल की शुरुआत में निवेश से सम्बंधित योजनाओं पर ध्यान न दें और अपने दस्तावेज भी संभाल कर रखें। हड़बड़ी में कोई भी कार्य न करें नहीं तो आर्थिक हानि हो सकती है। निवेश व आर्थिक निर्णय लेते समय सतर्क रहें व जल्दबाजी न करें। इस अवधि में सकारात्मक बने रहना आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

अधिक सतर्कता बरतने की जरूरत है। जितना ज्यादा हो सके धन की बचत करने की कोशिश करें और फिजूल के खर्चों पर नियंत्रण रखें। आपका कोई करीबी ही आपको धोखा दे सकता है। ऐसे लोगों से बचने के लिए किसी भी प्रकार के वित्तीय लेनदेन में पूरी सावधानी बरतें। जोखिम भरा निवेश करने से बचें। कृषक वर्ग एवं फुटकर विक्रेताओं के लिए वर्ष का उत्तरार्द्ध अच्छा नहीं रहेगा।

घर-परिवार, समाज

वर्ष का पूवार्द्ध घर परिवार के लिए अच्छा नहीं रहेगा। अधिक भागदौड़ के कारण परिजनों को अधिक समय नहीं दे पायेंगे। गृहस्थ जीवन की बात करें तो पारिवारिक सदस्यों के साथ कुछ तर्क-वितर्क होने की संभावना नजर आ रही है। हालाँकि समझदारी से इसे टाला जा सकता है। आपका छोटे भाई-बहनों के साथ संबंध अच्छा रहेगा। दशम स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि पिता के साथ कुछ मतभेद उत्पन्न करा सकता है और आप दोनों के बीच हमेशा कुछ न कुछ तनाव भी रहने वाला है। मार्च के बाद यह तनाव खत्म हो जाएगा और संबंधों में मधुरता आएगी।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में आपके पारिवारिक एवं सामाजिक पद व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। जन कल्याण के लिए आप कोई विशेष कार्य सम्पन्न करेंगे। आपको बच्चों का भी अच्छा सहयोग मिलेगा।

संतान

वर्ष का प्रारम्भ आपके बच्चों को लिए अच्छा नहीं रहेगा। अष्टम स्थान का गुरु संतान संबंधित चिंताएं दे सकता है। संतान इच्छित व्यक्तियों के लिए यह समय अच्छा नहीं है। गर्भवती स्त्रियों को सावधानी बरतें नहीं तो गर्भपात हो सकता है।

28 मार्च के बाद गुरु ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारण आपके बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आएगा। संतान के साथ संबंधों में मधुरता आएगी, जिससे घरेलू वातावरण में भी सुधार होगा। यदि आप अपने बच्चों को प्रोत्साहित करते रहे तो वे अपने लक्ष्य को अवश्य प्राप्त कर लेंगे।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। द्वादशस्थ शनि के कारण स्वास्थ्य संबंधित चिन्ताएं बनी रहेंगी। मौसमजनित बीमारियों से आप परेशान होते रहेंगे। दुर्घटना या किसी प्रकार के शारीरिक कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही अष्टमस्थ गुरु के प्रभाव से मोटापा एवं लीवरजनित बीमारियों से परेशान हो सकते हैं। 28 मार्च से लग्न स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपकी शारीरिक आरोग्यता अनुकूल होनी प्रारम्भ हो जाएगी।

आप अपना स्वास्थ्य अनुकूल रखने के लिए खान-पान एवं दिनचर्या भी अनुशासित रखेंगे। सुबह-सुबह व्यायाम या योगा करना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। यदि स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दिया तो 12 अगस्त के बाद आपका स्वास्थ्य ज्यादा प्रतिकूल हो सकता है। अतः ज्यादा तेल युक्त आहार लेने से बचें। आँखों में समस्या हो सकती है और चश्मा भी लग सकता है। जिन लोगों को पहले ही चश्मा लग चुका है उनके चश्मे का नंबर बढ़ सकता है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। यह समय माध्यमिक शिक्षा ग्रहण

कर रहे शिक्षार्थियों के लिये भ्रम और असमंजस की स्थिति बनाएगा। 28 मार्च के बाद लग्न भाव पर गुरु की दृष्टि आपके मनोबल को बढ़ाएगी।

प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को कठिन परिश्रम के बाद सफलता मिलेगी। शत्रुओं को परास्त करने के लिये आपको नीतियों में बदलाव करना पड़ सकता है।

यात्रा-तबादला

विदेश यात्रा के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध श्रेष्ठ है। तृतीयस्थ राहु के कारण छोटी मोटी यात्राएं तो होती रहेंगी। परन्तु 28 मार्च के बाद आपकी लम्बी यात्राएं भी होंगी। आध्यात्मिक सुख प्राप्ति के लिए आप तीर्थस्थलों की यात्रा करेंगे।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष का प्रारम्भ धार्मिक कार्यों के लिए अच्छा नहीं है। धार्मिक कार्यों में व्यवधान उत्पन्न होंगे। आपका मन एकाग्र नहीं रहेगा, जिससे आप पूजा-पाठ, यज्ञ, अनुष्ठान आदि क्रिया कम ही कर पाएंगे। वर्ष के उत्तरार्द्ध में आपका अच्छे कार्यों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। आपके दैनिक पूजा-पाठ व दिनचर्या में सुधार होगा। गरीबों को दान देना व दूसरों की सहायता करना आपका नैसर्गिक गुण होगा। मजदूरों को खाना खिलाकर व किसी की सहायता कर आप अत्यधिक संतुष्ट होंगे।

- पीली दाल, केला व बेसन की मिठाई मंदिर में दान करें एवं गुरुवार का व्रत करें।
- शनिवार के दिन गरीब लोगों को काला कम्बल दान करें।
- अपने बजन के बराबर अन्न दान करें, जिससे आपकी शारीरिक व्याधियां दूर होंगी।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



वार्षिक फलादेश - 2035

इस वर्ष कर्क राशि का शनि लग्न स्थान में और सिंह राशि का राहु द्वितीय भाव में रहेंगे। 5 अप्रैल तक गुरु मीन राशि एवं नवम भाव में रहेंगे और उसके बाद मेष राशि एवं दशम भाव में प्रवेश करेंगे। 21 जुलाई से 9 सितम्बर तक वकी मंगल मीन राशि एवं नवम भाव में रहेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अच्छा रहेगा। लग्नस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि नवीन विचारधारा, नयी योजनाओं को जन्म देगी। उसका उचित लाभ उठाकर आप अपने कार्य व्यवसाय में अच्छी उन्नति करेंगे। 6 अप्रैल के बाद गुरु ग्रह का गोचर आपके करियर में नया मुकाम लेकर आने वाला है। आपको कार्यस्थल में प्रशंसा और पहचान मिलेगी। यह आपकी आशावादी विचारधारा के कारण ही होगा। लग्नस्थ शनि के कारण कुछ परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। कुछ विरोधी आपके कार्यों में रुकावट डालने की कोशिश कर सकते हैं। परन्तु आप उन परिस्थितियों में भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

तृतीयस्थ राहु के कारण आप के अन्दर गजब का आत्मविश्वास उत्पन्न होगा जिससे आप अपने क्लाइंट्स को प्रभावित करने में सक्षम होंगे। गुरु ग्रह के गोचर के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों की पदोन्नति के साथ स्थानान्तरण भी हो सकता है। अपने से बड़े अधिकारियों व वरिष्ठ लोगों का अच्छा सहयोग मिलेगा। आपके अधीनस्थ कर्मचारी भी आपका सहयोग करेंगे।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण से वर्ष का प्रारम्भ अच्छा नहीं रहेगा। द्वितीयस्थ राहु के कारण धन हानि व धनागमन के मार्ग प्रभावित होंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनेगी। यदि आपने ऋण के लिए आवेदन डाला है तो 6 अप्रैल के बाद पास हो जाएगा। इस वर्ष आपके संचित धन में कमी होगी। आप अपनी भौतिक सुख-सुविधाओं पर अधिक खर्च करेंगे।

गुरु ग्रह का गोचर भूमि, भवन, वाहन इत्यादि वस्तुओं के लिए बहुत ही शुभ है। भूमि व भवन खरीदते समय कागजी मामले में बहुत ही सावधान रहना चाहिए नहीं तो आपको धोखा मिल सकता है, जिसमें आपका पैसा फंस सकता है। कोई बड़ा निवेश करने से बचें। यदि निवेश करना जरूरी हो तो उस क्षेत्र से जुड़े अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य लें।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक रूप से वर्ष का प्रारम्भ प्रतिकूल रहेगा। द्वितीयस्थ राहु के कारण आपका घरेलू माहौल अनुकूल नहीं रहेगा। परिवार में एक-दूसरे के साथ वैचारिक मतभेद होता रहेगा। कुछ लोगो का बर्ताव अच्छा नहीं रहने से आप मानसिक रूप से अशान्त भी रह सकते हैं।

आपकी धर्मपत्नी के लिए यह समय शुभ नहीं है। आलस्य व स्वास्थ्य संबंधित परेशानी बनी रहेगी।

6 अप्रैल से गुरु ग्रह का गोचर आपके घरेलू वातावरण के लिए काफी शुभ है। परिवार के सभी सदस्यों का अच्छा सहयोग मिलेगा। घर में किसी सदस्य की वृद्धि होगी। माता पिता की खूब उन्नति होगी। तृतीय स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि सामाजिक पद प्रतिष्ठा में कमी कर सकती है। अतः सामाजिक गतिविधियों में कम ही भाग ले पाएंगे।

संतान

वर्ष का प्रारम्भ आपकी संतान के लिए उत्तम रहने वाला है। पंचम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि आपकी संतान के लिए श्रेष्ठ है। आपके बच्चे कुछ ऐसे काम करेंगे, जिससे समाज में आपका सम्मान और बढ़ेगा।

आपके दूसरे बच्चे की शिक्षा प्रभावित हो सकती है और उन्नति में भी बाधा उत्पन्न होगी। अतः दूसरी संतान के लिए तुला दान करना लाभप्रद रहेगा।

स्वास्थ्य

वर्ष का प्रारम्भ स्वास्थ्य के लिए अच्छा रहेगा। परन्तु 6 अप्रैल के बाद आप संक्रमण संबंधित बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। लग्न स्थान का शनि आपके स्वास्थ्य लिए अच्छा नहीं रहेगा। रक्तचाप, वायु विकार व पित्त विकार आदि रोगों की संभावना हो सकती है। अत्यधिक आलस्यता के कारण स्वस्थ रहते हुए भी आप अपने को बीमार जैसा अनुभव कर सकते हैं। अतः इस समय के अंतराल में अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना चाहिए। नहीं तो बड़ी बीमारी की चपेट में आ सकते हैं।

आपको दुरुस्त रहने के लिए व्यायाम व योग का सहारा लेना होगा। शुद्ध शाकाहारी व सात्विक भोजन आपके लिए लाभप्रद रहेगा। अपने स्वास्थ्य को अनुकूल रखने के लिए समय समय पर चिकित्सक की सलाह लेते रहें। महामृत्यंजय मन्त्र का पाठ भी आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहेगा। विद्यार्थियों को अपने करियर में अच्छी सफलता मिलेगी। उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अच्छे शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश मिल जाएगा।

नौकरी इच्छित व्यक्तियों को 6 अप्रैल के बाद नौकरी की प्राप्ति हो सकती है। दशमस्थ गुरु के कारण चिकित्सा, तकनीकी, वाणिज्य आदि क्षेत्रों के लिए समय अनुकूल रहेगा।

यात्रा-तबादला

वर्ष के प्रारम्भ में आपकी छोटी-मोटी यात्राओं के साथ लम्बी यात्राएं भी होती

रहेंगी। 6 अप्रैल के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों का मनोनुकूल स्थान पर स्थानान्तरण होगा। परिवार के साथ दर्शनीय स्थलों की यात्राएं होंगी। यह यात्रा मनोरंजनात्मक एवं आनन्ददायक रहेंगी।

यात्रा करते समय आपको कुछ परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। यात्रा के दौरान आपका स्वास्थ्य खराब हो सकता है या आपका सामान भी चोरी हो सकता है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

नवमस्थ गुरु के कारण धार्मिक कार्यों के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी। वर्षारम्भ से ही आप धार्मिक कार्य व तीर्थ यात्रा अधिक करेंगे। 6 अप्रैल के बाद घरेलू सुख शान्ति के लिए कोई विशेष पूजा पाठ संपन्न करेंगे जिससे आपको मानसिक शान्ति व समाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त होगी।

- शनिवार के दिन काले कुत्ते को रोटी खिलाएं एवं शनि मन्त्र का पाठ करें।
- आठ मुखी रुद्राक्ष धारण करें व प्रत्येक दिन शिव का दुग्धाभिषेक करें।
- गरीब व जरूरतमंद लोगों को काली वस्तुओं का दान करें।
- अपने वजन के बराबर अन्न दान आपके शारीरिक कष्टों को दूर कर सकता है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



वार्षिक फलादेश - 2036

वर्ष के पूर्वार्द्ध में शनि कर्क राशि एवं लग्न स्थान में रहेंगे और 27 अगस्त को सिंह राशि एवं द्वितीय भाव में प्रवेश करेंगे। 13 अप्रैल तक राहु सिंह राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे और उसके बाद कर्क राशि एवं लग्न स्थान में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में मेषस्थ गुरु दशम भाव में रहेंगे और 15 अप्रैल को वृष राशि एवं एकादश भाव में प्रवेश करेंगे और अतिचारी होकर 9 सितम्बर को मिथुन राशि एवं द्वादश भाव में प्रवेश करेंगे और पुनः वक्री होकर 17 नवम्बर को वृष राशि एवं एकादश भाव में आ जाएंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अधिक अनुकूल नहीं रहेगा। शनि एवं राहु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण अचानक व्यवसाय में परिवर्तन होने की संभावना बन रही है। यदि किसी के साथ मिलकर व्यापार कर रहे हैं तो आप अपने भागीदार से असंतुष्ट रहेंगे। इस समय के अंतराल में कोई नया कार्य प्रारम्भ न करें नहीं तो जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ेगा। व्यवसाय/नौकरी व निवेश संबंधी मामलों में जल्दबाजी में जोखिम भरा निर्णय लेना घातक होगा।

15 अप्रैल के बाद एकादश स्थान का गुरु आपके व्यापार में आय की मात्रा बढ़ा सकते हैं। व्यापार में आमदनी के स्रोत सृजित होंगे। शेयर बजार से जुड़े लोगों को अच्छा लाभ मिलेगा। 27 अगस्त के बाद नौकरी करने वाले लोगों का स्थानान्तरण होगा। यह स्थानान्तरण आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा। चतुर्थ स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि होने के कारण भूमि, क्रय-विक्रय व खाद्य पदार्थ का व्यवसाय करने वाले व्यक्तियों को सावधान रहना चाहिए नहीं तो हानि हो सकती है।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण से यह वर्ष मिला-जुला रहेगा। धनागम तो होगा परन्तु परिवार में अधिक खर्च होने के कारण इच्छित बचत नहीं कर पाएंगे। आप अपनी भौतिक सुख सुविधा पर अधिक खर्च करेंगे। द्वितीय एवं चतुर्थ स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपको भूमि, भवन, वाहन एवं रत्नादि वस्तुओं की प्राप्ति हो सकती है।

13 अप्रैल के बाद लग्न स्थान में राहु एवं शनि का गोचर आर्थिक हानि का योग बना रहा है। उस समय आपको खर्चों पर नियंत्रण और भावनाओं पर काबू रखने की जरूरत है। क्योंकि गुरु ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारण आपकी जिन्दगी धन के मामले में बहुत सुदृढ़ हो जाएगी। 27 अगस्त से द्वितीय स्थान का शनि परिवार पर कुछ अनावश्यक खर्च करा सकता है, जिससे आपको आर्थिक कमी का एहसास हो सकता है। अतः इस समय के अंतराल में आपको सावधान रहना चाहिए।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टिकोण से वर्ष का प्रारम्भ मिला-जुला रहेगा। द्वितीय एवं चतुर्थ स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपके परिवार में सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा। आपको माता-पिता सहित पूरे परिवार का सहयोग प्राप्त होगा, जिससे आपके व्यक्तित्व में निखार व चमक पैदा होगी। द्वितीयस्थ राहु के कारण अचानक परिवार में किसी के साथ वैचारिक मतभेद उत्पन्न हो सकता है। ऐसी स्थिति में आपको अपनी वाणी पर नियंत्रण रखना लाभप्रद रहेगा।

15 अप्रैल के बाद आपको प्रेम-प्रसंगों में भी सफलता प्राप्त होगी। सप्तम स्थान पर शनि एवं राहु ग्रह की संयुक्त दृष्टि प्रभाव से आपकी धर्मपत्नी के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। आपके भाईयों की अच्छी उन्नति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आप सामाजिक कल्याण के लिए कुछ विशेष कार्य संपन्न करेंगे।

संतान

संतान की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ सामान्य रहेगा। आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ेंगे। आपकी दूसरी संतान के लिए यह समय अच्छा नहीं है। उसको स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। अतः उसके स्वास्थ्य पर ध्यान देना लाभप्रद रहेगा।

15 अप्रैल के बाद पंचम स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से नवविवाहित व्यक्तियों को संतान रत्न की प्राप्ति हो सकती है। आपके बच्चों की उन्नति होगी। प्रथम संतान के विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में भी अच्छी प्रगति होने के शुभ योग बने हैं। यदि आप का बच्चा विवाह के योग्य है तो विवाह का प्रबल योग बन रहा है।

स्वास्थ्य

इस वर्ष आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव काफी देखने को मिलेंगे। खासकर जोड़ों में दर्द, सिर में दर्द, मानसिक चिंता एवं वायु संबंधी समस्या हो सकती है। अतः स्वास्थ्य को लेकर किसी प्रकार की लापरवाही न करें अन्यथा स्वास्थ्य ज्यादा प्रतिकूल हो सकता है। शनि की सप्तम भाव पर दृष्टि के फलस्वरूप व्यापारिक कारणों या अपने निजी कारणों की वजह से मानसिक तनाव बन सकता है। मौसमजनित बीमारियों से आप प्रभावित रह सकते हैं। आपको ऐसा लगेगा कि धीरे धीरे आप कमजोर होते जा रहे हैं।

अप्रैल के बाद आपके स्वास्थ्य में कुछ सुधार होगा। गुरु ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारण आप मोटापे का शिकार हो सकते हैं, क्योंकि आप मसालेदार और तेल वाले आहार पर विशेष ध्यान देंगे। इसे नियंत्रित करने की कोशिश करें। आलस्य का त्याग कर स्फूर्तिवान बनें। आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

यह वर्ष आपके लिए सामान्यतः मिला-जुला रहेगा। लग्न स्थान में शनि का गोचर प्रतिकूल होने के कारण आलस्यता व दीर्घसूत्रता आपकी उन्नति में बाधक बन सकती है। अतः



FUTUREPOINT
Astro Solutions



समय का सदुपयोग के साथ मन को एकाग्र कर अपने लक्ष्य के प्रति केन्द्रित करना आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

15 अप्रैल के बाद समय विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु उत्तम है। जो विद्यार्थी प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं उन्हें मनोकूल अच्छे कॉलेज में दाखिला मिल जाएगा। यदि गूढ़ विज्ञान और मनोविज्ञान में आपकी रुचि है तो उनके लिए समय अनुकूल है। यदि शिक्षा के संदर्भ में कोई लुभावना प्रस्ताव मिल रहा है तो सावधान रहिए क्योंकि शनि ग्रह का गोचर अनुकूल नहीं होने कारण आपको धोखा मिल सकता है।

यात्रा-तबादला

लग्न में शनि की स्थिति यात्रा में विलंब या किसी प्रकार की कठिनाई का कारण बनेगी। छोटी-मोटी यात्राएं तो होती रहेंगी परन्तु लम्बी यात्राओं का योग कम ही बन रहा है। अपने घर से दूर रहने वाले व्यक्तियों की जन्मभूमि की यात्रा होगी।

सप्तम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि व्यवसाय से संबंधित यात्रा भी करा सकती है। इस वर्ष आपकी पूर्व निर्धारित कोई यात्रा नहीं होगी। मुख्यतः सारी यात्राएं अचानक होंगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। लग्न स्थान का शनि धार्मिक कार्यों में अरुचि उत्पन्न कर सकता है। जिससे आपका दैनिक पूजा पाठ भी प्रभावित होगा। तन्त्र, यन्त्र व सिद्धि के प्रति आपका रुचि बढ़ेगी। 15 अप्रैल के बाद आपके अंदर ईश्वर के प्रति अटूट विश्वास बढ़ेगा। आप निःस्वार्थ भाव से भगवान की पूजा करेंगे। सुबह-शाम मन्दिर जाना व पूजा पाठ करना आपका नैसर्गिक गुण होगा। वर्षान्त में आप दान पुण्य भी अधिक करेंगे।

- राहु मन्त्र का पाठ करें व शनिवार के दिन काले कुत्ते को रोटी खिलाएं।
- अमावस्या तिथि को विद्वान ब्राह्मण को भोजन कराएं।
- प्रत्येक दिन हनुमान चालीसा का पाठ करें व मंगलवार के दिन हनुमानजी को चोला चढ़ायें।

वार्षिक फलादेश - 2037

इस वर्ष शनि सिंह राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे। 19 अक्टूबर तक राहु कर्क राशि एवं लग्न स्थान में रहेंगे और उसके बाद मिथुन राशि एवं द्वादश में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में गुरु वृष राशि एवं एकादश भाव में रहेंगे। 26 अप्रैल को मिथुन एवं द्वादश भाव में प्रवेश करेंगे और अतिचारी होकर 16 सितम्बर को कर्क राशि एवं लग्न स्थान में प्रवेश करेंगे। 29 अगस्त से 28 नवम्बर तक वक्री मंगल वृष राशि एवं एकादश भाव में रहेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय के दृष्टिकोण से यह वर्ष सामान्य रहेगा। वर्षारम्भ में एकादश स्थान के गुरु व्यापार में उन्नति का योग बना रहे हैं। आपको भाईयों का अच्छा सहयोग मिलेगा। यदि आप साझेदारी में व्यावसाय कर रहे हैं तो अपने साझेदार से संतुष्ट रहेंगे। बड़े लोग व वरिष्ठ अधिकारियों का अच्छा सहयोग मिलेगा। परन्तु 26 अप्रैल के बाद गुरु ग्रह का गोचर आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा।

चतुर्थ स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि नौकरी करने वालों के लिए अच्छी नहीं है। क्योंकि आपका स्थानान्तरण घर से दूर हो सकता है। मुख्यतः सारे ग्रहों का गोचर प्रतिकूल होने के कारण आपके प्रति किसी प्रकार का षड्यन्त्र या कोई बड़ी समस्या उत्पन्न की जा सकती है। इन समस्याओं के बीच आप अपने को पूर्ण रूप से फंसा हुआ महसूस करेंगे। फिर भी आप अपने बौद्धिक बल के द्वारा सभी समस्याओं का समाधान निकालने की कोशिश करेंगे। सितम्बर के बाद काफी हद तक सफल भी रहेंगे। उस समय आपको कार्य व्यवसाय में अच्छी सफलता मिलेगी।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण से यह वर्ष मिला जुला रहेगा। वर्षारम्भ में एकादशस्थ गुरु के प्रभाव से धनागम में निरंतरता बनी रहेगी। धनार्जन करने में आपको भाई व धर्मपत्नी का अच्छा सहयोग मिलेगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे उसमें भी आपका पैसा खर्च हो सकता है। परन्तु अप्रैल के बाद समय प्रतिकूल हो रहा है। अतः उस समय के अंतराल में कोई बड़ा निवेश न करें व धन के लेद देन में सावधान रखें नहीं तो आर्थिक हानि हो सकती है।

गुरु, राहु एवं शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण अनावश्यक खर्च बढ़ेंगे, जिससे संचित धन में कमी आ सकती है। जोखिम भरे कार्यों में धन निवेश न करें। शीघ्र पैसा कमाने वाले तरीकों पर अंकुश लगाएं। धन के मामले में किसी पर बहुत जल्दी विश्वास न करें। घर में रोग की अधिकता होगी उसके निवारण में भी आपका व्यय होगा। रिश्तेदारी व मित्रों के साथ आर्थिक लेन देन न करें नहीं तो उनके साथ आपके संबंध खराब हो सकते हैं।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टिकोण से वर्ष का प्रारम्भ सामान्य रहेगा। व्यापारिक व्यस्तता के

कारण आप अपने परिजनों को अधिक समय नहीं दे पाएंगे। द्वितीयस्थ शनि की चतुर्थ स्थान पर दृष्टि पारिवारिक माहौल खराब कर सकती है। ऐसे में आपको बड़े ही विवेक से काम लेना चाहिए। सभी लोगों के साथ स्नेह और आपसी सौहार्द के साथ पेश आएँ। नहीं तो आपका घरेलू माहौल ज्यादा अशान्त हो सकता है।

अप्रैल के बाद समय ज्यादा प्रभावित हो रहा है। अतः परिवार के लोगों के सुझावों पर अमल करना आपके लिए फायदे का सौदा हो सकता है और उनके विरुद्ध जाना घातक भी हो सकता है। माँ के साथ कुछ नाराजगी हो सकती है तथा उन्हें स्वास्थ्य संबंधी भी कुछ परेशानियाँ हो सकती हैं। अतः उनका समुचित ख्याल रखें और व्यवहारों में संयम बरतें। इस वर्ष आपका दाम्पत्य जीवन भी अच्छा नहीं रहेगा। धर्मपत्नी का स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा, जिससे आप मानसिक रूप से परेशान रह सकते हैं। समाजिक पद-प्रतिष्ठा के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा।

संतान

संतान की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। पंचम स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपके बच्चों की उन्नति होगी। नवविवाहित व्यक्तियों को संतान रत्न की प्राप्ति होगी। आपके दूसरे बच्चे का चौमुखी विकास होगा। उसके उन्नति के सारे मार्ग प्रशस्त होंगे। यदि वह विवाह के योग्य हैं तो विवाह का प्रबल योग बन रहा है।

अप्रैल के बाद उनके स्वास्थ्य पर ध्यान देना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। गुरु ग्रह का गोचर बच्चे की उन्नति रोक सकता है। अतः उस समय उन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होगी। सितम्बर के बाद समय फिर से उत्तम हो रहा है। उसके बाद से अच्छा रहेगा।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी बनी रहेगी। अप्रैल के बाद चोट चपेट व वाहनादि से दुर्घटना इत्यादि का योग बन रहा है। स्वास्थ्य संबंधी कोई बड़ी समस्या भी हो सकती है। पेट संबंधी समस्या आदि हो सकती है। सर्जरी आदि होने की भी संभावनाएं बनी हुई हैं।

अतः आपको समय-समय पर डॉक्टर की सलाह लेते रहना चाहिए। इसके अतिरिक्त आपको अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमताओं को बढ़ाने के लिए अपने खान पान का विशेष ध्यान रखना होगा। जहां तक हो सके शुद्ध शाकाहारी भोजन करें। दाल, सब्जी, फल आदि का ही अधिक सेवन करें। 16 सितम्बर के बाद समय किंचित अनुकूल हो रहा है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

यह वर्ष आपके लिए प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता की दृष्टि से सामान्य रहेगा। पंचम स्थान पर गुरु की दृष्टि विद्यार्थियों के लिए अच्छी है। यदि उच्च शिक्षा हेतु अच्छे शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश पाना चाहते हैं तो वर्ष का प्रारम्भ बहुत ही शुभ है।

अप्रैल के बाद उन्नति में व्यवधान आता रहेगा। यदि आप अपने लक्ष्य में सफलता पाना चाहते हैं तो अथक परिश्रम करना पड़ेगा। जो लोग नौकरी की तलाश में हैं, उनको कुछ दिन और इंतजार करना पड़ सकता है। जो लोग विदेश में अपना करियर बनाना चाह रहे हैं। उनके लिए यह वर्ष शुभ है।

यात्रा-तबादला

तृतीय स्थान पर गुरु की दृष्टि छोटी यात्राएं कराती रहेगी। इन यात्राओं से आपको अच्छा लाभ भी मिलेगा। 26 अप्रैल के बाद आपकी विदेश यात्राएं होंगी। नौकरी करने वाले व्यक्तियों का प्रतिकूल स्थान पर स्थानान्तरण होगा जिससे आप दुःखी रहेंगे।

यात्रा करते समय व वाहन चलाते समय सावधानी अत्यधिक जरूरी है। क्योंकि अप्रैल के बाद मुख्यतः सारे ग्रह प्रतिकूल हो रहे हैं।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

साल का पूर्वार्द्ध धार्मिक कार्यों के लिए अच्छा नहीं रहेगा। लग्न स्थान का राहु आपके सारे धार्मिक कार्यों में व्यवधान उत्पन्न कर सकता है। आलस्य के कारण आपका दैनिक पूजा पाठ भी प्रभावित होगा। परन्तु अप्रैल के बाद आप दान पुण्य अधिक करेंगे। सितम्बर के बाद आपका मन पूजा-पाठ के प्रति आकर्षित होगा। दैनिक पूजा-पाठ व दिनचर्या अनुशासित होगी। परमात्मा की भक्ति व मन्त्र पाठ में ज्यादा रुचि लेंगे।

- महामृत्युंजय यन्त्र अपने घर में स्थापित करें और नित्य उसका पूजन करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



वार्षिक फलादेश - 2038

इस वर्ष राहु मिथुन राशि एवं द्वादश भाव में रहेंगे। 22 अक्टूबर तक शनि सिंह राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे और उसके बाद कन्या राशि एवं तृतीय भाव में गोचर करेंगे। वर्षारम्भ में गुरु कर्क राशि एवं लग्न स्थान में रहेंगे और वक्री होकर 17 जनवरी को मिथुन राशि एवं द्वादश भाव में गोचर करेंगे और पुनः मार्गी होकर 11 मई को कर्क राशि एवं लग्न स्थान में आ जाएंगे और अतिचारी होकर 7 अक्टूबर को सिंह राशि एवं द्वितीय भाव में प्रवेश करेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ मिला जुला रहेगा। कार्य क्षेत्र में उतार चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। गुरु एवं शनि ग्रह का गोचर अनुकूल नहीं होने के कारण अपने कार्यों को अंजाम तक पहुंचाने में कठिनाई का अनुभव करेंगे। कुछ प्रतिद्वंदी आपके कार्यों में व्यवधान उत्पन्न कर सकते हैं। इसलिए बिना किसी पर विश्वास किए अपनी बौद्धिक शक्ति के अनुसार कार्य करते रहें। 11 मई के बाद गुरु ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारण आपके कार्य व्यवसाय में कुछ सुधार होगा।

अक्टूबर के बाद कार्य क्षेत्र में वांछित उन्नति एवं सफलता अर्जित कर सकते हैं। यदि आप खनिज एवं खान विभाग व रासायनिक विभागों से संबंधित कार्य कर रहे हैं तो बहुत अच्छी उन्नति करेंगे। आमदनी के नये-नये स्रोत सृजित होंगे। इस अवधि में आप कोई नया कार्य प्रारम्भ करेंगे, उसमें अच्छी सफलता मिलेगी। आपको अनुभवी और वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलेगा, जिससे आपके कार्यों में सफलता की उम्मीद और बढ़ जाएगी। नौकरी वालों के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा।

धन संपत्ति

आर्थिक रूप से वर्ष का प्रारम्भ अच्छा नहीं रहेगा। कुछ अनावश्यक खर्च आ सकते हैं जिससे संचित धन में कमी आ सकती है। घर परिवार में रोग व्याधि की अधिकता होने से भी आपके अपव्यय होंगे। पैसे के लेन देन के समय कागजी कार्यवाही अवश्य करें। धनागम के मार्ग भी प्रभावित होंगे। ऐसे स्थिति में आपको अपने अनावश्यक खर्चों पर अंकुश लगाना चाहिए और जोखिम भरे कार्यों में धन निवेश नहीं करना चाहिए, नहीं तो नुकसान हो सकता है। मई के बाद समय किंचित अच्छा हो रहा है। पत्नी के द्वारा धन संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है। संतान की उच्च शिक्षा पर भी आपका पैसा खर्च होगा।

अक्टूबर के बाद आपका घर सर्व प्रकारेण आधुनिक एवं भौतिक उपकरणों से सुसज्जित होगा तथा इसकी सुन्दरता एवं आकर्षण बनाए रखने में आप अत्यधिक व्यय करेंगे। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे उसमें भी आपका पैसा खर्च हो सकता है। आपको मित्र या भाईयों के माध्यम से भी धन लाभ हो सकता है। द्वितीयस्थ गुरु के प्रभाव से चल एवं अचल संपत्ति की प्राप्ति होगी। रुके या फंसे हुए धन की पुनः प्राप्ति के संकेत हैं।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक मामलों के लिए यह वर्ष उत्तम नहीं रहेगा। द्वितीय स्थान के शनि आपके परिवार में कुछ विषम परिस्थिति उत्पन्न कर सकते हैं, जिससे आपका पारिवारिक माहौल खराब हो सकता है। आपको अपनी वाणी पर नियन्त्रण रखना चाहिए नहीं तो परिवार में किसी के साथ आपका वैचारिक मतभेद हो सकता है। वर्ष के प्रारम्भ में गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण आपके बच्चों का स्वास्थ्य खराब हो सकता है, जिसका नकारात्मक प्रभाव आपके परिवार पर पड़ेगा। परन्तु मई के बाद समय कुछ अनुकूल हो रहा है। उस समय आपकी पत्नी के साथ सम्बन्ध मधुर होंगे। यदि आप अविवाहित हैं तो आपका विवाह संस्कार हो जाएगा।

आपके पिताजी के लिए समय बहुत ही शुभ है। आपकी संतान एवं भाईयों की उन्नति होगी। अक्टूबर के बाद आप उच्च मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा अर्जित करने में समर्थ होंगे। आपके समाजिक प्रभाव में वृद्धि होगी। सरकारी क्षेत्रों में आपको काफी सम्मान मिलेगा। सामाजिक गतिविधियों में आप बढ़-चढ़ के भाग लेंगे, जिससे सभी लोग आपके प्रभाव से प्रभावित होंगे तथा यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे।

संतान

संतान के लिए साल का प्रारम्भ अच्छा नहीं रहेगा। गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने से संतान संबंधित चिंताएं बनी रहेंगी। उनका स्वास्थ्य भी प्रभावित हो सकता है, जिसका नकारात्मक प्रभाव उनकी शिक्षा दीक्षा पर भी पड़ेगा। परन्तु 11 मई के बाद समय अनुकूल हो रहा है। आपके बच्चों की उन्नति के मार्ग खुलेंगे। वे अपने परिश्रम एवं पराक्रम के बल पर उन्नति करने में समर्थ होंगे।

आपके दूसरे बच्चे के लिए भी समय काफी श्रेष्ठ है। उनको अपने कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी। यदि वह उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहता है तो अच्छे शैक्षणिक संस्थान में उनका प्रवेश हो जाएगा। यदि विवाह योग्य है तो विवाह का प्रबल योग बन रहा है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के लिहाज से वर्ष का प्रारम्भ उत्तम नहीं रहेगा। द्वादश स्थान का गुरु छोटी मोटी बीमारियों से स्वास्थ्य प्रभावित कर सकता है। मौसमजनित बीमारियां भी हो सकती हैं। ऐसे में स्वास्थ्य का ख्याल रखना जरूरी होगा। यदि पहले से कोई लम्बी बीमारी से ग्रसित हैं तो परहेज की ज्यादा आवश्यकता है नहीं तो आपका स्वास्थ्य ज्यादा प्रभावित हो सकता है। मई के बाद स्वास्थ्य में कुछ सुधार होगा। प्रत्येक कार्य को सकारात्मक रूप से करेंगे।

लग्नस्थ गुरु के प्रभाव से आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक सन्तुष्टि भी बनी रहेगी। सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को उत्साह एवं परिश्रम से करेंगे। धर्म पत्नी का पूर्ण सहयोग मिलने से मानसिक प्रसन्नता बनी रहेगी।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। करियर में सफलता प्राप्ति के लिए आपको अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता है। जो विद्यार्थी विदेश या घर से दूर जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं उनके लिए समय अनुकूल है।

अक्टूबर के बाद तृतीयस्थ शनि के प्रभाव से आप प्रतियोगिता में सफलता के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। वांछित उन्नति तथा सफलता अर्जित करके मानसिक शान्ति की अनुभूति कर सकते हैं। अन्य लोग आपके कार्य से प्रभावित होंगे तथा आपके प्रशंसक बनेंगे। नौकरी इच्छित व्यक्तियों को वांछित नौकरी मिल सकती है।

यात्रा-तबादला

यात्रा के दृष्टिकोण से यह वर्ष सामान्य रहेगा। वर्ष के प्रारम्भ में द्वादशस्थ गुरु के कारण आपकी विदेश यात्रा हो सकती है। सामुद्रिक यात्रा का भी प्रबल योग बन रहा है। सपरिवार किसी दर्शनीय स्थल की यात्रा कर आनन्द प्राप्त करेंगे।

अक्टूबर के बाद आपकी छोटी-मोटी यात्राओं के साथ लम्बी यात्राएं भी होंगी। यात्रा के अंतराल में आपकी किसी के साथ मित्रता हो सकती है। यह मित्रता आपके लिए काफी सुखद रहेगी। यात्रा करते समय बहुत ही सावधान रहें नहीं तो अचानक आपके साथ दुर्घटना हो सकती है क्योंकि पूरे साल राहु ग्रह का गोचर प्रतिकूल रहेगा।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। वर्ष के प्रारम्भ में मानसिक द्वंद्वता के कारण आपका मन पूजा पाठ में नहीं लगेगा। 11 मई से गुरु ग्रह का गोचर अच्छा हो रहा है। उस समय आप अपनी पत्नी के साथ पारिवारिक कल्याण के लिए कोई विशेष पूजा संपन्न करेंगे, जिससे आपके परिवार में सुख, समृद्धि का वास होगा।

- माता-पिता, गुरु, साधू-संन्यासी और अपने से बड़े लोगों का आशीर्वाद प्राप्त करें।
- प्रत्येक दिन सूर्योदय के समय सूर्य को जल दें।
- प्रत्येक दिन दुर्गा कवच का पाठ करें।
- आठमुखी रुद्राक्ष लाल धागे में सोमवार के दिन धारण करें।
- सोमवार के दिन शिवलिंग पर दूध चढ़ाएं एवं ॐ नमः शिवाय मन्त्र का पाठ करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



वार्षिक फलादेश - 2039

वर्षारम्भ में शनि कन्या राशि एवं तृतीय भाव में रहेंगे तथा वक्री होकर 5 अप्रैल को सिंह राशि एवं द्वितीय भाव में प्रवेश करेंगे और पुनः मार्गी होकर 13 जुलाई को कन्या राशि एवं तृतीय भाव में आ जाएंगे। 7 अप्रैल को राहु वृष राशि एवं एकादश भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में गुरु सिंह राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे तथा 3 मार्च को वक्री होकर कर्क राशि एवं लग्न स्थान में प्रवेश करेंगे और मार्गी होकर 2 जून को सिंह राशि एवं द्वितीय भाव में आ जाएंगे और अतिचारी होकर 4 नवम्बर को कन्या राशि एवं तृतीय भाव में गोचर करेंगे।

व्यवसाय

व्यवसाय में उन्नति के लिए यह साल उत्तम रहेगा। तृतीयस्थ शनि के कारण आप अपने परिश्रम के बल पर व्यापार में उन्नति करेंगे। राहु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने से कुछ प्रतिद्वन्दी आपके व्यापार में व्यवधान डालने की कोशिश करेंगे। लेकिन उस योजना में वे सफल नहीं हो पाएंगे। 7 अप्रैल से अचानक आपको वांछित उन्नति एवं सफलता की प्राप्ति होगी। जो लोग सूद-ब्याज पर पैसे देते हैं उनको अच्छा लाभ होने वाला है। यदि आप शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े हैं तो सफलता आपके कदम चूमेगी।

13 जुलाई के बाद मुख्यतः सारे ग्रहों का गोचर शुभ होने से आपके मान-मर्यादा में बढ़ोत्तरी होगी तथा सभी सहकर्मियों का अच्छा सहयोग भी मिलेगा। आपको कुछ ऐसी खुशियाँ मिलेंगी, जिसकी तलाश आपको एक लम्बे समय से थी। आप अपने काम को समय से पहले पूरा करने में सफल रहेंगे और प्रतिद्वन्दियों को मुहतोड़ जबाब देंगे। नौकरी करने वाले व्यक्तियों को अपने से बड़े अधिकारियों का पूर्ण सहयोग मिलेगा तथा कार्य स्थल पर आपकी एक अलग पहचान होगी।

धन संपत्ति

वर्ष के प्रारम्भ में गुरु एवं शनि ग्रह का गोचर शुभ होने के कारण आपकी आर्थिक स्थिति शानदार रहने वाली है। व्यावसायिक अनुकूलता के कारण धन का आगमन भी निर्बाधा होता रहेगा। परन्तु 5 अप्रैल से 13 जुलाई के अंतराल में आपके संचित धन में बढ़ोत्तरी नहीं होगी। उसके बाद स्थिति में अप्रत्याशित बदलाव होगा और आप यह पाएंगे कि आपकी जमापूंजी में वृद्धि हो रही है। द्वितीयस्थ गुरु के कारण आपको रत्न आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी। निवेश के मामले में यह समय अत्यधिक श्रेष्ठ है।

आपको चल एवं अचल सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। उसके स्वामित्व को प्राप्त करके आप श्रेष्ठता के भाव की अनुभूति करेंगे। आपके ऐश्वर्य में वृद्धि होगी तथा सम्पन्नता बनी रहेगी। अपने पराक्रम एवं परिश्रम से भी आप यथोचित सम्पत्ति अर्जित करेंगे। 4 नवम्बर के बाद जमापूंजी और लेन-देन के मामले में किसी प्रकार की कोताही न करें। संभव हो तो लिखित रूप में ही लेन-देन करें।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक रूप से यह वर्ष श्रेष्ठ रहने वाला है। परिवार के सभी सदस्य आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। आप अपने परिवार पर पूर्ण नियंत्रण रखेंगे तथा सभी परिवारी जनों का विशेष ख्याल भी रखेंगे। आप दोनों परिवारों के लिए सहयोगी सिद्ध होंगे परन्तु अप्रैल से जून पर्यन्त आपसी मतभेदों के कारण यदा कदा संबंधों में तनाव की अनुभूति हो सकती है। यदि दोनों आपस में सामंजस्य बनाए रखें तो संबंधों में मधुरता बनी रहेगी।

2 जून के बाद परिवार में किसी सदस्य की बढ़ोत्तरी हो सकती है। मातुल व ससुराल पक्ष के लोगों के लिए यह समय बहुत ही श्रेष्ठ है। उन लोगों का अच्छा सहयोग मिलेगा। 13 जुलाई से पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। समाज में आपका एक अलग प्रकार का प्रभाव होगा तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करके वांछित मान सम्मान प्रदान करेंगे। सामाजिक उन्नति के लिए आप कोई विशेष कार्य करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

संतान

गुरु ग्रह का गोचर शुभ होने के कारण आपकी संतति बुद्धिमान एवं पराक्रमी होगी। अपने परिश्रम के बल पर वांछित उन्नति एवं सफलता अर्जित करेंगे। माता पिता के प्रति उनके मन में पूर्ण आदर एवं सम्मान का भाव होगा। आपके आज्ञापालन में वे हमेशा तत्पर होंगे।

3 मार्च के बाद आप अपनी ओर से उनकी शिक्षा का यथोचित प्रबन्ध करेंगे और वे आपकी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति करने में सफल भी होंगे। यदि आपकी संतान विवाह के योग्य है तो विवाह का प्रबल योग बन रहा है। 4 नवम्बर के बाद आपकी दूसरे संतान के लिए समय बहुत ही श्रेष्ठ हो रहा है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहेगा। 3 मार्च से समय और भी शुभ हो रहा है। शारीरिक आरोग्यता अनुकूल बनी रहेगी तथा आप मानसिक रूप से प्रसन्न व सन्तुष्ट बने रहेंगे। आप पराक्रमी एवं परिश्रमी स्वभाव के होंगे, जिसके कारण रोग व्याधि आपसे दूर ही रहेगी।

5 अप्रैल से 13 जुलाई के बीच आप किंचित बीमार हो सकते हैं। परन्तु उसके बाद आप शीघ्र ही अच्छे हो जाएंगे। मक्खन, घी और मिठाई से दूर रहना आपके लिए ज्यादा फायदेमंद होगा अन्यथा आपका बजन बढ़ सकता है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता की दृष्टि से यह वर्ष उत्तम रहेगा। यदि उच्च शिक्षा हेतु उच्च शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश पाना चाहते हैं तो 3 मार्च के बाद समय बहुत ही शुभ

हो रहा है।

7 अप्रैल के बाद नौकरी इच्छित व्यक्तियों को नौकरी मिल सकती है। इंजीनियर, वकील व कानून से जुड़े लोगों को 13 जुलाई के बाद सफलता मिलेगी। विदेश में करियर बनाने वाले व्यक्तियों के लिए भी यह समय काफी अच्छा है।

यात्रा-तबादला

तृतीयस्थ शनि के कारण छोटी-मोटी यात्राओं के साथ आपकी लम्बी यात्राएं भी होंगी। द्वादश स्थान का राहु विदेश यात्रा के प्रबल योग बन रहा है।

5 अप्रैल के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों का स्थानान्तरण होगा यह परिवर्तन आपके लिए अनुकूल नहीं है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए वर्ष का प्रारम्भ मिला जुला रहेगा। परन्तु 3 मार्च के पूजा पाठ के प्रति आपकी विशेष रुचि बढ़ेगी। ईश्वर के प्रति आपकी निष्ठा एवं विश्वास बढ़ेगा। दैनिक पूजा-पाठ में भी सुधार होगा। मार्च के बाद दान पुण्य करेंगे। साथ ही धार्मिक गतिविधियों जैसे जागरण, सांई संध्या इत्यादि कार्यों में भी संलग्न रहेंगे। 4 नवम्बर के बाद तीर्थ यात्रा व भण्डारा कर अत्यधिक पुण्याजन भी करेंगे।

- अपने पूजा घर में पारद शिव लिंग स्थापित करें और उसके सामने देशी घी का दीपक जलाएं।
- शनिवार के दिन काले कुत्ते को रोटी खिलाएं एवं काली वस्तु का दान करें।
- प्रत्येक दिन गणेश जी के मन्त्र का पाठ करें तथा बुधवार के दिन गणेश जी को दुर्वा चढ़ाएं।

वार्षिक फलादेश - 2040

इस वर्ष शनि कन्या राशि एवं तृतीय भाव में रहेंगे। पूरे वर्ष राहु वृष राशि एवं एकादश भाव में रहेंगे तथा 11 दिसम्बर को मेष राशि एवं दशम भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में गुरु कन्या राशि एवं तृतीय भाव में रहेंगे तथा वक्री होकर 6 अप्रैल को सिंह राशि एवं द्वितीय भाव में गोचर करेंगे तथा मार्गी होकर पुनः 28 जून को कन्या राशि एवं तृतीय भाव में आ जाएंगे तथा अतिचारी होकर 3 दिसम्बर को तुला राशि एवं चतुर्थ भाव में प्रवेश करेंगे।

व्यवसाय

व्यापार तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता अर्जित करने के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा। एकादशस्थ राहु के कारण वांछित उन्नति करने में सफल रहेंगे। नौकरी व राजनीतिक क्षेत्र में आप किसी महत्वपूर्ण पद को प्राप्त करेंगे तथा समाज में आपके मान प्रतिष्ठा तथा यश में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को हृदय से स्वीकार करेंगे। यदि आप स्वर्ण, चांदी व आभूषण से संबंधित कार्य कर रहे हैं तो उम्मीद से अधिक लाभ मिलेगा। नौकरी करने वाले व्यक्तियों के लिए वर्षारम्भ सामान्य रहेगा। परन्तु 6 अप्रैल के बाद पदोन्नति का योग बन रहा है। बड़े अधिकारी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे तथा कर्मचारियों के बीच आपका प्रभाव बढ़ेगा।

साल के उत्तरार्द्ध में कोई नया कार्य प्रारम्भ कर सकते हैं जिसमें आपको ज्यादा से ज्यादा लाभ प्राप्त होगा। यदि आप किसी के साथ मिलकर व्यापार कर रहे हैं तो वांछित सफलता मिलेगी तथा आप अपने साझेदार से संतुष्ट रहेंगे। यदि आप व्यापारिक उन्नति के लिए लोन लेना चाहते हैं तो 3 दिसम्बर के बाद समय बहुत ही श्रेष्ठ हो रहा है। उस समय आपको वांछित लोन मिल सकता है।

धन संपत्ति

यह साल आर्थिक मामलों के लिए श्रेष्ठ रहेगा। वर्षारम्भ में वसीयत व अप्रत्याशित धन मिलने की संभावना बन रही है। राहु एवं शनि ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारण आप वांछित बचत करने में सफल होंगे। मार्च के बाद रत्न आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी तथा धनागम के स्रोत बढ़ेंगे। कर्ज इत्यादि से मुक्ति मिलेगी। नवीन संपत्ति खरीदने की दिशा में प्रयासरत रहेंगे तथा इस संबंध में आपको सफलता भी मिलेगी।

जून के बाद समय और भी उत्तम हो रहा है। व्यापारिक अनुकूलता के कारण आर्थिक उन्नति में वृद्धि होगी। धन संचय करने में आपकी धर्मपत्नी का पूर्ण सहयोग होगा। धार्मिक व मांगलिक कार्यों में आप खुले हाथों से व्यय करेंगे तथा अपनी पारिवारिक सुख सुविधाओं पर भी अधिक खर्च करेंगे। 3 दिसम्बर के बाद आपको भूमि, भवन, वाहन इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी तथा आपके सामने कई लाभकारी सौदे आएंगे। इसका भरपूर लाभ उठाएं।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



घर-परिवार, समाज

पारिवारिक रूप से यह वर्ष अनुकूल रहेगा। परिवार से जुड़ी सभी समस्याएं दूर होंगी तथा एक दूसरे के प्रति भावनात्मक लगाव बढ़ेगा। परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा। मार्च के बाद परिवार में किसी सदस्य की वृद्धि होगी। भाई बहनों के लिए समय काफी शुभ है।

तृतीयस्थ शनि के प्रभाव से सामाजिक पद प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी। वांछित मान-सम्मान मिलेगा। किसी सम्मानित उच्च पद को अर्जित करेंगे। आपकी प्रसिद्धि दूर दूर तक व्याप्त हो सकती है एवं सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। 3 दिसम्बर के बाद माता पिता जी का पूर्ण सहयोग मिलेगा तथा उनसे आपको आर्थिक लाभ भी होगा।

संतान

पंचम स्थान पर राहु की दृष्टि के कारण संतान संबंधित कुछ चिंताएं बनी रहेंगी। परन्तु 6 अप्रैल के बाद आपके बच्चे वांछित लाभ एवं सफलता भी अर्जित करेंगे। लेकिन वैदिक साहित्य दर्शन एवं धर्म के प्रति उसकी रुचि अल्प मात्रा में होगी। आधुनिक विज्ञान, इतिहास इत्यादि के प्रति उसका आकर्षण बढ़ेगा।

जून के बाद उनके मन में आपके प्रति आदर व सम्मान का भाव बढ़ेगा। प्रथम संतान की अपेक्षा दुसरी संतान ज्यादा उन्नति करेगी। यदि आपकी दूसरी संतान विवाह के योग्य है तो विवाह का प्रबल योग बन रहा है।

स्वास्थ्य

इस वर्ष आपका स्वास्थ्य काफी बेहतर होगा। आप सेहतमंद और सक्रिय बने रहेंगे। आपके दृढ़ निश्चय और सशक्त इच्छाशक्ति के कारण ही आप एकदम दुरुस्त रहेंगे। आपको कोई बड़ी स्वास्थ्य संबंधी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। मार्च के बाद आप अपने दैनिक कार्यों में स्फुटिवान बने रहेंगे तथा आप शुद्ध शाकाहारी भोजन ही करेंगे। योगासन के साथ-साथ व्यायाम भी करते रहें जिससे आपके सकारात्मक विचारों में वृद्धि होगी।

वर्ष का उत्तरार्द्ध और भी श्रेष्ठ रहने वाला है। यदि पहले से किसी बीमारी से परेशान हैं तो इस वर्ष उससे भी मुक्ति मिल सकती है। ऐसा समय भी आएगा जब आप खुद को थका हुआ महसूस करेंगे, परन्तु घबराने की कोई बात नहीं है क्योंकि कोई स्वास्थ्य संबंधित समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। अतः आप तनाव व चिंता मुक्त रहें।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परिक्षार्थियों के लिए यह वर्ष काफी श्रेष्ठ है। आप कोई नया कार्य प्रारम्भ करेंगे जिसमें आपको अच्छी सफलता मिलेगी। मैकेनिकल इंजीनियर व हार्डवेयर से संबंधित कार्य करने वालों के लिए यह समय उत्तम रहेगा। आपको वांछित सफलता मिलेगी।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में विदेश में व्यवसाय करने वाले व्यक्तियों को अच्छा लाभ

मिलेगा। विदेशी भाषा सीखने वाले विद्यार्थियों के लिए यह समय बहुत शुभ है।

यात्रा-तबादला

वर्षारम्भ में छोटी मोटी यात्राओं के साथ-साथ लम्बी यात्राएं भी अधिक होंगी। सप्तम स्थान पर गुरु की दृष्टि व्यावसायिक यात्राएं भी कराती रहेगी। इन यात्राओं से आपको अच्छा लाभ मिलेगा।

वर्षान्त में आप अपने परिवार सहित किसी दर्शनीय स्थल की यात्रा करेंगे। यह यात्रा अधिक सुखद व मनोरंजनात्मक होगी। यात्रा के अंतराल में आपकी किसी के साथ मित्रता भी हो सकती है। यह मित्रता आपके लिए अत्यधिक लाभप्रद रहेगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

इस वर्ष आप तीर्थ यात्रा और धार्मिक कार्य अधिक करेंगे। कोई भी शुभ कार्य योजनाबद्ध तरीके से ही संपन्न करें अन्यथा पूजादि कार्यों में व्यवधान आने की आशा है। गुरु ग्रह के गोचर के बाद आप धार्मिक कार्य अधिक करेंगे। 28 जून के बाद आप अपने कार्य व्यवसाय पर अधिक ध्यान देंगे और कर्म ही पूजा है। वाक्य को चरितार्थ करेंगे वर्षान्त में आप दान पुण्य अधिक करेंगे।

- प्रत्येक सोमवार को शिवलिंग पर जल चढ़ाएं तथा ॐ नमः शिवाय मन्त्र का पाठ करें।
- स्फटिक श्रीयन्त्र अपने घर में स्थापित करें तथा उसके सामने देशी घी की दीपक जलाएं।
- एक नारियल अपने सिर से सात बार घुमाकर बहते हुए पानी में प्रवाहित करें।

वार्षिक फलादेश - 2041

इस वर्ष राहु मेष राशि एवं दशम भाव में रहेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में गुरु तुला राशि एवं चतुर्थ भाव में रहेंगे तथा वक्री होकर 6 मई से 30 जुलाई तक कन्या राशि एवं तृतीय भाव में रहेंगे तथा उसके बाद पुनः मार्गी होकर तुला राशि एवं चतुर्थ भाव में आ जाएंगे। 25 सितम्बर तक शनि कन्या राशि एवं तृतीय भाव में रहेंगे तथा उसके बाद तुला राशि एवं चतुर्थ भाव में प्रवेश कर जाएंगे।

व्यवसाय

इस वर्ष राहु एवं गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से नौकरी करने वाले व्यक्तियों का पदोन्नति के साथ स्थानान्तरण होगा। वरिष्ठ लोग व उच्च अधिकारी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। कार्यस्थल पर आपको मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। यह सब आपकी सकारात्मक विचारधारा के कारण होगा। व्यावसायिक व्यक्ति अपने परिश्रम के बल पर उन्नति करेंगे। मई से जुलाई तक का समय किंचित प्रभावित रहेगा। अतः इस समय के अंतराल में कोई नया कार्य प्रारम्भ न करें।

25 सितम्बर के बाद आजीविका के क्षेत्र में कुछ कमी आ सकती है। आय के स्रोत प्रभावित होंगे। प्रतिद्वंदी आपको नीचा दिखाने की कोशिश करेंगे, परन्तु आप अपने बौद्धिक बल के द्वारा सभी प्रतिद्वंदियों को पीछे छोड़कर सफलता के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। व्यावसायिक उन्नति के लिए आपको कर्ज भी लेना पड़ सकता है। भूमि, वाहन व कॉस्मेटिक से जुड़े लोगों को हानि हो सकती है।

धन संपत्ति

आर्थिक स्थिति के लिए वर्ष का प्रारम्भ लाभप्रद रहेगा। धनागम के स्रोत बढ़ेंगे। आपको भूमि, भवन व वाहन इत्यादि का सुख प्राप्त होगा। 6 मई से जुलाई तक पैसे के मामले में आप ज्यादा सावधान रहें तथा आंख बन्द कर किसी पर विश्वास न करें। सोच समझकर धन निवेश करें, नहीं तो हानि हो सकती है।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में विदेश में धन व वसीयत की प्राप्ति होगी। गुप्त रूप से भी आपको धन लाभ होगा। यदि आप निवेश करना चाहते हैं तो यह समय आपके लिए काफी श्रेष्ठ है। 25 सितम्बर के बाद आपके कुछ अनावश्यक खर्च बढ़ेंगे, उस समय अपने खर्चों पर अंकुश लगाएं।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक सुख, शान्ति एवं समृद्धि के लिए वर्ष का प्रारम्भ अच्छा रहेगा। सभी पारिवारिक जन परस्पर मिल जुलकर रहेंगे, जिससे परिवार में शान्ति तथा सद्भावना का वातावरण विद्यमान रहेगा। आपकी माताजी के लिए यह समय शुभ है, परन्तु 6 मई के बाद सुख एवं सहयोग में न्यूनता आयेगी। मित्र आपसे नराज हो सकते हैं। राहु के कारण आप

मानसिक रूप से परेशान रह सकते हैं, लेकिन जुलाई के बाद समय फिर से अनुकूल हो जाएगा।

वर्ष का उत्तरार्द्ध और भी अच्छा रहने वाला है। ससुराल पक्ष के लोगों का अच्छा सहयोग मिलेगा। पराक्रम तथा कार्य क्षमताओं का विकास होगा। आपको वांछित मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा मिलेगी तथा किसी सम्मानित उच्च पद को अर्जित करने में भी समर्थ होंगे। 25 सितम्बर से परिवार में कुछ विषमता की स्थिति उत्पन्न होगी परन्तु आप अपने बौद्धिक बल से उसे भी अनुकूल बना लेंगे।

संतान

यह वर्ष संतान के लिए अच्छा नहीं है। पंचम स्थान पर शनि की दृष्टि संतान को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी दे सकती है। उनकी शिक्षा-दीक्षा में रुकावटें आ सकती हैं। आपके प्रति बच्चों में मर्यादा एवं आदर्श की भावना कम होगी, जिससे आपको अनावश्यक समस्याओं एवं परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। उसके अतिरिक्त आपके साथ भावनात्मक लगाव में भी कमी आएगी। मई के बाद दूसरी संतान के लिए समय शुभ हो रहा है।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में आपके बच्चों को किसी नौकरी या रिसर्च के कार्यों में सफलता मिलेगी। यदि वे किसी प्रतियोगिता में भाग ले तो सफलता सम्भव है। 26 सितम्बर के बाद समय और भी अच्छा हो रहा है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। बदलते मौसम के कारण कुछ परेशानियाँ हो सकती हैं, लेकिन आप जल्द ही ठीक हो जाएंगे। वजन बढ़ने की संभावना है, इसलिए मक्खन, घी और मिठाई खाने से परहेज करें। नियमित रूप से व्यायाम करें और खान-पान का विशेष ध्यान रखें।

26 सितम्बर के बाद आपका स्वास्थ्य किंचित प्रभावित हो सकता है। लग्न स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आप आलसी हो सकते हैं तथा आपकी दिनचर्या अव्यवस्थित हो सकती है और आप बीमार भी हो सकते हैं। इस समयान्तराल में आपको अपनी सेहत पर विशेष ध्यान देना होगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षार्थियों के लिए साल का पूर्वार्द्ध बढ़िया रहने वाला है। आपको इच्छित प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी तथा सफलता के मार्ग प्रशस्त होंगे। 6 मई के बाद विद्यार्थियों की उन्नति में रुकावट व उच्च शिक्षा में व्यवधान आ सकता है।

26 सितम्बर के बाद करियर में सफलता प्राप्त करने के लिए आपको अथक परिश्रम करना पड़ेगा। यदि आप विदेश में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो यह समय काफी श्रेष्ठ है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



यात्रा-तबादला

द्वादश स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से विदेश यात्रा के प्रबल योग बन रहे हैं। 6 मई के बाद छोटी मोटी यात्राओं के साथ लम्बी यात्राएं भी होंगी। ये सभी यात्राएं आपके लिए लाभप्रद सिद्ध होंगी।

जुलाई के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों का अनुकूल स्थान पर स्थानान्तरण होगा। अपने घर से दूर रहने वाले व्यक्तियों की अपनी जन्मभूमि की यात्रा होंगी। आप पूरे परिवार के साथ आनन्ददायक यात्राएं करेंगे।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्य के लिए यह वर्ष अनुकूल है। वर्षारम्भ में आप पूजा पाठ में विशेष रुचि लेंगे। नियमित रूप से दैनिक पूजा-पाठ करते रहेंगे। घरेलू सुख, शान्ति एवं समृद्धि प्राप्ति के लिए कोई विशेष पूजा का आयोजन करेंगे। उत्तरार्द्ध में गरीबों को दान देना, भिखारियों को खाना खिलाना एवं दुखियों की सहायता करना आपका नैसर्गिक गुण होगा। योग व ध्यान के प्रति भी आपका रुझान बढ़ेगा। काला जादू, तन्त्र व यन्त्र के प्रति भी आपका रुझान ज्यादा होगा।

- प्रत्येक दिन सूर्योदय के समय सूर्य को जल दें।
- ॐ नमः शिवाय मन्त्र का पाठ करें तथा सोमवार के दिन शिवजी को दूध चढ़ाएं।
- शनिवार के दिन सूर्यास्त के समय पीपल के नीचे चौमुखी दीपक जलाएं।
- पारद शिवलिंग अपने पूजा घर में स्थापित करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



वार्षिक फलादेश - 2042

इस वर्ष शनि तुला राशि एवं चतुर्थ भाव में रहेंगे। 22 जून तक राहु मेष राशि एवं दशम भाव में रहेंगे तथा उसके बाद मीन राशि एवं नवम भाव में प्रवेश करेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में गुरु वृश्चिक राशि एवं पंचम भाव में रहेंगे तथा वक्री होकर 10 जून से 27 अगस्त तक तुला राशि एवं चतुर्थ भाव में गोचर करेंगे और पुनः मर्गी होकर फिर से वृश्चिक राशि एवं पंचम भाव में आ जाएंगे।

व्यवसाय

व्यावसायिक जीवन के लिए यह वर्ष सामान्यतः अच्छा नहीं रहेगा। शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण कुछ न कुछ परेशानियां आती रहेंगी। कुछ गलतफहमियों से भी आप व्याकुल हो सकते हैं। गुप्त शत्रुओं द्वारा आपके कार्यों में रुकावटें डाली जा सकती हैं। ऐसे में आपको बड़ी सावधानी से काम लेना होगा। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। हालांकि 10 जून से 27 अगस्त तक का समय कुछ अनुकूल रहेगा। इस अवधि आपको कुछ सकारात्मक परिणाम मिलेंगे।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में आपको कई मामलों में सफलता मिलेगी। किसी अनुभवी व्यक्ति के मिलने से आपके काम को एक नया आयाम मिलेगा। अपने काम को पूरा करने के लिये आप में प्रचुर उत्साह और विश्वास रहेगा। व्यवसाय के लिए की गई लम्बी यात्राएं सफल सिद्ध होंगी। लेकिन राहु और शनि की प्रतिकूलता के कारण रोजगार के कार्यों में आपको सावधान रहने की आवश्यकता है। इस समय के अंतराल में कोई नया कार्य प्रारम्भ न करें और करना बहुत जरूरी हो तो महत्वपूर्ण दस्तावेजों पर बिना देखे दस्तखत न करें और जोखिम उठाने की प्रवृत्ति पर भी अंकुश लगाएं।

धन संपत्ति

आर्थिक रूप से यह वर्ष आपके लिए मिला-जुला रहेगा। जितना लाभकारी होगा उतना ही चुनौतीपूर्ण भी होगा। वर्ष के प्रारम्भ में निवेश से सम्बंधित योजनाओं पर ध्यान न दें और अपने दस्तावेज भी संभाल कर रखें। हड़बड़ी में कोई भी कार्य न करें नहीं तो आर्थिक हानि हो सकती है। निवेश व आर्थिक निर्णय लेते समय सतर्क रहें व जल्दबाजी न करें।

10 जून से 27 अगस्त के अंतराल में आपको संचित धन की प्राप्ति हो सकती है। भूमि, भवन व वाहन मिलने के योग बन रहे हैं। बच्चों की उच्च शिक्षा पर आप अधिक खर्च करेंगे। माता पिता की बीमारी में आपका अधिक व्यय होगा। परन्तु धनागन में निरंतरता होने के कारण आपकी आर्थिक स्थिति में कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा।

घर-परिवार, समाज

चतुर्थ स्थान में शनि ग्रह का गोचर पारिवारिक स्थिति के लिए शुभ नहीं है। अधिक भागदौड़ के कारण परिजनों को अधिक समय नहीं दे पाएंगे। पारिवारिक सदस्यों के साथ कुछ



FUTUREPOINT
Astro Solutions



तर्क-वितर्क होने की संभावना नजर आ रही है। हालाँकि समझदारी से इसे टाला जा सकता है। ससुराल पक्ष के लोगों के लिए यह समय अच्छा नहीं है। पंचमस्थ गुरु के प्रभाव से आपके बच्चों की उन्नति होगी।

10 जून से 27 अगस्त के अंतराल में पारिवारिक समस्याएं कुछ कम होंगी। पारिवारिक माहौल से आपको सहारा मिलेगा। परिवार में सब लोग एक-दूसरे की सहायता करेंगे। अगस्त के बाद अचानक आपकी माताजी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है, जिसका नकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ेगा तथा आप पारिवारिक स्थिति को लेकर चिंतित रहेंगे। सामाजिक पद व प्रतिष्ठा के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा।

संतान

बच्चों के लिए यह वर्ष बहुत ही श्रेष्ठ रहने वाला है। आपके बच्चों की उन्नति होगी तथा वे आपकी उम्मीदों से बढ़कर कार्य करेंगे। संतान इच्छित व्यक्तियों के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध बहुत ही शुभ है।

आपके बच्चों का चौमुखी विकास होगा। यदि वे विवाह के योग्य हैं तो विवाह के प्रबल योग बन रहे हैं। आपकी दूसरी संतान के लिए वर्ष का उत्तरार्द्ध सामान्य रहेगा।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के मामले में यह समय अधिक आनंद देने वाला नहीं है। आपको मौसमजनित बीमारियाँ अपनी चपेट में ले सकती हैं। किसी लंबी चली आ रही बीमारी के उपचार में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। आक्स्मिक चोट लगाने की संभावनाएं भी बनी हुई हैं। अनिद्रा की शिकायत आपको परेशान कर सकती है। आप अपने क्रोध पर नियन्त्रण रखें वरना मानसिक तनाव बढ़ सकता है।

10 जून से 27 अगस्त तक का समय ज्यादा प्रभावित रहने वाला है। कमर के निचले हिस्से में कोई रोग बढ़ सकता है अतः किसी भी छोटी समस्या को छोटी ना समझते हुए तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लें। ऋतुजनित बीमारियों के कारण स्वास्थ्य प्रतिकूल हो सकता है विशेषकर सर्दी-जुकाम इत्यादि का प्रकोप झेलना पड़ सकता है। अतः शारीरिक आरोग्यता प्राप्ति के लिए आप घर में कोई विशेष धार्मिक आयोजन व महामृत्यंजय का पाठ कराएं।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परिक्षार्थियों के लिए यह वर्ष सामान्य रहने वाला है। आप कोई नया कार्य प्रारम्भ करेंगे तो उसमें सफलता मिल सकती है। मैकेनिकल इंजीनियर व हार्ड वेयर से संबंधित कार्य करने वाले जातकों के लिए यह समय अच्छा रहेगा।

वर्ष का उत्तरार्द्ध व्यावसायिक व्यक्तियों के लिए अच्छा रहने वाला है। नौकरी करने वालों के लिए यह समय अच्छा नहीं है। आपके बड़े अधिकारियों के साथ वैचारिक मतभेद होने की संभावना बन रही है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



यात्रा-तबादला

विदेश गमन के कार्यक्रम बाधित हो सकते हैं। धर्म-कर्म से संबंधित गतिविधियों में आपकी रुचि आपको कई धार्मिक यात्राएं करा सकती है। नौकरी करने वाले व्यक्तियों का प्रतिकूल स्थान पर स्थानान्तरण हो सकता है। यह स्थानान्तरण आपके घर से दूर भी हो सकता है।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में आप कहीं घूमने जा सकते हैं। पंचमस्थ गुरु के प्रभाव से यात्रा के अंतराल में किसी के साथ आपकी मित्रता भी हो सकती है। यह मित्रता आपके लिए लाभप्रद रहेगी। वर्षान्त में कुछ अवांछित यात्राएं भी हो सकती हैं।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष के पूर्वार्द्ध में तीर्थयात्रा और धार्मिक कार्य अधिक होंगे। पूजा पाठ यज्ञ अनुष्ठान में आपका मन खूब लगेगा। कोई भी शुभ कार्य योजनाबद्ध तरीके से ही संपन्न करें अन्यथा पूजादि कार्यों में व्यवधान आने की आशा है।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में कार्य व्यवसाय पर अधिक ध्यान देंगे, और कर्म ही पूजा है, इस बात को चरितार्थ करेंगे। पंचमस्थ गुरु के कारण आप गुरु मन्त्र ले सकते हैं तथा उस मन्त्र की साधना करेंगे। गुरु के प्रति आपकी श्रद्धा व विश्वास बढ़ेगा तथा आप उनके दिये गये उपदेशों का पालन करेंगे।

- प्रत्येक सोमवार के दिन शिवलिंग पर जल चढ़ाएं तथा ॐ नमः शिवाय मन्त्र का पाठ करें।
- मंगलवार का व्रत करें व हनुमान जी को चोला चढ़ाएं।
- शनिवार के दिन काली वस्तु का दान करें।
- प्रतिदिन दुर्गा चालीसा का पाठ करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



वार्षिक फलादेश - 2043

वर्षारम्भ में गुरु वृश्चिक राशि एवं पंचम भाव में रहेंगे तथा 27 जनवरी को धनु राशि एवं छठे भाव में प्रवेश करेंगे और पुनः वक्री होकर 30 जुलाई को वृश्चिक राशि एवं पंचम भाव में गोचर करेंगे तथा अतिचारी होकर फिर से 11 सितम्बर को धनु राशि एवं छठे भाव में आ जाएंगे। पूरे साल शनि तुला राशि एवं चतुर्थ भाव में रहेंगे तथा 12 दिसम्बर को वृश्चिक राशि एवं पंचम भाव में प्रवेश करेंगे। 19 सितम्बर तक राहु मीन राशि एवं नवम भाव में रहेंगे तथा उसके बाद कुम्भ राशि एवं अष्टम भाव में गोचर करेंगे।

व्यवसाय

यह वर्ष आपकी व्यापारिक दक्षता की परीक्षा लेने वाला है। कारोबार में मुनाफे के लिए यह आवश्यक है कि आप गहन चिंतन करने और लोगों से सलाहादि करने के बाद ही कोई कदम उठाएं। आपकी एक छोटी गलती आपके बड़े नुकसान का कारण बन सकती है। किसी के ऊपर आंख बन्द करके विश्वास करना आपके लिए घातक हो सकता है क्योंकि कोई करीबी या दोस्त आपको धोखा दे सकता है। व्यावसायिक लेन-देन को लिखित रूप में ही पूरा करें नहीं तो बाद में आपको ज्यादा नुकसान होने की संभावना है।

दशम स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह की संयुक्त दृष्टि नौकरी करने वालों के लिए शुभ है। कार्यस्थल पर आपका प्रदर्शन बेहतर रहेगा और वरिष्ठों तथा अधीनस्थों का सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में पदोन्नति तथा सैलरी में वृद्धि होने का योग बन रहा है। व्यापारियों के लिए वर्षान्त ज्यादा प्रभावित रहने वाला है। अष्टमस्थ राहु के कारण आपके कार्य क्षेत्र में गुप्त शत्रुओं द्वारा रुकावटें डाली जा सकती हैं, जिससे आप अपने कार्यों को अंजाम तक पहुंचाने में कठिनाईओं का अनुभव करेंगे। इसलिए बिना किसी पर विश्वास किये आप अपने बौद्धिक शक्ति के अनुसार कार्य करते रहें।

धन संपत्ति

वर्ष का पूर्वार्द्ध किसी हानि की ओर संकेत कर रहा है। गलत निवेश नीति के कारण नुकसान होने की संभावना है। अतः पूरी एहतियात बरतें। किसी भी अंजाम पर पहुंचने से पहले तथ्यों की पूरी तरह से जांच-पड़ताल कर लें। अति-आत्मविश्वास और अहंकार आपके नुकसान का कारण बन सकता है। लेकिन सही दिशा में उठाया गया कदम और कड़ी मेहनत जरूर रंग लाएगी तथा स्थितियों में सुधार होगा क्योंकि 30 जुलाई से 11 सितम्बर तक का समय आपके लिए अनुकूल हो रहा है।

काम करने की क्षमता और आय के नए स्रोतों में वृद्धि होगी। शेयर बाजार से जुड़े लोगों को मुनाफा हो सकता है फिर भी कोई प्रमुख निर्णय लेते वक्त समझदारी का परिचय देना आवश्यक है तथा भावनाओं में बहकर पैसे खर्च करने से बचें क्योंकि सितम्बर के बाद समय फिर से प्रभावित हो सकता है। अष्टम स्थान का राहु अचानक कोई बड़ा खर्च ला सकता है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



घर-परिवार, समाज

पारिवारिक मामलों के लिए यह वर्ष अनुकूल नहीं है। परिवार के कुछ लोगों का बर्ताव से आपकी भावनाएं आहत हो सकती हैं। कुछ विषम परिस्थितियां भी निर्मित होंगी अतः अच्छा यही रहेगा कि विपरीत परिस्थितियों को झेलते समय आप अपने अन्दर प्रतिरोधात्मक शक्ति विकसित करें। कुछ लोगों का व्यवहार वैमनस्यपूर्ण भी रह सकता है। चतुर्थस्थ शनि के प्रभाव से आपकी माता के साथ कुछ अनबन हो सकती है और उनकी सेहत भी खराब हो सकती है। अतः उनका पूरा ख्याल रखें। पिता के साथ संबंध अच्छे रहेंगे और उनके साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। 30 जुलाई से सितम्बर तक का समय आपके भाईयों एवं बच्चों के लिए शुभ है।

सितम्बर के बाद आपके ईष्ट-मित्र भी अपने वादों से मुकर सकते हैं तथा उनके साथ आपके संबंध खराब हो सकते हैं। आप अपने घर परिवार के सदस्यों के हित के बारे में सोचेंगे। यदि उनके लिए आपको पैसे भी खर्च करने पड़े तो आप हिचकिचाएंगे नहीं, इन सबके बावजूद भी बीच-बीच में परिवार के कुछ सदस्यों का बर्ताव अच्छा नहीं रहेगा। अपनी समस्याओं के समाधान के लिये परिवार पर अधिक निर्भरता उचित नहीं होगी।

संतान

पंचम भाव पर राहु की दृष्टि संतान के लिए अच्छी नहीं है। संतान को लेकर चिन्ताएं बढ़ सकती हैं। उनका स्वास्थ्य भी प्रभावित हो सकता है, जिसका नकारात्मक प्रभाव उनकी शिक्षा-दीक्षा पर भी पड़ेगा। 30 जुलाई से गुरु ग्रह के गोचर के कारण बच्चों को आनन्द एवं अभूतपूर्व खुशियों का अनुभव होगा।

आपके बच्चों का चौमुखी विकास होगा। सफलता के मार्ग पर सबसे आगे रहेंगे। आप उम्मीदों से बढ़कर उन्नति करेंगे। उनके अच्छे कार्यों के कारण आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आपके प्रति उनके दिल में सम्मान का भाव बढ़ेगा तथा वे आपकी आज्ञा का पालन करेंगे। नवविवाहित व्यक्तियों के लिए 11 सितम्बर से पहले गर्भाधान का सुन्दर योग बन रहा है।

स्वास्थ्य

इस वर्ष आपको स्वास्थ्य संबंधी कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। लग्न स्थान पर राहु एवं शनि ग्रह की संयुक्त दृष्टि अचानक आपके स्वास्थ्य को खराब कर सकती है। अतः इस वर्ष आपको ज्यादा सावधानी बरतने की आवश्यकता है। कंधो, जांघ, जननांग या लीवर प्रभावित हो सकता है। पीठ दर्द व पैद दर्द से भी परेशानी हो सकती है। उचित आहार और नियमित व्यायाम करने से इन बीमारियों से बचा जा सकता है। हालांकि 30 जुलाई से सितम्बर तक का समय अनुकूल रहेगा।

सितम्बर के बाद समय बहुत ज्यादा प्रतिकूल हो रहा है। अष्टम स्थान का राहु लम्बी बीमारी दे सकता है। यदि पहले से कोई लम्बी बीमारी से ग्रसित हैं तो परहेज की ज्यादा

आवश्यकता है। तुला दान या महामृत्यंजय जाप के माध्यम से नकारात्मक प्रभाव को कुछ कम किया जा सकता है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए यह वर्ष सामान्य फलदायक है। करियर में सफलता प्राप्त के लिए आप को अधिक परिश्रम करने होंगे। जो विद्यार्थी विदेश या घर से दूर जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं उनके लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध अनुकूल है। विदेश में आपको अच्छी सफलता मिल सकती है।

30 जुलाई से विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा हो रहा है। तकनीकी, कानून, इंजीनियरिंग, मेडिकल जैसे क्षेत्र से जुड़े विद्यार्थियों के लिए समय लाभप्रद है।

यात्रा-तबादला

यात्रा के दृष्टिकोण से यह वर्ष सामान्यतः अनुकूल रहेगा। वर्ष के पूर्वार्द्ध में द्वादश स्थान पर गुरु की दृष्टि आपको विदेश यात्रा करा सकती है। राहु केतु के प्रभाव से छोटी मोटी यात्राओं के साथ-साथ आपकी लम्बी यात्राएं भी होती रहेंगी। अधिकांश यात्राएं आपकी अचानक होंगी। इन यात्राओं के दौरान आपको छोटी मोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

नौकरी करने वाले व्यक्तियों का प्रतिकूल स्थान पर स्थानान्तरण होगा। यह स्थानान्तरण आपके घर से दूर हो सकता है। जो आपके लिए सुखद नहीं रहेगा।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए यह वर्ष अच्छा नहीं है। मानसिक द्वंदता के कारण आपका मन पूजा पाठ में नहीं लगेगा। राहु शनि एवं गुरु ग्रह के गोचर प्रतिकूल होने के कारण पूजा पाठ, यज्ञ, अनुष्ठान अपेक्षाकृत कम ही कर पाएंगे।

घर में साफ-सफाई, पूजा-पाठ व पवित्रता का माहौल बनाने व माता की सेवा करने से शनि के अशुभ प्रभाव को कम किया जा सकता है। ऐसा करने से कार्यों में आने वाले व्यवधानों से तथा संतान संबंधी चिंताओं से भी छुटकारा मिल जाएगा।

- माता-पिता, गुरु, साधू, संन्यासी और अपने से बड़े लोगों का आशीर्वाद प्राप्त करें।
- शनिवार के दिन लोहे का तवा दान करें।
- मंगलवार के दिन हनुमान जी को चोला चढ़ाएं।
- नित्य दुर्गा कवच का पाठ करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



वार्षिक फलादेश - 2044

इस वर्ष शनि वृश्चिक राशि एवं पंचम भाव में रहेंगे तथा राहु कुम्भ राशि एवं अष्टम भाव में रहेंगे। 16 फरवरी तक गुरु धनु राशि एवं छठे भाव में रहेंगे तथा उसके बाद मकर राशि एवं सप्तम भाव में प्रवेश करेंगे। इस वर्ष मंगल वक्री होकर 4 मार्च से 13 जून तक सिंह राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे।

व्यवसाय

वर्ष का प्रारम्भ कार्य व्यवसाय के लिए मिला-जुला रहेगा। आप अपने परिश्रम के बल पर व्यवसाय में उन्नति करेंगे। 16 फरवरी के बाद गुरु ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारण आपको व्यवसाय में सफलता मिलेगी। किसी के साथ साझेदारी में कोई नया कार्य प्रारम्भ कर सकते हैं जिसमें आपको वांछित सफलता मिलेगी तथा आप अपने साझेदार से संतुष्ट रहेंगे। व्यापार में पूंजी लगाने वाले नए लोग मिलेंगे। आपको अनुभवी और वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलेगा। अष्टमस्थ राहु के कारण कुछ विरोधी व गुप्त शत्रु आपको नीचा दिखाने की कोशिश करेंगे, परन्तु आप अपने बौद्धिक बल के द्वारा उन पर विजय प्राप्त कर लेंगे।

व्यापार का विस्तार करने से पहले नुकसान होने की संभावनाओं का ध्यान भी अवश्य रखें, क्योंकि अष्टम स्थान में राहु ग्रह का गोचर शुभ नहीं है। धैर्य से काम लें तथा जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। जो लोग नौकरी या व्यवसाय के चलते विदेश जाने की योजना बना रहे हैं, उन्हें सफलता मिलने की संभावना है। यदि आप शेयर बाजार से जुड़े हैं तो अधिक लाभ नहीं मिलेगा।

धन संपत्ति

16 फरवरी के बाद एकादश स्थान पर गुरु की दृष्टि आपकी आर्थिक स्थिति के लिए मददगार साबित होगी। आय के मार्ग प्रशस्त होंगे। आप अपने कार्यों के प्रति सजग रहेंगे। पैसे का आगमन निर्विवाद रूप से होता रहेगा। जमापूंजी में तेजी में वृद्धि होगी। आर्थिक रूप से यह वर्ष आपके लिए बेहतर साबित होगा।

किसी पर भी आंख बन्द कर विश्वास करना आपके लिए घातक हो सकता है। अतः पैसे के लेन-देन में सावधानी बरतें नहीं तो अष्टम स्थान का राहु अचानक धन हानि करा सकता है। शीघ्र पैसा कमाने वाले तरीकों पर अंकुश लगाना होगा। जोखिम भरे कार्यों में निवेश करने से बचें अन्यथा आपको हानि हो सकती है। अपने खर्च पर भी अंकुश लगाएं।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टिकोण से यह वर्ष मिला-जुला रहेगा। वर्षारम्भ में अधिक व्यस्तता के कारण परिजनों को अधिक समय नहीं दे पाएंगे। परिवार में एक-दूसरे के प्रति परस्पर सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपको भाईयों का सहयोग मिलता रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य व मांगलिक कार्य होते रहेंगे जिसमें परिवार के सभी लोग सम्मिलित होंगे। सप्तमस्थ गुरु

के कारण धर्मपत्नी के साथ संबंध मधुर होंगे।

मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा इस वर्ष आप अपनी सामाजिक गतिविधियों में पहले से अधिक सक्रिय होंगे। कोई भी व्यक्ति आपके विरुद्ध जाने का साहस नहीं कर पाएगा तथा आपको वांछित सम्मान प्रदान करेगा।

संतान

इस वर्ष आप संतान को लेकर अत्यधिक चिंतित रहेंगे, क्योंकि आपके बच्चे पढ़ाई में लापरवाही बरतेंगे और जिद्दी भी होंगे, जिससे घर के वातावरण पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। नवविवाहित गर्भवती महिलाओं के लिए यह समय शुभ नहीं है।

द्वितीय संतान के लिए समय अपेक्षाकृत बेहतर होगा। उसके कार्य व्यवसाय के विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे परंतु स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां रह सकती हैं।

स्वास्थ्य

16 फरवरी के बाद लग्न स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि स्वास्थ्य के लिए शुभ है। आपके अंदर सकारात्मक ऊर्जा की वृद्धि होगी, जिससे आपकी रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ेगी। आप अपने को पूर्ण रूप से स्वस्थ महसूस करेंगे।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में अष्टम स्थान का राहु अचानक मौसम संबंधित बीमारियों से ग्रस्त कर सकता है। मोटापा तथा उदर जनित बीमारियां भी दे सकता है। तली हुई चीजों का सेवन कम करें नहीं तो आपका स्वास्थ्य ज्यादा प्रभावित हो सकता है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

करियर की दृष्टि से यह वर्ष मिला-जुला रहेगा। जो विद्यार्थी विदेश या दूर जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं उनके लिए समय अनुकूल है। आध्यात्मिक शिक्षा, योग शिक्षा तथा शोध कार्य करने वालों के लिए वर्ष का प्रारम्भ शुभ है। इन लोगों को वांछित सफलता मिल सकती है।

यदि आप कोई व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं या ग्रहण करना चाहते हैं तो समय अनुकूल है। इस समय का किया गया परिश्रम आने वाले समय के लिए लाभप्रद रहेगा।

यात्रा-तबादला

वर्ष का प्रारम्भ विदेश यात्रा के लिए शुभ है। द्वादश स्थान पर राहु एवं गुरु की दृष्टि अचानक विदेश यात्रा करा सकती है। 16 फरवरी के बाद आपकी व्यावसायिक यात्राएं अधिक होंगी। धर्मपत्नी के साथ किसी दर्शनीय स्थल की यात्रा कर आनन्द की अनुभूति करेंगे।

इस वर्ष मुख्यतः सारी यात्राएं लाभप्रद होंगी। यात्रा करते समय व वाहन चलाते समय एकाग्रता बहुत ही जरूरी है क्योंकि अष्टम स्थान में राहु ग्रह का गोचर दुर्घटना इत्यादि की संभावना बनाता है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष के प्रारम्भ में आप अत्यधिक व्यस्त रहेंगे परन्तु 16 फरवरी के बाद धार्मिक कार्यों के प्रति आपका रुझान बढ़ेगा तथा दैनिक पूजा पाठ में भी सुधार होगा। साधना, योग के माध्यम से आप अपनी आध्यात्मिक शक्ति को बढ़ाने की कोशिश करेंगे।

- प्रत्येक दिन दुर्गा सप्तसती का पाठ करें तथा नीली वस्तु का दान करें।
- आठ मुखी रुद्राक्ष सोमवार के दिन गले में धारण करें।
- प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- श्वेतार्क गणपति अपने पूजा घर में स्थापित करें तथा प्रतिदिन गणेश जी के मन्त्र का पाठ करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



दशा विश्लेषण

महादशा :- शुक्र
(26/03/2020 - 26/03/2040)

आपकी कुण्डली में शुक्र की महादशा 26/03/2020 को आरम्भ होकर 26/03/2040 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 20 वर्ष है।

शुक्र पंचम भाव में स्थित है। यह दो राशियों वृष और तुला का स्वामी है। यह मीन में उच्च का जबकि कन्या में निम्न का होता है। शुक्र एक शुभ ग्रह है और भावनात्मक आनन्द, अच्छे स्वाद, आनन्द तथा सुखमय जीवन का द्योतक है। यह विवाह का कारक भी है। आपकी जन्म कुण्डली में पंचम भाव में स्थित होकर यह एकादश भाव को देख रहा है और इस पर शुभ प्रभाव डाल रहा है। भाव जिसमें यह स्थित है अर्थात् पंचम भाव संतान, आनंद, कला, आमोद-प्रमोद, मनोरंजन, जुआ या दाँव, प्रेम संबंध, धार्मिक बौद्धिकता, प्रशिक्षण और ज्ञान, प्रचुर धन आदि का द्योतक है।

स्वास्थ्य :

महादशा स्वामी शुक्र पंचम भाव में स्थित होकर भाव को प्रबलित कर रहा है। इसके फलस्वरूप आपको इस दशाकाल में कोई छोटी या बड़ी स्वास्थ्य समस्या नहीं होगी।

अर्थ-संपत्ति :

योगकारक ग्रह शुक्र के पंचम भाव अर्थात् त्रिकोण में स्थित होने के फलस्वरूप आपको इसके दशा काल में उन्नति करने के अनेक अवसर प्राप्त होंगे एवं आप चल तथा अचल संपत्ति में वृद्धि करेंगे। आप अपने भाग्य को सट्टे-जुए में आजमाने की कोशिश कर सकते हैं या लॉटरी जीत सकते हैं अथवा अचानक धन की प्राप्ति हो सकती है। आप विलासी जीवन व्यतीत करेंगे।

व्यवसाय :

आप दलाली का व्यवसाय अपना सकते हैं या सट्टा और इससे मिला-जुलता व्यवसाय कर सकते हैं।

पारिवारिक जीवन :

आपका पारिवारिक जीवन सौहार्द्रपूर्ण और आनन्दमय रहेगा। आपके जीवन साथी हमेशा आपके सहायक होंगे। आपके बच्चे बहुत ही आज्ञाकारी होंगे, आपका आदर करेंगे और आपकी मानसिक शक्ति तथा आत्मविश्वास को बनाए रखने में आपके सहायक होंगे। आपके बच्चे जीवन में प्रगति तथा परिवार का नाम रोशन कर सकते हैं।

**अंतर्दशा :- शुक्र - चन्द्र
(26/07/2024 - 27/03/2026)**

शुक्र महादशा की अवधि 20 वर्ष है। आपके लिए यह 26/03/2020 को प्रारंभ हुई थी और 26/03/2040 को समाप्त होगी। इस महादशा में चंद्र की अंतर्दशा 1 वर्ष 8 मास की होगी जो आपके लिए 26/07/2024 से प्रारंभ होकर 27/03/2026 को समाप्त होगी।

चंद्रमा आपकी जन्मपत्री में छठे भाव में स्थित है। छठा भाव बीमारी, सुश्रूषा, मातहत या सेवक, कर्ज, शत्रु, कंजूसी और अतिकष्ट का द्योतक है।

चंद्रमा मष्तिष्क और माता का कारक है।

छठे भाव में स्थित होकर चंद्रमा कुंडली के द्वादश भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आपके मातहतों, सहकर्मियों और कर्मचारियों से संबंध बिगड़ सकते हैं। कार्यालय में कुव्यवस्था फैल सकती है, कर्ज बढ़ सकता है।

शरीर में दुर्बलता महसूस होगी। आवेश में आकर गलत काम कर सकते हैं जिससे हानि और पछतावा हो सकता है। खानपान में संयम बरतें वरना जिगर की व्याधि हो सकती है।

शुभत्व में वृद्धि और अरिष्ट से बचाव के लिए चंद्र के वैदिक मंत्र के 11000 जाप करें। शाम को चंद्रोदय के समय चंद्रमा को कच्चा दूध, चंद्र मंत्र का उच्चारण करते हुए अर्पित करें।

**अंतर्दशा :- शुक्र - मंगल
(27/03/2026 - 27/05/2027)**

शुक्र महादशा की अवधि 20 वर्ष होती है। आपके लिए यह 26/03/2020 को प्रारंभ होकर 26/03/2040 को समाप्त होगी। इस महादशा में मंगल अंतर्दशा की अवधि 14 मास रहेगी। यह 27/03/2026 को प्रारंभ होकर 27/05/2027 को समाप्त होगी।

मंगल आपकी जन्मपत्री में चतुर्थ भाव में स्थित है। चतुर्थ भाव माता, स्वयं का मकान, घरेलू वातावरण, व्यक्तिगत संबंध, वाहन, बाग-बगीचे, पैतृक संपत्ति, शिक्षा, दूध, तालाब और झील आदि का प्रतिनिधि है। मंगल अग्निप्रधान ग्रह है।

चतुर्थ भाव में स्थित होकर मंगल आपकी कुंडली के 7, 10, 11 भावों पर दृष्टि डाल रहा है और उनके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आपका पारिवारिक जीवन कष्टप्रद हो सकता है। माता और अन्य परिवारजनों से संबंध बिगड़ सकते हैं। इस कारण मूल निवास से दूर रह सकते हैं। यद्यपि पारिवारिक जीवन में दिक्कतें होंगी, राजनीति में सफल रहेंगे। अचल संपत्ति प्राप्त कर सकते हैं। अच्छा होगा अगर आपके जीवनसाथी भी मंगली हों।

अरिष्ट से बचाव और शुभत्व में वृद्धि के लिए प्रतिदिन 108 बार ब्रह्मा गायत्री मंत्र के जाप करें।

अंतर्दशा :- शुक्र - राहु
(27/05/2027 - 27/05/2030)

शुक्र महादशा की अवधि 20 वर्ष है। आपके लिए यह 26/03/2020 को प्रारंभ होकर 26/03/2040 को समाप्त होगी। इस महादशा में राहु अंतर्दशा 3 वर्ष की होगी। आपके लिए यह 27/05/2027 को प्रारंभ होकर 27/05/2030 को समाप्त होगी।

राहु आपकी जन्मपत्री में तृतीय भाव में स्थित है। तृतीय भाव मष्तिष्क का रुझान, बुद्धि, साहस, छोटे भाई-बहन, लघु यात्राएं, विचार संचार, हाथ, कंधे आदि का परिचायक है।

राहु छाया ग्रह है। इसकी स्वयं की राशि नहीं होती है और न ही यह किसी राशि का स्वामी होता है। इसका शुभ/अशुभ प्रभाव इसकी स्थिति, भाव और राशि के अनुसार होता है।

तृतीय भाव में स्थित होकर राहु आपकी कुंडली के 9वें भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आपके प्रत्येक विषय पर स्वतंत्र विचार होंगे, इससे आपके आलोचकों की संख्या बढ़ेगी। मूल निवास से दूर जा सकते हैं। यात्राएं खूब होंगी। आपके भाई-बहनों को कुछ कष्ट हो सकता है।

अरिष्ट से बचाव के लिए राहु के वैदिक मंत्र के 18000 जाप करें।

अंतर्दशा :- शुक्र - गुरु
(27/05/2030 - 25/01/2033)

शुक्र महादशा की अवधि 20 वर्ष होती है। आपके लिए यह 26/03/2020 को आरंभ हुई थी और 26/03/2040 को समाप्त होगी। शुक्र महादशा में बृहस्पति की अंतर्दशा की अवधि 2 वर्ष 8 मास रहेगी। आपके लिए यह 27/05/2030 को प्रारंभ होकर 25/01/2033 को समाप्त होगी।

बृहस्पति आपकी जन्मपत्री में द्वितीय भाव में स्थित है। द्वितीय भाव भाग्य, लाभ-हानि, सांसारिक उपलब्धियां, रत्न, वाणी, दायीं आंख, महत्वाकांक्षा, जीभ, दांत, परिवार के सदस्यों का प्रतिनिधि है।

बृहस्पति शुभ ग्रह है। द्वितीय भाव में स्थित होकर बृहस्पति आपकी कुंडली के 6, 8, 10 भावों पर दृष्टि डाल रहा है और उनके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आपकी कार्यक्षेत्र में प्रगति होगी, धन संचित होगा, परिवार में खुशहाली होगी। प्रत्येक कार्य ईमानदारी और कानून के अनुसार करेंगे। सहकर्मियों से भी

व्यवहार उचित रहेगा।

शुभत्व में वृद्धि और अरिष्ट से बचाव के लिए 5 रत्ती का पीला पुखराज सोने की अंगूठी में बृहस्पतिवार को प्रातःकाल पूजा के उपरांत बृहस्पति का मंत्र 99 बार पढ़कर दाहिने हाथ की तर्जनी में धारण करें।

अंतर्दशा :- शुक्र - शनि
(25/01/2033 - 26/03/2036)

शुक्र महादशा की अवधि 20 वर्ष होती है। आपके लिए यह 26/03/2020 को प्रारंभ हुई थी और वद 26/03/2040 को समाप्त होगी। इस महादशा में शनि अंतर्दशा की अवधि 3 वर्ष 2 मास होगी। आपके लिए यह 25/01/2033 को प्रारंभ होकर 26/03/2036 को समाप्त होगी।

शनि आपकी जन्मपत्री में पंचम भाव में स्थित है। पंचम भाव संतान, मनोरंजन, सैर-सपाटे, प्रेम संबंध, स्पर्धा, अच्छे-बुरे चरित्र, धार्मिकता, विवेक, धनाढ्यता और आत्मिक उत्थान का परिचायक है।

शनि शुभ ग्रह है। पंचम भाव में स्थित होकर शुक्र आपकी कुंडली के 7, 11, 2 भावों पर दृष्टि डाल रहा है और उनके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में समाज में आपकी लोकप्रियता में कमी आ सकती है। आपका स्वभाव झगड़ालू हो सकता है। घरेलू जीवन कष्टप्रद हो सकता है, जीवन में बहुत सारे बदलाव आएंगे, जीवन सुचारु नहीं रहेगा। स्वास्थ्य में गिरावट के कारण कष्ट बढ़ेंगे।

अरिष्ट से बचाव के लिए निम्न उपाय करना श्रेयस्कर होगा;

- शिवजी की उपासना प्रतिदिन करें।
- पीपल को जल अर्पित करें।
- भोजन करने से पूर्व पहला कौर गाय को दें।
- मछलियों को आटे की गोलियां खिलाएं।

अंतर्दशा :- शुक्र - बुध
(26/03/2036 - 25/01/2039)

शुक्र महादशा की अवधि 20 वर्ष होती है। आपके लिए यह 26/03/2020 को प्रारंभ हुई थी और वद 26/03/2040 को समाप्त होगी। शुक्र महादशा में बुध अंतर्दशा की अवधि 2 वर्ष 10 मास रहेगी 26/03/2036 जो आपके लिए 25/01/2039 को समाप्त होगी।

बुध आपकी जन्मपत्री में सप्तम भाव में स्थित है। सप्तम भाव आत्मीय संबंध, जीवनसाथी, व्यापार में साझेदार, मुकदमे, विदेश में प्रभाव ओर जीवन को खतरों का परिचायक है।

महादशा :- सूर्य
(26/03/2040 - 27/03/2046)

सूर्य की महादशा 26/03/2040 को आरम्भ होगी 6 वर्षों के बाद 27/03/2046 को समाप्त होगी। आपकी जन्मकुण्डली में सूर्य षष्ठम भाव में स्थित है। सूर्य स्वास्थ्य, ओज, साहस, पराक्रम और सामर्थ्य का प्रतिनिधित्व करता है जबकि षष्ठम भाव स्वास्थ्य, सेवा, मता की ओर के सम्बन्धों, प्रतिद्वन्द्वियों और ऋण का सूचक है। अतः इस दशा में आपको प्रतिद्वन्द्वियों पर विजय, ऋण से मुक्ति, उत्तम स्वास्थ्य तथा अच्छी नौकरी की प्राप्ति होगी।



स्वास्थ्य :

इस दशा में आपका स्वास्थ्य अति उत्तम रहेगा। आपको उत्तम ओजस्विता और उत्साह की प्राप्ति होगी। इस दशा में आप सभी बड़े रोगों से मुक्त होंगे। आप उत्तम स्वास्थ्य लाभ करेंगे। अपने उत्तम स्वास्थ्य को अक्षुण्ण रखने के लिये आपको सात्विक तथा सन्तुलित भोजन करना चाहिए। आपको हर क्षेत्र में अतिशयता का परित्याग करना चाहिए। आपको सरदर्द, प्रदाह आदि हो सकते हैं। आपकी उपेक्षा के कारण आँख तथा हृदय से संबंधित रोग हो सकते हैं।

अर्थ :

इस दशा में आप नौकरी से लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आपको मुकदमों में सफलता मिलेगी। आप ऋण से मुक्त होंगे। साझेदारों से धन की प्राप्ति का संकेत भी है। आप स्वभाव से उदार हैं, आपके लिये धन की रक्षा करना कठिन होगा। मातृ-पक्ष से भी धन की प्राप्ति हो सकती है। अगर फिजूलखर्ची पर नियंत्रण करें तो आपका बैंक बैलेंस सुदृढ़ होगा।

व्यवसाय :

आपको प्रतिद्वंद्वियों और प्रतिस्पर्धियों पर विजय मिलेगी। आपके लिये नौकरी उत्तम है। स्वतंत्र व्यवसाय कम लाभदायक होगा। आप एक अच्छे नेता हैं और किसी संस्था, निगम या बड़े संगठन के प्रधान हो सकते हैं। सैन्य अथवा राजनीतिक सेवा, प्रशासकीय कार्य, तकनीकी तथा वैज्ञानिक सेवाएं आपकी जीवन-वृत्ति के लिये उपयुक्त हैं। रत्न, पत्थर, संगमरमर, अन्न तथा उपकरणों से सम्बन्धित व्यापार लाभदायक हो सकता है। क्रीड़ा सामग्री के व्यवसायियों को लाभ होगा। नौकरीपेशा लोगों के लिये यह दशा उत्तम होगी। इस दशा के दौरान मान-सम्मान तथा आमदनी में वृद्धि होगी और इच्चाधिकारियों का अनुग्रह प्राप्त होगा। व्यवसायियों व्यापारियों का भाग्योदय होगा, आमदनी अच्छी होगी और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। लाभ के संकेत हैं। जीवन-वृत्ति, व्यवसाय और व्यापार में प्रगति के लिये यह दशा उत्तम है।

परिवार (कुटुम्ब) :

अगर आप अपनी हठधर्मिता और आक्रामकता पर नियंत्रण रखें तो परिवार में आपके सम्बन्ध मधुर रहेंगे। बच्चों तथा जीवन साथी से मतभेद हो सकते हैं। धैर्य तथा सतर्कता की आवश्यकता है। आपके छोटे भाई-बहनों की शिक्षा उत्तम होगी और उन्हें सुख और अचल सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। अप्रत्याशित प्रगति होगी और अकस्मात् लाभ प्राप्त होंगे।

शिक्षा :

राजनीति, नागरिकशास्त्र तथा जन कल्याण से सम्बन्धित योजनाओं में भी आपकी रुचि होगी।

अंतर्दशा :- सूर्य - सूर्य
(26/03/2040 - 14/07/2040)

आपके लिए सूर्य की महादशा 26/03/2040 को प्रारंभ हो रही है। इस महादशा में पहली अंतर्दशा सूर्य की होगी जिसकी अवधि 3 मास 18 दिन होकर 14/07/2040 को समाप्त होगी। अंतर्दशा का स्वामी सूर्य पिता, अधिकार, शक्ति, नाम, प्रसिद्धि, ऊर्जा और आत्मा का कारक है।

इस अंतर्दशा में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। किसी भी कार्य को करने के लिए पर्याप्त शक्ति और ऊर्जा आप में रहेगी। बीमारियों और संक्रमण से बचने के लिए प्रतिरोधक शक्ति भी रहेगी। आप उच्चपद पर रहेंगे। साख अच्छी होगी। शत्रु परास्त होंगे। कार्यों में सफलता मिलेगी तथा अपने अधिकांश वायदों को पूर्ण करने में सफल रहेंगे। दिया गया धन वापस प्राप्त हो जाएगा। वांछित कर्ज मिल सकेगा।

मामा के परिवारगण इस अंतर्दशा में समृद्धि प्राप्त करेंगे। आपके उनके साथ संबंध मधुर रहेंगे। खेती या किराये से अच्छी आय होगी। मुकदमे में जीत होगी। छात्र खेल-कूद में रुचि लेंगे। परीक्षा प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी। जायदाद की वृद्धि के लिए समय शुभ है।

मामूली स्वास्थ्य समस्याओं जैसे सिरदर्द, बुखार आदि से बचाव करें। इसके लिए सूर्य मंत्र का जाप करें और ध्यान का अभ्यास करें।

ॐ घृणि सूर्याय नमः

अंतर्दशा :- सूर्य - चन्द्र
(14/07/2040 - 13/01/2041)

आपकी सूर्य की महादशा 26/03/2040 को प्रारंभ हुई थी। इसमें दूसरी अंतर्दशा चंद्रमा की होगी जिसकी अवधि 6 मास है और यह 13/01/2041 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी चंद्र मस्तिष्क, घर, माता और सौंदर्य का कारक है।

इस अंतर्दशा में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कभी-कभी बेचैनी का अनुभव हो सकता है, मगर थोड़ी सावधानी से इसे समाप्त कर सकते हैं। समाजकार्य और महिलाओं से संबंधित कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। मातहतों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

संतान से लाभ प्राप्त हो सकता है। जीवनसाथी या भागीदार किसी लंबी यात्रा पर जा सकते हैं। व्यापारियों को ऋण प्राप्त हो सकता है। रसायन, द्रव पदार्थ आदि का आयात-निर्यात लाभप्रद रहेगा। सेवारत जातक सफलता और प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। आपके छोटे भाई-बहन खेती की जमीन आदि क्रय कर सकते हैं। बड़े भाई-बहनों के जीवन में अचानक परिवर्तन आ सकता है। माता का जीवन सुखी रहेगा। जायदाद से लाभ, किराया आदि संतोषप्रद रहेंगे। आप लंबी यात्रा पर जा सकते हैं।

ज्वर, मामूली चोट आदि के विरुद्ध सावधानी बरतें। चिंता से बचें क्योंकि यह रोगों

को जन्म दे सकती है। शुभत्व वर्धन हेतु चंद्र गायत्री मंत्र का जाप करें।

अंतर्दशा :- सूर्य - मंगल
(13/01/2041 - 20/05/2041)

आपकी सूर्य की महादशा 26/03/2040 को प्रारंभ हो रही है। इसमें तृतीय अंतर्दशा मंगल की है जिसकी अवधि 4 मास 6 दिन है। यह अंतर्दशा 20/05/2041 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी मंगल साहस, ऊर्जा और भाइयों का कारक है।

इस अवधि में आप नयी जायदाद खरीद सकते हैं या वर्तमान जायदाद से आय में वृद्धि हो सकती है। आपको बहुत सी परियोजनाओं को कार्यरूप देने की जिम्मेदारी मिल सकती है। वैवाहिक जीवन में कुछ तनाव हो सकता है। व्यापार के साझेदार परेशान कर सकते हैं। धैर्य और नीति की आवश्यकता है। जीवनसाथी या व्यापार में भागीदार की सक्रियता बढ़ सकती है। सेवारत व्यक्तियों के लिए लाभ का समय रहेगा। प्रतिद्वंद्वी और विरोधी आपका कुछ नहीं बिगाड़ सकेंगे। व्यापारियों को परिश्रम से बहुत लाभ होगा।

माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उन्हें जरूरत से अधिक परिश्रम नहीं करना चाहिए। पिता को भी स्वास्थ्य के प्रति विशेषकर छोटी-मोटी चोटों के बारे में सावधान रहना चाहिए। आपकी संतान शिक्षा की जगह अन्य गतिविधियों में अधिक ध्यान दे सकती है। छोटे भाई-बहन अच्छा धनार्जन करेंगे। बड़े भाई-बहनों को लाभ के लिए अधिक परिश्रम करना होगा।

आपको छाती के रोगों, हृदयव्याधियों, उच्च रक्तचाप, ज्वर आदि के प्रति सावधानी रखनी चाहिए। शुभत्व में वृद्धि के लिए मंगल के मंत्र का जाप करें।

ॐ अं अंगारकाय नमः

अंतर्दशा :- सूर्य - राहु
(20/05/2041 - 14/04/2042)

आपके लिए सूर्य की महादशा 26/03/2040 को प्रारंभ हुई थी। इसमें चतुर्थ अंतर्दशा राहु की होगी। यह 20/05/2041 को प्रारंभ होकर 14/04/2042 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी राहु भौतिक सुख, दादा और तीर्थयात्रा का कारक है।

यह अवधि आपके लिए भाग्यशाली रहेगी। आपका स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति उत्तम होंगे; बहुत से मित्र होंगे। शत्रु और विरोधी परास्त होंगे क्योंकि आप साहसी और दृढ़प्रतिज्ञ हैं। संचार साधन, लेखन, प्रकाशन आदि लाभदायक रहेंगे। पड़ोसी और बांधवों से लाभ होगा।

आपके पिता के व्यापार में वृद्धि होगी। आपके उनसे संबंध मधुर रहेंगे। माता को स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। आपके भाई-बहनों का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, शत्रुओं पर विजय होगी, कार्यों में सफलता मिलेगी और निवेश से लाभ होगा। आपकी संतान का समय उत्तम होगा; वे विभिन्न गतिविधियों में भाग लेंगे, उनके बहुत से मित्र होंगे।

अगर आप सेवारत हैं तो कार्य में व्यस्त रहेंगे। परामर्शदाताओं को प्रतिस्पर्धी परेशान कर सकते हैं। व्यापारी लाभ कमाएंगे। यह समय भाग्यशाली रहेगा। गले या कान की मामूली समस्याओं से सावधान रहें। शुभत्व में वृद्धि के लिए हनुमान जी की पूजा और पाठ करें।

अंतर्दशा :- सूर्य - गुरु
(14/04/2042 - 31/01/2043)

आपके लिए सूर्य की महादशा 26/03/2040 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में बृहस्पति की अंतर्दशा 9 मास 18 दिन की रहेगी। यह 14/04/2042 को प्रारंभ होकर 31/01/2043 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी बृहस्पति धन, संतान और धर्म का कारक है।

इस अवधि में आप सुखी और भाग्यवान होंगे। धन का संचय होगा। पिता से या स्वयं के परिश्रम से धन मिलेगा। अध्यात्म में रुचि रहेगी। आपको जीवनसाथी या व्यापार में साझेदार के माध्यम से धन मिलेगा। आप दूसरों की मदद करेंगे। आपको रोजगार मिल सकता है। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रु परास्त होंगे। मान-सम्मान, सत्ता और अधिकार प्राप्त करेंगे। कार्य संबंधी यात्राएं हो सकती हैं।

अचानक अप्रत्याशित धन मिल सकता है। आपके पिता शत्रुओं को परास्त करेंगे। उन्हें बेहतर नौकरी मिल सकती है। माता को धन मिलेगा। भाई-बहनों के खर्चें बढ़ सकती हैं। यात्राएं हो सकती हैं, उनकी अचल संपत्ति और सुविधाएं बढ़ सकती हैं। आपकी संतान शिक्षा में प्रगति करेगी और सम्मानित होगी।

अगर आप सेवारत हैं तो सफलता आसानी से मिलेगी और उच्चाधिकारियों की कृपा रहेगी। परामर्शदाताओं की आय उत्तम रहेगी और निवेश से लाभ होगा। व्यापारियों के लिए सौभाग्यशाली परिवर्तन, मान-सम्मान में वृद्धि और अच्छी आय का योग है।

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। पेट और नेत्रों की मामूली शिकायतें हो सकती हैं। अशुभ से बचने के लिए केसर, हल्दी, चने और पीले फलों का दान करें।

अंतर्दशा :- सूर्य - शनि
(31/01/2043 - 13/01/2044)

आपकी सूर्य की महादशा जारी है। इसमें छठी अंतर्दशा शनि की है जिसकी अवधि 11 मास 12 दिन है। आपके लिए यह 31/01/2043 को प्रारंभ होगी और 13/01/2044 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी शनि आयु, संन्यास और दार्शनिक स्वभाव का कारक है।

इस अवधि में संतान से सुख और खुशी की प्राप्ति होगी। वांछित तथ्यों के सकारात्मक होने पर शिशु का जन्म हो सकता है। परंपरागत कामों में निवेश से लाभ होगा। धन, भूमि और वाहन की प्राप्ति होगी। सब बाधाओं को पार कर सफलता प्राप्त करेंगे। उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। घर में कोई उत्सव या विवाह हो सकता है। सरकारी अनुबंधों से लाभ हो सकता है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



आपके जीवनसाथी को निवेश से लाभ होगा, लोकप्रियता बढ़ेगी। आपके पिता की रुचि धर्म में बढ़ सकती है। माता के धन और घरेलू सुख में वृद्धि होगी। भाई-बहनों को अधिक परिश्रम करना होगा; विवाह हो सकता है। आपकी संतान की तकनीकी विषयों में रुचि होगी। उनका मन भटक सकता है, मगर वे अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेंगे, सहचर्य से लाभ उठाएंगे और सफलता प्राप्त करेंगे।

अगर आप सेवारत हैं तो अवांछित परिवर्तन, तबादले हो सकते हैं। परामर्शदाताओं को कार्यस्थल पर तालमेल करना पड़ेगा। व्यापारियों के लिए निवेश लाभकारी होंगे।

स्नायुतंत्र और पाचन की समस्याओं से सावधान रहें। कष्ट से बचने के लिए काली वस्तुएं दान देकर शनि की आराधना करें।

अंतर्दशा :- सूर्य - बुध (13/01/2044 - 19/11/2044)

आपकी सूर्य की महादशा 26/03/2040 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में सातवीं अंतर्दशा बुध की है जिसकी अवधि 10 मास 6 दिन रहेगी। यह 13/01/2044 को प्रारंभ होकर 19/11/2044 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी बुध बुद्धिमत्ता, शिक्षा, वाणी का कारक है।

इस अवधि में आपको व्यापार और सट्टेबाजी में लाभ होगा। साझेदारों से लाभ मिलेगा। मुकदमे में विजय होगी। आपका विवाह हो सकता है। जनमानस से व्यापार, व्यवहार द्वारा लाभ हो सकता है। आपको तरक्की, सम्मान, प्रसिद्धि, धन और सुख की प्राप्ति होगी। स्वास्थ्य, पद और अधिकार उत्तम होंगे। आपके बहुत से मित्र होंगे जिनसे लाभ मिलेगा। अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी।

आपके जीवनसाथी विदेशियों से व्यवहार और अनुबंधों में सफल रहेंगे। आपके पिता को धन मिलेगा, आकांक्षाओं की पूर्ति होगी। माता को अचल संपत्ति से लाभ होगा। भाई-बहनों को सट्टेबाजी या निवेश से लाभ होगा, उनकी कोई लंबी मात्रा हो सकती है या उच्चशिक्षा में सफल रहेंगे।

अगर आप सेवारत हैं तो समय लाभकारी रहेगा। परामर्शदाताओं को सम्मान प्राप्त होगा। व्यापारियों को कार्य में सफलता मिलेगी। आपकी संतान को परीक्षा में सफलता मिलेगी, वाक्शक्ति सुदृढ़ रहेगी। उनकी छोटी यात्राएं हो सकती हैं, परिश्रम से सफलता मिल सकती है।

आपका स्वास्थ्य सामान्यतः उत्तम रहेगा। आपको स्नायविक विकार, पेट के दर्द आदि से सावधान रहना चाहिए। कष्टों से छुटकारे के लिए समाजसेवी संस्थाओं, आश्रम आदि को दान दें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



**अंतर्दशा :- सूर्य - केतु
(19/11/2044 - 27/03/2045)**

आपके लिए सूर्य की महादशा 26/03/2040 को प्रारंभ हुई थी। इसमें आठवीं अंतर्दशा केतु की है जिसकी अवधि 4 मास 6 दिन रहेगी। आपके लिए यह 19/11/2044 को आरंभ होकर 27/03/2045 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी केतु संन्यास, मंत्रज्ञान और कष्टों का कारक है।

इस अवधि में आपकी अध्यात्म में रुचि रहेगी। विदेशियों के माध्यम से भाग्योदय हो सकता है। धन और प्रसिद्धि का संकेत है। पिता के साथ संबंध कुछ कटु हो सकते हैं। उच्चाधिकारियों से मतभेद हो सकते हैं। हिम्मत बढ़ेगी। छोटे भाई-बहनों से संबंध मधुर बनाने के लिए प्रयास करना होगा।

जीवनसाथी को लक्ष्यप्राप्ति के लिए परिश्रम करना आवश्यक है। उनकी लघु यात्राएं होंगी। आपके पिता की धर्म में रुचि होगी; मान-सम्मान मिलेंगे। माता को धन का लाभ होगा, सफलता मिलेगी, शत्रुओं की पराजय होगी। भाई-बहनों के अनुबंध पर हस्ताक्षर होंगे; खूब लाभ होगा और शोहरत मिलेगी।

आपकी संतान को तकनीकी शिक्षा में सफलता मिल सकती है, निवेश से लाभ मिलेगा।

अगर आप सेवारत हैं तो उच्चाधिकारियों से उत्तम संबंध रहेंगे। परामर्शदाताओं के खर्चे बढ़ेंगे, यात्राएं होंगी। व्यापारियों के कार्य में कुछ परिवर्तन का संकेत है।

बलगम वाली व्याधियों और हाथ-पैरों के रोगों से बचाव करें। अरिष्ट से बचाव के लिए गणेशजी की आराधना करें और श्वान को भोजन दें।

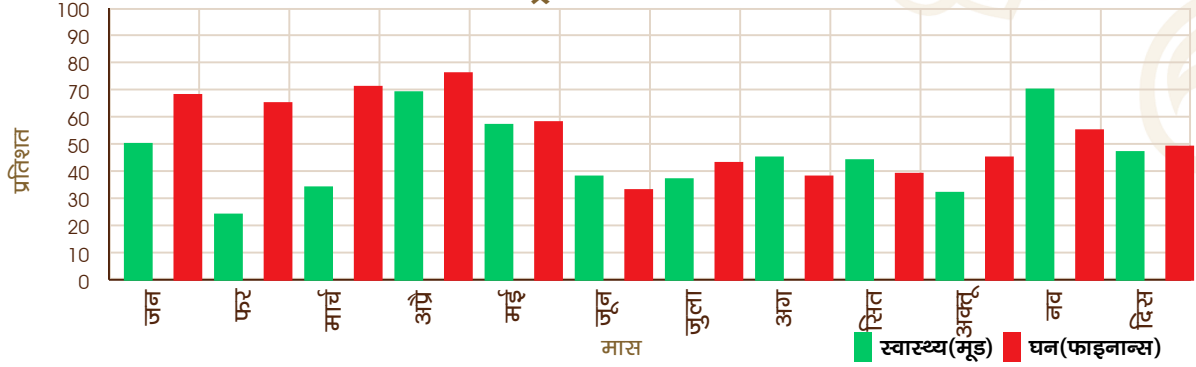
एस्ट्रोग्राफ

एस्ट्रोग्राफ, जीवन के किसी भी पहलू की ग्राफ द्वारा प्रस्तुति है। इससे स्वास्थ्य, आर्थिक, बुद्धि, प्रेम या अन्य किसी भी क्षेत्र में, एक समय के दौरान, होने वाली घटनाओं में रुचि रखने वालों को जानकारी मिलती है। एस्ट्रोग्राफ हमें सही रूप जानने और उन्हें आसानी से समझने में सहायक होते हैं।

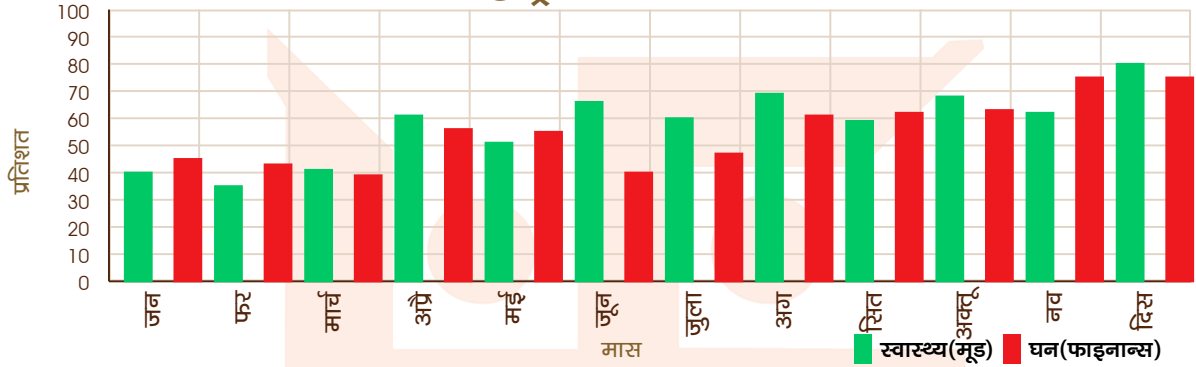
अगले पृष्ठों में आपके जीवन के तीन महत्वपूर्ण पहलू - स्वास्थ्य, धन तथा मानसिक स्तर एस्ट्रोग्राफ द्वारा दिखाये गये हैं। ये एस्ट्रोग्राफ 100 मापकम के अनुसार हैं। यदि आपका एस्ट्रोग्राफ 50 से अधिक अंक दिखाता है तो वह शुभ है। 65 से ऊपर बहुत अच्छा होता है और 80 से ऊपर अति उत्तम होता है। 50 से नीचे सामान्य होता है, 35 से नीचे बुरा तथा 20 से नीचे बहुत बुरा माना जाना चाहिए।

0-20	निकृष्ट	50-65	श्रेष्ठ
20-35	नेष्ट	65-80	उत्तम
35-50	सामान्य	80-100	अत्युत्तम

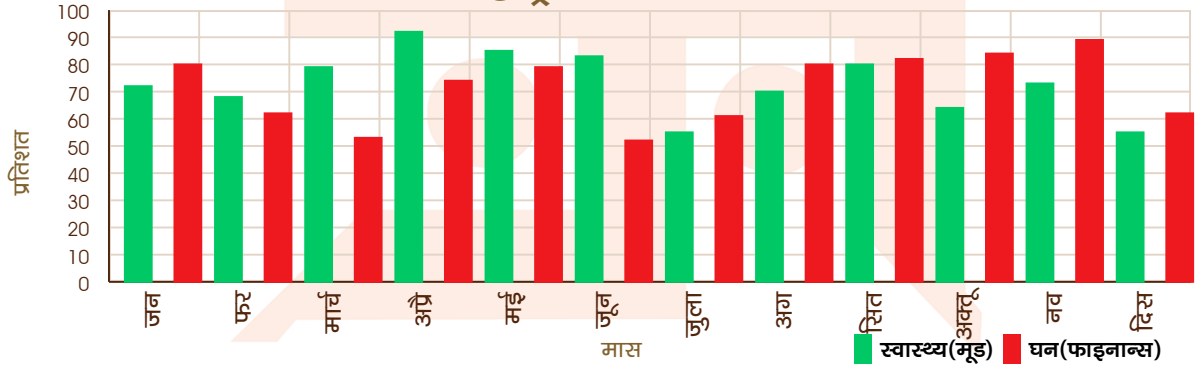
एस्ट्रोग्राफ - 2025



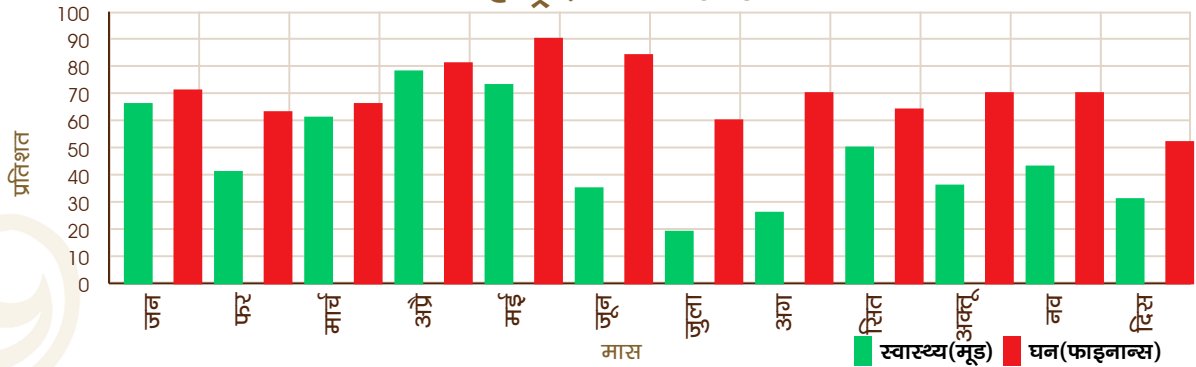
एस्ट्रोग्राफ - 2026



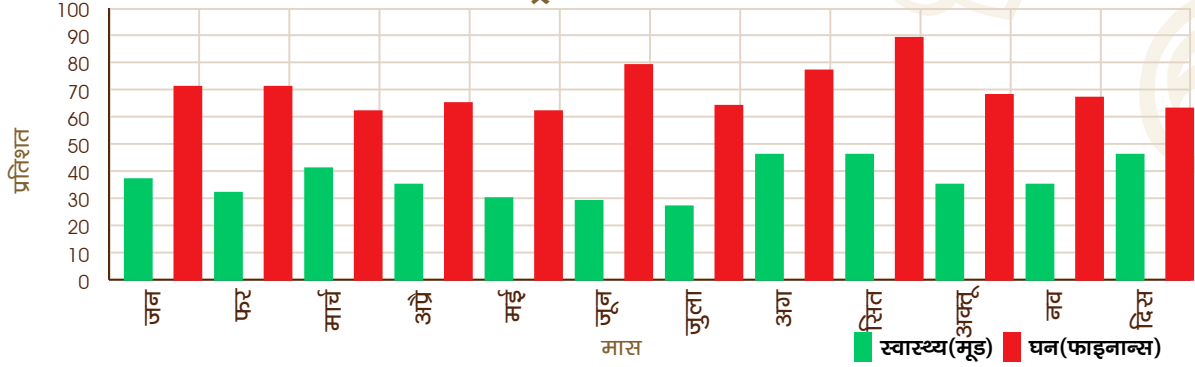
एस्ट्रोग्राफ - 2027



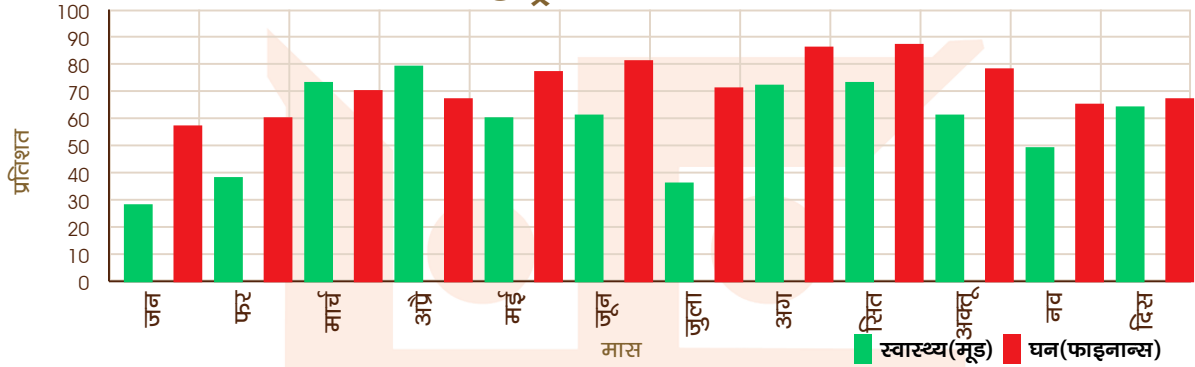
एस्ट्रोग्राफ - 2028



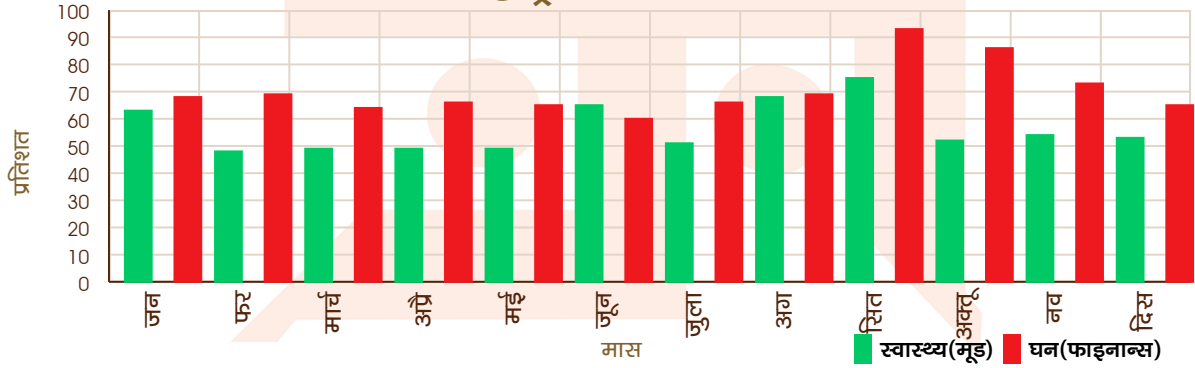
एस्ट्रोग्राफ - 2029



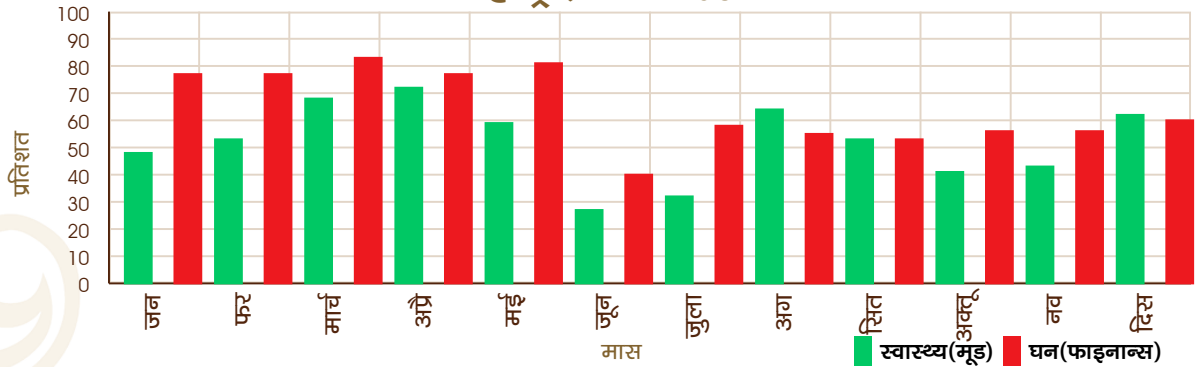
एस्ट्रोग्राफ - 2030



एस्ट्रोग्राफ - 2031



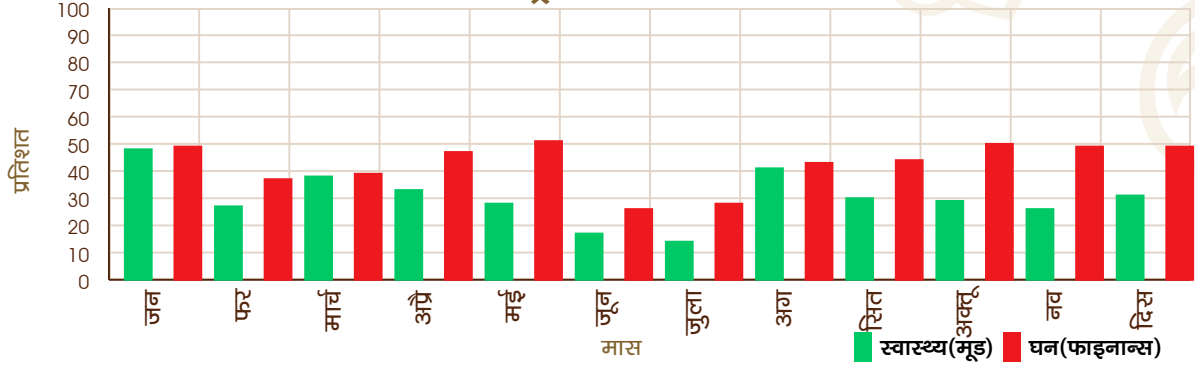
एस्ट्रोग्राफ - 2032



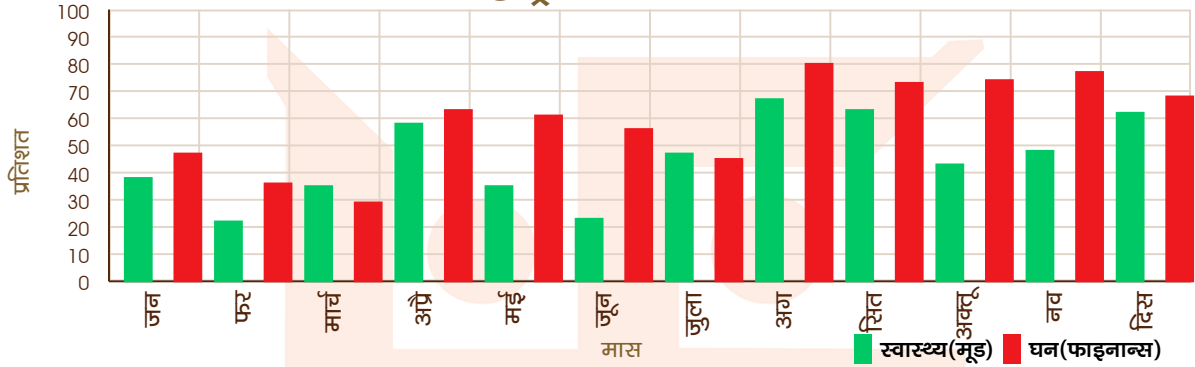
FUTUREPOINT
Astro Solutions



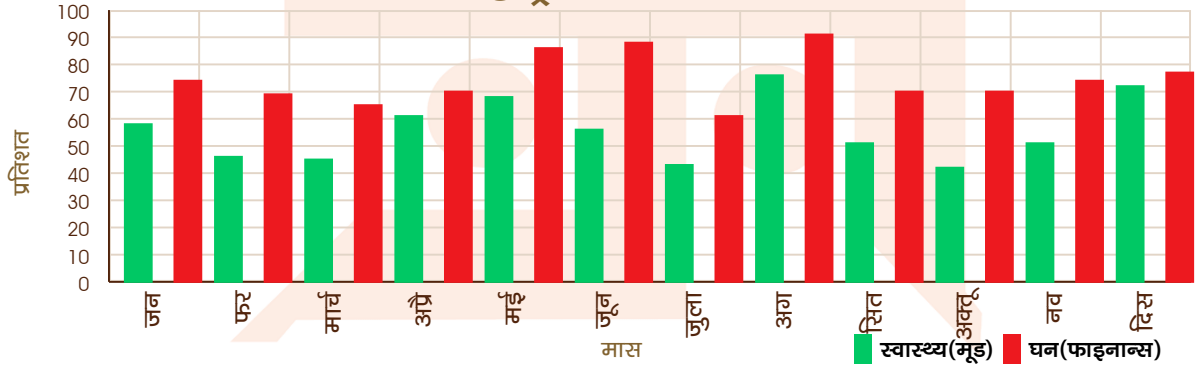
एस्ट्रोग्राफ - 2033



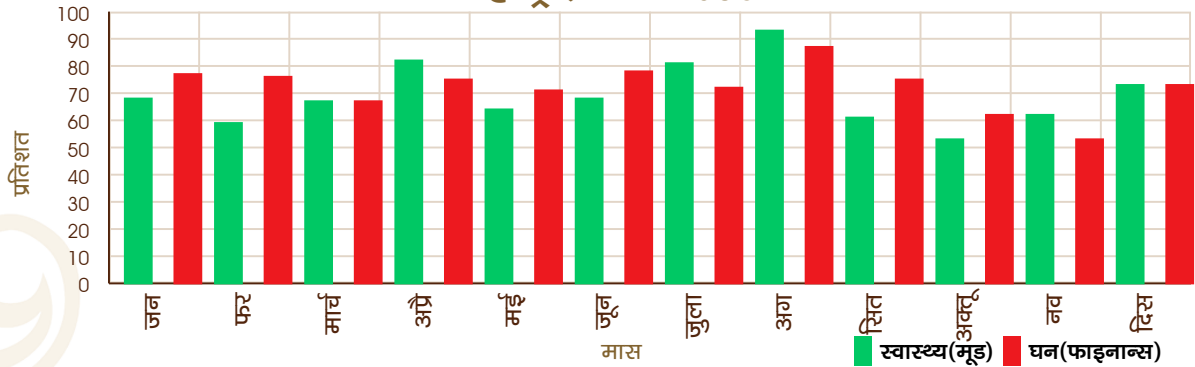
एस्ट्रोग्राफ - 2034



एस्ट्रोग्राफ - 2035



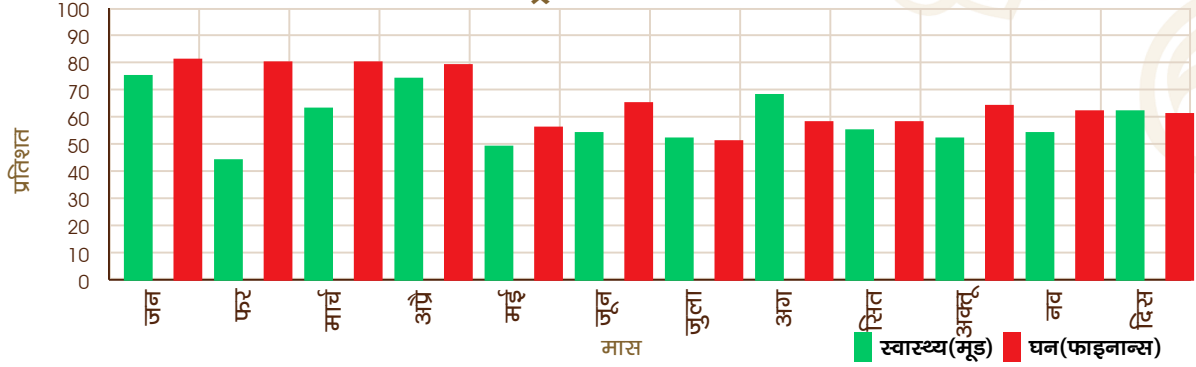
एस्ट्रोग्राफ - 2036



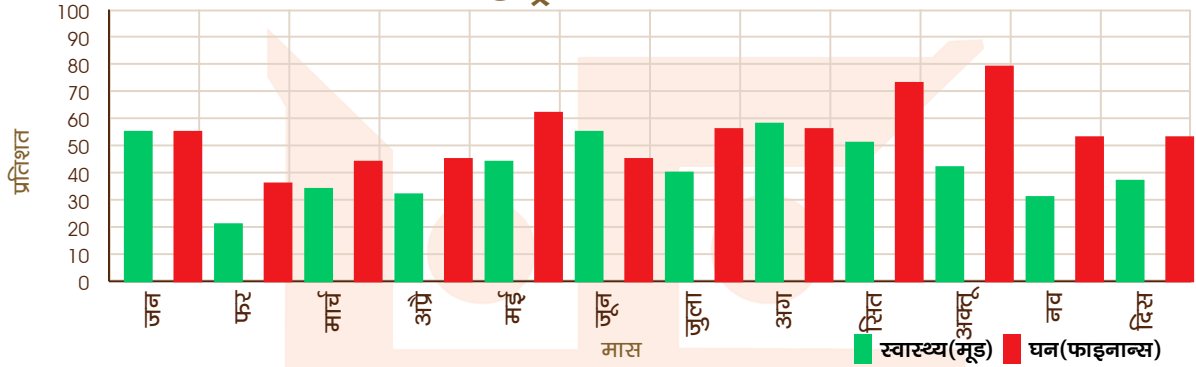
FUTUREPOINT
Astro Solutions



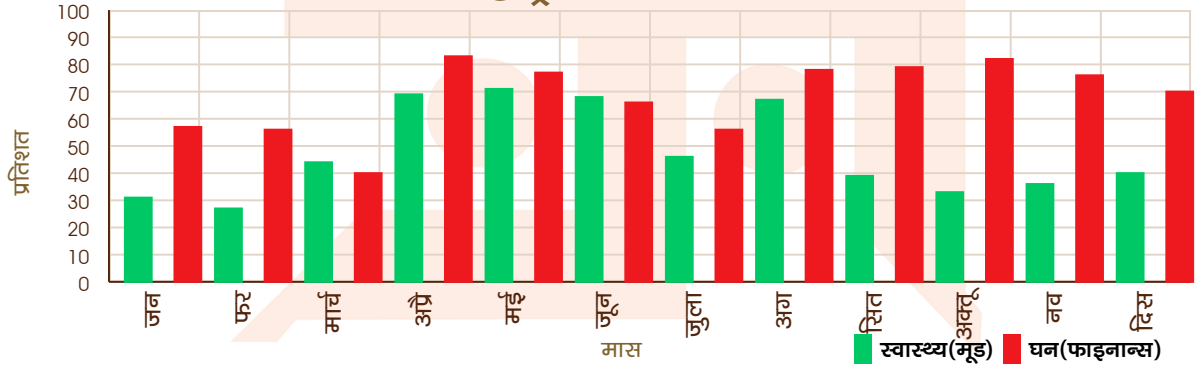
एस्ट्रोग्राफ - 2037



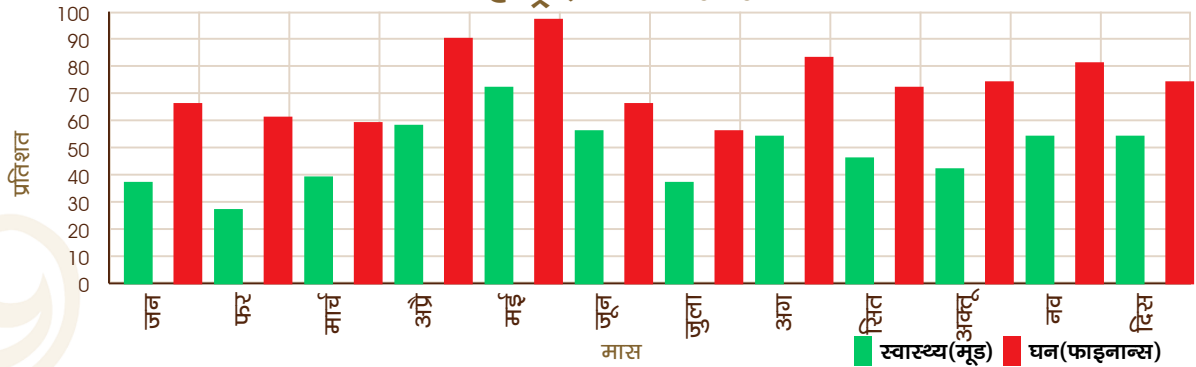
एस्ट्रोग्राफ - 2038



एस्ट्रोग्राफ - 2039



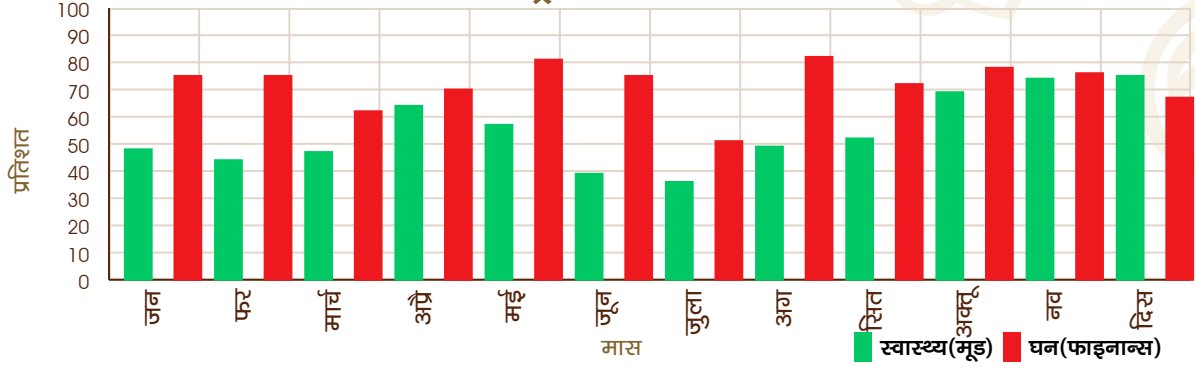
एस्ट्रोग्राफ - 2040



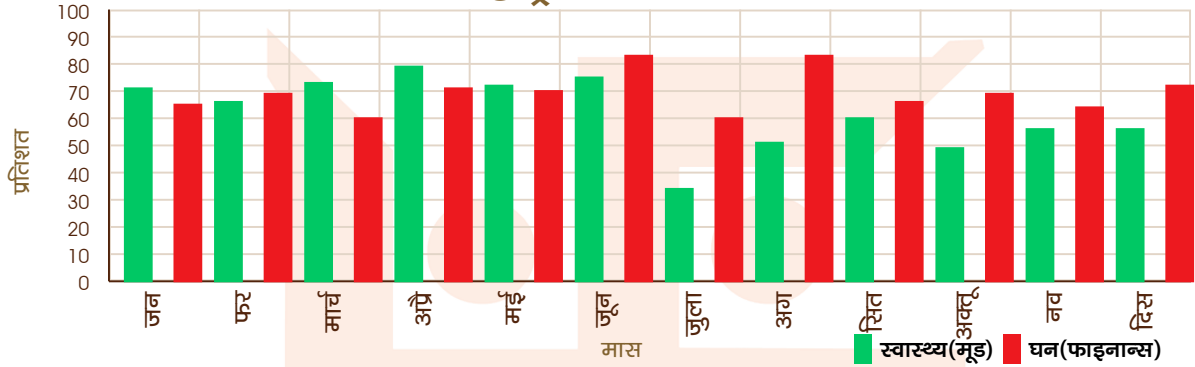
FUTUREPOINT
Astro Solutions



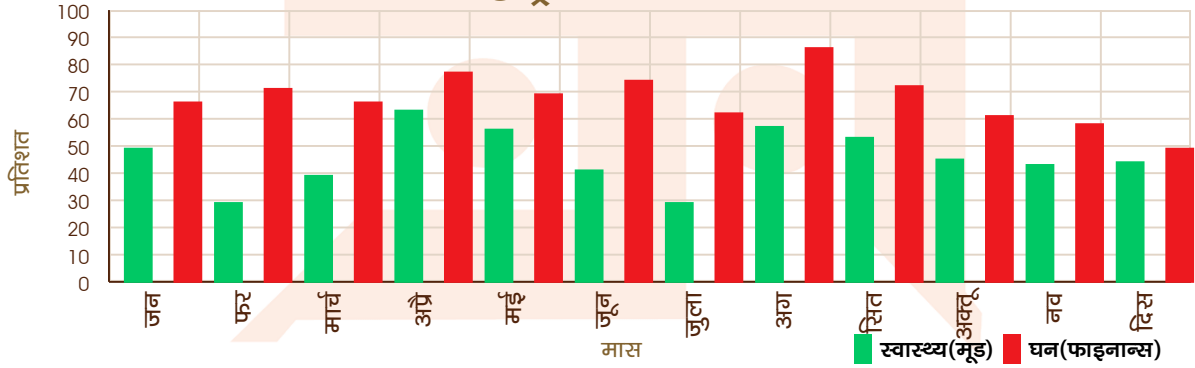
एस्ट्रोग्राफ - 2041



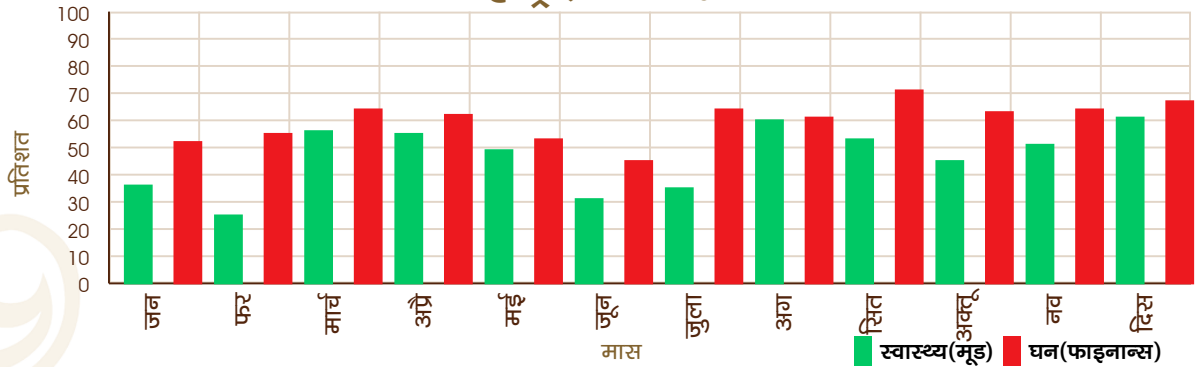
एस्ट्रोग्राफ - 2042



एस्ट्रोग्राफ - 2043



एस्ट्रोग्राफ - 2044



FUTUREPOINT
Astro Solutions



योग

वाशि योग

सूर्याद्व्ययगैर्वाशिर्द्वितीयगैश्चन्द्रवर्जितैर्वेशि ।
उत्कृष्टवचाः स्मृतिमानुद्योगयुतो निरीक्षते तिर्यक् ।
सर्वशरीरे पृथुलो नृपतिसमः सात्त्विको वाशौ ॥

॥ सारावली ॥ अ.14/श्लोक 1, 6 ॥

यदि जन्मकुंडली में सूर्य से द्वादश स्थान में चंद्रमा को छोड़कर अन्य ग्रह विद्यमान हो तो वाशि नामक योग बनता है ।

योग कारक ग्रह : शुक्र, शनि, सूर्य

योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्णरूप से घटित हो रहा है । फलस्वरूप आप उत्कृष्ट वाणी वाले, स्मरण शक्ति वाले, उद्यमी, तिरछी दृष्टि वाले, स्थूल शरीर वाले, राजा के समान व्यक्तित्व वाले तथा सात्त्विक प्रवृत्ति वाले होंगे ।

पृथ्वीपति योग

पत्यौ कुटुम्बस्य तृतीयराशौ स्थिते यदा पुंग्रहसौम्यदृष्टे ।
शुभ स्थिते खेचरनायके स्यात्स्वतुङ्गगे सर्वजनावनीशः ॥

॥ सर्वार्थचिन्तामणि ॥ अ. 3/श्लोक 17 ॥

यदि जन्मकुंडली में द्वितीय भाव का स्वामी तीसरे शुभ ग्रह तथा पुरुष ग्रह (सूर्य, मंगल, गुरु) से दृष्ट हो और शुभग्रह की राशि में या अपनी उच्च राशि में हो तो जातक पृथ्वी का राजा होता है ।

योग कारक ग्रह : गुरु, सूर्य

योग की संभावना : 72 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्ण रूप से घटित हो रहा है । फलस्वरूप आप कई देशों में सेवा करने वाले राष्ट्राध्यक्ष, राजदूत और उच्चस्तरीय राज्याधिकारी होंगे ।

नौका योग

होरादिकष्टकेभ्यः सप्तर्क्षगतैः क्रमेण योगाः स्युः ।
सलिलोपजीविविभवा बह्वाशाः ख्यातकीर्तयो हृष्टाः ।
कृपणा बलिनो लुब्धा नौसम्भूताश्चलाः पुरुषाः ॥

॥ सारावली ॥ अ. 21/श्लोक 11, 21 ॥

यदि जन्मपत्रिका में लग्न से सप्तम स्थान तक ही सातों ग्रह स्थित हों तो नौका योग बनता है ।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



योग कारक ग्रह : सूर्य,चंद्र,मंगल,बुध,गुरु,शुक्र

योग की संभावना : 45 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में नौकायोग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप जल द्वारा जीविका करके अधिक विभव तथा धन लाभ कर्ता, प्रसिद्ध, यशस्वी, आशावान, प्रसन्न चित्त, कृपण, बली, लालची और चंचल स्वभाव के प्राणी होंगे।

सुनफा योग

सुनफा रविरहितैः वित्तसंस्थैः कैरववनबान्धवाद्विहगैः।

श्रीमान् स्वबाहुविभवो बहुधर्मशीलः

शास्त्रार्थविद्बहुयशाः सुगुणाभिरामः।

शान्तः सुखी क्षितिपतिः सचिवोऽथ वा स्यात्।

सुतः पुमान् विपुलधीः सुनफाभिधाने॥

॥ सारावली ॥ अ. 13/श्लोक 1, 4॥

यदि जन्मकुंडली में सूर्य को छोड़कर चंद्रमा से धनभाव में कोई ग्रह हो तो सुनफा योग बनता है।

योग कारक ग्रह : बुध,चंद्र

योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्णरूप से घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप लक्ष्मीवान्, अपने परिश्रम से धनार्जन करने वाले, धार्मिक, यशस्वी, गुणी, शान्तप्रिय, सुखी, राजा या मंत्री होंगे।

अनफा योग

अनफा रविरहितैः।

अन्त्ये कैरववनबान्धवाद्विहगैः॥

वाग्मीप्रभुर्द्रविणवानगदः सुशीलो

भोक्तान्नपानकुसुमाम्बरकामिनीनाम्।

ख्यातः समाहितगुणः सुखशस्तचित्तो

योगे निशाकरकृते त्वनफे सुवेषः॥

॥ सारावली ॥ अ. 13/श्लोक 1, 5॥

यदि जन्मकुंडली में चंद्रमा से द्वादश भाव में सूर्य रहित कोई ग्रह हो तो अनफा योग बनता है।

योग कारक ग्रह : शुक्र,शनि,चंद्र

योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्णरूप से घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप कुशलवक्ता, सामर्थ्यवान्, धनवान्, नीरोग, सुन्दर शीलवान् अन्नपानपुष्पवस्त्र व स्त्री का सुख भोगने वाले, गुणी, सुखी तथा सुन्दर वेशभूषा वाले होंगे।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



सात्त्विक बुद्धि योग

शौर्याधिपे सौम्यान्विते सात्त्विकबुद्धियुक्तः ।

॥ सर्वार्थचिन्तामणि ॥ अ.4/श्लो.-40

यदि जन्मकुंडली में तृतीयेश बुध से युक्त हो तो जातक सात्त्विक बुद्धि का होता है ।

योग कारक ग्रह : बुध

योग की संभावना : 12 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप सात्त्विक बुद्धि के प्राणी होंगे, ऐसा प्रतीत होता है।

कंठरोग योग

पापे तृतीये गलरोगमत्र वदन्ति मांघादियुते विशेषात् ।

॥ सर्वार्थचिन्तामणि ॥ अ.4/श्लो.-47 ॥

यदि जन्मपत्रिका में तीसरे भाव में पाप ग्रह हो विशेषतः मांघंशादि युक्त हो तो कंठरोग होता है।

योग कारक ग्रह : राहु

योग की संभावना : 3 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको कंठ रोग होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

कर्णरोग योग

तृतीयनाथे पापान्विते पापनिरीक्षिते वा वदन्ति कर्णोद्ध्वरोगमत्र ।

॥ सर्वार्थचिन्तामणि ॥ अ.4/श्लो.-49 ॥

यदि जन्मपत्रिका में तृतीयेश पाप युक्त या दृष्ट हो तो कर्णरोग होता है।

योग कारक ग्रह : मंगल, शनि, राहु, बुध

योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्णरूप से घटित हो रहा है फलस्वरूप आपको कर्णरोग होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

एकपुत्र योग

पुत्रेशांशपतिः स्वभांशकगतो यद्येकपुत्रं वदेत् ।

॥ जातकपारिजात ॥ अ. 13/श्लो.-11 ॥

यदि जन्मपत्रिका में पंचम स्थान का स्वामी जिस नवांश में हो, उस नवांश का स्वामी निज नवांश में हो तो एक पुत्र योग बनता है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



योग कारक ग्रह : गुरु

योग की संभावना : 8 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको मात्र एक पुत्र का सुख प्राप्त हो ऐसा प्रतीत होता है।

विना पीड़ा मृत्यु योग

सौम्यांशके सौम्यग्रहेऽथ सौम्य सम्बन्धगे वा क्षयेऽथे ।
अक्लेशजातं मरणं नराणाम् ॥

॥ फलदीपिका-अ.14/श्लो.-21 ॥

यदि जन्मकुंडली में द्वादशेश सौम्यग्रह की राशि या सौम्य ग्रह के नवांश या सौम्य ग्रह के साथ स्थित हो तो विना पीड़ा की मृत्यु होती है।

योग कारक ग्रह : बुध

योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपका मरण बिना क्लेश का होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

पुनर्जन्म योग

महीजोमहीं सम्प्रापयेत्प्राणिनः
सम्बन्धाद्व्ययनायकस्य कथयेत्तत्रान्त्यराश्यंशतः ।

॥ फलदीपिका-अ.14/श्लो.-23 ॥

यदि जन्मपत्रिका में द्वादश भाव में मंगल हो या द्वादश भाव जिस ग्रह की नवांश में हो यदि उस नवांश में मंगल स्थित हो अथवा द्वादशेश मंगल से संबंध स्थापित करता हो तो जातक मरणोपरांत शीघ्र जन्म लेकर पृथ्वी पर आता है।

योग कारक ग्रह : मंगल, बुध

योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप मरणोपरांत पुनर्जन्म लेकर पृथ्वी पर आएँगे। ऐसा प्रतीत होता है।

वैकुण्ठवास योग

वैकुण्ठं शशिजो सम्प्रापयेत्प्राणिनः
सम्बन्धाद्व्ययनायकस्य कथयेत्तत्रान्त्यराश्यंशतः ।

॥ फलदीपिका-अ.14/श्लो.-23 ॥

यदि जन्मपत्रिका के द्वादश भाव में बुध स्थित हो या द्वादश भाव जिस ग्रह की नवांश में हो यदि उस नवांश में बुध हो अथवा द्वादश भाव के स्वामी बुध से कोई संबंध स्थापित करता हो तो मरणोपरांत वैकुण्ठवासी होता है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



योग कारक ग्रह : बुध

योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप मरणोपरांत वैकुण्ठवासी होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

बहुभार्या योग

कुटुम्बकलत्रनाथाभ्यां समेतैर्ग्रहनायकैर्वा कलत्रसंख्यां प्रवदन्ति सन्तः ॥
॥ सर्वार्थचिन्तामणि ॥ अ.-6/श्लो.-14 ॥

यदि जन्मकुण्डली में द्वितीयेश या सप्तमेश के साथ जितने ग्रह हों उतनी पत्नी होती हैं।

योग कारक ग्रह : चंद्र,सूर्य

योग की संभावना : 12 में 1

आपकी जन्मकुण्डली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपके दो या दो से अधिक जीवनसाथी हो सकते हैं। ऐसा प्रतीत होता है।

बहुस्त्री योग

लाभदारेश्वरौ युक्तौ परस्परनिरीक्षितौ ।
बलाढ्यौ वा त्रिकोणस्थौ बहुस्त्रीसहितो भवेत् ॥
॥ सर्वार्थचिन्तामणि ॥ अ.-6/श्लो.-31 ॥

यदि जन्मकुण्डली में लाभेश सप्तमेश से युक्त हों अथवा परस्पर देखते हों और बलिष्ठ हो या त्रिकोणस्थ हो तो बहुस्त्री योग बनता है।

योग कारक ग्रह : शुक्र

योग की संभावना : 172 में 1

आपकी कुण्डली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपका संबंध कई से होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

सुलक्षणी स्त्री योग

दारेशे शुभसंयुक्ते शुभखेचरवीक्षिते ।
शुभग्रहाणां मध्यस्थे सत्कलत्रादिभागभवेत् ॥
॥ सर्वार्थचिन्तामणि ॥ अ.-6/श्लो.-40 ॥

यदि जन्मपत्रिका में सप्तमेश शुभ ग्रह से युक्त, शुभ ग्रह से दृष्ट तथा शुभ ग्रहों के मध्य में हो तो जातक को सुलक्षणी स्त्री प्राप्त होती है।

योग कारक ग्रह : शनि,शुक्र

योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मकुण्डली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपका

जीवनसाथी सुलक्षणी होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

विवाहोपरान्त भाग्योदय योग

भाग्यं विवाहत्परतो वदन्ति शुक्रैस्तगे चोपचयान्विते वा ।

कुटुम्बमेतादृशभावयुक्ते लग्नेश्वरे वा शुभदृष्टियोगे ॥

॥ सर्वार्थचिन्तामणि ॥ अ.-6/श्लो.-62 ॥

जन्मपत्रिका में यदि शुक्र सप्तम में हो अथवा उपचय 3/6/11/10 स्थानों में हो अथवा द्वितीयस्थ हो अथवा लग्नेश इन भावों में से किसी भी स्थान में हो एवं शुभ ग्रह द्वारा निरीक्षित हो तो विवाहोपरान्त भाग्योदय होता है।

योग कारक ग्रह : चंद्र, गुरु

योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपका भाग्योदय विवाहोपरान्त होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

स्त्री मृत्यु या अपुत्र योग

दारेशे सुतगे प्रणष्टवनितोऽपुत्रोऽथवा ।

॥ फलदीपिका ॥ अ.-10/श्लो.-2 ।

यदि जन्मपत्रिका में सप्तमेश संतान भाव में स्थित हो तो पत्नी या पुत्र मर जाता है।

योग कारक ग्रह : शनि

योग की संभावना : 12 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपका जीवनसाथी मर सकता है अथवा आप पुत्रहीन होंगे, ऐसा संभाव्य है।

द्विभार्या योग

षष्ठेऽंगपे द्विभार्यः ।

॥ बृहद्योग रत्नाकर ॥ पृ. 302 ॥

यदि जन्मपत्रिका में लग्नेश षष्ठ भाव में चला गया हो तो द्विभार्या योग बनता है।

योग कारक ग्रह : चंद्र

योग की संभावना : 12 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपके दो विवाह हो, ऐसा प्रतीत होता है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



गजकेसरी योग

‘‘केन्द्रस्थिते देवगुरौ शशाङ्काद्योगस्तदाहुर्गजकेसरीति ।
दृष्टे सितार्येन्दुसुतैः शशाङ्के नीचास्तहीनैर्गजकेसरीस्यात् ।।’’

।। बृ. पा. होरा. -योगाध्याय-श्लो. 1 ।।

चन्द्रमा से केन्द्र में गुरु हो तो गजकेसरी योग होता है और चन्द्रमा नीच अस्तादि में न गये हुये शुक्र, गुरु और बुध से देखा जाता हो तो भी गजकेशरी योग होता है।

योग कारक ग्रह : गुरु, चंद्र

योग की संभावना : 3 में 1

आपकी पत्रिका में गजकेसरी योग का सृजन हो रहा है। फलस्वरूप आप धनी, मेधावी, गुणी तथा राजप्रिय सम्मानित पुरुष होंगे।

मत्स्य योग

‘‘लग्नधर्मगते पापे पञ्चमे सदसद्युते,
चतुरस्रं गते पापे योगोऽयं मत्स्यसंज्ञकः ।।’’

।। बृ. पा. होरा. -योगाध्याय-श्लो. 21 ।।

यदि जन्मपत्रिका में लग्न से नवम भाव में पापग्रह हो, पंचम भाव में शुभग्रह और पापग्रह दोनों हों, चौथे अथवा आठवें भाव में पापग्रह हों तो ‘‘मत्स्य’’ योग होता है।

योग कारक ग्रह : मंगल, केतु

योग की संभावना : 36 में 1

आपकी पत्रिका में पूर्ण रूपेण ‘‘मत्स्य’’ योग का सृजन हो रहा है। फलस्वरूप आप ज्योतिष शास्त्र में निपुण ज्योतिषी, दयावान, गुणवान, बुद्धिमान, शक्तिशाली, रूपवान(सुन्दर), यशस्वी, विद्वान एवं तपस्वी होंगे

उत्तमवर्ग योग

‘‘नीरोगतामुत्तमवर्गयातः ।।’’

।। बृ. पा. होरा. -योगाध्याय-श्लो. 34 ।।

जिस जातक की पत्रिका के ‘‘उत्तमवर्ग’’ भाग में ग्रह हों तो वह प्राणी सभी प्रकार से निरोग रहता है।

योग कारक ग्रह : गुरु

योग की संभावना : 3 में 1

आपकी पत्रिका में ग्रह ‘‘उत्तमवर्ग’’ में स्थित है। फलस्वरूप आप सभी प्रकार से निरोग रहेंगे।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



गोपुरांश योग

”सगोपुरांशो यदि गोधनानि ”

॥ बृ. पा. होरा. -योगाध्याय-श्लो. 34 ॥

जिस जातक की पत्रिका में “गोपुरांश” भाग में ग्रह स्थित हो, वह मनुष्य गौ और धन दोनों से युक्त होता है।

योग कारक ग्रह : शुक्र, राहु

योग की संभावना : 4 में 1

आपकी पत्रिका में “गोपुरांश” योग का सृजन हो रहा है। फलस्वरूप आप गो धन अर्थात् पशुओं और धन से पूर्ण रहेंगे।

वासि योग

”व्ययखेटैर्वाशि दिनेशात् ।”

॥ बृ. पा. होरा. -योगाध्याय-श्लो. 51 ॥

यदि जन्मपत्रिका में सूर्य से बारहवें भाव में कोई ग्रह हो तो “वासि” योग का निरूपण होता है।

योग कारक ग्रह : शुक्र, शनि, सूर्य

योग की संभावना : 3 में 1

आपकी पत्रिका में पूर्णरूपेण “वासि” योग का सृजन हो रहा है। फलस्वरूप आपकी दृष्टि मन्द अर्थात् आपमें दृष्टिदोष रहेगा। आप परिश्रमी, नीचे देखनेवाला एवं असत्यवादी होंगे।

वेशि योग

”धनखेटैर्वेशी दिनेशात्”

॥ बृ. पा. होरा. -योगाध्याय-श्लो. 51 ॥

यदि जातक के जन्मकाल पत्रिका में सूर्य से द्वितीय भाव में कोई ग्रह स्थित हो, तो जातक पर वेशि योग का सृजन होगा।

योग कारक ग्रह : बुध, सूर्य

योग की संभावना : 3 में 1

आपकी पत्रिका में पूर्णरूपेण “वेशि” योग का सृजन हो रहा है। फलस्वरूप आप दयावान, स्थूल शरीर वाले, चतुरवक्ता, आलस्य से युक्त एवं वक्र दृष्टि वाले प्राणी होंगे।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

